ISSN– 2395-1699

निरयणं दृक्तुल्यञ्च केतकीपक्षसम्मतम्। नैसर्गिकं हि पञ्चाङ्गं भारते भासतां सदा।।

भारतीय शास्त्रसम्मत दृक्तुल्य निरयण चित्रापक्षीय

नैसर्गिक-पञ्चाङ्ग

राजा-शनि	मन्त्री-गुरु
विक्रमसंवत् - २०७९	शकसंवत् - १९४४
कलिसंवत् - ५१२३	ईसवीय - २०२२-२०२३

संरक्षक एवं प्रधानसम्पादक - प्रो. रामचन्द्र पाण्डेय

सम्पादक - प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी

सह सम्पादक - डॉ. अशोक थपलियाल

प्रकाशक - नैसर्गिक शोध संस्था, दिल्ली इकाई, नई दिल्ली



ज्योतिःशास्त्रविचारणाचरणभागध्यायबोधोल्लसत्
प्रज्ञाज्ञानसुशिष्यचक्रविकिरद्विज्ञानपारम्परी ।
स्वर्गङ्गामवगाहतेऽमलतनुर्हंसीव यस्य स्वतः
स्वर्यातः स सदा स्मृतामृतयशाः कल्याणदत्तो गुरुः॥

– सम्पादक

पुण्य स्मृति में समर्पित

प्रातः स्मरणीय राष्ट्रपति सम्मानित गोलोकवासी महा महोपाध्याय पण्डित प्रवर श्रीकल्याणदत्त शर्मा जी का सम्पूर्ण जीवन केतकी ग्रहगणित के द्वारा पंचाग निर्माण और पंचांगों के परिमार्जन और शुद्धिकरण के लिए विभिन्न स्थानों में ज्योतिष के प्रत्यक्ष ज्ञान के निमित्त पाषाण वेधशालाओं के निर्माण में व्यतीत हुआ । आपने अपने जीवन का सर्वाधिक समय सभी भारतीय पंचांगों को दृक्सिद्ध बनाने में व्यतीत किया । आपके द्वारा अध्यापित और प्रशिक्षित ज्योतिष शास्त्र के अनेक अध्येता आज ज्योतिष जगत् में कार्यरत हैं। उत्तर भारत में एकमात्र शुद्ध केतकरीय पद्धति पर आधारित यह पंचाग भी मूल रूप में आपकी ही भावनाओं का प्रतिफल है। अतः इस पंचांग को कीर्तिशेष महा महोपाध्याय पण्डित प्रवर श्रीकल्याणदत्त शर्मा जी की पुण्यस्मृति में समर्पित करते हुए संस्था अपार हर्ष का अनुभव कर रही है।

संरक्षक एवं प्रधान सम्पादक
प्रो० रामचन्द्र पाण्डेय
अध्यक्षचर ज्योतिष विभाग, सङ्काय प्रमुख-सं.वि.ध.वि.सङ्काय
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी-5

सम्पादक एवं गणितकर्त्ता (अवैतनिक)
प्रो० देवीप्रसाद त्रिपाठी
कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय
हरिद्वार, उत्तराखण्ड

© सम्पादक

उपहार

M.Katyayana

प्रबन्ध सम्पादक (अवैतनिक)
प्रो० मीनाक्षी मिश्र
आचार्या शिक्षाशास्त्र विभाग
श्री ला. ब. शा. रा. सं. वि.वि.
केन्द्रीय विश्वविद्यालय
नई दिल्ली-110016

सह सम्पादक (अवैतनिक)
डॉ० अशोक थपलियाल
सहाचार्य एवं अध्यक्ष, वास्तुशास्त्र विभाग
श्री ला. ब. शा. रा. सं. वि.वि.
केन्द्रीय विश्वविद्यालय
नई दिल्ली-110016

सम्पादन सहायक (अवैतनिक)
डॉ० देशबन्धु, डॉ० प्रवेश व्यास,
डॉ० योगेन्द्र कुमार शर्मा, डॉ० दीपक वशिष्ठ,
डॉ. नवीन पाण्डेय, डॉ. मृत्युञ्जय त्रिपाठी, श्री भगवतीप्रसाद त्रिपाठी

प्रकाशक नैसर्गिक शोध संस्था, दिल्ली इकाई, RZG-271, पालम कालोनी, नई दिल्ली
मुख्य कार्यालय - 38 मानस नगर कालोनी, वाराणसी-5

प्रकाशन वर्ष - 2022 ई., पुष्प -अष्टम मूल्य - रु. 80/-

पञ्चाङ्ग परिचय

अक्षांश 28°39° N, रेखांश 77°12°E, पलभा 06°33°

भारतवर्ष में सम्प्रति विभिन्न पद्धतियों से पञ्चाङ्ग निर्माण होता है। इनमें तिथ्यादि के मानों में विसंगति के कारण व्रत पर्वोत्सव में भी विसंगतियां दृष्टिगोचर होती हैं। इस विषय में ध्यातव्य है कि हमारे ऋषि-महर्षियों एवं आचार्यों ने सदैव ही दृक्तुल्य गणित का समर्थन किया है। ऋषि वसिष्ठ का कथन है कि -

यस्मिन् पक्षे यत्र काले येन दृग्गणितैक्यकम्।
दृश्यते तेन पक्षेण कुर्यात्तिथ्यादिनिर्णयम्॥

इसी प्रकार प्रसिद्ध आर्षग्रन्थ सूर्यसिद्धान्त कालभेदानुसार गणित में अन्तर को - **युगानां परिवर्तनेन कालभेदोऽत्र केवलः** कहकर दृक्तुल्यता का ही समर्थन करता है। यथा -

तत्तद्गतिवशान्नित्यं यथा दृक्तुल्यतां ग्रहाः।
प्रयान्ति तत्प्रवक्ष्यामि स्फुटीकरणमादरात्॥

एवमेव भास्कराचार्य द्वितीय, आचार्य गणेश दैवज्ञ आदि प्रायः सभी सिद्धान्त ज्योतिष के महान आचार्य दृक्तुल्य गणित को ही विवाहादि संस्कारों तथा व्रत-पर्वोत्सवादि कार्यों के लिए आवश्यक मानते हैं। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए यह पञ्चाङ्ग दृक्तुल्य चित्रापक्षीय केतकीय ग्रहगणितीय पद्धति पर दिल्ली के अक्षांश एवं रेखांश के अनुसार निर्मित है।

इस पञ्चाङ्ग में तिथि, नक्षत्र, योग और करण के आगे निर्दिष्ट घटी व पल तत्सम्बन्धी तिथ्यादि के सूर्योदय के बाद की स्थिति को बताता है। इसी प्रकार तिथि व नक्षत्र के घटी पल के आगे निर्दिष्ट घण्टा मिनट उसके समाप्ति काल को प्रदर्शित करता है। इस पञ्चाङ्ग में प्रयुक्त घण्टा व मिनट मान भारतीय स्टैण्डर्ड समय अर्थात् रेडियो टाइम के अनुसार दिये गये हैं। अतः इस पञ्चाङ्ग के समय को भारत में अपनी घडी के अनुरूप मिलाकर समय का अनुपालन कर सकते हैं। इस पञ्चाङ्ग में दिए गए मान यथासम्भव विशुद्ध देने के प्रयास किए गए हैं। फिर भी यान्त्रिकीय एवं मानवीय त्रुटियाँ स्वाभाविक हैं। अतः पाठकों से नम्र निवेदन है कि वे त्रुटियों पर ध्यान न देते हुए पञ्चाङ्ग के उपयोगी तथ्यों को ग्रहण करेंगे। यतः -

गच्छतः स्खलनं क्वापि भवत्येव प्रमादतः।
हसन्ति दुर्जनास्तत्र समाददति सज्जनाः॥ - सम्पादक

विषय सूची

मङ्गलवाक्

सर्वविद्या की राजधानी के अधिष्ठाता एवं सभी विद्याओं के गुरु बाबा विश्वनाथ के अनुग्रह से नैसर्गिक शोध संस्था विगत छह वर्षों से नैसर्गिक-पञ्चाङ्ग का प्रकाशन करती आ रही है। इस वर्ष संस्था विक्रम संवत् 2078 के पञ्चाङ्ग का प्रकाशन वास्तुशास्त्र विभाग, श्रीलाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) नई दिल्ली के साथ संयुक्त तत्त्वावधान में कर रही है। इस महनीय अवसर पर मैं संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय जी का हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ।

भारतीय पद्धति से दृक्तुल्य पञ्चाङ्ग का निर्माण एवं प्रकाशन नैसर्गिक शोधसंस्था का मुख्य उद्देश्य रहा है। भारतीय दैवज्ञों के सिद्धान्तों का सदैव मैं आदर करता रहा हूँ। इसीलिए आचार्यो के निर्देशानुसार सूर्यसिद्धान्त में अपेक्षित परिष्कारों के साथ उसी सिद्धान्त के अनुसरण का पक्षपाती रहा हूँ। आचार्यों के वचन हमें नित्य नये परिष्कारों के लिए प्रेरित करते हैं-

सौरोऽर्कोऽपि विधूच्चमङ्ककलिको नाब्जस्तमस्तवार्यज-
स्तेभ्यः स्याद्ग्रहणादिदृग्समियं प्रोक्ता मया सा तिथिः।
ग्राह्या मङ्गलधर्मनिर्णयविधावेषा यतो दृक्समाऽ-
थापेक्षा यदि चालितोपकरणैस्तत्पक्षजा स्यात्तिथिः॥-तिथिचिन्तामणि18

मुझे प्रसन्नता है कि सूर्यसिद्धान्त के परिष्कार सम्बन्धी अनुसन्धान में कई युवा विद्वान कार्यरत हैं। इसी बीच भारतीय शुद्ध पञ्चाङ्गों की आवश्यकता को देखते हुए आचार्य गणेशदैवज्ञ एवं आचार्य केतकर के मार्गो का अनुसरण करते हुए दृक्तुल्य पञ्चाङ्ग का प्रयास किया गया। केतकीय ग्रहगणित सिद्धान्त पर आधारित नैसर्गिक पञ्चाङ्ग शास्त्रसम्मत एवं दृक्तुल्य है। संस्था किसी भी आर्थिक लाभ की दृष्टि से नही अपितु भारतीय विद्याओं के प्रसार एवं संवर्धन हेतु कार्य करती है। इस महनीय कार्य में प्रयास करने के बाद भी कुछ त्रुटियां सम्भव हैं। अतः प्रबुद्ध पाठकगण उनका मार्जन करते हुए अवगत कराने का कष्ट करेंगे ताकि अग्रिम अङ्कों में उनका समुचित समाधान किया जा सके। सहयोग हेतु संस्था सदैव आभारी रहेगी।

मैं इस श्रमसाध्य कार्य के लिए प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी को साधुवाद देता हूँ जिन्होंने संस्था के लिए निःस्वार्थभाव से अपने व्यस्त क्षणों से समय निकाल कर इस कार्य को पूर्णता तक पहुंचाया। वास्तुशास्त्रविभाग के प्राध्यापकगण के साथ ही संस्था के सभी सदस्यों एवं सहयोगियों को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। अन्त में संस्था की ओर से आगामी भारतीय नववर्ष की हार्दिक शुभकामनायें। नववर्ष देश एवं देशवासियों के लिए सभी प्रकार से सुख एवं सम्मान में वृद्धिकारक हो। शुभमिति।

गीता जयन्ती, सं २०७८
नैसर्गिक शोध संस्था, वाराणसी

प्रो. रामचन्द्र पाण्डेय
संरक्षक एवं प्रधान सम्पादक

प्रास्ताविकम्

अथर्ववेद का उपवेद स्थापत्यवेद भवनादि निर्माण कला की अत्यन्त सुप्रसिद्ध प्राचीन विधा है, जो भारतीय वास्तुशास्त्र नाम से जानी जाती है। यह उत्तरवर्ती काल में वास्तुविद्या के नाम से सुविख्यात हुई। इस विद्या का उल्लेख वराहमिहिराचार्य ने बृहत्संहिता में किया है। महाराज भोजदेव ने वास्तुशास्त्र के अङ्ग के रूप में ज्योतिष को स्वीकार किया है-

सामुद्रं गणितञ्चैव ज्योतिषं छन्द एव च।
सिराज्ञानं तथा शिल्पं यन्त्रकर्मविधिस्तथा॥
एतान्यङ्गानि जानीयाद्वास्तुशास्त्रस्य बुद्धिमान्।- सं.सू. 44/3-4

वस्तुतः वास्तुशास्त्र एवं ज्योतिष अङ्ग-अङ्गी के रूप में परस्पर सम्बन्धित तथा एक दूसरे के बिना अपूर्ण हैं। अतः वास्तुशास्त्र के अध्येताओं के लिए भी ज्योतिष का अध्ययन आवश्यक है। इसी कारण वास्तुशास्त्र विभाग ने अपने पाठ्यक्रम में ज्योतिष के महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों को स्थान दिया है। वास्तुशास्त्र में ज्योतिष के मानविधान, मुहूर्त आदि अनेक भागों का उपयोग होता है।

ज्योतिषशास्त्र का मुख्य लक्ष्य घटनाओं का पूर्वानुमान करना है, जो ग्रहों की गति एवं स्थिति के सम्यक् ज्ञान के बिना सम्भव नहीं है -

ज्योतिःशास्त्रफलं पुराणगणकैरादेश इत्युच्यते।
नूनं लग्नबलाश्रितः पुनरयं तत्स्पष्टखेटाश्रयम्॥-सि.शि.गो.प्र.6

इसी ग्रहगणना के सदुद्देश्य से प्राचीन काल से ही पञ्चाङ्ग निर्माण करना ज्योतिर्विदों का प्रमुख कार्य रहा है। सम्प्रति भारतवर्ष में अनेक पद्धतियों के आधार पर पञ्चाङ्ग प्रचलित हैं, परन्तु इन पञ्चाङ्गों के तिथ्यादि मानों में विविधता के कारण व्रत, पर्वोत्सवों में भिन्नता परिलक्षित होती है। हमारे मनीषियों ने सदैव दृक्तुल्यता को व्रतपर्वोत्सवों के आचरण में प्रमाण माना है। आचार्य भास्कर कहते हैं -

यात्राविवाहोत्सवजातकादौ खेटैः स्फुटैरेव फलस्फुटत्वम्।
स्यात्प्रोच्यते तेन नभश्चराणां स्फुटक्रिया दृग्गणितैक्यकृद्या॥सि.शि.स्प.1

इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए शास्त्रसम्मत दृक्तुल्य चित्रापक्षीय केतकी ग्रहगणितीय पद्धति के आधार पर नैसर्गिक शोध संस्था द्वारा प्रख्यात ज्योतिर्विद प्रो. रामचन्द्र पाण्डेय जी के मार्गनिर्देशन में नैसर्गिक-पञ्चाङ्ग प्रकाशित किया जाता रहा है। इस पञ्चाङ्ग के प्रकाशन से न केवल वास्तुशास्त्र, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, वेद एवं पौरोहित्य के छात्र,अध्यापक एवं जिज्ञासुजन अपितु भारतीय संस्कृति में आस्था रखने वाले सामान्य लोग भी लाभान्वित होंगे। अतः मैं इस महनीय कार्य से जुडे सभी विद्वानों को साधुवाद देते हुए सुधीजनों के करकमलों में यह ज्ञानपुष्प समर्पित कर अत्यन्त हर्ष का अनुभव कर रहा हूँ। शमिति।

मकरसङ्क्रान्ति, सं.२०७८
उ.सं.वि.वि., हरिद्वार

प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी
सम्पादक

संवत्सरादिफलम् 2022–23 ई.

कलियुगाब्द	5123	ईसवी सन्	2022–23
फसली	1429–30	शालिवाहन शक	1944
हिजरी	1443–44	विक्रम संवत्	2079
सप्तर्षिसंवत्	5098	महावीरजैननिर्वाणसंवत्	2547–48
श्रीबुद्धसंवत्	2645–46	भारतीय गणराज्यवष	72–73

वर्षादिकृत्य

अब्दादौ प्रातरुत्थाय दन्तधावनपूर्वकम् ।
स्नानं सन्ध्याविधिं कृत्वा वर्णाचारक्रमेण तु ॥
अब्दादौ मित्रसंयुक्तो मङ्गलस्नानमाचरेत् ।
वस्त्रैराभरणैर्देहमलङ्कृत्य ततश्शुचिः ॥
अब्दादौ ग्रहपूजाञ्च पूजाञ्च चिरजीविनाम् ।
मिष्टान्नेन द्विजान् बन्धून् पितृन् सन्तर्पयेत्ततः ॥

वर्षारम्भ के दिन प्रातःकाल में दन्तधावनादि कार्योपरान्त मंगलस्नान करके सन्ध्यादि कृत्य पूरा करने के बाद नववस्त्र धारण करके ग्रहादि का पूजन करना चाहिए। साथ ही बन्धुजन, ब्राह्मण और पितरों को मिष्ठान्नादि से संतृप्त करना चाहिए ।

प्राप्ते नूतनवत्सरे प्रतिगृहे कुर्याद्ध्वजारोपणम् ।
स्नानं मङ्लमाचरेद् द्विजवरैः सार्धं सुपूजोत्सवम् ॥
देवानां गुरुयोषिताञ्च विभवालङ्कारवस्त्रादिभिः ।
सम्पूज्यो गणकः फलञ्च श्रृणुयात्तस्माच्च लाभप्रदम् ॥
परिभद्रस्य पत्राणि कोमलानि विशेषतः ।
सुपुष्पाणि समानीय चूर्णं कृत्वा विधानतः ॥
मरीचिर्लवणं हिंगुजीरकेण च संयुतम् ।
अजमोदयुतं कृत्वा भक्षयेद् रोगशान्तये ॥
यद् वर्षादौ निम्बसुमं शर्कराम्लघृतैर्युतम् ।
भक्षितं पूर्वयामे स्यात् तद्वर्षं सौख्यदायकम् ॥

संवत्सरादि फल श्रवण का माहात्म्य-

राज्यं स्यादचलं नृपश्रवणतो मन्त्रीश्रवात् कौशलम् ।
धान्येशात् कमला स्थिरा च सुरसा वाणी भवेन्मेघपात् ॥
धर्मे बुद्धिरधिष्ठिता रसपतेर्दीर्घायुषत्वं भवेत् ।
सस्येशाद् विमला मतिः शुभकरी वर्षावली श्रूयताम् ॥

वर्षारम्भ में संवत्सर के राजा का फल सुनने से राज्य स्थिर होता है। मंत्री का फल सुनने से कुशलता बढ़ती है। धान्येश का फल श्रवण से लक्ष्मी स्थिर होती है। मेघपति का फल सुनने से वाणी रम्या होती है। रसपति के फल श्रवण से दीर्घायु मिलती है। अतः शुभ एवं कल्याणकारी वत्सरावली का श्रवण करना चाहिए ।

संवत्सरादि फलश्रवणविधि

उदङ्मुखः प्राङ्मुखो वा दैवज्ञस्य तु सन्निधौ ।
विघ्नेशं भारतीं खेटान् दैवज्ञं ब्राह्मणान् गुरून् ॥
सम्पूज्य वत्सरफलं साङ्गोपाङ्गं यथाक्रमम् ।
विकासवदनो भूत्वा ब्राह्मणो जन्मतः फलम् ॥
अब्दाधीशचमूनाथसस्यापानां बलाबले ।
तत्कालग्रहचारांश्च सम्यक् ज्ञात्वा फलं लभेत् ॥

दैवज्ञ के समीप में पूर्वमुख यां उत्तरमुख होकर गणेश, सरस्वती, नवग्रह, गुरू, ब्राह्मण आदि का पूजन करके सांगोपांग वर्ष का फल सुनना चाहिए।

ब्रह्मायुर्निरूपणम् – श्रीमद्भगवतो विष्णोः नाभिकमलोद्भवस्य ब्रह्मणो ब्राह्ममानेन परमायुः 100 वर्षाणि। 311040000000000 सौरवर्षाणि ब्रह्मणः परमायुः। ब्रह्मणः जन्मादिगतसौरवर्षाणि 155521972949123 कल्पादितः गतसौरवर्षाणि 1972949123 सृष्ट्यादितः गतवर्षाणि 1955885123 अथ ब्रह्मणो द्वितीयपरार्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे सप्तविंशतिमहायुगानि व्यतीतानि। अष्टाविंशमहायुगस्य च कृतत्रेताद्वापराख्ययुगचरणत्रयं व्यतीतम्। **कृतयुगवर्णनम्** – कार्तिकशुक्लनवम्यां प्रथमयामे श्रवणनक्षत्रे वृद्धियोगे कृतयुगोत्पत्तिः। सन्ध्यासन्ध्यांशसहितं तन्मानम् 1728000 सौरवर्षाणि। अस्मिन् युगे श्रीविष्णोः मत्स्यकच्छपवाराहनृसिंहाः चत्वारोऽवताराः । तत्र पापम् 0 पुण्यम् 20। **त्रेतायुगवर्णनम्**– वैशाखशुक्लतृतीयायां द्वितीययामे रोहिणीनक्षत्रे शोभनयोगे त्रेतायुगोत्पत्तिः। सन्ध्यासन्ध्यांशसहितं तन्मानम् 1296000 सौरवर्षाणि। अस्मिन्युगे श्रीविष्णोः वामनपरशुरामरामास्त्रयोवताराः। तत्र पापम् 5 पुण्यम् 15।

द्वापरयुगवर्णनम्- माघकृष्णामावस्यायां तृतीययामे धनिष्ठानक्षत्रे वरीयानयोगे द्वापरयुगोत्पत्तिः। सन्ध्यासन्ध्यांशसहितं तन्मानम् **864000** सौरवर्षाणि। अस्मिन्युगे श्रीविष्णोः श्रीकृष्णबलरामावतारौ, तत्र पापम् **10** पुण्यम् **10** । **कलियुगवर्णनम् -** भाद्रपदकृष्णत्रयोदश्यां निशीथे कृत्तिकानक्षत्रे व्यतीपीतयोगे कलियुगोत्पत्तिः, सन्ध्यासन्ध्यांशसहितं तन्मानम् **4,32,000** सौरवर्षाणि। अस्मिन्युगे श्रीविष्णोः बुद्धाऽवतारोऽभवत्। कलियुगस्य **821** वर्षावशेषकाले कल्क्यवतारो भविष्यति। तत्र पापम् **15** पुण्यम् **5** । सम्प्रति कलेः **5122** सौरवर्षाणि गतानि। भोग्यवर्षाणि **426878** कलिसम्वत् **5123**।

बार्हस्पत्यवर्षफलम् - तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये चैत्रशुक्लप्रतिपदि राक्षस नाम संवत्सरः। तस्य गतमासादयः 10/02/56/48, भोग्यमासादयः 01/27/03/12। केतकी ग्रहगणितादि नवीन मतानुसार इस वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को राक्षस नाम का संवत्सर है। वर्षारम्भ में होने के कारण वर्षान्तपर्यन्त राक्षस संवत्सर का प्रयोग संकल्पादि में करना चाहिए।

राक्षस संवत्सर का फल इस प्रकार है-

कोद्रवाः शालिमुद्गादि पीड़ितं च वरानने ।
सर्वधान्यानि चार्घाणि राक्षसे पीड़िताः प्रजाः ॥

अर्थात् राक्षस नाम के संवत्सर में कोदो, धान, मूँग आदि सभी अन्नों का नाश होता है तथा जनता पीड़ित होती है । चैत्र,वैशाख तथा ज्येष्ठ में तेल महँगा होता है। ज्येष्ठ तथा आषाढ़ में गुड़ तथा चीनी महँगी होती है। श्रावण में अल्पवृष्टि होती है तथा अन्न में महँगाई होती है । राक्षस संवत्सर का स्वामी शुक्र ग्रह है। भाद्रपद महीने में अतिवृष्टि और अन्नादि सस्ते होंगे। आश्विन में मध्यम स्थिति रहती है। कार्तिक महीने में रोग का भय व्याप्त रहता है । मार्गशीर्षादि 4 महीनों में अन्न सस्ता, राजा तथा प्रजा सुखी रहती है। फाल्गुन में सुभिक्ष की स्थिति रहती है ।

तत्र मतान्तरेण (सूर्यसिद्धान्तादिप्राचीनमतानुसारेण) नलनाम संवत्सरः। तस्य गतमासादयः 01/05/19/40 भोग्यमासादयः 10/24/40/20।

नल संवत्सर का फल इस प्रकार है-

दुर्भिक्षं जायते घोरं धान्यमौषधिपीडितम् ।
नले च धनधान्यानि समाख्यातं वरानने ॥

अभिप्राय यह है कि नल नामक संवत्सर में घोर अकाल पड़ता है । अन्न तथा औषधियों का नाश होता है तथा अन्न का भाव महँगा होता है। नल नामक संवत्सर षष्टि संवत्सरों में ५० संख्यात्मक संवत्सर है, जिसका स्वामी शनि है। इस संवत्सर के प्रथम मास अर्थात् चैत्र के महीने में रोग की अधिकता रहती है तथा वायु की प्रबलता रहती है । वैशाख महीने में अन्न का संग्रह लाभकारी होता है। ज्येष्ठ महीने में राजाओं में परस्पर विरोध तथा मतभेद रहते है परन्तु जनता सुखी रहती है। व्यापारी वर्ग को आषाढ़ के महीने में संग्रह करना चाहिए तथा कार्तिक में उसका विक्रय करने से लाभ होता है। मार्गशीर्ष, पौष, माघ आदि तीन महीनों में अन्नादि खाद्य पदार्थों का भाव सम रहता है। फाल्गुन महीने में बालकों तथा बालिकाओं को बाल रोगों की संभावना रहती है तथा समाज में चोरों का आतंक व्याप्त रहता है। उत्तरी देशों में दुर्भिक्ष तथा पूर्वी देशों में अकाल की स्थिति रहती है।

वर्षेश शनि का फल

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को शनिवार होने के कारण वर्ष का राजा शनि है। यदि वर्ष का राजा शनि हो तो वृष्टि का अभाव रहता है। वर्ष भर में केवल एक ही बार अच्छी वर्षा होती है। मनुष्यों को भयानक रोगों से पीड़ा होती है । राजाओं में परस्पर युद्ध होता रहता है। समाज में चोरों का आतंक व्याप्त रहता है तथा लोग भूख से पीड़ित रहते है। यथोक्तम्-

शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड़िता जनाः ।
युद्धं नृपाणां बहुतस्कराद्भयं भवन्ति लोकाः क्षुधया प्रपीड़िताः ॥

शनि के वर्षेश होने के कारण समय का वाहन अश्व अर्थात् घोड़ा है। अतः वर्ष में भूकम्पादि से उत्पात होते रहते है। जनता में महाभय की स्थिति अर्थात् डर का वातावरण रहता है। राजाओं में पारस्परिक युद्ध होता रहता है तथा वर्षभर वर्षा की कमी रहती है। यथोक्तं-

अश्वारूढो वत्सरश्च भूमिकम्पो महाभयम् ।
त्रिफला सकला धात्री नौकावाहनवत्सरे ॥

मन्त्री गुरु का फल-

सम्वत् का मन्त्री गुरु होने पर पृथ्वी विविध प्रकार के अन्न से युक्त रहती है अर्थात् विविध प्रकार के अन्नों का प्राचुर्य रहता है। प्रचुर मात्रा में वर्षा होती है, जनता प्रसन्न रहती है तथा राजा लोग प्रजापालन में रत रहते है। यथोक्तं -

विविधधान्ययुता खलु मेदिनी प्रचुरतोयघ्ना मुदिता जनाः ।
नृपतयो जनपालनतत्पराः सुरगुरौ ननु मंत्रिसमागते ॥

सस्येश शनि का फल-

सम्वत् का सस्येश शनि होने पर जनता राजा से पीड़ित रहती है। राजाओं में पारस्परिक युद्ध रहता है तथा जनता में रोगों की वृद्धि होती है। भूसी वाले अनाजों की हानि होती है। लोग विविध प्रकार के पापाचरण तथा वाद-विवादों में रत रहते है। यथोक्तं-

रविसुते यदि धान्यपतौ जनो नृपतिभिः परिपीड़ितविग्रहः।
गदभयं तुषधान्यहरं सदा दुरितवादविवादयुता नराः ॥

धान्येश शुक्र का फल-

सम्वत् का धान्येश शुक्र होने पर पृथ्वी पर सर्वत्र सुभिक्ष तथा स्वस्थता रहती है। सभी उपद्रवों का नाश होता है तथा महँगाई में वृद्धि होती है। यथोक्तम्-

सुभिक्षं जायते स्वस्थं सर्वोपद्रवनाशनम् ।
शुक्रे धान्याधिपे जाते महर्घं जायते ध्रुवम् ॥

रसेश चन्द्र का फल-

सम्वत् का रसेश चन्द्र होने पर समाज में युवकों तथा युवतियों में प्रेम की स्थिति रहती है। मेघ बहुत अधिक वर्षा करते है। पृथ्वी विविध प्रकार के रसपदार्थों तथा धन-धान्यपूर्ण रहते है। यथोक्तम्-

यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियाम् ।
जलधरा बहुवारिविधायका रसवती धनधान्यवती मही ॥

नीरसेश शनि का फल -

इस सम्वत् में नीरसेश शनि है यदि नीरसेश शनि हो तो शीशा, लोहा आदि ठोस पदार्थ तथा काले वस्त्रादि वस्तुएं महँगी होती है। यथोक्तम्-

त्रपुर्पिण्डादिलोहानां कृष्णवस्त्रादिवस्तुनाम् ।
अर्घवृद्धिः प्रजायेत मन्दे नीरसनायके ॥

मेघेश बुध का फल -

इस वर्ष में मेघेश दुध है। मेघेश बुध होने पर प्रचुर मात्रा में वर्षा होती है। भूसी वाले अनाजों तथा रसपदार्थों का उत्पादन अधिक होता है। विप्रवर्ग यज्ञ-यागादि में संलग्न रहता है तथा पृथ्वी पर विविध प्रकार के सौख्य होते है। यथोक्तम्-

अमृतरश्मिसुते यदि वारिपे बहुजलं तुषधान्यरसादिकम् ।
द्विजवरा यजनोत्सुकचेतसो विविधसौख्ययुता धरणी तरा ॥

दुर्गेश बुध का फल-

इस सम्वत् में दुर्गेश बुध है । यदि दुर्गेश बुध हो तो जनता के प्रत्येक वर्ग को सुख-साधन समानभाव से प्राप्त होते है । विशेषकर वर्ष में बुध जब स्वराशि में संचार करें तो उस समय यात्र करने वाले पथिकों को मार्ग में किसी प्रकार का भय नहीं होता तथा उनकी यात्रा सुखपूर्ण सम्पन्न होती है । यथोक्तम्-

विषयसाम्यसुखं शशिजे प्रभौ भवति राशिगते तु विशेषतः ।
शशिसुते यदि कोटकपालके पथिषु द्रव्ययुजां न भयं क्वचित् ॥

धनेश शनि का फल-

इस सम्वत् में धनेश शनि है। जिस वर्ष में शनि धनेश होता है, उस वर्ष में प्रजा वर्ग में धन का लाभ कम होता है। राजा लोग विविध प्रकार के रोगों से पीड़ित रहते है। व्यापारी लोग धन की कमी तथा व्यापार में लाभ न होने के कारण कृषि करने लगते है और ब्राह्मण लोग मानसिक पीड़ा से सन्तप्त रहते है। यथोक्तम् -

द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरता धरणीपतयः सदा ।
अधनिका वणिजः कृषिजीविनो द्विजवराः परिपीड़ितमानसाः ॥

फलेश मंगल का फल -

इस सम्वत् में फलेश मंगल है। यदि फलेश मंगल हो तो पृथ्वी सुन्दर फल तथा फूलों से युक्त रहती है। आनर्तदेशवासी भयरहित रहते है। राजाओं में विग्रह की स्थिति विद्यमान रहती है। यथोक्तम् -

फलपतिर्यदि भूतनयो भवेत्बहुपुष्पफलान्वितमेदिनी ।
गतभयानृतदेशजनास्तदा नृपतयो बहुविग्रहकारकाः ॥

रोहिणी वास तथा सम्वत्सरवास -

वर्तमान संवत् में रोहिणी का वास सन्धि में है और संवत्सर का वास वैश्य के गृह में है। खण्डवृष्टिश्च सन्धिषु के अनुसार यदि रोहिणी का वास सन्धि में हो तो वर्ष में खण्डवृष्टि होती है और संवत्सर का वास वैश्य के गृह में होने पर सभी प्रकार के अन्न सस्ते होते है। यथोक्तम्-

सर्वधान्यं महर्घं स्याद्वणिग्वेश्मनि संस्थिते ॥

सूर्यस्यार्द्रानक्षत्रे प्रवेशकालविचारः-

प्रवेशकाले यदि रौद्रभस्य वृष्टिर्भवेदीतिरनर्घता च ।

शेषेषु पादत्रितयेषु भीतिरत्यल्पवृष्टिर्महती गदाश्च ॥

आर्द्रा नक्षत्र में प्रवेश करते समय यदि वर्षा होती है तो अनर्घता अर्थात् मंदी जानना चाहिए। आर्द्रा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष्टि होने पर भय, तृतीय चरण में अत्यल्प वृष्टि तथा चतुर्थ चरण में भयंकर रोगो की सम्भावना बनती है।

आर्द्राप्रवेशे वृष्टिश्चेद्दिवा यदि वा निशि ।

स्तोकवृष्टिरनर्घत्वमवृष्टौ सस्यसम्पदः॥

आर्द्रायाः प्रथमे पादे यदि वर्षति वासवः।

तुषारमल्पवृष्टिः स्यादित्येव केचिदूचिरे ॥

सूर्ये मेषगते वृष्टिरार्द्रायाश्चाद्यपादके ।

एकादशसु ऋक्षेषु त्रिपक्षे वृष्टिनाशनम् ॥

विक्रमसम्वत् 2079 शाके 1944 आषाढ़मासे कृष्णपक्षे नवम्यां शुभतिथौ बुधवासरे शोभनयोगे चन्द्रस्य रेवतीनक्षत्रे तैतिलकरणे मार्तण्डमण्डलोदयादिष्टकालः 16/27/30 सिंहलग्ने सूर्यस्यार्द्रानक्षत्रे प्रवेशः।

अथ प्रवेशकालविचारः

नवमी-तिथिफलम् - ईतिबाधनम् अर्थात् अतिवृष्टि-मूषकादिजीवानां प्रकोपो भवति।

बुधवासरफलम् - क्षेमं सुभिक्षकारकश्च भवति।

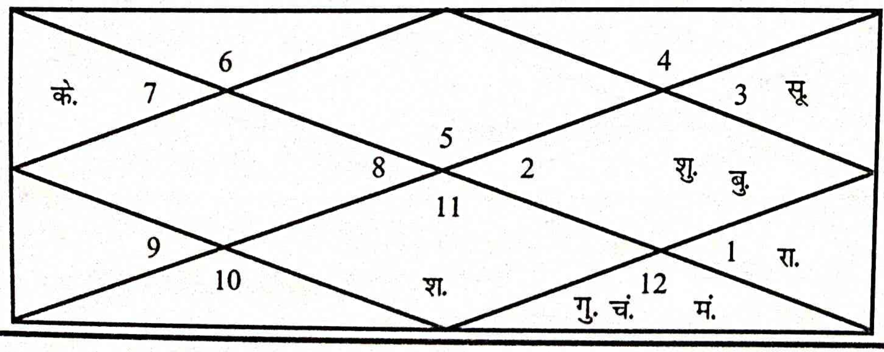
रेवतीनक्षत्रफलम् - शासकानां नाशो जायते ।

शोभनयोगफलम् - सुभिक्षं भवति ।

तैतिलकरणफलम् - शुभप्रदो भवति ।

सिंहलग्नफलम् - सामान्यफलं भवति ।

॥ अथार्कस्यार्द्राप्रवेशकालिककुण्डली ॥



आर्द्राप्रवेशस्य फलम् -

सूर्य का आर्द्रा नक्षत्र में प्रवेश का समय मध्याह्न 16 घ. 27 प. 30 विप. पर होगा, जिसके अनुसार आर्द्रा प्रवेश लग्न सिंह है । यदि सूर्य का आर्द्रा प्रवेश लग्न सिंह हो तो यह वर्षभर तापदायक होता है । तद्यथा-

लग्नेषु मेष-हरि-चापधरेषु दाहो।

लग्नेश सूर्य एकादश भाव में मिथुन राशि में है। आर्द्रा प्रवेशकालिक लग्नेश सूर्य के निर्जल राशि में स्थित होने के कारण वृष्टि की न्यूनता सूचित होती है। चन्द्रमा यद्यपि जलराशि में है अतः वर्षा की सम्भावना है परन्तु चन्द्रमा की अष्टम भाव में स्थिति तथा शुक्र की युति-दृष्ट्यादि का अभाव होना वर्ष में वर्षा में कुछ बाधक होना सूचित कर रहा है परन्तु चन्द्र, मंगल तथा गुरु की मीन राशि गत स्थिति उत्तम वृष्टि का योग बना रही है। इसी प्रकार से बुध-शुक्र की एक राशिगत स्थिति भी उत्तम वर्षा का योग बना रही है। यथोक्तम्-

बुधशुक्रौ समीपस्थौ करोत्येकार्णवां महीम्।

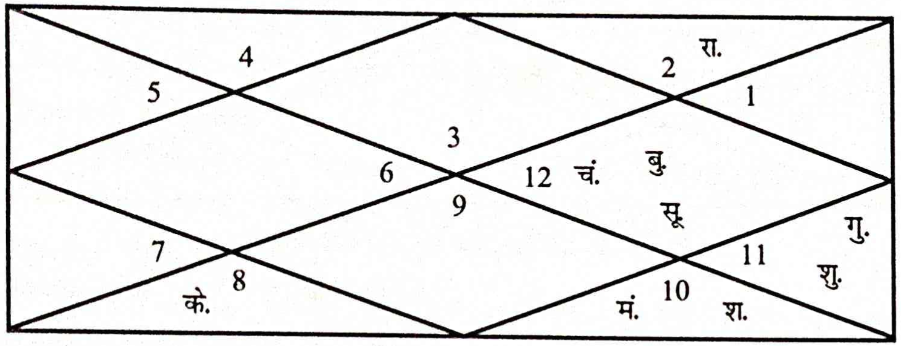
सूर्य के आर्द्रा प्रवेश का समय मध्याह्न काल है जो विविध प्रकार के अनाजों की हानि की द्योतक है। अतः विविध प्रकार के अनाजों में महंगाई की प्रबल सम्भावना है। नवमेघों में से इस वर्ष तम नाम का मेघ है तमो मेघे न वृष्टिः स्यात् के अनुसार अनावृष्टि का योग है। चतुर्मेघों में से पुष्कर नाम का मेघ है और पुष्करो मन्दवृष्टिः के अनुसार पुष्कर नामक मेघ में मन्दवृष्टिः का योग है। द्वादश मेघों में से नन्दसारी नाम का मेघ है। नन्दसारी महावृष्टिः नन्दते च महाजनः के अनुसार नन्दसारी मेघ होने पर महावृष्टिः अर्थात् अत्यधिक वृष्टि होती है तथा महाजन आनन्दित और प्रसन्न रहते है। अतः पूर्ववर्णित मेघों और आर्द्रा प्रवेश कुण्डली की ग्रहस्थिति के अध्ययन के आधार वृष्टि के योगो का आधिक्य है तथा मेघों के अध्ययन के उपरान्त यह ज्ञात होता है कि वर्ष में अच्छी वृष्टि की सम्भावना है। जिसके कारण देश के कुछ भागों में विशेष रूप से पूर्वी तथा पूर्वोत्तर भागों में बाढ़ की स्थिति बन सकती है तथा पर्वतीय क्षेत्रों में वर्षा के कारण भूस्खलन की भी सम्भावना है जिसके कारण जन-धन की हानि होने की प्रबल सम्भावना है।

वर्षप्रवेशकालविचारः -

आनन्द नामक विक्रम संवत्सर 2079 का प्रवेश 01 अप्रैल 2022 ई. सोमवार को मध्याह्न 11 बज कर 51 मिनट पर दिल्ली के इष्टकालानुसार -

14 घ. 01 प. पर रेवती नक्षत्र, ऐन्द्र योग, किंस्तुघ्न करण, और मीनस्थ चन्द्र के समय में मिथुन लग्न में होगा।

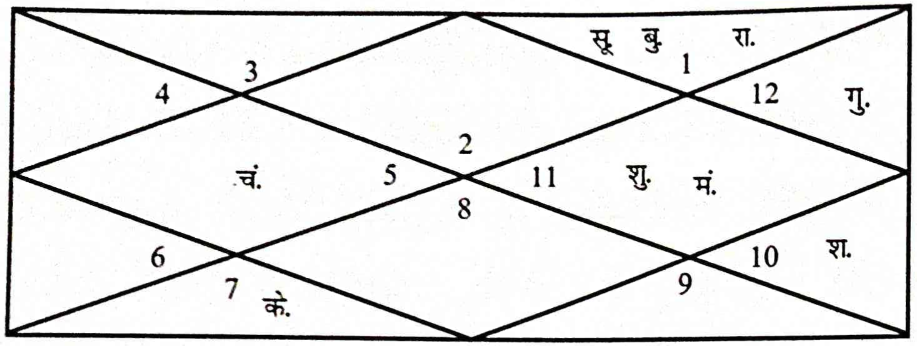
॥ अथ वर्षप्रवेशकालिककुण्डली ॥



वसन्त नवरात्रारम्भ 02 अप्रैल 2022 ई. चैत्र मास 19 प्रविष्टे, शनिवार को प्रातःकाल, रेवती नक्षत्र, ऐन्द्र योग, बव करण में होगा। नवरात्र के प्रथम दिन किसी योग्य विद्वान द्वारा विधिपूर्वक घटस्थापन संवत्सरपूजन एवं श्रीगणेश, विष्णु, शिव व देवी दुर्गा के पूजन करने का शास्त्रों में विशेष माहात्म्य प्रतिपादित है। इस दिन सम्पूर्ण अग्रिम संवत्सर के मंगलमय यापन हेतु विद्वान ब्राह्मणों का विधिपूर्वक पूजन एवं सम्मान कर, उन्हे विविध प्रकार के दानों से सन्तुष्ट एवं प्रसन्न कर नानाविध फलों एवं मिठाईयों आदि का भोजन करवाकर, उनके मुखारविन्द से परिवार के समस्त सदस्यों को संवत् का नाम, संवत् का वास, राजा, मंत्री आदि का फल श्रवण करने का विधान भी शास्त्रों में उल्लिखित है। जो बुद्धिमान व्यक्ति चौत्र शुक्ल प्रतिपदा को संवत्सर का पवित्र फल सुनता है वह बहुत धन वाला होता है तथा वर्ष भर के लिए उसके शरीर की समस्त पीडाएं समाप्त हो जाती है। इस संवत्सर का राजा शनि और मंत्री भी गुरु है। राजा शनि तथा मन्त्री बृहस्पति का आपस में मैत्री भाव का अभाव होना विविध नेताओं के मध्य में विश्वास के अभाव का सूचक है, जिसके कारण अल्पमत में चलने वाली विविध सरकारों के कार्यकाल की पूर्णता में वर्ष में बाधा उत्पन्न होने की सम्भावना है। नववर्ष के प्रवेश समयानुसार मिथुन लग्न में नव वर्ष का प्रवेश होगा। ज्योतिषग्रन्थों में प्राप्त होता है कि मिथुन लग्न में वर्षप्रवेश होने पर दो देशों के मध्य में युद्ध की प्रबल सम्भावना रहती है, परन्तु वर्षलग्नेश बुध के दशम भाव में स्थित होने के कारण भारत को इस श्रेष्ठ नेतृत्व की प्राप्ति होगी, जिसके कारण किसी भी प्रकार के युद्ध की स्थिति के उत्पन्न होने पर भी भारत उसको नियन्त्रित करने में सफल रहेगा। भारत के पूर्वी राज्यों में फसलें खराब होने की सम्भावना रहेगी। उत्तरी तथा दक्षिणी राज्यों में पर्याप्त वर्षा होगी, जिसके कारण धान्य की अधिकता रहेगी। पश्चिमी भारत में कम वर्षा होगी तथा सत्ता के परिवर्तन होने की भी प्रबल सम्भावना है। भारत के मध्यप्रदेशों में फसलों की उपज आधी होगी तथा पशुओं में अनेक प्रकार के रोग रहेंगे। अष्टम भाव में मंगल तथा शनि की स्थिति कार्तिक माह में किसी बड़े उपद्रव की सूचक है। देश में इस महीने में अग्निकाण्ड, आतंकवादियों के द्वारा कोई विस्फोट तथा दंगे, रक्तपात आदि की सम्भावना है। इस माह में भारतीय सेना का घुसपैठियों, आतंकवादियों तथा शत्रु सेनाओं के साथ भयंकर संघर्ष हो सकता है। अष्टम भाव म मंगल तथा शनि के होने के कारण वर्ष में विविध प्राकृतिक आपदाओं का सामना देश को करना पड़ेगा। देश के कुछ प्रतिष्ठित नागरिकों की हत्याएं अथवा आत्महत्या की सम्भावना भी वर्ष में विशेष कर कार्तिक के माह में रहेगी। नवम भाव में गुरु-शुक्र की स्थिति देश में धार्मिक संस्थाओं तथा धार्मिक वातावरण के उन्नयन की सूचक है। धर्म के प्रति देश में लोगों की आस्था में वृद्धि होगी। प्राचीन मन्दिरों के जीर्णोद्धार की ओर सरकार का विशेष ध्यान रहेगा तथा कुछ भव्य मन्दिरों के निर्माण में भी गति आएगी। देश में चिकित्सा संस्थानों और चिकित्सा संसाधनों की प्रगति में सर्वकार का विशेष अवदान रहेगा। संस्कृत भाषा तथा शास्त्रों के अध्ययन में आम जन की रुचि बढेगी। सर्वकार पक्ष से भी संस्कृत संरक्षण, शास्त्र संरक्षण तथा विविध प्रकार की कलाओं के संरक्षण तथा संवर्धन में विशेष प्रयास किये जाएंगे। इस वर्ष में कला, शिक्षा तथा शोध के क्षेत्र में नये कीर्तिमान स्थापित होंगे, जिससे विश्व भर में भारत की प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। विशेषकर मार्गशीर्ष माह में कुछ नये शिक्षा संस्थानों की स्थापना होने की भी प्रबल सम्भावना है। दशम भाव में सूर्य की स्थिति विश्व में भारत के वर्चस्व में वृद्धि की सूचक है। सम्पूर्ण विश्व में भारत की साख मे वृद्धि होगी। द्वादश भाव में राहु तथा षष्ठ भाव में केतु की स्थिति श्रमिक वर्ग में असंतोष के भाव को सूचित कर रही है। जेलों मे बंद विविध कैदियों पर विशेष दृष्टि रखने की आवश्कता है विशेष वर्षान्त में कोई आतंकवादी अथवा कुख्यात अपराधी जेल से भागने का प्रयास कर सकता है अथवा जेल से ही किसी अप्रिय घटना को घटित कर सकता है. भारत के गुप्तचर विभाग को विशेष सावधान रहने की आवश्यकता है। विदेशी आक्रमण की भी प्रबल संभावना है। शनि की स्वराशि

में स्थिति के कारण सर्वकार का कर्मचारियों तथा मजदूर वर्ग की समस्याओं के समाधान में विशेष अवदान रहेगा तथा देश में निर्माण की दृष्टि से कई नये औद्योगिक संस्थान स्थापित होगे।

॥ अथ जगल्लग्नकुण्डली ॥



जगल्लग्नकुण्डली में वृष लग्न है तथा लग्नेश शुक्र दशम भाव में मंगल के साथ है। यह पश्चिमी तथा दक्षिणी देशों में अकाल, पूर्वी देशों में राजविग्रह, उत्तरी देशों में कम उपज का द्योतक है। छठे भाव में केतु की स्थिति विश्व के विविध देशों में आतंकवादी घटनाओं की सूचक है अथवा किसी सक्रमण के कारण पुनः विश्व में जन-हानि की भी सम्भावना है। नवम भाव में शनि की स्वराशि में स्थिति विश्व में विकासशील देशों के उन्नयन की सूचना प्राप्त हो रही है। विकासशील देशों पर विकसित देशों के वर्चस्व में भी कुछ कमी आने की प्रवल सम्भावना है। शनि की स्वराशि गत स्थिति होने से तेल के कारण विश्व के विविध राष्ट्रों में संघर्ष हो सकता है। द्वादश भाव में राहु,बुध तथा सूर्य का होना विश्व में किन्हीं दो महाशक्तियों के मध्य में संघर्ष सूचित कर रहा है। विश्व के अनेक देशों में पारस्परिक शत्रुभाव बढेगा। विश्व के राजनेताओं में परस्पर मतैक्य की कमी रहेगी और विश्व में संघर्ष का वातावरण बनेगा।

शनि का साढेसाती-ढैय्याविचार

अथ गोचरवशाच्छनेः पादविचारः -

जन्मांगरुद्रेषु(1,6,11) सुवर्णपादं द्विपंचनन्दैः (2,5,9) रजतस्य पादम् ।
त्रिसप्तदिक्ताम्रपदं (3,7,10) वदन्ति वेदाष्टचार्कष्विह (4,8,12) लौहपादम् ॥

शनेः पादफलम्-

लोहे वित्तविनाशःस्यात्सर्वसौख्यं च कांचने ।
ताम्रे च समता ज्ञेया सौभाग्यं रजते भवेत् ॥

इदानीं शनिः मकरराशौ संचरति, 30-04-2022 दिनाङ्कं यावत् मकरराशावेव संचरिष्यति अतः धनुमकरकुम्भराशियुक्तजातकाः शनेः सार्धसप्ताब्दतः (साढेसाती) प्रभाविताः भविष्यन्ति। मिथुनतुलाराशियुक्ताः जनाः सार्धद्वयाब्दतः (ढैया) प्रभाविताः भविष्यन्ति। मईमासस्य प्रथमतारिकायां शनेः प्रवेशः कुम्भराशौ भविष्यति। 10-7-2022 पर्यन्तं शनेः संचारः कुम्भराशौ भविष्यति अतः येषां मकरकुम्भमीनराशिर्वा वर्तते ते जनाः शनेः सार्धसप्ताब्दतः (साढेसाती) प्रभाविताः भविष्यन्ति। अतः येषां कर्कराशिर्वृश्चिकराशिर्वा वर्तते ते जनाः सार्धद्वयाब्दतः (ढैया) प्रभाविताः भविष्यन्ति। तदननतरं पुनः वक्रेः शनेः संचारः मकरराशौ भविष्यति अथ च 18-01-2023 पर्यन्तं शनेः संचारो मकरराशावेव भविष्यति अतः पुनः धनुमकरकुम्भराशियुक्तजातकाः शनेः सार्धसप्ताब्दतः (साढेसाती) प्रभाविताः भविष्यन्ति। मिथुनतुलाराशियुक्ताः जनाः सार्धद्वयाब्दतः (ढैया) प्रभाविताः भविष्यन्ति । तदनन्तरं शनेः प्रवेशः कुम्भराशौ भविष्यति वर्षान्तं यावत् कुम्भराशावेव संचरिष्यति अतः येषां मकरकुम्भमीनराशिर्वा वर्तते ते जनाः पुनः शनेः सार्धसप्ताब्दतः (साढेसाती) प्रभाविताः भविष्यन्ति अथ च येषां कर्कराशिर्वृश्चिकराशिर्वा वर्तते ते जनाः सार्धद्वयाब्दतः (ढैया) प्रभाविताः भविष्यन्ति।

पादविचारः - यदा शनेः प्रवेशः मकरराशौ अभवत् तदा चन्द्रस्य स्थितिरपि मकरराशौ आसीत अतः तदाधारेण मेषस्य ताम्रपादः, वृषस्य रजतपादः, मिथुनस्य लौहपादः, कर्कस्य ताम्रपादः, सिंहस्य सुवर्णपादः, कन्यायाः रजतपादः, तुलायाः लौहपादः, वृश्चिकस्य ताम्रपादः, धनोः रजतपादः, मकरस्य सुवर्णपादः, कुम्भस्य लौहपादः, मीनस्य सुवर्णपादो भविष्यति। 01-05-2022 तमे दिनाङ्के शनेः प्रवेशः कुम्भराशौ भविष्यति तदा चन्द्रस्य स्थितिः मेषराशौ भविष्यति अतः मेषस्य सुवर्णपादः, वृषस्य लौहपादः, मिथुनस्य सुवर्णपादः, कर्कस्य ताम्रपादः, सिंहस्य रजतपादः, कन्यायाः लौहपादः, तुलायाः ताम्रपादः, वृश्चिकस्य सुवर्णपादः, धनोः रजतपादः, मकरस्य लौहपादः, कुम्भस्य ताम्रपादः, मीनस्य रजतपादो भविष्यति। 11-07-2022 तमे दिनाङ्के वक्रेः शनेः प्रवेशः पुनः मकरराशौ भविष्यति। तस्मिन् दिवसे चन्द्रस्य स्थितिः वृश्चिकराशौ वर्तते। पुनः 19-01-2023 तमे दिनाङ्के शनेः प्रवेशः पुनः कुम्भराशौ भविष्यति। तस्मिन्नपि दिवसे चन्द्रस्य स्थितिः

वृश्चिकराशौ भविष्यति अतः 11-07-2022 दिनाङ्कतः प्रारभ्य वर्षान्तं यावत् मेषस्य लौहपादः, वृषस्य ताम्रपादः, मिथुनस्य सुवर्णपादः, कर्कस्य रजतपादः, सिंहस्य लौहपादः, कन्यायाः ताम्रपादः, तुलायाः रजतपादः, वृश्चिकस्य सुवर्णपादः, धनोः लौहपादः, मकरस्य सुवर्णपादः, कुम्भस्य ताम्रपादः, मीनस्य रजतपादो भविष्यति। **शनिशान्त्यर्थमुपायाः** - शनेः बीजमन्त्रादीनां जपः, शनिस्तोत्रस्य पाठः, अश्वत्थवृक्षस्य मूले तिलमाषादिमिश्रितजलदानं सायंकाले च दीपदानं, महामृत्युंजयजपः, शिवोपासना, हनुमदुपासना, सुन्दरकाण्डादिकानां पाठः, पक्षिणां कृते अन्नादिदानम्, सदक्षिणां लौहपात्रस्य दानं, दरिद्र-कुष्ठादिरोगार्तानां कृते भोजनवस्त्रादिदानं, तुलादानं, माषादिवस्तूनां दानं, वृद्धजनानां परिचर्यादिकम्। भौतिकोपचारेषु शनिवासरे अमावस्यायां वा लौहमुद्रिकायाः धारणम्। **शनेः दानपदार्थाः** - नीलमणिः, सुवर्णः, लौहः, माषः, कुलथः, तैलं, कृष्णवस्त्रं, कस्तूरिका, कृष्णपुष्पम, कृष्णांगमहिषः, उपानहौ च। **दानसमयः** - मध्याह्नकालः। **जपमन्त्रः** - ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः। **जपसंख्या** - 23000, **बीजमन्त्रः** - ऊँ शं शनैश्चराय नमः। **हवनसमिधा** - कुशा इति ज्ञेयम्। **शनिस्तुतिः** - कोणस्थः पिंगलो बभ्रुः रुद्रः रौद्रान्तको यमः। सौरिःशनैश्चरो मन्दः पिप्पलादेन संस्तुतः। एवं ध्यात्वा शनेः पीडा शमं याति न संशयः।

डॉ. देशबन्धु
सहायकाचार्य, वास्तुशास्त्रविभाग,
श्री ला.ब.शा.रा.सं.विश्वविद्यालय,नई दिल्ली

ग्रहाः राज्यं प्रयच्छन्ति ग्रहाः राज्यं हरन्ति च।
ग्रहाधीनं जगत्सर्वमिति मे निश्चिता मतिः॥
देवब्राह्मणवन्दनाद्गुरुवचः सम्पादनात्प्रत्यहं
साधूनामभिभाषणाच्छ्रुतिरवश्रेयस्कथाकर्णनात्।
होमादध्वरदर्शनाच्छुचिमनोभावाज्जपाद्दानतो
नो कुर्वन्ति कदाचिदेव पुरुषस्यैवं ग्रहाः पीडनम्॥

मेष राशि (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

अप्रैल

इस माह आप अपने अंदर आत्म-विश्वास की अनुभूति महसूस करेंगे और खुद को साहसी भी पाएंगे। अपनी मेहनत व सकारात्मक व्यवहार के जरिए आप सफलता प्राप्त करेंगे। कार्यक्षेत्र में अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे और यदि आपको पदोन्नति या वेतन बढ़ने की उम्मीद है तो आपकी इच्छा इस अवधि के दौरान पूरी हो सकती है। इन कुछ अच्छे परिणामों के साथ-साथ आप कुछ बुरे लोगों से भी मिल सकते हैं। मां के लिए ये समय थोड़ा कष्टदायी हो सकता है। इस दौरान उन्हें दुःख का अनुभव हो सकता है या वे किसी बड़ी समस्या में भी पड़ सकती हैं। इसके अलावा घर में आपकी व्यंग्यपूर्ण भाषाशैली और कठोर व्यवहार गलतफहमी और असंतोष उत्पन्न कर सकता है। इसके अतिरिक्त इस बीच खर्चे बढ़ जाएंगे क्योंकि आप घर की आवश्यकताओं के कुछ सामान खरीदेंगे। बच्चों से संबंधित जो भी परेशानियां आपको हैं, वो सभी दूर हो जाएंगी। शिक्षा के क्षेत्र में उनका प्रदर्शन संतोषजनक रहेगा। वाहन चलाते समय आपको सावधानी रखने की आवश्यकता है क्योंकि चोट लगने की संभावना दिखाई दे रही हैं। इस मास **10, 11, 19, 20, 27, 28, 29** दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई

व्यापार क्षेत्र से जुडे जातकों के लिए यह माह बहुत अच्छा रहने वाला है। व्यापार को बढ़ाने का विचार अच्छे परिणाम देगा और आपका व्यापार नई ऊंचाइयों पर पहुंच जाएगा। जिन जातकों ने बैंक में लोन के लिए अर्जी लगा रखी है तो इस दौरान उसे स्वीकृति प्राप्त हो सकती है। कार्यस्थल में आपके द्वारा किए गए प्रयासों और संसाधनों में वृद्धि के संकेत दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान आपके आपके बच्चों के साथ कुछ विवाद हो सकते हैं। इस महीने के शुरू होते ही आपके स्वभाव में अहंकार आ सकता है जिस पर नियन्त्रण रखने की आवश्यकता है। अपने बच्चों को इतना भी लाड़-प्यार न करें कि वो इसका फायदा उठाने लगें। अपनी संवादशैली, बुद्धि आदि के लिए आपको दोस्तों, सहभागियों व पड़ोसियों से इस दौरान प्रशंसा प्राप्त हो सकती है। इसी माह आप अपने अंदर गुस्से का भाव महसूस करने लग जाएंगे। इस दौरान अपने ऊपर काबू पाएं और गुस्से से बचें, अन्यथा समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इस बीच आपके खर्च्चे बढ़ेंगे। इस मास **7, 8, 9, 16, 17, 24, 25, 26** दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून

इस महीने के प्रारम्भ में परिवार के कुछ सदस्यों का स्वास्थ्य खराब रहने से आप परेशान हो सकते हैं। डॉक्टर, दवाई आदि पर खर्च्चे जरूरत से ज्यादा हो सकते हैं। लेकिन ये अवधि बस थोड़े ही समय के लिए है अतः चिन्ता न करें। चीजें बहुत जल्दी संभल जाएंगी और आपकी सभी शीघ्र समाप्त हो जाएंगी। आय के नए स्रोत प्राप्त होंगे और बचत भी ज्यादा होगी। आप अपने भीतर सकारात्मकता व मानसिक शांति का अनुभव करेंगे। आपका मन अति सक्रिय हो जाएगा और

आपका काम अच्छा होगा। लोग आपके व्यक्तित्व से प्रभावित होंगे और इस दौरान आप प्रेम संबंधों में भी अपनी रुचि दिखाएंगे। जीवन साथी का सहयोग प्राप्त होगा। जमीन-जायदाद खरीदने से पहले सभी बातें अच्छे से साफ कर लें। यदि निवेश का प्लान बना रहे हैं तो समय बिल्कुल अनुकूल है। बीते समय में किए गए सभी निवेश इस दौरान लाभदायक फल देंगे। इस मास **3, 4, 5, 12, 13, 14, 21, 22, 30** दिनांके नेष्ट रहेगी।

जुलाई

व्यापार क्षेत्र से जुडे जातक इस माह अच्छा लाभ कमाएंगे। इस मास आपको किसी विदेशी कंपनी से भी सहयोग प्राप्त हो सकता है। लेकिन साझेदार के साथ काम करते वक्त आपको सतर्क रहने की आवश्यकता है। अपने फैसलों व वित्तीय मामलों को पूरी तरह से सुलझाए रखें अन्यथा कोई समस्या हो सकती है। नौकरी करते हैं और अगर कुछ बदलाव करने की योजना बना रहे हैं तो यह समय इसके लिए ठीक नहीं है, थोड़ा और इंतजार करें। अगर आप नौकरी छोड़ भी देंगे तब भी वक्त वैसा ही रहेगा। तो बेहतर यही है कि अभी जिस नौकरी में हैं, उसी पर ध्यान केंद्रित करें। निजी जीवन में परेशानियां आ सकती हैं लेकिन शांति व खुशी फिर भी बनी रहेगी। इस माह आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी और आपको पैसों से संबंधित कोई परेशानी नहीं होगी। आपकी अपनी व पारिवारिक आय में बढ़ोत्तरी होगी। दूसरों के ऊपर हावी होने का आपका स्वभाव परेशानियों को उत्पन्न कर सकता है। इन्हें दूर करने के लिए संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। इस मास **1, 2, 10, 11, 18, 19, 28, 29** दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त

आर्थिक रूप से समय अच्छा रहेगा। बड़े भाई-बहन जो विदेश में अथवा अन्यत्र कहीं दूर कार्यरत हैं, उनकी सहायता से पैसों का आगमन होगा जिससे आर्थिक स्थिति सुधरेगी। सामाजिक स्थिति में भी पहले से बढ़ोत्तरी होगी और लोग आपके व्यक्तित्व से प्रभावित होंगे। आप जीवन साथी के साथ कोई नया व्यापार प्रारम्भ कर सकते हैं जो आपके लिए बहुत लाभदायक होगा। खुश रहें और नकारात्मक ऊर्जा व विचारों को अपने भीतर न आने दें। अपने ऊपर ध्यान दें और खुद को जीवन में आगे ले जाने के रास्ते निकालें। नव विवाहित जोड़ों के लिए ये माह चुनौतीपूर्ण रहेगा। लड़ाई, झगड़े व विवाद इस दौरान आपके जीवन में रहेंगे जिससे मानसिक शांति भी भंग होगी। यदि आप स्थिति को सुधारना चाहते हैं तो ध्यान व समझदारी के साथ काम लें। माह के लगभग पंद्रह दिन बाद चीजें सुधरने लग जाएंगी और भाग्य आपका साथ देगा। इस मास **6, 7, 8, 14, 15, 16, 24, 25, 26** दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर

विदेश में काम करने वाले जातकों को सतर्क रहने की आवश्यकता है क्योंकि ऐसी संभावनाएं हैं कि आप पर कोई बड़ा जैसे कागजात या पैसों की चोरी का आरोप लग सकता है। कार्यस्थल पर उच्च अधिकारियों से भी विवाद हो सकता है। माह की शुरुआत में आप लक्ष्यहीन होकर कार्य करेंगे लेकिन आधा माह बीत जाने पर आप अपनी एक नई शुरुआत करेंगे। ये समय आपके परिवार वालों के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहेगा। माता-पिता के लिए समय उचित नहीं है। उन्हें किसी भी प्रकार की मानसिक अशांति या स्वास्थ्य संबंधी समस्या से गुजरना पड़ सकता है, इसलिए उन पर इस दौरान ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है। पारिवारिक जीवन इस दौरान थोडा अस्त-व्यस्त रह सकता है। आपके परिवार वालों को आपसे कुछ समस्या हो सकती हैं और वो आपसे नाखुश हो सकते हैं। परिवार की ये समस्याएं कार्यक्षेत्र में भी देखने को मिल सकती हैं। इन सभी समस्याओं को जल्द से जल्द हल करें और परिवारिक व व्यावसायिक जीवन में संतुलन बनाएं। इस मास **3, 4, 11, 12, 19, 20, 21, 22, 30** दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर

मल्टी नेशनल कंपनी में कार्यरत लोगों को इस दौरान करियर में सफलता मिलेगी और आगे की ट्रेनिंग के लिए विदेश जाने का मौका मिलेगा। निजी मामलों में आपकी जिंदगी में खुशी भरपूर रहेगी और आप परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। बड़े भाई-बहनों के लिए भी ये समय तरक्की लेकर आएगा। वो अपने जीवन में इस दौरान काफी अच्छा प्रदर्शन करेंगे और बड़ी सफलता हासिल करेंगे। लेकिन आपके पिता को इस दौरान कार्य से संबंधी कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यस्थल पर कुछ समस्याएं हो सकती हैं या व्यापार में साथ काम करने वालों के साथ विवाद हो सकते हैं। इसलिए उन्हें संयम से कार्य करने की सलाह दी जाती है। स्वास्थ्य की दृष्टि से इस माह आप मानसिक रूप से थोड़ा नीरस अनुभव करेंगे हालांकि शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। कार्यभार के कारण समय-समय पर दबाव अनुभव करेंगे। ऐसे में ध्यान करने से लाभ प्राप्त होगा। स्थानांतरण की भी संभावना है। सरकारी फंड के प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों को किसी समस्या से गुजरना पड़ सकता है। इस मास **1, 8, 9, 10, 18, 19, 27, 28** दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर

आपके पिता के लिए यह समय थोड़ा कष्टदायी हो सकता है। वो इस दौरान किसी समस्या में फँस सकते हैं। लेकिन अपने प्रयास के जरिए वो इस बड़ी मुसीबत से बाहर भी निकल जाएंगे। आपके व्यावसायिक जीवन में कोई बड़ा बदलाव आएगा। कुछ सकारात्मक बदलाव व उन्नति की संभावना है और आपके दर तक कुछ अच्छे अवसर भी प्राप्त होंगे। जून माह का भविष्यफल यह इशारा कर रहा है कि, बाहर की किसी बड़ी कंपनी से नौकरी का अवसर भी प्राप्त हो सकता है। लेकिन सतर्क रहने की आवश्यकता है चाहें चीजें सही ही क्यों न जा रही हों। किसी गलतफहमी को अपने अंदर न पनपने दे और अगर यदि हो जाएं तो उन्हें सुलझाने की जल्द से जल्द कोशिश करें। कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार का वैरभाव न पनपने दें अन्यथा प्रॉब्लम्स खड़ी हो सकती हैं। इससे आपकी छवि भी बिगड़ सकती है। वित्तीय मामलों के लिए समय अनुकूल रहेगा और आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होगी। इस मास **4, 5, 6, 14, 15, 16, 23, 24, 25** दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर

इस मास जातक के जीवनसाथी की सामाजिक प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी और वो अपने कार्यक्षेत्र में उत्तम प्रदर्शन करेंगे। उनकी सफलता आपको खुशी देगी । कुछ दम्पतियों के बीच अहंकार आ सकता है जिससे घर में असंतोष व विवाद बढ़ सकता है। वरिष्ठ जनों की सलाह आपकी समस्याओं को हल कर सकती है। आपकी माता को भावनात्मक व मानसिक रूप से देखभाल की आवश्यकता होगी, उनका विशेष ध्यान रखें। छात्रों के लिए समय अनुकूल है, उन्हें

उनकी मेहनत का फल मिल सकता है। विदेश में पढ़ाई की इच्छा रखने वाले छात्रों को इस दौरान किसी बड़े संस्थान में प्रवेश मिल सकता है। स्वास्थ्य के संबंध से थोड़ी समस्याएं देखने को मिल सकती हैं, ध्यान रखे अन्यथा ये आपके लिए बड़ी समस्या भी खड़ी कर सकती हैं। वैवाहिक संबंधों के लिए भी समय अच्छा है। आप इस दौरान अपने साथी के साथ यादगार समय बिताएंगे। इस मास **2, 3, 11, 12, 13, 21, 22, 29, 30** दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी 2023

विवाह योग्य जातकों को अपना जीवनसाथी मिल सकता है और जो पहले से ही प्रेम संबंध में है उन्हें शादी के लिए माता-पिता से अनुमति प्राप्त हो सकती है। कुछ जातक इस बीच नौकरी बदलने का विचार कर रहे हैं लेकिन थोड़े से संघर्ष के बाद माह के पंद्रह दिन बीत जाने के बाद अच्छे विकल्प प्राप्त होंगे। कार्य से संबंधित यात्राएं भी इस दौरान हो सकती हैं अथवा जातक ऐसी नौकरी का चयन कर सकते हैं जिसमें बहुत ज्यादा यात्रा करनी पड़ती हो। ये समय सफलता, संसाधनों के संचय व सकारात्मकता से भरा रहेगा। जो विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए पढ़ाई कर रहे हैं उन्हे अच्छे परिणाम प्राप्त करने के लिए कडा परिश्रम करना होगा क्योंकि उनकी तैयारी संतोषजनक नहीं होगी। वैवाहिक युगलों को इस समय का लाभ मिलेगा। संबंधों में प्रेम बढ़ेगा और आप एक खुशहाल और शांतिपूर्वक जीवन बिताएंगे। स्वास्थ्य के संबंध में आपको ज्यादा चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है। प्रतिदिन ध्यान व योग करने से आप स्वयं को स्वस्थ रख सकते हैं। इस मास **8, 9, 17, 18, 19, 25, 26, 27** दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी

इस मास धार्मिक व आध्यात्मिक विषयों में आपकी रुचि बढ़ेगी। इस दौरान आपकी महात्माओं व आध्यात्मिक गुरुओं से वार्ता हो सकती है। परिवार के सदस्यों के साथ कोई व्यापार प्रारम्भ कर सकते हैं, लेकिन ध्यान रहें कि किसी भी कार्य की शुरुआत से पहले अच्छे से विचार-विमर्श कर लें ताकि आगे चलकर कोई परेशानी न आए। व्यापार के विस्तार के लिए ये उचित समय है। परिश्रम ही सफलता की कुंजी है, इसी बात को ध्यान में रखकर मेहनत करते रहें और आगे बढ़ते रहें। शेयर बाजार या प्रॉपर्टी में निवेश आपके लिए लाभकारक साबित होगा। कुछ लोग विश्रान्त महसूस कर सकते हैं जिससे एकाग्रता में कमी आ सकती है। जबकि कुछ लोग अपने लक्ष्य से भटक सकते हैं और दोबारा कार्य की शुरुआत करने से पहले अपने लिए थोड़ा समय ले सकते हैं। इस समय के दौरान उधार लेने से बचें अन्यथा आप ऋण के जाल में फँस सकते हैं। आपको अपने जीवनसाथी का पूर्ण समर्थन मिलेगा और आप एक सुखी वैवाहिक जीवन बिताएंगे। लेकिन अपने जीवन साथी के स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखें। इस मास **4, 5, 6, 14, 15, 22, 23** दिनांक नेष्ट रहेगी।

मार्च

इस महीने में आपको परिवार की ओर ध्यान देने की आवश्यकता होगी। पारिवारिक विवादों को जल्द से जल्द सुलझाएं अन्यथा देर भी हो सकती है। वहीं दूसरी ओर किसी शुभ कार्य जैसे शादी, विवाह आदि के चलते परिवार में मेहमानों का आना-जाना हो सकता है। परिवार की आय इस दौरान बढ़ेगी लेकिन खर्चों पर नियन्त्रण नहीं रह पाएगा जिसके चलते बजट बिगड़ सकता है। काफी संघर्षों के बाद घर बैठकर काम करने वाले लोगों या उद्यमियों के लिए ये अच्छा समय है। इस दौरान आपको बड़े-बड़े प्रोजेक्ट भी मिल सकते हैं। लेखक, कवि, संपादकों को इस दौरान अपने कार्यक्षेत्र में उन्नति मिलेगी। व्यावसायिक लोगों को अपने से उच्च अधिकारियों व सहभागियों के साथ ऑफिस में अच्छा संबंध बनाए रखने की सलाह दी जाती है। जल्दबाजी में कार्यालय से जुड़े मामलों में कोई गलत फैसला न लें। इस माह आपको व्यवसाय में भी बड़ा लाभ मिलेगा। व्यापार को बढ़ाने के लिए ये समय अनुकूल है। गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य ठीक रहेगा व वो बच्चे को जन्म देते वक्त सुरक्षित रहेंगी। इस मास **3, 4, 5, 13, 14, 21** दिनांक नेष्ट रहेंगी।

वृषभ राशि (इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)

अप्रैल

इस माह आप अपने धन व ऊर्जा को अनावश्यक मामलों में व्यय कर सकते हैं, जिससे आपको दुःख भी हो सकता है। किसी भी फैसले को लेने या कार्य करने से पहले अच्छे से विचार-विमर्श अवश्य कर लें। स्वास्थ्य के संबंध में यह माह आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा। एक समय के बाद आप थका हुआ महसूस कर सकते हैं और अपने काम में ध्यान नहीं लगा पाएंगे। कार्यभार या तनाव के कारण स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से व्यय बढ़ने लग जाएंगे जिसके चलते भी आर्थिक स्थिति कमजोर पड़ सकती है। आप अच्छा धन इस दौरान एकत्रित कर लेंगे लेकिन फिर भी उसे बचा कर नहीं रख पाएंगे। इस माह वैवाहिक जीवन में कुछ समस्या हो सकती है। इस दौरान जीवनसाथी से कुछ विवाद हो सकते हैं। निजी जिम्मेदारियों से जी चुराने की आदत जीवनसाथी के साथ आपका संबंध खघ्राब कर सकती है। परिवार में वाद-विवाद की स्थिति हो सकती है इसलिए इन सभी मामलों को अपनी बुद्धि व समझदारी से हल करने का प्रयास करें। साहस व हिम्मत के साथ इस मुश्किल परिस्थिति से निकलने की कोशिश करें। इस मास **2, 3, 4, 12, 13, 14, 21, 22, 29, 30** दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई

यह माह आपके लिए उन्नति लेकर आएगा और आपके काम वैसे ही पूर्ण होंगे जैसे आप चाहते हैं। कार्यक्षेत्र पर आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे और उच्च पद भी प्राप्त करेंगे। आपके साझा संसाधनों में वृद्धि होगी और ये आपको तरक्की की ओर लेकर जाएंगी। इस दौरान आपको अच्छे लाभ की प्राप्ति होगी और आप ज्यादा से ज्यादा बचत कर सकेंगे। बड़े निवेशों से बड़ा लाभ मिलेगा। व्यापार में कोई नया साझेदार जुड़ सकता है जिसका आगमन व्यापार के लिए लाभदायक होगा। वैवाहिक जीवन खुशहाल व प्रेम से भरा रहेगा। आप एक-दूसरे को अपना सहयोग देंगे और आपका संबंध मजबूत होता जाएगा। विद्यार्थी अपने पढ़ाई के क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और सफलता आपको खुशी देगी। विवाह योग्य जातक इस माह शादी के बंधन में बंध सकते हैं। प्रशासकों, योजनाकारों और सार्वजनिक कार्य से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल है। इस मास **1, 9, 10, 11, 18, 19, 27, 28** दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून

आपके लिये यह माह बहुत ही अच्छा रहने वाला है। इस महीने में किए गए आपके

सभी प्रयास सफल होंगे। शादीशुदा लोग इस समय का जम कर आनंद उठाएंगे। उनके जीवन में शांति, खुशी व सौहार्द बना रहेगा। महीने के पूर्वार्ध में ही कोई अच्छी सूचना प्राप्त हो सकती है। इस सूचना से आपके आत्म-विश्वास में वृद्धि होगी। इस दौरान आप स्वयं को अधिक ऊर्जावान व आशावादी अनुभव करेंगे। सभी कार्य योजनानुसार पूर्ण होंगे। परोपकार से जुड़े कार्यों में भाग लेने से आपकी छवि भी अच्छी होगी। घर व कार्यस्थल पर सुखद वातावरण रहेगा। इस माह परिवार के सभी सदस्य आपसे प्रसन्न रहेंगे और आपके उनके साथ संबंध भी प्रगाढ होंगे। लोग आपका साथ पसंद करेंगे और आपकी लोकप्रियता भी बढ़ेगी। नए दोस्त बनेंगे और आपका सामाजिक दायरा भी बढ़ेगा। रियल-एस्टेट का बिजनेस कर रहे लोगों को इस माह सफलता मिलेगी। प्रॉपर्टी खरीदने व बेचने के लिए भी बिल्कुल उपयुक्त समय है। इस मास **6, 7, 14, 15, 16, 23, 24, 25** दिनांक नेष्ट रहेगी।

जुलाई

आपको इस दौरान कई संघर्षों का सामना करना पड़ सकता है। आपकी निजी व व्यावसायिक जिंदगी में इस दौरान कुछ समस्याएं आ सकती हैं। इस दौरान आपकी प्रतिरोधक क्षमता कम हो सकती है साथ ही अनिद्रा व एलर्जी की समस्या भी हो सकती है। अति सक्रिय और परेशान मन होने के कारण एकाग्रता में कमी आ सकती है। थका हुआ महसूस होने के कारण आपको परेशानियां हो सकती हैं। आप समय-समय पर बीमार भी पड़ सकते हैं। कुछ जातक अपनी वर्तमान नौकरी से संतुष्ट नहीं रहेंगे और नौकरी में परिवर्तन कर सकते हैं। अथवा वर्तमान कार्यक्षेत्र में भी बदलाव आ सकते हैं। घर में थोड़े बहुत विवाद संभव हैं। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। लेकिन इन सभी चीजों से परेशान व निराश न हों क्योंकि आपको खुशी जरूर मिलेगी। बस संयम रखें और हर मोड़ पर सकारात्मक रूप से सोचें। इस मास **3, 4, 5, 12, 13, 20, 21, 22, 30, 31** दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त

जातक जो व्यापार क्षेत्र से जुडे हैं, उनके लिए यह काफी अच्छा समय है। इस दौरान उन्हें सात समुंद्र पार से कोई अच्छी सूचना प्राप्त हो सकती है जो उनके लिए काफी लाभदायक होगी। आमदनी अच्छी हो जाएगी लेकिन साथ ही साथ खर्च्चे भी बढ़ जाएंगे। इस दौरान आप भौतिक सुखों से परिपूर्ण व विलासिता की जिंदगी जिएंगे। भूतकाल में किया निवेश इस दौरान आपको दोगुना मुनाफा देगा। इस माह शेयर बाजार में यदि निवेश किया है तो इससे भी अच्छे परिणाम हासिल होंगे। परिवार के सभी सदस्य आपसे खुश रहेंगे और आपको अपना प्यार व सहयोग प्रदान करेंगे। वैवाहिक जीवन आनंदपूर्वक बीतेगा और आप इस बीच पत्नी, बच्चों के साथ छुट्टियां बिताने दूर यात्रा पर या विदेश जा सकते हैं। महीने के मध्य में जाकर आपकी कार्यक्षेत्र में भी लाभ होगा। अच्छे वेतन के साथ-साथ पदोन्नति की भी संभावना दिखाई दे रही हैं। बड़े भाई-बहनों के लिए भी समय शुभ है। इस मास **1, 8, 9, 10, 17, 18, 27, 28** दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर

शादीशुदा जोड़ों के लिए यह माह थोड़ा चुनौती पूर्ण हो सकता है। एक-दूसरे के प्रति समय न दे पाने व गलतफहमियों की उत्पत्ति होने के कारण आपके वैवाहिक जीवन में तनाव रह सकता है। झगड़ों व वाद-विवादों के कारण घर-परिवार से खुशहाल वातावरण कम हो जायेगा। परिवार में वरिष्ठ जनों के साथ भी विचार सहमत न हो पाने के कारण बहस हो सकती है। शीघ्रता में लिए गए आपके निर्णय और दूसरों पर हावी होने का स्वभाव लोगों को दु:खी कर सकता है। विदेश जाने की इच्छा रखने वाले जातकों के लिए समय ठीक नहीं है। जो लोग अपने काम की वजह से पहले से ही विदेश में रह रहे हैं, उन्हें इस वक्त अपने पैसों के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी जाती है। बात करें अगर आपके बच्चों की तो अभी उन पर ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता होगी। यदि ऐसा नहीं हुआ तो वो भटक भी सकते हैं। आधा माह गुजर जाने के बाद आपके व्यावसायिक जीवन में सकारात्मक बदलाव आने लग जाएंगे। इस मास **5, 6, 13, 14, 15, 23, 24** दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर

आपके जीवन साथी इस मास प्रगति की ओर बढ़ेंगे। इस दौरान उन्हें भाग्य को संवारने के लिए कई मौके प्राप्त होंगे। वो इन अवसरों का भली-भांति तरीके से उपयोग करेंगे और सफलता प्राप्त करेंगे। जीवन साथी को इस दौरान बड़ा पद व वेतन प्राप्त होगा। अपने स्वास्थ्य के प्रति आप थोड़ी लापरवाही कर सकते हैं। इस लापरवाही के कारण आप परेशानी में भी पड़ सकते हैं। जीवन में निराश रहने व अन्य गतिविधियों में रुझान न होने के कारण आप तनावग्रस्त हो सकते हैं। सड़क पर सावधानी से गाड़ी चलायें क्योंकि इस मास चोट लगने के आसार हैं। मां की तबियत अच्छी रहेगी लेकिन पिता की सेहत को नुकसान पहुंच सकता है इसलिए सावधान रहें। कार्यक्षेत्र पर वरिष्ठ जनों व सहभागियों के साथ विवाद हो सकते हैं जिससे आपका प्रदर्शन खराब हो सकता है। ऐसे में बहस से बचें और विवादों को समाप्त करने का प्रयास करें क्योंकि इससे आपकी छवि भी बिगड़ सकती है। प्रोफेशनल लाइफ में आपका करियर ग्राफ नीचे जा सकता है, इसलिए मेहनत करें व एकाग्रता के साथ अपना काम करें। इस मास **2, 3, 10, 11, 12, 20, 21, 22, 29, 30** दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर

आपके जीवन साथी को इस माह विदेश जाने का अवसर मिल सकता है। इस मास भाग्य उनका साथ देगा और वो सफलता प्राप्त करेंगे। कार्य संबंधी कुछ छोटी-बड़ी यात्राएं हो सकती हैं। जीवन साथी की सेहत माह की शुरुआत में चिंता का कारण हो सकती है इसलिए उनका ध्यान रखें। वहीं दूसरी तरफ जीवन साथी से आपके कुछ मतभेद भी हो सकते हैं। लेकिन चिंता की कोई बात नहीं ये सभी समस्याऐं आपके प्रयासों से दूर हो जाएंगी। यदि अगर आप अपना ज्यादा से ज्यादा समय अपने जीवन साथी के साथ बिताएं तो उत्तम रहेगा। व्यापार कर रहे जातकों के लिए समय अच्छा है। निर्यात में वृद्धि होगी और व्यापार में विदेशी सहयोग प्राप्त होने से लाभ होगा। साझेदारी में व्यापार करते समय सावधानी रखें। आपके अपने साथी के साथ कुछ विवाद हो सकते हैं जिसको जल्द सुलझाने की जरूरत है अन्यथा साझेदारी समाप्त भी हो सकती है और व्यापार में हानि हो सकती है। बढ़ते खर्च्चों के कारण परिवार में सौहार्द की भावना कम हो सकती है। इस मास **7, 8, 17, 18, 25, 26, 27** दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर

यह माह शांति व खुशी से परिपूर्ण रहेगा। आत्म-विश्वास में बढ़ोत्तरी होगी। आप समय-समय पर आक्रामक रवैया भी अपना सकते हैं। अपने निजी व व्यावसायिक जीवन में अधिक प्रयास करेंगे और थोड़े समय बाद सफलता भी प्राप्त करेंगें। कार्य स्थल पर विरोधी आपके लिए समस्याएं उत्पन्न कर सकते हैं लेकिन चिंता की कोई बात नहीं क्योंकि उन्हें सफलता नहीं मिलेगी। आपके साथ काम करने वाले कुछ सहभागी आपसे ईर्ष्या का भाव भी रख सकते हैं जिससे ऑफिस का वातावरण अनुकूल नहीं रह पाएगा। लेकिन चिन्ता न करते हुए केवल अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें और आगे बढ़ते रहें। इस दौरान आप अच्छी रकघ्म जुटा पाएंगे और सभी कर्ज से मुक्त हो जाएंगे। लेकिन जोखिम भरे निवेश से खुद को दूर ही रखें क्योंकि आर्थिक हानि होने की सम्भावना हो सकती है। स्वास्थ्य हेतु यह माह उत्तम रहेगा। आप अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देने लग जाएंगे। व्यायाम, योग व ध्यान को अपने रोजाना के नियम में सम्मिलित कर लेंगे। इस मास **4, 5, 6, 14, 15, 16, 23, 24, 31** दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी 2023

इस मास आप शांति व सौहार्द की खोज में आध्यात्मिक व धार्मिक चीजों की ओर झुकने लग जाएंगे। अधिक आशावादी होने का प्रयास करें, इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नकारात्मक भाव जैसे डर, ईर्ष्या, जलन, नफरत व बदले की भावना से स्वयं को दूर रखें। आर्थिक रूप से यह माह सामान्य रहेगा। संघर्ष व मेहनत से ही आप इस दौरान पैसे कमा पाएंगे। अनावश्यक चीजों पर खर्च न करने की आपको सलाह दी जाती है। वहीं दूसरी तरफ सेहत संबंधी कुछ समस्याएं आपके जीवनसाथी को परेशान कर सकती हैं। तो ऐसे में दवा आदि में आपका खर्च होगा जिससे बजट बिगड़ जाएगा। इस माह निजी संबंधों में बहस व लड़ाई के कारण अशांति रह सकती है। परिवार के कुछ सदस्य आपके फैसले से ना खुश हो सकते हैं। विद्यार्थियों का शिक्षा में प्रदर्शन उत्तम रहेगा। कुछ लोग को आत्म-विश्वास में कमी भी महसूस हो सकती है। इन सबके अलावा आपकी गलत व खघ्राब भाषा शैली से भी समस्याएं बढ़ सकती हैं। इस मास **1, 2, 10, 11, 12, 19, 20, 21, 27, 28, 29** दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी

इस माह कलात्मक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और इससे जुड़ी गतिविधियों में आप भाग लेंगें। जीवनसाथी से आपका रिश्ता इस दौरान और भी ज्यादा मजबूत होगा और आपके व आपके साथी के बीच प्यार बढ़ता जाएगा। नये स्थलों का भ्रमण भी हो सकता है। आपके जीवन साथी इस माह आपके जीवन में बडी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और आपकी सफलता में अपना योगदान देंगे। शादीशुदा जीवन शांति व खुशी के साथ आगे बढ़ता रहेगा और आप दोनों अपना समय आनंदपूर्वक साथ-साथ बिताएंगे। परन्तु परिवार में कुछ विवाद भी उत्पन्न हो सकते हैं। परिवार के सदस्यों के साथ आपका रिश्ता गलतफहमियों के कारण बिगड़ सकता है। विद्यार्थियों को इस मास सफलता प्राप्त होगी। परिणाम का यदि इंतजार कर रहे हैं तो इस दौरान आपको काफी अच्छे अंक प्राप्त होंगे। लेखकों व कलाकारों के लिए समय अच्छा है। उनके रचनात्मक कार्यों की प्रशंसा की जाएगी। इस मास **6, 7, 8, 16, 17, 24, 25** दिनांक नेष्ट रहेगी।

मार्च

आप अपनी व्यक्तिगत समस्याओं को कुशल तरीके से सुलझाने का प्रयास करेंगे और इस कार्य के लिए आपकी अंदर ही अंदर तारीफ भी की जाएगी। इस दौरान आप एक नई दिनचर्या अपनाएगे और स्वस्थ रहना आपकी पहली जरूरत बन जाएगी। इस मास आप अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देंगे। इस बीच आप अपने भोजन में भी बदलाव करेंगे। निजी संबंधों में कुछ सकारात्मक बदलाव नजर आएंगे। इस माह परिवार का साथ व प्यार आपको खुश व संपन्न रखेगा। वैवाहिक जिंदगी भी अच्छी रहेगी और आप अपने जीवनसाथी व बच्चों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। कुछ जातक अपनी वर्तमान नौकरी में बदलाव करने की योजना बना सकते हैं। कार्यस्थल पर कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं जो आपके निजी जीवन में भी पहुंचकर घर की शांति व सौहार्द को बिगाड़ सकती हैं। आर्थिक स्थिति इस बीच अच्छी रहेगी। कुछ अप्रत्याशित आर्थिक लाभ से आय में वृद्धि होगी। इस मास **6, 7, 15, 16** दिनांक नेष्ट रहेगी।

मिथुन राशि (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह)

अप्रैल

इस माह का प्रारम्भ ही आपके लिए अच्छा रहेगा। जीवन के सभी विषयों से सुख मिलेगा और यह समय अच्छे से बीतेगा। परिवार में अपने जीवनसाथी व बच्चों के साथ स्मरणीय समय बिताएंगे। वैवाहिक जिंदगी शांति, प्रेम व सौहार्द के साथ आगे बढ़ती रहेगी। इस माह आपको सफलता मिलेगी और आपके करियर में नई ऊंचाई देखने को मिलेगी। हालांकि इस बीच घर में पिता या बड़े भाई-बहन के साथ थोड़े बहुत विवाद हो सकते हैं, लेकिन बातचीत से ये सभी समस्याएं सुलझ जाएंगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप स्वयं को ज्यादा ऊर्जावान और पॉजीटिव महसूस करेंगे। जनवरी के महीने में आपको भाग्य का साथ मिलेगा और लॉटरी, शेयर आदि से अप्रत्याशित धन भी प्राप्त हो सकता है। जो जातक इस दौरान नौकरी परिवर्तित करने की योजना बना रहे हैं, उन्हें कई अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। इस मास **5, 6, 14, 15, 16, 23, 24** दिनांक कुछ कष्टकारक रह सकती है।

मई

इस माह आपको ध्यान व योगा से जुड़ी गतिविधियों को करने में फायदा होगा। कार्य स्थल पर सफलता हासिल करने के लिए आपको बहुत ज्यादा प्रयास करने की आवश्यकता है लेकिन आप बार-बार अपने लक्ष्य से भटक जाएंगे। ऐसा कार्यालय में अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कुछ कहा-सुनी होने के कारण हो सकता है। इसलिए अपने सारे विवादों को सुलझाने की कोशिश करें और उन सभी के साथ एक अच्छा रिश्ता कायम करें। इस दौरान अपने स्वभाव में अहंकार को न पनपने दें। फैसले लेते वक्त समझदारी दिखाएं और भावनाओं को बीच में न आने दें क्योंकि आपका गलत फैसला भविष्य में मंहगा पड़ सकता है। आप में से कुछ जातक विदेश में अपना घर खघ्रीद सकते हैं। इस मास आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। व्यय बढ़ सकता हैं और आप आय से ज्यादा खर्च करेंगे, इसलिए व्यर्थ के खर्चों से बचें। इस बीच आपकी सकारात्मक सोच आपकी बहुत सहायता करेगी और आप अपने सभी कार्यों को पूरा करने में सक्षम होंगे। इस

मास 2, 3, 4, 12, 13, 20, 21, 29, 30, 31 दिनांक नेष्ट है।

जून

इस माह आपके सामाजिक जीवन से अलगाव की संभावनाएं हैं। आप सामाजिक गतिविधियों व भौतिक जीवन से जुड़ी चीजों में कम रुचि लेंगे। इस दौरान आपके जीवन साथी और संतान को समय नहीं दे पायेंगे और घरेलू जीवन भी अस्त-व्यस्त रहेगा। अध्यात्म में आपकी रुचि बढ़ने लग जाएगी। इस दौरान आपका मिलन कुछ आध्यात्मिक व धार्मिक लोगों से होगी जिनसे आपको आध्यात्मिक लाभ भी होगा। प्रारम्भ में आपको कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है लेकिन धीरे-धीरे सभी चीजें ठीक हो जाएंगी। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी परन्तु आप धन जमा करने में ज्यादा इच्छुक नहीं रहेंगे। किसी विशेष शुभ कार्य में व्यय हो सकता है। कुछ जातक अपने कार्य के कारण इस बीच विदेश में भी बस सकते हैं। अच्छा होगा कि इस दौरान आप अपनी सेहत का ख्याल रखें। स्वस्थ आहार व थोड़ा सा व्यायाम आपकी सभी समस्याओं को दूर कर सकता है। इस मास 8, 9, 10, 16, 17, 18, 26, 27 दिनांक नेष्ट हैं।

जुलाई

आपको इस माह आर्थिक रूप से कोई संघर्ष नहीं करना पड़ेगा। आय के कई नए स्रोत प्राप्त होंगे। मनोरंजन व विलासिता से जुड़ी वस्तुओं पर व्यय होगा। जीवनसाथी और सन्तति के सहयोग से भी आपको लाभ मिलेगा। इस मास आप अपने परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। ये स्थिति किसी शुभ कार्य की तरफ संकेत दे रही है जिसके चलते परिवार में सब लोग एक-साथ एकत्र होंगे। परिवार के प्रति आप अपने सभी कर्तव्यों को बखूबी निभाएंगे। अपने लक्ष्यों को पाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे और उसमें सफलता प्राप्त करेंगे। इस दौरान कुछ लंबी अवधि की योजनाएं बना सकते हैं। आप इस बीच अपने व्यापार में विस्तार कर सकते हैं अथवा कोई नया उद्योग भी प्रारम्भ कर सकते हैं। बड़े भाई-बहनों से लाभ प्राप्त हो सकता है। स्वास्थ्य के संबंध में देखा जाए तो आपको छोटी-मोटी समस्याएं हो सकती हैं। अच्छी जीवनशैली व स्वस्थ आहार आपको स्वस्थ रखने में मदद करेगा। इस मास 5, 6, 7, 14, 15, 23, 24 दिनांक नेष्ट है।

अगस्त

इस माह व्यापारी वर्ग को सफलता मिल सकती है। इस दौरान अच्छे लाभ की संभावना हैं। कुछ जातक इस मास व्यापार के संबंध में सात समुंद्र पार भी जा सकते हैं और अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप जॉब कर रहे हैं तो इस दौरान उच्च पद मिलने के आसार हैं। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा और आप सफलता प्राप्त करेंगे। अपनी सकारात्मक सोच व कार्यों के कारण आप अपने व्यावसायिक जीवन की हर दिशा में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके साथ ही साथ आप ज्यादा ऊर्जावान व उत्सुक रहेंगे। पारिवारिक जीवन में कुछ तनाव देखने को मिल सकता है। बहस व लड़ाई-झगड़ों से रिश्तों पर प्रभाव पड़ेगा। इन परिवारिक मुद्दों को जल्द ही सुलझाने की आवश्यकता है अन्यथा ये नियंत्रण से बाहर हो सकते हैं। कुछ समय अपने परिवार वालों के साथ भी बिताएं, ऐसा करने से संबंधों में मधुरता आएगी। इसके साथ ही अपने जीवन साथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आंखों से संबंधित कोई समस्या उन्हें इस महीने परेशान कर सकती है। इस मास 2, 3, 10, 11, 12, 19, 20, 21, 29, 30 दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर

यह माह आपके लिए उलझन भरा रहेगा। एकाग्रता में कमी आ जाने से आपको परेशानी हो सकती है। कई बार आपको चिड़चिड़ापन भी महसूस हो सकता है और आपका गुस्सा पारिवारिक समस्याओं को बढ़ा सकता है। इस दौरान आपको अपने बिजनेस व आर्थिक चीजों से जुड़े विषयों में सतर्क रहने की आवश्यकता है क्योंकि आपका अपना ही कोई करीबी आपके साथ धोखा कर सकता है। इस बीच आप आर्थिक तंगी से भी गुजर सकते हैं। बेहतर वित्तीय नियोजन की आवश्यकता है और खर्चों पर ध्यान देने की जरूरत है। नकारात्मक ऊर्जा को अपने ऊपर हावी न होने दें और सकारात्मक रहें। लगभग आधा माह बीत जाने के बाद आपका अच्छा समय प्रारम्भ हो जाएगा। कामकाजी महिलाओं के लिए समय अनुकूल नहीं है क्योंकि इस दौरान वो अपने घरेलू जीवन व कार्यक्षेत्र में सामञ्जस्य नहीं बना पाएंगी। कार्यभार के चलते आपको तनाव हो सकता हैं। इस मास 7, 8, 15, 16, 17, 25, 26, 27 दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर

यह महीना आपके स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है। इस दौरान स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं, इसलिए बिल्कुल भी लापरवाही न रखें और अपना ध्यान रखें। दवाइयों के व्यय बढ़ जाने से बजट बिगड़ सकता है। कुछ जातक इस दौरान ज्वर आदि से बीमार भी पड़ सकते हैं। इस दौरान पिता को आर्थिक रूप से बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसके साथ ही ये स्थिति कुछ और गंभीर पारिवारिक समस्याओं को इंगित कर रही है। परिवार के सदस्यों में आपस में न बनने से घर की सुख-शांति भंग हो सकती है। जल्द ही सभी जटिल समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करें। बच्चों पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि इस दौरान वे गलत संगत के कारण किसी समस्या में फंस सकते हैं। उन्हें हर दिशा में आपके मार्गदर्शन, प्रेम और स्नेह की आवश्यकता होगी। इस अवधि के दौरान चिकित्सा अनुसंधान से जुड़े लोग अपने कार्य में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। इस मास 4, 5, 13, 14, 23, 24, 31 दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर

इस माह आप अपनी नौकरी बदलने की योजना बना सकते हैं और इस बीच कुछ नये अवसर भी प्राप्त कर सकते हैं। किसी अच्छे मौके को ठुकराने की गलती न करें। व्यावसायिक जीवन में कुछ सकारात्मक बदलाव आएंगे जो आपको नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएंगे। इस मास आपको अपने जीवनसाथी के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताना चाहिए अन्यथा आपकी उनके प्रति अनदेखी वैवाहिक जीवन में समस्या उत्पन्न कर सकती हैं। अपने जीवनसाथी के साथ बाहर घूमने की योजना बनाये, ऐसा करने से भी आपके रिश्तों में मिठास आएगी। साथी की सेहत का ख्याल रखें, उसमें बिल्कुल भी लापरवाही न बरतें। कार्यरत्त लोगों को अपने सहभागियों के साथ अच्छा संबंध बनाये रखने की सलाह दी जाती है। अनावश्यक बहस से बचें। उत्तम होगा यदि आप अपने साथी पर थोड़ा विश्वास दिखाएं। धन का आगमन होता रहेगा और आय के कई नए स्रोत प्राप्त होंगे। कंप्यूटर के व्यवसाय से जुड़े लोगों को अच्छा लाभ मिलने की उम्मीद है। इस मास 1, 2, 9, 10, 11, 19, 20, 28, 29 दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर

इस माह आपके पिता को उनके सत्कर्मों के लिए सम्मानित किया जाएगा व समाज में उनकी प्रशंसा होगी। बच्चों के द्वारा अर्जित की गई सफलता आपको खुशी देगी व परिवार का नाम ऊंचा करेगी। अचानक से आपकी रुचि कलात्मक कार्यों और मनोरंजन से जुड़ी गतिविधियों में बढ़ जाएगी। अपने रिश्तों के प्रति कोई लापरवाही न बरतें और गलत शब्दों के प्रयोग से बचें क्योंकि स्वभाव में कठोरता दूसरों, खासतौर पर आपके परिवार वालों का दिल दुखा सकती है। इस माह अपने गुस्से पर काबू पाने की कोशिश करें वरना विवादित बोल से स्थिति बिगड़ सकती है। परिवार के कुछ सदस्य चीजों को सुधारने व बदलने के लिए इस दौरान अलग रहना पसंद करेंगे। लेकिन निजी जिंदगी में तनाव बरकरार रहेगा जिसके चलते आप भी परेशान रहेंगे। इसलिए मुश्किल परिस्थितियों में अपने स्वभाव में विनम्रता लाएं व गुस्से पर कंट्रोल करें। इस दौरान आपकी तबियत बिगड़ भी सकती है। आंख, दांत, गले से संबंधित रोग हो सकता है। खान-पान की गलत आदतें अपच, गैस या एसिडिटी की समस्या उत्पन्न कर सकती हैं, इसलिए अपने भोजन का विशेष ध्यान रखें। इस माह 6, 7, 8, 16, 17, 18, 25, 26 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी 2023

इस मास आपके पिता को कई अवसर मिलेंगे जो उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को बढ़ाएंगे। विद्यार्थी वर्ग को ओर से अच्छी सूचना प्राप्ति की उम्मीद है। वे परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करेंगे और अच्छे अंक प्राप्त करेंगे। कुछ छात्रों को प्रतिष्ठित और प्रसिद्ध अकादमिक संस्थानों में प्रवेश मिलेगा। रचनात्मक क्षेत्रों में कार्य कर रहे लोगों के लिए अनुकूल समय है। इस दौरान बड़ी सफलता मिलने के आसार हैं। इस माह अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने की अधिक आवश्यकता होगी। पेट में दर्द, अपच या जलन की शिकायत रह सकती है। तड़क भड़क वाले व तैलीय खाने से परहेज करें। इस माह आपको अपने वैवाहिक जीवन के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है। बहस और झगड़ों की स्थिति बन रही है जिसके चलते रिश्तों में तनाव हो सकता है। इस मास 3, 4, 13, 14, 21, 22, 23, 30, 31 दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी

इस माह आपको आर्थिक रूप से किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। देवी लक्ष्मी की कृपा आप पर पूरी तरह से बनी रहेगी और आप इस बीच सुख साधनों की प्राप्ति पर विशेष खर्च कर सकते हैं। वाहन चलाते समय सावधान रहें। इसके अलावा इसी दौरान आप अपने घर की मरम्मत या उसकी सजावट में भी रुपये खर्च कर सकते हैं। कुछ जातक इस बीच बचत के तौर पर या फिर खेती के लिए भी जमीन खरीद सकते हैं। लेकिन जमीन खरीदते वक्त थोड़ी सावधानी रखें खासतौर पर कागजात या फिर जमीन संबंधित पुराने कानूनी मामलों में ध्यान रखने की आवश्यकता होगी। इस मास जीवन साथी के साथ थोड़े बहुत झगड़े हो सकते हैं। एक-दूसरे के विचार से सहमत न हो पाने के कारण ये विवाद हो सकते हैं। स्वभाव में थोड़ा सा बदलाव जीवन में खुशी व शांति लेकर आ सकता है इसलिए अपने जीवनसाथी की बात को समझें और उनकी भावनाओं का सम्मान करें अन्यथा बात बढ़ सकती है। इस दौरान आप अपना समय घर की जिम्मेवारी में अधिक व्यस्त रहेंगे जिस कारण से व्यावसायिक जीवन में मुश्किल में कुछ समस्या आ सकती है। इस दौरान स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अतिरिक्त भार व थकान आदि से आप परेशान हो सकते हैं। काम का भार अपने ऊपर बहुत ज्यादा न डालें, ऐसा करने से सेहत कमजोर हो सकती है। इस मास 1, 9, 10, 11, 18, 19, 26, 27, 28 दिनांक नेष्ट रहेगी।

मार्च

इस माह आप अपने निजी व व्यावसायिक जीवन में संतुलन बनाकर चलें। कुछ बोलने से पहले सोच-विचार जरूर कर लें। कार्यस्थल व परिवार में कुछ गलतफहमियां उत्पन्न हो सकती हैं। पारिवारिक आय में अप्रत्याशित वृद्धि हो सकती है। वहीं दूसरी तरफ आपके व्यय भी बढ़ने वाले हैं। यदि बजट बनाकर नहीं चले तो भविष्य में आर्थिक तंगी देखने को मिल सकती है और संघर्ष करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में तेजी से कुछ महत्वपूर्ण बदलाव आएंगे जिससे भी लाभकारी परिणाम प्राप्त होंगे। ज्यादा लाभ कमाने के लिए आप व्यापार में भाई-बहनों का सहयोग भी प्राप्त कर सकते हैं। कार्यस्थल पर अपने बेहतर प्रदर्शन से आप लोगों को आश्चर्यचकित कर देंगे। सहभागियों को आपसे ईर्ष्या की भावना हो सकती है और वो आपके लिए समस्याएं उत्पन्न कर सकते हैं। इसलिए सतर्क रहें और सावधानीपूर्वक कार्य करें। इस मास 8, 9, 10, 17, 18 दिनांक कुछ कष्टकारक हो सकती हैं।

कर्क राशि (ही, हु, हे, हो, डा, डी, डु, डे, डो)

अप्रैल

इस मास स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं से आप ग्रसित रहेंगे। अस्थि विकार, एलर्जी, वायु विकार, रक्त विकार के कारण आप व्यथित रहेंगे। भूमि व संपत्ति संबंधी कार्यों में सफलता रहेगी। परन्तु अत्यधिक यात्राओं के कारण आप दुखी रहेंगे। परिवार का वातावरण भी प्राय: अच्छा नहीं रहेगा। मास के उत्तरार्ध में पत्नी के स्वास्थ्य को लेकर भी आप परेशान रह सकते है। धार्मिक कार्यों में रूचि कम रहेगी। धन के अपव्यय से आप दुखी रह सकते है। शत्रुओं की प्रबलता रहेगी परन्तु आप अन्त में उन्हें परास्त करने में सफल होंगे। वाहन चलाने में सावधानी रखें। मास 7, 8, 9, 16, 17, 18,25, 26 दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई

यह मास प्राय: आपके लिए तनावपूर्ण रहेगा। पारिवारिक क्लेश एवं शारीरिक स्वास्थ्य से आप व्यथित रहेंगे, परन्तु पराक्रम में वृद्धि रहेगी। छोटे भाई बहनों का स्वास्थ्य भी कुछ प्रतिकूल रह सकता है। आप उनके लिए चिंतित रहेंगे। भूमि व संपत्ति संबंधित विवादों में धनव्यय संभावित है। न्यायालयीय निर्णय में विलम्ब से आप व्यथित रहेंगे। धनागम का अच्छा योग बनेगा। परन्तु धार्मिक कार्यों एवं यात्राओं में धनव्यय होगा। जिस कारण समाज में आपकी अच्छी प्रतिष्ठा रहेगी। कार्यक्षेत्र में मित्रों के सहयोग से सफलता मिलेगी। प्राय: इस मास आप वायुविकार, पित्त विकार, त्वचा संबंधी रोग एवं संक्रमण जनित रोगों से पीड़ित रह सकते है। विद्याध्ययन एवं रोजगार क्षेत्र में किये गए प्रयास सफल हो सकते है। इस मास 5, 6, 14, 15, 22, 23, 24 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून

यह मास आपके लिए प्राय: अच्छा रहेगा। पराक्रम में वृद्धि रहेगी। माता के स्वास्थ्य में

कुछ सुधार सम्भव है। धनागम अच्छा रहेगा। धन संपत्ति व भूमि क्रय के योग बनते है। परन्तु यदा कदा अध्ययन में बाधा उत्पन्न हो सकती है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्राय: ठीक रहेगा परन्तु कभी कभी पित्त विकार, नेत्र विकार एवं शिरोवेदना से कष्ट संभावित है। भाग्य के साथ देने से कुछ रुके हुए काम बन सकते है। पद प्रतिष्ठा प्राप्ति के योग भी बनते है। इस मास धार्मिक यात्राएं भी संभावित है। पारिवारिक वातावरण प्राय: सौहार्दपूर्ण होगा परन्तु मासान्त में पारिवारिक मनमुटाव व झगडे की स्थिति बनती है। रोजगार के क्षेत्र में कुछ अच्छी संभावनाऐ बनती है। **1,2, 3, 10, 11, 12, 19, 20, 29, 28, 30** दिनांक इस मास नेष्ट रहेंगी।

जुलाई

इस मास के प्रारम्भ में यदा कदा नेत्र कष्ट, रक्त विकार, मानसिक उलझनों से आप व्यथित रह सकते है। माता का स्वास्थ्य भी कष्टकारी रह सकता है। पारिवारिक वातावरण सौहार्दपूर्ण रहने की संभावना है। धन का आगमन अच्छा रहेगा। आय के नए स्रोत उत्पन्न हो सकते है। मास के उत्तरार्ध में धन सम्पत्ति प्राप्ति के कुछ योग बनते है परन्तु वाहन चलाते समय सावधानी अपेक्षित है। विद्याप्राप्ति के कुछ योग बनते है, परन्तु परिश्रम की आवश्यकता रहेगी। रोजगार के क्षेत्र में नवीन संभावनाऐ बनेंगी, परन्तु पिता का स्वास्थ्य शिथिल रह सकता है। **8, 9, 17, 16, 25, 26, 27** दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अगस्त

इस मास कार्य करने की क्षमता में वृद्धि होगी। अपना कार्य दुगुने उत्साह से संपन्न करेंगे। रुके हुए कार्य पुन: प्रारम्भ होंगे। इच्छित योजनाएं साकार रूप लेगी। लम्बे समय से अटका धन प्राप्त होगा। विद्यार्थियों को भी अध्ययन में विशेष लाभ होगा। अध्ययन में किये गये परिश्रम का शुभ परिणाम प्राप्त होगा। विवाह योग्य जातकों के संबंधों की चर्चा होगी व विवाह संबंध तय होंगे। प्रेम संबंध भी सफल होंगे व संबंध विवाह में परिणित होंगे। दंपत्तियों को सन्तति की प्राप्ति होगी। भाग्य में वृद्धि होगी। सभी प्रकार की सुख सम्पदा में वृद्धि होगी। आजीविका प्राप्ति के नये अवसर उत्पन्न होंगे। बेरोजगार जातकों को शीघ्र ही आजीविका प्राप्त होगी। व्यापारी वर्ग को भी लाभ होगा। **4, 5, 12, 13, 14, 22, 23, 31** दिनांके नेष्ट रहेंगी।

सितम्बर

इस मास मित्र व जनता का विशेष सहयोग प्राप्त होगा। विशेष रूप से राजनैतिक क्षेत्र से संबंधित जातकों को अपने कार्य में लाभ होगा। प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर रहे बालकों के लिये यह मास अतिउत्तम रहेगा। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे जातकों की गहन शोध के प्रति रूचि बढेगी। नये विषयों का अध्ययन करेंगे। सन्तान पक्ष से शुभ सूचना प्राप्त होगी। भाई-बहनों से संबंध मधुर होगा व उनके सहयोग से रूके हुए कार्य पूर्ण होंगे। त्वचा, मुख व वाणी संबंधित विकार हो सकते है। स्वास्थ्य कुछ कमजोर रह सकता है। इस मास **1, 2, 9, 10, 18, 19, 20, 28, 29** दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अक्टूबर

इस मास व्यापारी वर्ग को उत्तम लाभ होगा। धन प्राप्ति के नये अवसर प्राप्त होंगे। नेत्र विकार हो सकते है। पिता को कष्ट व राजनीतिक पक्ष से बाधाऐं हो सकती है। हृदय व अस्थि विकार की संभावना हो सकती है। वात विकार से शारीरिक कष्ट हो सकता है। दिनांक 17 के उपरान्त साझेदार व जीवनसाथी के साथ अनबन हो सकती है। यात्रा के योग बनेंगे। मित्रों व समाज के साथ संबंध प्रगाढ होंगे। वाहन, भूमि आदि सुख साधनों का लाभ होगा। इस मास **6, 7, 15, 16, 17, 25, 26** दिनांक नेष्ट रहेंगी।

नवम्बर

संतान से अनबन रह सकती है। नये विषयों का ज्ञान होगा। क्रोध व ऊर्जा में कुछ वृद्धि होगी। मुख, उदर व त्वचा संबंधित विकार हो सकते है। विद्यार्थियों को परिश्रम अधिक करना होगा, विद्याध्ययन व प्रतियोगी परिक्षाओं में कुछ बाधा रहेगी। मधुमेह, मूत्र विकार व गुप्त विकार हो सकते हैं। जीवनसाथी से व्यर्थ विवाद व आपसी अनबन रह सकती है। सन्तान संबंधित कष्ट होगा। भाई बहनों से संबंध उत्तम रहेंगे। परिश्रम का उचित फल न मिलने से निराशा हो सकती है। इस मास **2, 3, 4, 11, 12, 13, 21, 22, 23, 30** दिनांक नेष्ट रहेंगी।

दिसम्बर

भूमि, जमीन, प्रोपर्टी, वाहन संबंधित लाभ होंगे। उत्साह व ऊर्जा बढेगी। योग, औषधि, स्वास्थ्य आदि के प्रति रुचि बढेगी। परन्तु दुर्घटना, चोट, अग्निभय आदि की संभावनाऐं बढेगी। व्यर्थ के विवादों से बचना चाहिये। लाभ प्राप्ति के अवसर बढेगे। भोजनालय, रेस्टोरेन्ट, मशीनरी, प्रोपर्टी, अग्नि संबंधित कार्य करने वाले जातकों को लाभ होगा। बच्चों की खेल के प्रति रुचि बढेगी। खेल व खेल सामग्री से जुडे जातकों को विशेष लाभ होगा। मनोरंजन व सुख साधनों की प्राप्ति हेतु विशेष व्यय होगा। वाणी का प्रभाव बढेगा। माता व ननिहाल पक्ष से विशेष लाभ हो सकता है। इस मास **1, 9, 10, 11, 19, 20, 27, 28** दिनांक नेष्ट रहेंगी।

जनवरी 2023

इस मास विशेष सम्मान की प्राप्ति होगी। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। क्रोध में कुछ वृद्धि होगी व मन में संताप होगा। नव दम्पत्तियों को सन्तान लाभ होगा। विद्याध्ययन में उन्नति होगी। सुख साधन व मनोरंजन के नवीन साधन उपलब्ध होंगे। शेयर मार्केट से संबंधित कार्य करने वालों को लाभ होगा। नौकरी आजीविका संबंधित बाधाऐं दूर होगी। पिता को लाभ होगा। अपने कार्यक्षेत्र में प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। वस्त्र उद्योग, साफ्टवेयर, कम्प्यूटर, सौन्दर्य प्रसाधन संबंधित कार्य करने वाले जातकों को लाभ प्राप्त होगा। विवाह योग्य जातकों के संबंध तय होंगे। इस मास **5, 6, 7, 15, 16, 17, 23, 24, 25** दिनांक नेष्ट रहेंगी।

फरवरी

इस मास में आपके मन में भ्रम की स्थिति रहेगी। यात्रा व स्थान परिवर्तन के योग बनेंगे। विदेश यात्राओं हेतु भी यह मास उत्तम है। जीवनसाथी से कुछ अनबन रह सकती है। व्यापार में कुछ बाधा हो सकती है। भाई-बहनों से संबंध मधुर बनेंगे। जिन जातकों को आजीविका की चिंता है, उनकी चिन्ता दूर होगी। युवाओं को आजीविका के नए अवसर प्राप्त होंगे। विद्यार्थियों हेतु भी यह मास उत्तम रहेगा। वाहन-भूमि आदि का सुख प्राप्त होगा। माता का स्वास्थ्य कुछ कमजोर रह सकता है। पैरों व हाथ में चोट लगने की संभावना है। बायीं आँख में चोट लग सकती है। त्वचा संबंधित रोग हो सकते हैं। इस मास **1, 2, 3, 11, 12, 13, 20, 21** दिनांक नेष्ट रहेंगी।

मार्च

यह मास आपके लिए अधिकांशत: शुभ रहेगा। पराक्रम में वृद्धि, वाहन लाभ विद्याध्ययन में रूचि, शत्रु पराजय, भाग्योदय, आय के स्रोतों में वृद्धि एवं धार्मिक यात्राओं व सद्-व्यय से आप प्रफुल्लित रहेंगे। परन्तु जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ शिथिल रह सकता है। स्वयं का स्वास्थ्य भी रक्तविकार एवं वायुविकार के कारण कुछ प्रतिकूल रह सकता है। विद्याध्ययन में कुछ बाधाएं आ सकती है। भूमि संपत्ति एवं वाहनप्राप्ति के कुछ अच्छे योग बन सकते है। कार्यक्षेत्र में मान प्रतिप्ठा में वृद्धि होगी। परन्तु कभी कभी विपक्षियों के हावी होने के कारण परेशानी हो सकती है। रोजगार के क्षेत्र में कड़े संघर्ष के उपरान्त सफलता प्राप्ति के योग बनते है। पारिवारिक वातावरण प्राय: अच्छा रहेगा। इस मास 1, 2, 11, 12, 19, 20 दिनांक नेष्ट रहेगी।

सिंह राशि (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)

अप्रैल

इस महीने की शुरुआत आपके लिए बेहद अच्छी रहेगी। व्यक्तिगत जीवन व कार्यक्षेत्र में आप सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे। व्यक्तिगत जीवन में आप सौहार्दपूर्ण रिश्तों का आनंद लेंगे। इस माह आपका झुकाव आध्यात्मिक और धार्मिक कार्यों के प्रति अधिक होगा और आप इन कार्यों में सम्मिलित होंगे। कार्यस्थल पर अच्छा काम करने के कारण आपको पदोन्नति मिलने की संभावना है। सहकर्मी और वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की प्रशंसा करेंगे। परन्तु कार्यक्षेत्र में साथ काम करने वाले लोगों से विवाद करने से बचें। भाई-बहन के साथ कर रहे व्यापार में लाभ की प्राप्ति होगी। इस माह आप कड़ी मेहनत से ढेर सारा धन कमाएंगे और आपको तरक्की के कई अवसर प्राप्त होंगे। यदि आप एक छात्र हैं तो परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए आपको पूरी एकाग्रता के साथ पढ़ना होगा। इस मास 10, 11, 19, 20, 27, 28, 29 दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई

यह महीना आपके लिए अच्छा रहेगा। इस अवधि में आप काम और वित्तीय मामलों को लेकर सुखद स्थिति का अनुभव करेंगे। कार्यस्थल पर आप अपने काम और बेहतर प्रदर्शन से अधिकारियों को प्रसन्न कर देंगे। इसके फलस्वरुप ऑफिस में आपको विशेष जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है, साथ ही आपको मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। आर्थिक मोर्चे पर इस माह धन का आवागमन अच्छा रहेगा और आप सुखमय जीवन व्यतीत करेंगे। इस अवधि में आप जो भी निवेश करेंगे उससे लाभ की प्राप्ति होगी। व्यापार को बढ़ाने के लिए यह समय बिल्कुल उपयुक्त है। परिवार में शांति, सद्भाव, स्नेह और एकता बनी रहेगी। आपके घर का वातावरण बहुत ही अच्छा रहेगा। इसके अलावा आपका वैवाहिक जीवन भी बहुत सुखमय रहेगा। आप दोनों के रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। सार्वजनिक जीवन में लोग आपके सकारात्मक व्यक्तित्व से प्रभावित होंगे और इससे आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी। इस मास 7, 8, 9, 16, 17, 24, 25, 26 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून

इस माह आप भाग्यशाली और खुशी रहेंगे। आप पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस अवधि में आप आवश्य निर्णय लेने हेतु साहस और बुद्धि से काम लेंगे। कार्यस्थल पर सफलता प्राप्त करने के लिए आप बेहतर प्रयास करेंगे और निश्चित ही आपको अपनी मेहनत का परिणाम मिलेगा। कार्य में अधिक व्यस्त रहने के कारण आप परिवार को ज्यादा समय नहीं दे पाएंगे। जीवनसाथी से आपके रिश्ते अच्छे बने रहेंगे लेकिन काम से समय निकालकर उनके साथ कुछ समय व्यतीत करें तो यह आपके संबंधों के लिए बेहतर होगा। बच्चे पढ़ाई-लिखाई में बहुत ही अच्छा प्रदर्शन करेंगे। वे अपनी क्षमता और योग्यता के अनुसार आगे की पढ़ाई के लिए विषय चयन कर सकते है। यदि आप छात्र हैं तो इस महीने ऊर्जा से भरपूर रहेंगे और समय का भरपूर प्रयोग करेंगे। इस मास 3, 4, 5, 12, 13, 14, 21, 22, 30 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जुलाई

इस महिने आपकी पदोन्नति और वेतन में बढ़ोत्तरी भी हो सकती है। वहीं पारिवारिक जीवन भी इस माह अच्छा रहने वाला है। इस महीने आपको भाग्य का सहयोग प्राप्त होने वाला है। कार्यस्थल पर आप अपने अच्छे प्रदर्शन से सबको आश्चर्यचकित कर देंगेइस दौरान आप परिवार के साथ यात्रा पर जा सकते हैं और उनके साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। इस माह घर पर शादी-विवाह व अन्य मांगलिक कार्यों का आयोजन संभव होगा। इस माह धन का आवागमन अच्छा रहने से आपको किसी प्रकार के आर्थिक संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा, लेकिन जोखिम भरे मामलों में निवेश करने से बचें। निवेश करने से पहले अच्छी तरह शोध कर लें। आप उत्साह और आत्म विश्वास से भरपूर रहेंगे इसलिए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें। अगर बात करें आपके बिजनेस की तो, आपका व्यावसायिक साझेदार असंतुष्ट दिखाई दे सकता है इसलिए सभी मतभेदों को सुलझाएं और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ें। अंत में इस माह सेहत को लेकर कोई लापरवाही नहीं बरतें। यदि किसी बीमारी से पीड़ित हैं तो नियमित जांच और परामर्श लें। इस मास 1, 2, 10, 11, 18, 19, 28, 29 दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त

यह महीना आपके पिता के लिए अच्छा रहेगा। इस अवधि में उनकी स्थिति मजबूत रहेगी और उन्हें प्रसिद्धि मिलेगी, साथ ही समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। परोपकारी कार्यों में उनकी सहभागिता रहने से उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन में शांति और सद्भाव बना रहेगा। परिवार के प्रत्येक सदस्यों से आपको स्नेह और सहयोग मिलेगा। यह समय आपके लिए अत्यंत शुभ रहेगा। इस दौरान आपको माता-पिता से भौतिक सुखों की प्राप्ति होगी। महीने के अंतिम दिनों में जीवनसाथी/प्रियतम के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। जीवनसाथी की सेहत आपके लिए चिंता का कारण बन सकती है, इसलिए उनका विशेष ध्यान रखें। यह समय किसी भी तरह का लोन या कर्ज लेने के लिए उपयुक्त नहीं है, अत: सावधान रहें क्योंकि इस दौरान वित्तीय नुकसान हो सकता है। इस मास 6, 7, 8, 14, 15, 16, 24, 25, 26 दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर

यह महीना विशेषकर महिला जातकों के लिए अच्छा नहीं रहेगा। इस माह उन्हें कुछ शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए अपना ध्यान रखें और डॉक्टर से परामर्श लेते रहें। आप अपने व्यक्तिगत जीवन में कुछ परेशानियों को महसूस करेंगे। वहीं कार्यस्थल पर सहकर्मीयों व वरिष्ठों के साथ अच्छे संबंध बनाकर चलें। कार्यक्षेत्र में किसी की बुराई करने

से बचें और सभी से विनम्रता से बात करें। महीने के उत्तरार्ध में रिश्तों को लेकर अपना दृष्टिकोण साफ रखना होगा। आपकी उन्नति में जीवनसाथी का महत्त्वपूर्ण योगदान होगा और आपका वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। इस माह आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी और यदि आप किसी योजना में निवेश करेंगे तो आपको इससे अच्छा लाभ होगा। इस मास **3, 4, 11, 12, 19, 20, 21, 22, 30** दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर

आप इस महीने स्वस्थ रहेंगे हालांकि मानसिक रूप से थोड़े परेशान रह सकते हैं। इस कारण उनकी एकाग्रता और सोचने की क्षमता पर प्रभाव पड़ेगा, इसलिए नकारात्मक विचारों को अपने ऊपर बिल्कुल हावी नहीं होने दें। मानसिक शांति के लिए आपको योग व प्राणायाम का सहारा लेना चाहिये। इस माह वैवाहिक जीवन में विषम परिस्थितियां उत्पन्न होगी। इस दौरान छोटा मतभेद भी किसी बड़े विवाद का कारण बन सकता है। महीने के उत्तरार्ध में भी आपको वैवाहिक जीवन में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए सावधान रहें। वहीं इस माह पारिवारिक संबंधों में भी आपको उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान आपका अपने साझेदार से विवाद हो सकता है। वे जातक जो अकेले हैं इस माह किसी दर्शनीय स्थल की यात्रा कर सकते हैं। इस माह आप व्यर्थ के कामों में अपनी ऊर्जा नष्ट नहीं करें बल्कि अपना ध्यान लक्ष्य की ओर रखें। कार्यक्षेत्र में उन्नति इस माह अच्छी रहने वाली है और पदोन्नति के योग बन रहे हैं। आर्थिक मामलों में आंख मूंदकर किसी पर विश्वास ना करें, यह आपके लिए बेहतर होगा। इस मास **1, 8, 9, 10, 18, 19, 27, 28** दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर

यह महीना उन छात्रों के लिए अच्छा रहने वाला है, जो कलात्मक विषय की पढ़ाई कर रहे हैं। इस अवधि में वे अपने अंदर छुपी हुई प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे और प्रशंसा पाएंगे। वहीं दूसरी ओर इस माह आपकी आर्थिक स्थिति और बेहतर होगी एवं आप कोई नई संपत्ति खरीद सकते हैं। इस दौरान आपके खर्चों में अत्यधिक वृद्धि भी होगी। जातक जो विदेशों में काम कर रहे हैं उन्हें कार्य स्थल पर परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, अतः वे धैर्य से काम लें। क्योंकि इस अवधि में जो भी विवाद व मतभेद सामने आएंगे वे जल्द ही हल हो जाएंगे। वे जातक जो इस माह विदेश जाने की योजना बना रहे हैं उन्हें अभी अपने इस विचार को त्याग देना चाहिए। क्योंकि यह महीना विदेश यात्रा के लिए उपयुक्त नहीं है। आपको कई अच्छे अवसर मिलेंगे लेकिन अच्छा अवसर सही समय पर ही आएगा। पारिवारिक जीवन में तनाव और विवाद की संभावना है। घर में जीवनसाथी और परिजनों के साथ मनमुटाव हो सकता है, इसलिए सभी मतभेदों को धैर्य और परिपक्वता के साथ निपटाएं। इस मास **4, 5, 6, 14, 15, 16, 23, 24, 25** दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर

इस महीने आप को कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और काम में सफलता मिलने से आप प्रसन्न रहेंगे। विदेशी संपर्क और संबंध आपके लिए लाभकारी होंगे और उनके द्वारा आपको अच्छा लाभ मिलने की संभावना है। छोटे भाई-बहनों के लिए यह महीना अच्छा रह सकता है क्योंकि इस दौरान उच्च शिक्षा के लिए उनके विदेश जाने की संभावना बन रही है लेकिन इस संबंध में थोड़ी सावधानी बरतें। आप मानसिक रूप से बेहद खुश रहेंगे और आपके उत्साह में वृद्धि होगी। माँ का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, पुराने रोग शान्त होंगे। सामाजिक कार्यों में उनकी सहभागिता रहने से उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी, साथ ही वे आर्थिक रूप से आपकी मदद भी करेंगी। इस महीने आप तीर्थदर्शन के लिए जा सकते हैं। इस महीने आपकी सेहत अच्छी रहेगी लेकिन नियमित व्यायाम करना आपके लिए और भी लाभकारी रहेगा। इस मास **2, 3, 11, 12, 13, 21, 22, 29, 30** दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी 2023

इस महीने में आप को स्वास्थ्य संबंधी समस्या का सामना करना पड़ सकता है, विशेष रूप से पेट से जुड़ी कोई बीमारी परेशान कर सकती है। इसलिए अपने खानपान पर विशेष ध्यान दें। मुंह में छाले, घाव और नेत्र संबंधी पीड़ा भी हो सकती है। पारिवारिक जीवन इस माह अच्छा रहने वाला है। घर-परिवार में खुशियां बनी रहेगी और आप परिजनों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। जीवनसाथी आपको कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा और आप दोनों के बीच अच्छे संबंध रहेंगे। कार्य स्थल पर आप कठिन परिश्रम करेंगे और आपको सफलता प्राप्त होगी। इस माह विरोधी आपको चोट पहुंचाने की कोशिश करेंगे लेकिन वे सफल नहीं हो पाएंगे। इस माह आप अपना सारा उधार चुका देंगे और आपकी वित्तीय स्थिति में मजबूती आएगी। शेयर बाजार में पूंजी निवेश करने से बचें अन्यथा बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। वे छात्र जो उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने की योजना बना रहे हैं उन्हें सलाह की आवश्यकता होगी। इसलिए सही मार्गदर्शन और सुझाव लेकर ही आगे बढ़ें। इस मास **8, 9, 17, 18, 19, 25, 26, 27** दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी

इस महीने में आपको को किसी भी तरह की आर्थिक चुनौतियों का सामना नहीं करना पड़ेगा, बल्कि इस अवधि में उन्हें अच्छा लाभ होने की संभावना है। क्योंकि इस दौरान किए गए निवेश से अप्रत्याशित लाभ होगा। यदि आपने प्रॉपर्टी में कोई निवेश किया हो तो बड़ा लाभ मिलने से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, साथ ही जीवनसाथी की ओर से मिलने वाले आर्थिक योगदान से परिवार की आय में वृद्धि होगी। इस माह आपको व्यवसाय में भी सफलता मिलने के योग हैं। इस समय अवधि में भाई-बहन या दोस्तों के साथ मिलकर किसी बिजनेस की शुरुआत करना आपके लिए लाभकारी हो सकती है। जो जातक साझेदारी में व्यवसाय कर रहे हैं उन्हे साझेदार की मदद से लाभ की प्राप्ति होगी। इस मास आपके दयालु स्वभाव और मधुर वाणी के कारण आपकी प्रशंसा होगी। इस मास **4, 5, 6, 14, 15, 22, 23** दिनांक नेष्ट रहेगी।

मार्च

यह महीना आपके लिए सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेगा। आपका आकर्षक व्यक्तित्व लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेगा। इस अवधि में आपके द्वारा विवेकपूर्ण तरीके से लिए गए फैसलों से अच्छे परिणाम प्राप्त होने की संभावना है। आपका पारिवारिक जीवन हर्ष और उल्लास से भरा होगा और आप परिजनों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। इसके अतिरिक्त जीवनसाथी के

साथ आपका बंधन और भी मजबूत होगा एवं आप दोनों एक साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। इस माह आपको मिलने वाली सफलता से आपके माता-पिता बहुत प्रसन्न होंगे। साथ ही उनकी ओर से मिलने वाला स्नेह और सहयोग आपके लिए लाभकारी रहेगा। इस माह आपके माता-पिता को भी कोई अप्रत्याशित लाभ मिलने की संभावना है। कुछ विवाहित जोड़े मिलकर कोई संपत्ति खरीद सकते हैं। परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र या परिणाम का इंतजार कर रहे छात्र, दोनों के लिए यह समय अच्छा रहने वाला है। इस अवधि में आपको सफलता प्राप्त होगी। नए दोस्त बनने से सामाजिक प्रभाव बढेगा । दोस्तों और परिजनों के बीच आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। इस मास **3, 4, 5, 13, 14, 21** दिनांक नेष्ट रहेंगी।

कन्या राशि (टो पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)

अप्रैल

इस माह आर्थिक लाभ होने की संभावना दिखाई दे रही है लेकिन इस अवधि में व्यर्थ खर्च करने से बचें। आपके पिता को किसी गंभीर समस्या का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए सावधान रहें। इस माह मानसिक तनाव अधिक होने की वजह से व्यावसायिक जीवन में आप थकान और परेशानी महसूस करेंगे। इस दौरान वरिष्ठों के साथ कुछ मतभेद हो सकते हैं, जिन्हें सुलझाने की आवश्यकता होगी वरना इस कारण से कार्यस्थल पर आपकी एकाग्रता भंग होगी। अपने काम में गुणवत्ता लाने के लिए आप अधिक से अधिक प्रयास करेंगे। इस माह आप ज्यादा प्रसन्न नहीं रहेंगे, इसलिए बीती हुई बातों को याद ना करें और आराम करें। क्योंकि ज्यादा सोचने और निराश होने से आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। इस माह वैवाहिक जीवन के भी सुखद और समृद्ध रहने की पूरी संभावना है। आप जीवनसाथी के साथ बहुत ही अच्छे पल व्यतीत करेंगे। इस मास **2, 3, 4, 12, 13, 14, 21, 22, 29, 30** दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई

इस माह आपके पिता को सेहत संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए उनकी खास देखभाल करें। जरा सी लापरवाही उनके स्वास्थ्य के लिए घातक साबित हो सकती है। यदि बात करें आपकी प्रोफेशनल लाइफ की तो, इस माह सीनियर्स के साथ कुछ परेशानियां हो सकती हैं। सहकर्मियों की वजह से उच्च अधिकारियों के साथ भी विवाद की स्थिति बन सकती है। इसलिए ऑफिस में बेकार की बातें करने से वचें। इस माह अपने कार्यक्षेत्र में होने वाली परेशानियों का आपके व्यक्तिगत जीवन पर बुरा असर पड़ेगा। समझदारी से काम लेने की वजह से सब कुछ ठीक हो जाएगा। इस महीने मेडिकल संबंधी खर्च अधिक होने की वजह से आपका बजट बिगड़ सकता है। हालांकि इस माह आपकी सेहत बहुत अच्छी रहने वाली है लेकिन फिर भी स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न बरतें। आपका रुझान आध्यात्मिकता और रहस्यमयी विज्ञान जैसे विषयों की ओर बढ़ेगा। इस मास **1, 9, 10, 11, 18, 19, 27, 28** दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून

यह महीना आपके लिए बहुत ही सकारात्मक और अच्छा रहने वाला है। इस माह आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और आप अपने सभी अधूरे कार्यों को पूर्ण कर लेंगे। आपको लगातार सफलता मिलेगी और कठिन परिश्रम से उत्तम फल की प्राप्ति होगी। इस माह आध्यात्मिक चिंतन को लेकर आपकी रुचि बढ़ेगी। महीने के उत्तरार्ध में व्यक्तिगत जीवन में सुधार होगा। इस दौरान सभी तरह की चिंताएं खत्म होंगी और परिजनों से स्नेह और सहयोग मिलेगा, विशेषकर परिवार के बड़े लोगों से। इस माह आपकी आर्थिक स्थिति तो ठीक रहेगी लेकिन आपको खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा, इसलिए बेवजह खर्च ना करें। आमदनी के नए साधन मिलने से पारिवारिक आय में बढ़ोत्तरी होगी। इसके अलावा कुछ लोगों का कानूनी मामलों का भी सामना करना पड़ सकता है । अपनी व्यस्त दिनचर्या से कुछ समय निकालकर योग करें। यह आपकी सेहत के लिए अत्यंत लाभकारी रहेगा। इस मास **6, 7, 14, 15, 16, 23, 24, 25** दिनांक नेष्ट रहेगी।

जुलाई

आर्थिक पक्ष से भी यह महीना आपके लिए अच्छा नहीं होगा। अचानक कोई आर्थिक नुकसान होने की वजह से वित्तीय स्थिति पर बुरा असर पड़ सकता है। इस अवधि में पैसा उधार देने और उधार लेने से बचें। इस माह आप को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। सेहत पर खासतौर से ध्यान देने की जरुरत होगी। इस दौरान कुछ लोग हृदय और पेट से संबंधी बीमारी से परेशान रह सकते हैं। जीवनसाथी का स्वास्क भी अच्छा नहीं दिखाई दे रहा है, इसलिए स्वास्थ्य को लेकर सावधान रहें। घर में या बाहर रहते हुए किसी प्रकार की शीघ्रता ना करें, यही आपके लिए बेहतर होगा। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें, क्योंकि दुर्घटना की आशंका नजर आ रही है। इन सबके अलावा आपके पारिवारिक जीवन में तनाव बढ़ सकता है। इस दौरान गलतफहमी की वजह से विवाद की संभावना है, विशेषकर घर की महिलाओं से रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी काम की अधिकता की वजह से आप व्यस्त और तनाव में रहेंगे। इस मास **3, 4, 5, 12, 13, 20, 21, 22, 30, 31** दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त

इस महीने में आपको व्यक्तिगत जीवन में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। संतुलन की कमी की वजह से स्थिति और भी बिगड़ सकती है, इसलिए कार्यक्षेत्र और व्यक्तिगत जीवन में खुशियों के लिए शांति और संतुलन बनाकर चलें। आर्थिक रूप से यह महीना आपके लिए समृद्धशाली रहेगा और इस दौरान आपको अचानक कोई वित्तीय लाभ हो सकता है। पारिवारिक व्यवसाय भी अच्छे से चलता रहेगा और आमदनी बढ़ेगी। वहीं दूसरी ओर व्यावसायिक साझेदार से कुछ मामूली परेशानी हो सकती हैं, लेकिन यदि कुशलता के साथ काम लेंगे तो ये परेशानी आसानी से हल हो जाएगी। इस माह आमदनी अच्छी रहेगी लेकिन जीवन में खुशियों का अभाव रहेगा। विवाहित जातकों के लिए भी समय अच्छा नहीं है। वैवाहिक जीवन में कुछ बड़े समस्याएं आ सकती हैं, जिन्हें बहुत ही नरमी के साथ हल करने की कोशिश करनी होगी अन्यथा आपको कानूनी मामलों का भी सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह माह अच्छा रहने वाला है। इस मास १, ८, ९, १०, १७, १८, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर

आर्थिक लिहाज से यह महीना आपके लिए सामान्य रहने वाला है। इस अवधि में यदि आप कोई बड़ा निवेश करने के बारे में सोच रहे हैं तो रुक जाएं। क्योंकि यह समय इस काम

के लिए उपयुक्त नहीं है। इस माह अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें। पेट संबंधी कुछ रोगों से पीड़ित रह सकते हैं। यदि आप सेहतमंद रहना चाहते हैं तो अपनी संयमित जीवनशैली और स्वच्छ भोजन की आदत डालें। यह माह आपके जीवनसाथी की सेहत के लिए बिल्कुल ठीक नहीं है। इस दौरान वे हाई ब्लड प्रेशर, बुखार या संक्रमण की समस्या से पीड़ित रह सकते हैं, इसलिए थोड़ा सावधान रहें। इस माह आपके विरोधी मजबूत स्थिति में रहेंगे और आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे, अत: थोड़ी सावधानी रखें। अपने कार्यक्षेत्र और व्यक्तिगत जीवन में जल्दबाजी में आकर कोई भी निर्णय लेने से बचें, क्योंकि ऐसा करना आपके लिए घातक साबित हो सकता है। आपके व्यक्तिगत जीवन में विवाद और अशांति रह सकती है। प्रियजनों के साथ रिश्तों में दूरियां आ सकती है। हालांकि प्रयास करने से रिश्तों में सुधार होगा और संबंध सामान्य हो जाएंगे। इस मास **5, 6, 13, 14, 15, 23, 24** दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर

यह महीना आपके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहेगा। मानसिक तनाव और क्रोध की अधिकता से हालात और भी खराब होने की संभावना है। इस दौरान बड़े भाई-बहनों से विवाद हो सकता है। आपके कड़वे शब्द और बेवजह के विवादों में उलझने से लोग आपकी निंदा करेंगे। कुल मिलाकर शांतिपूर्ण जीवन के लिए इस माह आपको अपने क्रोध और स्वभाव पर नियंत्रण रखना होगा। माह के उत्तरार्ध में बच्चों की शिक्षा में कुछ परेशानियां आ सकती हैं, इसलिए आपको उनको अतिरिक्त समय देना होगा। किन बच्चों से दोस्ती की जाए इस बात को भी लेकर उन्हें आपसे सलाह की आवश्यकता होगी वरना ऐसा भी हो सकता है कि वे गलत संगत में पड़ जाएं। गर्भवती महिलाओं के लिए समय थोड़ा सावधानी से चलने वाला है, अत: ज्यादा तनाव न लें, खुश रहें और डॉक्टरी परामर्श लेते रहें। जुलाई के महीने में बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए आपको अपने विचारों में स्पष्टता रखनी होगी। इस मास **2, 3, 10, 11, 12, 20, 21, 22, 29, 30** दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर

इस माह आपको स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए अपने स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान दें। क्योंकि किसी भी तरह की लापरवाही कष्टकारक हो सकती है। इस महीने आप घर पर हालात को बेहतर करने के लिए अपनी ओर से पूरी कोशिश करेंगे। वहीं कार्य स्थल पर भी आप सफलता पाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। अपने बेहतर काम से मिलने वाली प्रशंसा से आप खुद हैरान हो जाएंगे। वरिष्ठों और उच्च अधिकारियों से अच्छे संबंध रखने से आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। आपका पारिवारिक जीवन भी सुखद और आनंदमय व्यतीत होगा। इस दौरान परिवार में शांति और सद्भाव का वातावरण रहेगा। जून के महीने में आपके व्यक्तिगत संबंधों में कुछ बदलाव होंगे और नए रिश्ते बनने की भी संभावना है। महिला जातकों को प्रेम-प्रसंग में आनी वाली परेशानियों को लेकर सावधान रहना होगा। क्योंकि संभव है कि प्रेम-प्रसंग के मामले में धोखा हो जाएं। इस दौरान संबंध टूट भी सकते हैं। इस मास **7, 8, 17, 18, 25, 26, 27** दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर

आप इस माह कठिन परिश्रम से धन कमाएंगे। कार्यस्थल पर आपकी कड़ी मेहनत और बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए आपको पदोन्नति प्राप्त हो सकती है, साथ ही कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। जो जातक व्यवसाय कर रहे हैं उन्हें इस माह अप्रत्याशित मौद्रिक लाभ मिल सकता है। इस मास जो भी निवेश करें सूझबूझ और दूरदृष्टि रखते हुए करें। यह महीना आर्थिक मामलों में बेहद अच्छा रहने वाला है। इस अवधि में आपको धन कमाने के कई नए अवसर मिलेंगे, जिससे आपकी वित्तीय स्थिति और सुदृढ़ होगी। घर और बाहर दोनों जगह कठोर भाषा बोलने से बचें, क्योंकि इससे किसी की भावनाओं को चोट पहुंच सकती है और ये आपके लिए परेशानी का कारण बन सकती है। इस माह आपकी रुचि कलात्मक कार्यों के प्रति ज्यादा रहेगी और विभिन्न कलात्मक गतिविधियों में शामिल होंगे। आपके बड़े भाई-बहनों के लिए यह समय बेहद समृद्धशाली रहेगा और परिवार में उनकी स्थिति और मजबूत होगी। इस मास **4, 5, 6, 14, 15, 16, 23, 24, 31** दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी 2023

इस माह में आप को अपनी भाषा और शब्दों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। क्योंकि इस कारण गलतफहमी होने की आशंका बन रही है। इस माह आय बढ़ने के साथ-साथ खर्च भी बढ़ेंगे। यदि आप अपने व्यापार का विस्तार करना चाहते हैं तो यह समय आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा और आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। पारिवारिक जीवन में उतार-चढ़ाव होने से आप थोड़ा तनाव अनुभव करेंगे। जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद होने से छोटे-मोटे विवाद हो सकते हैं, इसलिए समय रहते हुए इन सभी समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करें अन्यथा स्थिति और बिगड़ सकती है। इसके अलावा व्यक्तिगत समस्याओं के समाधान के लिए आपको साहस दिखाते हुए पहल करनी होगी। इस मास में बच्चे पढ़ाई-लिखाई में बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उनके बारे में ज्यादा चिंता करने की आवश्यकता नहीं होगी लेकिन उनका ध्यान अवश्य ही रखना होगा। इस मास **1, 2, 10, 11, 12, 19, 20, 21, 27, 28, 29** दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी

इस माह परिजनों से आपको बहुत प्यार मिलेगा। परिवार की महिलाओं से आपको अप्रत्याशित लाभ प्राप्त हो सकता है। आप ज्यादातर दिन तनाव मुक्त और उत्साहित जीवन व्यतीत करेंगे। इस महीने आपके व्यापारिक क्षेत्र में बहुत से सकारात्मक बदलाव होंगे। आपके काम और कठिन परिश्रम की प्रशंसा की जाएगी। ऐसे में यदि आप नौकरी में हैं तो इस माह आपको पदोन्नति मिलने की संभावना है। कार्य की अधिकता के चलते तनाव नहीं लें अन्यथा आप आत्मविश्वास की कमी अनुभव कर सकते हैं। इस माह आपकी आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी और आप कठिन परिश्रम से धन कमाएंगे। स्वभाव में उग्रता अधिक रहने से विषम परिस्थितियां उत्पन्न होंगी और कुछ लोग आपके विरोधी बन जाएंगे, अत: आप अपने मित्रवत व्यवहार और मधुर भाषा से संबंध बनाये रखने का प्रयास करें। इस माह स्वास्थ्य को लेकर बिल्कुल लापरवाही नहीं बरतें। नेत्र से संबंधी पीड़ा आपको परेशान कर सकती है। इस मास **6, 7, 8, 16, 17, 24, 25** दिनांक नेष्ट रहेगी।

मार्च

इस माह परिवार में आपके पिता का मान और बढ़ेगा। घर में कोई विवाद की स्थिति बनती है तो उनके दखल देने से मामला शांत हो जाएगा। आपके जीवनसाथी का विवाद घर के

किसी बड़े सदस्य के साथ हो सकता है और यह बात आपको परेशानी कर सकती है। यदि आप पारिवारिक जीवन में शांति और सद्भाव चाहते हैं तो इस तरह के घरेलू मुद्दों को बेहद परिपक्वता के साथ सुलझाएं। बच्चों के साथ स्नेह बढ़ेगा। शांति और संयम के साथ काम लें अन्यथा परिस्थितियां नियंत्रण से बाहर जा सकती है। इस माह बड़े भाई-बहनों के साथ भी आपके रिश्ते अच्छे रहने की संभावना कम है। कठिन वक्त के दौरान संयम बनाए रखें और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें। इस माह खर्च अधिक रहने की संभावना है इसलिए इस अवधि में सोच-समझकर पैसा खर्च करें। इन सबके अलावा जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें, साथ ही उनके खानपान पर भी ध्यान दें। इस मास **6, 7, 15, 16** दिनांक नेष्ट रहेगी।

तुला राशि (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)

अप्रैल

पारिवारिक कारणों से मानसिक क्लेश रह सकता है। जीवन में उथल-पुथल रह सकती है, इसलिए बेवजह के विवादों से बचने की कोशिश करें। जीवनसाथी से भी मतभेद होने की संभावना है। वाणी पर नियन्त्रण रखें। 16 अप्रैल के उपरान्त वाहन सम्पत्ति आदि सुख साधनों की प्राप्ति होगी। मातृपक्ष से लाभ होगा। पारिवारिक तनाव का असर आपके कार्य पर भी पड़ सकता है। भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा। काम में कुछ ज्यादा ही व्यस्तता रहेगी अत: अपने परिवार को अधिक समय नहीं दे पाएंगे। यही वजह आपके पारिवारिक जीवन में कलह का कारण बन सकती है। कलात्मक कार्यों में रुचि रह सकती है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। प्रॉपर्टी खरीद सकते हैं लेकिन आर्थिक मामलों में थोड़ा संभलकर चलने का समय है। सुख की प्राप्ति होगी। इस मास **5, 6, 14, 15, 16, 23, 24** दिनांक कुछ कष्टकारक रह सकती है।

मई

धन प्राप्ति के नये साधन उत्पन्न होंगे। मातृ पक्ष में मामा नाना मौसी इत्यादि को कष्ट हो सकता है। गुदा संबंधित विकार हो सकते हैं। मानहानि से बचे। प्रशासनिक व सरकारी तन्त्र से परेशानी हो सकती है। मशीनरी व विद्युतीय उपकरणों से संबंधित कार्य करने वालों को लाभ होगा। विद्या व संतान प्राप्ति में बाधा हो सकती है। घरेलू कलह हो सकती है। यदि आप सुखमय वैवाहिक जीवन चाहते हैं, तो आपको इस महीने एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करना होगा। परिवार से जुड़ा कोई भी निर्णय लेने से पहले अच्छे से सोच-विचार कर लें। ज्योतिष विज्ञान और गूढ़ विज्ञान जैसे विषयों से जुड़े लोगों के लिए यह समय अच्छा रहेगा। बेहतर कार्य के लिए आपको प्रशंसा और पुरस्कार प्राप्त होगा। वहीं मेडिकल रिसर्च का कार्य कर रहे जातकों को शोध के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। इस महीने आर्थिक उतार-चढ़ाव देखने को भी मिलेंगे। किसी नए कार्य में निवेश करने से और उधारी व ऋण लेने से बचें। आपके व्यक्तिगत प्रयासों की बदौलत आपको कुछ अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। आपकी आमदनी में वृद्धि होगी और आपको आय के नए साधन मिलेंगे। इस महीना आपके पिता की सेहत में गिरावट देखने को मिल सकती है या फिर पिता के साथ आपके रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं। भाईयों से विवाद हो सकता है। इस मास **2, 3, 4, 12, 13, 20, 21, 29, 30, 31** दिनांक नेष्ट है।

जून

जून का महीना प्राय: शुभ रहने वाला है। अपने प्रियजनों के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे। प्रियजनों के साथ कंधे से कंधे मिलाकर आगे बढ़ेंगे और अपने रिश्ते अच्छे होंगे परन्तु माता का स्वास्थ्य कुछ कमजोर रह सकता है। जीवनसाथी से किसी भी तरह का विवाद करने से बचें। साथ ही सौहार्दपूर्ण रिश्ते बनाये रखने के लिए एक-दूसरे के विचारों को महत्व दें। इस महीने अपने स्वास्थ्य का खास ख्याल रखें। क्योंकि अनिद्रा से पीड़ित रहने की संभावना अधिक है। नेत्रों में कष्ट हो सकता है। वाहन सावधानीपूर्वक चलाये। गलतफहमी की वजह से सामाजिक रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं इसलिए दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मिलकर हर तरह की शंका को दूर करने की कोशिश करें। धर्म के प्रति आलस्य रहेगा अत: तीर्थ दर्शन के लिए जाना चाहिए । शुभ कार्यों में विशेष व्यय हो सकता है। इस मास **8, 9, 10, 16, 17, 18, 26, 27** दिनांक नेष्ट हैं।

जुलाई

नेत्र संबंधी रोग होने की संभावना है। कमर में पीडा हो सकती है। कार्य कुशलता में वृद्धि होगी। विद्या प्राप्ति में कुछ बाधा होने के योग है। विद्यार्थियों को अध्ययन में अधिक परिश्रम करना होगा। संतान से मनमुटाव हो सकता है। शेयर सट्टा व्यापार में हानि हो सकती है। 15 जुलाई के पश्चात् शारीरिक कष्ट हो सकता है। आर्थिक सलाहकार और वैवाहिक सलाहकारों के लिए यह समय बेहद अच्छा रहने वाला है। जुलाई मास आप के लिए आर्थिक रूप से सामान्य रहेगा। मास के उत्तरार्ध में कोई बड़ा निवेश करने से बचें और अपने संसाधनों को सुरक्षित रखें। धन से संबंधित मामलों में विशेष सावधानी बरतें। जीवनसाथी को कुछ गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ सकता है । इस महीने आपको अपने वैवाहिक जीवन में मधुरता बनाये रखने के लिए अधिक प्रयास करने होंगे। इस माह नये विषयों के प्रति रूचि बढ़ सकती है। आप इस अवधि में कुछ नई चीजें सीखने की कोशिश करेंगे। मानसिक शांति के लिए योग, आसन, प्राणायाम का सहारा लेंगे और जीवन की समस्त चिंताओं से मुक्ति पाएंगे। व्यवसाय करते हैं तो थोड़ा सावधान रहने की जरुरत है, अपने साझेदार पर आंख बंद करके भरोसा नहीं करें। इस मास **5, 6, 7, 14, 15, 23, 24** दिनांक नेष्ट है।

अगस्त

अगस्त के मास में विवाह संबंधित बाधायें दूर होगी। जीवनसाथी के साथ अपने रिश्तों में मधुरता बनेगी। अविवाहितों का रिश्ते तय होंगे। इसके अलावा बच्चों के साथ रिश्ते अच्छे नहीं रहेंगे और उनसे आपके मतभेद हो सकते हैं। घर के बड़े लोगों का सम्मान करें और उनकी देखभाल करें। परिवार में बड़े व्यक्तियों से खासकर पुरुषों से विवाद करने से बचें। अविवाहित इस महीने विवाह के बंधन में बंध सकते हैं। प्रेम संबंध प्रगाढ होंगे। कृषि, पर्यावरण, सांख्यिकी और योजना से संबंधित क्षेत्रों में कार्य कर रहे लोगों को सफलता मिलेगी और अपने कार्य से संतुष्ट होंगे। सेल्स, मार्केटिंग, कस्टमर सर्विस और हेल्थ सेक्टर से संबंधित व्यवसाय करने वालों को अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। यह महीना उन लोगों के लिए भी अच्छा है जो स्वयं का व्यापार कर रहे हैं। साझेदारी में व्यवसाय आरम्भ करे तो श्रेष्ठ फल प्राप्त होंगे। त्वचा संबंधी विकार हो सकते है, शत्रु से संबंधित बाधा दूर होगी। आपकी सभी योजनाओं को बल मिलेगा और नए कार्यों से आपको लाभ होगा।

इस मास 2, 3, 10, 11, 12, 19, 20, 21, 29, 30 दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर

सितम्बर के महीने में कुछ वैवाहिक जीवन से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। जीवनसाथी से तनाव रिश्ते को परेशान कर सकते हैं। माता को कष्ट रह सकता है। भूमि संबंधित विवाद हो सकते हैं। हृदय व श्वसन संबंधित विकार हो सकते हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता होगी। आप को इस महीने आर्थिक संकट का सामना भी करना पड़ सकता है। इस महीने विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। यदि आप स्वयं का कोई व्यवसाय कर रहे हैं तो आपको थोड़ा सावधान रहने की जरुरत है। विवाद राजकीय बाधा हो सकती है। आर्थिक विषयों को लेकर किसी भी व्यक्ति पर आंख मूंदकर भरोसा न करें। बन्धुओं से संबंध के लिए समय अच्छा नहीं रहेगा। इस महीने आप धार्मिक कार्य और धार्मिक संस्थाओं से जुड़े कार्यों में व्यस्त रहेंगे। इसके अलावा कुछ लोग तीर्थयात्रा पर जा सकते हैं। व्यय में वृद्धि हो सकती है। गर्भवती महिलाएं नियमित आराम करें और डॉक्टर के परामर्श का अनुसरण करें। इस मास 7, 8, 15, 16, 17, 25, 26, 27 दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर

अक्टूबर मास उत्तम रहेगा। जो रियल इस्टेट, ट्रैवल-टूरिज्म और सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी से जुड़े हैं उन्हे अनेक अच्छे अवसर प्राप्त होंगे और उनसे लाभ प्राप्त होगा। कार्य करने की क्षमता में वृद्धि होगी। पराक्रम व साहस बढेगा। प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। यात्रा योग बन सकते है। पिता को कुछ शारीरिक कष्ट हो सकता है। जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं । अपने शब्द और वाणी पर संयम रखें क्योंकि शब्दों के गलत चयन के कारण आपके रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं। क्रोधित होने की बजाय विवेक से काम लें। प्रेमी युगल के लिए यह समय अच्छा है, वे शादी के बंधन में बंध सकते हैं। यदि अविवाहित हैं तो इस महीने प्रेम संबंध बन सकते हैं। किसी खास से मुलाकात हो सकती है। माता को स्वास्थ्य संबंधी कुछ परेशानियां हो सकती हैं उनका विशेष ध्यान रखें। अपनी सेहत का ध्यान रखें। स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या को हल्के में नहीं लें वरना यह बड़ी बीमारी का रूप ले सकती है। दम्पत्ति को सन्तान लाभ होगा। विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता प्राप्त हो सकती है। इस मास 4, 5, 13, 14, 23, 24, 31 दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर

व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। अपने कार्य में अच्छी मेहनत के लिए आपको प्रशंसा और पदोन्नति मिल सकती है। पराक्रम में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति के नये साधन उत्पन्न होंगे। अतिरिक्त लाभ की संभावना बनेगी। आर्थिक रूप से यह महीना आपके लिए अच्छा रहने वाला है। इस अवधि में धन का आवागमन अच्छा रहेगा और पूंजी निवेश से लाभ प्राप्त होगा। सुखद और लाभकारी यात्रा के योग भी बन रहे हैं। परिवार का सुख प्राप्त होगा। संबंध प्रगाढ होंगे। अत्यधिक व्यस्तता रह सकती है। शारीरिक क्षमता व स्वास्थ्य में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों को विशेष सफलता प्राप्त होगी। लोगों से आपका मेल-जोल बढ़ेगा। परिश्रमी छात्रों के लिए यह समय बहुत अच्छा रहेगा। क्योंकि उन्हें अपनी मेहनत की बदौलत सम्मान और किसी प्रतिप्ष्ठित संस्था से छात्रवृत्ति मिलेगी। इस मास 1, 2, 9, 10, 11, 19, 20, 28, 29 दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर

दिसम्बर के महीने में आप शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे ज्वरपीडा हो सकती है। शारीरिक तेज व ऊर्जा में वृद्धि होगी, श्वसन संबंधित विकार हो सकते है। संगीत, कला आदि मनोरंजन में रुचि बढेगी। मन में अत्यधिक विचार आने से भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। कार्यस्थल पर वरिष्ठ जनों से आपका सहयोग मिलेगा और आप बेहतर काम करेंगे। इस मास आप सामाजिक जीवन में अधिक व्यस्त रहेंगे और परिजनों और मित्रों के साथ अच्छा समय गुजारेंगे। जीवनसाथी के साथ व्यर्थ विवाद का सामना करना पड़ सकता है और इससे आपके संबंध प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप अपने वैवाहिक जीवन में स्नेह और मधुरता को बढ़ाना चाहते हैं तो जीवनसाथी के साथ बातचीत कर गलतफहमियों को दूर करें। घर वाहन आदि का लाभ होगा। इस मास में आपके पिता को शारीरिक कष्ट हो सकता हैं। धार्मिक कार्यों की ओर झुकाव होगा। कुछ विषयों पर धार्मिक गुरु से मतभेद भी हो सकता है। इस मास 6, 7, 8, 16, 17, 18, 25, 26 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी 2023

इस महीने आपको माता जी के स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा। इस अवधि में आपका रुझान रहस्यमयी विज्ञान जैसे विषयों की ओर बढ़ेगा। जो लोक कल्याण और मानव संसाधन से जुड़े क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं उन्हें बड़ी सफलता मिलने की संभावना है। इसके अलावा मैनजमेंट जैसे विषय की पढ़ाई कर रहे छात्र भी अच्छा प्रदर्शन करने में समर्थ होंगे। क्रोध में वृद्धि हो सकती है, परन्तु शारीरिक बल बढेगा। विद्यार्थियों की खेलों में रूचि बढेगी। पिता से लाभ प्राप्त होगा। व्यापार में वृद्धि होगी। विवाह के योग बनेंगे। आजीविका के साधन प्राप्त होंगे। फरवरी महीना उतार चढ़ाव से भरा रहेगा। कार्य स्थल पर कुछ मामूली विवाद हो सकते हैं, इसकी वजह से आप अच्छा महसूस नहीं करेंगे। अपने विचारों को संक्षेप में स्पष्टता के साथ व्यक्त करें। इसके अलावा उच्च अधिकारी और सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध बनाकर चलें। यदि पारिवारिक जीवन की बात करें तो इस महीने जीवनसाथी के साथ किसी भी तरह का विवाद न करें। क्योंकि यह विवाद आपके रिश्तों में परेशानी उत्पन्न कर सकता है इसलिए शांत रहें और सोच-समझकर ही बोलें। बेवजह की बातों पर ज्यादा ध्यान न दें वरना इससे आपकी मानसिक शांति भंग हो सकती है इसलिए सकारात्मक सोच रखें क्योंकि अच्छी सोच ही आपको जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। भविष्यकथन कहता है कि मातृ पक्ष से लाभ होगा। इस मास 3, 4, 13, 14, 21, 22, 23, 30, 31 दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी

धन प्राप्ति की संभावना बनेगी। जीवनसाथी को कष्ट हो सकता है। तीर्थयात्रा व धार्मिक कार्यों में रूचि बढेगी। पिता को कष्ट हो सकता है। ऋण से मुक्ति मिलेगी व शत्रुओं का विनाश होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रशासनिक लाभ मिलेगा। विद्यार्थियों को परीक्षा सफलता प्राप्त होगी। साल के पहले महीने में आपका वैवाहिक जीवन बहुत ही सुखमय रहेगा। आप जीवनसाथी के साथ मिलकर कुछ नया कर सकते हैं। परिवार के साथ यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं। आप जीवनसाथी और बच्चों के साथ कुछ यादगार क्षण व्यतीत करेंगे। आप इस महीने घर बदलने या मकान के सौंदर्यीकरण के बारे में योजना बना सकते हैं। पारिवारिक जीवन में थोड़ा

सावधान रहने की जरुरत है, क्योंकि परिजनों के बीच विवाद होने की संभावना नजर आ रही है। इन विवादों की वजह से मानसिक तनाव बढ़ सकता है इसलिए सभी लोगों से अच्छे रिश्ते रखें। इसके अलावा कार्य स्थल पर अपने व्यवहार को लेकर संयम बरतें और बेकार की बातों पर ध्यान देने की बजाय, अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें। प्रिंट मीडिया में काम करने वाले लोगों के लिए अच्छा रहेगा। कोई बड़ी सफलता मिलने की संभावना है। काम के सिलसिले में होने वाली यात्राएं आपके लिए लाभकारी रहेंगी। इस मास 1, 9, 10, 11, 18, 19, 26, 27, 28 दिनांक नेष्ट रहेगी।

मार्च

इस महीने आपको पैतृक संपत्ति से लाभ मिल सकता है। वहीं आप को व्यवसाय से अच्छा लाभ होने की संभावना है। कार्य स्थल पर आप बेहतर कार्य करने में सक्षम होंगे और अच्छे काम के लिए आपको सम्मानित किया जाएगा। हालांकि इस माह कार्य स्थल पर सहकर्मियों के साथ कुछ मतभेद भी हो सकते हैं इसलिए अपने व्यवहार में परिपक्वता दिखाएं। पार्टनरशिप में बिजनेस कर रहे है लोगों को अचानक बड़े लाभ की प्राप्ति हो सकती है। अधिक काम करने की वजह से ज्यादा थकान महसूस होगी। इस माह वैवाहिक जीवन में शांति और सद्भाव बना रहेगा। आप परिवार के बीच रहकर जीवनसाथी और बच्चों के साथ अच्छा समय गुजारेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों को इच्छित सफलता मिलने की संभावना है। डॉक्टर और मेडिकल के क्षेत्र में काम कर रहे लोगों के लिए यह समय बेहद अच्छा है । दुर्घटना की संभावना बनेगी। भाई बहनों को कष्ट हो सकता है। व्यापार में लाभ के योग बनेंगे। माङ्गलिक कार्यों में व्यय होगा। विवाह संबंधित बाधाएँ दूर होगी। हृदय संबंधी विकार हो सकते है। प्रेम संबंधों में सफलता प्राप्त होगी। उदर संबंधी विकार की संभावना है। इस मास 8, 9, 10, 17, 18 दिनांक कुछ कष्टप्रद हो सकती हैं।

वृश्चिक राशि (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)

अप्रैल

दाम्पत्य संबंधों व सामाजिक सहयोग की दृष्टि से यह मास उत्तम रहेगा। जातक अपने परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में अच्छी सफलता प्राप्त होगी। जीवन साथी को भी अपने कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। स्त्री व पुरुष दोनों को इस दौरान मान व सम्मान प्राप्त होगा। मनोवैज्ञानिक विषय में शोध करने वाले छात्र इस माह बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे। साझेदारी से व्यापार करने वालों को इस दौरान सावधान रहना चाहिये। व्यवसाय में संसाधनों का दुरुपयोग समस्याएं खड़ी कर सकता है। इस महीने की शुरुआत में आर्थिक रूप से सतर्क रहने की आवश्यकता है। घरेलू व्यय में वृद्धि होगी जो कि वित्तीय संकट की ओर लेकर जा सकती है लेकिन बेहतर वित्तीय योजना की मदद से आप इन मौद्रिक समस्याओं को आसानी से हल कर सकेंगे। मास 7, 8, 9, 16, 17, 18,25, 26 दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई

इस मास असंयमित खान-पान, जीवनशैली के कारण स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। स्वभाव में कठोरता आ सकती सकती है। अत्यधिक कार्यभार के कारण आप उचित आराम नहीं कर पाएंगे, जिस कारण काफी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इस माह जातक को आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। लम्बे समय से फंसा हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना है और कर्ज से पीड़ित जातक इस मास कर्ज से मुक्ति पाएंगे। कोई नया कर्ज लेने से बचें और इस मास किसी नई योजना में पैसा न लगाएं। इस मास जातक अच्छी बचत कर लेंगे लेकिन घरेलू व्यय में वृद्धि भी हो जायेगी। इस माह पारिवारिक जीवन में अच्छा संतुलन बनाने की आवश्यकता होगी। परिवार के सदस्यों में आपसी मनमुटाव रह सकता है। न्यायिक सेवा से जुड़े जातकों के लिए यह मास अच्छा रहेगा क्योंकि इस अवधि के दौरान उन्हे सफलता प्राप्त होगी। सामाजिक कार्यों में संघर्ष कार्यकर्ताओं को सम्मान व प्रतिष्ठा मिलेगी। इस मास 5, 6, 14, 15, 22, 23, 24 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून

औषधि क्षेत्र से संबंधित कार्य करने वाले जातकों को इस मास अच्छा लाभ होगा। लंबे संघर्ष के बाद महिला उद्यमियों को बड़ी सफलता मिलेगी और अपनी परिश्रम के लिए प्रतिष्ठा व पुरस्कार भी प्राप्त होगा। इस मास सन्तान पक्ष से आपके जीवन में खुशी प्राप्त होगी। बच्चों को अध्ययन से संबंधित कोई परेशानी नहीं होगी और वो अपने क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। परिवार में शांति व सौहार्द बना रहेगा। जीवनसाथी से संबंध प्रगाढ होगा। स्वास्थ्य के प्रति इस माह सजग रहें क्योंकि लापरवाही बरतने से गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। योग, व्यायाम आदि के लिए भी समय अवश्य निकालें जिससे आप स्वस्थ रह सकें। स्वास्थ्य सेवा से जुड़े व्यवसायी विशेष चिकित्सा के क्षेत्र से जुड़े लोगों को इस मास लाभ प्राप्त होगा। स्वास्थ्य, बीमा से जुड़े जातक भी अपने कार्यों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। 1,2, 3, 10, 11, 12, 19, 20, 29, 28, 30 दिनांक इस मास नेष्ट रहेंगी।

जुलाई

आप बच्चों के प्रति थोड़े चिंताग्रस्त हो सकते हैं खासतौर पर उनकी पढ़ाई को लेकर ज्यादा परेशान हो सकते हैं। बच्चों के साथ अपना ज्यादा से ज्यादा समय बिताएंगे और उन्हें उनकी पढ़ाई में मदद करेंगे। इस माह आपके प्रेम संबंधों में भी टकराव संभव है। आपके लव पार्टनर आपसे नाखुश रहेंगे और आपस में बहस होती रहेगी। इसलिए आपको कोमलता के साथ स्थिति को संभालने का सुझाव दिया जाता है। इस दौरान आपको अपने भाई-बहनों व दोस्तों का पूरा सहयोग मिलेगा जो आपको लाभकारी परिणाम देगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। अगर किसी प्रकार का लाभ नहीं मिलेगा तो हानि भी नहीं होगी। निजी या कार्य संबंधी यात्राएं हो सकती हैं। सितारों की चाल कहती है कि प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले छात्र अच्छा प्रदर्शन करेंगे और अपनी मेहनत से अच्छे नंबर प्राप्त करेंगे। कम्प्यूटर क्षेत्र में कार्य करने वाले तथा नाटक, थिएटर, फिल्म आर्टिस्ट आदि के लिए अच्छा समय है। कार्यक्षेत्र में इस मास सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेंगे। मित्रों व बंधुओं से लाभ प्राप्त होगा तथा उनसे सहायता प्राप्त होगी। समाज व लोगों के मध्य विशेष प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। प्रेम संबंध बनेंगे। त्वचा व मुख संबंधित रोग हो सकता है। 8, 9, 17, 16, 25, 26, 27 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अगस्त

आपको इस माह समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। धन की हानि हो सकती

है। परिवार में लड़ाई-झगड़े हो सकते हैं। छोटे भाई बहनों से मन मुटाव हो सकता है। आपस में आप लोगों के बीच कुछ गलतफहमियां उत्पन्न हो सकती हैं जिससे घर के वातावरण में सौहार्द की भावना भंग हो जाएगी। अगर आप संयम के साथ स्थिति को संभालने की कोशिश करेंगे तो माह के अंत तक सब चीजों के सुधरने के आसार हैं। मानसिक परेशानियां अधिक हो सकती हैं। पराक्रम की हानि होगी। वाणी में दोष उत्पन्न हो सकता है। विद्यार्थियों को विद्याप्राप्ति में अधिक परिश्रम करना होगा। जो सरकारी नौकरी कर रहे हैं या फिर सरकारी क्षेत्र से लाभ प्राप्त रहे हैं यह माह आपके लिए चुनौती पूर्ण रहेगा। वैज्ञानिकों व इंजीनियरों के लिए भी ये बिल्कुल उचित समय है। शोध व ज्ञान के प्रति रूचि बढेगी। इस माह आपको अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा। ह्रदय रोग या रक्त विकार की समस्या से पीडित लोगों को संभल कर रहने की आवश्यकता है। बाहर या घर में कोई जल्दबाजी न दिखाएं अन्यथा चोट लगने के संभावना हैं। मातृ पक्ष से लाभ हो सकता है। कठिन समय में संयम से काम लें और झगड़ों व विवादों से दूर रहें। **4, 5, 12, 13, 14, 22, 23, 31** दिनांके नेष्ट रहेंगी।

सितम्बर

नया कार्य आरम्भ करने हेतु के लिए यह महीना काफी शुभ है। व्यापार में उन्नति होगी। वाणी का प्रभाव बढेगा। धन में वृद्धि होगी। नेत्र संबंधी विकार हो सकते है। त्वचा संबंधी विकार भी हो सकते हैं। निजी जीवन में खुशियों की बहार आएगी और भाई-बहन के साथ मिलकर चलने से आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। पिता को कुछ कष्ट हो सकता है। बच्चों पर इस दौरान ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। उन्हें प्यार व स्नेह के साथ रखने की जरूरत है। किशोरावस्था के बच्चों को विशेष रूप से आपके मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है, खासतौर पर बात जब उनके दोस्तों को चुनने की हो। जातक की आर्थिक स्थिति पूरे माह अच्छी रहेगी। परिवार से आय के कई नए स्रोत प्राप्त होंगे और आप समय का आनंद उठाएंगे। इस दौरान खेल-कूद, पुलिस, सेना, रेस्टोरेन्ट से जुड़े व्यक्ति अपने कार्यस्थल पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे। चिकित्सा, सर्जरी, हेल्थ व फिटनेस से जुड़े उपकरणों का बिजनेस अच्छा लाभ देगा। कुछ जातक कलात्मकता का भाव अनुभव करेंगे और उस कला का बेहतरीन प्रयोग करेंगे। लेखन व विज्ञापन से जुड़े लोगों के लिए समय शुभ है और इस दौरान उन्हें अनेक नये अवसर प्राप्त होंगे। इस मास **1, 2, 9, 10, 18, 19, 20, 28, 29** दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अक्टूबर

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धन प्राप्ति के नए मार्ग खुलेंगे। प्रशासनिक सेवा की तैयारी करने वाले छात्रों को सफलता प्राप्त होगी। पिता को शारीरिक कष्ट हो सकता है। वैवाहिक अड़चन दूर होगी। व्यापारी वर्ग को लाभ होगा। सेना, पुलिस, रेस्टोरेन्ट, मेडिकल संबंधी कार्य करने वालों को लाभ होगा। **18** तारीख के बाद ज्वर, शिरो वेदना पित्त विकार आदि कष्ट हो सकते हैं। धन धान्य की वृद्धि होगी। आप अपने ऊर्जा व उत्साह में वृद्धि देखेंगे और जो भी कार्य करेंगे, उसमें सफलता हासिल करेंगे। इस माह आपको बार-बार यात्रा पर जाना पड़ सकता है। बाहरी देशों के साथ व्यापार करने वालों को बड़ा मुनाफा हो सकता है। आपका निर्यात से जुड़ा व्यवसाय बढ़ता रहेगा और भविष्य में भी लाभ देगा। सॉफ्टवेयर टेक्नॉलिजी से जुड़े जातकों को भी इस माह लाभ होगा। मर्चेन्ट नेवी या नौसेना से जुड़े लोगों के लिए ये समय काफी अच्छा है। सरकारी फंड से संबंधित परियोजनाओं को संभालने वाले सलाहकारों को विदेश यात्रा का अवसर मिल सकता है। विदेश में काम करने वाले राजनयिकों व संपर्क अधिकारियों के लिए समय अच्छा है। वो अपने कार्य में सफलता हासिल करेंगे। छात्रों के लिए ये माह काफी शुभ है क्योंकि इस दौरान उन्हें सफलता मिल सकती है। उच्च शिक्षा के लिए यदि विदेश जाने की इच्छा रखते हैं तो आपकी ये कामना इस मास पूर्ण हो सकती है। इस मास **6, 7, 15, 16, 17, 25, 26** दिनांक नेष्ट रहेंगी।

नवम्बर

विद्यार्थीयों को परीक्षाओं में सफलता प्राप्त होगी। व्यापारी वर्ग को लाभ प्राप्ति हेतु अधिक परिश्रम करना होगा। ससुराल पक्ष से कुछ अनबन हो सकती है। विदेश यात्राओं के योग भी बनते हैं। नेत्र संबंधित रोग होने की संभावनाऐं बनती है। राजकीय व राजनैतिक उद्देश्यों हेतु विशेष व्यय हो सकता है। १९ अप्रैल के उपरांत कार्यों में सफलता प्राप्त होगी व स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होगा। मान व प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। संगीत, साहित्य, मनोरंजन के प्रति रूचि बढेगी। इस माह खर्चों में वृद्धि आपको मुश्किल में डाल सकती है इसलिए बजट के अनुसार ही चलें। शुरुआत के 15 दिनों तक किसी से भी उधार लेने से बचें और फाइनेंस से जुड़ा अच्छी योजनाऐं बनाएं। तथापि अचल संपत्तियों से लाभ प्राप्त हो सकता है। नई प्रॉपर्टी लेने की संभावनाऐं हैं। पेट में संक्रमण, अपच या अनिद्रा जैसी समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं। बीमारियों के कारण खर्च्च संभव है। आपका निजी जीवन संघर्ष व चुनौतियों से भरा रहेगा। वैवाहिक जीवन में टकराव हो सकते हैं जिस कारण आप और आपके जीवनसाथी के मध्य दूरी भी हो सकती है। ऐसी स्थिति में संभलकर रहें। कानूनी मामलों में भी फंस सकते हैं। निजी जीवन में किसी-किसी को अलगाव का सामना भी करना पड़ सकता है। मेडिकल या रिसर्च से जुड़े छात्रों के लिए समय अच्छा है। मातृ पक्ष से लाभ हो सकता है। इस मास **2, 3, 4, 11, 12, 13, 21, 22, 23, 30** दिनांक नेष्ट रहेंगी।

दिसम्बर

इस मास भाइयों से कुछ अनबन रहेगी। हाथों पर चोट लगने की संभावना है। नौकरों से धोखा हो सकता है। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाहन, भूमि, जायदाद का लाभ हो सकता है। विद्यार्थियों को अधिक परिश्रम करना होगा। मधुमेह, पेट रोग, कफ संबंधी विकार होने की संभावना है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ कमजोर रह सकता है। स्वयं भी सावधानी रखें, दुर्घटना हो सकती है। आध्यात्म की और रूझान बढेगा। भाग्य का सहयोग कम मिलेगा। व्यापारी वर्ग को वस्त्र, प्रसाधन, मनोरंजन सामग्रीयों से लाभ होगा। मांगलिक कार्यों में विशेष व्यय हो सकता है। अपने कार्यों में बड़ी सफलता हासिल करेंगे। कामयाब व्यावसायिक जीवन का आनंद उठाएंगे और अगर आप नौकरी में बदलाव का प्रयास कर रहे हैं तो आपको कुछ अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में ये बदलाव आपके लिए बहुत लाभकारी होंगे और आपके करियर को ऊंचाई देंगे। इस माह प्रमोशन के साथ सैलेरी बढ़ने के भी आसार हैं। अगर आप बिजनेस कर रहे हैं तो उससे भी अप्रत्याशित लाभ की संभावना है। यदि आपका कार्य कला, थिएटर आदि से जुड़ा है तो आपको इस बीच नाम और प्रसिद्धी दोनों मिलेगी। कामकाजी महिलाओं को इस दौरान प्रशंसा, सम्मान व सफलता मिलेगी जिससे उन्हें संतुष्टि की अनुभूति होगी। आपको अपने परिवार विशेष रूप से घर

की महिलाओं से पूरा सहयोग प्राप्त होगा। जीवन साथी आपकी जरूरतों को समझेंगे और आपका रिश्ता खुशी व आनंद से भरा रहेगा। जीवन साथी की मदद से आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। सामाजिक तौर पर घुलने-मिलने के लिए समय ठीक है। जीवन में नए दोस्तों के आगमन से खुशियां आएंगी। छात्रों के लिए भी ये माह शुभ रहेगा। विशेष रूप से उन छात्रों के लिए जो कला या चिकित्सा विषयों से जुड़े हैं। इस मास 1, 9, 10, 11, 19, 20, 27, 28 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

जनवरी 2023

आपको इस माह भाग्य का साथ मिलेगा और आपका पूरा मास बहुत अच्छा रहेगा। समाज में लोगों से संबंध प्रगाढ होंगे। लोगों से मिलना-जुलना बढ़ेगा जिससे सामाजिक स्थिति अच्छी होगी। पारिवारिक व निजी आय में वृद्धि होगी । शेयर आदि में निवेश न करें बल्कि कोई अन्य सुरक्षित उपाय अपनाएं। इस मास पैसों से जुड़े मामलों में कोई फैसला लेने से पहले एक बार अवश्य चिन्तन कर लें। निजी जीवन की उन्नति हेतु माह आपके लिए अच्छा रहेगा। वैवाहिक जीवन में आनंद बना रहेगा। पारिवारिक माहौल में खुशी बढेगी और आप परिवार के लोगों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। कार्यक्षेत्र पर सफलता मिलेगी, विशेष रूप से व्यवसाय करने वालों के लिए समय शुभ है। साझेदारी से किया गया व्यापार भी इस दौरान लाभदायक साबित होगा। व्यवसाय व कार्यक्षेत्र संबंधित विशेष कार्य हेतु विदेश यात्रा की संभावनाऐं बनेंगी व अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। इस मास 5, 6, 7, 15, 16, 17, 23, 24, 25 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

फरवरी

इस मास आपकों को अपने कार्यक्षेत्र को बेहतर बनाने हेतु अधिक प्रयास करने होंगे। इस मास क्रोध में गलत शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं, जिससे व्यर्थ कलह की संभावनाऐं बनेगी। स्वास्थ्य हेतु प्रारम्भ का आधा महीना अच्छा नहीं जाएगा और छोटी-छोटी स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। लेकिन बाद में आपका स्वास्थ्य उत्तम हो जाएगा और आप ज्यादा शक्ति व स्फूर्ति का अनुभव करेंगे। इस माह भाई-बहन के साथ मतभेद हो सकते हैं, परिवार के मुखिया से इस दौरान विवाद की संभावनाएं हैं। पिता का स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। वकील व सर्जन के लिए ये समय काफी अच्छा है, आप इस दौरान अपने कार्य में सफलता प्राप्त करेंगे। इस मास 1, 2, 3, 11, 12, 13, 20, 21 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

मार्च

इस मास आध्यात्मिक गतिविधियों में आपकी रुचि बढ़ेगी। आपके जीवन साथी आपसे प्रेरणा पा कर खुद भी अध्यात्म की ओर झुक सकते हैं। वैवाहिक जीवन हेतु मास अच्छा रहेगा। कुछ जातक को इस मास अपने आत्म-विश्वास में कमी महसूस कर सकते हैं तो कुछ पारिवारिक जीवन में तनाव महसूस करेंगे। आर्थिक स्थिति के लिए काफी अच्छा रहेगा और आपका बैंक बैलेंस अच्छा हो जाएगा। भाग्य आपके पक्ष में रहेगा और आपको मेहनत से ज्यादा कामयाबी मिलेगी। इस माह नई प्रॉपर्टी में आप पूंजी निवेश कर सकते हैं और अचल संपत्ति में भी बढ़ोत्तरी की संभावना है। इस माह कारोबार में भी भारी लाभ की उम्मीद है। इस दौरान बैंक, बीमा क्षेत्र और अन्य ऋण देने वाली एजेंसियों को भी उन्नति प्राप्त होगी। इस उद्योग से जुड़े लोगों को अधिक लाभ होगा। इस मास 1, 2, 11, 12, 19, 20 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

धनु राशि (ये, यो, भा, भी, भू, ध, फ, ढ, भे)

अप्रैल

इस महीने आप अपने कार्य पर ज्यादा ध्यान देंगे और इस कारण आप अपने पारिवारिक जीवन को कम समय दे पायेंगे। जीवनसाथी के साथ आपके आपके रिश्ते तनावपूर्ण हो सकते हैं, लिहाजा ऐसी स्थिति को न आने दें और अपने पारिवारिक व व्यावसायिक जीवन के बीच सामंजस्य बिठाने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र में यह माह आपके लिए आसान नहीं है। इसमें आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। सहकर्मियों से भी आपके रिश्ते बिगड़ सकते हैं। इस दौरान आप सभी के साथ अपना मधुर व्यवहार बनाए रखें और किसी को अपशब्द न कहें। व्यापार की दृष्टि से यह महीना आपके लिए अच्छा रहेगा परंतु व्यापार में साझेदार के साथ आपकी बन नहीं रही है तो आपको इस समस्या का समाधान निकालना होगा। स्वास्थ्य पक्ष से आपको इस महीने थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है। किसी दुर्घटना से आपको चोट भी लग सकती हैं। वाहन चलाते समय जल्दबाजी न करें और अधिक गति से गाड़ी न चलाएँ। वहीं अपने पिताजी की सेहत का भी खय्याल रखें। घर में परिजनों से आपके संबंध अच्छे रहेंगे। इस मास 10, 11, 19, 20, 27, 28, 29 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

मई

इस महीने आप अपने कार्य को नये उत्साह से व बड़े ही कलात्मक ढंग से करेंगे। नई-नई चीजों को सीखने जानने के लिए आप लालायित रहेंगे और अपनी प्रतिभा का विकास करेंगे। आपकी कलात्मक शैली की प्रशंसा होगी और यह प्रशंसा आपको ऊर्जावान बनाएगी। अपने उत्कृष्ट कार्य से आपको भी प्रसन्नता होगी। कार्टूनिस्ट, समीक्षकों, लेखकों और व्यंगकारों के लिए यह माह उत्तम रहेगा। उन्हें अपने क्षेत्र में विशेष सफलता मिलने के योग हैं। माह के दूसरे चरण के बाद कार्यक्षेत्र आपको अपने वरिष्ठकर्मियों के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखना होगा। आपके घरेलू जीवन में कोई मांगलिक कार्य के होने संभावना दिखाई दे रहे हैं। विवाहित जोड़ों को संतान प्राप्ति के भी योग हैं। इस मास 7, 8, 9, 16, 17, 24, 25, 26 दिनांक नेष्ट रहेंगी।

जून

जून माह आपके लिए उत्तम रहेगा। आपके घर का वातावरण सामान्य रहेगा और रिश्तों को सुधारने में भी आपको सफलता मिलने की संभावना है। हालाँकि छोटे-मोटे विवाद सामने आ सकते हैं परंतु आपको इसमें चिंता करने की जरुरत नहीं है। कार्यक्षेत्र में सफलता पाने के लिए आप अधिक परिश्रम करेंगे। नौकरी में आपकी आय में वृद्धि होने के योग हैं और यदि आप अपनी वर्तमान नौकरी में परिवर्तन करने का विचार कर रहे हैं तो समय आपके लिए अनुकूल है। इस महीने में आपको शुभ परिणामों की प्राप्ति होगी। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में बहुत ही अच्छा वातावरण देखने को मिलेगा। पढ़ाई पूरी कर चुके छात्रों को नौकरी प्राप्त होगी। इस माह आप अधिक ऊर्जावान रहेंगे और आपके अंदर सकारात्मक उत्साह दिखाई देगा। अपने उद्देश्यों को भी आप पूरा करेंगे। इस मास 3, 4, 5, 12, 13, 14, 21, 22, 30 दिनांके नेष्ट रहेंगी।

जुलाई

जुलाई माह आपके लिए सामान्य रहेगा। आर्थिक दृष्टि से जुलाई मास आपके लिए ज्यादा

अनुकूल नहीं है। आपके खर्चों में वृद्धि की संभावना है। साथ ही आपके सामने आर्थिक संकट की स्थिति भी आ सकती है। अपने अनावश्यक खर्च्चों में लगाम लगाएँ और धन की बचत पर ध्यान दें। आपकी निजी समस्या आपके कार्यक्षेत्र को प्रभावित कर सकती है। अपने कार्य में ध्यान दें और तनाव को अपने ऊपर हावी न होने दें। इस दौरान आपकी ऊर्जा में कमी देखी जा सकती है। पढ़ाई में बच्चों का कमजोर प्रदर्शन आपके तनाव का कारण बन सकता है। वहीं यदि आप व्यापार में साझेदारी कर रहे हैं तो सावधान रहने की आवश्यकता है, क्योंकि इस दौरान आपको धोखा हो सकता है। मन में नकारात्मक विचारों को कष्तई जगह न दें और विपरीत परिस्थितियों का डटकर सामना करें। अपनी वाणी में संयम रखें। इस मास **1, 2, 10, 11, 18, 19, 28, 29** दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त

आर्थिक दृष्टि से आपके लिए अगस्त माह अच्छा रहेगा। यदि आप अपने बेवजह के व्यय पर लगाम लगाएंगे तो आपको इसमें और भी अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। अपनी आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने के लिए आपको इस मास प्रयास करने होंगे। धन संबंधित क्षेत्र में किसी पर विश्वास करना आपके लिए नुकसानदायक रह सकता है। पारिवारिक जीवन में भी आपको सावधान रहना होगा। जीवनसाथी और परिवार के अन्य सदस्यों के सामने कोई बड़ी चुनौती आ सकती है। आप अपने परिवार से दूर भी जा सकते हैं। प्रेम संबंधों हेतु यह मास शुभ रहने वाला है। निजी जीवन में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए बड़े-बजुर्गों की सलाह लें। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह मास आपके लिए सामान्य रहेगा। स्वस्थ रहने के लिए आप योग व ध्यान कर सकते हैं। अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाएँ और अपने लक्ष्य पर ध्यान दें। इस मास **6, 7, 8, 14, 15, 16, 24, 25, 26** दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर

सितम्बर माह आपके के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। इस महीने आपको अपने भाग्य को सुधारने के कई अवसर प्राप्त होंगे। इस माह लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा आपके योग में है। निजी अथवा व्यवसाय संबंधित कारणों से आप विदेश यात्रा पर भी जा सकते हैं। जो छात्र अनुसंधान एवं विकास संबंधी विषय से जुड़े हुए हैं उन्हें अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। आर्थिक क्षेत्र में आपको उतार-चढ़ाव की परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। अचानक लाभ अथवा हानि संभव है। इस माह मित्रों के सहयोग से व्यापार करना आपके लिए लाभकारी रहेगा। आपको अपने पैतृक व्यवसाय मे समझदारी से फैसले लेने होंगे। वैवाहिक जीवन में आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। जीवनसाथी के साथ किसी प्रकार का विवाद भी संभव है। अपने जीवनसाथी की भावनाओं का ध्यान रखें और उनके साथ अधिक से अधिक समय बिताएँ। अपने प्रेम जीवन पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। कोई आपको धोखा दे सकता है इसलिए आप सतर्क रहें। इस मास ३, ४, ११, १२, १९, २०, २१, २२, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर

इस साल अक्टूबर माह की शुरुआत में आपके खर्च्व में वृद्धि संभव है। आपके लिए अच्छा तो यह रहेगा कि आप अपने व्यर्थ के खर्च्चों पर नियन्त्रण करें और धन का व्यय समझदारी के साथ करें। इस दौरान न तो किसी से उधार लें और न ही किसी को उधार दें। आपके पारिवारिक एवं निजी संबंधों में कमी रह सकती है और इस अवस्था से आपको उभरने के लिए काफी प्रयास करने होंगे। स्वास्थ्य की दृष्टि से इस महीने आपको ज्यादा सावधान रहने की आवश्यकता है। इस महीने आपको ज्वर और संक्रमण रह सकता है। इसके अलावा आपको चोट भी लग सकती हैं। आपको अजीर्ण की भी शिकघयत रह सकती है इसलिए अपने खघन-पान पर भी विशेष ध्यान दें। माह का दूसरा चरण स्वास्थ्य के लिहाज से अच्छा है। इसमें आपके निजी संबंध भी सुधरते हुए नजर आएंगे। इस दौरान आप सकारात्मक भाव से सोचेंगे। इस मास **1, 8, 9, 10, 18, 19, 27, 28** दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर

आपके लिए नवम्बर माह थोड़ा प्रतिकूल रहेगा। इस महीने आपको हर क्षेत्र में थोड़ा ध्यान रखना होगा। आपके पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में परिस्थितियाँ आपके विपरीत हैं। यदि आपने इन परिस्थितियों को सुधारने का प्रयास नहीं किया तो आपके रिश्ते में समस्या पैदा हो सकती है। यदि आपने समझदारी के साथ कघ्दम बढ़ाया तो ऐसी परेशानियाँ नहीं आएंगी। संतान पक्ष से आपको कोई सुखद समाचार प्राप्त हो सकता है। पढ़ाई में उनकी सफलता आपकी खुशियों का कारण बनेंगी। नई विद्याओं को सीखने में आपकी रुचि बढ़ेगी और आप अपने काम को और कलात्मक तरीकघ्े से करेंगे। आपके आत्मविश्वास एवं साहस में वृद्धि होगी। इस माह आपके आसपास एक सकारात्मक वातावरण पैदा होगा। नौकरी क्षेत्र से जुड़े जातकों के लिए यह महीना विशेष रहने वाला है। आपके कार्यों की प्रशंसा होगी और आपकी पदोन्नति के भी योग बनेंगे। किसी क्षेत्र में किया गया निवेश आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा। इस मास स्टॉक मार्केट में निवेश करने से भी अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। इस मास **4, 5, 6, 14, 15, 16, 23, 24, 25** दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर

दिसंबर मास आपके लिए उत्तम रहेगा। अपने कार्यक्षेत्र में आपको आगे बढ़ने की कई अवसर प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में आपको सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। अपने कार्यक्षेत्र में अनुकूल स्थिति रहेगी। विद्यार्थी अपनी शिक्षा के साथ-साथ आजीविका हेतु नौकरी आदि भी कर सकते हैं। पिताजी को विशेष लाभ होगा। सामाजिक रूप से भी यह मास उत्तम रहेगा। परन्तु वैवाहिक जीवन में कुछ समस्याएँ आ सकती है। इस दौरान जीवनसाथी की भावनाओं को समझने का प्रयास करें व उसके अनुसार व्यवहार करें। अपने घर में कुछ नवनिर्माण का कार्य इस महीने करा सकते हैं। जो जातक कला क्षेत्र से संबंध रखतें है उनको सफलता मिलने के योग हैं। इस मास आपको धन और प्रतिष्ठा दोनों प्राप्त होगी। इस मास **2, 3, 11, 12, 13, 21, 22, 29, 30** दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी 2023

यह मास आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। यदि आप छात्र है तो इस माह में आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। विदेश में शिक्षा पाने की इच्छा रखने वाले छात्रों की इच्छा पूर्ण होगी। आपके पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में खघुशियों का आगमन होगा। प्रेम जीवन अच्छा रहेगा।

आप अपने जीवनसाथी अथवा प्रेमसाथी के साथ मधुर पल व्यतीत करेंगे। परिजनों से वार्तालाप करते समय आप अच्छे शब्दों का चयन करें। घर में किसी को ऐसी बात न बोलें जिससे उन्हें ठेस पहुँचे। इस माह आपको अपने पुराने प्रयासों का शुभ परिणाम प्राप्त होगा और आपके सभी काम पूर्ण होंगे। आपकी रुचि आध्यात्मिक क्रियाओं की ओर बढ़ेगी। सामाजिक जीवन में आपको कई अवसर प्राप्त करेंगे जिससे आपको अच्छी पहचान मिलेगी। फलस्वरूप सोसायटी में न केवल आपका रुतबा बढ़ेगा, बल्कि आपके दोस्तों की संख्या में भी गुणात्मक रूप से वृद्धि होगी। इस मास **8, 9, 17, 18, 19, 25, 26, 27** दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी

इस माह आपके सामने उतार-चढ़ाव भरी परिस्थितियाँ रहेगी। घर का माहौल अशांत रह सकता है। परिजनों के बीच गलतफहमी, संवाद का अभाव, तनाव आदि रह सकता है। प्रयास करें कि घर में आपका व्यवहार विनम्र रहे और बातचीत के माध्यम से पारिवारिक समस्याएँ को सुलझाने में आप पहल करें। यदि आपके वैवाहिक जीवन में आपको अपने जीवनसाथी पर विश्वास सबल करना होगा एवं उनका आदर-सम्मान करना होगा। इससे आपके वैवाहिक जीवन में खुशियाँ आएंगी। इस दौरान आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। आप अपने धैर्य को बनाए रखें। प्रेम जीवन के लिए यह माह उत्तम रहने वाला है। अध्ययन क्षेत्र में छात्रों को इस माह अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। पढ़ाई में उनकी मेहनत का उत्तम परिणाम प्राप्त होगा। अपने कार्यक्षेत्र के लिए माह शुभ रहने के संकेत दे रहा है। अपने कार्यक्षेत्र में कड़ी मेहनत करने से आपको और भी ज्यादा फायदा होगा। इससे आपकी आय में वृद्धि होगी और आपकी पदोन्नति भी संभव है। हालाँकि मास के प्रारम्भ में आप थोड़े हताश और निराश हो सकते हैं लेकिन घबराने जैसी कोई बात नहीं है आपकी यह समस्या माह के उत्तरार्ध में समाप्त हो जाएगी। इस मास **4, 5, 6, 14, 15, 22, 23** दिनांक नेष्ट रहेगी।

मार्च

कला विषय के छात्रों के लिए यह महीना अच्छा रहेगा। इसमें आपकी कलात्मक शैली का विकास होगा और करियर में आपको इसका लाभ मिलेगा। इस दौरान इंजीनियरिंग क्षेत्र से संबंध रखने वाले जातकों को अधिक सफलता मिलने के योग हैं। यदि आप निजी क्षेत्र में प्रबंधन में करियर की सोच रहे हैं तो इसमें आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। व्यापार में साझेदारी से आपको मुनाफा प्राप्त होगा। पैतृक कघरोबार में आपकी सभी बाधाएँ दूर होंगी। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और लगन से प्रतिष्ठा प्राप्त होगी और पदोन्नति भी संभव है। आपके वरिष्ठ जन हर संभव आपकी मदद को तैयार रहेंगे। आप थोड़े सावधान रहें और ज्यादा अफवाहों पर ध्यान न दें। धैर्य के साथ किसी समस्या का समाधान करें। इस मास **3, 4, 5, 13, 14, 21** दिनांक नेष्ट रहेंगी।

मकर राशि (भो, जा, जी, (जू, जे, जो, ख) खी, खू, खे, खो, गा, गी)

अप्रैल

इस माह वैवाहिक जीवन में सुखद और सकारात्मक बदलाव होने की संभावना है। यदि आपने प्रयास जारी रखें तो अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। वैवाहिक रिश्तों में तनाव कम होगा और हर्ष व सद्भाव बना रहेगा। आप जीवनसाथी और बच्चों के साथ मिलकर अच्छा समय व्यतीत करेंगे। इसके अलावा परिजन भी आपसे खुश रहेंगे और परिवार की एकता बनी रहेगी। इस समय अवधि में जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना आप बड़ी ही कुशलता के साथ करेंगे। इस महीने आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन स्वस्थ रहने के लिए अपनी दिनचर्या को नियमित रखें। स्कूली और कॉलेज में पढ़ने वाले जातकों के लिए भी यह महीना शुभ संकेत दे रहा है। अच्छे काम की वजह से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और सम्मान भी बढ़ेगा। इसके अलावा इस माह आपकी रुचि धार्मिक कार्यों के प्रति बढ़ेगी। मानसिक शांति प्राप्त करने के लिए आप नियमित रूप से ध्यान और मंत्र जाप करेंगे। इस मास **2, 3, 4, 12, 13, 14, 21, 22, 29, 30** दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई

इस महीने में आप अपने सभी कार्यों को बहुत चतुराई और कुशलता के साथ पूरा करेंगे। भाई-बहन या दोस्तों के साथ साझेदारी में बिजनेस कर रहे जातकों को आर्थिक लाभ की प्राप्ति होगी। हालांकि पैसों के लेनदेन में थोड़ी सावधानी बरतने की जरुरत पड़ेगी। किसी अनजान व्यक्ति पर जल्दी भरोसा नहीं करे। किसी भी व्यक्ति को अपना साझेदार बनाने से पहले अच्छी तरह से सोच लें। इस महीने आपके साहस और आत्म विश्वास में भी वृद्धि होगी। महीने के पहले 15 दिन किसी भी तरह के नये निवेश के लिए अच्छा समय है। क्योंकि इस अवधि में आपको अप्रत्याशित आर्थिक लाभ की प्राप्ति होगी। वहीं महीने का दूसरा पखवाड़े किसी दीर्घकालिक योजना के लिए उत्तम रहेगा। विवाहित जातकों के लिए भी यह समय अच्छा रहने वाला है। इस दौरान वे परिवार नियोजन के बारे में सोच सकते हैं। वहीं दूसरी ओर जो महिला जातक गर्भवती हैं उनका प्रसव सफल और सुरक्षित तरीके से हो जाएगा। जो सॉफ्टवेयर तकनीक के क्षेत्र में काम कर रहे हैं उन्हें कार्यक्षेत्र में उन्नति मिलेगी। इस मास **1, 9, 10, 11, 18, 19, 27, 28** दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून

इस महीने आपको घर-परिवार से जुड़े मामलों में बड़े लोगों की सलाह लेनी होगी। बड़े भाई-बहन, माता-पिता की सलाह से परिवार की शांति और समृद्धि के लिए लाभकारी रहेगी। इन सभी का मार्गदर्शन मिलने से व्यक्तिगत जीवन में होने वाला तनाव भी कम होगा। इस माह परिजनों के साथ मिलकर कोई शुभ कार्य करने का अवसर मिलेगा। वहीं आर्थिक मोर्चे पर पैसा कमाने के कुछ अच्छे अवसर मिलेंगे, लेकिन खर्च भी बढ़ेंगे। आप मनोरंजन और सर्व-सुविधायुक्त सामानों पर अधिक खर्च करेंगे। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर बने रहेंगे, हालांकि छोटे-मोटे मतभेद होने की भी संभावना है। इसलिए जीवनसाथी के साथ मधुर व्यवहार करें और किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें। कार्यस्थल पर वरिष्ठ सहकर्मी आपके कठिन परिश्रम और काम की गुणवत्ता की तारीफ करेंगे। इसके अलावा आपके सहकर्मी भी आपका सहयोग करेंगे। इस माह विरोधी भी आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे। कामकाजी महिलाओं के लिए यह समय बहुत अच्छा रहने वाला है। कार्यस्थल पर उनकी पदोन्नति होगी और वे अपने सभी काम बड़े आत्म विश्वास के साथ पूर्ण करेंगी। इस मास **6, 7, 14, 15, 16, 23, 24, 25** दिनांक नेष्ट रहेगी।

जुलाई

इस महीने आपके वैवाहिक जीवन में दुःखद मोड़ आ सकता है। विशेषकर महिलाओं को अपने वैवाहिक जीवन में अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इस दौरान महिला जातकों को प्रताड़ना का सामना करना पड़ सकता है। वैवाहिक जीवन में तनाव होने से पारिवारिक जीवन प्रभावित होगा और बच्चों पर इसका गलत प्रभाव पड़ेगा। जीवनसाथी के साथ सभी विवादों को शांति से बैठकर सुलझाएं। वहीं दूसरी ओर इस माह आपका ध्यान अपने काम पर होगा। आपकी दृढ इच्छाशक्ति के कारण व्यक्तिगत जीवन में होने वाला कष्ट आपके व्यावसायिक जीवन को प्रभावित नहीं कर पाएगा। अपने व्यवसाय संबंधी सभी योजनाओं पर आप काम करेंगे और आपको उसका उत्तम फल प्राप्त होगा। कार्य स्थल पर आप वरिष्ठ अधिकारियों और सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध बनाकर चलेंगे। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का व्यवसाय कर रहे जातकों को लाभ की प्राप्ति होगी। यह माह किसी भी नए तरह के निवेश के लिए बिल्कुल उपयुक्त नहीं है। माता-पिता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। अपनी वैवाहिक जीवन से जुड़ी समस्याओं को हल करने के लिए आप माता-पिता से सहयोग ले सकते हैं। इस मास **3, 4, 5, 12, 13, 20, 21, 22, 30, 31** दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त

यह महीना आपके लिए आर्थिक उन्नति का माह रहेगा। अपने प्रयासों से सफलता मिलेगी और विदेशी स्रोतों से भी आय होगी। यदि आपके परिवार का कोई सदस्य विदेश में रहकर कार्य कर रहा है या फिर आपके परिवार के व्यवसाय का संबंध विदेश से है, तो निश्चित रूप से आपकी पारिवारिक आय में बढ़ोत्तरी होगी। आपकी मधुर वाणी आपको विवाद और विषम परिस्थितियों से बचाएगी। इस माह मन में अनेक प्रकार के विचार आने से तनाव बढ़ सकता है, जो पारिवारिक और व्यावसायिक संबंधों को प्रभावित करेगा। आपके व्यवहार में कुछ रुखापन आएगा। इस माह कुछ समय के लिए आप काम के बोझ से स्वयं को तनावग्रस्त महसूस करेंगे, इसलिए कुछ समय आराम करने के लिए निकालें। भाषा विज्ञानी और अनुवादकों के लिए यह समय बहुत अच्छा रहने वाला है। वे जातक जो चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े हैं उनके लिए भी यह समय बहुत लाभकारी रहेगा। इस मास **1, 8, 9, 10, 17, 18, 27, 28** दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर

आपके जातकों का स्वास्थ्य इस मास में थोडा खराब रह सकता है। इसलिए स्वास्थ्य के प्रति बिल्कुल लापरवाही न रहें। विशेष रूप से महिलाओं को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, क्योंकि इस अवधि में उन्हें प्रजनन क्षमता से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कई जातकों को नेत्र से संबंधी पीड़ा भी हो सकती है। मानसिक तनाव बढ़ने से अनिद्रा की समस्या होने की भी संभावना है। अकारण तनाव लेने से बचें। कुछ समय के लिए काम से छुट्टी लें और आराम करें। ऐसा करने से आप बेहतर महसूस करेंगे। वैवाहिक जीवन में परेशानियों के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराने से बचें। छोटी-छोटी गलतियों पर ध्यान देने की बजाय स्नेह और शांति के साथ वैवाहिक जीवन को मधुर बनाएं। आर्थिक क्षेत्र हेतु यह महीना सामान्य दिखाई दे रहा है। वहीं छात्रों के लिए यह माह बहुत शुभ संकेत दे रहा है, खासतौर पर वे छात्र जो किसी विषय पर अनुसंधान कर रहे हैं। इस अवधि में वे लोग बहुत ही अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस मास **5, 6, 13, 14, 15, 23, 24** दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर

यह महीना विवाहित जातकों के लिए कुछ कठिन रहने वाला है। इस दौरान वैवाहिक जीवन में आपको कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इस महीने जीवनसाथी के साथ विवाद व बहस करने से बचें और उनके साथ विनम्रता से व्यवहार करें। परिवार के बड़े लोगों की सलाह लें और उसका अनुसरण करें। इस माह विदेश यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं। वहीं विदेश में कार्य करने को लेकर आपके भाई-बहनों की इच्छा पूरी होगी। कठिन परिश्रम करने से उन्हें इच्छित सफलता मिलेगी। इस समय अवधि में परिजनों के साथ आपके रिश्ते मधुर रहेंगे। आपके घर में सुख और शांति बनी रहेगी। आर्थिक उन्नति और पारिवारिक व्यवसाय के लिए भी यह समय शुभ संकेत दे रहा है। इस दौरान धन और संपत्ति में वृद्धि होगी। महंगे सामान खरीदने की वजह से इस माह खर्च ज्यादा हो सकता है। इस मास **2, 3, 10, 11, 12, 20, 21, 22, 29, 30** दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर

इस महीने में अपनी योजनाओं में सफलता मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। पिता और गुरु से मिलने वाला सहयोग आपके अंदर साहस और इच्छाशक्ति पैदा करेगा। महीने के उत्तरार्ध में आपके पिता की सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सभी तरह के सलाहकारों के लिए यह समय अच्छा रहेगा, क्योंकि इस अवधि में उनकी बहुत मांग होगी। यह मास छात्रों के लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। क्योंकि इस दौरान उन्हें उनकी मेहनत का उत्तम परिणाम मिलेगा, साथ ही अच्छे शिक्षण संस्थानों में प्रवेश मिलेगा। वे जातक जो नौकरी की तलाश में हैं उन्हें कई अच्छे विकल्प मिलेंगे, परन्तु और भी बेहतर सफलता प्राप्ति के लिए आपको और मेहनत करनी होगी। करियर को लेकर महत्वाकांक्षी जातकों को इस अवधि में बहुत उन्नति और सफलता मिलेगी। इस मास **7, 8, 17, 18, 25, 26, 27** दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर

यह मास आपके लिए भाग्यशाली रहेगा। अपने कार्य में मिलने वाली सफलता को लेकर आप उत्साहित रहेंगे। इस माह आपको भाग्य का सहयोग मिलेगा और जीवन में आप जैसा चाहेंगे वैसा ही होता रहेगा। यात्राएं अधिक होने से आप थकान महसूस करेंगे। वे जातक जो व्यापार से जुडे हैं उनके विदेशों में संपर्क बनेंगे और ये संबंध उनके लिए बहुत लाभकारी होंगे। जातक जो बिल्डिंग, रियल इस्टेट और प्रॉपर्टी डीलिंग से जुड़ा कार्य कर रहे हैं, उनको इस अवधि में अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। घर में शांति और सद्भाव का वातावरण रहेगा। आप परिवार के सदस्यों के साथ अधिक समय व्यतीत करेंगे। इस माह घर की साज-सज्जा और पुनर्निर्माण का काम कराना आपका प्रमुख कार्य रहेगा। इसके अलावा धार्मिक और परोपकारी कार्यों में भी आपकी रुचि बढ़ेगी। इसकी वजह से आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस महीने आपको थोड़ा सावधान रहना होगा। पेट संबंधी कुछ बीमारी आपको परेशान कर सकती है। इस मास **4, 5, 6, 14, 15, 16, 23, 24, 31** दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी 2023

इस महीने आपको अपने वैवाहिक जीवन में संभलकर चलना होगा। इस अवधि में क्रोध पर नियंत्रण रखना बहुत जरूरी होगा । अपनी वाणी पर भी संयम रखें, क्योंकि कठोर शब्द आपके जीवनसाथी की भावना को ठेस पहुंचा सकते हैं। बेवजह शक करना और नियंत्रण रखने की भावना मन में नहीं रखें। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। इस माह धन का आवागमन अच्छा रहेगा, परिवार की आय में वृद्धि होगी। वित्तीय मामलों में फिर भी थोड़ा सावधान रहना होगा, क्योंकि आर्थिक मामलों से जुड़ी चिंताएं परेशान कर सकती हैं। इसलिए बेवजह खर्च करने से बचें। यदि आप कोई आवासीय संपत्ति खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो आपको सलाह है कि इस महीने यह काम ना करें। विरोधी और शत्रु आपसे भयभीत रहेंगे। कार्यक्षेत्र में उन्नति और वृद्धि के लिए यह महीना बेहद अच्छा रहने वाला है। इस मास 1, 2, 10, 11, 12, 19, 20, 21, 27, 28, 29 दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी

इस मास आपको अपने कार्यक्षेत्र में सुधार लाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। प्रयासों की बदौलत आपको कामयाबी भी मिलेगी। वे जातक जो व्यवसाय कर रहे हैं उन्हें इस महीने बड़ा आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। पारिवारिक जीवन में कुछ परेशानियां आएंगी लेकिन परिजनों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। वहीं वैवाहिक जीवन में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए जीवनसाथी के साथ विवाद करने से बचें वरना स्थिति और खराब हो सकती है। इस दौरान जीवनसाथी को समय प्रदान करें। स्वास्थ्य हेतु भी यह महीना आपके लिए अच्छा दिखाई दे रहा है। सुबह की नियमित सैर और व्यायाम करने से आप स्वस्थ रहेंगे। छात्रों के लिए यह महीना अत्यन्त महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि उन्हें अपनी कड़ी मेहनत का परिणाम मिलेगा। इस मास 6, 7, 8, 16, 17, 24, 25 दिनांक नेष्ट रहेगी।

मार्च

इस माह आपका झुकाव मनोविज्ञान जैसे विषयों की ओर बढ़ेगा। आप में से कुछ लोग इस दौरान तीर्थयात्रा पर जा सकते हैं। सितारों की चाल कहती है कि, वे लोग जो नौकरी कर रहे हैं अपनी नौकरी में परिवर्तन करने के बारे में सोच सकते हैं। इस दौरान आपको लंबी और छोटी दूरी की यात्रा भी करनी पड़ सकती है। महीने के उत्तरार्ध में आपको लगातार कड़ा परिश्रम करना पड़ेगा। कार्यस्थल पर अच्छा माहौल बना रहेगा और वरिष्ठों के साथ आपके रिश्ते मधुर रहेंगे। इस माह आपका वैवाहिक जीवन भी आनंद से भरा रहेगा। आप दोनों के बीच अच्छी समझ होगी और विषम परिस्थितियों में आप एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। परिवार के बड़े लोगों और बच्चों के लिए यह समय अच्छा साबित होगा। वहीं आर्थिक मोर्चे पर यह महीना थोड़ा उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। वे जातक जो व्यवसाय से जुडे हैं, यदि इस अवधि में किसी नई योजना में निवेश करते हैं तो उन्हें अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। इस महीने स्वास्थ्य के विषय में ज्यादा चिंता करने की जरुरत नहीं है। बेहतर स्वास्थ्य के लिए आपकी रुचि योग और प्राणायाम की ओर होगी। इस मास 6, 7, 15, 16 दिनांक नेष्ट रहेगी।

कुम्भ राशि (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)

अप्रैल

इस मास आपको पिता या पैतृक रिश्तों से आर्थिक लाभ और सहयोग प्राप्त होने की संभावना है। अधिक तनाव और चिंताग्रस्त रहने की वजह से आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, इसलिए ज्यादा तनाव नहीं लें। संतान पक्ष से भी कुछ परेशानियां हो सकती हैं। घर में सुख और समृद्धि का वातावरण रहेगा और आपका जीवनसाथी आपकी हरसंभव मदद करेगा। उनके प्यार और लगाव से परिस्थितियां निश्चित ही बेहतर होंगी। भाई-बहन के साथ मिलकर शुरू किए व्यवसाय से लाभ प्राप्त होने की संभावना है। करियर के क्षेत्र में भी आप अच्छा कार्य करेंगे। व्यावसायिक जीवन में स्थिरता बनी रहेगी और लगातार वृद्धि होगी। माह के दूसरे पड़ाव में आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आपकी नेतृत्व क्षमता आपको और शक्तिशाली बनाएगी एवं आप कुछ अच्छी पहल करेंगे। इस मास 5, 6, 14, 15, 16, 23, 24 दिनांक कुछ कष्टकारक रह सकती है।

मई

यह महीना आपके लिए आर्थिक रूप से अच्छा रहने वाला है। आप ज्यादा से ज्यादा कमाएंगे और धन की बचत करने में समर्थ होंगे। साथ ही इस माह आपको आय के कई साधन मिलेंगे और धनार्जन होगा। वे जातक जो व्यवसाय कर रहे हैं उन्हें इस महीने बड़ा लाभ होगा। नए प्रतिष्ठान की शुरुआत और व्यवसाय में विस्तार की संभावना भी बन रही है। बैंककर्मी, लेखाधिकारी, आर्थिक और बीमा सलाहकारों के रूप में कार्य कर रहे जातकों के लिए यह महीना बहुत अनुकूल रहेगा। इस अवधि में उन्नति करेंगे और आपकी मांग बढ़ेगी। पारिवारिक जीवन में शांति और सद्भाव बना रहेगा। जीवनसाथी के साथ रिश्ते और भी मजबूत होंगे। बच्चों को मिलने वाली सफलता से आप बेहद खुश रहेंगे। बच्चे पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। नौकरी पेशा और बिजनेस से जुड़ी महिलाओं की तरक्की होगी और उनकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस मास 2, 3, 4, 12, 13, 20, 21, 29, 30, 31 दिनांक नेष्ट है।

जून

आप इस महीने अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस अवधि में आप मनोरंजन और कलात्मक गतिविधि में अपना समय व्यतीत करेंगे। संतान पक्ष की ओर से आप थोड़े चिंतित रहेंगे। क्योंकि बच्चे पढ़ाई-लिखाई में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाएंगे। किशोरावस्था वाले बच्चों पर माता-पिता को अतिरिक्त ध्यान देना पड़ेगा और उनकी संगति का ध्यान रखें। बच्चों का मार्गदर्शन करना होगा। इस महीने आप विचारों से स्पष्ट और आकर्षक व्यक्तित्व के धनी होंगे। संतुलित विचार और दृष्टिकोण से आप स्वयं को बेहतर स्थिति में पाएंगे। यदि आप किसी बड़े निवेश के बारे में विचार कर रहे हैं तो अवश्य करें क्योंकि यह समय आपके लिए उत्तम है। मास के अंत में इस निवेश से बड़ा आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। पारिवारिक जीवन के लिए भी यह माह अच्छा संकेत दे रहा है। आप परिजनों के साथ अच्छे क्षण व्यतीत करेंगे। इस मास मनोरंजक गतिविधियों में व्यस्त रहेंगे। वाचक, वक्ता और मीडिया से जुड़े जातकों के लिए समय बेहद अनुकूल है। इसके अलावा कला, डिजाईन और फिल्म प्रॉडक्शन से जुड़े व्यवसाय वाले लोगों की लोकप्रियता में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त चित्रकारी और कला से जुड़े लोगों की भी बहुत मांग रहेगी। इस मास 8, 9, 10,

16, 17, 18, 26, 27 दिनांक नेष्ट हैं।

जुलाई

आपके लिए महीने का पूर्वार्ध थोड़ा परेशानी भरा रह सकता है, विशेषकर अपने कार्यक्षेत्र में थोड़ी समस्याएं आ सकती हैं। जीवन के प्रति अरुचि पैदा हो सकती है जो परेशानी का कारण बनेगी लेकिन ये परिस्थितियां ज्यादा दिन तक नहीं रहेंगी। महीने के उत्तरार्ध में आत्मविश्वास और साहस आने से सामान्य हो जाएंगे। इस मास में कुछ दिन आर्थिक अस्थिरता बनी रह सकती है। व्यर्थ के खर्चे से बचें और अपने बजट पर ध्यान दें। जीवनसाथी से आपके रिश्ते अच्छे रहेंगे और आप दोनों एक-दूसरे के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर सावधान रहें। मानसिक शांति भंग होने से अनिद्रा जैसी परेशानी हो सकती है। सकारात्मकता के साथ एकाग्र होकर अपने लक्ष्य पर ध्यान दें। दिमागी खेल जैसे- शतरंज आदि के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस मास **5, 6, 7, 14, 15, 23, 24** दिनांक नेष्ट है।

अगस्त

आप इस महीने की शुरुआत में अपने लक्ष्यों में परिवर्तन कर सकते हैं। आत्मविश्वास बढ़ने से आपके व्यक्तित्व में मजबूती आएगी और आप सफलता प्राप्त करेंगे। माह के उत्तरार्ध में विश्वास की कमी होने से आपको स्वयं पर संशय होगा। इसकी वजह से आप परेशान रह सकते हैं। इस महीने आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। क्योंकि आपकी उच्च जीवनशैली और इच्छाओं की वजह से आपका खर्च अधिक होगा। आप आय से ज्यादा पैसा खर्च करेंगे। इसके अलावा आप भ्रमित और निराश रहेंगे, साथ ही आप अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में असमर्थ रहेंगे। माह के उत्तरार्ध में स्थिति अनुकूल हो जाएंगी। अपनी क्षमता पर आपको पूरा भरोसा होगा और इसकी मदद से आप सफलता प्राप्त करेंगे। आपका जीवनसाथी भी बहुत सहयोगी होगा। नौकरी में आप बेहतर प्रदर्शन करेंगे और उन्हें प्रशंसा मिलेगी। जीवनसाथी आपकी शक्ति का स्त्रोत होगा। इस माह आपका स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है अतः सावधान रहें। इस मास **2, 3, 10, 11, 12, 19, 20, 21, 29, 30** दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर

आप इस महीने अपनी तय धन-संपत्ति अर्जित करने के बारे में सोचेंगे। जबकि दूसरी ओर बेवजह की वस्तुओं पर खर्च करने से आपका बजट बिगड़ सकता है, इसलिए सावधान रहें और किसी भी तरह के आर्थिक संकट से बचने के लिए अधिक से अधिक बचत करें। कार्य स्थल पर आपकी जिम्मेदारियां बढ़ेंगी और वरिष्ठ अधिकारियों को आप से बहुत उम्मीदें होंगी। व्यावसायिक जीवन में आपका कद बढ़ेगा और सम्मान की प्राप्ति होगी। कुछ लोग विदेश यात्रा पर जा सकते हैं। पारिवारिक जीवन में तनाव रहने की संभावना है क्योंकि परिवार के कई लोग आप से नाराज रहेंगे। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में तनाव बढ़ने से परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप एक छात्र हैं तो शुरुआती संघर्ष के बाद आपको अपने परिश्रम का अच्छा फल मिलेगा। इस मास **7, 8, 15, 16, 17, 25, 26, 27** दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर

आपको इस महीने अपनी स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देने की जरुरत है, इसलिए बेहतर होगा कि आप व्यायाम करें। आप में से कुछ लोग योग सीख सकते हैं। आकर्षक व्यक्तित्व की वजह से आपको प्रशंसा मिलेगी और आपके परिपक्व स्वभाव के कारण आपकी सामाजिक छवि और अच्छी होगी। दूसरी ओर आप बेहद सक्रिय, साहसी और जबर्दस्त ऊर्जा से परिपूर्ण रहेंगे। सकारात्मक ऊर्जा मिलने से आप सफलता और वृद्धि का अनुभव करेंगे। कार्य स्थल पर वरिष्ठ अधिकारी आपके प्रदर्शन से बेहद खुश रहेंगे। इसकी बदौलत आपको उच्च पद की प्राप्ति हो सकती है। यदि कार्य क्षेत्र में आप सोच-समझकर निर्णय लेंगे तो आप बहुत उन्नति करेंगे। वहीं आर्थिक मोर्चे पर आपकी आमदनी संतोषजनक रहेगी लेकिन भौतिक सुख-सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए खर्च अधिक होगा। इस मास **4, 5, 13, 14, 23, 24, 31** दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर

इस मास में आपको पिता या पैतृक रिश्तों से आर्थिक लाभ और सहयोग प्राप्त होने की संभावना है। अधिक तनाव और चिंताग्रस्त रहने की वजह से आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, इसलिए ज्यादा तनाव नहीं लें। संतान पक्ष से भी कुछ परेशानियां हो सकती हैं। घर में सुख और समृद्धि का वातावरण रहेगा और आपका जीवनसाथी आपकी हरसंभव मदद करेगा। उनके प्यार और लगाव से परिस्थितियां निश्चित ही बेहतर होंगी। भाई-बहन के साथ मिलकर शुरू किए व्यवसाय से लाभ प्राप्त होने की संभावना है। करियर के क्षेत्र में भी आप अच्छा कार्य करेंगे। व्यावसायिक जीवन में स्थिरता बनी रहेगी और लगातार वृद्धि होगी। माह के दूसरे पड़ाव में आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आपकी नेतृत्व क्षमता आपको और शक्तिशाली बनाएगी एवं आप कुछ अच्छी पहल करेंगे। इस मास **1, 2, 9, 10, 11, 19, 20, 28, 29** दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर

यह महीना आप के लिए थोड़ा संभलकर चलने का है। इस समय में किसी भी तरह का निवेश करने से बचें अन्यथा बड़ा नुकसान हो सकता है। लाभ और धनार्जन की संभावनाएं बनेंगी। यदि आप नौकरी कर रहे हैं तो इस महीने आपको अपनी कड़ी मेहनत का नतीजा अवश्य ही मिलेगा। वेतन वृद्धि के साथ पदोन्नति की संभावना है। संतति के संबंध में आपको बेहद संयम से व्यवहार करना होगा। प्रयास करें कि उनके साथ विनम्रता से व्यवहार करें, क्योंकि आपके ज्यादा क्रोधित होने के कारण वे नाराज हो सकते हैं। जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ते सद्भावपूर्ण रहेंगे। मास के उत्तरार्ध में स्वास्थ्य संबंधी विकार आपको परेशान कर सकते हैं, इसलिए स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही नहीं बरतें। यह समय आप एकांत में व्यतीत करना पसंद करेंगे और आपका झुकाव आध्यात्मिकता की ओर होगा। इस मास **6, 7, 8, 16, 17, 18, 25, 26** दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी 2023

आपको इस महीने व्यक्तिगत जीवन पर ध्यान देने की ज्यादा आवश्यकता रहेगी। इसलिए इस दौरान विवादों से बचने का प्रयास करें। क्योंकि इससे आपकी खुशियां और प्रगति दोनों प्रभावित हो सकती हैं। यह महीना आपके लिए भाग्यशाली रहेगा। वे लोग जो नौकरी कर रहे हैं वे कार्य स्थल पर बेहद ऊर्जावान और उत्साहित रहेंगे। आप अपने बेहतर प्रदर्शन से दूसरों को अचंभित कर देंगे। वे लोग जो व्यवसाय कर रहे हैं यदि वे संपत्ति में निवेश करते हैं तो उन्हें अच्छा लाभ होगा। विदेशी स्त्रोतों से भी आपको कोई अच्छी सूचना मिल सकती है जो आपके लिए लाभकारी होगी।

विदेश में संपर्क बढ़ने से आपको इसका लाभ मिलेगा। आपका वैवाहिक जीवन उत्साह और सद्भाव से परिपूर्ण रहेगा। जीवनसाथी के साथ मिलकर संयुक्त रूप से कुछ नया करने की संभावना बन रही है। आर्थिक रूप से यह महीना आपके लिए अच्छा रहेगा। आपको किसी तरह के आर्थिक संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा और आपकी बचत भी अच्छी रहेगी। इस मास 3, 4, 13, 14, 21, 22, 23, 30, 31 दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी

यह महीना आपके लिए सकारात्मक बदलाव लेकर आएगा। आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए आप अधिक से अधिक प्रयास करेंगे। इस वर्ष आप आर्थिक योजना बनाने में व्यस्त रहेंगे। वित्तीय मामलों को लेकर आप भाग्यशाली रहेंगे और धन का संचय करने में समर्थ रहेंगे। आपके पिता के लिए भी यह समय अच्छा रहेगा। उन्हें अचानक आर्थिक लाभ हो सकता है। इस वर्ष आपके भाई-बहनों का जीवन भी सुखद रहेगा। वे कार्य क्षेत्र में उन्नति का अनुभव करेंगे। जबकि दूसरी ओर बच्चों के साथ आपका टकराव हो सकता है। विशेषकर वे बच्चे जो घर से बाहर रह रहे हैं, उनके साथ व्यवहार में थोड़ी परिपक्वता दिखाएं। बात अगर जीवनसाथी की करें तो, वे आपकी व्यस्त दिनचर्या को लेकर स्वयं को उपेक्षित महसूस कर सकती हैं। इसलिए अपने जीवनसाथी के साथ अधिक समय व्यतीत करने की कोशिश करें और उनके साथ अच्छी बातें करें। महीने के दूसरे पड़ाव में व्यावसायिक मामलों में अधिक ध्यान देने की वजह से आपके व्यक्तिगत जीवन में कुछ परेशानियां हो सकती हैं। स्वास्थ्य के संबंध से भी यह महीना थोड़ा संभलकर चलने का है इसलिए सावधान रहें। इस मास 1, 9, 10, 11, 18, 19, 26, 27, 28 दिनांक नेष्ट रहेगी।

मार्च

इस महीने आपकी रुचि योग, आध्यात्म और प्राणायाम के प्रति बढ़ेगी। आपका झुकाव अध्यात्म की ओर होगा और आप आध्यात्मिक क्रियाओं में व्यस्त रहेंगे। यह समय स्वयं के मूल्यांकन के लिए बहुत अच्छा होगा। वहीं वैवाहिक जीवन में जीवनसाथी के साथ अहंकार की वजह से टकराव हो सकता है। कभी बच्चों के साथ आपके वैचारिक मतभेद हो सकते है परिवार के साथ अधिक से अधिक समय व्यतीत करें। इस माह मन की इच्छा के अनुसार काम नहीं होने की वजह से आप थोड़े परेशान रहेंगे। कार्यस्थल पर स्थिरता बनी रहेगी और वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की प्रशंसा करेंगे। वे जातक जो प्रिंटिंग और पब्लिशिंग के काम से जुड़े हैं उनके लिए यह महीना अच्छा रहने वाला है। यदि आप किसी के साथ साझेदारी में व्यवसाय कर रहे हैं तो पार्टनर के साथ आपके रिश्ते अच्छे नहीं रहेंगे। हो सकता है कि आप साझेदारी तोड़कर व्यवसाय को अकेले ही संभालें। इस मास 8, 9, 10, 17, 18 दिनांक कुछ कष्टकारक हो सकती हैं।

मीन राशि (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)

अप्रैल

आप इस महीने के पूर्वार्ध में स्वयं को उत्साहित और सक्रिय अनुभव करेंगे। वहीं माह के उत्तरार्ध में आप प्रभावी और सकारात्मक बातचीत करेंगे। इस माह आप अपने कार्यक्षेत्र में अत्यधिक व्यस्त रहेंगे। किसी बड़े निवेश के लिए यह समय अच्छा है लेकिन कठिन परिश्रम करना होगा। व्यवसाय में भागीदारी को लेकर भाई-बहनों के साथ परेशानी आ सकती है। आप अच्छे प्रयास करेंगे लेकिन व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सुधार लाने के लिए आपको अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। इसके अलावा आपकी बेहतर कार्यशैली के कारण आपकी प्रशंसा होगी। बिना सोचे-समझे और गुस्से में आकर कोई भी निर्णय लेने से बचें अन्यथा इसके परिणाम अच्छे नहीं होंगे। किसी की आलोचना या उसके साथ किसी भी तरह की राजनीति करने से बचें, क्योंकि ऐसा करने से आपके व्यक्तिगत संबंध प्रभावित हो सकते हैं। इस माह आपकी सेहत अच्छी रहेगी। आप अपनी फिटनेस को लेकर ज्यादा रुचि दिखाएंगे। स्वयं को स्वस्थ रखने के लिए खेल या व्यायाम जैसी गतिविधियों में शामिल होंगे। मास 7, 8, 9, 16, 17, 18,25, 26 दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई

विवाहित जातकों के लिए यह महीना अच्छा रहने वाला है लेकिन प्रेमी युगल को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इस माह कार्यस्थल पर बड़ी सफलता मिलने की संभावना है, साथ ही वरिष्ठ सहकर्मियों से भरपूर सहयोग मिलेगा। यह महीना उन जातकों के लिए उत्तम रहेगा, जो शेयर बाजार व मार्केट रिसर्च से जुड़ा व्यवसाय करते हैं। इस अवधि में शेयर मार्केट में उनके द्वारा व्यक्त की गई संभावना सही साबित होंगी। पारिवारिक और न्यायिक सलाहकारों के लिए भी यह महीना अच्छा रहेगा। इस माह आपके जीवन में धनागमन सुचारु रूप से होता रहेगा लेकिन महीने के उत्तरार्ध में व्यर्थ के खर्च करने से बचें। पारिवारिक जीवन खुशियों से भरा रहेगा। आप व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में अच्छा तालमेल बनाकर चलेंगे। हालांकि परिवार के लोगों से छोटे-मोटे मतभेद भी हो सकते हैं लेकिन आपसी बातचीत से सभी मुद्दे सुलझ जाएंगे। इस मास 5, 6, 14, 15, 22, 23, 24 दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून

इस माह आपका पारिवारिक जीवन अच्छा रहने वाला है। घर की खुशियों में वृद्धि होगी और आप परिजनों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। इस माह आप परिवार के साथ घूमने जा सकते हैं। घर में किसी शुभकार्य का आयोजन भी होने की संभावना है। इस महीने आपके जीवनसाथी को कार्यस्थल पर उन्नति मिलने की प्रवल संभावना है, साथ ही आर्थिक वृद्धि भी होगी। यदि आप कोई जमीन खरीदने या बेचने की योजना बना रहे हैं तो महीना का अंत इस काम के लिए अत्यंत शुभ है। इस माह आप पूरी तरह से स्वस्थ रहेंगे। आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे और अपनी बात साफ शब्दों में स्पष्टता के साथ कहेंगे। आपके स्पष्ट बोलने की यह क्षमता निश्चित रूप से आपके लिए लाभकारी रहेगी। आपकी कार्य कुशलता के कारण अधिकारी और सहकर्मी आपकी प्रशंसा करेंगे। यदि आप प्रबंधन या प्रशासनिक क्षेत्र में कार्यरत हैं तो आपको इस माह कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। 1, 2, 3, 10, 11, 12, 19, 20, 29, 28, 30 दिनांक इस मास नेष्ट रहेंगी।

जुलाई

यह महीना आपके लिए अच्छे संकेत नहीं दे रहा है। महीने की शुरुआत में आपके मन में असमंजस की स्थिति बनी रहेगी। इस वजह से आप विवेकपूर्ण निर्णय लेने में असमर्थ रहेंगे। आर्थिक विषयों पर पर भी इस महीने आपको संभलकर चलना होगा। व्यर्थ खर्च करने से बचें और

पैसों के लेनदेन पर विशेष ध्यान रखें अन्यथा धोखाधड़ी होने की संभावना है। यह महीना पारिवारिक जीवन के लिए भी शुभ संकेत नहीं दे रहा है। तनाव बढ़ने से परिवार में शांति और सद्भाव का अभाव रहेगा, इसलिए हर परिस्थिति में संयम व समझदारी से काम लें और मधुर रिश्ते बनाकर चलें। कम्प्यूटर के उपकरण से संबंधित व्यवसाय करने वाले जातकों के लिए यह महीना उत्तम है, इस अवधि में अच्छा लाभ प्राप्त होने की संभावना बन रही है। कम्प्यूटर हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और सॉफ्टवेयर डेवलपर्स से जुड़े जातक अपने कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान वे अपने कार्यक्षेत्र में उच्च पदों को प्राप्त कर सकते हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह महीना अच्छा दिखाई दे रहा है लेकिन आंखों की विशेष देखभाल करें। **8, 9, 17, 16, 25, 26, 27** दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अगस्त

यह आपके लिए उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। इस माह पिता का खराब स्वास्थ्य आपकी चिंता का कारण बन सकती है, इसलिए इस अवधि में उनकी सेहत का पूरा ध्यान रखें। इसके अलावा इलाज पर अधिक खर्च होने से आपका बजट बिगड़ सकता है। इस समय में आप पारिवारिक कार्यों में और कार्यक्षेत्र में अत्यधिक व्यस्त रहेंगे। इस महीने छोटी या लंबी दूरी की यात्रा की संभावना बन रही है। वे जातक जिनका झुकाव धार्मिक प्रवृत्ति की ओर ज्यादा है, वे लोग तीर्थ यात्रा पर जा सकते हैं। इस महीने आप कोई भी कार्य करने से पहले अच्छे से सोचें और शीघ्रता में कोई भी निर्णय लेने से बचें। कार्यस्थल पर वरिष्ठ अधिकारियों से कुछ मतभेद होने की संभावना है, इसलिए अपने व्यवहार में संयम बरतें और अच्छे संबंध बनाकर चलें। **4, 5, 12, 13, 14, 22, 23, 31** दिनांके नेष्ट रहेंगी।

सितम्बर

इस महीने में आपके भाग्य में वृद्धि होगी। चुनौतियों के बावजूद इस माह आप प्रगति करेंगे। नौकरी या व्यवसाय के संबंध में विदेश यात्रा की संभावना है। पारिवारिक व्यवसाय में समृद्धि आएगी और आपको माता-पिता का सहयोग मिलेगा। इस माह पारिवारिक जीवन में शांति और सद्भाव बना रहेगा, लेकिन किशोरावस्था के बच्चों से आपको स्नेह और धैर्य के साथ व्यवहार करना होगा। इस माह आप हर तरफ से सकारात्मक ऊर्जा और आत्म विश्वास से भरे रहेंगे। इस माह नए दोस्त बनेंगे और आप पार्टियों में व्यस्त रहेंगे। आपको कुछ ऐसे अवसर मिलेंगे, जिससे आपकी सामाजिक सक्रियता बढ़ेगी और यह आपके लिए लाभकारी रहेगी। फिल्म, अभिनय, नृत्य निर्देशक, फोटोग्राफर और वीडियो एडिटर्स को इस अवधि में लाभ होगा। इस मास **1, 2, 9, 10, 18, 19, 20, 28, 29** दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अक्टूबर

इस महीने में संतान पक्ष की ओर से आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। बच्चों के साथ संबंध तनावपूर्ण होंगे और आप उनके साथ संबंध सामान्य करने में असमर्थ रह सकते हैं। अत: बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार करें और विषम परिस्थितियों में धैर्य के साथ काम लें। अत्यधिक क्रोध करने से बचें अन्यथा आपकी मानसिक शांति भंग हो सकती है। पिता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा लेकिन माँ का स्वास्थ्य थोडा कमजोर रह सकती है, उनका विशेष ख्याल रखें। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा, विशेषकर घर के बड़े लोगों से अधिक सहायता मिलेगी। परिवार से मिलने वाले इस सहयोग के कारण आपके अंदर एक नई ऊर्जा आएगी और आप कुछ बेहतर करने में समर्थ होंगे। अपने कार्यक्षेत्र में हर विषय को लेकर अपना मत स्पष्ट रखें। वरिष्ठ सहकर्मियों की सलाह से स्थितियां अनुकूल होगी। जो छात्र तकनीकी विषय की पढ़ाई कर रहे हैं उनके लिए समय अनुकूल है। क्योंकि उन्हें कठिन परिश्रम का अच्छा फल मिलेगा। इस मास **6, 7, 15, 16, 17, 25, 26** दिनांक नेष्ट रहेंगी।

नवम्बर

आपको इस महीने में वाणी पर संयम रखना होगा। वैवाहिक जीवन में थोड़ी सावधानी रखनी होगी। जीवनसाथी के साथ जो भी मतभेद हैं उन्हें जल्द से जल्द दूर करने की कोशिश करें अन्यथा समस्या खड़ी हो सकती है। कार्यस्थल पर भी सतर्क रहना आपके लिए अच्छा होगा। अभद्र भाषा के प्रयोग से समस्या उत्पन्न हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ की बातें और कार्यक्षेत्र में आपसी राजनीति करने से बचें। यह माह आर्थिक तौर पर आपके लिए लाभकारी रहेगा। आप अधिक से अधिक पैसों की बचत करेंगे और इससे आर्थिक स्थिरता रहेगी। यह समय अचल संपत्ति के क्षेत्र में निवेश करने के लिए सही नहीं है, इसलिए जमीन/मकान खरीदने या बेचने से बचें। प्रॉपर्टी या कार्य से जुड़े हर दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से पहले उसे अच्छे से पढ़ लें। क्योंकि धोखेबाजी की संभावना है। इस माह पिता की सेहत पर ध्यान देने की आवश्यकता होगी। इस अवधि में उन्हें कोई गंभीर बीमारी से कष्ट हो सकता है हालांकि महीने के उत्तरार्ध में उनकी सेहत में सुधार देखने को मिलेगा। इस मास **2, 3, 4, 11, 12, 13, 21, 22, 23, 30** दिनांक नेष्ट रहेंगी।

दिसम्बर

मार्च का महीना आपके लिए बहुत ही सकारात्मक रहेगा। जीवन में खुशियां बनी रहेंगी और सब कुछ अच्छा रहेगा। विशेषकर विवाहित जातकों के लिए यह समय सुखद होगा। इस दौरान वैवाहिक जीवन में मधुरता और शांति बनी रहेगी। आप एक-दूसरे की आवश्यकता को समझेंगे। जीवनसाथी से आपको सहयोग मिलेगा और आपका बंधन मजबूत होता जाएगा। इस माह घर में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन भी संभव है। विवाह संपन्न होने के भी योग बन रहे हैं। आप अपना वर्तमान निवास स्थान बदलकर किसी बड़े घर में स्थानान्तरित हो सकते हैं। इस महीने अत्यधिक व्यस्त होने के कारण आपके परिजन स्वयं को उपेक्षित महसूस करेंगे, अत: परिवार के लोगों को पर्याप्त समय दें। वे जातक जो सौंदर्य प्रसाधन, कलात्मक वस्तु, आभूषण और सर्वसुविधा युक्त सामानों का व्यवसाय करते हैं उनके लिए यह समय बेहद अनुकूल है। इस महीने व्यापार में अच्छा लाभ होने की संभावना है। इस अवधि में आप अपने व्यवसाय को विस्तार देने की योजना बनाएंगे। आप अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर भी कुछ नया कार्य प्रारम्भ कर सकते हैं। यह कार्य मनोरंजक, व्यावसायिक या यात्रा से जुड़ा भी हो सकता है। इस मास **1, 9, 10, 11, 19, 20, 27, 28** दिनांक नेष्ट रहेंगी।

जनवरी 2023

इस महीने में आपको कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। महीने के पूर्वार्ध में बच्चों की ओर से तनाव मिल सकता है। तनाव और चिंता के कारण आपकी मानसिक शांति भंग हो सकती है। इस दौरान बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के लिए आपको कुछ निवेश करना होगा।

बच्चे पढ़ाई के लिए घर से दूर भी जा सकते हैं। अपने प्रेम जीवन को लेकर आपको थोड़ा सावधान रहना होगा। क्योंकि कुछ विवादों की संभावना बन रही है। अपने प्रेम जीवन में संतुलन बनाये रखने की कोशिश करें और अपने साथी को अधिक समय देने का प्रयास करें। इस माह सेहत को लेकर भी आपको अपना विशेष ध्यान रखना होगा। अजीर्ण, उदर विकार, मुंह में छाला और कोई घाव हो सकता है। आपके स्वभाव में साहस, क्रोध और वीरता की वृद्धि होगी। ग्राफिक आर्टिस्ट, विदेशी भाषा के जानकार और तकनीकी लेखन से जुड़े जातकों के लिए समय बहुत अच्छा है। इस मास **5, 6, 7, 15, 16, 17, 23, 24, 25** दिनांक नेष्ट रहेंगी।

फरवरी

यह महीना आपके लिए सामान्य रहने वाला है। इस अवधि में यदि आपको लाभ नहीं मिलेगा तो हानि भी नहीं होगी। पारिवारिक संसाधनों में बढ़ोत्तरी की संभावना है इससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। इस माह महंगे घरेलू सामान खरीदने से आपका खर्च बहुत बढ़ सकता है, इसलिए सोच-समझकर खर्च करें। मानसिक, बौद्धिक और कलात्मक क्षमता में वृद्धि होने से आप अपने लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर लेंगे। वकील, शिक्षक, सलाहकार और वक्ताओं के लिए यह महीना अच्छा रहने वाला है। आप जनवरी के महीने में सभी क्षेत्रों में अच्छा कार्य करेंगे। क्रोध और वाणी पर संयम रखें क्योंकि गलत शब्दों के प्रयोग से आपके और परिजनों के बीच गलतफहमी उत्पन्न हो सकती है। इसलिए कड़वे वचन बिल्कुल नहीं बोलें। इस माह के अंत में आपको कठिन परिश्रम का फल मिलेगा और सब कुछ सुव्यवस्थित हो जाएगा। इस मास **1, 2, 3, 11, 12, 13, 20, 21** दिनांक नेष्ट रहेंगी।

मार्च

यह महीना आपके लिए सामान्य रहेगा। इस माह के पूर्वार्ध में बच्चों के कारण आप परेशान रहेंगे। इस दौरान बच्चों के साथ कुछ मतभेद हो सकते हैं लेकिन ऐसी स्थिति में आपको धैर्य से काम लेना होगा। जीवनसाथी से आपके संबंध अच्छे रहेंगे और उनकी सफलता से आप खुश रहेंगे। इस अवधि में आपको जीवनसाथी की ओर से पूरा सहयोग मिलेगा और आपका संबंध और मजबूत होगा। इस महीने जीवनसाथी की सेहत को लेकर आपको थोड़ा सावधान रहना होगा। कार्यस्थल पर अपने कार्य के रहस्य किसी के साथ साझा नहीं करें अन्यथा आप कठिनाई में पड़ सकते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों से अच्छे संबंध बनाकर चलें, क्योंकि उनके सहयोग और मार्गदर्शन से आप कार्यक्षेत्र में उन्नति करेंगे। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और लेखन से जुड़े जातकों के लिए यह महीना अच्छा है। इस मास **1, 2, 11, 12, 19, 20** दिनांक नेष्ट रहेंगी।

डॉ. प्रवेश व्यास
सहायकाचार्य, वास्तुशास्त्रविभाग,
श्री ला.ब.शा.रा.सं.विश्वविद्यालय,नई दिल्ली

ग्रहों का उदयास्त विचार

मंगलग्रह का उदयास्त

मंगल वर्ष पर्यन्त उदित रहेगा।

बुध ग्रह का उदयास्त

दिनांक	वार	समय	दिशा	स्थिति
15/04/2022	शुक्र	08:47	पश्चिम	उदय
12/05/2022	गुरु	15:49	पश्चिम	अस्त
30/05/2022	सोम	26:29	पूर्व	उदय
05/07/2022	मंगल	17:17	पूर्व	अस्त
28/07/2022	गुरु	29:06	पश्चिम	उदय
16/09/2022	शुक्र	20:59	पश्चिम	अस्त
30/09/2022	शुक्र	21:10	पूर्व	उदय
20/10/2022	गुरु	10:34	पूर्व	अस्त
02/12/2022	शुक्र	11:38	पश्चिम	उदय
01/01/2023	रवि	11:56	पश्चिम	अस्त
13/01/2023	शुक्र	16:45	पूर्व	उदय
01/03/2023	बुध	22:01	पूर्व	अस्त

गुरुग्रह का उदयास्त

गुरु वर्ष पर्यन्त उदित रहेगा।

शुक्रग्रह का उदयास्त

04/10/2022	मंगल	17:58	पूर्व	अस्त
26/11/2022	शनि	26:22	पश्चिम	उदय

शनिग्रह का उदयास्त

30/01/2023	सोम	24:32	पश्चिम	अस्त
05/03/2023	रवि	18:01	पूर्व	उदय

अगस्त्य का उदयास्त

26/04/2022	मंगल	06:40	अस्त
29/08/2022	सोम	27:29	उदय

ग्रहों का राशि प्रवेशकाल विचार

2022–23 (भा.स्टै.समय में)

सूर्य राशि प्रवेश

राशि	दिनांक	समय
मेष	14/04/2022	08:45
वृष	15/05/2022	05:38
मिथुन	15/06/2022	12:14
कर्क	16/07/2022	23:05
सिंह	17/08/2022	07:30
कन्या	17/09/2022	07:29
तुला	17/10/2022	19:27
वृश्चिक	16/11/2022	19:13
धनु	16/12/2022	09:53
मकर	14/01/2023	20:36
कुम्भ	13/02/2023	09:35
मीन	14/03/2023	30:26

मंगल राशि प्रवेश

राशि	दिनांक	समय
कुम्भ	07/04/2022	08:45
मीन	17/05/2022	05:38
मेष	27/06/2022	12:14
वृष	10/08/2022	23:05
मिथुन	15/10/2022	07:30
वृष (वक्री)	14/11/2022	27:29
मिथुन	12/03/2023	12:53

बुध राशि प्रवेश

राशि	दिनांक	समय
मेष	08/04/2022	11:51
वृष	24/04/2022	22:00
मिथुन	02/07/2022	29:00
कर्क	16/07/2022	24:03
सिंह	31/07/2022	27:04
कन्या	20/08/2022	25:33
तुला	26/10/2022	14:06
वृश्चिक	13/11/2022	21:07
धनु	02/12/2022	29:40
मकर	27/12/2022	29:40
धनु (वक्री)	30/12/2022	22:53
मकर	07/02/2023	07:12
कुम्भ	27/02/2023	17:23
मीन	16/03/2023	10:36

गुरु राशि प्रवेश

राशि	दिनांक	समय
मीन	13/04/2022	19:10

शुक्र राशि प्रवेश

राशि	दिनांक	समय
मीन	27/04/2022	18:28
मेष	23/05/2022	21:18
वृष	18/06/2022	08:56
मिथुन	13/07/2022	15:54
कर्क	06/08/2022	29:13
सिंह	31/08/2022	16:15
कन्या	24/09/2022	20:54
तुला	18/10/2022	21:17
वृश्चिक	11/11/2022	19:44
धनु	05/12/2022	17:31
मकर	29/12/2022	15:27
कुम्भ	22/01/2023	15:08
मीन	15/02/2023	19:30
मेष	12/03/2023	08:16

शनि राशि प्रवेश

राशि	दिनांक	समय
कुम्भ	30/04/2022	23:26
मकर (वक्री)	10/07/2022	13:19
कुम्भ	18/01/2023	12:50

राहु राशि प्रवेश

राशि	दिनांक	समय
मेष (वक्री)	12/04/2022	06:07

केतु राशि प्रवेश

राशि	दिनांक	समय
तुला (वक्री)	12/04/2022	06:07

सायन सूर्य राशि प्रवेश

राशि	दिनांक	समय
वृष	20/04/2022	08:16
मिथुन	21/05/2022	07:18
कर्क	21/06/2022	15:12
सिंह	22/07/2022	26:04
कन्या	23/08/2022	09:14
तुला	23/09/2022	07:01
वृश्चिक	23/10/2022	16:30
धनु	22/11/2022	14:09
मकर	21/12/2022	27:32
कुम्भ	20/01/2023	14:13
मीन	18/02/2023	28:18
मेष	20/03/2023	27:10

ग्रहों का नक्षत्र प्रवेशकाल विचार

2021-22 (भा.स्टै.समय में)

सूर्य नक्षत्र प्रवेश			नक्षत्र	दिनांक	समय	नक्षत्र	दिनांक	समय	नक्षत्र	दिनांक	समय
नक्षत्र	दिनांक	समय	अनुराधा	19/11/2022	26:34	कृत्तिका	05/08/2022	11:24	मघा	31/07/2022	27:04
अश्विनी	14/04/2022	08:45	ज्येष्ठा	02/12/2022	30:51	रोहिणी	27/08/2022	10:56	पू.फा.	08/08/2022	27:16
भरणी	27/04/2022	24:35	मूल	16/12/2022	09:53	मृगशिरा	23/09/2022	09:49	उ.फा.	18/08/2022	10:24
कृत्तिका	11/05/2022	18:45	पू.षा.	29/12/2022	12:06	रोहिणी वक्री	04/12/2022	21:22	हस्त	30/08/2022	16:07
रोहिणी	25/05/2022	14:59	उ.षा.	11/01/2023	14:05	मृगशिरा	24/02/2023	07:29	उ.फा. वक्री	19/09/2022	19:31
मृगशिरा	08/06/2022	12:50	श्रवण	24/01/2023	16:23	**बुध नक्षत्र प्रवेश**			हस्त	14/10/2022	09:06
आर्द्रा	22/06/2022	11:50	धनिष्ठा	06/02/2023	19:33	अश्विनी	08/04/2022	11:51	चित्रा	22/10/2022	15:44
पुनर्वसु	06/07/2022	11:24	शतभिषा	19/02/2023	24:03	भरणी	14/04/2022	24:51	स्वाती	30/10/2022	12:56
पुष्य	20/07/2022	10:56	पू.भा.	04/03/2023	30:20	कृत्तिका	22/04/2022	14:22	विशाखा	07/11/2022	15:09
आश्लेषा	03/08/2022	09:49	उ.भा.	18/03/2023	14:45	रोहिणी	06/05/2022	13:27	अनुराधा	15/11/2022	23:48
मघा	17/08/2022	07:30	**मंगल नक्षत्र प्रवेश**			कृत्तिका वक्री	14/05/2022	15:40	ज्येष्ठा	24/11/2022	13:09
पू.फा.	30/08/2022	27:29	शतभिषा	16/04/2022	24:35	रोहिणी	18/06/2022	17:21	मूल	02/12/2022	29:40
उ.फा.	13/09/2022	21:22	पू.भा.	05/05/2022	18:45	मृगशिरा	28/06/2022	13:13	पू.षा.	11/12/2022	28:19
हस्त	27/09/2022	12:53	उ.भा.	21/05/2022	14:59	आर्द्रा	05/07/2022	22:00	उ.षा.	22/12/2022	21:14
चित्रा	10/10/2022	25:52	रेवती	08/06/2022	12:50	पुनर्वसु	12/07/2022	08:34	पू.षा. वक्री	04/01/2023	16:34
स्वाती	24/10/2022	12:23	अश्विनी	27/06/2022	12:14	पुष्य	18/07/2022	13:29	उ.षा.	04/02/2023	14:35
विशाखा	06/11/2022	20:32	भरणी	17/07/2022	11:50	आश्लेषा	24/07/2022	24:50	श्रवण	14/02/2023	16:40

नक्षत्र	दिनांक	समय
धनिष्ठा	23/02/2023	13:55
शतभिषा	03/03/2023	16:48
पू.भा.	10/03/2023	28:25
उ.भा.	17/03/2023	27:28

गुरु नक्षत्र प्रवेश

उ.भा.	28/04/2022	25:14
रेवती	24/02/2023	18:17

शुक्र नक्षत्र प्रवेश

शतभिषा	06/04/2022	15:20
पू.भा.	18/04/2022	20:05
उ.भा.	30/04/2022	17:11
रेवती	12/05/2022	09:07
अश्विनी	23/05/2022	21:18
भरणी	04/06/2022	06:34
कृत्तिका	15/06/2022	13:30
रोहिणी	26/06/2022	18:30
मृगशिर	07/07/2022	21:49
आर्द्रा	18/07/2022	23:36
पुनर्वसु	29/07/2022	23:56

नक्षत्र	दिनांक	समय
पुष्य	09/08/2022	22:47
आश्लेषा	20/08/2022	20:14
मघा	31/08/2022	16:15
पू.फा.	11/09/2022	11:00
उ.फा.	21/09/2022	28:38
हस्त	02/10/2022	21:23
चित्रा	13/10/2022	13:26
स्वाती	23/10/2022	29:02
विशाखा	03/11/2022	20:21
अनुराधा	14/11/2022	11:31
ज्येष्ठा	24/11/2022	26:32
मूल	05/12/2022	17:31
पू.षा.	16/12/2022	08:32
उ.षा.	26/12/2022	23:38
श्रवण	06/01/2023	15:01
धनिष्ठा	16/01/2023	30:55
शतभिषा	27/01/2023	23:35
पू.भा.	07/02/2023	17:18
उ.भा.	18/02/2023	12:25

नक्षत्र	दिनांक	समय
रेवती	01/03/2023	09:17
अश्विनी	12/03/2023	08:16

शनि नक्षत्र प्रवेश

शतभिषा	15/03/2023	21:28

राहु नक्षत्र प्रवेश

नक्षत्र	दिनांक	समय
भरणी.(वक्री)	13/06/2022	27:51
अश्वि.(वक्री)	20/02/2023	18:25

केतु नक्षत्र प्रवेश

स्वाती(वक्री)	17/10/2022	23:09

ग्रहों का मार्गत्व वक्रत्व

मंगल ग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

दिनांक	वार	समय	स्थिति
31/10/2022	सोम	10:50	वक्री
13/01/2023	शुक्र	17:21	मार्गी

बुध ग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

10/05/2022	मंगल	24:21	वक्री
03/06/2022	शुक्र	27:52	मार्गी
10/09/2022	शनि	21:05	वक्री
02/10/2022	रवि	26:47	मार्गी
29/12/2022	गुरु	28:02	वक्री
18/01/2023	बुध	30:47	मार्गी

गुरुग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

29/07/2022	शुक्र	11:54	वक्री
24/11/2022	गुरु	15:24	मार्गी

शुक्रग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

शुक्र वर्ष भर मार्गी रहेगा।

शनिग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

05/06/2022	रवि	10:09	वक्री
23/10/2022	रवि	16:36	मार्गी

विक्रम संवत् 2079 (ई०सन् 2022-23) के प्रमुख व्रत, पर्व एवं उत्सव

व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक
वासन्तिक नवरात्रारम्भ	02/04/2022	वैशाखी	14/04/2022	चन्दन षष्ठी	07/05/2022
घटस्थापन	02/04/2022	अनंग त्रयोदशी	14/04/2022	गंगोत्पत्ति	08/05/2022
मत्स्य जयन्ती	03/04/2022	महावीर जयन्ती (जैन)	14/04/2022	सीता जयन्ती	10/05/2022
गणगौरी तश्तीया	04/04/2022	नृसिंह दोलोत्सव	15/04/2022	मोहिनी एकादशीव्रत	12/05/2022
सौभाग्य गौरीव्रतम्	04/04/2022	हनुमान जयन्ती (द.भा.)	16/04/2022	मधुसूदन द्वादशी	13/05/2022
विनायक चतुर्थी व्रतम्	05/04/2022	अनसूया जयन्ती	20/04/2022	नृसिंह जयन्ती	14/05/2022
श्री पंचमी	06/04/2022	कोकिला षष्ठी	22/04/2022	छिन्नमस्ता जयन्ती	15/05/2022
रामराज्य महोत्सव	06/04/2022	शीतला अष्टमी	23/04/2022	कूर्म जयन्ती	15/05/2022
यमुना छठ	07/04/2022	वरूथिनी एकादशी	26/04/2022	नारद जयन्ती	16/05/2022
कालरात्री पूजन	07/04/2022	शनैश्चरी अमावस्या	30/04/2022	बुद्ध पूर्णिमा	16/05/2022
दुर्गाष्टमी व्रत	09/04/2022	परशुराम जयन्ती	03/05/2022	समुद्रौरी व्रत	16/05/2022
रामनवमी	10/04/2022	अक्षय तृतीया	03/05/2022	भानु सप्तमी	22/05/2022
नवरात्र समाप्त	10/04/2022	बगुलामुखी जयन्ती	03/05/2022	शीतला अष्टमी	23/05/2022
देवी विसर्जन	11/04/2022	गौरी पूजा	03/05/2022	अपरा एकादशीव्रत	26/05/2022
धर्मराज दशमी	11/04/2022	मातंगी जयन्ती	03/05/2022	वट सावित्री व्रत अमा.	29/05/2022
कामदा एकादशीव्रत (स्मार्त)	12/04/2022	आदिगुरु शंकराचार्य जयन्ती	06/05/2022	भावुका अमावस्या	30/05/2022
वामन द्वादशी	13/04/2022	रामानुजाचार्य जयन्ती	07/05/2022	सोमवती अमावस्या	30/05/2022

व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक
शनैश्चर जयन्ती	30/05/2022	गुप्त नवरात्रारम्भ	30/06/2022	नाग पंचमी	02/08/2022
रम्भा तृतीया	02/06/2022	श्री जगन्नाथ रथ यात्रा	01/07/2022	श्री कल्की जयन्ती	03/08/2022
महाराणाप्रताप जयन्ती	02/06/2022	स्कन्द पञ्चमी	04/07/2022	शीतला सप्तमी (सिंध)	04/08/2022
महादेव विवाह	04/06/2022	कुमार षष्ठी	05/07/2022	श्री तुलसी दास जयन्ती	04/08/2022
स्कन्द षष्ठी	05/06/2022	विवस्वत् सप्तमी	06/07/2022	कौमारी देवी पूजा	05/08/2022
विन्ध्यवासिनी पूजन	08/06/2022	महिषासुरमर्दिनी पूजा	07/07/2022	वेदव्रतारम्भ	07/08/2022
आरण्यक गौरी व्रत	08/06/2022	मेला शरीक भवानी	08/07/2022	पवित्रा एकादशीव्रत	08/08/2022
मेला क्षीर भवानी	08/06/2022	भड्डली नवमी	08/07/2022	दामोदर द्वादशी	09/08/2022
गंगा दशहरा	09/06/2022	गुप्त नवरात्र समाप्त	08/07/2022	श्रावणी उपाकर्म	12/08/2022
रामेश्वर प्रतिष्ठा	09/06/2022	हरिशयनी एकादशी	10/07/2022	रक्षा बन्धन	12/08/2022
गायत्री जयन्ती	10/06/2022	वासुदेव द्वादशी	11/07/2022	कज्जली तृतीया	14/08/2022
निर्जला एकादशीव्रत(स्मार्त)	10/06/2022	कोकिला व्रत	13/07/2022	स्वतन्त्रता दिवस	15/08/2022
चम्पक द्वादशी	11/06/2022	गुरु/व्यास पूर्णिमा	13/07/2022	ललही छठ	17/08/2022
त्रिविक्रम द्वादशी	11/06/2022	श्रावण सोमवार व्रतारम्भ	18/07/2022	हल षष्ठी	17/08/2022
वटसावित्री व्रत पूर्णिमा	14/06/2022	शीतला सप्तमी	20/07/2022	बलराम जयन्ती	17/08/2022
कबीर दास जयन्ती	14/06/2022	कामिका एकादशीव्रत	24/07/2022	श्रीकृष्णजन्माष्टमी(स्मार्त)	18/08/2022
शीतला अष्टमी	21/06/2022	हरियाली अमावस्या	28/07/2022	गोगा नवमी	20/08/2022
योगिनी एकादशीव्रत	24/06/2022	सिन्धारा व्रत	29/07/2022	अजा एकादशीव्रत	23/08/2022
भौमवती अमावस्या	28/06/2022	मधुश्रवा तृतीया	31/07/2022	कुशोत्पाटिनी अमावस्या	27/08/2022

व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक
शनैश्चरी अमावस्या	27/08/2022	चतुर्थी का श्राद्ध	13/09/2022	उपांगललिता व्रत	30/09/2022
हरितालिका तीज	30/08/2022	पंचमी का श्राद्ध	14/09/2022	सरस्वती आवाहन	02/10/2022
ऋषि पंचमी	01/09/2022	षष्ठी का श्राद्ध	15/09/2022	महानिशा पूजा	02/10/2022
लोलार्क षष्ठी	02/09/2022	सप्तमी का श्राद्ध	16/09/2022	महाष्टमी व्रत	03/10/2022
आमुक्ताभरण सप्तमी	02/09/2022	अष्टमी का श्राद्ध	18/09/2022	महानवमी व्रत	04/10/2022
दूर्वा अष्टमी	03/09/2022	जीवित पुत्रिका व्रत	18/09/2022	विजया दशमी(सूर्योदयव्यापिनी)	05/10/2022
नन्दा देवी पूजा	04/09/2022	नवमी का श्राद्ध	19/09/2022	पापांकुशा एकादशीव्रत	06/10/2022
राधा अष्टमी	04/09/2022	मातृ नवमी	19/09/2022	शरद पूर्णिमा	09/10/2022
शिक्षक दिवस	05/09/2022	दशमी का श्राद्ध	20/09/2022	कार्तिक स्नान प्रारम्भ	09/10/2022
अदु:ख नवमी(नन्दपाती पूजन)	05/09/2022	एकादशी का श्राद्ध	21/09/2022	वाल्मीकि जयन्ती	09/10/2022
दशावतार व्रत	05/09/2022	इन्दिरा एकादशीव्रत	21/09/2022	अशुन्यशयन व्रत	11/10/2022
पद्मा एकादशीव्रत(स्मार्त)	06/09/2022	द्वादशी का श्राद्ध	22/09/2022	करवाचौथ व्रत	13/10/2022
शक्र द्वादशी	07/09/2022	त्रयोदशी का श्राद्ध	23/09/2022	अहोई अष्टमी	17/10/2022
अनन्तचतुर्दशी व्रत	09/09/2022	चतुर्दशी का श्राद्ध	24/09/2022	राधा जयन्ती	18/10/2022
पूर्णिमा श्राद्ध	10/09/2022	अमावस्या का श्राद्ध	25/09/2022	रमा एकादशीव्रत	21/10/2022
प्रतिपदा का श्राद्ध	11/09/2022	सर्व पितृ विसर्जन	25/09/2022	गोवत्स द्वादशी	21/10/2022
द्वितीया का श्राद्ध	11/09/2022	मातामह श्राद्ध	26/09/2022	धनवन्तरी जयन्ती	23/10/2022
अशुन्यशयन व्रत	11/09/2022	शारदीय नवरात्रारम्भ	26/09/2022	धनतेरस	23/10/2022
तृतीया का श्राद्ध	12/09/2022	कलश स्थापना	26/09/2022	नरक चतुर्दशी (छोटी बग्वाल)	23/10/2022

व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक
दीपावली (बड़ी बग्वाल)	24/10/2022	उत्पन्ना एकादशीव्रत	20/11/2022	बकुला अमावस्या	23/12/2022
महालक्ष्मी पूजा	24/10/2022	रिख बग्वाल (बुढ़ा केदार)	23/11/2022	पुत्रदा एकादशीव्रत	02/01/2023
यम तर्पण	24/10/2022	कार्तिक पूजा बंगाल	23/11/2022	माघस्नानारम्भ	06/01/2023
अन्नकूट	26/10/2022	रुद्रव्रत	24/11/2022	संकट चौथ	10/01/2023
गोवर्धन पूजा	26/10/2022	रम्भा व्रत	24/11/2022	स्वामी विवेकानन्द जयन्ती	12/01/2023
विश्वकर्मा पूजा	27/10/2022	रामविवाहोत्सव	28/11/2022	लोहड़ी (पंजाब)	13/01/2023
भैयादूज, यमद्वितीया	27/10/2022	संहार षष्ठी	29/11/2022	खिचडी संक्रान्ति	15/01/2023
सूर्यषष्ठी व्रत	30/10/2022	मल्लार षष्ठी	29/11/2022	माघी (हिमाचल)	15/01/2023
अक्षय नवमी, कूष्माण्ड नवमी	02/11/2022	चम्पा षष्ठी	29/11/2022	तिल संक्रान्ति	15/01/2023
हरिप्रबोधिनी एकादशी	04/11/2022	महानवमीव्रत	01/12/2022	अष्टका श्राद्ध	15/01/2023
तुलसी विवाह	05/11/2022	गीता जयन्ती	03/12/2022	अन्वष्टका श्राद्ध	16/01/2023
वैकुण्ठ चतुर्दशी	06/11/2022	मोक्षदा एकादशीव्रत(स्मार्त)	03/12/2022	षट्तिला एकादशीव्रत	18/01/2023
विश्वनाथ स्थापना दिवस	07/11/2022	मत्स्य द्वादशी	04/12/2022	तिल द्वादशी	19/01/2023
गुरु नानक जयन्ती	08/11/2022	अखण्ड द्वादशी	04/12/2022	मौनी अमावस्या	21/01/2023
देव दीपावली	08/11/2022	श्रीदत्तात्रेय जयन्ती	07/12/2022	शनैश्चरी अमावस्या	21/01/2023
कार्तिकव्रत पारणा	09/11/2022	अष्टका श्राद्ध	16/12/2022	शिशिर गुप्त नवरात्रारम्भ	22/01/2023
सौभाग्य सुन्दरी व्रत	11/11/2022	सफला एकादशीव्रत	19/12/2022	सुभाष जयन्ती	23/01/2023
कालभैरवाष्टमी	16/11/2022	सुरूपाद्वादशी	20/12/2022	गौरी तृतीया व्रत	24/01/2023
रुक्मिणी व्रत	16/11/2022	पौषी अमावस्या	23/12/2022	तिल चतुर्थी	24/01/2023

व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक
वसन्त पंचमी	26/01/2023	रामकृष्ण परमहंस जयन्ती	21/02/2023	मेला नौचंदी समाप्त(मेरठ)	14/03/2023
सरस्वती पूजा	26/01/2023	पुत्र गणपति व्रत	23/02/2023	शीतला पूजा/बासोड़ा	15/03/2023
श्रीपंचमी	26/01/2023	कामदा सप्तमी व्रत	26/02/2023	अष्टकाश्राद्ध	15/03/2023
मदनपंचमी	26/01/2023	होलाष्टक प्रारम्भ	27/02/2023	अन्वष्टका श्राद्ध	16/03/2023
गणतन्त्र दिवस	26/01/2023	सीता पूजन	27/02/2023	पापमोचनी एकादशीव्रत	18/03/2023
रथसप्तमी	28/01/2023	दुर्गाष्टमी	27/02/2023	गोविन्द द्वादशी	19/03/2023
अचला सप्तमी	28/01/2023	फल्गु दशमी	01/03/2023	चैती अमावस्या	21/03/2023
अभोज्यार्कव्रत	28/01/2023	रंगभरी एकादशी	03/03/2023	मेला पेहवा	21/03/2023
भीमाष्टमी	29/01/2023	आमलकी एकादशीव्रत	03/03/2023	भौमवती अमावस्या	21/03/2023
नन्दिनीदेवी पूजन	30/01/2023	गोविन्द द्वादशी	04/03/2023	विक्रम संवत् समाप्ति	21/03/2023
जया एकादशीव्रत	01/02/2023	होलिकादहन	06/03/2023		
भक्त पुण्डरीक उत्सव	01/02/2023	होलिकाष्टक समाप्ति	06/03/2023		
सन्तान द्वादशी	02/02/2023	चैतन्यमहाप्रभु जयन्ती	07/03/2023		
माघस्नान समाप्ति	05/02/2023	होली (धुलैण्डी, छरोली)	08/03/2023		
सन्त रविदास जयन्ती	05/02/2023	होलिका भस्मधारण	08/03/2023		
अष्टका श्राद्ध	13/02/2023	वसन्तोत्सव	08/03/2023		
अन्वष्टका श्राद्ध	14/02/2023	आम्रकलिका प्राशन	08/03/2023		
विजया एकादशीव्रत(स्मार्त)	16/02/2023	रंग पंचमी	12/03/2023		
महाशिवरात्रि व्रत	18/02/2023	मेला नौचंदी प्रारम्भ(मेरठ)	12/03/2023		

देवब्राह्मणवन्दनाद्गुरुवचः सम्पादनात्प्रत्यह
साधूनामभिभाषणाच्छ्रुतिरवश्रेयस्कथाकर्णनात्।
होमादध्वरदर्शनाच्छुचिमनोभावाज्जपाद्दानतो
नो कुर्वन्ति कदाचिदेव पुरुषस्यैवं ग्रहाः पीडनम्॥

विक्रम संवत् 2079 (ई०सन् 2022-23) के प्रमुख व्रत, पर्व एवं उत्सव

विनायक चतुर्थी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	05/04/2022
वैशाख	शुक्ल	05/05/2022
ज्येष्ठ	शुक्ल	03/06/2022
आषाढ	शुक्ल	03/07/2022
श्रावण	शुक्ल	01/08/2022
भाद्रपद	शुक्ल	31/08/2022
आश्विन	शुक्ल	29/09/2022
कार्तिक	शुक्ल	28/10/2022
मार्गशीर्ष	शुक्ल	27/11/2022
पौष	शुक्ल	26/12/2022
माघ	शुक्ल	25/01/2023
फाल्गुन	शुक्ल	23/02/2023

संकष्ट चतुर्थी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
वैशाख	कृष्ण	19/04/2022
ज्येष्ठ	कृष्ण	19/05/2022
आषाढ	कृष्ण	17/06/2022
श्रावण	कृष्ण	16/07/2022
भाद्रपद	कृष्ण	15/08/2022
आश्विन	कृष्ण	13/09/2022
कार्तिक	कृष्ण	13/10/2022
मार्गशीर्ष	कृष्ण	12/11/2022
पौष	कृष्ण	11/12/2022
माघ	कृष्ण	10/01/2023
फाल्गुन	कृष्ण	09/02/2023
चैत्र	कृष्ण	11/03/2023

दुर्गाष्टमी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	09/04/2022
वैशाख	शुक्ल	09/05/2022
ज्येष्ठ	शुक्ल	08/06/2022
आषाढ	शुक्ल	07/07/2022
श्रावण	शुक्ल	05/08/2022
भाद्रपद	शुक्ल	04/09/2022
आश्विन	शुक्ल	03/10/2022
कार्तिक	शुक्ल	01/11/2022
मार्गशीर्ष	शुक्ल	01/12/2022
पौष	शुक्ल	30/12/2022
माघ	शुक्ल	29/01/2023
फाल्गुन	शुक्ल	27/02/2023

कालाष्टमी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
वैशाख	कृष्ण	23/04/2022
ज्येष्ठ	कृष्ण	22/05/2022
आषाढ	कृष्ण	20/06/2022
श्रावण	कृष्ण	20/07/2022
भाद्रपद	कृष्ण	18/08/2022
आश्विन	कृष्ण	17/09/2022
कार्तिक	कृष्ण	17/10/2022
मार्गशीर्ष	कृष्ण	16/11/2022
पौष	कृष्ण	16/12/2022
माघ	कृष्ण	14/01/2023
फाल्गुन	कृष्ण	13/02/2023
चैत्र	कृष्ण	14/03/2023

मास शिवरात्रि व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
वैशाख	कृष्ण	29/04/2022
ज्येष्ठ	कृष्ण	28/05/2022
आषाढ	कृष्ण	27/06/2022
श्रावण	कृष्ण	26/07/2022
भाद्रपद	कृष्ण	25/08/2022
आश्विन	कृष्ण	24/09/2022
कार्तिक	कृष्ण	23/10/2022
मार्गशीर्ष	कृष्ण	22/11/2022
पौष	कृष्ण	21/12/2022
माघ	कृष्ण	20/01/2023
फाल्गुन	कृष्ण	18/02/2023
चैत्र	कृष्ण	20/03/2023

एकादशी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल (स्मा.)	12/04/2022
चैत्र	शुक्ल (वै.)	13/04/2022
वैशाख	कृष्ण (स्मा./वै.)	26/04/2022
वैशाख	कृष्ण (निम्ब.)	27/04/2022
वैशाख	शुक्ल	12/05/2022
ज्येष्ठ	कृष्ण	26/05/2022
ज्येष्ठ	शुक्ल (स्मा.)	10/06/2022
ज्येष्ठ	शुक्ल (वै.)	11/06/2022
आषाढ	कृष्ण	24/06/2022

विक्रम संवत् 2079 (ई०सन् 2022–23) के प्रमुख व्रत, पर्व एवं उत्सव

मास	पक्ष	दिनांक
आषाढ	शुक्ल	10/07/2022
श्रावण	कृष्ण	24/07/2022
श्रावण	शुक्ल	08/08/2022
भाद्रपद	कृष्ण	23/08/2022
भाद्रपद	शुक्ल (स्मा.)	06/09/2022
भाद्रपद	शुक्ल (वै.)	07/09/2022
आश्विन	कृष्ण	21/09/2022
आश्विन	शुक्ल	06/10/2022
कार्तिक	कृष्ण	21/10/2022
कार्तिक	शुक्ल	04/11/2022
मार्गशीर्ष	कृष्ण	20/11/2022
मार्गशीर्ष	शुक्ल (स्मा.)	03/12/2022
मार्गशीर्ष	शुक्ल (वै.)	04/12/2022
पौष	कृष्ण (स्मा.)	19/12/2022
पौष	कृष्ण (वै.)	20/12/2022
पौष	शुक्ल	02/01/2023
माघ	कृष्ण	18/01/2023
माघ	शुक्ल	01/02/2023
फाल्गुन	कृष्ण (स्मा.)	16/02/2023
फाल्गुन	कृष्ण (वै.)	17/02/2023
फाल्गुन	शुक्ल	03/03/2023
चैत्र	कृष्ण	18/03/2023

प्रदोष व्रत

चैत्र	शुक्ल	14/04/2022
वैशाख	कृष्ण	28/04/2022

मास	पक्ष	दिनांक
वैशाख	शुक्ल	13/05/2022
ज्येष्ठ	कृष्ण	27/05/2022
ज्येष्ठ	शुक्ल	12/06/2022
आषाढ	कृष्ण	26/06/2022
आषाढ	शुक्ल	11/07/2022
श्रावण	कृष्ण	25/07/2022
श्रावण	शुक्ल	09/08/2022
भाद्रपद	कृष्ण	24/08/2022
भाद्रपद	शुक्ल	08/09/2022
आश्विन	कृष्ण	23/09/2022
आश्विन	शुक्ल	07/10/2022
कार्तिक	कृष्ण	23/10/2022
कार्तिक	शुक्ल	05/11/2022
मार्गशीर्ष	कृष्ण	21/11/2022
मार्गशीर्ष	शुक्ल	05/12/2022
पौष	कृष्ण	21/12/2022
पौष	शुक्ल	04/01/2023
माघ	कृष्ण	19/01/2023
माघ	शुक्ल	03/02/2023
फाल्गुन	कृष्ण	18/02/2023
फाल्गुन	शुक्ल	04/03/2023
चैत्र	कृष्ण	19/03/2023

पूर्णिमा व्रत

चैत्र	शुक्ल	16/04/2022
वैशाख	शुक्ल	15/05/2022

मास	पक्ष	दिनांक
ज्येष्ठ	शुक्ल	13/06/2022
आषाढ	शुक्ल	13/07/2022
श्रावण	शुक्ल	11/08/2022
भाद्रपद	शुक्ल	09/09/2022
आश्विन	शुक्ल	09/10/2022
कार्तिक	शुक्ल	07/11/2022
मार्गशीर्ष	शुक्ल	07/12/2022
पौष	शुक्ल	06/01/2023
माघ	शुक्ल	05/02/2023
फाल्गुन	शुक्ल	06/03/2023

सूर्यसंक्रान्ति पुण्यकाल

राशि	दिनांक	समय
मेष	14/04/2022	08:45 तक
वृष	15/05/2022	11:58 तक
मिथुन	15/06/2022	12:14से18:38
कर्क	16/07/2022	मध्याह्न से
सिंह	17/08/2022	07:30 तक
कन्या	17/09/2022	07:29से13:53
तुला	17/10/2022	मध्याह्न से
वृश्चिक	16/11/2022	मध्याह्न से
धनु	16/12/2022	09:50से16:17
मकर	15/01/2023	मध्याह्न तक
कुम्भ	13/02/2023	09:35 तक
मीन	15/03/2023	मध्याह्न तक

विविध शुभ योग ई0 सन् 2022-23

सर्वार्थसिद्ध योग-2022-23

दिनांक	समय	दिनांक	समय	दिनांक	समय	दिनांक	समय
03-04-2022	12:33 तक	21-06-2022	28:21 तक	12-10-2022	16:59 से	04-01-2023	सम्पूर्ण
05-04-2022	16:39 तक	23-06-2022	सम्पूर्ण	23-10-2022	सम्पूर्ण	06-01-2023	24:10 से
06-04-2022	सम्पूर्ण	24-06-2022	08:05 तक	27-10-2022	12:13 से	08-01-2023	30:01तक
08-04-2022	25:42 से	27-06-2022	सम्पूर्ण	28-10-2022	10:44 तक	10-01-2023	09:00तक
10-04-2022	सम्पूर्ण	30-06-2022	सम्पूर्ण	30-10-2022	07:27 तक	18-01-2023	17:39तक
11-04-2022	06:53तक	06-07-2022	11:51से	31-10-2022	28:09 से	26-01-2023	18:38 से
12-04-2022	08:38 तक	09-07-2022	11:30 तक	06-11-2022	23:50 से	27-01-2023	सम्पूर्ण
18-04-2022	27:49 से	11-07-2022	07:52 तक	08-11-2022	25:23 से	30-01-2023	21:58 से
23-04-2022	18:45 से	15-07-2022	17:26 तक	09-11-2022	सम्पूर्ण	01-02-2023	27:12तक
28-04-2022	17:32 से	19-07-2022	12:04 तक	14-11-2022	13:11 से	03-02-2023	सम्पूर्ण
29-04-2022	सम्पूर्ण	21-07-2022	14:10 तक	15-11-2022	16:13 से	05-02-2023	12:13 तक
02-05-2022	24:18 से	23-07-2022	18:57 तक	20-11-2022	25:04तक	11-02-2023	26:00 से
04-05-2022	सम्पूर्ण	25-07-2022	25:06 तक	23-11-2022	21:55 से	13-02-2023	27:07 से
06-05-2022	09:14 से	28-07-2022	सम्पूर्ण	24-11-2022	19:50तक	18-02-2023	17:50 से
08-05-2022	15:02 तक	03-08-2022	18:36 तक	27-11-2022	12:39 से	23-02-2023	सम्पूर्ण
14-05-2022	17:38 से	14-08-2022	21:34 से	28-11-2022	10:28 से	24-02-2023	26:47तक
16-05-2022	13:20 से	16-08-2022	20:43 से	02-12-2022	29:14 से	27-02-2023	सम्पूर्ण
21-05-2022	23:26तक	20-08-2022	28:20तक	04-12-2022	सम्पूर्ण	01-03-2023	09:49 तक
24-05-2022	22:10 से	22-08-2022	07:42तक	06-12-2022	08:40से	02-03-2023	12:41 से
26-05-2022	सम्पूर्ण	25-08-2022	16:21तक	07-12-2022	सम्पूर्ण	03-03-2023	15:44तक
27-05-2022	26:11 तक	28-08-2022	22:06 से	11-12-2022	20:28 से	08-03-2023	28:32 से
30-05-2022	07:14 से	02-09-2022	24:06 से	12-12-2022	23:32तक	11-03-2023	07:11 से
01-06-2022	12:55 तक	11-09-2022	08:01से	13-12-2022	26:35तक	13-03-2023	08:26 से
02-06-2022	15:58 से	13-09-2022	06:37 से	18-12-2022	10:22तक	17-03-2023	27:09 से
03-06-2022	19:02 तक	17-09-2022	12:14 तक	21-12-2022	08:24 से 30:32तक	18-03-2023	24:43तक
11-06-2022	26:36 तक	25-09-2022	सम्पूर्ण	25-12-2022	19:20तक	21-03-2023	17:21 से
13-06-2022	21:40 तक	30-09-2022	28:35तक	26-12-2022	16:36तक	अमृत योग-2022-23	
17-06-2022	09:55 से	02-10-2022	26:05 तक	30-12-2022	11:19 से	02-04-2022	11:55तक
18-06-2022	07:39 तक	09-10-2022	16:13तक	01-01-2023	12:44तक	06-04-2022	17:48 से
		11-10-2022	16:09तक	03-01-2023	16:22तक	10-04-2022	27:38 से

दिनांक	समय	दिनांक	समय	दिनांक	समय	दिनांक	समय
11-04-2022	29:03तक	17-07-2022	10:45 से	26-10-2022	14:46तक	19-01-2023	13:28 से
14-04-2022	28:31तक	18-07-2022	08:52 तक	27-10-2022	12:48 से	20-01-2023	10:04 से 30:20तक
15-04-2022	26:54तक	19-07-2022	07:48 से	28-10-2022	10:36 से	21-01-2023	26:39 से
16-04-2022	24:44 से	21-07-2022	08:11 तक	07-11-2022	16:10 से	30-01-2023	10:10 से
24-04-2022	26:31 से	22-07-2022	09:31 तक	09-11-2022	17:10तक	01-02-2023	14:00तक
25-04-2022	25:15तक	23-07-2022	11:27 से	10-11-2022	18:22 से	02-02-2023	16:26 से
26-04-2022	24:26 से	03-08-2022	05:44 से	11-11-2022	20:04 से	03-02-2023	18:58 से
28-04-2022	24:10तक	05-08-2022	28:31 से	13-11-2022	24:38तक	05-02-2023	24:02तक
29-04-2022	24:43तक	07-08-2022	24:19तक	15-11-2022	29:57तक	07-02-2023	28:36तक
07-05-2022	14:56 तक	09-08-2022	17:59तक	17-11-2022	08:02तक	10-02-2023	08:00तक
11-05-2022	19:51 से	15-08-2022	20:37 से	18-11-2022	09:40 तक	11-02-2023	09:12 से
15-05-2022	12:48 से	17-08-2022	20:01तक	19-11-2022	10:37 से	21-02-2023	09:04 से 30:01तक
16-05-2022	09:43 तक	18-08-2022	20:57 से	27-11-2022	16:25 से	25-02-2023	23:47तक
17-05-2022	06:29से27:09तक	19-08-2022	22:38 से	28-11-2022	13:32तक	06-03-2023	16:23 से
21-05-2022	14:51तक	21-08-2022	27:26तक	29-11-2022	11:01से	08-03-2023	19:49तक
25-05-2022	10:27 से	23-08-2022	06:10 से	01-12-2022	07:18 तक	09-03-2023	21:02 से
31-05-2022	19:12 से	25-08-2022	10:40 तक	03-12-2022	29:05तक	10-03-2023	21:54 से
02-06-2022	24:10तक	26-08-2022	12:27 तक	12-12-2022	18:46 से	12-03-2023	22:21 तक
03-06-2022	26:41तक	27-08-2022	13:50 से	14-12-2022	23:52तक	14-03-2023	20:44तक
07-06-2022	07:57 तक	05-09-2022	08:32 से	15-12-2022	25:59 से	18-03-2023	11:19तक
11-06-2022	05:42 तक	08-09-2022	21:03तक	16-12-2022	27:31 से	सिद्ध योग-2022-23	
13-06-2022	21:19 से	09-09-2022	18:03तक	18-12-2022	28:12तक	09-04-2022	25:34 से
15-06-2022	13:35तक	10-09-2022	15:22 से	20-12-2022	25:21तक	13-04-2022	29:31 तक
16-06-2022	09:46 से	19-09-2022	19:00 से	24-12-2022	12:11 तक	19-04-2022	16:41 तक
17-06-2022	06:13से26:37तक	21-09-2022	23:47तक	26-12-2022	25:21 से	21-04-2022	11:13तक
18-06-2022	23:53 से	22-09-2022	25:37 से	28-12-2022	20:22तक	22-04-2022	08:43तक
03-07-2022	17:12 से	23-09-2022	26:53 से	29-12-2022	18:57 से	27-04-2022	24:05तक
04-07-2022	18:43तक	27-09-2022	26:43तक	30-12-2022	18:17 से	03-05-2022	सम्पूर्ण
05-07-2022	19:44 से	01-10-2022	20:57तक	01-01-2023	18:59तक	05-05-2022	09:53 से
07-07-2022	19:46तक	05-10-2022	11:59 से	03-01-2023	21:54 तक	06-05-2022	12:26 से
08-07-2022	18:42तक	09-10-2022	26:03तक	07-01-2023	31:00तक	14-05-2022	15:30 से
09-07-2022	16:53 से	11-10-2022	25:04तक	16-01-2023	19:41 से	17-05-2022	27:09 से
13-07-2022	24:17 से	15-10-2022	सम्पूर्ण	18-01-2023	16:19तक	19-05-2022	20:19 से

दिनांक	समय
20-05-2022	17:21 से
28-05-2022	13:09 से
01-06-2022	21:38तक
07-06-2022	07:57 से
09-06-2022	08:24 से
10-06-2022	07:25 से
15-06-2022	13:35 से
21-06-2022	27:07तक
23-06-2022	21:24तक
24-06-2022	22:59तक
02-07-2022	15:57तक
06-07-2022	20:06तक
12-07-2022	07:49 तक
16-07-2022	13:21 से
20-07-2022	07:36 तक
26-07-2022	18:49तक
29-07-2022	25:29तक
06-08-2022	26:43तक
09-08-2022	17:59 से
11-08-2022	10:41 से
12-08-2022	07:07 से 27:49तक
17-08-2022	20:01 से
20-08-2022	24:51तक
24-08-2022	08:33तक
30-08-2022	15:38तक
01-09-2022	14:56तक
02-09-2022	13:59तक
07-09-2022	24:13तक
13-09-2022	10:33 तक
15-09-2022	10:53 तक
16-09-2022	12:10 तक
21-09-2022	23:47 से
24-09-2022	27:35तक

दिनांक	समय
27-09-2022	26:43 से
29-09-2022	24:21 से
30-09-2022	22:46 से
08-10-2022	27:23तक
11-10-2022	25:04 से
13-10-2022	26:38 से
14-10-2022	28:20 से
18-10-2022	09:26तक
20-10-2022	16:17 तक
21-10-2022	17:38तक
26-10-2022	14:46 से
29-10-2022	8:15 तक
01-11-2022	22:56तक
03-11-2022	19:18तक
04-11-2022	17:57तक
09-11-2022	17:10 से
12-11-2022	22:11तक
22-11-2022	08:51 तक
26-11-2022	19:32 से
30-11-2022	08:55 तक
08-12-2022	09:39 तक
09-12-2022	11:33 तक
14-12-2022	23:52 से
17-12-2022	28:19तक
20-12-2022	25:21 से
28-12-2022	20:22 से
31-12-2022	18:17तक
03-01-2023	21:54 से
05-01-2023	26:08 से
06-01-2023	28:32 से
10-01-2023	12:10 तक
12-01-2023	16:44तक
13-01-2023	18:30तक

दिनांक	समय
18-01-2023	16:19 से
24-01-2023	15:14तक
26-01-2023	10:25 तक
27-01-2023	09:08 तक
01-02-2023	14:00 से
04-02-2023	21:32तक
07-02-2023	28:36 से
14-02-2023	09:10 तक
18-02-2023	20:15 से
23-02-2023	25:00 से
24-02-2023	23:58 से
03-03-2023	09:13तक
08-03-2023	19:49 से
11-03-2023	22:21तक
14-03-2023	20:44 से
16-03-2023	16:55 से
17-03-2023	14:17 से

सिद्धियोग-2022-23

दिनांक	समय
14-05-2022	17:38 से
02-06-2022	15:58 से
11-06-2022	26:36तक
21-06-2022	28:21तक
30-06-2022	25:07तक
09-07-2022	11:30तक
19-07-2022	12:04तक
28-07-2022	07:04तक
04-09-2022	22:00 से
02-10-2022	26:05तक
12-10-2022	16:59 से
21-10-2022	12:37 से
30-10-2022	7:27 तक
31-10-2022	28:09 से
09-11-2022	26:51तक

दिनांक	समय
18-11-2022	23:31तक
28-11-2022	10:28 से
07-12-2022	10:26 तक
16-12-2022	07:37तक
26-12-2022	16:36तक
11-02-2023	26:00 से
02-03-2023	12:41 से
11-03-2023	07:11 से
21-03-2023	17:21 से

गुरु-पुष्य योग-2022-23

दिनांक	समय
30-06-2022	25:07 से
28-07-2022	07:04 से
25-08-2022	16:21तक

रवि-पुष्य योग-2022-23

दिनांक	समय
10-04-2022	सम्पूर्ण
08-05-2022	15:02तक
11-12-2022	20:28 तक
08-01-2023	30:01तक
05-02-2023	12:13तक

वेदा हि यज्ञार्थमभिप्रवृत्ता:
कालानुपूर्वा विहिताश्च यज्ञा:।
तस्मादिदं कालविधानशास्त्रं यो
ज्योतिषं वेद स वेद यज्ञान्।।
यात्राविवाहोत्सवजातकादौ खेटै:
स्फुटैरेव फलं स्फुटत्वम्।
स्यात् प्रोच्यते तेन नभश्चराणां
स्फुटक्रिया दृग्गणितैक्यकृद्या।।

ग्रहण विवरण संवत् 2079 (2022-23 ई.)

उपमर्दे लक्षगुणं ग्रहणे चन्द्रसूर्ययोः।
पुण्यकोटिगुणं मध्ये मुक्तिकाले त्वनन्तकम्॥
स्कन्दपुराण

बहुफलं जपदानहुतादिके स्मृतिपुराणविदः प्रवदन्ति हि।
सदुपयोगि जने सचमत्कृतिः ग्रहणमिन्द्विनयोः कथयाम्यतः॥
सि.शि.च.ग्र.श्लो. 01

विक्रमसंवत् 2079 (2022-23 ई.) में समस्त विश्व में 2 सूर्यग्रहण व 2 ही चन्द्रग्रहण दिखाई देंगे। इनमें से 02 ग्रहण ही भारत में दृश्य होंगे- एक खण्डग्रास ग्रस्तास्त सूर्यग्रहण तथा दूसरा ग्रस्तोदित खग्रास चन्द्रग्रहण। इनका विस्तृत विवरण निम्नलिखित प्रकार से है-

1. **भारत में अदृश्य सूर्यग्रहण** (01 मई 2022 ई.)- यह सूर्यग्रहण भारतीय समयानुसार रात्रि 00:15 से 04:08 बजे तक दक्षिणी अमेरिका महाद्वीप के दक्षिणी भाग, अंटार्कटिका के कुछ भाग, प्रशान्तमहासागर एवं अटलांटिक महासागर के कुछ क्षेत्रों में ही दृश्य होगा। भारत में यह ग्रहण दिखाई नहीं देगा। अतः सूतकादिकृत्य में यह विचारणीय नहीं है।

2. **भारत में अदृश्य चन्द्रग्रहण** (16 मई 2022 ई.)- यह चन्द्रग्रहण भारतीय समयानुसार प्रातः 07:58 से 11:25 बजे तक दक्षिणी पश्चिमी यूरोप, दक्षिणी पश्चिमी एशिया, अफ्रीका महाद्वीप, उत्तरी अमेरिका महाद्वीप के अधिकांश भाग, दक्षिणी अमेरिका महाद्वीप, प्रशान्त महासागर, अटलांटिक महासागर, हिन्द महासागर एवं अंटार्कटिका के भागों में ही दृश्य होगा। भारत में यह ग्रहण दृश्य नहीं है। अतः सूतकादिकृत्य में यह विचारणीय नहीं है।

3. **भारत में दृश्य खण्डग्रास सूर्यग्रहण** (25 अक्टूबर 2022 ई.) - यह ग्रहण यूरोप महाद्वीप के अधिकांश भागों, उत्तरी अफ्रीका, एशिया के मध्य-पूर्ववर्ती क्षेत्रों तथा पश्चिमी भागों में भारतीय समयानुसार समस्त विश्व में यह ग्रहण 14:28 से 18:32 बजे तक दृश्य है। यह सूर्यग्रहण भारत में भी दृश्य होगा। दिल्ली में ग्रहण का स्पर्शकाल - 16:29 बजे, मध्यकाल - 17:30 तथा सूर्य ग्रस्तास्त 17:38 बजे हैं। इस प्रकार कुल 01 घण्टा 09 मिनट ग्रहण का स्थितिकाल रहेगा। इस ग्रहण का सूतक दिनांक 25 अक्टूबर को प्रातः काल 4 बजकर 29 मिनट से प्रारम्भ हो जायेगा। सूतककाल में शिशुओं, गर्भवती महिलाओं, वृद्धों एवं निःशक्त व्यक्तियों को छोड़कर अन्य को भोजनादि नहीं करना चाहिए। ग्रहण समय में स्नान, दान, जप इत्यादि का अत्यधिक महत्व धर्मशास्त्र में कहा गया है।

यह सूर्यग्रहण ग्रस्तास्त है जो कि राजा के लिए अशुभ कहा गया है। यथा-

ग्रस्तावुदितास्तमितौ शारदधान्यावनीश्वरक्षयदौ। - बृ. सं. राहुचार. 27

ग्रहण का स्पर्शादि तुला राशि तथा स्वातीनक्षत्र में है अतः इन राशि व नक्षत्र वाले जातकों के लिए विशेष कष्टकारी रहेगा। बृहत्संहिता के अनुसार तुला राशि में ग्रहण होने पर अवन्तिदेश (उज्जैन) के निवासी, पश्चिम समुद्र (महाराष्ट्र, गुजरात आदि) के निकटवर्ती लोग, सज्जन तथा व्यापारी, दशार्ण (बुन्देलखण्ड), मरु (राजस्थान) और कच्छ में रहने वालों को कष्टदायी रहता है। यथा -

तुलाधरेऽवन्त्यपरान्त्यसाधून्वणिग्दशार्णान्मरुकच्छपांश्च॥ - बृ.सं.राहुचार. 49

यह सूर्यग्रहण कार्तिक की अमावस्या को है जिसके कारण अग्नि से आजीविका चलाने वाले (लोहार, सोनार, रसोईया इत्यादि), मगध (बिहार) देश के निवासी, पूर्व दिशा के राजा, कौशल, कल्माष,शूरसेन और काशी के निवासी पीड़ित होते हैं। मन्त्री एवं भृत्यों सहित कलिंग के राजा को भी कष्ट होता है। क्षत्रिय जन संतापित होते हैं परन्तु प्रायः क्षेम व सुभिक्ष रहता है। (द्रष्टव्यं बृ. सं. राहुचार. 69)

यह ग्रहण स्वाती नक्षत्र में होने के कारण वायव्य मण्डल में है। वसिष्ठ के मतानुसार यह विभिन्न प्रकार की व्याधियों, अन्नभय, रोग तथा अग्निभय को देने वाला है। पांचाल, सुषेण, बर्बर, पुलिन्द एवं दक्षिण देश के निवासी कष्ट प्राप्त करते हैं। साथ ही साथ देश में अनेक प्रकार के झगडे तथा रोग उत्पन्न होते हैं। (पंचांगघटितकालोक्त प्रक्रिया पृ. 181)

तुला राशि में ग्रहण होने के कारण सभी राशियों के जातकों हेतु इस ग्रहण का शुभाशुभ फल निम्न प्रकार से है -

मेष	-	स्त्री/पति कष्ट व अपमान
वृष	-	कार्यसिद्धि व सुख
मिथुन	-	सन्ततिकष्ट, चिन्ता, अपव्यय एवं भय
कर्क	-	कष्ट व अपमान
सिंह	-	कार्यसिद्धि व धनप्राप्ति
कन्या	-	धनहानि एवं पारिवारिक कलह
तुला	-	चोटभय एवं कष्ट

वृश्चिक	-	धन का अपव्यय एवं वाणिज्य हानि
धनु	-	धनलाभ एवं कार्यसिद्धि
मकर	-	धनहानि, शारीरिक एवं पारिवारिक सुख
कुम्भ	-	रोग, अपमान व व्याधिक्य
मीन	-	चिन्ता एवं कष्ट

4. **भारत में दृश्य खग्रास चन्द्रग्रहण** (08 नवम्बर 2022 ई.) - यह चन्द्रग्रहण एशिया, आस्ट्रेलिया, उत्तरी अमेरिका, उत्तरी व पश्चिमी यूरोप के कुछ भागों तथा दक्षिणी अमेरिका के अधिकांश भागों में भारतीय समयानुसार 14:39 से 18:19 बजे तक दृश्य होगा। भारत में यह चन्द्रग्रहण ग्रस्तोदित दिखाई देगा। दिल्ली में यह चन्द्रग्रहण ग्रस्तोदित 17:27 बजे से दृश्य होगा तथा इसका मोक्षकाल 18:19 बजे होगा। इस ग्रहण का सूतक दिनांक 08 नवम्बर को प्रात: काल 8 बजकर 27 मिनट से प्रारम्भ हो जायेगा। सूतककाल में शिशुओं, गर्भवती महिलाओं, वृद्धों एवं नि:शक्त व्यक्तियों को छोड़कर अन्य को भोजनादि नहीं करना चाहिए। ग्रहण समय में स्नान, दान, जप इत्यादि का अत्यधिक महत्व धर्मशास्त्र में कहा गया है।

ग्रहण का स्पर्शादि मेष राशि तथा भरणी नक्षत्र में है अत: इन राशि व नक्षत्र वाले जातकों के लिए विशेष कष्टकारी रहेगा। बृहत्संहिता के अनुसार मेष राशि में चन्द्रग्रहण का फल इस प्रकार से है-

पांचालकलिंगशूरशेनाः काम्बोजोड्रकिरातशस्त्रवार्ताः।

जीवन्ति च ये हुताशवृत्त्या ते पीडामुपयान्ति मेषसंस्थे॥

- बृ. सं. राहुचार. 35

मेष राशि में ग्रहण होने से पांचाल (पंजाब व उससे लगे क्षेत्र), कलिंग (उडीसा व विहार का क्षेत्रविशेष), शूरशेन (मथुरा, भरतपुर, धौलपुर, करौली आदि क्षेत्र), काम्बोज (कश्मीर एवं उससे पश्चिमवर्ती क्षेत्र), उड्र (उडीसा), किरात जाति, शस्त्रजीवी एवं अग्नि से आजीविका चलाने वाले (लोहार, सोनार, रसोईया इत्यादि) लोग पीडित रहते हैं।

यह चन्द्रग्रहण ग्रस्तोदित है जो कि शारदीय धान्य को नष्ट करने वाला कहा गया है। यथा -

ग्रस्तावुदितास्तमितौ शारदधान्यावनीश्वरक्षयदौ। - बृ. सं. राहुचार. 27

यह चन्द्रग्रहण कार्तिक की पूर्णिमा को है जिसके कारण अग्निसे आजीविका चलाने वाले (लोहार, सोनार, रसोईया इत्यादि), मगध (विहार)देश के निवासी, पूर्व दिशा के राजा, कौशल, कल्माष, शूरसेन और काशी के निवासी पीड़ित होते हैं। मन्त्री एवं भृत्यों सहित कलिंग के राजा को भी कष्ट होता है। क्षत्रिय जन संतापित होते हैं परन्तु प्राय: क्षेम व सुभिक्ष रहता है।(द्रष्टव्यं बृ.सं.राहुचार. 69)

यह ग्रहण भरणी नक्षत्र में होने के कारण अग्नि मण्डल में है। वसिष्ठ के मतानुसार यह प्रजा को ज्वरपीडा, हानि व मरण देने वाला है। साथ ही दुर्भिक्ष, राजपीडा, अग्निभय भी बना रहता है। रोहिण, बाह्लिक, सिन्ध, अम्बर आदि देश तस्करादि के कारण नष्ट होते हैं। (पंचांगपीठिकालेखन प्रक्रिया पृ.181)

मेष राशि में ग्रहण होने के कारण सभी राशियों के जातकों हेतु इस ग्रहण का शुभाशुभ फल निम्न प्रकार से है -

मेष	-	चोटभय एवं कष्ट
वृष	-	धन का अपव्यय एवं वाणिज्य हानि
मिथुन	-	धनलाभ एवं कार्यसिद्धि
कर्क	-	धनहानि, शारीरिक एवं पारिवारिक सुख
सिंह	-	रोग, अपमान व व्याधिक्य
कन्या	-	चिन्ता एवं कष्ट
तुला	-	स्त्री/पति कष्ट व अपमान
वृश्चिक	-	कार्यसिद्धि व सुख
धनु	-	सन्ततिकष्ट, चिन्ता, अपव्यय एवं भय
मकर	-	कष्ट व अपमान
कुम्भ	-	कार्यसिद्धि व धनप्राप्ति
मीन	-	धनहानि एवं पारिवारिक कलह

विशेष - भारत में उपर्युक्त दोनों ग्रहण एक ही मास कार्तिक में दृश्य होंगे अत: सेनाओं में क्षोभ होने से या शस्त्रप्रहार से राजा या उसके समान व्यक्ति को हानि पहुँचने की सम्भावना रहती है। यथा -

यद्येकस्मिन् मासे ग्रहणं रविसोमयोस्तदा क्षितिपाः।

स्वबलक्षोभैः संक्षयमायान्त्यतिशस्त्रकोपश्च॥ - बृ. सं.राहुचार. 26

सूर्यग्रहण के पश्चात् चन्द्रग्रहण दृश्य होने से ब्राह्मण अनेक यज्ञों के फल को भोगने वाले तथा प्रजागण हर्षित रहती है। (बृ. सं. राहुचार. 98)

–श्रीनवग्रहस्तोत्रम्–

जपाकुसुमसंकाशं काश्यपेयं महाद्युतिम्।
तमोऽसर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम्।।
दधिशंखतुषाराभं क्षीरोदार्णवसम्भवम्।
नमामि शशिनं सोमं शम्भोर्मुकुटभूषणम्।।
धरणीगर्भसम्भूतं विद्युत्कान्तिसमप्रभम्।
कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगल प्रणमाम्यहम्।।
प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम्।
सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम्।।
देवानां च मुनीनां च गुरुं कांचनसन्निभम्।
बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम्।।
हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम्।
सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम्।।
नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्।
छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम्।।
अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्यविमर्दनम्।
सिंहिकागर्भसम्भूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम्।।
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम्।
रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम्।।

–प्रातः स्मरणीय श्लोक–

प्रातः स्मरामि गणनाथमनाथबन्धुं सिन्दूरपूरपरिशोभितगण्डयुग्मम्।
उद्दण्डविघ्नपरिखण्डनचण्डदण्डमाखण्डलादिसुरनायकवृन्दवन्द्यम्।।
प्रातः स्मरामि भवभीतिमहार्तिनाशं नारायणं गरुडवाहनमब्जनाभम्।
ग्राहाभिभूतवरवारणमुक्तिहेतुं चक्रायुधं तरुणवारिजपत्रनेत्रम्।।
प्रातः स्मरामि भवभीतिहरं सुरेशं गङ्गाधरं वृषभवाहनमम्बिकेशम्।
खट्वाङ्गशूलवरदाभयहस्तमीशं संसाररोगहरमौषधमद्वितीयम्।।
प्रातः स्मरामि शरदिन्दुकरोज्ज्वलाभां सद्रत्नवन्मकरकुण्डलहारभूषाम्।
दिव्यायुधोर्जितसुनीलसहस्रहस्तां रक्तोत्पलाभचरणां भवतीं परेशाम्।।
प्रातः स्मरामि खलु तत्सवितुर्वरेण्यं रूपं हि मण्डलमृचोऽथ तनुर्यजूंषि।
सामानि यस्य किरणाः प्रभवादिहेतुं ब्रह्माहरात्मकमलक्ष्यमचिन्त्यरूपम्।।
ब्रह्मा मुरारिस्त्रिपुरान्तकारी भानुः शशी भूमिसुतो बुधश्च।
गुरुश्च शुक्रः शनिराहुकेतवः कुर्वन्तु सर्वे मम सुप्रभातम्।।
भृगुर्वसिष्ठः क्रतुरङ्गिराश्च मनुः पुलस्त्यः पुलहश्च गौतमः।
रैभ्यो मरीचिश्च्यवनश्च दक्षः कुर्वन्तु सर्वे मम सुप्रभातम्।।
सनत्कुमारः सनकः सनन्दनः सनातनोऽप्यासुरिपिङ्गलौ च।
सप्त स्वराः सप्त रसातलानि कुर्वन्तु सर्वे मम सुप्रभातम्।।
सप्तार्णवाः सप्त कुलाचलाश्च सप्तर्षयो द्वीपवनानि सप्त।
भूरादिकृत्वा भुवनानि सप्त कुर्वन्तु सर्वे मम सुप्रभातम्।।
पृथ्वी सगन्धा सरसास्तथापः स्पर्शी च वायुर्ज्वलितं च तेजः।
नभः सशब्दं महता सहैव कुर्वन्तु सर्वे मम सुप्रभातम्।।
इत्थं प्रभाते परमं पवित्रं पठेत् स्मरेद्वा शृणुयाच्च भक्त्या।
दुःस्वप्ननाशस्त्विह सुप्रभातं भवेच्च नित्यं भगवत्प्रसादात्।।

विक्रमसंवत् 2079, शाके 1944, चैत्र शुक्ल पक्ष (दिनांक 2 अप्रैल से 16 अप्रैल 2022 ई. तक)

M.Katyayana

'राक्षस' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, वसन्त ऋतु, केतकी अहर्गण - 4014 अयनांश 24/09/03

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घ	मि	योग	घ.	प.	करण	घ.	प	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अ	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शनि	14	14	11	55	रेवती	12	42	11	19	ऐन्द्र	05	40	बव	14	14	06	14	18	35	30	53	24	47	मेष11:19	चै.20	अप्रै.2	भारतीय नववर्षारम्भ, विक्रम संवत् 2079 A
2	रवि	15	53	12	34	अश्विनी	15	49	12	33	वैधृति	04	07	कौलव	15	53	06	13	18	36	30	57	24	28	मेष	21	3	सिंधारा, झूलेलाल जयन्ती, मत्स्य जयन्ती B
3	सोम	18	57	13	46	भरणी	20	19	14	19	विष्कु.	03	40	गर	18	57	06	12	18	36	31	01	24	10	वृष20:55	22	4	भद्रा 26:39से, गणगौरीतृतीया, सौभाग्य C
4	मंगल	23	25	15	32	कृत्तिका	26	10	16	39	प्रीती	04	18	विष्टि	23	25	06	11	18	37	31	05	23	52	वृष	23	5	भद्रा 15:32तक, विनायकचतुर्थी,दमनकचतुर्थी
5	बुध	29	07	17	48	रोहिणी	33	11	19	26	आयु.	05	54	बालव	29	07	06	10	18	38	31	09	23	35	वृष	24	6	श्रीपंचमी,श्वेतवाराहकल्पादि,रामराज्यमहोत्सव
6	गुरु	35	35	20	22	मृगसिरा	40	57	22	31	सौभा.	08	11	कौलव	02	21	06	08	18	38	31	14	23	17	मिथु08:58	25	7	स्कन्दषष्ठी,सूर्यषष्ठीव्रत(विहार),यमुना छठD
7	शुक्र	42	21	23	03	आर्द्रा	48	58	25	42	शोभन	10	48	गर	08	58	06	07	18	39	31	18	23	00	मिथुन	26	8	भद्रा 23:03से,महासप्तमी,वासन्ती त्रिदिवसीयE
8	शनि	48	39	25	34	पुनर्वसु	56	31	28	42	अतिगंड	13	14	विष्टि	15	30	06	06	18	39	31	22	22	43	कर्क21:57	27	9	भद्रा 12:18तक, भवानीयात्रा, दुर्गाष्टमी F
9	रवि	53	54	27	38	पुष्य	60	00	--	--	सुकर्मा	15	04	बालव	21	17	06	05	18	40	31	26	22	27	कर्क	28	10	श्रीरामनवमी, नवरात्रसमाप्त, होमादि नवमीG
10	सोम	57	28	29	03	पुष्य	02	02	06	53	धृति	15	50	तैतिल	25	41	06	04	18	40	31	30	22	10	कर्क	29	11	नवरात्र पारणा,धर्मराजदशमी,देवीविसर्जन
11	मंगल	59	09	29	42	आश्लेषा	06	30	08	38	शूल	15	18	वणिज	28	19	06	03	18	41	31	34	21	54	सिंह08:38	30	12	भद्रा17:22से29:42तक, कामदा एकादशी H
12	बुध	58	43	29	31	मघा	09	08	09	41	गण्ड	13	15	बव	28	56	06	02	18	41	31	38	21	39	सिंह	31	13	वामनद्वादशी, कामदा एकादशी वैष्णव I
13	गुरु	56	17	28	31	पू.फा.	09	55	09	58	वृद्धि	09	42	कौलव	27	30	06	01	18	42	31	43	21	24	क.15:53	वै01	14	मेषसंक्रान्ति, सूर्य अश्विनी व मेष में08:45, J
14	शुक्र	52	16	26	54	उ.फा.	09	01	09	36	ध्रुव व्याघात	04 58	49 49	गर	24	16	06	00	18	43	31	47	21	09	कन्या	02	15	भद्रा26:54 से, शैवचतुर्दशी,नृसिंहदोलोत्सव,K
15	शनि	46	54	24	44	हस्त	06	41	08	39	हर्षण	52	46	विष्टि	19	35	05	59	18	43	31	51	20	54	तुला19:58	03	16	भद्रा 12:49तक,सत्यनारायणव्रत,पूर्णिमाव्रत, L

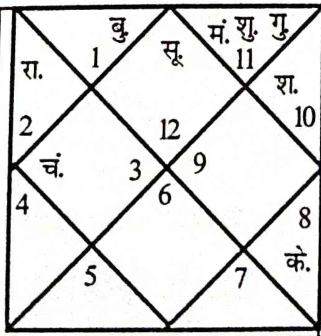
A प्रारम्भ, कल्पादि,वसन्त नवरात्रारम्भ,घटस्थापन, गुडी परवा, चन्द्रदर्शन, रामायण नवाह्न पारायण प्रारम्भ। **B** (अपराह्न)। **C**गौरीव्रत, स्वायम्भुवमन्वादि, शिवदोलोत्सव, सौभाग्य शयनी तृतीया। **D** सप्तमी कालरात्रि। **E** दुर्गा पूजारम्भ। **F**अशोकाष्टमी, भवानी उत्पत्ति,अन्नपूर्णा परिक्रमा प्रारम्भ, महानिशा पूजा, अन्नपूर्णा पूजा, औली जैन प्रारम्भ,मेलाबाहुफोर्ट(जम्मू),मेला मनसा देवी प्रारम्भ। **G** राजेश्वरी मेला, सिद्धिदात्री नवमी, रामायण नवाह्नपारायण समाप्त,तारा जयन्ती।**H** व्रत (स्मार्त), विष्णुदोलोत्सव। **I** मदन द्वादशी, जलिया वाला वाग शहीदी दिवस, अनन्तपूजा, दमनोत्सव। **J** संक्रान्ति पुण्यकाल सूर्योदय से 08:45 तक, सौर वैशाख प्रारम्भ, वैशाखी, विखोती मेला उत्तराखण्ड, प्रदोषव्रत, अशोकत्रयोदशी,अनंगत्रयोदशी] श्रीमहावीरजयन्ती(जैन),आर्यभट जयन्ती, अम्बेडकर जयन्ती। **K** गुडफ्राईडे(ईसाई)। **L** तुलसी पत्र से विष्णु पूजा, हनुमानजयन्ती(दक्षिणभारत), वैशाखस्नान प्रारम्भ, औलीजैन समाप्त, मन्वादि पूर्णिमा, सिद्धाचलयात्रा,

वर्षाविकृत्य-परिभद्रस्य पत्राणि कोमलानि विशेषतः।सुपुष्पाणि समानीय चूर्णं कृत्वा विधानतः।। मरीचिर्लवणं हिंगुजीरकेण च संयुतम्। अजमोदयुतं कृत्वा भक्षयेद् रोगशान्तये।।

रामनवमी -अशोककुसुमैर्युक्तमर्घ्यं दद्याद्विचक्षणः।। दशाननवधार्थाय धर्मसंस्थापनाय च।।परित्राणाय साधूनां जातो रामः स्वयं हरिः।। रामरामेति रामेति रमे रामे मनोरमे। सहस्रनाम तत्तुल्यं रामनाम वरानने।।

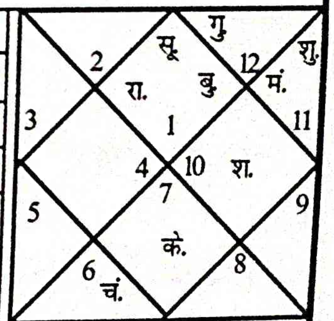
चैत्र शुक्ल 08, शनिवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 09.04.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	11	02	10	00	10	10	09	01	07
अं.	24	22	01	01	27	09	28	00	00
क.	59	11	13	34	58	29	29	09	09
वि.	07	03	26	53	59	15	27	33	33
गति	58	710	45	124	13	64	05	व03	व03
	58	05	21	45	47	54	01	11	11



चैत्र शुक्ल 15, शनिवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 16.04.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	05	10	00	11	10	09	00	06
अं.	01	21	06	15	00	17	29	29	29
क.	50	47	30	41	33	08	02	47	47
वि.	42	26	40	02	03	12	32	19	19
गति	58	830	45	115	13	66	04	व03	व03
	43	17	21	41	26	04	30	11	11



विक्रमसंवत् 2079, शाके 1944, वैशाख कृष्ण पक्ष (दिनांक 17 अप्रैल से 30अप्रैल 2022 ई. तक)

'राक्षस' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, वसन्त/ग्रीष्म-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4029 अयनांश 24/09/05

तिथि	वार	घ.	प	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प	घं.	मि.	योग	घ.	प	करण	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	दिनमान	स्टै	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
01	रवि	40	39	22	13	चित्रा स्वाती	03 58	13 57	07 29	14 33	वज्र	44	44	बालव	13	47	05 58	18 44	31 55	20	41	तुला	04	अप्रै.17	प्रपा कार्य, घटदान, तुलसीपत्र से विष्णुपूजाA
02	सोम	33	52	19	29	विशा.	54	41	27	49	सिद्धि	36	20	तैतिल	07	16	05 57	18 44	31 59	20	27	वृश्चि22:15	05	18	विश्वविरासत दिवस।
03	मंगल	26	54	16	41	अनुरा.	49	29	25	43	व्यतीपात	27	49	वणिज	00	23	05 56	18 45	32 03	20	14	वृश्चिक	06	19	भद्रा06:05से16:41तक,श्रीगणेशसंकटचतुर्थीव्रतB
04	बुध	19	58	13	53	ज्येष्ठा	44	25	23	40	वरीयान	19	22	बालव	19	58	05 55	18 45	32 07	20	01	धनु23:40	07	20	सतीअनुसूया जयन्ती,सायनसूर्य वृषमें08:16C
05	गुरु	13	19	11	13	मूल	39	45	21	47	परिघ	11	09	तैतिल	13	19	05 54	18 46	32 10	19	49	धनु	08	21	
06	शुक्र	07	06	08	43	पू.षा.	35	38	20	08	शिव सिद्ध	03 55	18 57	वणिज	07	06	05 53	18 47	32 14	19	38	मकर25:48	09	22	भद्रा07:33से16:45तक,कोकिलाषष्ठीव्रत, D
07 08	शनि	01 56	29 37	06 28	27 31	उ.षा.	32	14	18	45	साध्य	48	31	बव	01	29	05 52	18 47	32 18	19	26	मकर	10	23	शर्करा सप्तमी, कालाष्टमी, शीतलाष्टमी व्रत
09	रवि	51	40	26	31	श्रवण	29	38	17	42	शुभ	42	25	तैतिल	24	08	05 51	18 48	32 22	19	16	कुम्भ29:22	11	24	पंचक प्रारम्भ 29:22 से
10	सोम	48	34	25	15	धनिष्ठा	27	58	17	01	शुक्ल	37	06	वणिज	20	07	05 50	18 48	32 26	19	06	कुम्भ	12	25	भद्रा 13:53 से 25:15 तक
11	मंगल	46	34	24	26	शतभि.	27	20	16	45	ब्रह्म	32	39	बव	17	34	05 49	18 49	32 30	18	56	कुम्भ	13	26	वरुथिनी एकादशी व्रत(स्मार्त एवं वैष्णव), E
12	बुध	45	42	24	05	पू.भा.	27	48	16	55	ऐन्द्र	29	06	कौलव	16	08	05 48	18 50	32 33	18	47	मीन10:53	14	27	वरुथिनी एकादशी व्रत(निम्बार्क)।
13	गुरु	45	58	24	10	उ.भा.	29	23	17	32	वैधृति	26	27	गर	15	50	05 47	18 50	32 37	18	38	मीन	15	28	भद्रा 24:10 से, प्रदोषव्रत।
14	शुक्र	47	22	24	43	रेवती	32	04	18	35	विष्कु	24	41	विष्टि	16	40	05 46	18 51	32 41	18	30	मेष 18:35	16	29	भद्रा 12:26 तक, पंचकसमाप्ति 18:35, F
30	शनि	49	51	25	42	अश्विनी	35	49	20	05	प्रीति	23	47	चतुष्पद	18	36	05 45	18 51	32 44	18	23	मेष	17	30	वैशाख अमावस्या,शनैश्चरीअमावस्या, G

A ईस्टर सन्डे (ईसाई)। B चन्द्रोदय21:52बजे। C ग्रीष्मऋतु प्रारम्भ। D शर्कराषष्ठी, विश्व पृथिवी दिवस। E वल्लभाचार्य जयन्ती। F मासशिवरात्रि, शिव सान्निध्य में स्नान। G मेलापिंजोर (हरियाणा)।

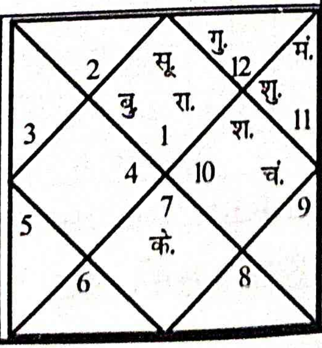
वैशाखे कर्तव्यविचारः - तीर्थे चानुदिनं स्नानं तिलैश्च पितृतर्पणम्। दानं धर्मघटादीनां मधुसूदनपूजनम्।। माधवे मासि कुर्वीत मधुसूदनतुष्टिदम्।।

वैशाखे त्याजयवस्तूनि - कांस्यं मांसं मसूरान्नं चणकं कोद्रवन्तथा। शाकं मधु परान्नं च पुनर्भोजनमैथुने।।

वैशाखे दानमाहात्म्यम्- ददाति यो हि मेषादौ सक्तूनम्बुघटान्वितान्। पितृनुद्दिश्य विप्रेभ्यः सर्वपापैः प्रमुच्यते।।

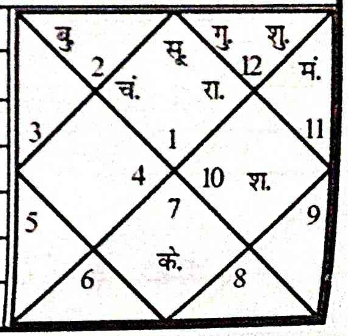
वैशाख कृष्ण 07, शनिवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 23.04.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	09	10	00	11	10	09	00	06
अं.	08	02	11	27	02	24	29	29	29
क.	40	20	47	38	05	54	32	25	25
वि.	43	56	58	42	31	47	00	04	04
गति	58	854	45	90	13	67	03	व03	व03
	32	24	21	45	02	06	58	11	11



वैशाख कृष्ण 30, शनिवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 30.04.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	00	10	01	11	11	09	00	06
अं.	15	05	17	06	03	02	29	29	29
क.	29	46	05	02	34	47	57	02	02
वि.	13	34	05	23	59	37	33	50	50
गति	58	759	45	56	12	67	03	व03	व03
	20	28	19	58	35	56	24	11	11



विक्रमसंवत् 2079, शाके 1944, वैशाख शुक्ल पक्ष (दिनांक 1मई से 16मई 2022 ई. तक)

'राक्षस' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म-ऋतु, केतकी अहर्गण - 4043, अयनांश 24/09/07

तिथि	वार	घ.	प	घं.	मि	नक्षत्र	घं	प	घं.	मि	योग	घ.	प	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.अं.		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	रवि	53	24	27	06	भरणी	40	37	21	59	आयुष्मान	23	43	किंस्तु.	21	38	05	45	18	52	32	48	18	16	वृष28:34	18	मई01	घटादिदान, श्रमिक दिवस।
2	सोम	58	01	28	56	कृत्तिका	46	27	24	18	सौभाग्य	24	29	बालव	25	42	05	44	18	53	32	52	18	10	वृष	19	02	चन्द्रदर्शन, मातृदिवस।
3	मंगल	60	00	--	--	रोहिणी	53	11	26	59	शोभन	26	00	तैतिल	31	11	05	43	18	53	32	55	18	04	वृष	20	03	परशुरामजयन्ती,अक्षयतृतीया,बद्रीकेदारयात्रा, A
3	बुध	04	21	07	26	मृगशिरा	60	00	--	--	अतिगंड	28	07	गर	04	21	05	42	18	54	32	59	17	59	मिथुन16:34	21	04	भद्रा 20:39से।
4	गुरु	10	30	09	53	मृगशिरा	01	12	06	10	सुकर्मा	30	43	विष्टि	10	30	05	41	18	54	33	02	17	54	मिथुन	22	05	भद्रा09:53तक,नागचतुर्थी,विनायकचतुर्थी B
5	शुक्र	16	55	12	26	आर्द्रा	08	55	09	14	धृति	33	24	बालव	16	55	05	41	18	55	33	06	17	50	कर्क29:31	23	06	आदिगुरुशंकराचार्यजयन्ती, सूरदास जयन्ती।
6	शनि	23	12	14	56	पुनर्वसु	16	32	12	17	शूल	35	53	तैतिल	23	12	05	40	18	56	33	09	17	46	कर्क	24	07	श्रीरामानुजाचार्य जयन्ती, चन्दन षष्ठी।
7	रवि	28	40	17	07	पुष्य	23	28	15	02	गण्ड	37	39	वणिज	28	40	05	39	18	56	33	12	17	43	कर्क	25	08	भद्रा 17:07 से, श्री गंगासप्तमी,गंगोत्पत्ति।
8	सोम	32	51	18	47	आश्ले.	29	13	17	19	वृद्धि	38	20	विष्टि	00	45	05	38	18	57	33	16	17	41	सिंह17:19	26	09	भद्रा05:57तक, दुर्गाष्टमीव्रत,चण्डिकादेवी C
9	मंगल	35	16	19	44	मघा	33	17	18	56	ध्रुव	37	36	बव	04	03	05	38	18	57	33	19	17	39	सिंह	27	10	अपराजितादेवी पूजा,सीतानवमी,जानकीजयन्ती।
10	बुध	35	36	19	51	पू.फा.	35	24	19	46	व्याघात	35	13	तैतिल	05	26	05	37	18	58	33	22	17	38	कन्या25:47	28	11	
11	गुरु	33	54	19	10	उ.फा.	35	31	19	48	हर्षण	31	12	वणिज	04	45	05	36	18	59	33	25	17	37	कन्या	29	12	भद्रा07:30से19:10तक, मोहिनी एकादशीD
12	शुक्र	30	12	17	40	हस्त	33	39	19	03	वज्र	25	36	बव	02	03	05	36	18	59	33	28	17	37	कन्या	30	13	प्रदोषव्रत,वस्त्र-गौ-भू-हिरण्यदान द्वादशी E
13	शनि	24	48	15	30	चित्रा	30	07	17	38	सिद्धि	18	38	तैतिल	24	48	05	35	19	00	33	31	17	37	तुला06:20	31	14	श्रीनृसिंह चतुर्दशी, श्रीनृसिंहजयन्ती।
14	रवि	18	05	12	48	स्वाती	25	15	15	40	व्यती.	10	35	वणिज	18	05	05	35	19	01	33	34	17	38	तुला	ज्ये.01	15	भद्रा12:48से23:15तक, सूर्यवृष में 05:38F
15	सोम	10	24	09	43	विशा.	19	26	13	20	वरीयान परिघ	01 53	43 00	बव	10	24	05	34	19	01	33	37	17	40	वृश्चिक07:55	02	16	महावैशाखी,सत्यनारायणव्रत G

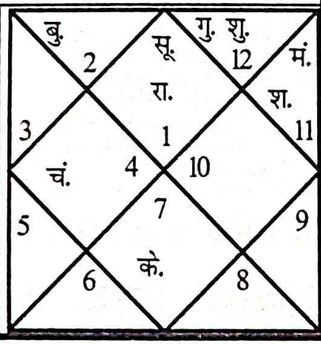
A प्रारम्भ,त्रेतायुगादि मन्वादि, कल्पादि,मातंगी जयन्ती, बगलामुखी जयन्ती, लक्ष्मीनारायणपूजा, गौरी पूजा, समुद्र स्नान, सत्तू भोजन, काशी में त्रिलोचन यात्रा, ईदउलफितर **B** व्रत, गणेश चतुर्थी व्रत। **C** पूजन, गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर जयन्ती। **D** व्रत (समस्त) **E** मिथुन में 25:31। **E**, परशुरामद्वादशी, रुक्मिणीद्वादशी(बंगाल), मधुसूदन द्वादशी **F** वृष संक्रान्ति, संक्रान्ति पुण्यकाल सूर्योदय से 11:58 तक, सौर ज्येष्ठ प्रारम्भ, छिन्नमस्ता जयन्ती, पूर्णिमाव्रत,कूर्मजयन्ती,अन्तार्राष्ट्रिय परिवार दिवस। **G** नारद जयन्ती, वैशाख पूर्णिमा, बुद्धजयन्ती, बुद्धपूर्णिमा, सम्पद्गौरीव्रत, वैशाख स्नान समाप्त।

गंगोत्पत्तिः-वैशाखे शुक्लसप्तम्यां जह्नुना जाह्नवी पुरा। क्रोधात्पीता पुनस्त्यक्त्वा कर्णरन्ध्रात्तु दक्षिणात्। तां तत्र पूजयेद्देवीं गंगां गगनमेखलाम्।।

नृसिंह जयन्ती - वैशाखस्य चतुर्दश्यां सोमवारेऽनिलर्क्षके, अवतारो नृसिंहस्य प्रदोषस्य समये द्विजाः। स्वातीनक्षत्रयोगे च शनिवारे तु महद्व्रतम्। सिद्धियोगस्य संयोगे वणिजे करणे तथा।।

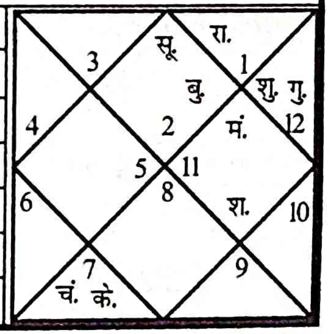
वैशाख शुक्ल 08, सोमवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 09.05.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	03	10	01	11	11	10	00	06
अं.	24	24	23	10	05	13	00	28	28
क.	12	06	52	37	24	03	24	34	34
वि.	19	01	00	14	47	04	15	14	14
गति	58	726	45	09	11	68	02	व03	व03
	02	57	10	47	53	46	36	11	11



वैशाख शुक्ल 15, सोमवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 16.05.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	06	10	01	11	11	10	00	06
अं.	00	28	29	09	06	21	00	28	28
क.	57	35	07	29	45	06	39	11	11
वि.	42	26	30	45	32	42	59	59	59
गति	57	878	45	व.22	11	69	01	व.03	व.03
	52	11	02	20	16	22	59	11	11



विक्रमसंवत् 2079, शाके 1944 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (दिनांक 17 मई से 30 मई 2022 ई. तक)

'राक्षस' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4059, अयनांश 24/09/09

तिथि	वार	घ. प	घं मि	नक्षत्र	घ. प.	घं. मि	योग	घ. प.	करण	घ. प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	दिनमान	स्टैं.अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1 2	मंगल	02 17 53 59	06 29 27 09	अनुराधा	13 04	10 47	शिव	42 55	कौलव	02 17	05 34	19 02	33 40	17 42	वृश्चिक	03	मई17	
3	बुध	45 09	23 36	ज्येष्ठा	06 33	08 10	सिद्ध	32 59	वणिज	19 34	05 33	19 02	33 43	17 44	धनु08:10	04	18	भद्रा 13:22 से 23:36 तक
4	गुरु	36 57	20 19	मूल पू.षा.	00 15 53 56	05 39 27 07	साध्य	23 30	बव	11 03	05 33	19 03	33 46	17 47	धनु	05	19	संकष्टहरचतुर्थीव्रत,चन्द्रोदय 22:59 A
5	शुक्र	29 33	17 21	उ.षा.	48 43	25 01	शुभ	14 38	कौलव	03 15	05 32	19 04	33 48	17 51	मकर08:35	06	20	श्रीक्षेत्र पुरी में भाँरी
6	शनि	23 19	14 51	श्रवण	44 46	23 26	शुक्ल ब्रह्म	06 37 59 35	वणिज	23 19	05 32	19 04	33 51	17 55	मकर	07	21	भद्रा 14:51 से25:50तक, सायनसूर्य B
7	रवि	18 19	12 50	धनिष्ठा	42 10	22 23	ऐन्द्र	52 25	बव	18 19	05 31	19 05	33 53	18 00	कुम्भ10:55	08	22	पंचक प्रांरम्भ 10:55, कालाष्टमी, C
8	सोम	14 48	11 26	शतभि.	41 09	21 58	वैधृति	47 49	कौलव	14 48	05 31	19 05	33 56	18 05	कुम्भ	09	23	चण्डिकादेवीपूजा,शीतलाष्टमी D
9	मंगल	12 49	10 38	पू.भा.	41 40	22 10	विष्कुम्भ	44 28	गर	12 49	05 30	19 06	33 58	18 10	मीन16:07	10	24	भद्रा 22:32 से।
10	बुध	12 22	10 27	उ.भा.	43 42	22 58	प्रीति	42 20	विष्टि	12 22	05 30	19 06	34 01	18 16	मीन	11	25	भद्रा 10:27 तक।
11	गुरु	13 23	10 51	रेवती	47 08	24 21	आयुष्मान	41 19	बालव	13 23	05 30	19 07	34 03	18 22	मेष24:21	12	26	पंचक समाप्त24:21,अपरा एकादशीव्रत E
12	शुक्र	15 44	11 47	अश्विनी	51 45	26 11	सौभाग्य	41 14	तैतिल	15 44	05 29	19 08	34 05	18 29	मेष	13	27	प्रदोषव्रत, त्रिदिवसीयवटसावित्री व्रतारम्भ।
13	शनि	19 11	13 09	भरणी	57 22	28 26	शोभन	41 58	वणिज	19 11	05 29	19 08	34 07	18 36	मेष	14	28	भद्रा13:09से26:01तक,मासशिवरात्रिव्रत।
14	रवि	23 32	14 53	कृत्तिका	60 00	-- --	अतिगंड	43 16	शकुनि	23 32	05 29	19 09	34 09	18 44	वृष11:07	15	29	सावित्री चतुर्दशी,वटसावित्रीव्रत अमापक्ष।
30	सोम	28 39	16 56	कृत्तिका	04 23	07 14	सुकर्मा	45 09	नाग	28 39	05 29	19 09	34 11	18 52	वृष	16	30	भावुका अमावस्या, सोमवती अमावस्या F

A माँ आनन्दमयी जयन्ती। **B** मिथुन में 07:18। **C** भानुसप्तमी, विश्वजैव विविधतादिवस। **D** त्रिलोचनाष्टमी। **E** (समस्त), भद्रकाली एकादशी। मासशिवरात्रि। **F** शनैश्चर जयन्ती, ज्येष्ठी अमावस्या।

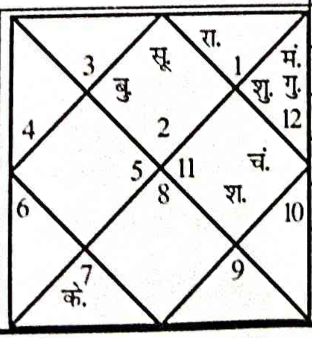
अमायां वटसावित्रीव्रतम् – अमायां च तथा ज्येष्ठे वटमूले महासती। त्रिरात्रोपोपिता नारी विधानेन प्रपूजयेत्।।

जन्ममासे विचारणीयः – यो जन्ममासे क्षुरकर्म यात्रां कर्णस्य वेधं कुरुते हि मोहात्। मूढः स रोगी धनपुत्रनाशं प्राप्नोति गूढं निधनं तदाशु।।

भद्रकाली प्रार्थना – जयन्ती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी। दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोस्तुते।।

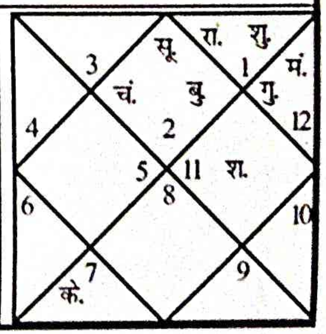
ज्येष्ठ कृष्ण 08, सोमवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 23.05.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	10	11	01	11	11	10	00	06
अं.	07	10	04	05	08	29	00	27	27
क.	41	31	21	49	01	14	51	49	49
वि.	56	32	43	58	40	00	04	44	44
गति	57	828	44	व.34	10	69	01	व03	व03
	43	48	49	39	35	52	17	11	11



ज्येष्ठ कृष्ण 30, सोमवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 30.05.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	01	11	01	11	00	10	00	06
अं.	14	09	09	02	09	07	00	27	27
क.	25	06	34	30	12	24	57	27	27
वि.	09	59	19	14	39	33	24	30	30
गति	57	723	44	व.20	09	70	00	व03	व03
	32	36	34	23	47	17	36	11	11



विक्रमसंवत् 2079, शाके 1944, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष (दिनांक 31 मई से 14 जून 2022 ई. तक)

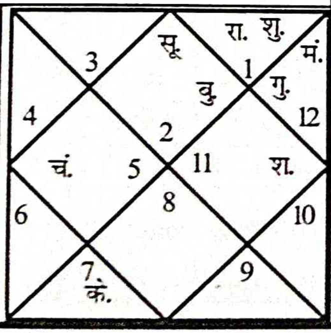
'राक्षस' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म ऋतु, केतकी अहर्गण- 4073, अयनांश 24/09/11

तिथि	वार	घ.	प	घं	मि	नक्षत्र	घ.	प	घं.	मि	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं	अ.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनाक	विवरण (भारतीय मानक समय)
01	मंगल	34	19	19	12	रोहिणी	11	17	09	59	धृति	47	23	किंस्तु.	01	29	05	28	19	10	34	13	19	00	मिथुन23:28	17	मई 31	करवीर व्रत,गंगादशहरा व्रतारम्भ, A
02	बुध	40	25	21	38	मृगसिरा	18	38	12	55	शूल	49	55	बालव	07	22	05	28	19	10	34	15	19	09	मिथुन	18	जून01	चन्द्रदर्शन,काशी दशाश्वमेध स्नानारम्भ।
03	गुरु	46	45	24	10	आर्द्रा	26	16	15	58	गण्ड	52	37	तैतिल	13	35	05	28	19	11	34	17	19	18	मिथुन	19	02	रम्भातृतीयाव्रत,महराणाप्रताप जयन्ती।
04	शुक्र	53	04	26	41	पुनर्वसु	33	57	19	02	वृद्धि	55	15	वणिज	19	54	05	28	19	11	34	18	19	28	कर्क12:16	20	03	भद्रा13:25से26:41तक,वैनायकी चतुर्थी B
05	शनि	58	52	29	00	पुष्य	41	16	21	57	ध्रुव	57	28	बव	25	58	05	28	19	12	34	20	19	37	कर्क	21	04	महादेव विवाह, ताड़केश्वर महादेवपूजा C
06	रवि	60	00	--	--	आश्लेषा	47	56	24	37	व्याघात	59	05	कौलव	30	57	05	27	19	12	34	22	19	47	सिंह24:37	22	05	स्कन्दषष्ठी, अरण्यषष्ठी,विश्वपर्यावरणदिवस
06	सोम	03	03	06	40	मघा	53	23	26	48	हर्षण	59	36	तैतिल	03	03	05	27	19	13	34	23	19	58	सिंह	23	06	
07	मंगल	06	16	07	57	पू.फा.	57	14	28	21	वज्र	58	46	वणिज	06	16	05	27	19	13	34	24	20	08	सिंह	24	07	भद्रा 07:57 से20:15तक, भानु सप्तमी D
08	बुध	07	47	08	34	उ.फा.	59	13	29	08	सिद्धि	56	21	बव	07	47	05	27	19	14	34	26	20	19	कन्या10:32	25	08	दुर्गाष्टमी, विन्ध्यवासिनी पूजा E
09	गुरु	07	22	08	24	हस्त	59	07	29	06	व्यती.	52	13	कौलव	07	22	05	27	19	14	34	27	20	30	कन्या	26	09	श्रीगंगादशहरा, गंगावतरण F
10	शुक्र	04	57	07	25	चित्रा	56	57	28	14	वरीयान	46	25	गर	04	57	05	27	19	14	34	28	20	41	तुला16:40	27	10	भद्रा18:33से,निर्जलाएकादशीव्रत(स्मार्त) G
11 12	शनि	00 56	37 24	05 28	42 00	स्वाती	52	54	26	36	परिघ	39	04	विष्टि	00	37	05	27	19	15	34	29	20	53	तुला	28	11	भद्रा 05:42तक,निर्जलाएकादशीव्रत(वै.) H
13	रवि	48	35	24	53	विशाखा	47	19	24	22	शिव	30	28	कौलव	22	29	05	27	19	15	34	30	21	04	वृश्चि18:56	29	12	रविप्रदोषव्रत,त्रिदिवसीयवटसावित्रीव्रतारम्भ I
14	सोम	39	40	21	19	अनुराधा	40	33	21	40	सिद्ध	20	52	गर	14	08	05	27	19	15	34	30	21	16	वृश्चिक	30	13	भद्रा21:19से,पूर्णिमाव्रत।
15	मंगल	30	06	17	29	ज्येष्ठा	33	05	18	41	साध्य	10	39	विष्टि	04	53	05	27	19	16	34	31	21	28	धनु18:41	31	14	भद्रा07:24तक,सत्यनारायणव्रत, J

A विश्व तम्बाकू निषेधदिवस। B गुरुजी अर्जुनदेव शहीदी दिवस, गणेश चतुर्थी। C श्रुति पञ्चमी (जैन)। D शुक्लादेवीपूजा, ब्रह्माणी पूजा। E शीतलाष्टमी, धूमावती जयन्ती , आरण्यक गौरी व्रत, मेला क्षीर भवानी(कश्मीर)। F नवमी का उपवास कर शुक्लादेवीपूजा, सेतुबन्ध रामेश्वर प्रतिष्ठा दिवस, सुरकण्डादेवी मेला। G गायत्री जयन्ती, बटुकभैरव जयन्ती, दशाश्वमेधस्नान समाप्त, भीमसेनी एकादशी। H त्रिविक्रम द्वादशी, चम्पकद्वादशी। I (पूर्णिमा पक्ष)। J स्नानदानादि पूर्णिमा, वटसावित्री व्रत(पूर्णिमा पक्ष), वट पूर्णिमा, वैवस्वत मन्वादि, ज्येष्ठीपूर्णिमा, सन्तकबीरदास जयन्ती, मन्वादि पूर्णिमा।

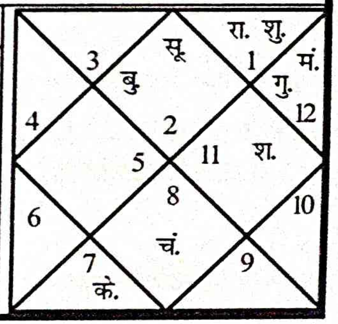
ज्येष्ठ शुक्ल 08, बुधवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 08.06.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	04	11	01	11	00	10	00	06
अं.	23	27	16	02	10	17	00	26	26
क.	02	31	13	33	35	59	58	58	58
वि.	18	13	07	14	27	25	29	52	52
गति	57	758	44	18	08	70	व.00	व03	व03
	24	36	07	16	40	46	18	11	11



ज्येष्ठ शुक्ल 15, मंगलवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 14.06.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	07	11	01	11	00	10	00	06
अं.	28	21	20	05	11	25	00	26	26
क.	46	43	36	52	24	04	54	39	39
वि.	27	33	39	48	50	59	50	47	47
गति	57	900	43	43	07	71	व.00	व03	व03
	18	15	45	58	52	01	51	11	11



विक्रमसंवत् 2079, शाके 1944, आषाढ़ कृष्ण पक्ष (दिनांक 15 जून से 29 जून 2022 ई. तक)

'राक्षस' संवत्सर, उत्तर/दक्षिणायन, उत्तर गोल, ग्रीष्म/वर्षा-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4088, अयनांश 24/09/13

तिथि	वार	घ.	प	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प	घं	मि	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		रदै.	अ.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
01	बुध	20	19	13	35	मूल	25	23	15	36	शुभ शुक्ल	00 49	05 19	कौलव	20	19	05	27	19	16	34	32	21	40	धनु	आ01	जून15	सूर्य मिथुन में 12:14, मिथुनसंक्रान्ति A
02	गुरु	10	48	09	46	पू.षा.	17	56	12	38	ब्रह्म	39	05	गर	10	48	05	27	19	16	34	32	21	52	मकर17:57	02	16	भद्रा 19:59से,अशून्यशयनव्रत,ऋषभनाथB
03 04	शुक्र	01 52	55 56	06 26	13 37	उ.षा.	11	11	09	55	ऐन्द्र	29	20	विष्टि	01	55	05	27	19	17	34	33	22	04	मकर	03	17	भद्रा 06:13 तक, श्रीगणेश C
05	शनि	46	04	23	53	श्रवण	05	29	07	39	वैधृति	20	41	कौलव	19	30	05	28	19	17	34	33	22	16	कुम्भ18:48	04	18	पंचक प्रारम्भ 18:48।
06	रवि	41	00	21	51	धनिष्ठा शतभिषा	01 56	12 51	05 28	57 12	विष्कुम्भ	13	20	गर	13	32	05	28	19	17	34	33	22	29	कुम्भ	05	19	भद्रा 21:51 से
07	सोम	37	50	20	36	पू.भा.	56	03	27	53	प्रीति	07	25	विष्टि	09	25	05	28	19	17	34	34	22	41	मीन21:58	06	20	भद्रा 09:13तक,भानु सप्तमी,कालाष्टमी।
08	मंगल	36	38	20	07	उ.भा.	57	14	28	21	आयुष्मान	03	01	बालब	07	14	05	28	19	18	34	34	22	53	मीन	07	21	शीतलाष्टमीव्रत,त्रिलोचनपूजाD
09	बुध	37	21	20	24	रेवती	60	00	--	--	सौभाग्य शोभन	00 57	08 17	तैतिल	06	59	05	28	19	18	34	34	23	05	मीन	08	22	खर्चिपूजा (त्रिपुरा)
10	गुरु	39	50	21	24	रेवती	01	57	06	15	अतिगण्ड	57	26	वणिज	08	35	05	28	19	18	34	34	23	18	मेष06:15	09	23	पंचकसमाप्ति06:15, भद्रा08:54से21:24तक
11	शुक्र	43	46	22	59	अश्विनी	06	33	08	05	सुकर्मा	58	36	बव	11	48	05	29	19	18	34	33	23	30	मेष	10	24	योगिनी एकादशी व्रत (समस्त)
12	शनि	48	44	24	58	भरणी	12	20	10	25	धृति	60	00	कौलव	16	15	05	29	19	18	34	33	23	42	वृष17:06	11	25	कूर्मजयन्ती
13	रवि	54	34	27	19	कृत्तिका	19	06	13	07	धृति	01	11	गर	21	39	05	29	19	19	34	33	23	54	वृष	12	26	भद्रा 27:19 से, रविप्रदोषव्रत
14	सोम	60	00	--	--	रोहिणी	26	23	16	03	शूल	03	22	विष्टि	27	45	05	30	19	19	34	32	24	05	वृष	13	27	भद्रा 16:36तक, मास शिवरात्रि व्रत,
14	मंगल	00	57	05	53	मृगसिरा	33	56	19	04	गण्ड	05	47	शकुनि	00	57	05	30	19	19	34	32	24	17	मिथुन05:34	14	28	श्राद्धादि अमावस्या, भौमवती अमावस्या।
30	बुध	07	06	08	20	आर्द्रा	41	32	22	07	वृद्धि	08	19	नाग	07	06	05	30	19	19	34	31	24	29	मिथुन	15	29	स्नानादि अमावस्या, आषाढ़ीअमावस्याE

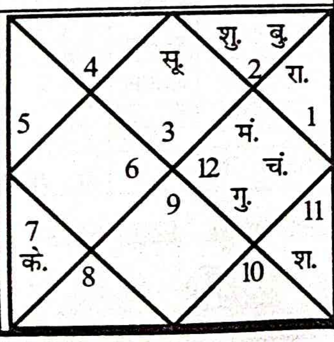
A पुण्यकाल 12:14 से 18:38तक, सौर आषाढ़ प्रारम्भ। B जयन्ती (जैन)। C संकष्टहरचतुर्थीव्रत, चन्द्रोदय 22:34बजे। D सायन सूर्य कर्क में 15:12, दक्षिणायन प्रारम्भ,वर्षाऋतु प्रारम्भ, अन्ताराष्ट्रिय योगदिवस। E वंशवर्धक अमावस्या।

आषाढे प्रवर्षणविचार:- ज्यैष्ठ्यां समतीतायां पूर्वाषाढादिसम्प्रवृष्टेन। शुभमशुभं वा वाच्यं चाम्भसतज्ज्ञैः।। येषु च भेष्वभिवृष्टं भूयस्तेष्वेव वर्षति प्रायः।।

त्रिलोचनध्यानम् :- ध्यायेन्नित्यं महेशं रजतगिरिनिभं चारुचन्द्रावतंसं रत्नाकल्पोज्ज्वलाङ्गं परशुमृगवराभीतिहस्तं प्रसन्नम्।
पद्मासीनं समन्तात् स्तुतममरगणैर्व्याघ्रकृत्तिं वसानं विश्वाद्यं विश्वबीजं निखिलभयहरं पञ्चवक्त्रं त्रिनेत्रम्।।

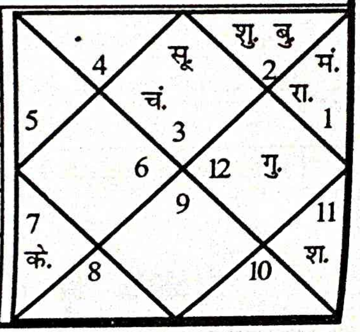
आषाढ़ कृष्ण 08, मंगलवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 21.06.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	11	11	01	11	01	10	00	06
अं.	05	03	25	12	12	03	00	26	26
क.	27	48	41	50	16	23	46	17	17
वि.	31	54	17	47	01	40	11	32	32
गति	57	808	43	71	06	71	व.01	व03	व03
	15	19	18	20	53	22	32	11	11



आषाढ़ कृष्ण 30, बुधवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 29.06.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	02	00	01	11	01	10	00	06
अं.	13	11	01	24	13	12	00	25	25
क.	05	48	25	26	05	56	30	52	52
वि.	27	07	05	47	15	06	52	05	05
गति	57	710	42	98	05	71	व.02	व03	व03
	11	27	41	38	35	39	14	11	11



विक्रमसंवत् 2079, शाके 1944, आषाढ़ शुक्ल पक्ष (दिनांक 30 जून से 13 जुलाई 2022 ई. तक)

'राक्षस' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4103 अयनांश - 24/09/15

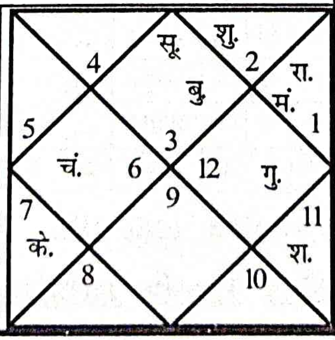
तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि	योग	घ	प	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं	अं	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	गुरु	13	11	10	46	पुनर्वसु	49	01	25	07	ध्रुव	10	47	बव	13	11	05	31	19	19	34	30	24	40	कर्क18:23	16	जून30	गुप्तनवरात्रारम्भ, घटस्थापन, चन्द्रदर्शन।
2	शुक्र	19	01	13	07	पुष्य	56	13	28	00	व्याघात	13	05	कौलव	19	01	05	31	19	19	34	29	24	51	कर्क	17	जुला01	जगन्नाथ रथयात्रा पुरी, रथोत्सव, A
3	शनि	24	26	15	17	आश्लेषा	60	00	--	--	हर्षण	15	04	गर	24	26	05	31	19	19	34	29	25	02	कर्क	18	02	भद्रा 28:14 से।
4	रवि	29	12	17	12	आश्लेषा	02	26	06	30	वज्र	16	33	विष्टि	29	12	05	32	19	19	34	27	25	13	सिंह06:30	19	03	भद्रा17:12तक, वैनायकी चतुर्थी व्रत
5	सोम	32	59	18	43	मघा	08	06	08	46	सिद्धि	17	17	बव	01	06	05	32	19	19	34	26	25	23	सिंह	20	04	स्कन्दपंचमी
6	मंगल	35	29	19	44	पू.फा.	12	38	10	35	व्यतीपात	17	05	कौलव	04	14	05	32	19	19	34	25	25	33	कन्या16:55	21	05	सप्तमी कालरात्रिपूजा, स्कन्दषष्ठी B
7	बुध	36	24	20	06	उ.फा.	15	45	11	51	वरीयान	15	41	गर	05	56	05	33	19	19	34	24	25	43	कन्या	22	06	भद्रा20:06से, विवस्वत सप्तमी C
8	गुरु	35	33	19	46	हस्त	17	14	12	26	परिघ	12	56	विष्टि	05	58	05	33	19	18	34	23	25	53	तुला24:23	23	07	भद्रा7:56तक,दुर्गाष्टमी,महिषासुरमर्दिनी D
9	शुक्र	32	51	18	42	चित्रा	16	56	12	20	शिव	08	45	बालव	04	12	05	34	19	18	34	21	26	02	तुला	24	08	गुप्तनवरात्रिसमाप्त, मेलाशरीक भवानी E
10	शनि	28	18	16	53	स्वाती	14	50	11	30	सिद्ध साध्य	03 56	07 05	तैतिल	00	34	05	34	19	18	34	20	26	11	वृश्चि28:21	25	09	भद्रा27:38से,गिरिराजपूजा,रैवत मन्वादि,
11	रवि	22	03	14	24	विशाखा	11	01	09	59	शुभ	49	06	विष्टि	22	03	05	35	19	18	34	18	26	20	वृश्चिक	26	10	भद्रा14:24तक, हरिशयनी एकादशी F
12	सोम	14	20	11	19	अनुराधा ज्येष्ठा	05 59	42 15	07 29	52 17	शुक्ल	39	23	बालव	14	20	05	35	19	18	34	16	26	28	धनु29:17	27	11	वासुदेव द्वादशी, सोमप्रदोष व्रत, G
13 14	मंगल	05 56	34 07	07 28	49 03	मूल	52	51	26	44	ब्रह्म	28	55	तैतिल	05	34	05	36	19	18	34	15	26	36	धनु	28	12	भद्रा 28:03से,चौमासी चौदस (जैन)
15	बुध	46	44	24	17	पू.षा	44	40	23	28	ऐन्द्र	18	04	विष्टि	21	25	05	36	19	17	34	13	26	43	मकर28:40	29	13	भद्रा14:10तक,पूर्णिमाव्रत,गुरुपूर्णिमा, H

A मनोरथ द्वितीया। B कुमारषष्ठी, कर्दमषष्ठी, सूर्य पूजा, श्रीगुरुहरगोविन्दजी जयन्ती। C शीतला सप्तमी। D पूजा, अष्टाह्निक प्रारम्भ (जैन), शीतलाष्टमी, ऐन्द्री देवी पूजा, खर्चि पूजा (त्रिपुरा)। E (कश्मीर), मृदुली नवमी, कन्दर्प नवमी, भड्डली नवमी। F व्रत (समस्त), चातुर्मासव्रतारम्भ, ईदउल अजहा(मुस्लिम)। G विष्णुशयनोत्सव द्वादशी, विश्वसंख्या दिवस। Hशिवशयनोत्सव, व्यास पूर्णिमा, मेला ज्वालामुखी (कश्मीर), सत्यव्रत, पवित्रारोपण, कोकिलाव्रत, आषाढीपूर्णिमा, अन्नादिदान, सत्यनारायणव्रत, चाक्षुष मन्वादि, वायुपरीक्षण, चातुर्मासारम्भ (संन्यासी), जया पार्वतीव्रत, अष्टाह्निक व्रत समाप्त(जैन)।

रथोत्सवः- आषाढस्य सिते पक्षे द्वितीयापुष्यसंयुता। तस्यां रथे समारोप्य रामं वै भद्रया सह।। यात्रोत्सवं प्रवर्त्याथ प्रीणयेत द्विजान् बहून्।।

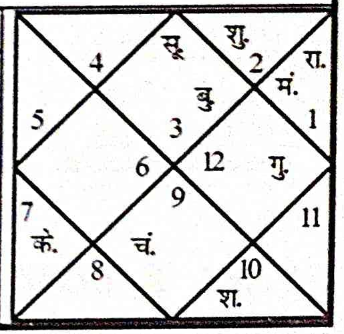
आषाढ़ शुक्ल 08, गुरुवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 07.07.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	05	00	02	11	01	10	00	06
अं.	20	19	07	09	13	22	00	25	25
क.	43	36	03	17	43	31	10	26	26
वि.	13	57	27	09	54	09	06	39	39
गति	57	776	41	120	04	72	व.02	व03	व03
	11	32	57	12	12	00	52	11	11



आषाढ़ शुक्ल 15, बुधवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 13.07.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	08	00	02	11	01	09	00	06
अं.	26	15	11	21	14	29	29	25	25
क.	26	21	13	52	05	44	51	07	07
वि.	36	52	07	48	30	01	18	34	34
गति	57	910	41	128	03	72	व.03	व03	व03
	13	36	20	47	08	13	19	11	11



विक्रमसंवत् 2079, शाके 1944, श्रावण कृष्ण पक्ष (दिनांक 14 जुलाई से 28 जुलाई 2022 ई. तक)

'राक्षस संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4117, अयनांश - 24/09/17

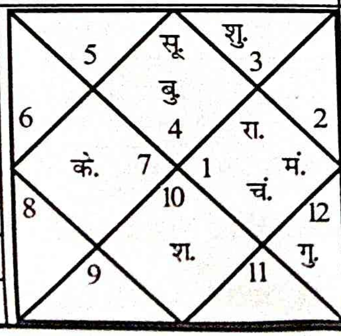
तिथि	वार	घ. प	घं. मि	नक्षत्र	घ. प.	घं. मि	योग	घ. प.	करण	घ. प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	दिनमान	स्टैं.अं	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
01	गुरु	36 39	20 16	उ.षा.	36 44	20 18	वैधृति विष्कुम्भ	07 14 56 45	बालव	11 42	05 37	19 17	34 11	26 50	मकर	30	जुला14	शाकत्यागव्रतारम्भ, हिंडोले प्रारम्भ(व्रज)।
02	शुक्र	27 23	16 34	श्रवण	29 32	17 26	प्रीती	46 17	तैतिल	02 01	05 37	19 17	34 09	26 57	कुम्भ28:13	31	15	भद्रा26:57से, पंचकप्रारम्भ 28:13, A
03	शनि	19 18	13 21	धनिष्ठा	23 32	15 02	आयुष्मान	37 20	विष्टि	19 18	05 38	19 17	34 07	27 03	कुम्भ	श्रा01	16	भद्रा 13:21तक, सूर्य कर्क में 23:05B
04	रवि	12 48	10 45	शतभिषा	19 08	13 17	सौभाग्य	29 52	बालव	12 48	05 38	19 16	34 05	27 08	कुम्भ	02	17	
05	सोम	08 04	08 52	पू.भा.	16 34	12 16	शोभन	23 59	तैतिल	08 04	05 39	19 16	34 02	27 13	मीन06:31	03	18	श्रावण सोमवार व्रतारम्भ,मधुश्रावणी C
06	मंगल	05 24	07 48	उ.भा.	16 04	12 04	अतिगण्ड	19 49	वणिज	05 24	05 39	19 15	34 00	27 18	मीन	04	19	भद्रा07:48 से19:42तक D
07	बुध	04 50	07 36	रेवती	17 40	12 44	सुकर्मा	17 22	बव	04 50	05 40	19 15	33 58	27 22	मेष12:44	05	20	पंचकसमाप्ति 12:44 पर,शीतलासप्तमी E
08	गुरु	06 19	08 11	अश्विनी	21 14	14 10	धृति	16 29	कौलव	06 19	05 40	19 15	33 55	27 26	मेष	06	21	ऐन्द्रीदेवी पूजा, केरपूजा (त्रिपुरा)
09	शुक्र	09 37	09 31	भरणी	26 31	16 17	शूल	16 57	गर	09 37	05 41	19 14	33 53	27 29	वृष22:57	07	22	भद्रा 22:29 से, सायन सूर्य सिंह में 26:04।
10	शनि	14 24	11 27	कृत्तिका	33 10	18 57	गण्ड	18 32	विष्टि	14 24	05 41	19 14	33 50	27 32	वृष	08	23	भद्रा 11:27 तक।
11	रवि	20 11	13 46	रोहिणी	40 39	21 57	वृद्धि	20 50	बालव	20 11	05 42	19 13	33 48	27 34	वृष	09	24	कामिका एकादशीव्रत (समस्त)
12	सोम	26 27	16 17	मृगसिरा	48 29	25 06	ध्रुव	23 27	तैतिल	26 27	05 42	19 13	33 45	27 36	मिथुन11:32	10	25	श्रावणसोमवार व्रत, सोमप्रदोष व्रत।
13	मंगल	32 46	18 49	आर्द्रा	56 15	28 13	व्याघात	26 07	गर	32 46	05 43	19 12	33 42	27 37	मिथुन	11	26	भद्रा 18:49से, दुर्गा यात्रा, हनुमद्दर्शन, F
14	बुध	38 50	21 15	पुनर्वसु	60 00	-- --	हर्षण	28 34	विष्टि	05 48	05 44	19 12	33 40	27 37	कर्क24:21	12	27	भद्रा 08:02 तक, जागेश्वर मेला।
30	गुरु	44 23	23 29	पुनर्वसु	03 21	07 04	वज्र	30 38	चतुष्पद	11 37	05 44	19 11	33 37	27 37	कर्क	13	28	श्रावण हरियाली अमावस्या,देवसावर्णि G,

A अशून्यशयनव्रत, चातुर्मास्य द्वितीया। B कर्क संक्रान्ति, पुण्यकाल मध्याह्न से सूर्यास्त तक, हरेला संक्रान्ति (उत्तराखण्ड), सौर श्रावणमास प्रारम्भ, श्री गणेशसंकष्टहर चतुर्थीव्रत, चन्द्रोदय 21:51। Cनागपंचमी(बंगाल व बिहार),मनसादेवी पूजा प्रारम्भ। D गौरीपूजा, दुर्गायात्रा, हनुमद्दर्शन, भौमव्रत। E भानु सप्तमी,कालाष्टमी,इन्द्रसावर्णि मन्वादि। F भौमव्रत, गौरी पूजा, मासशिवरात्रि व्रत,कारगिल विजय दिवस। G मन्वादि, चिताऊ अमावस्या (उड़ीसा)।

सोमवारव्रतम् - सोमवारे व्रतं कार्यं श्रावणे वै यथा विधिः। शक्तावुपोषणं कार्यमथवा निशि भोजनम्॥

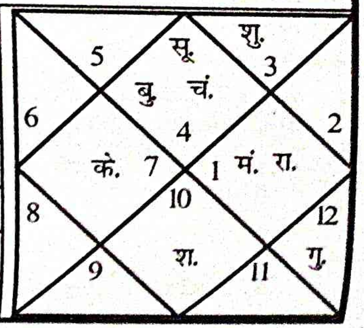
श्रावण कृष्ण 08, गुरुवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 21.07.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	00	00	03	11	02	09	00	06
अं.	04	08	16	08	14	09	29	24	24
क.	04	50	39	57	23	23	22	42	42
वि.	40	32	43	33	48	13	33	07	07
गति	57	760	40	125	01	72	व.03	व03	व03
	16	54	23	13	37	31	48	11	11



श्रावण कृष्ण 30, गुरुवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 28.07.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	03	00	03	11	02	09	00	06
अं.	10	02	21	22	14	17	28	24	24
क.	45	40	18	52	29	51	54	19	19
वि.	58	03	49	12	41	59	36	51	51
गति	57	714	39	114	00	72	व.04	व03	व03
	22	06	26	11	14	48	09	11	11



विक्रमसंवत् 2079, शाके 1944, श्रावण शुक्ल पक्ष (दिनांक 29 जुलाई से 12 अगस्त 2022 ई. तक)

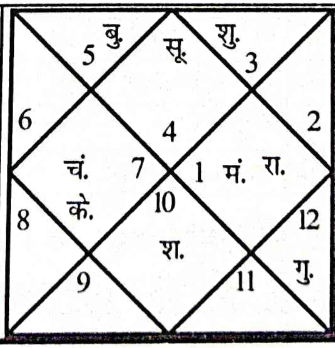
'राक्षस' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4132, अयनांश 24/09/19

तिथि	वार	घ.	प	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि	योग	घ.	प	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अ	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शुक्र	49	22	25	29	पुष्य	10	05	09	47	सिद्धि	32	17	किंस्तुघ्न	16	52	05	45	19	10	33	34	27	37	कर्क	14	जुला29	दोलोत्सवारम्भ,मेलाछिन्नमस्तिका,सिन्धाराव्रत
2	शनि	53	35	27	11	आश्लेषा	16	12	12	14	व्यतिपात	33	21	बालव	21	29	05	45	19	10	33	31	27	35	सिंह12:14	15	30	चन्द्रदर्शन।
3	रवि	57	02	28	34	मघा	21	35	14	24	वरीयान	33	50	तैतिल	25	19	05	46	19	09	33	28	27	34	सिंह	16	31	हरियाली तीज, मधुश्रवातृतीया,A
4	सोम	59	31	29	35	पू.फा.	26	07	16	13	परिघ	33	36	वणिज	28	17	05	46	19	09	33	25	27	31	कन्या22:34	17	अग01	भद्रा17:04से29:35तक,दूर्वा गणपति व्रत B
5	मंगल	59	52	29	44	उ.फा.	29	39	17	38	शिव	32	32	बव	29	41	05	47	19	08	33	22	27	28	कन्या	18	02	नागपंचमी, हनुमद्दर्शन, भौमव्रत, C
6	बुध	59	45	29	42	हस्त	32	02	18	36	सिद्ध	30	29	कौलव	29	48	05	48	19	07	33	19	27	25	कन्या	19	03	श्रीकल्कि जयन्ती, लुण्ठनषष्ठी (बंगाल)D
7	गुरु	59	37	29	39	चित्रा	33	03	19	01	साध्य	27	21	गर	29	41	05	48	19	07	33	15	27	20	तुला06:49	20	04	भद्रा 29:39से,शीतला सप्तमी E
8	शुक्र	56	47	28	31	स्वाती	32	41	18	53	शुभ	23	05	विष्टि	28	12	05	49	19	06	33	12	27	16	तुला	21	05	भद्रा 17:05तक,दुर्गाष्टमी,कौमारीपूजा, F
9	शनि	52	15	26	43	विशाखा	30	43	18	06	शुक्ल	17	31	बालव	24	31	05	49	19	05	33	09	27	10	वृश्चि12:19	22	06	दुर्गा पूजा।
10	रवि	46	13	24	19	अनुराधा	27	16	16	44	ब्रह्म	10	45	तैतिल	19	14	05	50	19	04	33	06	27	04	वृश्चिक	23	07	वेद व्रतारम्भ।
11	सोम	38	48	21	22	ज्येष्ठा	22	25	14	48	ऐन्द्र वैधृति	02 54	50 00	वणिज	12	31	05	50	19	03	33	02	26	58	धनु14:48	24	08	भद्रा 10:50से 21:22तक, पवित्राएकादशीG
12	मंगल	30	21	17	59	मूल	16	25	12	25	विष्कुम्भ	45	08	बव	04	35	05	51	19	03	32	59	26	51	धनु	25	09	भौमप्रदोषव्रत, दामोदरद्वादशीH
13	बुध	21	17	14	22	पू.षा.	09	41	09	44	प्रीति	34	43	तैतिल	21	17	05	52	19	02	32	55	26	43	मकर15:02	26	10	आखेटक त्रयोदशी(उडीसा)।
14	गुरु	12	02	10	41	उ.षा. श्रवण	02 55	38 45	06 28	55 10	आयुष्मान	24	16	वणिज	12	02	05	52	19	01	32	52	26	35	मकर	27	11	भद्रा 10:41से20:54तक, पूर्णिमा व्रत I
15	शुक्र	03	05	07	07	धनिष्ठा	48	51	25	25	सौभाग्य	14	13	बव	03	05	05	53	19	00	32	48	26	26	कुम्भ14:47	28	12	रक्षाबन्धन(उदयव्यापिनी),पंचकप्रारम्भ J

A सुकृत तृतीया, स्वर्णगौरी तृतीया, ठकुराइन जयन्ती, शहीद उधमसिंह शहदीदिवस। B वैनायकीचतुर्थी, वरदचतुर्थी, श्रावण सोमवार व्रत। C तक्षकपूजा, भित्तिनाग पूजा, गौरी पूजा, दुर्गायात्रा, ऋग्वेद-यजुर्वेदश-हिरण्यकेशी उपाकर्म। D वर्णषष्ठी। E गोस्वामी तुलसीदास जयन्ती। F मेलाज्वालाजी, चिन्तपूर्णी पूजा, नैनादेवी पूजा। G व्रत (समस्त), पुत्रदा एकादशीव्रत, झूलन यात्रा प्रारम्भ, श्रावण सोमवार व्रत। H बुधद्वादशी, हनुमद्दर्शन, दुर्गायात्रा, गौरी पूजा, भौमव्रत, शाकदान, दधित्यागव्रतारम्भ, मोहर्रम (मुस्लिम)। I मतान्तरेण रक्षाबन्धन भद्रोपरान्त रात्रि में (उदयत्रिमुहूर्त्तन्यूनत्वे पूर्वेद्युर्भद्रारहिते प्रदोषादिकाले कार्यम्। - धर्मसिन्धु द्वितीयपरिच्छेद, पृ.103), हयग्रीवोत्पत्ति, श्रवणादिकर्म। I 14:47, श्रावणी पूर्णिमा, ऋषितर्पण, दोलोत्सव समाप्त, अमरनाथयात्रा समाप्त, संस्कृतदिवस, श्रावणीउपाकर्म, गायत्रीजयन्ती, हिण्डोले समाप्त, बलभद्रपूजा (उड़ीसा), अविट्टम (द. भा.), भाद्रपद में दधित्याग, झूलनयात्रा समाप्त।

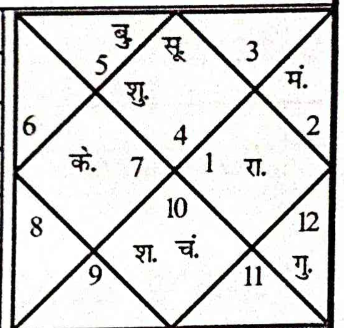
श्रावण शुक्ल 08, शुवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 05.08.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	06	00	04	11	02	09	00	06
अं.	18	12	26	07	14	27	28	23	23
क.	25	46	29	04	24	35	20	54	54
वि.	15	29	01	14	37	34	21	24	24
गति	57	795	38	100	व01	73	व.04	व03	व03
	27	43	11	29	20	02	23	11	11



श्रावण शुक्ल 15, शुक्रवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 12.08.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	09	01	04	11	03	09	00	06
अं.	25	24	00	18	14	06	27	23	23
क.	07	24	51	02	09	08	39	32	32
वि.	57	16	42	50	51	09	11	08	08
गति	57	903	36	89	व02	73	व.04	व03	व03
	32	38	57	17	41	18	30	11	11



विक्रमसंवत् 2079, शाके 1944, भाद्रपद कृष्ण पक्ष (दिनांक 13 अगस्त से 27 अगस्त 2022 ई. तक)

'राक्षस' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा/शरद्-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4147, अयनांश 24/09/21

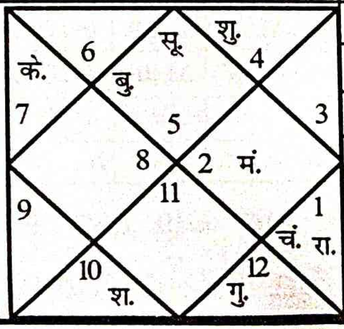
तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अ	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शुक्र	54	50	27	49	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	अग.12	प्रतिपदा तिथिक्षय।
2	शनि	46	36	24	31	शतभिषा	43	13	23	10	शोभन अतिगण्ड	04 56	52 35	तैतिल	20	43	05	53	18	59	32	45	26	16	कुम्भ	29	13	विन्ध्याचल देवी जयन्ती, A
3	रवि	40	44	22	11	पू.भा.	39	12	21	34	सुकर्मा	48	11	वणिज	13	40	05	54	18	58	32	41	26	06	मीन15:58	30	14	भद्रा 11:21से22:11तक, कज्जली तृतीया B
4	सोम	36	48	20	37	उ.भा.	37	04	20	44	धृति	42	37	बव	08	46	05	54	18	58	32	37	25	55	मीन	31	15	भारतीय स्वतन्त्रतादिवस, बहुला चतुर्थी, C
5	मंगल	34	57	19	54	रेवती	37	00	20	43	शूल	38	47	कौलव	05	53	05	55	18	57	32	34	25	44	मेष20:43	32	16	पंचकसमाप्ति 20:43,रक्षापंचमी(उडीसा)D
6	बुध	35	15	20	01	अश्विनी	39	02	21	32	गण्ड	36	39	गर	05	06	05	55	18	56	32	30	25	32	मेष	भा01	17	भद्रा20:01से,सूर्य मघा व सिंह में07:30, E
7	गुरु	37	33	20	57	भरणी	43	03	23	09	वृद्धि	36	05	विष्टि	06	24	05	56	18	55	32	26	25	20	वृष29:44	02	18	भद्रा08:29तक,श्रीकृष्णजन्माष्टमी F
8	शुक्र	41	44	22	38	कृत्तिका	48	52	25	29	ध्रुव	36	59	बालव	09	39	05	56	18	54	32	23	25	07	वृष	03	19	श्रीकृष्णजन्माष्टमी व्रत (वैष्णव), G
9	शनि	47	16	24	51	रोहिणी	55	57	28	20	व्याघात	38	53	तैतिल	14	30	05	57	18	53	32	19	24	54	वृष	04	20	नन्दोत्सव, गोकुलोत्सव, गोगानवमी
10	रवि	53	42	27	26	मृगशिरा	60	00	--	--	हर्षण	41	28	वणिज	20	29	05	58	18	52	32	15	24	40	मिथुन18:02	05	21	भद्रा14:08से27:26तक।
11	सोम	60	00	--	--	मृगशिरा	04	20	07	42	वज्र	44	16	बव	27	06	05	58	18	51	32	11	24	25	मिथुन	06	22	
11	मंगल	00	30	06	10	आर्द्रा	12	01	10	47	सिद्धि	46	53	बालव	00	30	05	59	18	50	32	07	24	10	मिथुन	07	23	अजा एकादशीव्रत(समस्त), सायन सूर्य H
12	बुध	06	27	08	34	पुनर्वसु	19	21	13	43	व्यतीपात	49	01	तैतिल	06	27	05	59	18	49	32	03	23	55	कर्क06:59	08	24	कलियुगादि,प्रदोष व्रत,अघोर द्वादशी।
13	गुरु	11	43	10	40	पुष्य	25	55	16	21	वरीयान	50	22	वणिज	11	43	06	00	18	48	32	00	23	39	कर्क	09	25	भद्रा10:40से23:33 तक, मासशिवरात्रिव्रत।
14	शुक्र	16	07	12	27	आश्लेषा	31	39	18	39	परिघ	51	00	शकुनि	16	07	06	00	18	47	31	56	23	23	सिंह18:39	10	26	डाकिनीचतुर्दशी,अघोरचतुर्दशी।
30	शनि	19	33	13	50	मघा	36	25	20	34	शिव	50	48	नाग	19	33	06	01	18	46	31	52	23	06	सिंह	11	27	कुशोत्पाटिनी अमावस्या,पिठौरी अमावस्याI

A भीमचण्डी देवीजयन्ती, अशून्यशयनव्रत, कज्जली निमित्त रात्रिजागरण, पलंग पर लक्ष्मीविष्णु पूजन। B बृहद्गौरी तृतीया, बूढ़ी तीज, गोपूजा, विशालाक्षी यात्रा, तीजड(सिन्ध)। C श्री गणेशसंकष्टहर चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 21:28, श्रावण सोमवार व्रत (सौरपक्ष)। D बीजांकुरा पञ्चमी, पारसी नववर्ष। E सिंह संक्रान्ति, पुण्यकाल सूर्योदय से 07:30 तक, घी संक्रान्ति (उत्तराखण्ड), सौर भाद्रपदमासारम्भ, हलषष्ठी, चन्दनषष्ठी, ललही छठ, श्रीचन्द्रषष्ठी, चम्पा षष्ठी, बलरामजयन्ती, मनसा देवी पूजा (बंगाल), मनसा देवी पूजा समाप्त। F व्रत(स्मार्त), कालाष्टमी। G शीतलाव्रत, संत ज्ञानेश्वर जयन्ती, दूर्वाष्टमी, कौमारी पूजा, गोकुलाष्टमी, कृष्णजयन्ती। H कन्या में 09:14, शरदऋतु प्रारम्भ, जया एकादशीव्रत। I ॐ हूं फट् इति मन्त्रेण कुशग्रहणम्, शनैश्चरी अमावस्या।

कुशोत्पाटनमन्त्र:-कुशाग्रे वसते रुद्र: कुशमध्ये तु केशव:। कुश मूले वसेद्ब्रह्मा कुशान्मे देह मेंदिनि। कुशोऽसि कुशपुत्रोऽसि ब्रह्मणा निर्मित: पुरा। देवपितृहितार्थाय कुशमुत्पाटयाम्यहम्

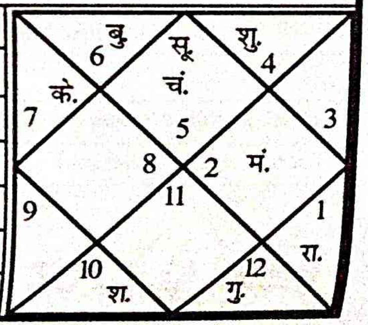
भाद्रपद कृष्ण 08, शुक्रवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 19.08.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	00	01	04	11	03	09	00	06
अं.	01	29	05	27	13	14	27	23	23
क.	51	54	05	43	45	42	17	09	09
वि.	36	59	04	23	49	32	42	52	52
गति	57	742	35	77	व03	73	व.04	व03	व03
	41	46	32	48	58	33	29	11	11



भाद्रपद कृष्ण 30, शनिवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 27.08.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	04	01	05	11	03	09	00	06
अं.	09	05	09	06	13	24	26	22	22
क.	34	53	41	53	07	32	42	44	44
वि.	15	00	33	29	43	35	24	26	26
गति	57	736	33	60	व05	73	व.04	व.03	व03
	53	28	43	42	20	51	20	11	11



विक्रमसंवत् 2079 शाके 1944, भाद्रपद शुक्ल पक्ष (दिनांक 28 अगस्त से 10 सितम्बर 2022 ई. तक)

'राक्षस' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, शरद्-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4162, अयनांश 24/09/23

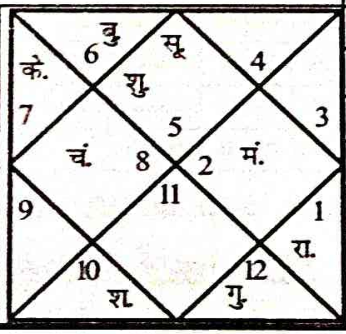
तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प	घं.	मि	योग	घ.	प	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं	अं-	चन्द्रच	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	रवि	21	59	14	49	पू.फा.	40	12	22	06	सिद्ध	49	49	बव	21	59	06	01	18	44	31	48	22	49	कन्या28:23	12	अग28	चन्द्रदर्शन,श्रीगुरुग्रन्थ साहिबजी A
2	सोम	23	27	15	24	उ.फा.	43	02	23	14	साध्य	48	04	कौलव	23	27	06	02	18	43	31	44	22	31	कन्या	13	29	
3	मंगल	24	00	15	38	हस्त	45	00	24	02	शुभ	45	36	गर	24	00	06	02	18	42	31	40	22	13	कन्या	14	30	भद्रा27:33से, हरितालिका तृतीया व्रत, B
4	बुध	23	35	15	28	चित्रा	46	01	24	27	शुक्ल	42	23	विष्टि	23	35	06	03	18	41	31	36	21	54	तुला12:15	15	31	भद्रा15:28तक,कलंक चतुर्थी C
5	गुरु	22	13	14	56	स्वाती	46	05	24	29	ब्रहम	38	23	बालव	22	13	06	03	18	40	31	32	21	35	तुला	16	सित01	ऋषि पंचमी, मेलापाट (जम्मू)।
6	शुक्र	19	49	13	59	विशाखा	45	07	24	06	ऐन्द्र	33	33	तैतिल	19	49	06	04	18	39	31	28	21	16	वृश्चि18:12	17	02	सूर्यषष्ठी, देवषष्ठी,लोलार्कषष्ठी,स्कन्द D
7	शनि	16	18	12	35	अनुराधा	43	00	23	16	वैधृति	27	48	वणिज	16	18	06	04	18	38	31	23	20	56	वृश्चिक	18	03	भद्रा 12:35 से 23:40 तक, दूर्वाष्टमी, E
8	रवि	11	44	10	46	ज्येष्ठा	39	50	22	00	विष्कु	21	10	बव	11	44	06	05	18	37	31	19	20	36	धनु22:00	19	04	नन्दाष्टमी, राधाष्टमी,नन्दादेवी पूजा, F
9 10	सोम	06 59	08 37	08 29	32 56	मूल	35	38	20	20	प्रीति	13	43	कौलव	06	08	06	05	18	35	31	15	20	16	धनु	20	05	अदु:खनवमी,महानंदानवमी,श्रीचन्द्रजयन्तीG
11	मंगल	53	15	27	23	पू.षा.	30	34	18	19	आयुष्मान सौभाग्य	05 56	33 50	गर	26	26	06	06	18	34	31	11	19	56	मकर23:45	21	06	भद्रा16:39से27:23तक,पद्मा एकादशीव्रत H
12	बुध	45	17	24	13	उ.षा.	24	57	16	04	शोभन	48	15	बव	19	16	06	06	18	33	31	07	19	35	मकर	22	07	पद्मा एकादशीव्रत (वैष्णव) श्रवणद्वादशी, I
13	गुरु	37	22	21	03	श्रवण	19	10	13	46	अतिगण्ड	38	58	कौलव	11	20	06	07	18	32	31	03	19	14	कुम्भ24:41	23	08	प्रदोष व्रत, पंचकप्रारम्भ 24:41 J
14	शुक्र	29	51	18	03	धनि	13	37	11	33	सुकर्मा	30	02	गर	03	37	06	07	18	31	30	59	18	53	कुम्भ	24	09	भद्रा18:03से28:42तक, अनन्तचतुर्दशी K
15	शनि	23	07	15	22	शत	08	40	09	35	धृति	21	47	बव	23	07	06	08	18	30	30	55	18	31	मीन26:25	25	10	भाद्रपदपूर्णिमा, महालयारम्भ, L

A प्रकाशोत्सव। **B** सुवर्ण गौरी व्रत, गौरी तृतीया, वाराहजयन्ती, सामवेदी उपाकर्म, मन्वादि तृतीया। **C** चन्द्रदर्शन निषेध,वैनायकी चतुर्थी व्रत, सौभाग्य चतुर्थी (बंगाल),गणेशजन्मोत्सव आरम्भ, गणपति स्थापन, वरद चतुर्थी, जैन संवत्सरी। **D** षष्ठी, बलदेव छठ, ललिता षष्ठी, सन्तान सप्तमी, आमुक्ताभरण सप्तमी। **E** भानुसप्तमी, ललिता सप्तमी (बंगाल)। **F** दुर्गाशयनाष्टमी (उडीसा), दुर्गाष्टमी, ज्येष्ठापूजन, महालक्ष्मीव्रतारम्भ। **G** मेला श्रीरामदेव राजस्थान,दशावतार दशमीव्रत, शिक्षकदिवस, सर्वपल्ली राधाकृष्णजयन्ती। **H** (स्मार्त), कर्मा एकादशी, पार्श्व परिवर्तन, डोल ग्यारस, दधिदान, दुग्धत्यागव्रतारम्भ, जलझूलनी (राजस्थान), रामदेव जयन्ती(राजस्थान)। **I** शक्र द्वादशी, वामन जयन्ती, भुवनेश्वरी जयन्ती, कल्कि द्वादशी, विष्णुपरिवर्तनोत्सव, वामनोत्पत्ति, दुग्धव्रतसंकल्प। **J** अन्तराष्ट्रिय साक्षरता दिवस। **K** व्रत, गणेश विसर्जन, श्रीशिवपरिवर्तनोत्सव, ओणम, पूर्णिमाव्रत। **L** सत्यव्रत, आपस्तम्बीय बोधायनीय अथर्ववेदियों का उपाकर्म, पूर्णिमाश्राद्ध, श्री नारायणगुरु जयन्ती।

चतुर्थीचन्द्रदर्शन निषेध-सिंहादित्ये शुक्लपक्षे चतुर्थ्यां चन्द्रदर्शनम्(मिथ्याभिदूषणं कुर्यात्तस्मात्पश्येन्न तं सदा।।

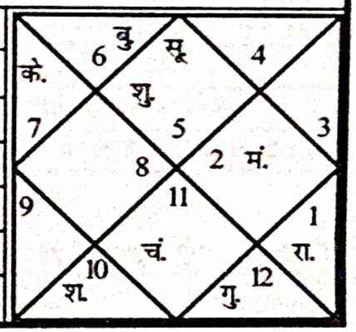
भाद्रपद शुक्ल 08, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 04.09.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	07	01	05	11	04	09	00	06
अं.	17	20	14	13	12	04	26	22	22
क.	18	46	01	10	19	24	08	18	18
वि.	31	55	49	12	39	54	55	59	59
गति	58	833	31	34	व.06	78	व.04	व.03	व03
	07	02	31	33	30	04	03	11	11



भाद्रपद शुक्ल 15, शनिवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 10.09.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	10	01	05	11	04	09	00	06
अं.	23	17	17	14	11	11	25	21	21
क.	07	53	04	56	38	50	45	59	59
वि.	53	43	47	31	17	30	40	54	54
गति	58	873	29	03	व07	74	व.03	व03	व03
	18	26	41	56	11	22	45	11	11



विक्रमसंवत् 2079 शाके 1944, आश्विन कृष्ण पक्ष (दिनांक 11 सितम्बर से 25 सितम्बर 2022 ई. तक)

'राक्षस' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर/दक्षिण गोल, शरद्-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4176, अयनांश 24/09/25

तिथि	वार	घ.	प	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प	घं.	मि	योग	घ.	प.	करण	घ.	प	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं. अ		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	रवि	17	33	13	09	पू.भा.	04	44	08	01	शूल	14	31	कौलव	17	33	06	08	18	28	30	50	18	10	मीन	26	सित.11	प्रतिपदाश्राद्ध,द्वितीयाश्राद्ध, पितृपक्षीय A
2	सोम	13	27	11	31	उ.भा.	02	09	07	00	गण्ड	08	24	गर	13	27	06	08	18	27	30	46	17	48	मीन	27	12	भद्रा 23:02 से तृतीया श्राद्ध।
3	मंगल	11	02	10	33	रेवती	01	11	06	37	वृद्धि	03	39	विष्टि	11	02	06	09	18	26	30	42	17	26	मेष06:37	28	13	भद्रा 10:33तक, पंचकसमाप्ति 06:37 B
4	बुध	10	28	10	21	अश्विनी	02	00	06	57	ध्रुव व्याघात	00 56	22 58	बालव	10	28	06	09	18	25	30	38	17	04	मेष	29	14	पंचमी श्राद्ध, भरणीश्राद्ध।
5	गुरु	11	49	10	53	भरणी	04	40	08	02	हर्षण	56	45	तैतिल	11	49	06	10	18	23	30	34	16	42	वृष14:28	30	15	षष्ठी श्राद्ध।
6	शुक्र	14	59	12	10	कृत्तिका	09	07	09	49	वज्र	57	50	वणिज	14	59	06	10	18	22	30	29	16	19	वृष	31	16	भद्रा 12:10 से 25:07 तक,सप्तमीश्राद्ध, C
7	शनि	19	44	14	04	रोहिणी	15	08	12	14	सिद्धि	60	00	बव	19	44	06	11	18	21	30	25	15	57	मिथुन25:39	आ01	17	सूर्य कन्या में 07:29, कन्यासंक्रान्ति D
8	रवि	25	35	16	25	मृगशिरा	22	13	15	04	सिद्धि	00	48	कौलव	25	35	06	11	18	20	30	21	15	35	मिथुन	02	18	अष्टमीश्राद्ध ,जीवितपुत्रिकाव्रतE
9	सोम	32	01	19	00	आर्द्रा	29	54	18	09	व्यतीपात	03	09	गर	32	01	06	12	18	19	30	17	15	13	मिथुन	03	19	नवमीश्राद्ध, मातृनवमी, सौभाग्यवती श्राद्ध।
10	मंगल	38	21	21	33	पुनर्वसु	37	31	21	12	वरीयान	05	34	वणिज	05	11	06	12	18	17	30	12	14	50	कर्क14:27	04	20	भद्रा 08:16 से 21:33 तक, दशमी श्राद्ध।
11	बुध	43	57	23	47	पुष्य	44	27	23	59	परिघ	07	36	बव	11	09	06	13	18	16	30	08	14	28	कर्क	05	21	एकादशी श्राद्ध, इन्दिरा एकादशी व्रत F
12	गुरु	48	31	25	37	आश्लेषा	50	24	26	23	शिव	08	59	कौलव	16	14	06	13	18	15	30	04	14	06	सिंह26:23	06	22	द्वादशी श्राद्ध, सन्यासी श्राद्ध, G
13	शुक्र	51	40	26	53	मघा	55	00	28	14	सिद्ध	09	24	गर	20	05	06	14	18	14	30	00	13	44	सिंह	07	23	भद्रा26:53से,प्रदोषव्रत,त्रयोदशी श्राद्ध H
14	शनि	53	23	27	35	पू.फा.	58	14	29	31	साध्य	08	47	विष्टि	22	31	06	14	18	13	29	55	13	22	सिंह	08	24	भद्रा15:14तक, चतुर्दशीश्राद्ध I
30	रवि	53	45	27	44	उ.फा.	59	05	29	53	शुभ	07	07	चतुष्पद	23	34	06	15	18	11	29	51	13	00	कन्या11:38	09	25	अमावस्या श्राद्ध सर्व पितृ अमावस्या, J

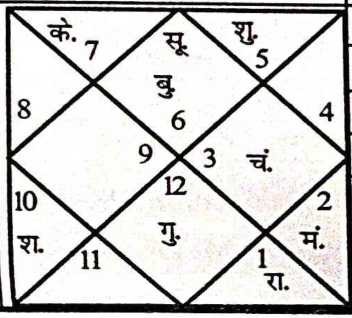
A पार्वण तर्पणारम्भ, अशुन्यशयनव्रत। B चतुर्थी श्राद्ध, श्री गणेशसंकष्टहर चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 20:22 बजे। C कपिलाषष्ठी। D पुण्यकाल 07:29से13:53तक, कालाष्टमी, मतान्तर से सप्तमी श्राद्ध, महालक्ष्मीव्रत समाप्त, सौर आश्विनमासारम्भ, विश्वकर्मा पूजन। E जीमूतवाहनव्रत, जितिया, शिवशक्ति उत्सव। F (समस्त), श्री नारायण गुरु समाधि। G यतिमहालय। H मघा श्राद्ध, मघा त्रयोदशी, सायन सूर्य तुला में 07:01, सूर्य दक्षिणगोल प्रारम्भ। I मासशिवरात्रिव्रत, शस्त्रहत महालय, शस्त्रादिहतश्राद्ध, विषादिहतश्राद्ध, सामाजिक न्याय दिवस। J पितृविसर्जन, महालय समाप्ति।

श्राद्ध माहात्म्य - आषाढ्याः पंचमे पक्षे कन्यासंस्थे दिवाकरे। यो वै श्राद्धं नरः कुर्यादेकस्मिन्नपि वासरे। तस्य संवत्सरं यावत् संतृप्ताः पितरो ध्रुवम्।

जीवितपुत्रिकाव्रतम् - इषे मास्यसिते पक्षे चाष्टमी या तिथिर्भवेत्। पुत्रसौभाग्यदा स्त्रीणां ख्याता सा जीवितपुत्रिका।।शालिवाहनराजस्य पुत्रो जीमूतवाहनः। तस्यां पूज्यः स नारीभिः पुत्रसौभाग्यलिप्सया।

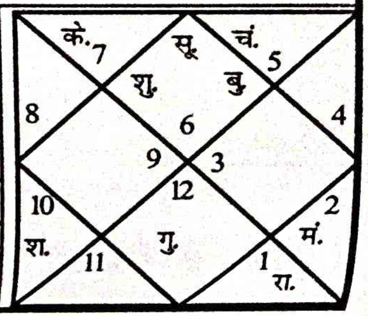
आश्विन कृष्ण 08, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 18.09.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	02	01	05	11	04	09	00	06
अं.	00	02	20	11	10	21	25	21	21
क.	55	14	49	28	37	46	17	34	34
वि.	23	09	47	18	56	19	56	27	27
गति	58	717	26	व.49	व07	74	व.03	व03	व03
	34	42	48	29	48	35	14	11	11



आश्विन कृष्ण 30, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 25.09.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	04	01	05	11	05	09	00	06
अं.	07	27	23	04	09	00	24	21	21
क.	46	16	46	11	42	29	57	12	12
वि.	07	25	02	28	18	03	27	11	11
गति	58	761	23	व.62	व08	74	व.02	व03	व03
	46	40	52	21	02	43	42	11	11



विक्रमसंवत् 2079, शाके 1944, आश्विन शुक्लपक्ष (दिनांक 26 सितम्बर से 09 अक्टूबर 2022 ई. तक)

'राक्षस' संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिण गोल, शरद्-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4191, अयनांश 24/09/27

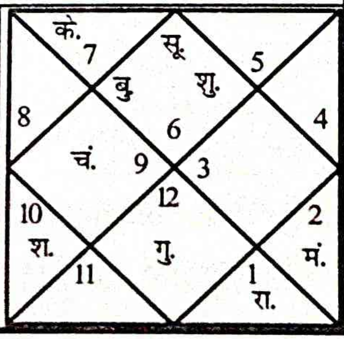
तिथि	वार	घ.	प	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प	घं.	मि	योग	घ.	प	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अ	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	सोम	52	59	27	27	हस्त	59	58	30	14	शुक्ल	04	32	किंस्तु.	23	22	06	15	18	10	29	47	12	38	कन्या	10	सित26	शारदीय नवरात्रारम्भ, कलश स्थापन A
2	मंगल	51	09	26	43	चित्रा	59	50	30	12	ब्रह्म ऐन्द्र	01 56	04 52	बालव	22	04	06	16	18	09	29	43	12	17	तुला18:13	11	27	प्रीति द्वितीया, ब्रह्मचारिणीपूजा,चन्द्र दर्शन,B
3	बुध	48	33	25	41	स्वाती	58	57	29	51	वैधृति	52	42	तैतिल	19	51	06	16	18	08	29	38	11	56	तुला	12	28	चन्द्रघण्टा पूजा, गौरीतृतीया,रेमन्त C
4	गुरु	45	12	24	21	विशाखा	58	04	29	30	विष्कुम्भ	47	09	वणिज	16	53	06	17	18	06	29	34	11	35	वृश्चि23:36	13	29	भद्रा 13:01से24:21तक, कूष्माण्डदेवी D
5	शुक्र	41	13	22	46	अनुराधा	55	45	28	35	प्रीति	41	05	बव	13	13	06	17	18	05	29	30	11	14	वृश्चिक	14	30	ललिता पंचमी, उपांगललितागौरीव्रत E
6	शनि	36	39	20	57	ज्येष्ठा	52	51	27	26	आयुष्मान	34	33	कौलव	08	56	06	18	18	04	29	26	10	53	धनु27:26	15	अ.01	कात्यायनी पूजा,सप्तमी कालरात्रि पूजा F
7	रवि	31	33	18	55	मूल	49	27	26	05	सौभाग्य	27	37	गर	04	06	06	18	18	03	29	21	10	33	धनु	16	02	भद्रा18:55से29:49तक, महासप्तमी G
8	सोम	26	01	16	43	पू.षा.	45	38	24	33	शोभन	20	19	बव	26	01	06	19	18	02	29	17	10	14	मकर30:09	17	03	महाष्टमीव्रत,अन्नपूर्णा परिक्रमा H
9	मंगल	20	08	14	22	उ.षा.	41	28	22	54	अतिगण्ड	12	44	कौलव	20	08	06	19	18	01	29	13	09	54	मकर	18	04	महानवमीव्रत,नवमी बलिहोमादि,दशहरा, I
10	बुध	14	09	11	59	श्रवण	37	16	21	14	सुकर्मा धृति	05 57	02 22	गर	14	09	06	20	17	59	29	09	09	35	मकर	19	05	भद्रा22:48से,विजयदशमी(सूर्योदयव्यापिनी)J
11	गुरु	08	14	09	38	धनिष्ठा	33	13	19	37	शूल	49	44	विष्टि	08	14	06	20	17	58	29	04	09	16	कुम्भ08:26	20	06	भद्रा09:38तक,पंचकप्रारम्भ08:26,पापांकुशाK
12 13	शुक्र	02 57	38 37	07 29	24 24	शतभिषा	29	35	18	11	गण्ड	42	31	बालव	02	38	06	21	17	57	29	00	08	58	कुम्भ	21	07	गोद्वादशी, द्विदलत्याग व्रतारम्भ L
14	शनि	52	34	27	23	पू.भा.	26	39	17	01	वृद्धि	35	58	गर	25	05	06	21	17	56	28	56	08	40	मीन11:18	22	08	भद्रा 27:23 से।
15	रवि	49	14	26	03	उ.भा.	24	40	16	13	ध्रुव	30	15	विष्टि	20	54	06	22	17	55	28	52	08	23	मीन	23	09	भद्रा 14:43 तक, शरत् पूर्णिमा, कौमुदी M

A मातामह श्राद्ध, महाराज अग्रसेन जयन्ती, शैलपुत्री पूजन। B विश्व पर्यटन दिवस। C पूजा, सरदार भगतसिंह जयन्ती। D पूजा, वैनायकी चतुर्थीव्रत। E स्कन्दमाता पूजा। F निशीथ, बिल्वामन्त्रण। G बिल्वादि नवपत्रिका प्रवेश प्रातः काल, सन्धि पूजा, महानिशापूजा, देवीत्रिरात्रिव्रतारम्भ, मूल नक्षत्र में सरस्वती आवाहन, महात्मा गान्धी जयन्ती, श्री लालबहादुरशास्त्री जयन्ती, अन्ताराष्ट्रिय अहिंसा दिवस, स्वच्छता दिवस। H दुर्गा पूजा, महागौरी पूजा, सन्धिपूजा, महानवमी रात्रि पूजा, दुर्गाष्टमी, औलीजैन प्रारम्भ। I स्वारोचिषमन्वादि, सिद्धिदात्री पूजा, त्रिशूलिनी पूजा, नवरात्रि समाप्ति, विजयदशमी (सायंकालीन)। J दुर्गाविसर्जन,शमीपूजा,अपराजिता देवी पूजा, दशरथगौरीव्रत, सीमोल्लंघन, नीलकंठदर्शन, शस्त्रादि पूजा, वाहन पूजा, नवरात्रपारणा, बुद्धावतार जयन्ती। K एकादशी व्रत (समस्त), भरत मिलाप(काशी),माधवाचार्य जयन्ती। L पद्मनाभ द्वादशी, प्रदोषव्रत, दुग्धदान। I शरत् पूर्णिमा (रात्रिव्यापिनी), ईद उल मिलाद। M महोत्सव, कोजागरी, कोजागर लक्ष्मी पूजा, पूर्णिमा व्रत, सत्यनारायणव्रत, रात्रौ अक्षक्रीडा, कार्तिकस्नानारम्भ, श्रीवाल्मीकिजयन्ती, अन्नाभिषेक(दक्षिणभारत),मीराबाई जयन्ती, रात्रि में लक्ष्मी इन्द्र कुबेरादि पूजा, रासमहोत्सव, औली समाप्त (जैन), ईद-ए-मिलाद (मुस्लिम)।

नवरात्रिसमये घटस्थापन कालविमर्श -न रात्रौ स्थापनं कार्यं न च कुम्भाभिषेचनम्।भास्करोदयमारभ्य यावत् दशनाडिका। प्रातः काल इति प्रोक्तः स्थापनारोपणादिषु।

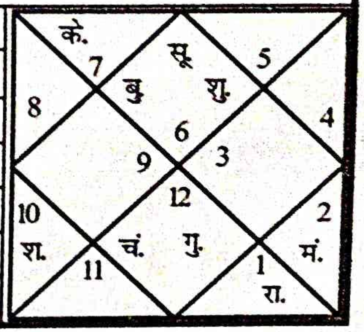
आश्विन शुक्ल 08, सोमवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 03.10.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	08	01	05	11	05	09	00	06
अं.	15	15	26	00	08	10	24	20	20
क.	37	55	39	02	38	27	38	46	46
वि.	31	26	48	19	16	52	55	45	45
गति	59	847	19	01	व07	74	व.02	व03	व03
	02	27	56	27	56	55	01	11	11



आश्विन शुक्ल 15, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 09.10.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	11	01	05	11	05	09	00	06
अं.	21	10	28	03	07	17	24	20	20
क.	32	57	27	32	51	57	28	27	27
वि.	29	40	38	48	43	43	51	39	39
गति	59	832	16	56	व07	74	व.01	व03	व03
	14	43	29	52	36	58	27	11	11



विक्रमसंवत् 2079, शाके 1944, कार्तिक कृष्ण पक्ष (दिनांक 10 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2022 ई. तक)

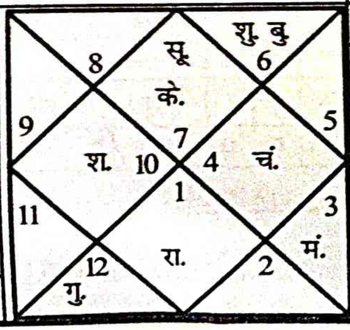
'राक्षस' संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिणगोल, शरद्/हेमन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4205, अयनांश 24/09/29

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प	सूर्योदय		सूर्यातय		दिनमान		स्टैं.अं		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	सोम	47	15	25	16	रेवती	23	52	15	55	व्याघात	25	33	बालव	18	15	06	23	17	54	28	47	08	06	मेष15:55	24	अक्टू10	पंचक समाप्ति 15:55,माषादि दाल एवं A
2	मंगल	46	44	25	04	अश्विनी	24	25	16	09	हर्षण	21	57	तैतिल	16	59	06	23	17	53	28	43	07	50	मेष	25	11	अशून्यशयन व्रत
3	बुध	47	51	25	32	भरणी	26	29	16	59	वज्र	19	35	वणिज	17	17	06	24	17	51	28	39	07	34	वृष23:21	26	12	भद्रा 13:18से 25:32तक।
4	गुरु	50	34	26	38	कृत्तिका	30	06	18	27	सिद्धि	18	27	बव	19	13	06	24	17	50	28	35	07	19	वृष	27	13	करवाचौथ, करकचतुर्थी, श्री गणेश B
5	शुक्र	54	48	28	20	रोहिणी	35	11	20	29	व्यतीपात	18	28	कौलव	22	41	06	25	17	49	28	31	07	04	वृष	28	14	
6	शनि	60	00	--	--	मृगशिरा	41	35	23	03	वरीयान	19	34	गर	28	04	06	25	17	48	28	27	06	50	मिथुन09:46	29	15	स्कन्द षष्ठी।
6	रवि	01	21	06	58	आर्द्रा	48	55	26	00	परिघ	21	27	वणिज	01	21	06	26	17	47	28	22	06	37	मिथुन	30	16	भद्रा06:58से20:12तक।
7	सोम	07	30	09	26	पुनर्वसु	56	45	29	09	शिव	23	48	बव	07	30	06	27	17	46	28	18	06	24	कर्क22:22	का01	17	सूर्य तुला में 19:27, तुला संक्रान्ति C
8	मंगल	13	49	11	59	पुष्य	60	00	--	--	सिद्ध	26	07	कौलव	13	49	06	27	17	45	28	14	06	12	कर्क	02	18	राधाजयन्ती, राधा कुण्ड स्नान।
9	बुध	19	41	14	20	पुष्य	04	02	08	04	साध्य	28	00	गर	19	41	06	28	17	44	28	10	06	00	कर्क	03	19	भद्रा 27:18 से।
10	गुरु	24	31	16	17	आश्लेषा	10	20	10	36	शुभ	28	59	विष्टि	24	31	06	29	17	43	28	06	05	49	सिंह10:36	04	20	भद्रा16:17तक।
11	शुक्र	27	52	17	38	मघा	15	20	12	37	शुक्ल	28	48	बालव	27	52	06	29	17	42	28	02	05	39	सिंह	05	21	रम्भा(रमा)एकादशीव्रत समस्त,गोवत्सद्वादशी।
12	शनि	29	30	18	18	पू.फा.	18	43	13	59	ब्रह्म	27	15	तैतिल	29	30	06	30	17	41	27	58	05	30	कन्या20:09	06	22	
13	रवि	29	25	18	16	उ.फा.	20	29	14	42	ऐन्द्र	24	23	वणिज	29	25	06	30	17	40	27	54	05	21	कन्या	07	23	भद्रा18:16से29:56तक, धन्वन्तरिजयन्ती, D
14	सोम	27	44	17	37	हस्त	20	41	14	47	वैधृति	20	15	शकुनि	27	44	06	31	17	39	27	50	05	13	तुला26:34	08	24	दीपावली,महालक्ष्मी पूजा,कामेश्वरीजयन्तीE
30	मंगल	24	43	16	25	चित्रा	19	32	14	20	विष्कु	15	05	नाग	24	43	06	32	17	38	27	46	05	06	तुला	09	25	खण्डग्रास सूर्यग्रहण, कार्तिक अमावस्याF

A बैगनआदि त्याग का व्रत। B संकष्टचतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 20:09, दशरथचतुर्थी व्रत (बंगाल)। C पुण्यकाल मध्याह्न से सूर्यास्त तक, सौर कार्तिकमासारम्भ, अहोईअष्टमी, राधाष्टमी, कालाष्टमी। D धनतेरस, धन त्रयोदशी, छोटी दीपावली, नरकचतुर्दशी, सायं यमदीप दान, रवि प्रदोषव्रत, मास शिवरात्रि, सायं दीपदान, कामेश्वरी जयन्ती, हनुमान जयन्ती (उत्तर भारत), रूपचौदस, माष पत्र भक्षण, यमतर्पण, महाकाली पूजा, अभ्यंग स्नान, सायन सूर्य वृश्चिक में 16:30, हेमन्त ऋतु प्रारम्भ। E बड़ी बग्वाल, प्रात: यमतर्पण, हनुमत्पूजा, लक्ष्मी कुबेरादि पूजन, सायं दीपदान, उल्का भ्रमण, पितृविसर्जन, गो त्रिरात्रि व्रत, केदारव्रत, कमला जयन्ती, आकाश दीपदान, दरिद्र निस्सारण, रात्रों में अक्षक्रीडा। F बलिपूजा, गो क्रीडा, भौमवती अमावस्या, आदिगुरु शंकराचार्य निर्वाण दिन, दयानन्दनिर्वाण दिन, श्रीमहावीर निर्वाण दिन(जैन)।

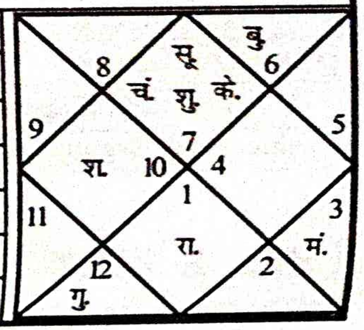
कार्तिक कृष्ण 08, मंगलवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 18.10.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	03	02	05	11	05	09	00	06
अं.	00	03	00	16	06	29	24	19	19
क.	27	57	27	02	47	13	20	59	59
वि.	17	11	07	05	19	32	15	02	02
गति	59	710	10	96	व06	75	व.00	व03	व03
	32	52	32	29	43	08	34	11	11



कार्तिक कृष्ण 30, मंगलवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 25.10.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	06	02	05	11	06	09	00	06
अं.	07	02	01	27	06	07	24	19	19
क.	25	16	19	46	03	59	19	36	36
वि.	08	34	49	03	53	47	12	46	46
गति	59	808	05	101	व05	75	00	व03	व03
	44	39	15	49	44	10	10	11	11



विक्रमसंवत् 2079 शाके 1944, कार्तिक शुक्ल पक्ष (दिनांक 26 अक्टूबर से 08 नवम्बर 2022 ई. तक)

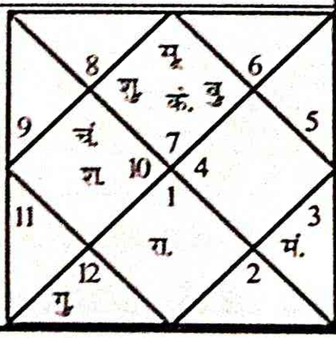
'राक्षस' संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिण-गोल, हेमन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4221, अयनांश 24/09/31

तिथि	वार	घ. प.	घं. मि	नक्षत्र	घ. प	घं. मि.	योग	घ.प	करण	घ. प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	दिनमान	स्टैं. अ	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	बुध	20 35	14 46	स्वाती	17 16	13 27	प्रीती	08 59	बव	20 35	06 33	17 37	27 42	05 00	वृश्चि30:32	10	अक्टू26	अन्नकूट, गोवर्धन पूजा, विश्वकर्मापूजा, A
2	गुरु	15 38	12 48	विशाखा	14 10	12 13	आयुष्मान / सौभाग्य	02 13 / 54 57	कौलव	15 38	06 33	17 37	27 38	04 54	वृश्चिक	11	27	भ्रातृद्वितीया,भैया दूज, यमपूजा,चन्द्रदर्शन B
3	शुक्र	10 05	10 36	अनुराधा	10 27	10 44	शोभन	47 43	गर	10 05	06 34	17 36	27 34	04 49	वृश्चिक	12	28	भद्रा 21:25 से, त्रिलोचनगौरीव्रत,वैनायकी C
4 / 5	शनि	04 12 / 58 10	08 15 / 29 51	ज्येष्ठा	06 23	09 07	अतिगण्ड	39 42	विष्टि	04 12	06 35	17 35	27 30	04 45	धनु09:07	13	29	भद्रा 08:15तक,लाभपंचमी,सौभाग्यपंचमी D
6	रवि	52 13	27 28	मूल / पू.षा.	02 11 / 58 02	07 27 / 29 48	सुकर्मा	31 45	कौलव	25 41	06 35	17 34	27 26	04 42	धनु	14	30	स्कन्दषष्ठी, सूर्यषष्ठीव्रत,प्रतिहारषष्ठीव्रत E
7	सोम	46 16	25 06	उ.षा.	53 53	28 09	धृति	23 57	गर	19 15	06 36	17 33	27 22	04 40	मकर11:24	15	31	भद्रा25:06से,एकतादिवस,प्रतिहारषष्ठी, F
8	मंगल	40 48	22 56	श्रवण	50 14	26 42	शूल	16 29	विष्टि	13 32	06 37	17 32	27 19	04 38	मकर	16	नव.01	भद्रा12:01तक, दुर्गाष्टमी, गोपाष्टमी G
9	बुध	35 54	20 59	धनिष्ठा	47 10	25 29	गण्ड	09 24	बालव	08 21	06 38	17 32	27 15	04 37	कुम्भ14:07	17	02	पञ्चक प्रारम्भ14:07,अक्षयनवमी, H
10	गुरु	31 40	19 18	शतभिषा	44 46	24 33	वृद्धि / ध्रुव	02 48 / 56 48	तैतिल	03 47	06 38	17 31	27 11	04 37	कुम्भ	18	03	मथुरा मेला कंस।
11	शुक्र	28 17	17 57	पू.भा.	43 14	23 57	व्याघात	50 47	वणिज	28 17	06 39	17 30	27 07	04 38	मीन18:06	19	04	भद्रा 06:37से17:57तक, हरिप्रबोधिनी I
12	शनि	25 44	16 57	उ.भा.	42 33	23 41	हर्षण	46 08	बालव	25 44	06 40	17 30	27 04	04 40	मीन	20	05	तुलसी विवाह, गरुड द्वादशी, J
13	रवि	24 13	16 21	रेवती	42 54	23 50	वज्र	42 19	तैतिल	24 13	06 41	17 29	27 00	04 43	मेष23:50	21	06	पंचक समाप्ति 23:50, वैकुण्ठचतुर्दशी।
14	सोम	23 42	16 10	अश्विनी	44 14	24 23	सिद्धि	39 19	वणिज	23 42	06 41	17 28	26 57	04 46	मेष	22	07	भद्रा 16:10 से 28:18तक, पूर्णिमाव्रत, K
15	मंगल	24 21	16 26	भरणी	46 42	25 23	व्यतीपात	37 13	बव	24 21	06 42	17 28	26 53	04 50	मेष	23	08	चन्द्रग्रहण,कार्तिकपूर्णिमा,गुरुनानकजयन्ती L

A आकाश दीपारम्भ, मंगलमालिका, द्यूतक्रीडा, अखण्डदीपारम्भ। B चित्रगुप्त पूजा, यमद्वितीया, यमुना स्नान, भगिनी गृह भोजन। C चतुर्थीव्रत, नागचतुर्थी, दुर्वागणपति व्रत। D ज्ञानपंचमी, त्रिदिवसीय सूर्यषष्ठीव्रतारम्भ। E स्वर्ण सूर्यार्घ्य, छठपूजा बिहार। F प्रात: सूर्यार्घ्य, व्रत पारणा, सरदार वल्लभभाई पटेल जयन्ती। G मेला गोचारण (मथुरा), कार्तवीर्योत्पत्ति, औली (जैन) प्रारम्भ। H कुष्माण्ड नवमी, अपिण्ड श्राद्ध नवमी, सतयुगादि, विष्णुत्रिरात्रिव्रतारम्भ, जगद्धात्रीपूजा, धात्री (आँवला) वृक्ष के नीचे भोजन, अयोध्या, मथुरा परिक्रमा। तुलसी विवाह I एकादशीव्रत (समस्त), देव-उठनी एकादशी, भीष्मपंचक प्रारम्भ, विष्णुत्रिरात्रिव्रत समाप्त। J शनिप्रदोषव्रत, चातुर्मास्य व्रत समाप्त, मन्वादि। K पाषाण चतुर्दशी, विश्वेश्वरप्रतिष्ठाव्रत, काशी विश्वनाथ प्रतिष्ठा दिवस, धात्रीपूजन, श्रीमहाविष्णु पूजा। L कार्तिकव्रतोद्यापन, सत्यनारायणव्रत, त्रिपुरोत्सव,तुलसी उद्यापन, पुष्कर मेला, भीष्मपंचकसमाप्ति, देव दीपावली, निम्बार्क जयन्ती, वैखानस दीप(द.भा.), चातुर्मास समाप्ति (सन्यासी), कार्तिक स्नान समाप्त, औली जैन समाप्त।

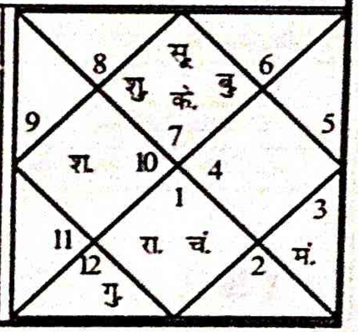
कार्तिक शुक्ल 08, मंगलवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 01.11.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	09	02	06	11	06	09	00	06
अं.	14	11	01	09	05	16	24	19	19
क.	24	23	32	33	27	46	23	14	14
वि.	38	50	45	57	58	25	11	30	30
गति	59	855	व.00	100	व04	75	00	व03	व03
	58	09	40	02	38	13	52	11	11



कार्तिक शुक्ल 15, मंगलवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 08.11.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	00	02	06	11	06	09	00	06
अं.	21	16	01	21	05	25	24	18	18
क.	25	34	03	02	00	33	32	52	52
वि.	43	30	01	51	42	21	09	14	14
गति	60	777	व.06	97	व03	75	01	व03	व03
	14	42	55	05	20	16	36	11	11



विक्रमसंवत् 2079, शाके 1944, मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष (दिनांक 09 नवम्बर से 23 नवम्बर 2022 ई. तक)

'राक्षस' संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिणगोल, हेमन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4235 अयनांश 24/09/33

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि	योग	घ.	प	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अ	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	बुध	26	10	17	10	कृत्तिका	50	20	26	51	वरीयान	36	02	कौलव	26	10	06	43	17	27	26	50	04	56	वृष07:45	24	नव.09	कार्तिकव्रतपारणा,उत्तराखण्ड राज्य A
2	गुरु	29	07	18	22	रोहिणी	55	01	28	44	परिघ	35	41	गर	29	07	06	44	17	26	26	46	05	02	वृष	25	10	
3	शुक्र	33	19	20	04	मृगशिरा	60	00	--	--	शिव	36	19	वणिज	01	13	06	44	17	26	26	43	05	08	मिथुन18:07	26	11	भद्रा 07:13से20:04तक,सौभाग्यसुन्दरीव्रत।
4	शनि	38	34	22	11	मृगशिरा	01	49	07	29	सिद्ध	37	41	बव	05	57	06	45	17	25	26	39	05	16	मिथुन	27	12	संकष्टहरचतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 20:22 बजे।
5	रवि	44	41	24	38	आर्द्रा	08	36	10	12	साध्य	39	43	कौलव	11	38	06	46	17	25	26	36	05	25	कर्क30:26	28	13	
6	सोम	51	19	27	18	पुनर्वसु	16	00	13	11	शुभ	42	05	गर	18	00	06	47	17	24	26	33	05	34	कर्क	29	14	भद्रा 27:18 से, बाल दिवस।
7	मंगल	57	53	29	57	पुष्य	23	34	16	13	शुभ	44	25	विष्टि	24	36	06	48	17	24	26	30	05	44	कर्क	30	15	भद्रा 16:37तक,सावित्रीकल्प।
8	बुध	60	00	--	--	आश्लेषा	30	46	19	07	शुक्ल	46	19	बालव	30	27	06	49	17	23	26	27	05	55	सिंह19:07	मार्ग01	16	सूर्य वृश्चिक में19:13,वृश्चिक संक्रान्ति B
8	गुरु	03	02	08	02	मघा	36	58	21	36	ब्रह्म	47	13	कौलव	03	02	06	49	17	23	26	23	06	07	सिंह	02	17	
9	शुक्र	07	05	09	40	पू.फा.	41	42	23	31	ऐन्द्र	46	51	गर	07	05	06	50	17	23	26	20	06	20	कन्या29:48	03	18	भद्रा 22:08 से।
10	शनि	09	26	10	37	उ.फा.	44	36	24	41	वैधृति	44	57	विष्टि	09	26	06	51	17	22	26	17	06	33	कन्या	04	19	भद्रा 10:37 तक।
11	रवि	09	49	10	47	हस्त	45	31	25	04	विष्कुम्भ	41	26	बालव	09	49	06	52	17	22	26	15	06	47	कन्या	05	20	उत्पन्ना एकादशी व्रत (समस्त),C
12	सोम	08	15	10	10	चित्रा	44	29	24	40	प्रीति	36	20	तैतिल	08	15	06	53	17	21	26	12	07	02	तुला12:52	06	21	सोमप्रदोष व्रत।
13 14	मंगल	04 59	54 57	08 30	51 53	स्वाती	41	45	23	35	आयुष्मान	29	52	वणिज	04	54	06	53	17	21	26	09	07	18	तुला	07	22	भद्रा08:51से19:52तक, मासशिवरात्रि D
30	बुध	53	50	28	26	विशाखा	37	32	21	55	सौभाग्य	22	13	चतुष्पद	26	53	06	54	17	21	26	06	07	34	वृश्चि16:20	08	23	मार्गशीर्ष अमावस्या, कार्तिकपूजा(बंगाल)।

A स्थापना दिवस। B पुण्यकाल मध्याह्न से सूर्यास्त तक, कालाष्टमी, कालभैरवाष्टमी, भैरवजयन्ती, रुक्मिणीअष्टमीव्रत, रुक्मिणी जयन्ती। C मोक्षदा एकादशी। D सायन सूर्य धनु में 14:09।

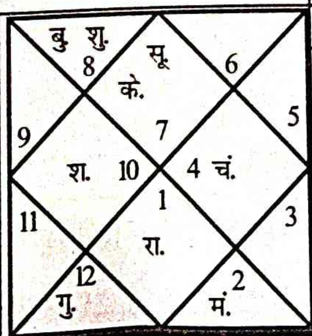
नवान्नभक्षणम् – वृश्चिके पूर्वभागे तु नावन्नं शस्यते बुधैः अपरे क्रियमाणे तु धनुष्येव कृतं भवेत्।। धनुषि यत्कृतं श्राद्धं मृगनेत्रासु रात्रिषु। पितरस्तन्न गृह्णन्ति नवान्नामृतकांक्षिणः।।

कालभैरवपूजने विशेषः – कृत्वा च विविधां पूजां महासम्भार- विस्तरैः। नरो मार्गासिताष्टम्यां वार्षिकं विघ्नमुत्सृजेत्। तीर्थे कालोदके स्नात्वा कृत्वा तर्पणमत्वरः। विलोक्य कालराजानं निरयादुद्धरेत्पितॄन्।

रविवासरे त्याज्यवस्तूनि–क्षौरं तैलं जलं चोष्णमामिषं निशि भोजनम्। रतिः स्नानं च मध्याह्ने रवौ सप्त विवर्जयेत्।।

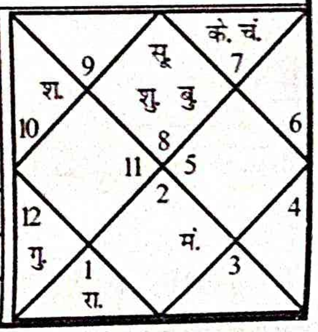
मार्गशीर्ष कृष्ण 08, बुधवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 16.11.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	03	01	07	11	07	09	00	06
अं.	29	23	29	03	04	05	24	18	18
क.	28	54	36	47	41	35	48	26	26
वि.	41	14	33	28	13	47	26	47	47
गति	60	712	व.13	94	व01	75	02	व03	व03
	25	58	43	25	44	15	22	11	11



मार्गशीर्ष कृष्ण 30, बुधवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 23.11.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	06	01	07	11	07	09	00	06
अं.	06	24	27	14	04	14	25	18	18
क.	32	33	39	43	34	23	07	04	04
वि.	42	03	19	02	53	05	45	31	31
गति	60	842	व.18	93	व00	75	03	व03	व03
	37	05	49	02	17	18	01	11	11



विक्रमसंवत् 2079, शाके 1944, मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष (दिनांक 24 नवम्बर से 08 दिसम्बर 2022 ई. तक)

'राक्षस' संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिणगोल, हेमन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4250, अयनांश 24/09/35

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.अ		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
01	गुरु	47	43	26	00	अनुराधा	32	18	19	50	अति.	13	42	किंस्तुघ्न	20	46	06	55	17	21	26	04	07	52	वृश्चिक	09	नव.24	रुद्रव्रत, रम्भाव्रत।
02	शुक्र	39	40	22	47	ज्येष्ठा	26	23	17	29	सुकर्मा धृति	04 55	35 12	बालव	13	41	06	56	17	20	26	01	08	09	धनु17:29	10	25	चन्द्रदर्शन।
03	शनि	31	30	19	32	मूल	20	14	15	02	शूल	45	52	तैतिल	05	35	06	57	17	20	25	59	08	28	धनु	11	26	भद्रा 29:58से।
04	रवि	23	40	16	25	पू.षा.	14	14	12	39	गण्ड	36	23	विष्टि	23	40	06	57	17	20	25	56	08	47	मकर18:07	12	27	भद्रा16:25तक, वैनायकीचतुर्थी व्रत।
05	सोम	16	26	13	32	उ.षा.	08	45	10	28	वृद्धि	27	32	बालव	16	26	06	58	17	20	25	54	09	07	मकर	13	28	श्रीरामविवाहोत्सव, विवाह पंचमी A
06	मंगल	10	05	11	01	श्रवण	04	03	08	36	ध्रुव	19	27	तैतिल	10	05	06	59	17	20	25	52	09	28	कुम्भ19:52	14	29	पंचकप्रारम्भ 19:52 से, स्कन्दषष्ठी B
07	बुध	04	47	08	55	धनिष्ठा शतभि.	00 57	23 55	07 30	09 10	व्याघात	12	19	वणिज	04	47	07	00	17	20	25	49	09	49	कुम्भ	15	30	भद्रा08:55से20:06तक,नन्दासप्तमी,मित्रसप्तमी
08 09	गुरु	00 58	44 00	07 30	18 13	पू.भा.	55	24	29	10	हर्षण	06	10	बव	00	44	07	01	17	20	25	47	10	11	मीन23:25	16	दिसं.01	दुर्गाष्टमी,कल्पादिनवमी,महानवमी, C
10	शुक्र	55	12	29	06	उ.भा.	55	32	29	14	वज्र सिद्धि	01 57	03 00	तैतिल	26	36	07	01	17	20	25	45	10	34	मीन	17	02	
11	शनि	55	09	29	05	रेवती	56	55	29	48	व्यतिपात	52	52	वणिज	25	10	07	02	17	20	25	43	10	57	मेष29:48	18	03	भद्रा 17:05 से 29:05 तक, मोक्षदा D
12	रवि	56	14	29	32	अश्विनी	59	26	30	49	वरीयान	50	46	बव	25	41	07	03	17	20	25	42	11	20	मेष	19	04	मोक्षदा एकादशीव्रत (वैष्णव), E
13	सोम	58	26	30	26	अश्विनी	00	31	07	16	परिघ	49	32	कौलव	27	20	07	04	17	20	25	40	11	44	मेष	20	05	प्रदोषव्रत, अनंग त्रयोदशी।
14	मंगल	60	00	--	--	भरणी	03	59	08	40	शिव	48	59	गर	30	27	07	04	17	20	25	38	12	09	वृष15:06	21	06	पिशाचमोचन श्राद्ध।
14	बुध	02	28	08	04	कृत्तिका	08	22	10	26	सिद्ध	49	05	वणिज	02	28	07	05	17	20	25	37	12	34	वृष	22	07	भद्रा 08:04 से 20:51 तक,पूर्णिमाव्रत, F
15	गुरु	06	23	09	39	रोहिणी	13	35	12	32	साध्य	49	46	बव	06	23	07	06	17	20	25	35	12	59	मिथुन25:43	23	08	मार्गशीर्ष पूर्णिमा, सत्यनारायणव्रत, G

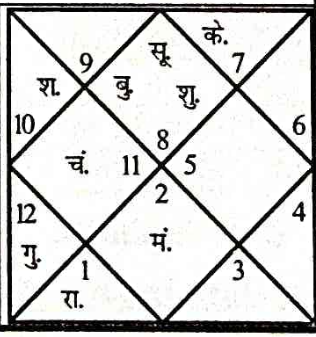
A नागपंचमी, नाग पूजा, बाबू वैजनाथ जयन्ती, रामदास जयन्ती, स्वामी हरिदास जयन्ती, श्री गुरुतेगबहादुर जी शहीदी दिवस। B संहारषष्ठी, मल्लारषष्ठी, चम्पाषष्ठी(महाराष्ट्र), सुब्रह्मण्यमषष्ठी(द.भारत), गुह षष्ठी। C महानन्दा नवमी। D एकादशीव्रत (स्मार्त) गीताजयन्ती, मौन एकादशी (जैन), धरणी व्रत, पंचक समाप्ति 29:48। E अखण्डद्वादशी, मत्स्यद्वादशी। F दत्तात्रेय उत्पत्ति, दत्त जयन्ती। G काशी पीशाचमोचनयात्रा, स्नानदानादि पूर्णिमा, त्रिपुरभैरवी जयन्ती।

अथसौरव्रतम्-मार्गे मासि तथा माघे वैशाखाषाढयोरपि। शुक्लपक्षे व्रतं कुर्यात्सम्यग्देवस्य भास्वत:।।

नवान्नफलभक्षणम् - हरियुगलेऽदितियुगले पूषायुगले विरंचियुगले च। करपंचकोत्तरेषु च नवान्नफलभक्षणं शस्तम्।।

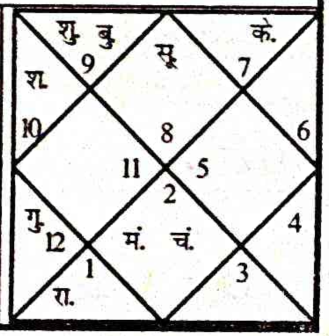
मार्गशीर्ष शुक्ल 08, गुरुवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 01.12.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	10	01	07	11	07	09	00	06
अं.	14	20	24	27	04	24	25	17	17
क.	38	29	50	01	40	25	35	39	39
वि.	43	12	38	59	07	23	23	03	03
गति	60	834	व.22	91	01	75	03	व03	व03
	49	42	28	48	21	20	46	11	11



मार्गशीर्ष शुक्ल 15, गुरुवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 08.12.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	01	01	08	11	08	09	00	0
अं.	21	20	22	07	04	03	26	17	व03
क.	45	33	09	38	55	13	04	16	11
वि.	00	00	13	00	31	08	02	47	17
गति	60	737	व.23	89	02	75	04	व03	16
	54	05	06	43	50	15	20	11	47



विक्रमसंवत् 2079, शाके 1944, पौष कृष्ण पक्ष (दिनांक न 09 दिसम्बर से 23 दिसम्बर 2022 ई. तक)

'राक्षस' संवत्सर, दक्षिण/उत्तरायण, दक्षिणगोल, हेमन्त/शिशिर-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4265, अयनांश 24/09/37

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प	घं.	मि	योग	घ.	प	करण	घ.	प	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अ	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शुक्र	11	06	11	33	मृगशिरा	19	33	14	56	शुभ	51	00	कौलव	11	06	07	07	17	20	25	34	13	25	मिथुन	24	दिसं.09	
2	शनि	16	32	13	44	आर्द्रा	26	11	17	35	शुक्ल	52	43	गर	16	32	07	07	17	20	25	33	13	52	मिथुन	25	10	भद्रा 26:56से,मानवाधिकार दिवस।
3	रवि	22	33	16	09	पुनर्वसु	33	21	20	28	ब्रह्म	54	49	विष्टि	22	33	07	08	17	21	25	31	14	18	कर्क13:45	26	11	भद्रा 16:09 तक, संकष्टहरचतुर्थी व्रत A
4	सोम	29	04	18	46	पुष्य	40	59	23	32	ऐन्द्र	57	14	बालव	29	04	07	09	17	21	25	30	14	45	कर्क	27	12	
5	मंगल	35	36	21	23	आश्लेषा	48	35	26	35	वैधृति	59	31	कौलव	02	20	07	09	17	21	25	29	15	13	सिंह26:35	28	13	
6	बुध	41	47	23	52	मघा	55	48	29	29	विष्कुम्भ	60	00	गर	08	41	07	10	17	21	25	29	15	40	सिंह	29	14	भद्रा 23:52 से।
7	गुरु	47	02	25	59	पू.फा.	60	00	--	--	विष्कुम्भ	00	53	विष्टि	14	25	07	10	17	22	25	28	16	08	सिंह	30	15	भद्रा 12555 तक,भानुसप्तमी,व्यष्टका श्राद्ध।
8	शुक्र	50	52	27	31	पू.फा.	01	06	07	37	प्रीति	01	32	बालव	18	57	07	11	17	22	25	27	16	36	कन्या14:04	पौ.01	16	सूर्य मूल व धनु में 09:53,धनुसंक्रान्ति, B
9	शनि	52	48	28	19	उ.फा.	05	27	09	22	आयुष्मान	01	00	तैतिल	21	50	07	12	17	22	25	27	17	05	कन्या	02	17	अन्वष्टकाश्राद्ध।
10	रवि	52	31	28	12	हस्त	07	56	10	22	सौभाग्य	58	58	वणिज	22	39	07	12	17	23	25	26	17	33	तुला22:28	03	18	भद्रा16:15से28:12तक, गुरुघासीदास जयन्ती
11	सोम	49	58	27	12	चित्रा	08	24	10	34	शोभन	51	46	बव	21	14	07	13	17	23	25	26	18	02	तुला	04	19	सफला एकादशी व्रत(स्मार्त)।
12	मंगल	45	19	25	21	स्वाती	06	50	09	57	अतिगण्ड	44	50	कौलव	17	39	07	13	17	24	25	26	18	31	वृश्चि26:55	05	20	सफला एकादशीव्रत(वैष्णव),सुरूपा द्वादशी।
13	बुध	38	46	22	44	विशाखा अनुराधा	03 58	22 15	08 30	34 32	सुकर्मा	36	22	गर	12	03	07	14	17	24	25	25	19	00	वृश्चिक	06	21	भद्रा 22:44से, प्रदोष व्रत, सायन सूर्य C
14	गुरु	30	45	19	32	ज्येष्ठा	52	02	28	03	धृति	26	45	विष्टि	04	45	07	14	17	25	25	25	19	29	धनु28:03	07	22	भद्रा 09:08 तक।
30	शुक्र	21	46	15	57	मूल	45	45	25	33	शूल	16	22	नाग	21	46	07	15	17	25	25	25	19	58	धनु	08	23	पौषी अमावस्या, बकुला अमावस्या, D

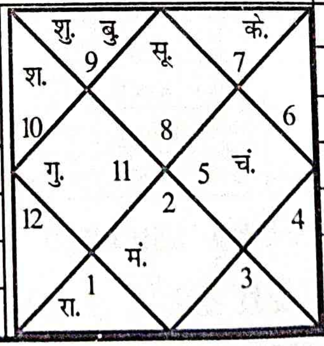
A चन्द्रोदय 20:02 बजे। B पुण्यकाल 09:53से16:17तक, कालाष्टमीव्रत, अष्टकाश्राद्ध, शिवशक्ति पूजनोत्सव, विजय दिवस। C मकर में 27:32, उत्तरायण प्रारम्भ, शिशिरऋतु प्रारम्भ,मासशिवरात्रिव्रत। Dकिसान दिवस।

दशतारकविचार -पौषे मूलभरण्यन्तं चन्द्रचारेण वर्षति। आर्द्रादितो विशाखान्तं सूर्यचारेण वर्षति। एवं चैत्रे तथा ज्येष्ठे शुक्लपक्षे प्रयत्नतः। आर्द्रादिदशताराणां ज्ञात्वा गर्भं वदेत्फलम्॥

मेघगर्भपुष्टिविचार:-वाताभ्रगर्जत्तडितोदकानि हिमप्रपातः करकावघातः।अकालसन्ध्या परिवेषणश्च नवप्रकारैः प्रभवन्ति गर्भाः॥

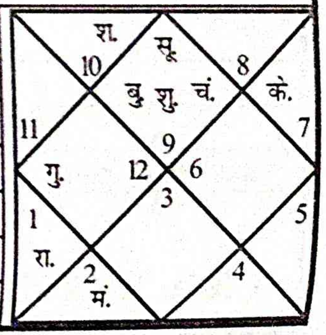
पौष कृष्ण 08, शुक्रवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 16.12.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	04	01	08	11	08	09	00	06
अं.	29	26	19	19	05	13	26	16	16
क.	53	26	11	03	25	15	41	51	51
वि.	08	28	47	10	00	47	33	20	20
गति	61	729	व.21	80	04	75	04	व03	व03
	03	25	04	46	21	17	58	11	11



पौष कृष्ण 30, शुक्रवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 23.12.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	08	01	08	11	08	09	00	06
अं.	07	01	17	27	06	22	27	16	16
क.	00	58	00	03	00	02	18	29	29
वि.	51	47	17	25	45	53	06	05	05
गति	61	893	व.16	56	05	75	05	व03	व03
	07	10	57	19	37	15	24	11	11



विक्रमसंवत् 2079 शाके 1944, पौष शुक्लपक्ष (दिनांक 24 दिसम्बर 2022 से 06 जनवरी 2023 ई.तक)

'राक्षस' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4280, अयनांश 24/09/39

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प	घं.	मि	योग	घ.	प	करण	घ.	प	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अ	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शनि	12	20	12	11	पू.षा.	37	48	22	22	वृद्धि ध्रुव	05 54	35 51	बव	12	20	07	15	17	26	25	26	20	27	मकर27:37	09	दिस24	चन्द्रदर्शन, राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस।
2 3	रवि	02 54	59 07	08 28	27 55	उ.षा.	30	12	19	20	व्याघात	44	08	कौलव	02	59	07	16	17	26	25	26	20	56	मकर	10	25	तुलसी पूजन दिवस,पं.अटलविहारी A
4	सोम	45	14	25	21	श्रवण	23	22	16	36	हर्षण	34	02	वणिज	19	40	07	16	17	27	25	26	21	25	कुम्भ27:29	11	26	भद्रा15:08से25:21तक, पंचकप्रारम्भ B
5	मंगल	38	09	22	32	धनिष्ठा	17	40	14	20	वज्र	25	01	बव	11	42	07	16	17	27	25	27	21	54	कुम्भ	12	27	
6	बुध	32	44	20	22	शतभिषा	13	24	12	38	सिद्धि	17	16	कौलव	05	27	07	17	17	28	25	27	22	22	मीन29:52	13	28	अन्नरूपाषष्ठी
7	गुरु	29	11	18	57	पू.भा.	10	51	11	37	व्यतीपात	10	55	गर	00	57	07	17	17	29	25	28	22	51	मीन	14	29	भद्रा 18:57 से 30:37तक, भानुसप्तमी, C
8	शुक्र	27	29	18	17	उ.भा.	10	04	11	19	वरीयान	06	01	बव	27	29	07	17	17	29	25	29	23	19	मीन	15	30	महाभद्राष्टमी, दुर्गाष्टमी।
9	शनि	27	29	18	17	रेवती	10	59	11	41	परिघ	02	28	कौलव	27	29	07	18	17	30	25	30	23	48	मेष11:41	16	31	पंचकसमाप्ति 11:41।
10	रवि	29	13	18	59	अश्विनी	13	35	12	44	शिव सिद्ध	00 59	15 11	गर	29	13	07	18	17	30	25	31	24	16	मेष	17	जन.01	साम्वदशमी,सूर्यपूजा,अंग्रेजीनववर्ष2023प्रारम्भ
11	सोम	32	19	20	13	भरणी	17	34	14	20	साध्य	59	01	वणिज	00	46	07	18	17	31	25	32	24	43	वृष20:51	18	02	भद्रा 07:36 से 20:13 तक, पुत्रदा D
12	मंगल	36	28	21	54	कृत्तिका	22	40	16	22	शुभ	59	35	बव	04	23	07	18	17	32	25	33	25	11	वृष	19	03	कूर्मद्वादशी।
13	बुध	41	28	23	54	रोहिणी	28	36	18	45	शुक्ल	60	00	कौलव	08	58	07	19	17	33	25	34	25	38	वृष	20	04	प्रदोष व्रत
14	गुरु	47	03	26	08	मृगसिरा	35	09	21	22	शुक्ल	00	39	गर	14	16	07	19	17	33	25	36	26	05	मिथुन08:03	21	05	भद्रा26:08से,गुरुगोविन्दसिंहजयन्ती(नवीनमत)
15	शुक्र	53	03	28	32	आर्द्रा	42	07	24	10	ब्रह्म	02	09	विष्टि	20	03	07	19	17	34	25	37	26	31	मिथुन	22	06	भद्रा 15:20तक, पूर्णिमाव्रत,पौषी पूर्णिमाE

A वाजपेयीजयन्ती,पं मदनमोहन मालवीय जयन्ती, पं. दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती, क्रिसमस डे(ईसाई), ईसामसीह जयन्ती। B 27:29, वैनायकीचतुर्थी व्रत, शहीद ऊधमसिंह जयन्ती। C गुरुगोविन्दसिंह जयन्ती(प्राचीनमत)। B 08:48बजे, विश्व हास्य दिवस। C (उड़ीसा), स्वामी विवेकानन्द जयन्ती, युवा दिवस। D एकादशी व्रत (समस्त), रैवत मन्वादि। E माघ स्नान आरम्भ, श्रीसत्यनारायण व्रत, तूल परीक्षा, वायु परीक्षा, दशाश्वमेध गंगा स्नान, शाकम्भरी जयन्ती।

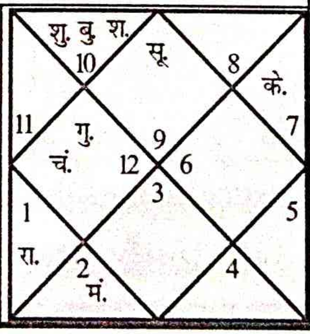
पूर्णिमातः माघस्नानारम्भे मन्त्रः -दुःखदारिद्र्यनाशाय श्रीविष्णोस्तोषणाय च। प्रातः स्नानं करोम्यद्य माघे पापविनाशिने।

माघे विष्णुपूजा - पौष्यां तु समतीतायां यावद्भवति पौर्णिमा। माघमासस्य तावद्धि पूजा विष्णोर्विधीयते।।

माघे अर्घ्यदानमन्त्रः -सवित्रे प्रसवित्रे च परं धाम जले मम। त्वत्तेजसा परिभ्रष्टं पापं यातु सहस्रधा।

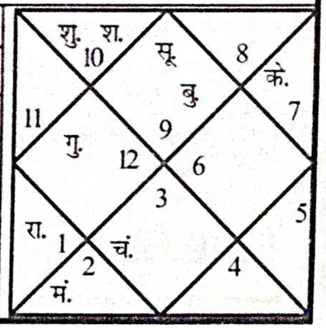
पौष शुक्ल 08, शुक्रवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 30.12.2022

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	11	01	09	11	09	09	00	06
अं.	14	14	15	00	06	00	27	16	16
क.	08	22	22	08	45	49	57	06	06
वि.	51	59	27	34	07	37	51	49	49
गति	61	816	व.11	व.01	06	75	05	व03	व03
	07	07	40	26	50	10	50	11	11



पौष शुक्ल 15, शुक्रवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 06.01.2023

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	02	01	08	11	09	09	00	06
अं.	21	11	14	24	07	09	28	15	15
क.	17	34	23	43	37	35	40	44	44
वि.	00	52	33	14	32	51	19	33	33
गति	61	719	व.05	व.74	07	75	06	व03	व03
	10	25	59	48	57	08	12	11	11



विक्रमसंवत् 2079, शाके 1944, माघ कृष्ण पक्ष (दिनांक 07 जनवरी से 21 जनवरी 2023 ई. तक)

'राक्षस' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4294, अयनांश 24/09/41

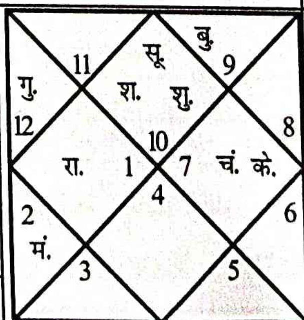
तिथि	वार	घ.	प	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि	योग	घ.	प	करण	घ.	प	सूर्योदय	सूर्यास्त	दिनमान	स्टैं. अ	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शनि	59	14	31	00	पुनर्वसु	49	19	27	02	ऐन्द्र	03	54	बालव	26	09	07 19	17 35	25 39	26 57	कर्क20:19	23	जन.07	माघ में मूली भक्षण निषेध।
2	रवि	60	00	--	--	पुष्य	56	44	30	01	वैधृति	05	52	तैतिल	32	32	07 19	17 36	25 40	27 23	कर्क	24	08	
2	सोम	05	50	09	39	आश्लेषा	60	00	--	--	विष्कुम्भ	07	56	गर	05	50	07 19	17 36	25 42	27 48	कर्क	25	09	भद्रा 22:54से।
3	मंगल	12	07	12	10	आश्लेषा	04	13	09	00	प्रीति	09	57	विष्टि	12	07	07 19	17 37	25 44	28 13	सिंह09:00	26	10	भद्रा12:10तक, श्री गणेशसंकष्टहरA
4	बुध	18	09	14	35	मघा	11	20	11	51	आयुष्मान	11	46	बालव	18	09	07 19	17 38	25 46	28 37	सिंह	27	11	
5	गुरु	23	33	16	44	पू.फा.	17	54	14	29	सौभाग्य	13	08	तैतिल	23	33	07 19	17 39	25 48	29 01	कन्या21:03	28	12	स्वामी विवेकानन्द जयन्ती, युवदिवस।
6	शुक्र	27	57	18	30	उ.फा.	23	32	16	44	शोभन	13	44	वणिज	27	57	07 19	17 40	25 50	29 24	कन्या	29	13	भद्रा 18:30से31:04तक, लोहड़ी (पंजाब)
7	शनि	30	50	19	39	हस्त	27	47	18	26	अतिगण्ड	13	16	बव	30	50	07 19	17 40	25 52	29 47	तुला30:57	माघ01	14	सूर्य मकर में 20:36, मकर संक्रान्ति B
8	रवि	31	56	20	05	चित्रा	30	22	19	28	सुकर्मा	11	29	बालव	01	23	07 19	17 41	25 55	30 09	तुला	02	15	मकरसंक्रान्ति पुण्यकाल सूर्योदय से C
9	सोम	30	57	19	41	स्वाती	30	57	19	42	धृति	08	09	तैतिल	01	26	07 19	17 42	25 57	30 30	तुला	03	16	भद्रा 31:03 से, अन्वष्टकाश्राद्ध।
10	मंगल	27	47	18	25	विशाखा	29	26	19	05	शूल गण्ड	03 56	12 37	विष्टि	27	47	07 19	17 43	25 59	30 51	वृश्चि13:14	04	17	भद्रा 18:25 तक।
11	बुध	22	31	16	19	अनुराधा	25	52	17	39	वृद्धि	50	11	बालव	22	31	07 19	17 44	26 02	31 12	वृश्चिक	05	18	षट्तिला एकादशीव्रत(समस्त)
12	गुरु	15	25	13	28	ज्येष्ठा	20	28	15	29	ध्रुव	40	25	तैतिल	15	25	07 19	17 45	26 05	31 31	धनु15:29	06	19	तिलद्वादशी, प्रदोषव्रत।
13 14	शुक्र	06 57	55 35	10 30	04 20	मूल	13	40	12	46	व्याघात	29	38	वणिज	06	55	07 18	17 45	26 07	31 50	धनु	07	20	भद्रा 10:04 से20:12तक, मासशिवरात्रि D
30	शनि	48	23	26	39	पू.षा. उ.षा.	06 58	02 02	09 30	42 31	हर्षण	18	23	चतुष्पद	22	59	07 18	17 46	26 10	32 08	मकर14:55	08	21	मौनी अमावस्या,माघी अमावस्या, E

A चतुर्थी व्रत, संकट चौथ, चन्द्रोदय 20:42, चन्द्रार्घ्यदान, गणेशोत्पत्ति, विश्व हास्य दिवस। B व्यष्टका श्राद्ध, कालाष्टमी व्रत, सौरमाघ मासारम्भ। C मध्याह्न तक, अष्टकाश्राद्ध, खिचड़ी संक्रान्ति, पोंगल (दक्षिण भारत), भोगी बिहु (असम), उत्तरैणी कौथिक(उत्तराखण्ड), बागेश्वर मेला। D व्रत, सायन सूर्य कुम्भ में 13:14। E शनैश्चरी अमावस्या, त्रिवेणी गंगा स्नान, थई अमावस्या (दक्षिण भारत), द्वापरयुगादि।

माघकृष्णगणेशपूजनम् – खर्वं स्थूलतनुं गजेन्द्रवदनं लम्बोदरं सुन्दरं प्रस्यन्दन्मदगन्धलुब्धमधुपव्यालोलगण्डस्थलम्।
दन्ताघातविदारितारिरुधिरैः सिन्दूरशोभाकरं वन्दे शैलसुतासुतं गणपतिं सिद्धिप्रदं कामदम्॥

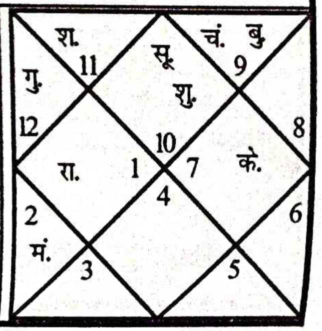
माघ कृष्ण 07, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 15.01.2023

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	09	06	01	08	11	09	09	00	06
अं.	00	00	14	14	08	20	29	15	15
क.	27	15	06	42	55	51	38	15	15
वि.	16	46	23	44	38	21	22	56	56
गति	61	758	01	व.37	09	74	06	व03	व03
	09	53	10	43	15	59	37	11	11



माघ कृष्ण 30, शनिवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 21.01.2023

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	09	08	01	08	11	09	10	00	06
अं.	06	25	14	14	09	28	00	14	14
क.	33	08	29	14	53	20	18	56	56
वि.	45	20	15	25	46	44	48	52	52
गति	61	910	05	15	10	74	06	व03	व03
	05	50	32	55	00	52	50	11	11



विक्रमसंवत् 2079, शाके 1944, माघ शुक्ल पक्ष (दिनांक 22जनवरी से 05 फरवरी 2023 ई. तक)

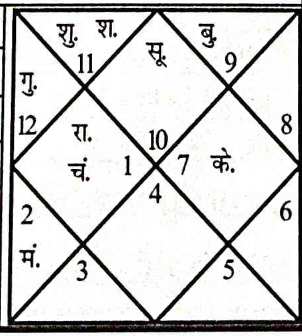
'राक्षस' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4309, अयनांश 24/09/43

तिथि	वार	घ.	प	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि	योग	घ.	प	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अ	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	रवि	37	58	22	29	श्रवण	50	15	27	24	वज्र सिद्धि	07 56	01 00	किंस्तुघ्न	13	11	07	18	17	47	26	13	32	26	मकर	09	जन.22	शिशिर गुप्तनवरात्रारम्भ,घटस्थापन।
2	सोम	28	21	18	38	धनिष्ठा	42	24	24	15	व्यतीपात	44	54	बालव	03	10	07	17	17	48	26	16	32	43	कुम्भ13:49	10	23	चन्द्रदर्शन, पंचकप्रारम्भ 13:49, नेताजी A
3	मंगल	19	54	15	14	शतभिषा	35	58	21	40	वरीयान	35	08	गर	19	54	07	17	17	49	26	19	32	59	कुम्भ	11	24	भद्रा 25:51से,गौरीतृतीया व्रत, गुडलवण B
4	बुध	12	59	12	28	पू.भा.	31	14	19	46	परिघ	26	49	विष्टि	12	59	07	17	17	50	26	22	33	14	मीन14:15	12	25	भद्रा 12:28 तक, वैनायकी चतुर्थीव्रत, C
5	गुरु	07	51	10	25	उ.भा.	28	24	18	38	शिव	20	03	बालव	07	51	07	16	17	51	26	25	33	29	मीन	13	26	भारतीय गणतन्त्र दिवस, वसन्तपंचमी, D
6	शुक्र	04	42	09	08	रेवती	27	36	18	18	सिद्ध	14	54	तैतिल	04	42	07	16	17	51	26	28	33	42	मेष18:18	14	27	पंचकसमाप्ति18:18, शीतलाषष्ठी।
7	शनि	03	37	08	42	अश्विनी	28	51	18	48	साध्य	11	23	वणिज	03	37	07	16	17	52	26	31	33	55	मेष	15	28	भद्रा08:42से20:53तक,रथ सप्तमी,अचला E
8	रवि	04	34	09	04	भरणी	32	02	20	04	शुभ	09	24	बव	04	34	07	15	17	53	26	34	34	08	वृष26:33	16	29	भीमाष्टमी,दुर्गाष्टमी,भीष्माष्टमी।
9	सोम	07	18	10	10	कृत्तिका	36	50	21	58	शुक्ल	08	46	कौलव	07	18	07	15	17	54	26	38	34	19	वृष	17	30	महानन्दा नवमी, गुप्तनवरात्रि समाप्त F
10	मंगल	11	35	11	52	रोहिणी	42	57	24	25	ब्रह्म	09	16	गर	11	35	07	14	17	55	26	41	34	30	वृष	18	31	भद्रा 24:56 से।
11	बुध	16	57	14	00	मृगशिरा	49	56	27	12	ऐन्द्र	10	34	विष्टि	16	57	07	14	17	56	26	44	34	40	मिथुन13:48	19	फर.01	भद्रा14:00तक,जया एकादशीव्रत(समस्त)G
12	गुरु	23	02	16	26	आर्द्रा	57	28	30	12	वैधृति	12	26	बालव	23	02	07	13	17	56	26	48	34	49	मिथुन	20	02	भीमद्वादशी, वराहद्वादशी सन्तान द्वादशी H
13	शुक्र	29	24	18	58	पुनर्वसु	60	00	--	--	विष्कुम्भ	14	30	तैतिल	29	24	07	13	17	57	26	51	34	57	कर्क26:31	21	03	कल्पादि त्रयोदशी, प्रदोष व्रत I
14	शनि	35	50	21	32	पुनर्वसु	05	12	09	17	प्रीति	16	40	गर	02	37	07	12	17	58	26	55	35	04	कर्क	22	04	भद्रा 21:32 से।
15	रवि	42	07	24	02	पुष्य	12	35	12	13	आयुष्मान	18	45	विष्टि	08	58	07	11	17	59	26	58	35	11	कर्क	23	05	भद्रा 10:47 तक, पूर्णिमाव्रत,माघीपूर्णिमा J

A सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती। B दान, सोपपदम्, तिल चतुर्थी, कुन्द चतुर्थी। C गौरी चतुर्थी। D सरस्वती पूजन, श्रीपंचमी, मदनपंचमी, वागीश्वरी जयन्ती, लेखनी पूजा(बंगाल), तक्षकपूजा, स्कन्दषष्ठी। E सप्तमी, सूर्यजयन्ती, आरोग्य सप्तमी, अभोज्यार्कव्रत, मन्वादि। F नन्दिनीदेवी पूजा, महात्मागांधी शहीदी दिवस। G भैमी एकादशी, भक्तपुण्डरीक उत्सव। H भीष्मद्वादशी, भीष्मतर्पण, आमलकी द्वादशी। I मरु महोत्सव प्रारम्भ (जैसलमेर), मेला कैलाशआश्रम(ऋषिकेश)। J माघ स्नान समाप्ति, श्रीसत्यनारायण व्रत, गुरु रविदास जयन्ती, कम्बलदान, थईपूषम् (दक्षिण भारत), मरु महोत्सव समाप्त (जैसलमेर), हजरतअलीजयन्ती (मुस्लिम)।

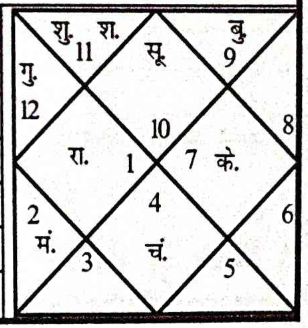
माघ शुक्ल 08, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 29.01.2023

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	09	00	01	08	11	10	10	00	06
अं.	14	19	15	19	11	08	01	14	14
क.	41	47	37	45	17	18	14	31	31
वि.	44	33	33	31	58	32	25	26	26
गति	60	772	10	56	10	74	07	व03	व03
	58	24	43	09	55	40	04	11	11



माघ शुक्ल 15, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 05.02.2023

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	09	03	01	08	11	10	10	00	06
अं.	21	14	17	27	12	16	02	14	14
क.	47	10	08	30	37	59	04	09	09
वि.	52	23	08	08	16	58	12	11	11
गति	60	712	14	72	11	74	07	व03	व03
	51	34	33	27	37	25	10	11	11



विक्रमसंवत् 2079, शाके 1944, फाल्गुन कृष्ण पक्ष (दिनांक 06 फरवरी से 20 फरवरी 2023 ई. तक)

'राक्षस' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर/वसन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4324, अयनांश 24/09/45

तिथि	वार	घ.	प	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प	घं.	मि	योग	घ.	प	करण	घ.	प	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अ	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	सोम	48	04	26	24	आश्ले	19	44	15	04	सौभाग्य	20	37	बालव	15	05	07	11	18	00	27	02	35	17	सिंह15:04	24	फर.06	
2	मंगल	53	35	28	36	मघा	26	32	17	47	शोभन	22	11	तैतिल	20	50	07	10	18	01	27	06	35	22	सिंह	25	07	
3	बुध	58	37	30	36	पू.फा.	32	53	20	18	अतिगण्ड	23	25	वणिज	26	06	07	09	18	01	27	09	35	26	कन्या26:53	26	08	भद्रा 17:36 से 30:36 तक।
4	गुरु	60	00	--	--	उ.फा.	38	37	22	35	सुकर्मा	24	09	बव	30	23	07	09	18	02	27	13	35	29	कन्या	27	09	श्रीगणेश संकष्टहरचतुर्थीव्रत,चन्द्रोदय21:19
4	शुक्र	02	10	08	00	हस्त	43	27	24	31	धृति	24	12	बालव	02	10	07	08	18	03	27	17	35	32	कन्या	28	10	
5	शनि	05	11	09	12	चित्रा	47	12	26	00	शूल	23	23	तैतिल	05	11	07	07	18	04	27	21	35	33	तुला13:15	29	11	
6	रवि	06	51	09	51	स्वाती	49	30	26	54	गण्ड	21	29	वणिज	06	51	07	07	18	05	27	25	35	34	तुला	30	12	भद्रा 09:51 से 21:51 तक,भानु सप्तमी A
7	सोम	06	56	09	52	विशाखा	50	05	27	07	वृद्धि	18	17	बव	06	56	07	06	18	05	27	29	35	34	वृश्चि21:05	फा01	13	सूर्य कुम्भ में 0935, कुम्भ संक्रान्ति B
8	मंगल	05	14	09	10	अनुराधा	48	49	26	36	ध्रुव	13	39	कौलव	05	14	07	05	18	06	27	32	35	34	वृश्चिक	02	14	अन्वष्टका श्राद्ध।
9 10	बुध	01 56	40 22	07 29	44 37	ज्येष्ठा	45	38	25	19	व्याघात	07	33	गर	01	40	07	04	18	07	27	36	35	32	धनु25:19	03	15	भद्रा 18:40 से 29:37 तक।
11	गुरु	51	05	27	29	मूल	40	42	23	20	हर्षण वज्र	00 51	03 21	बव	23	43	07	03	18	08	27	40	35	30	धनु	04	16	विजया एकादशीव्रत (स्मार्त) C
12	शुक्र	42	28	24	01	पू.षा.	34	19	20	46	सिद्धि	42	36	कौलव	16	46	07	02	18	08	27	44	35	27	मकर26:02	05	17	विजया एकादशी व्रत (वैष्णव)महाद्वादशी।
13	शनि	33	03	20	15	उ.षा.	27	02	17	50	व्यतीपात	31	48	गर	07	46	07	02	18	09	27	48	35	23	मकर	06	18	भद्रा20:15से30:18तक,महाशिवरात्रि D
14	रवि	23	23	16	22	श्रवण	19	23	14	46	वरीयान	20	50	शकुनि	23	23	07	01	18	10	27	52	35	19	कुम्भ25:16	07	19	पंचकप्रारम्भ25:16,महाशिवरात्रिव्रतपारणा E
30	सोम	13	58	12	35	धनिष्ठा	11	53	11	45	परिघ शिव	10 59	04 48	नाग	13	58	07	00	18	11	27	57	35	13	कुम्भ	08	20	फाल्गुनी अमावस्या, ब्रह्मपूजा, F

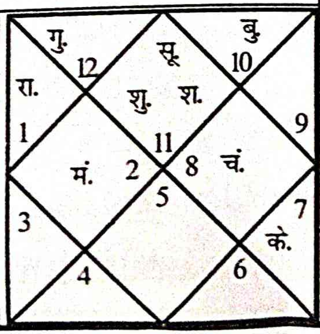
A व्यष्टका श्राद्ध। B पुण्यकाल सूर्योदय से 09:35तक, कालाष्टमी, अष्टका श्राद्ध, सीताष्टमी, जानकी जयन्ती, हलाष्टमी, सौर फाल्गुनमासारम्भ। C स्वामी दयानन्द सरस्वती जयन्ती। D व्रत, शनिप्रदोष व्रत शिवपूजन, सायनसूर्य मीन में 28:18, वसन्तऋतु आरम्भ। E आरटन्ती चतुर्दशी, छत्रपति शिवाजी जयन्ती। F युगादिअमावस्या, सोमवती अमावस्या।

शिवरात्रि-माघफाल्गुनयोर्मध्ये कृष्णा या च चतुर्दशी। दत्ते शिवः फलं यस्मात्तेन सर्वसुरासुरैः।। शिवरात्रिरिति ख्याता मत्कलेव पृथक् स्थिता। मम भक्तयस्तु यो देवि शिवरात्रिमुपोषकः। गणत्वमक्षयं दिव्यं लभते शिवशासनम्।। सर्वान्मुक्त्वा महाभोगान् ततो मोक्षमवाप्नुयात्।। **शिवरात्रिनिर्णयः** -तत्कालव्यापिनी ग्राह्या शिवरात्रिव्रते तिथिः। अर्धरात्रादधश्चोर्ध्वं युक्ता यत्र चतुर्दशी।।

शिवरात्रिपूजने विशेषः - तद्दिने प्रथमप्रहरे दुग्धेन 'ऊं ह्रौं ईशानाय नमः' इति मन्त्रेण, द्वितीयप्रहरे दधिद्वारा 'ऊं ह्रौं अघोराय नमः' इति मन्त्रेण, तृतीयप्रहरे घृतेन ' ऊं ह्रौं वामदेवाय नमः' इति मन्त्रेण तथा च चतुर्थप्रहरे मधुद्वारा 'ऊं ह्रौं सद्योजाताय नमः' इति मन्त्रेण पूजनमभिषेकं च कुर्यात्। अर्धरात्रौ विल्वार्चनं कार्यम्।

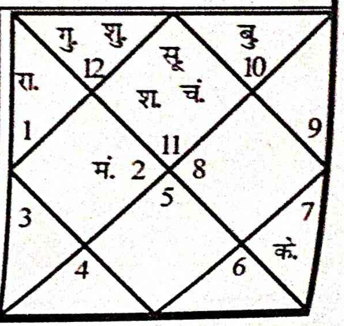
फाल्गुन कृष्ण 08, मंगलवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 14.02.2023

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	07	01	09	11	10	10	00	06
अं.	00	05	19	09	14	28	03	13	13
क.	54	49	39	25	25	07	09	40	40
वि.	20	53	51	50	49	43	07	35	35
गति	60	798	18	84	12	74	07	व03	व03
	40	59	35	28	24	07	14	11	11



फाल्गुन कृष्ण 30, बुधवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 20.02.2023

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	10	01	09	11	11	10	00	06
अं.	06	03	21	18	15	05	03	13	13
क.	57	38	39	14	41	30	52	21	21
वि.	33	57	31	37	46	56	36	31	31
गति	60	913	20	90	12	73	07	व03	व03
	32	38	51	45	50	48	16	11	11



विक्रमसंवत् 2079, शाके 1944, फाल्गुन शुक्ल पक्ष (दिनांक 21 फरवरी से 07 मार्च 2023 ई. तक)

'राक्षस' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिण गोल, वसन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4339, अयनांश 24/09/48

तिथि	वार	घ	प	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि	योग	घ.	प	करण	घ.	प	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अ	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1 2	मंगल	05 57	14 35	09 30	04 01	शतभिषा पू.भा.	05 59	01 12	08 30	59 40	सिद्ध	50	31	बव	05	14	06	59	18	11	28	01	35	07	मीन25:15	09	फर21	रामकृष्णपरमहंसजयन्ती,चन्द्रदर्शन,फुलैरादूज
3	बुध	49	47	26	52	उ.भा.	54	50	28	54	साध्य	41	06	तैतिल	23	41	06	58	18	12	28	05	35	01	मीन	10	22	
4	गुरु	45	09	25	00	रेवती	50	24	27	06	शुभ	34	12	वणिज	17	28	06	57	18	13	28	09	34	53	मेष27:06	11	23	भद्रा13:56से25:00,पंचकसमाप्ति 27:06 A
5	शुक्र	42	36	23	58	अश्विनी	49	38	26	47	शुक्ल	28	56	बव	13	52	06	56	18	13	28	13	34	45	मेष	12	24	
6	शनि	42	12	23	47	भरणी	50	58	27	18	ब्रह्म	25	19	कौलव	12	24	06	55	18	14	28	17	34	36	मेष	13	25	गोरूपिणीषष्ठीव्रत।
7	रवि	43	51	24	26	कृत्तिका	54	19	28	37	ऐन्द्र	23	18	गर	13	01	06	54	18	15	28	21	34	27	वृष09:37	14	26	भद्रा 24:26से,कामदासप्तमीव्रत,भानुसप्तमी।
8	सोम	47	25	25	51	रोहिणी	60	00	--	--	वैधृति	22	47	विष्टि	15	38	06	53	18	15	28	26	34	17	वृष	15	27	भद्रा13:08तक,होलाष्टक प्रारम्भ,लक्ष्मी B
9	मंगल	52	32	27	53	रोहिणी	01	04	07	17	विष्कुम्भ	23	30	बालव	19	58	06	52	18	16	28	30	34	06	मिथु20:34	16	28	विज्ञान दिवस।
10	बुध	58	46	30	21	मृगसिरा	07	26	09	49	प्रीति	25	11	तैतिल	25	39	06	51	18	17	28	34	33	55	मिथुन	17	मार्च01	फल्गुदशमी (उडीसा)
11	गुरु	60	00	--	--	आर्द्रा	14	39	12	41	आयुष्मान	27	23	वणिज	32	23	06	50	18	17	28	38	33	43	मिथुन	18	02	भद्रा 19:52 से।
11	शुक्र	06	01	09	13	पुनर्वसु	22	18	15	44	सौभाग्य	29	50	विष्टि	06	01	06	49	18	18	28	43	33	31	कर्क08:59	19	03	भद्रा 09:13 तक, आमलकी एकादशी C
12	शनि	12	30	11	47	पुष्य	29	55	18	46	शोभन	32	10	बालव	12	30	06	48	18	19	28	47	33	18	कर्क	20	04	शनिप्रदोषव्रत, गोविन्द द्वादशी।
13	रवि	18	35	14	12	आश्लेषा	37	05	21	37	अतिगण्ड	34	07	तैतिल	18	35	06	47	18	19	28	51	33	04	सिंह21:37	21	05	पंचायती राज दिवस।
14	सोम	24	03	16	23	मघा	43	39	24	13	सुकर्मा	35	34	वणिज	24	03	06	46	18	20	28	55	32	50	सिंह	22	06	भद्रा 16:23से29:19तक,होलिकादहन D
15	मंगल	28	49	18	16	पू.फा.	49	30	26	32	धृति	36	27	बव	28	49	06	45	18	21	29	00	32	36	सिंह	23	07	सत्यव्रत,मन्वादि पूर्णिमा,काशी में होली E

A वैनायकीचतुर्थीव्रत, गणेश चतुर्थी, पुत्रगणपति व्रत। B पूजन, सीतापूजन, दुर्गाष्टमी, औली जैन प्रारम्भ C व्रत(समस्त), रंगभरी एकादशी। D भद्रोपरान्त 29:19 के बाद, मतान्तर से भद्रा मुख को छोड़कर पुच्छ में होलिका दहन, पूर्णिमाव्रत, होलाष्टक समाप्त। E चैतन्यमहाप्रभु जयन्ती, औली जैन समाप्त।

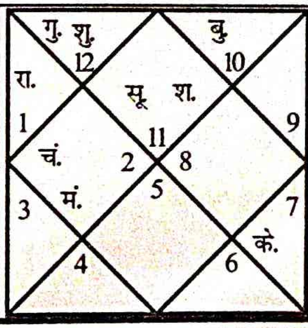
होलिका पूजन – निशागमे प्रपूज्येत होलिका सर्वदा बुधैः। न दिवा पूजयेद्ढुण्ढां पूजिता दुःखदा भवेत्॥

होलिकाप्रदीपनमन्त्रः – दीपयाम्यत्र ते घोरां चिति राक्षसि ते नमः। हिताय सर्वजगतः प्रीतये पार्वतीपतेः॥

होलाष्टकनिषेधः-विपाशेरावतीतीरे शुतद्रूंश्च त्रिपुष्करे। विवाहादिशुभे नेष्टं होलिका प्राग्दिनाष्टकम्॥

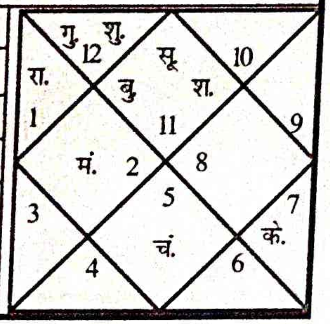
फाल्गुन शुक्ल 08, सोमवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 27.02.2023

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	01	01	09	11	11	10	00	06
अं.	14	10	24	29	17	14	04	12	12
क.	00	49	14	16	13	05	43	59	59
वि.	04	31	46	50	25	53	07	16	16
गति	60	756	23	97	13	73	07	व03	व03
	18	52	08	36	16	26	11	11	11



फाल्गुन शुक्ल 15, मंगलवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 07.03.2023

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	04	01	10	11	11	10	00	06
अं.	22	16	27	12	19	23	05	12	12
क.	01	41	29	54	01	51	40	33	33
वि.	16	42	32	48	34	11	05	51	51
गति	60	725	25	106	13	73	07	व03	व03
	05	09	15	07	42	01	04	11	11



विक्रमसंवत् 2079, शाके 1944, चैत्र कृष्ण पक्ष (दिनांक 08 मार्च से 21 मार्च 2023 ई. तक)

'राक्षस' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिण/उत्तर गोल, वसन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 4354, अयनांश 24/09/48

तिथि	वार	घ.	प	घं.	मि	नक्षत्र	घ.	प	घं.	मि	योग	घ.	प	करण	घ.	प	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टें.	अ	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	बुध	32	46	19	49	उ.फा.	54	33	28	32	शूल	36	42	बालव	00	48	06	43	18	21	29	04	32	21	कन्या09:02	24	मार्च08	होलिकोत्सव,धुलैण्डी,आम्रकुसुम प्राशन, A
2	गुरु	35	50	21	02	हस्त	58	45	30	12	गण्ड	36	16	तैतिल	04	18	06	42	18	22	29	08	32	06	कन्या	25	09	
3	शुक्र	38	04	21	54	चित्रा	60	00	--	--	वृद्धि	35	12	वणिज	06	57	06	41	18	22	29	13	31	50	तुला18:42	26	10	भद्रा0928से21:54तक।
4	शनि	39	12	22	21	चित्रा	01	18	07	11	ध्रुव	33	19	बव	08	38	06	40	18	23	29	17	31	34	तुला	27	11	श्रीगणेश संकष्टहरचतुर्थी व्रत B
5	रवि	39	15	22	21	स्वाती	03	29	08	02	व्याघात	30	34	कौलव	09	14	06	39	18	24	29	21	31	18	वृश्चि26:21	28	12	रंगपंचमी, मेला नौचन्दी (मेरठ)प्रारम्भ C
6	सोम	37	59	21	49	विशाखा	04	30	08	26	हर्षण	26	49	गर	08	37	06	38	18	24	29	25	31	01	वृश्चिक	29	13	भद्रा21:49से स्कन्दषष्ठी(बंग.),एकनाथषष्ठी।
7	मंगल	35	20	20	44	अनुराधा	04	15	08	18	वज्र	22	00	विष्टि	06	39	06	37	18	25	29	30	30	44	वृश्चिक	चै01	14	भद्रा 09:16 तक, सूर्य मीन में 30:26, मीन संक्रान्ति D
8	बुध	31	17	19	06	ज्येष्ठा मूल	02 59	40 40	07 30	39 28	सिद्धि	16	05	बालव	03	19	06	36	18	25	29	34	30	26	धनु07:39	02	15	संक्रान्तिपुण्यकाल सूर्योदय से मध्याह्न तकE
9	गुरु	25	52	16	55	पू.षा.	55	40	28	50	व्यतीपात	09	05	गर	25	52	06	34	18	26	29	38	30	09	धनु	03	16	भद्रा 27:36 से, अन्वष्टका श्राद्ध।
10	शुक्र	19	20	14	17	उ.षा.	51	31	27	09	वरीयान परिघ	01 52	10 33	विष्टि	19	20	06	33	18	26	29	43	29	51	मकर10:24	04	17	भद्रा 14:17 तक
11	शनि	11	58	11	19	श्रवण	45	28	24	43	शिव	43	52	बालव	11	58	06	32	18	27	29	47	29	33	मकर	05	18	पापमोचिनी एकादशी व्रत (समस्त)।
12 13	रवि	04 56	07 10	08 28	09 59	धनिष्ठा	39	05	22	09	सिद्ध	34	08	तैतिल	04	07	06	31	18	28	29	51	29	14	कुम्भ11:26	06	19	भद्रा 28:59 से, पंचक प्रारम्भ 11:26,F
14	सोम	48	08	25	44	शतभिषा	32	51	19	38	साध्य	24	33	विष्टि	22	09	06	30	18	28	29	56	28	56	कुम्भ	07	20	भद्रा15:21तक,मासशिवरात्रिव्रत,सायनसूर्य G
30	मंगल	40	39	22	44	पू.भा.	27	12	17	21	शुभ	15	26	चतुष्पद	14	23	06	28	18	29	30	00	28	37	मीन11:55	08	21	भौमवतीअमावस्या, चैती अमावस्या H

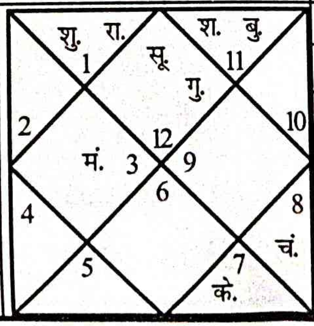
A कुलदेवता को सिन्दूर अर्पण, होलिका भस्म धारण, वसन्तोत्सव, रंगोत्सव, अन्ताराष्ट्रियमहिला दिवस। B चन्द्रोदय 22:05। C झण्डा मेला प्रारम्भ (देहरादून)। D कालाष्टमी, व्यष्टकाश्राद्ध, मेला नौचन्दी समाप्त (मेरठ), बुढ़वा मंगल पर्व (काशी)। E फूलदेई संक्रान्ति (उत्तराखण्ड), अष्टका श्राद्ध, शीतलाष्टमी (वासोडा), विश्व उपभोक्ता संरक्षण दिवस, विश्व दिव्यांग दिवस। F रविप्रदोष व्रत, गोविन्द द्वादशी। G मेष में 27:10, सूर्य उत्तरगोल प्रारम्भ। H मन्वादि अमावस्या, मेला पेहवा, वर्षान्त, विक्रमसंवत् 2079 सम्पूर्ण।

होलिकादिने कर्त्तव्यम् - प्रवृत्ते मधुमासे तु प्रतिपद्युदिते रवौ। कृत्वा चावश्यककार्याणि सन्तर्प्य पितृदेवता:। वन्दयेत् होलिकाभूमिं सर्वदु:खोपशान्तये।। यतस्तत्र श्वपचं स्पृष्ट्वा स्नानं कुर्यान्नरोत्तम:। न तस्य दुरितं किंचिन्नाधयो व्याधयो नृप।। **आम्रकुसुमप्राशनमन्त्र:** - चूतमग्रं वसन्तस्य माकन्दकुसुमं तव। सचन्दनं पिबाम्यद्य सर्वकामार्थसिद्धये।।

होलिकाभस्मधारणमन्त्र:-वन्दितासि सुरेन्द्रेण ब्रह्माच्युतशिवादिभि:। अतस्त्वं पाहि नो भीतेर्भूषिता भूतिदा भव।।

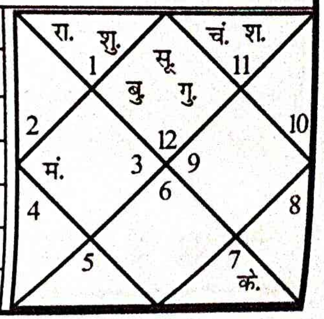
चैत्र कृष्ण 08, बुधवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 15.03.2023

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	11	07	02	10	11	00	10	00	06
अं.	00	29	00	27	20	03	06	12	12
क.	00	23	59	44	52	32	35	08	08
वि.	25	28	41	10	35	39	46	26	26
गति	59	820	27	115	14	72	06	व03	व03
	51	58	00	07	01	33	53	11	11



चैत्र कृष्ण 30, मंगलवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 21.03.2023

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	11	10	02	11	11	00	10	00	06
अं.	05	26	03	09	22	10	07	11	11
क.	58	38	45	33	17	45	16	49	49
वि.	24	04	45	05	19	53	19	23	23
गति	59	886	28	120	14	72	06	व03	व03
	38	34	08	02	12	06	42	11	11



औदयिक स्पष्ट ग्रह, अप्रैल 2022

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	11	17	06	44	11	14	14	19	09	25	11	17	11	15	06	26	10	27	06	46	10	00	56	27	09	27	47	36	01	00	34	58
02	11	18	05	55	11	27	14	41	09	25	56	30	11	17	07	45	10	27	20	48	10	01	59	46	09	27	53	03	01	00	31	47
03	11	19	05	01	00	09	58	22	09	26	41	46	11	19	09	57	10	27	34	48	10	03	03	18	09	27	58	26	01	00	28	37
04	11	20	04	09	00	22	26	22	09	27	27	01	11	21	13	01	10	27	48	46	10	04	07	06	09	28	03	45	01	00	25	26
05	11	21	03	12	01	04	39	46	09	28	12	17	11	23	16	41	10	28	02	41	10	05	11	06	09	28	09	00	01	00	22	15
06	11	22	02	15	01	16	40	48	09	28	57	34	11	25	20	53	10	28	16	35	10	06	15	20	09	28	14	14	01	00	19	05
07	11	23	01	14	01	28	33	18	09	29	42	51	11	27	25	26	10	28	30	24	10	07	19	47	09	28	19	22	01	00	15	54
08	11	24	00	11	02	10	21	32	10	00	28	07	11	29	30	13	10	28	44	13	10	08	24	25	09	28	24	25	01	00	12	44
09	11	24	59	07	02	22	11	03	10	01	13	26	00	01	34	53	10	28	57	59	10	09	29	15	09	28	29	27	01	00	09	33
10	11	25	58	01	03	04	07	04	10	01	58	44	00	03	39	13	10	29	11	42	10	10	34	18	09	28	34	23	01	00	06	22
11	11	26	56	54	03	16	15	09	10	02	44	03	00	05	42	58	10	29	25	22	10	11	39	31	09	28	39	14	01	00	03	12
12	11	27	55	42	03	28	39	16	10	03	29	22	00	07	45	47	10	29	39	00	10	12	44	54	09	28	44	03	01	00	00	01
13	11	28	54	31	04	11	23	22	10	04	14	42	00	09	47	22	10	29	52	34	10	13	50	29	09	28	48	46	00	29	56	51
14	11	29	53	17	04	24	29	45	10	05	00	01	00	11	47	19	11	00	06	08	10	14	56	14	09	28	53	26	00	29	53	40
15	00	00	52	02	05	07	58	09	10	05	45	20	00	13	45	23	11	00	19	37	10	16	02	10	09	28	58	02	00	29	50	29
16	00	01	50	42	05	21	47	26	10	06	30	40	00	15	41	02	11	00	33	03	10	17	08	12	09	29	02	32	00	29	47	19
17	00	02	49	24	06	05	54	28	10	07	16	00	00	17	34	02	11	00	46	26	10	18	14	27	09	29	06	58	00	29	44	08
18	00	03	48	01	06	20	14	53	10	08	01	20	00	19	23	59	11	00	59	45	10	19	20	49	09	29	11	20	00	29	40	57
19	00	04	46	37	07	04	43	06	10	08	46	41	00	21	10	40	11	01	13	01	10	20	27	20	09	29	15	37	00	29	37	47
20	00	05	45	11	07	19	14	25	10	09	32	00	00	22	53	40	11	01	26	14	10	21	33	59	09	29	19	50	00	29	34	36
21	00	06	43	44	08	03	43	40	10	10	17	20	00	24	32	51	11	01	39	24	10	22	40	47	09	29	23	57	00	29	31	25
22	00	07	42	14	08	18	06	53	10	11	02	39	00	26	07	54	11	01	52	29	10	23	47	44	09	29	28	02	00	29	28	15
23	00	08	40	43	09	02	20	56	10	11	47	58	00	27	38	42	11	02	05	31	10	24	54	47	09	29	32	00	00	29	25	04
24	00	09	39	10	09	16	23	31	10	12	33	18	00	29	05	01	11	02	18	30	10	26	01	58	09	29	35	54	00	29	21	53
25	00	10	37	34	10	00	13	07	10	13	18	36	01	00	26	44	11	02	31	24	10	27	09	17	09	29	39	43	00	29	18	43
26	00	11	35	57	10	13	48	23	10	14	03	56	01	01	43	44	11	02	44	14	10	28	16	44	09	29	43	26	00	29	15	32
27	00	12	34	18	10	27	08	53	10	14	49	13	01	02	55	54	11	02	57	02	10	29	24	16	09	29	47	06	00	29	12	21
28	00	13	32	40	11	10	14	55	10	15	34	32	01	04	03	09	11	03	09	45	11	00	31	57	09	29	50	40	00	29	09	11
29	00	14	30	56	11	23	07	11	10	16	19	48	01	05	05	18	11	03	22	24	11	01	39	44	09	29	54	09	00	29	06	00
30	00	15	29	13	00	05	46	34	10	17	05	05	01	06	02	23	11	03	34	59	11	02	47	37	09	29	57	33	00	29	02	50

औदयिक स्पष्ट ग्रह, मई 2022

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	विं	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	00	16	27	26	00	18	13	56	10	17	50	20	01	06	54	11	11	03	47	28	11	03	55	36	10	00	00	52	00	28	59	39
02	00	17	25	39	01	00	30	02	10	18	35	36	01	07	40	46	11	03	59	55	11	05	03	41	10	00	04	06	00	28	56	28
03	00	18	23	49	01	12	36	13	10	19	20	51	01	08	22	02	11	04	12	16	11	06	11	53	10	00	07	15	00	28	53	17
04	00	19	21	59	01	24	34	07	10	20	06	05	01	08	57	56	11	04	24	34	11	07	20	12	10	00	10	19	00	28	50	07
05	00	20	20	06	02	06	25	41	10	20	51	18	01	09	28	26	11	04	36	47	11	08	28	35	10	00	13	18	00	28	46	56
06	00	21	18	12	02	18	14	34	10	21	36	30	01	09	53	37	11	04	48	53	11	09	37	04	10	00	16	10	00	28	43	46
07	00	22	16	16	03	00	04	11	10	22	21	42	01	10	13	24	11	05	00	56	11	10	45	38	10	00	18	57	00	28	40	35
08	00	23	14	18	03	11	59	47	10	23	06	52	01	10	27	56	11	05	12	54	11	11	54	19	10	00	21	39	00	28	37	24
09	00	24	12	19	03	24	06	01	10	23	52	00	01	10	37	14	11	05	24	47	11	13	03	04	10	00	24	15	00	28	34	14
10	00	25	10	18	04	06	27	50	10	24	37	09	01	10	41	24	11	05	36	34	11	14	11	54	10	00	26	48	00	28	31	03
11	00	26	08	15	04	19	09	48	10	25	22	14	01	10	40	33	11	05	48	19	11	15	20	50	10	00	29	14	00	28	27	52
12	00	27	06	12	05	02	14	41	10	26	07	21	01	10	35	03	11	05	59	57	11	16	29	51	10	00	31	33	00	28	24	41
13	00	28	04	06	05	15	44	49	10	26	52	25	01	10	24	54	11	06	11	28	11	17	38	56	10	00	33	48	00	28	21	31
14	00	29	02	00	05	29	40	02	10	27	37	29	01	10	10	25	11	06	22	55	11	18	48	07	10	00	35	57	00	28	18	20
15	00	29	59	52	06	13	58	16	10	28	22	29	01	09	51	56	11	06	34	17	11	19	57	22	10	00	38	00	00	28	15	09
16	01	00	57	42	06	28	35	26	10	29	07	30	01	09	29	45	11	06	45	32	11	21	06	42	10	00	39	59	00	28	11	59
17	01	01	55	32	07	13	25	42	10	29	52	29	01	09	04	19	11	06	56	43	11	22	16	06	10	00	41	50	00	28	08	48
18	01	02	53	18	07	28	21	53	11	00	37	25	01	08	36	00	11	07	07	47	11	23	25	34	10	00	43	37	00	28	05	37
19	01	03	51	05	08	13	15	55	11	01	22	20	01	08	05	21	11	07	18	46	11	24	35	07	10	00	45	18	00	28	02	27
20	01	04	48	48	08	28	01	06	11	02	07	14	01	07	32	52	11	07	29	39	11	25	44	43	10	00	46	52	00	27	59	16
21	01	05	46	34	09	12	31	03	11	02	52	06	01	06	59	06	11	07	40	25	11	26	54	25	10	00	48	21	00	27	56	05
22	01	06	44	14	09	26	42	08	11	03	36	55	01	06	24	36	11	07	51	05	11	28	04	10	10	00	49	46	00	27	52	54
23	01	07	41	56	10	10	31	32	11	04	21	43	01	05	49	58	11	08	01	40	11	29	14	00	10	00	51	04	00	27	49	44
24	01	08	39	34	10	23	59	19	11	05	06	29	01	05	15	46	11	08	12	09	00	00	23	52	10	00	52	16	00	27	46	33
25	01	09	37	14	11	07	06	50	11	05	51	13	01	04	42	34	11	08	22	30	00	01	33	52	10	00	53	22	00	27	43	22
26	01	10	34	51	11	19	56	05	11	06	35	55	01	04	11	01	11	08	32	46	00	02	43	51	10	00	54	23	00	27	40	12
27	01	11	32	28	00	02	29	58	11	07	20	34	01	03	41	34	11	08	42	55	00	03	53	57	10	00	55	17	00	27	37	01
28	01	12	30	02	00	14	51	22	11	08	05	11	01	03	14	36	11	08	52	56	00	05	04	06	10	00	56	05	00	27	33	50
29	01	13	27	37	00	27	03	11	11	08	49	46	01	02	50	45	11	09	02	52	00	06	14	18	10	00	56	48	00	27	30	39
30	01	14	25	09	01	09	06	59	11	09	34	19	01	02	30	14	11	09	12	39	00	07	24	33	10	00	57	24	00	27	27	29
31	01	15	22	40	01	21	04	57	11	10	18	48	01	02	13	26	11	09	22	20	00	08	34	53	10	00	57	56	00	27	24	18

औदयिक स्पष्ट ग्रह, जून 2022

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि	रा.	अ.	क.	वि	रा.	अ.	क.	वि
01	01	16	20	11	02	02	58	21	11	11	03	15	01	02	00	38	11	09	31	55	00	09	45	15	10	00	58	21	00	27	21	07
02	01	17	17	41	02	14	48	51	11	11	47	40	01	01	52	02	11	09	41	22	00	10	55	40	10	00	58	39	00	27	17	56
03	01	18	15	09	02	26	38	23	11	12	32	02	01	01	47	48	11	09	50	41	00	12	06	11	10	00	58	53	00	27	14	46
04	01	19	12	38	03	08	30	15	11	13	16	21	01	01	47	52	11	09	59	54	00	13	16	43	10	00	59	00	00	27	11	35
05	01	20	10	04	03	20	27	04	11	14	00	37	01	01	52	31	11	10	08	58	00	14	27	19	10	00	59	01	00	27	08	24
06	01	21	07	29	04	02	33	22	11	14	44	50	01	02	01	33	11	10	17	56	00	15	37	59	10	00	58	58	00	27	05	13
07	01	22	04	55	04	14	53	24	11	15	29	00	01	02	15	09	11	10	26	47	00	16	48	39	10	00	58	47	00	27	02	03
08	01	23	02	18	04	27	31	13	11	16	13	07	01	02	33	14	11	10	35	27	00	17	59	25	10	00	58	29	00	26	58	52
09	01	23	59	43	05	10	30	50	11	16	57	11	01	02	55	43	11	10	44	03	00	19	10	15	10	00	58	07	00	26	55	41
10	01	24	57	05	05	23	55	18	11	17	41	11	01	03	22	36	11	10	52	27	00	20	21	05	10	00	57	40	00	26	52	30
11	01	25	54	27	06	07	46	14	11	18	25	08	01	03	53	50	11	11	00	45	00	21	32	00	10	00	57	05	00	26	49	20
12	01	26	51	47	06	22	03	15	11	19	09	02	01	04	29	15	11	11	08	57	00	22	42	56	10	00	56	26	00	26	46	09
13	01	27	49	09	07	06	44	02	11	19	52	53	01	05	09	00	11	11	16	58	00	23	53	58	10	00	55	42	00	26	42	58
14	01	28	46	27	07	21	43	33	11	20	36	39	01	05	52	48	11	11	24	50	00	25	04	59	10	00	54	50	00	26	39	47
15	01	29	43	47	08	06	54	27	11	21	20	22	01	06	40	44	11	11	32	36	00	26	16	06	10	00	53	53	00	26	36	36
16	02	00	41	06	08	22	07	02	11	22	04	01	01	07	32	40	11	11	40	11	00	27	27	16	10	00	52	51	00	26	33	26
17	02	01	38	25	09	07	11	25	11	22	47	37	01	08	28	36	11	11	47	38	00	28	38	28	10	00	51	42	00	26	30	15
18	02	02	35	42	09	21	58	51	11	23	31	08	01	09	28	24	11	11	54	58	00	29	49	42	10	00	50	28	00	26	27	04
19	02	03	32	58	10	06	22	33	11	24	14	34	01	10	32	05	11	12	02	07	01	01	00	57	10	00	49	09	00	26	23	53
20	02	04	30	15	10	20	19	22	11	24	57	58	01	11	39	35	11	12	09	08	01	02	12	17	10	00	47	44	00	26	20	42
21	02	05	27	31	11	03	48	54	11	25	41	17	01	12	50	47	11	12	16	01	01	03	23	40	10	00	46	11	00	26	17	32
22	02	06	24	48	11	16	52	59	11	26	24	32	01	14	05	41	11	12	22	44	01	04	35	03	10	00	44	36	00	26	14	21
23	02	07	22	03	11	29	33	49	11	27	07	42	01	15	24	12	11	12	29	17	01	05	46	31	10	00	42	55	00	26	11	10
24	02	08	19	18	00	11	58	51	11	27	50	48	01	16	46	14	11	12	35	40	01	06	58	02	10	00	41	07	00	26	07	59
25	02	09	16	32	00	24	09	46	11	28	33	48	01	18	11	44	11	12	41	55	01	08	09	34	10	00	39	15	00	26	04	48
26	02	10	13	47	01	06	10	38	11	29	16	44	01	19	40	39	11	12	48	00	01	09	21	07	10	00	37	16	00	26	01	38
27	02	11	10	59	01	18	05	36	11	29	59	35	01	21	12	49	11	12	53	55	01	10	32	44	10	00	35	13	00	25	58	27
28	02	12	08	15	01	29	57	28	00	00	42	23	01	22	48	15	11	12	59	40	01	11	44	26	10	00	33	06	00	25	55	16
29	02	13	05	27	02	11	48	07	00	01	25	05	01	24	26	47	11	13	05	15	01	12	56	06	10	00	30	52	00	25	52	05
30	02	14	02	42	02	23	39	06	00	02	07	41	01	26	08	28	11	13	10	43	01	14	07	52	10	00	28	32	00	25	48	54

औदयिक स्पष्ट ग्रह, जुलाई 2022

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि	रा.	अ.	क.	वि	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	02	14	59	55	03	05	32	02	00	02	50	14	01	27	53	01	11	13	15	58	01	15	19	38	10	00	26	10	00	25	45	44
02	02	15	57	08	03	17	28	32	00	03	32	39	01	29	40	30	11	13	21	03	01	16	31	29	10	00	23	42	00	25	42	33
03	02	16	54	21	03	29	30	36	00	04	15	00	02	01	30	45	11	13	25	59	01	17	43	19	10	00	21	08	00	25	39	22
04	02	17	51	35	04	11	41	14	00	04	57	16	02	03	23	41	11	13	30	44	01	18	55	14	10	00	18	30	00	25	36	11
05	02	18	48	47	04	24	03	29	00	05	39	24	02	05	19	08	11	13	35	18	01	20	07	10	10	00	15	46	00	25	33	00
06	02	19	46	01	05	06	40	53	00	06	21	28	02	07	17	00	11	13	39	42	01	21	19	08	10	00	12	58	00	25	29	49
07	02	20	43	13	05	19	36	57	00	07	03	27	02	09	17	09	11	13	43	54	01	22	31	09	10	00	10	06	00	25	26	39
08	02	21	40	27	06	02	54	40	00	07	45	19	02	11	19	19	11	13	47	57	01	23	43	12	10	00	07	08	00	25	23	28
09	02	22	37	39	06	16	36	35	00	08	27	05	02	13	23	19	11	13	51	50	01	24	55	16	10	00	04	07	00	25	20	17
10	02	23	34	53	07	00	44	03	00	09	08	45	02	15	28	57	11	13	55	31	01	26	07	24	10	00	01	01	00	25	17	06
11	02	24	32	08	07	15	16	55	00	09	50	19	02	17	35	56	11	13	59	01	01	27	19	35	09	29	57	51	00	25	13	55
12	02	25	29	22	08	00	11	30	00	10	31	45	02	19	43	59	11	14	02	21	01	28	31	46	09	29	54	36	00	25	10	44
13	02	26	26	36	08	15	21	52	00	11	13	07	02	21	52	48	11	14	05	30	01	29	44	01	09	29	51	18	00	25	07	34
14	02	27	23	50	09	00	38	38	00	11	54	20	02	24	02	08	11	14	08	26	02	00	56	18	09	29	47	56	00	25	04	23
15	02	28	21	06	09	15	51	02	00	12	35	28	02	26	11	37	11	14	11	12	02	02	08	36	09	29	44	28	00	25	01	12
16	02	29	18	20	10	00	48	13	00	13	16	29	02	28	20	57	11	14	13	46	02	03	20	57	09	29	40	59	00	24	58	01
17	03	00	15	36	10	15	21	40	00	13	57	22	03	00	29	58	11	14	16	09	02	04	33	21	09	29	37	25	00	24	54	50
18	03	01	12	51	10	29	26	55	00	14	38	08	03	02	38	18	11	14	18	21	02	05	45	44	09	29	33	47	00	24	51	39
19	03	02	10	08	11	13	01	59	00	15	18	48	03	04	45	49	11	14	20	20	02	06	58	14	09	29	30	06	00	24	48	28
20	03	03	07	23	11	26	08	33	00	15	59	19	03	06	52	15	11	14	22	11	02	08	10	40	09	29	26	21	00	24	45	18
21	03	04	04	40	00	08	50	32	00	16	39	43	03	08	57	33	11	14	23	48	02	09	23	13	09	29	22	33	00	24	42	07
22	03	05	01	58	00	21	12	22	00	17	20	00	03	11	01	29	11	14	25	13	02	10	35	49	09	29	18	43	00	24	38	56
23	03	05	59	16	01	03	18	49	00	18	00	08	03	13	03	55	11	14	26	28	02	11	48	24	09	29	14	49	00	24	35	45
24	03	06	56	34	01	15	15	02	00	18	40	09	03	15	04	49	11	14	27	31	02	13	01	03	09	29	10	53	00	24	32	34
25	03	07	53	55	01	27	05	53	00	19	20	01	03	17	04	14	11	14	28	21	02	14	13	43	09	29	06	52	00	24	29	23
26	03	08	51	13	02	08	55	12	00	19	59	46	03	19	01	55	11	14	29	00	02	15	26	26	09	29	02	50	00	24	26	13
27	03	09	48	34	02	20	45	47	00	20	39	21	03	20	57	55	11	14	29	27	02	16	39	10	09	28	58	45	00	24	23	02
28	03	10	45	58	03	02	40	03	00	21	18	49	03	22	52	12	11	14	29	41	02	17	51	59	09	28	54	36	00	24	19	51
29	03	11	43	19	03	14	39	02	00	21	58	09	03	24	44	47	11	14	29	45	02	19	04	48	09	28	50	27	00	24	16	40
30	03	12	40	42	03	26	44	13	00	22	37	17	03	26	35	37	11	14	29	36	02	20	17	39	09	28	46	14	00	24	13	29
31	03	13	38	05	04	08	56	30	00	23	16	19	03	28	24	41	11	14	29	15	02	21	30	34	09	28	42	00	00	24	10	18

औदयिक स्पष्ट ग्रह, अगस्त 2022

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	03	14	35	30	04	21	17	24	00	23	55	09	04	00	12	04	11	14	28	44	02	22	43	29	09	28	37	44	00	24	07	08
02	03	15	32	53	05	03	48	39	00	24	33	53	04	01	57	36	11	14	28	00	02	23	56	26	09	28	33	25	00	24	03	57
03	03	16	30	22	05	16	32	15	00	25	12	25	04	03	41	32	11	14	27	04	02	25	09	28	09	28	29	05	00	24	00	46
04	03	17	27	47	05	29	30	54	00	25	50	48	04	05	23	41	11	14	25	57	02	26	22	30	09	28	24	44	00	23	57	35
05	03	18	25	15	06	12	46	29	00	26	29	01	04	07	04	14	11	14	24	37	02	27	35	34	09	28	20	21	00	23	54	24
06	03	19	22	43	06	26	22	07	00	27	07	05	04	08	43	04	11	14	23	06	02	28	48	40	09	28	15	55	00	23	51	13
07	03	20	20	14	07	10	19	23	00	27	44	58	04	10	20	21	11	14	21	22	03	00	01	51	09	28	11	31	00	23	48	02
08	03	21	17	44	07	24	38	47	00	28	22	39	04	11	55	59	11	14	19	28	03	01	15	01	09	28	07	03	00	23	44	52
09	03	22	15	16	08	09	19	00	00	29	00	12	04	13	30	03	11	14	17	21	03	02	28	15	09	28	02	36	00	23	41	41
10	03	23	12	49	08	24	15	11	00	29	37	34	04	15	02	32	11	14	15	03	03	03	41	33	09	27	58	08	00	23	38	30
11	03	24	10	23	09	09	20	15	01	00	14	44	04	16	33	28	11	14	12	32	03	04	54	49	09	27	53	41	00	23	35	19
12	03	25	07	57	09	24	24	16	01	00	51	42	04	18	02	50	11	14	09	51	03	06	08	09	09	27	49	11	00	23	32	08
13	03	26	05	34	10	09	17	10	01	01	28	30	04	19	30	39	11	14	07	00	03	07	21	31	09	27	44	42	00	23	28	57
14	03	27	03	11	10	23	50	08	01	02	05	06	04	20	56	54	11	14	03	55	03	08	34	57	09	27	40	12	00	23	25	47
15	03	28	00	50	11	07	57	09	01	02	41	30	04	22	21	31	11	14	00	40	03	09	48	22	09	27	35	41	00	23	22	36
16	03	28	58	31	11	21	35	41	01	03	17	43	04	23	44	34	11	13	57	15	03	11	01	53	09	27	31	12	00	23	19	25
17	03	29	56	11	00	04	46	11	01	03	53	42	04	25	05	54	11	13	53	37	03	12	15	24	09	27	26	42	00	23	16	14
18	04	00	53	54	00	17	31	28	01	04	29	30	04	26	25	32	11	13	49	47	03	13	28	58	09	27	22	11	00	23	13	03
19	04	01	51	36	00	29	54	59	01	05	05	04	04	27	43	23	11	13	45	49	03	14	42	32	09	27	17	42	00	23	09	52
20	04	02	49	22	01	12	02	15	01	05	40	26	04	28	59	26	11	13	41	39	03	15	56	09	09	27	13	14	00	23	06	41
21	04	03	47	08	01	23	58	16	01	06	15	34	05	00	13	34	11	13	37	18	03	17	09	50	09	27	08	46	00	23	03	31
22	04	04	44	55	02	05	48	34	01	06	50	28	05	01	25	45	11	13	32	48	03	18	23	33	09	27	04	20	00	23	00	20
23	04	05	42	45	02	17	37	52	01	07	25	10	05	02	35	51	11	13	28	06	03	19	37	16	09	26	59	54	00	22	57	09
24	04	06	40	36	02	29	30	15	01	07	59	37	05	03	43	48	11	13	23	14	03	20	51	03	09	26	55	29	00	22	53	58
25	04	07	38	27	03	11	29	18	01	08	33	51	05	04	49	27	11	13	18	14	03	22	04	52	09	26	51	05	00	22	50	47
26	04	08	36	20	03	23	36	27	01	09	07	48	05	05	52	43	11	13	13	03	03	23	18	42	09	26	46	44	00	22	47	36
27	04	09	34	15	04	05	53	00	01	09	41	33	05	06	53	29	11	13	07	43	03	24	32	35	09	26	42	24	00	22	44	26
28	04	10	32	13	04	18	19	43	01	10	15	00	05	07	51	38	11	13	02	12	03	25	46	32	09	26	38	05	00	22	41	15
29	04	11	30	09	05	00	56	51	01	10	48	14	05	08	46	57	11	12	56	33	03	27	00	28	09	26	33	49	00	22	38	04
30	04	12	28	09	05	13	44	22	01	11	21	11	05	09	39	20	11	12	50	46	03	28	14	25	09	26	29	35	00	22	34	53
31	04	13	26	09	05	26	42	51	01	11	53	51	05	10	28	34	11	12	44	49	03	29	28	27	09	26	25	23	00	22	31	42

औदयिक स्पष्ट ग्रह, सितम्बर 2022

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	04	14	24	12	06	09	53	04	01	12	26	18	05	11	14	31	11	12	38	45	04	00	42	31	09	26	21	12	00	22	28	31
02	04	15	22	16	06	23	16	09	01	12	58	25	05	11	56	55	11	12	32	32	04	01	56	35	09	26	17	04	00	22	25	21
03	04	16	20	23	07	06	53	51	01	13	30	16	05	12	35	34	11	12	26	10	04	03	10	44	09	26	12	58	00	22	22	10
04	04	17	18	31	07	20	46	55	01	14	01	49	05	13	10	12	11	12	19	39	04	04	24	54	09	26	08	55	00	22	18	59
05	04	18	16	40	08	04	55	49	01	14	33	07	05	13	40	31	11	12	13	05	04	05	39	04	09	26	04	55	00	22	15	48
06	04	19	14	52	08	19	19	44	01	15	04	05	05	14	06	13	11	12	06	20	04	06	53	18	09	26	00	58	00	22	12	37
07	04	20	13	04	09	03	55	43	01	15	34	43	05	14	27	01	11	11	59	29	04	08	07	33	09	25	57	03	00	22	09	26
08	04	21	11	18	09	18	38	01	01	16	05	05	05	14	42	33	11	11	52	32	04	09	21	50	09	25	53	13	00	22	06	15
09	04	22	09	34	10	03	19	53	01	16	35	06	05	14	52	30	11	11	45	28	04	10	36	07	09	25	49	25	00	22	03	05
10	04	23	07	53	10	17	53	43	01	17	04	47	05	14	56	31	11	11	38	17	04	11	50	30	09	25	45	40	00	21	59	54
11	04	24	06	12	11	02	12	07	01	17	34	09	05	14	54	17	11	11	31	02	04	13	04	51	09	25	41	59	00	21	56	43
12	04	25	04	33	11	16	09	50	01	18	03	13	05	14	45	30	11	11	23	40	04	14	19	16	09	25	38	21	00	21	53	32
13	04	26	02	56	11	29	43	57	01	18	31	53	05	14	29	52	11	11	16	13	04	15	33	41	09	25	34	49	00	21	50	21
14	04	27	01	22	00	12	53	41	01	19	00	13	05	14	07	15	11	11	08	42	04	16	48	09	09	25	31	17	00	21	47	11
15	04	27	59	48	00	25	40	20	01	19	28	10	05	13	37	39	11	11	01	07	04	18	02	40	09	25	27	52	00	21	44	00
16	04	28	58	18	01	08	06	31	01	19	55	44	05	13	01	06	11	10	53	27	04	19	17	11	09	25	24	30	00	21	40	49
17	04	29	56	48	01	20	16	05	01	20	22	58	05	12	17	44	11	10	45	44	04	20	31	43	09	25	21	11	00	21	37	38
18	05	00	55	23	02	02	14	09	01	20	49	47	05	11	28	18	11	10	37	56	04	21	46	19	09	25	17	56	00	21	34	27
19	05	01	53	56	02	14	05	36	01	21	16	14	05	10	33	12	11	10	30	05	04	23	00	55	09	25	14	49	00	21	31	16
20	05	02	52	33	02	25	55	58	01	21	42	15	05	09	33	30	11	10	22	14	04	24	15	31	09	25	11	44	00	21	28	05
21	05	03	51	13	03	07	50	38	01	22	07	53	05	08	30	16	11	10	14	17	04	25	30	12	09	25	08	42	00	21	24	55
22	05	04	49	53	03	19	53	09	01	22	33	04	05	07	25	00	11	10	06	20	04	26	44	53	09	25	05	47	00	21	21	44
23	05	05	48	35	04	02	07	07	01	22	57	49	05	06	18	55	11	09	58	21	04	27	59	35	09	25	02	56	00	21	18	33
24	05	06	47	19	04	14	36	36	01	23	22	10	05	05	13	52	11	09	50	21	04	29	14	18	09	25	00	09	00	21	15	22
25	05	07	46	07	04	27	16	25	01	23	46	02	05	04	11	28	11	09	42	18	05	00	29	03	09	24	57	27	00	21	12	11
26	05	08	44	54	05	10	11	55	01	24	09	29	05	03	13	10	11	09	34	17	05	01	43	49	09	24	54	50	00	21	09	00
27	05	09	43	45	05	23	21	07	01	24	32	26	05	02	20	35	11	09	26	14	05	02	58	39	09	24	52	18	00	21	05	50
28	05	10	42	37	06	06	42	07	01	24	54	55	05	01	34	51	11	09	18	13	05	04	13	26	09	24	49	51	00	21	02	39
29	05	11	41	32	06	20	14	11	01	25	16	54	05	00	57	19	11	09	10	11	05	05	28	18	09	24	47	30	00	20	59	28
30	05	12	40	28	07	03	56	14	01	25	38	26	05	00	28	47	11	09	02	10	05	06	43	09	09	24	45	14	00	20	56	17

औदयिक स्पष्ट ग्रह, अक्टूबर 2022

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि	रा.	अ.	क.	वि	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	05	13	39	28	07	17	47	42	01	25	59	25	05	00	09	53	11	08	54	10	05	07	58	04	09	24	43	02	00	20	53	06
02	05	14	38	27	08	01	47	43	01	26	19	51	05	00	00	56	11	08	46	12	05	09	12	55	09	24	40	56	00	20	49	55
03	05	15	37	31	08	15	55	26	01	26	39	48	05	00	02	19	11	08	38	16	05	10	27	52	09	24	38	55	00	20	46	45
04	05	16	36	34	09	00	09	39	01	26	59	12	05	00	13	51	11	08	30	24	05	11	42	48	09	24	37	01	00	20	43	34
05	05	17	35	41	09	14	27	19	01	27	18	03	05	00	35	23	11	08	22	32	05	12	57	44	09	24	35	12	00	20	40	23
06	05	18	34	49	09	28	45	11	01	27	36	21	05	01	06	37	11	08	14	45	05	14	12	43	09	24	33	28	00	20	37	12
07	05	19	34	01	10	12	59	04	01	27	54	01	05	01	47	01	11	08	07	01	05	15	27	42	09	24	31	49	00	20	34	01
08	05	20	33	14	10	27	04	35	01	28	11	08	05	02	35	57	11	07	59	20	05	16	42	43	09	24	30	18	00	20	30	50
09	05	21	32	29	11	10	57	40	01	28	27	38	05	03	32	48	11	07	51	43	05	17	57	43	09	24	28	51	00	20	27	39
10	05	22	31	47	11	24	34	59	01	28	43	33	05	04	36	51	11	07	44	11	05	19	12	46	09	24	27	30	00	20	24	29
11	05	23	31	06	00	07	54	41	01	28	58	48	05	05	47	19	11	07	36	45	05	20	27	50	09	24	26	15	00	20	21	18
12	05	24	30	27	00	20	55	23	01	29	13	27	05	07	03	29	11	07	29	22	05	21	42	53	09	24	25	06	00	20	18	07
13	05	25	29	50	01	03	37	36	01	29	27	25	05	08	24	36	11	07	22	07	05	22	57	58	09	24	24	02	00	20	14	56
14	05	26	29	16	01	16	02	57	01	29	40	46	05	09	50	00	11	07	14	55	05	24	13	03	09	24	23	05	00	20	11	45
15	05	27	28	42	01	28	13	38	01	29	53	24	05	11	19	00	11	07	07	52	05	25	28	08	09	24	22	14	00	20	08	34
16	05	28	28	12	02	10	13	19	02	00	05	22	05	12	51	02	11	07	00	54	05	26	43	18	09	24	21	29	00	20	05	24
17	05	29	27	44	02	22	06	01	02	00	16	35	05	14	25	33	11	06	54	02	05	27	58	22	09	24	20	50	00	20	02	13
18	06	00	27	17	03	03	57	11	02	00	27	07	05	16	02	05	11	06	47	19	05	29	13	32	09	24	20	15	00	19	59	02
19	06	01	26	52	03	15	51	54	02	00	36	57	05	17	40	11	11	06	40	43	06	00	28	40	09	24	19	48	00	19	55	51
20	06	02	26	31	03	27	55	19	02	00	45	59	05	19	19	37	11	06	34	13	06	01	43	50	09	24	19	26	00	19	52	40
21	06	03	26	10	04	10	11	48	02	00	54	19	05	20	59	55	11	06	27	52	06	02	59	00	09	24	19	11	00	19	49	29
22	06	04	25	52	04	22	44	59	02	01	01	50	05	22	40	55	11	06	21	39	06	04	14	10	09	24	19	02	00	19	46	18
23	06	05	25	34	05	05	36	35	02	01	08	38	05	24	22	24	11	06	15	35	06	05	29	21	09	24	18	59	00	19	43	08
24	06	06	25	22	05	18	47	29	02	01	14	35	05	26	04	11	11	06	09	38	06	06	44	34	09	24	19	03	00	19	39	57
25	06	07	25	08	06	02	16	34	02	01	19	49	05	27	46	03	11	06	03	53	06	07	59	47	09	24	19	12	00	19	36	46
26	06	08	24	59	06	16	02	17	02	01	24	09	05	29	27	54	11	05	58	15	06	09	14	58	09	24	19	27	00	19	33	35
27	06	09	24	52	07	00	01	48	02	01	27	39	06	01	09	38	11	05	52	46	06	10	30	14	09	24	19	49	00	19	30	24
28	06	10	24	45	07	14	11	55	02	01	30	23	06	02	51	12	11	05	47	31	06	11	45	28	09	24	20	17	00	19	27	13
29	06	11	24	42	07	28	28	50	02	01	32	12	06	04	32	25	11	05	42	22	06	13	00	40	09	24	20	51	00	19	24	02
30	06	12	24	38	08	12	48	41	02	01	33	16	06	06	13	21	11	05	37	24	06	14	15	55	09	24	21	32	00	19	20	52
31	06	13	24	38	08	27	08	17	02	01	33	25	06	07	53	52	11	05	32	36	06	15	31	10	09	24	22	19	00	19	17	41

औदयिक स्पष्ट ग्रह, नवम्बर 2022

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि
01	06	14	24	38	09	11	23	50	02	01	32	45	06	09	33	57	11	05	27	58	06	16	46	25	09	24	23	11	00	19	14	30
02	06	15	24	44	09	25	32	45	02	01	31	05	06	11	13	40	11	05	23	30	06	18	01	41	09	24	24	10	00	19	11	19
03	06	16	24	47	10	09	33	04	02	01	28	39	06	12	52	56	11	05	19	15	06	19	16	56	09	24	25	15	00	19	08	08
04	06	17	24	54	10	23	22	26	02	01	25	19	06	14	31	44	11	05	15	09	06	20	32	12	09	24	26	25	00	19	04	57
05	06	18	25	03	11	07	00	08	02	01	21	03	06	16	10	09	11	05	11	15	06	21	47	27	09	24	27	43	00	19	01	46
06	06	19	25	14	11	20	24	49	02	01	15	57	06	17	48	08	11	05	07	33	06	23	02	46	09	24	29	04	00	18	58	35
07	06	20	25	27	00	03	36	30	02	01	09	57	06	19	25	43	11	05	04	02	06	24	18	02	09	24	30	33	00	18	55	25
08	06	21	25	43	00	16	34	30	02	01	03	01	06	21	02	51	11	05	00	42	06	25	33	21	09	24	32	09	00	18	52	14
09	06	22	25	57	00	29	18	55	02	00	55	16	06	22	39	34	11	04	57	35	06	26	48	37	09	24	33	51	00	18	49	03
10	06	23	26	17	01	11	50	42	02	00	46	36	06	24	16	01	11	04	54	38	06	28	03	55	09	24	35	37	00	18	45	52
11	06	24	26	34	01	24	09	43	02	00	37	06	06	25	52	03	11	04	51	53	06	29	19	14	09	24	37	31	00	18	42	41
12	06	25	26	57	02	06	17	49	02	00	26	37	06	27	27	44	11	04	49	21	07	00	34	31	09	24	39	29	00	18	39	30
13	06	26	27	21	02	18	16	52	02	00	15	22	06	29	03	07	11	04	47	00	07	01	49	50	09	24	41	34	00	18	36	19
14	06	27	27	46	03	00	09	51	02	00	03	16	07	00	38	14	11	04	44	53	07	03	05	08	09	24	43	47	00	18	33	08
15	06	28	28	14	03	12	00	50	01	29	50	17	07	02	13	01	11	04	42	56	07	04	20	29	09	24	46	04	00	18	29	57
16	06	29	28	41	03	23	54	14	01	29	36	33	07	03	47	28	11	04	41	13	07	05	35	47	09	24	48	26	00	18	26	47
17	07	00	29	11	04	05	55	41	01	29	22	01	07	05	21	47	11	04	39	42	07	06	51	07	09	24	50	56	00	18	23	36
18	07	01	29	41	04	18	10	02	01	29	06	41	07	06	55	52	11	04	38	22	07	08	06	27	09	24	53	30	00	18	20	25
19	07	02	30	15	05	00	41	38	01	28	50	36	07	08	29	41	11	04	37	16	07	09	21	44	09	24	56	09	00	18	17	14
20	07	03	30	48	05	13	34	16	01	28	33	51	07	10	03	19	11	04	36	22	07	10	37	03	09	24	58	54	00	18	14	03
21	07	04	31	26	05	26	50	19	01	28	16	15	07	11	36	44	11	04	35	40	07	11	52	25	09	25	01	48	00	18	10	52
22	07	05	32	03	06	10	30	04	01	27	58	10	07	13	09	58	11	04	35	10	07	13	07	45	09	25	04	44	00	18	07	41
23	07	06	32	42	06	24	33	03	01	27	39	19	07	14	43	02	11	04	34	53	07	14	23	05	09	25	07	45	00	18	04	31
24	07	07	33	21	07	08	55	55	01	27	19	59	07	16	15	53	11	04	34	49	07	15	38	23	09	25	10	54	00	18	01	20
25	07	08	34	03	07	23	34	06	01	26	59	56	07	17	48	41	11	04	34	57	07	16	53	46	09	25	14	07	00	17	58	09
26	07	09	34	46	08	08	21	06	01	26	39	31	07	19	21	14	11	04	35	19	07	18	09	03	09	25	17	26	00	17	54	58
27	07	10	35	32	08	23	09	18	01	26	18	27	07	20	53	42	11	04	35	50	07	19	24	26	09	25	20	51	00	17	51	47
28	07	11	36	16	09	07	51	16	01	25	57	07	07	22	25	59	11	04	36	37	07	20	39	45	09	25	24	21	00	17	48	36
29	07	12	37	04	09	22	21	08	01	25	35	18	07	23	58	09	11	04	37	36	07	21	55	06	09	25	27	56	00	17	45	25
30	07	13	37	52	10	06	34	28	01	25	13	07	07	25	30	08	11	04	38	46	07	23	10	25	09	25	31	36	00	17	42	14

औदयिक स्पष्ट ग्रह, दिसम्बर 2022

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि
01	07	14	38	43	10	20	29	12	01	24	50	38	07	27	01	59	11	04	40	07	07	24	25	48	09	25	35	23	00	17	39	03
02	07	15	39	32	11	04	04	55	01	24	27	56	07	28	33	41	11	04	41	43	07	25	41	08	09	25	39	12	00	17	35	53
03	07	16	40	25	11	17	22	51	01	24	05	04	08	00	05	10	11	04	43	30	07	26	56	27	09	25	43	09	00	17	32	42
04	07	17	41	18	00	00	25	08	01	23	41	56	08	01	36	22	11	04	45	30	07	28	11	48	09	25	47	09	00	17	29	31
05	07	18	42	11	00	13	13	16	01	23	18	48	08	03	07	23	11	04	47	42	07	29	27	10	09	25	51	15	00	17	26	20
06	07	19	43	07	00	25	49	40	01	22	55	33	08	04	38	00	11	04	50	06	08	00	42	29	09	25	55	26	00	17	23	09
07	07	20	44	04	01	08	15	47	01	22	32	20	08	06	08	15	11	04	52	41	08	01	57	51	09	25	59	42	00	17	19	58
08	07	21	45	00	01	20	33	00	01	22	09	13	08	07	38	00	11	04	55	31	08	03	13	08	09	26	04	03	00	17	16	47
09	07	22	45	58	02	02	42	16	01	21	46	08	08	09	07	12	11	04	58	32	08	04	28	31	09	26	08	29	00	17	13	36
10	07	23	46	58	02	14	44	44	01	21	23	15	08	10	35	43	11	05	01	43	08	05	43	53	09	26	12	58	00	17	10	26
11	07	24	47	56	02	26	41	30	01	21	00	35	08	12	03	21	11	05	05	08	08	06	59	09	09	26	17	32	00	17	07	15
12	07	25	48	59	03	08	33	37	01	20	38	08	08	13	30	07	11	05	08	43	08	08	14	33	09	26	22	10	00	17	04	04
13	07	26	49	59	03	20	24	29	01	20	15	59	08	14	55	39	11	05	12	29	08	09	29	49	09	26	26	55	00	17	00	53
14	07	27	51	02	04	02	17	20	01	19	54	10	08	16	19	52	11	05	16	29	08	10	45	09	09	26	31	43	00	16	57	42
15	07	28	52	03	04	14	16	25	01	19	32	51	08	17	42	25	11	05	20	39	08	12	00	28	09	26	36	35	00	16	54	31
16	07	29	53	08	04	26	26	28	01	19	11	47	08	19	03	10	11	05	25	00	08	13	15	47	09	26	41	33	00	16	51	20
17	08	00	54	11	05	08	52	13	01	18	51	23	08	20	21	37	11	05	29	34	08	14	31	07	09	26	46	34	00	16	48	10
18	08	01	55	18	05	21	38	42	01	18	31	20	08	21	37	37	11	05	34	19	08	15	46	25	09	26	51	39	00	16	44	59
19	08	02	56	23	06	04	49	26	01	18	11	57	08	22	50	37	11	05	39	14	08	17	01	44	09	26	56	50	00	16	41	48
20	08	03	57	29	06	18	26	53	01	17	53	04	08	24	00	14	11	05	44	21	08	18	17	00	09	27	02	03	00	16	38	37
21	08	04	58	37	07	02	32	30	01	17	34	48	08	25	06	00	11	05	49	37	08	19	32	19	09	27	07	20	00	16	35	26
22	08	05	59	43	07	17	04	36	01	17	17	13	08	26	07	14	11	05	55	07	08	20	47	37	09	27	12	43	00	16	32	15
23	08	07	00	51	08	01	58	47	01	17	00	17	08	27	03	25	11	06	00	45	08	22	02	53	09	27	18	07	00	16	29	05
24	08	08	01	59	08	17	07	40	01	16	44	05	08	27	53	48	11	06	06	34	08	23	18	10	09	27	23	37	00	16	25	54
25	08	09	03	07	09	02	20	39	01	16	28	32	08	28	37	37	11	06	12	35	08	24	33	26	09	27	29	11	00	16	22	43
26	08	10	04	15	09	17	27	00	01	16	13	49	08	29	14	03	11	06	18	44	08	25	48	41	09	27	34	47	00	16	19	32
27	08	11	05	25	10	02	17	37	01	15	59	47	08	29	42	14	11	06	25	05	08	27	03	55	09	27	40	29	00	16	16	21
28	08	12	06	32	10	16	45	47	01	15	46	34	09	00	01	16	11	06	31	37	08	28	19	10	09	27	46	13	00	16	13	10
29	08	13	07	44	11	00	47	37	01	15	34	05	09	00	10	22	11	06	38	17	08	29	34	26	09	27	52	01	00	16	10	00
30	08	14	08	51	11	14	22	59	01	15	22	27	09	00	08	34	11	06	45	07	09	00	49	37	09	27	57	51	00	16	06	49
31	08	15	10	02	11	27	34	51	01	15	11	30	08	29	55	25	11	06	52	09	09	02	04	52	09	28	03	46	00	16	03	38

औदयिक स्पष्ट ग्रह, जनवरी 2023

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	08	16	11	11	00	10	25	21	01	15	01	29	08	29	30	24	11	06	59	18	09	03	20	03	09	28	09	44	00	16	00	27
02	08	17	12	22	00	22	59	05	01	14	52	15	08	28	53	36	11	07	06	38	09	04	35	16	09	28	15	44	00	15	57	16
03	08	18	13	30	01	05	19	58	01	14	43	54	08	28	05	09	11	07	14	08	09	05	50	25	09	28	21	48	00	15	54	06
04	08	19	14	41	01	17	31	13	01	14	36	18	08	27	06	16	11	07	21	47	09	07	05	35	09	28	27	56	00	15	50	55
05	08	20	15	49	01	29	35	33	01	14	29	30	08	25	58	19	11	07	29	35	09	08	20	42	09	28	34	07	00	15	47	44
06	08	21	17	00	02	11	34	52	01	14	23	33	08	24	43	14	11	07	37	32	09	09	35	51	09	28	40	19	00	15	44	33
07	08	22	18	09	02	23	31	11	01	14	18	28	08	23	23	18	11	07	45	39	09	10	50	57	09	28	46	36	00	15	41	22
08	08	23	19	18	03	05	24	54	01	14	14	09	08	22	01	25	11	07	53	53	09	12	06	03	09	28	52	55	00	15	38	12
09	08	24	20	28	03	17	17	08	01	14	10	38	08	20	40	06	11	08	02	17	09	13	21	10	09	28	59	16	00	15	35	01
10	08	25	21	37	03	29	09	53	01	14	07	57	08	19	21	59	11	08	10	29	09	14	36	16	09	29	05	42	00	15	31	50
11	08	26	22	46	04	11	04	54	01	14	06	05	08	18	09	24	11	08	19	29	09	15	51	18	09	29	12	08	00	15	28	39
12	08	27	23	52	04	23	05	08	01	14	05	01	08	17	04	03	11	08	28	20	09	17	06	20	09	29	18	38	00	15	25	29
13	08	28	25	01	05	05	14	03	01	14	04	43	08	16	07	23	11	08	37	17	09	18	21	20	09	29	25	10	00	15	22	18
14	08	29	26	07	05	17	36	19	01	14	05	11	08	15	20	05	11	08	46	23	09	19	36	22	09	29	31	45	00	15	19	07
15	09	00	27	16	06	00	15	46	01	14	06	23	08	14	42	44	11	08	55	38	09	20	51	21	09	29	38	22	00	15	15	56
16	09	01	28	20	06	13	17	07	01	14	08	24	08	14	15	16	11	09	04	59	09	22	06	17	09	29	45	02	00	15	12	45
17	09	02	29	27	06	26	44	17	01	14	11	07	08	13	57	34	11	09	14	29	09	23	21	14	09	29	51	42	00	15	09	35
18	09	03	30	31	07	10	40	01	01	14	14	37	08	13	49	09	11	09	24	08	09	24	36	07	09	29	58	26	00	15	06	24
19	09	04	31	38	07	25	05	06	01	14	18	45	08	13	49	37	11	09	33	53	09	25	51	03	10	00	05	12	00	15	03	13
20	09	05	32	40	08	09	56	56	01	14	23	41	08	13	58	14	11	09	43	45	09	27	05	52	10	00	11	59	00	15	00	02
21	09	06	33	45	08	25	08	20	01	14	29	15	08	14	14	25	11	09	53	46	09	28	20	44	10	00	18	48	00	14	56	52
22	09	07	34	47	09	10	30	06	01	14	35	31	08	14	37	32	11	10	03	53	09	29	35	34	10	00	25	39	00	14	53	41
23	09	08	35	50	09	25	49	52	01	14	42	28	08	15	06	58	11	10	14	08	10	00	50	21	10	00	32	33	00	14	50	30
24	09	09	36	51	10	10	56	12	01	14	50	02	08	15	42	06	11	10	24	30	10	02	05	07	10	00	39	26	00	14	47	19
25	09	10	37	51	10	25	39	32	01	14	58	20	08	16	22	23	11	10	34	57	10	03	19	51	10	00	46	23	00	14	44	09
26	09	11	38	52	11	09	54	36	01	15	07	12	08	17	07	20	11	10	45	32	10	04	34	35	10	00	53	22	00	14	40	58
27	09	12	39	49	11	23	39	48	01	15	16	44	08	17	56	24	11	10	56	15	10	05	49	13	10	01	00	20	00	14	37	47
28	09	13	40	47	00	06	56	15	01	15	26	49	08	18	49	17	11	11	07	04	10	07	03	53	10	01	07	21	00	14	34	37
29	09	14	41	44	00	19	47	33	01	15	37	33	08	19	45	31	11	11	17	58	10	08	18	32	10	01	14	25	00	14	31	26
30	09	15	42	41	01	02	18	27	01	15	48	49	08	20	44	48	11	11	29	00	10	09	33	07	10	01	21	28	00	14	28	15
31	09	16	43	34	01	14	33	14	01	16	00	41	08	21	46	48	11	11	40	07	10	10	47	40	10	01	28	32	00	14	25	04

औदयिक स्पष्ट ग्रह, फरवरी 2023

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	09	17	44	29	01	26	37	00	01	16	13	06	08	22	51	20	11	11	51	21	10	12	02	11	10	01	35	38	00	14	21	54
02	09	18	45	20	02	08	33	22	01	16	26	05	08	23	58	05	11	12	02	41	10	13	16	41	10	01	42	45	00	14	18	43
03	09	19	46	14	02	20	26	28	01	16	39	34	08	25	06	57	11	12	14	06	10	14	31	10	10	01	49	53	00	14	15	32
04	09	20	47	03	03	02	18	07	01	16	53	35	08	26	17	40	11	12	25	39	10	15	45	34	10	01	57	03	00	14	12	22
05	09	21	47	52	03	14	10	23	01	17	08	08	08	27	30	08	11	12	37	16	10	16	59	58	10	02	04	12	00	14	09	11
06	09	22	48	40	03	26	04	50	01	17	23	09	08	28	44	15	11	12	48	58	10	18	14	17	10	02	11	23	00	14	06	00
07	09	23	49	28	04	08	02	29	01	17	38	38	08	29	59	52	11	13	00	48	10	19	28	38	10	02	18	34	00	14	02	50
08	09	24	50	13	04	20	04	16	01	17	54	38	09	01	16	56	11	13	12	40	10	20	42	52	10	02	25	46	00	13	59	39
09	09	25	50	57	05	02	11	35	01	18	11	03	09	02	35	19	11	13	24	39	10	21	57	06	10	02	32	58	00	13	56	28
10	09	26	51	39	05	14	27	07	01	18	27	59	09	03	55	01	11	13	36	43	10	23	11	18	10	02	40	11	00	13	53	18
11	09	27	52	23	05	26	53	01	01	18	45	17	09	05	15	58	11	13	48	52	10	24	25	28	10	02	47	25	00	13	50	07
12	09	28	53	01	06	09	33	00	01	19	03	05	09	06	38	06	11	14	01	06	10	25	39	34	10	02	54	38	00	13	46	56
13	09	29	53	42	06	22	30	46	01	19	21	16	09	08	01	23	11	14	13	26	10	26	53	38	10	03	01	53	00	13	43	46
14	10	00	54	20	07	05	49	53	01	19	39	51	09	09	25	50	11	14	25	49	10	28	07	43	10	03	09	07	00	13	40	35
15	10	01	54	55	07	19	33	38	01	19	58	51	09	10	51	19	11	14	38	17	10	29	21	42	10	03	16	21	00	13	37	24
16	10	02	55	30	08	03	43	34	01	20	18	14	09	12	17	55	11	14	50	50	11	00	35	38	10	03	23	36	00	13	34	14
17	10	03	56	03	08	18	19	09	01	20	38	01	09	13	45	34	11	15	03	28	11	01	49	32	10	03	30	51	00	13	31	03
18	10	04	56	36	09	03	15	50	01	20	58	08	09	15	14	14	11	15	16	10	11	03	03	23	10	03	38	06	00	13	27	52
19	10	05	57	03	09	18	25	48	01	21	18	40	09	16	43	53	11	15	28	56	11	04	17	11	10	03	45	20	00	13	24	42
20	10	06	57	33	10	03	38	57	01	21	39	31	09	18	14	37	11	15	41	46	11	05	30	56	10	03	52	36	00	13	21	31
21	10	07	57	58	10	18	44	08	01	22	00	44	09	19	46	14	11	15	54	40	11	06	44	40	10	03	59	49	00	13	18	20
22	10	08	58	26	11	03	31	30	01	22	22	16	09	21	18	54	11	16	07	39	11	07	58	20	10	04	07	02	00	13	15	10
23	10	09	58	48	11	17	54	14	01	22	44	08	09	22	52	32	11	16	20	41	11	09	11	56	10	04	14	17	00	13	11	59
24	10	10	59	10	00	01	48	42	01	23	06	20	09	24	27	05	11	16	33	46	11	10	25	30	10	04	21	31	00	13	08	48
25	10	11	59	30	00	15	14	26	01	23	28	49	09	26	02	40	11	16	46	56	11	11	39	01	10	04	28	43	00	13	05	38
26	10	12	59	49	00	28	13	36	01	23	51	38	09	27	39	17	11	17	00	09	11	12	52	30	10	04	35	55	00	13	02	27
27	10	14	00	04	01	10	49	31	01	24	14	46	09	29	16	50	11	17	13	25	11	14	05	53	10	04	43	07	00	12	59	16
28	10	15	00	21	01	23	06	47	01	24	38	09	10	00	55	22	11	17	26	47	11	15	19	16	10	04	50	17	00	12	56	06

औदयिक स्पष्ट ग्रह, मार्च 2023

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	10	16	00	32	02	05	10	08	01	25	01	51	10	02	34	58	11	17	40	08	11	16	32	34	10	04	57	26	00	12	52	55
02	10	17	00	45	02	17	05	07	01	25	25	49	10	04	15	36	11	17	53	35	11	17	45	48	10	05	04	37	00	12	49	45
03	10	18	00	53	02	28	55	35	01	25	50	02	10	05	57	15	11	18	07	05	11	18	58	59	10	05	11	44	00	12	46	34
04	10	19	01	03	03	10	45	33	01	26	14	31	10	07	39	59	11	18	20	38	11	20	12	07	10	05	18	49	00	12	43	23
05	10	20	01	09	03	22	38	43	01	26	39	17	10	09	23	49	11	18	34	14	11	21	25	12	10	05	25	56	00	12	40	13
06	10	21	01	13	04	04	37	02	01	27	04	18	10	11	08	45	11	18	47	53	11	22	38	13	10	05	33	01	00	12	37	02
07	10	22	01	16	04	16	41	42	01	27	29	32	10	12	54	48	11	19	01	34	11	23	51	11	10	05	40	05	00	12	33	51
08	10	23	01	15	04	28	53	52	01	27	55	01	10	14	41	58	11	19	15	18	11	25	04	05	10	05	47	08	00	12	30	41
09	10	24	01	14	05	11	14	23	01	28	20	45	10	16	30	21	11	19	29	05	11	26	16	55	10	05	54	09	00	12	27	30
10	10	25	01	11	05	23	43	36	01	28	46	42	10	18	19	49	11	19	42	54	11	27	29	42	10	06	01	09	00	12	24	20
11	10	26	01	06	06	06	23	23	01	29	12	52	10	20	10	27	11	19	56	46	11	28	42	26	10	06	08	08	00	12	21	09
12	10	27	00	58	06	19	15	00	01	29	39	16	10	22	02	13	11	20	10	40	11	29	55	05	10	06	15	03	00	12	17	58
13	10	28	00	48	07	02	20	53	02	00	05	52	10	23	55	09	11	20	24	36	00	01	07	40	10	06	21	59	00	12	14	48
14	10	29	00	36	07	15	43	02	02	00	32	41	10	25	49	09	11	20	38	34	00	02	20	10	10	06	28	53	00	12	11	37
15	11	00	00	25	07	29	23	28	02	00	59	41	10	27	44	10	11	20	52	35	00	03	32	39	10	06	35	46	00	12	08	26
16	11	01	00	08	08	13	23	30	02	01	26	53	10	29	40	15	11	21	06	37	00	04	44	59	10	06	42	35	00	12	05	16
17	11	01	59	53	08	27	42	05	02	01	54	18	11	01	37	16	11	21	20	43	00	05	57	21	10	06	49	25	00	12	02	05
18	11	02	59	32	09	12	16	41	02	02	21	54	11	03	35	06	11	21	34	49	00	07	09	36	10	06	56	11	00	11	58	55
19	11	03	59	12	09	27	02	27	02	02	49	40	11	05	33	46	11	21	48	57	00	08	21	45	10	07	02	55	00	11	55	44
20	11	04	58	48	10	11	52	14	02	03	17	38	11	07	33	09	11	22	03	07	00	09	33	51	10	07	09	37	00	11	52	33
21	11	05	58	24	10	26	38	04	02	03	45	45	11	09	33	05	11	22	17	19	00	10	45	53	10	07	16	19	00	11	49	23
22	11	06	57	58	11	11	12	04	02	04	14	03	11	11	33	29	11	22	31	32	00	11	57	52	10	07	22	56	00	11	46	12
23	11	07	57	27	11	25	27	49	02	04	42	32	11	13	34	08	11	22	45	46	00	13	09	44	10	07	29	32	00	11	43	01
24	11	08	56	57	00	09	21	22	02	05	11	10	11	15	34	59	11	23	00	02	00	14	21	33	10	07	36	07	00	11	39	51
25	11	09	56	23	00	22	50	24	02	05	39	58	11	17	35	40	11	23	14	19	00	15	33	16	10	07	42	38	00	11	36	40
26	11	10	55	48	01	05	55	04	02	06	08	55	11	19	36	01	11	23	28	37	00	16	44	54	10	07	49	06	00	11	33	30
27	11	11	55	10	01	18	37	27	02	06	38	02	11	21	35	48	11	23	42	57	00	17	56	28	10	07	55	32	00	11	30	19
28	11	12	54	32	02	01	00	07	02	07	07	17	11	23	34	36	11	23	57	18	00	19	07	56	10	08	01	56	00	11	27	08
29	11	13	53	49	02	13	07	39	02	07	36	41	11	25	32	07	11	24	11	40	00	20	19	19	10	08	08	17	00	11	23	58
30	11	14	53	07	02	25	04	33	02	08	06	14	11	27	28	03	11	24	26	02	00	21	30	39	10	08	14	36	00	11	20	47
31	11	15	52	21	03	06	55	38	02	08	35	55	11	29	21	55	11	24	40	25	00	22	41	52	10	08	20	51	00	11	17	36

अक्षांश, रेखांश, स्टैंडर्ड अन्तरादि सारणी

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
अजमेर	26।27	74।42	–31	उधमपुर(पंजाब)	32।56	74।43	–31
अयोध्या	26।48	82।14	–01	औरंगाबाद, (महाराष्ट्र)	19।53	75।23	–28
अम्बाला	30।21	76।52	–23	औरंगाबाद(विहार)	24।45	84।25	+08
अमृतसर	31।37	74।55	–31	कटक	20।28	85।54	+14
अहमदपुर	29।17	71।35	–44	कराची(पाकिस्तान)	24।51	67।04	–32
अलमोड़ा	29।37	79।40	–11	कन्नौज	27।03	79।58	–10
अखनूर	32।54	74।35	–32	करनाल	29।42	77।02	–22
अलीगढ	27।54	78।06	–18	कलकत्ता	22।34	88।24	+24
अमेठी	26।07	81।47	–03	कपूरथला	31।23	75।25	–28
अगरतला	23।49	91।17	+35	कल्याण(महाराष्ट्र)	19।17	73।11	–37
अहमदनगर	19।05	74।48	–31	कोयम्बटूर	11।00	77।00	–22
अहमदाबाद	23।02	72।38	–39	कालका	30।50	76।56	–22
आबू	24।40	72।45	–39	काशी–वाराणसी	25।20	83।00	+02
आगरा	27।10	78।05	–18	काठमांडु,नेपाल	27।42	85।12	+11
आजमगढ	26।03	83।13	+03	कानपुर	26।28	80।24	–08
इटावा	26।47	79।02	–14	कांचीपुरम्,तमि.	12।51	79।53	–11
इन्दौर	22।45	75।50	–27	कांगडा	32।09	76।18	–25

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
इम्फाल	24।54	93।54	+46	किश्तवाड़ा,जम्मू	33।12	75।48	–27
उदयपुर(राज)	24।37	73।42	–35	कुरूक्षेत्र	29।58	76।48	–23
उज्जैन	23।09	75।43	–27	कन्याकुमारी	08।06	77।34	–20
उन्नाव	26।48	80।43	–07	कोल्हापुर	16।42	74।16	–33
कोटा(राज.)	25।10	75।52	–27	जम्मू	3244	74।54	–30
कोच्चीन	09।58	76।17	–25	जसवन्तनगर	2651	78।55	–14
खम्भात	22।19	72।36	–40	जामनगर	2227	70।07	–50
गुड़गांव	28।27	77।04	–22	जालन्धर	3119	75।18	–29
गुलबर्गा	17।22	76।47	–23	जूनागढ (गुज.)	2131	70।36	–48
गुन्टूर	16।20	80।27	–08	जैसलमेर	2655	70।57	–46
गयाजी	24।49	85।01	+10	जौनपुर	2542	82।44	+01
ग्वालियर	26।14	78।10	–17	जोधपुर	2619	73।04	–38
गाजीपुर	25।34	83।35	+04	झांसी	2537	78।37	–16
गिलगिल	35।54	74।22	–33	झालरापाटन	2432	76।12	–25
गोरखपुर	26।45	83।27	+04	ट्रावनकोर	0900	77।00	–22
गोंडा	27।28	82।01	–02	टुण्डला जं	2713	78।13	–17
गोवा	15।30	73।57	–34	टाटानगर	2909	80।10	–09
गोहाटी	26।11	91।45	+37	टोंक (राज.)	2611	75।50	–27

नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.
	अं. क.	अं. क.			अं. क.	अं. क.	
गोकर्ण	14।33	74।18	−33	डलहौजी	3230	75।54	−27
चम्बा	32।34	76।10	−25	डिबरूगढ	2729	94।56	+50
चंडीगढ	30।40	76।52	−22	ढाका(बांग्ला.)	2343	90।26	+32
चिकमंगलूर	13।20	75।46	−27	त्रिचूर	1032	76।14	−25
चित्तौड़गढ	24।54	74।42	−31	त्रिवेन्द्रम्	0830	76।54	−22
चित्रकूट	25।15	80।28	−08	दरभंगा	2610	85।57	+14
चेरापूंजी	25।17	91।47	−37	दाहोद(गुज.)	2250	74।15	−33
छपरा	24।47	84।31	+09	दार्जिलिंग	2706	88।18	+23
छतरपुर	24।54	79।38	−11	द्वारकाधाम	2212	69।01	−54
जलगांव	21।01	75।39	−29	दिल्ली	28।38	77।12	−21
जगन्नाथपुरी	19।46	85।48	+13	देहरादून	30।20	78।04	−18
जमशेदपुर	22।50	86।10	+15	दौलताबाद	19।57	75।12	−29
जलपाईगुडी	26।32	88।46	+25	धर्मशाला	32।16	76।23	−24
जबलपुर	23।10	80।01	−10	धारवाड़	15।26	75।00	−30
जयपुर	26।56	75।52	−27	धार (म.प्र)	22।36	75।12	−29
धूलिया	20।58	74।42	−31	फतेहपुर(उ.प्र.)	25।55	80।52	−06
नसीराबाद	26।08	74।46	−31	फतेहपुर(राज.)	27।52	75।02	−30
नड़ियाद.गुज.	22।41	72।55	−38	फिरोजपुर	30।56	74।40	−31

नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.
	अं. क.	अं. क.			अं. क.	अं. क.	
नासिक	20।02	73।50	-35	फैजाबाद	26।47	82।12	-01
नागपुर	21।09	79।09	-13	बड़ौदा (गुज.)	22।16	73।12	-37
नाथद्वारा	24।56	73।52	-35	बद्रीनाथ	30।44	79।32	-12
नीमच	24।27	74।52	-31	बरेली	28।22	79।27	-12
पटियाला	30।22	76।25	-24	बेलगांव	15।54	74।36	-32
पटना(बिहा.)	25।37	85।13	+11	बेलूर-कर्नाटक	13।08	75।51	-27
पठानकोट	32।15	75।42	-27	बांदा(उ.प्र.)	25।28	80।20	-09
प्रयागराज	25।24	81।54	-03	बांसवाड़ा	23।30	74।24	-32
पालीतादा	21।30	71।40	-43	बिलासपुर(म.प्र.	22।05	82।13	-01
पानीपत	29।23	77।01	-21	बिलासपुर(हि.प्र	31।19	76।50	-23
पांडीचेरी	11।56	79।53	-10	बीजापुर	16।50	75।47	-27
पीलीभीत	28।40	79।50	-11	बीकानेर	28।01	73।22	-37
पुरुलिया,बिहा.	23।20	86।25	+16	बूंदी(राज.)	25।27	75।41	-27
पूना	18।19	73।55	-34	बुलन्दशहर	28।24	77।54	-18
पोरबन्दर	21।37	69।49	-51	बंगलौर	12।58	77।38	-19
फरीदकोट	30।40	74।57	-30	भिवानीहरि.	28।48	76।08	-36
फरीदाबाद	28।26	77।19	-21	भिवण्डी	19।15	73।05	-38
फर्रूखाबाद	27।24	79।37	-12	भुसावल	21।02	75।47	-27

नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.
	अं. क.	अं. क.			अं. क.	अं. क.	
भरतपुर	27।15	77।30	−20	रतलाम	23।21	75।07	−30
भटिण्डा	30।11	75।00	−30	रायचूर	16।15	77।20	−21
भड़ोच	21।41	73।00	−38	राजकोट	22।18	70।59	−46
भावनगर	21।46	72।11	−41	रायगढ	21।58	83।26	−04
भागलपुर	25।13	86।59	+18	रायबरेली	26।15	81।16	−05
भुवनेश्वर	20।28	85।54	+14	रामेश्वरम्	09।17	79।22	−13
भूटान	27।30	90।00	+30	रायंपुर(छ.ग.)	21।15	81।41	−03
महेन्द्रगढ़ हरि.	28।17	76।09	−25	रांची	23।40	85।34	+12
भोपाल	23।16	77।36	−20	रायपुर(उ.प्र.)	28।48	75।05	−14
मदुराई	09।55	78।07	−18	रीवा	24।32	81।19	−05
मेहसाणा	23।42	72।37	−40	रेवाड़ी-जंक्शन	28।12	76।40	−23
मणीपुरस्टेट	24।44	93।58	+46	रोहतक	28।54	76।38	−23
मण्डी(हि.प्र.)	31।40	76।58	−22	रंगून(वर्मा)	16।50	96।13	+55
मद्रास	13।04	80।17	−09	लद्दाख	33।00	78।48	−15
मथुरा	27।28	77।41	−19	लखनऊ	26।55	80।59	−06
मालेगांव	20।31	74।30	−32	ललितपुर	24।22	78।28	−16
मिर्जापुर	25।06	82।37	−00	लातूर	18।24	76।34	−24
मुरादाबाद	28।50	78।49	−15	लुधियाना	30।55	75।54	−26

नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.
	अं. क.	अं. क.			अं. क.	अं. क.	
मुंगेर-बिहार	25।23	86।30	+16	लाहौर(पाकि.)	31।37	74।26	-02
मुर्शिदाबाद	24।10	88।19	+23	वर्धा	20।45	78।39	-15
मुजफ्फरनगर	29।30	77।44	-19	विजयवाड़ा	16।31	80।39	-07
मुजफ्फरपुर	26।12	85।27	+12	विशाखापटनम्	17।42	83।20	+03
मुम्बई	18।57	72।50	-39	शिमला	31।06	77।13	-21
मेरठ	29।00	77।45	-19	शिकोहाबाद	27।06	78।38	-15
मैसूर-कर्नाटक	12।18	75।42	-23	शिलांग-मेघाल.	25।34	91।45	+38
मैनपुरी	27।13	79।04	-14	श्रीगंगानगर	29।50	73।50	-35
मोतीहारी	26।40	84।57	+10	श्रीनगर कश्मीर	34।06	74।51	-31
रत्नागिरि	17।00	73।20	-37	श्रीनगर गढवाल	30।14	78।42	-15
श्रीमाधोपुर	27।25	75।25	-29	हथुना	26।12	84।05	+06
सतारा(महा.)	17।42	74।02	-34	हाजीपुर	25।35	83।11	+03
सम्बलपुर	21।28	84।00	+06	हाथरस	27।38	78।06	-18
सहारनपुर	29।59	77।23	-20	हिसार	29।10	75।46	-27
स्यालकोट	32।31	74।36	-02	हैदराबाद	17।18	78।30	-16
सागर(म.प्र.)	23।50	78।45	-15	होशियारपुर	31।32	75।57	-26
सिरसा	29।32	75।04	-30	हौशंगाबाद	22।46	77।45	-19
सिरोही	24।35	73।02	-38	होडल (हरि.)	27।53	77।22	-21

सिकन्दराबाद	17।27	78।33	-16	संथालपरगना	24।30	87।00	+18
सीतामढी	26।35	85।27	+12	संगमनेर	19।35	74।46	-31
सीतापुर	27।32	80।24	-08	हिंगोली	19।43	77।11	-21
सुल्तानपुर	26।16	82।07	-02	हरदोई	27।23	80।10	-09
सूरत-गुजरात	21।11	72।52	-39	हजारीबाग	23।59	85।25	+12
सेलम-तमिल	11।39	78।15	-17	हरिद्वार	29।56	78।13	-17
सोमनाथ	21।01	70।26	-48	हांसी	29।06	76।00	-26
सोलापुर	17।40	75।48	-27	तिरुपति	13।39	79।25	-12
सोनीपत	28।59	77।01	-22	पौड़ी	30।09	78।47	-15
सोजत,मारवाड	25।56	73।42	-35	पंचकूला	30।42	76।52	-22
सोनपुर,उड़ीसा	20।51	83।55	+06	पटियाला	30।20	76।25	-24
सोलन, हि.प्र.	30।57	77।09	-22	पुरी	19।48	85।52	+13

अथ ज्योतिषमाहात्म्यम्

वेदाङ्गमाद्यं वेदानां क्रियाणां च प्रसाधनम्।
ज्योतिर्ज्ञानं द्विजेन्द्राणमतो वेद्यं विदुर्बुधाः।।
ज्योतिश्चक्रे तु लोकस्य सर्वस्योक्तं शुभाशुभम्।
ज्योतिर्ज्ञानं च यो वेत्ति स याति परमां गतिम्।।
चन्द्रनक्षत्रताराणां ग्रहाणां भास्करस्य च।
ज्योतिषामपि यज्योतिर्ज्योतिषामपि पावनम्।।
तद्भावभावितं युक्तं तं देवा ब्राह्मणं विदुः।
तस्मात्पूर्वमधीयीत ज्योतिर्ज्ञानं द्विजोत्तमः।।
धर्मसूत्रं ततः पश्चाद्यज्ञकर्मविधिक्रियाः।
यज्ञाश्चायुष्यहोमाश्च चूडोपनयनानि च।।
न ज्योतिषं विना तासां प्रवृत्तिरुपलभ्यते।
आप्यायनं च वेदानां यज्ञाः प्रोक्ताः क्रियाश्रयाः।।
यज्ञार्थमपि च प्रोक्ताः स्वयं वेदाः स्वयंभुवा।
न च ते सम्प्रवर्तन्ते कालज्ञानात्कथंचन्।।
यज्ञक्रिया अहोरात्रं क्रियाश्चान्या जगद्धिताः।
तस्मात्पुण्यं वेदैर्यज्ञचक्षुः सनातनम्।।
स्वर्ग्यमध्ययमध्यग्र्यं ब्राह्मणैः शंसितव्रतैः।
ततः कालप्रसिद्ध्यर्थं राशयः पूर्वमीरिताः।।
अहोरात्रविभागाश्च तिथीनां च क्रियाविधिः।
सोमसूर्यविलग्नानामृक्षाणां चापि निश्चयः।।
आदानयोगभोगाश्च विसर्गाश्चार्कसोमयोः।
दिनर्तुपक्षमासानां चन्द्रार्काणां विनिश्चयः।।
कर्मोपभोगमानानां लेख्यः प्रश्नविधिस्तथा।
एवमाद्याः समस्ताश्च क्रियाज्योतिषसंश्रिताः।।
तस्माद्द्विजैरध्ययनीयमेतत्पुण्यं रहस्यं परमं च तत्वम्।
यो ज्योतिषं वेत्ति नरः स सम्यग्धर्मार्थकामान् लभते यशश्च।।

क्रान्ति सारिणी

	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
01.	-23:00:45	-17:06:31	-07:35:28	04:38:10	15:09:28	22:05:50	23:06:04	17:57:40	08:11:40	-03:16:46	-14:30:31	-21:50:47
02.	-22:55:35	-16:49:17	-07:12:36	05:01:16	1:27:26	22:13:42	23:01:44	17:42:21	07:49:49	-03:40:02	-14:49:34	-21:59:49
03.	-22:49:57	-16:31:46	-06:49:39	05:24:17	15:45:10	22:21:10	22:57:00	17:26:44	07:27:50	-04:03:14	-15:08:23	-22:08:25
04.	-22:43:52	-16:13:57	-06:26:35	05:47:12	16:02:37	22:28:15	22:51:51	17:10:51	07:05:43	-04:26:24	-15:26:57	-22:16:36
05.	-22:37:20	-15:55:52	-06:03:26	06:10:02	16:19:49	22:34:57	22:46:19	16:54:40	06:43:30	-04:49:30	-15:45:16	-22:24:21
06.	-22:30:21	-15:37:30	-05:40:12	06:32:44	16:36:44	22:41:14	22:40:23	16:38:14	06:21:11	-05:12:34	-16:03:19	-22:31:40
07.	-22:22:55	-15:18:53	-05:16:53	06:55:21	16:53:22	22:47:08	22:34:03	16:21:31	05:58:44	-05:35:33	-16:21:06	-22:38:32
08.	-22:15:03	-14:59:59	-04:53:30	07:17:50	17:09:44	22:52:38	22:27:21	16:04:32	05:36:12	-05:58:28	-16:38:37	-22:44:58
09.	-22:06:45	-14:40:50	-04:30:03	07:40:12	17:25:49	22:57:44	22:20:14	15:47:18	05:13:35	-06:21:18	-16:55:50	-22:50:57
10.	-21:58:01	-14:21:27	-04:06:32	08:02:25	17:41:36	23:02:25	22:12:45	15:29:49	04:50:52	-06:44:03	-17:12:47	-22:56:29
11.	-21:48:51	-14:01:49	-03:42:59	08:24:31	17:57:05	23:06:43	22:04:53	15:12:05	04:28:04	-07:06:42	-17:29:26	-23:01:34
12.	-21:39:16	-13:41:57	-03:19:23	08:46:29	18:12:16	23:10:35	21:56:38	14:54:06	04:05:11	-07:29:16	-17:45:47	-23:06:11
13.	-21:29:15	-13:21:52	-02:55:45	09:08:17	18:27:09	23:14:04	21:48:00	14:35:53	03:42:15	-07:51:44	-18:01:49	-23:10:21
14.	-21:18:50	-13:01:34	-02:32:05	09:29:57	18:41:43	23:17:07	21:39:00	14:17:26	03:19:13	-08:14:05	-18:17:33	-23:14:04
15.	-21:08:00	-12:41:03	-02:08:23	09:51:26	18:55:58	23:19:46	21:29:38	13:58:46	02:56:09	-08:36:19	-18:32:57	-23:17:18
16.	-20:56:46	-12:20:20	-01:44:40	10:12:47	19:09:54	23:22:00	21:19:54	13:39:52	02:33:01	-08:58:27	-18:48:02	-23:20:05
17.	-20:45:07	-12:59:25	-01:20:56	10:33:57	19:23:31	23:23:50	21:09:48	13:20:46	02:09:50	-09:20:26	-19:02:46	-23:22:24
18.	-20:33:05	-11:38:18	-00:57:12	10:54:56	19:36:48	23:25:15	20:59:21	13:01:26	01:46:37	-09:42:17	-19:17:11	-23:24:15
19.	-20:20:40	-11:17:01	-00:33:27	11:15:45	19:49:44	23:26:15	20:48:33	12:41:54	01:23:21	-10:04:00	-19:31:14	-23:25:37
20.	-20:07:52	-10:55:32	-00:09:43	11:36:20	20:02:21	23:26:50	20:37:23	12:22:10	01:00:03	-10:25:34	-19:44:57	-23:26:32
21.	-19:54:41	-10:33:54	00:14:02	11:56:49	20:14:37	23:27:00	20:25:53	12:02:15	00:36:43	-10:46:59	-19:58:17	-23:26:58
22.	-19:41:08	-10:12:06	00:37:44	12:17:03	20:26:32	23:26:46	20:14:02	11:42:08	00:13:22	-11:08:14	-20:11:16	-23:26:56
23.	-19:27:13	-09:50:08	01:01:25	12:37:05	20:38:06	23:26:06	20:01:51	11:21:50	-00:09:58	-11:29:19	-20:23:53	-23:26:25
24.	-19:12:56	-09:28:02	01:25:05	12:56:55	20:49:19	23:25:02	19:49:20	11:01:21	-00:33:21	-11:50:14	-20:36:07	-23:25:26
25.	-18:58:18	-09:05:47	01:48:42	13:16:32	21:00:10	23:23:33	19:36:29	10:40:42	-00:56:43	-12:10:59	-20:47:59	-23:24:00
26.	-18:43:19	-08:43:24	02:12:16	13:35:56	21:10:40	23:21:40	19:23:18	10:19:52	-01:20:06	-12:31:31	-20:59:27	-23:22:04
27.	-18:28:00	-08:20:52	02:35:48	13:55:07	21:20:47	23:19:22	19:09:48	09:58:53	-01:43:28	-12:51:53	-21:10:31	-23:19:41
28.	-18:12:21	-07:58:14	02:59:17	14:14:04	21:30:33	23:16:39	18:55:59	09:37:44	-02:06:50	-13:12:02	-21:21:11	-23:16:50
29.	-17:56:22	-	03:22:42	14:32:46	21:39:56	23:13:32	18:41:52	09:16:26	-02:30:10	-13:31:59	-21:31:28	-23:13:30
30.	-17:40:03	-	03:46:03	14:51:15	21:48:57	23:10:00	18:27:26	08:54:59	-02:53:29	-13:51:43	-21:41:20	-23:09:43
31.	-17:23:26	-	04:09:20	-	21:57:35	-	18:12:42	08:33:24	-	-14:11:14	-	-23:05:28

(+) उत्तरा क्रान्ति (-) दक्षिणा क्रान्ति

चरसारिणी - 1

क्रां. \ अ.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.
1	00:04	00:08	00:13	00:17	00:21	00:25	00:29	00:34	00:38	00:42	00:47	00:51	00:55	01:00	01:04	01:09	01:13	01:18	01:22	01:27	01:32	01:37	01:42	01:47
2	00:08	00:17	00:25	00:34	00:42	00:50	00:59	01:08	01:16	01:25	01:33	01:42	01:51	02:00	02:09	02:18	02:27	02:37	02:45	02:55	03:04	03:14	03:24	03:34
3	00:13	00:25	00:38	00:50	01:03	01:16	01:28	01:41	01:54	02:07	02:20	02:33	02:46	03:00	03:13	03:27	03:40	03:55	04:08	04:22	04:37	04:51	05:06	05:21
4	00:17	00:34	00:50	01:07	01:24	01:41	01:58	02:12	02:29	02:48	03:05	03:24	03:42	04:00	04:18	04:36	04:54	05:12	05:31	05:50	06:09	06:29	06:48	07:08
5	00:21	00:42	01:03	01:24	01:45	02:07	02:28	02:50	03:10	03:32	03:54	04:16	04:38	05:00	05:23	05:45	06:07	06:31	06:54	07:19	07:42	08:06	08:31	08:56
6	00:25	00:50	01:16	01:41	02:06	02:32	02:57	03:23	03:49	04:15	04:42	05:07	05:34	06:01	06:47	06:54	07:22	07:50	08:18	08:46	09:15	09:44	10:14	11:44
7	00:29	00:59	01:28	01:58	02:29	02:57	03:27	03:57	04:27	04:58	05:28	05:59	06:30	07:02	07:32	08:04	08:36	09:09	09:42	10:15	10:45	11:22	11:57	12:32
8	00:34	01:07	01:41	02:15	02:49	03:23	03:56	04:31	05:06	05:41	06:16	06:51	07:26	08:03	08:38	09:14	09:51	10:28	11:06	11:44	12:22	13:01	13:41	14:21
9	00:38	01:16	01:54	02:33	03:11	03:49	04:27	05:06	05:42	06:24	07:04	07:43	08:23	09:04	09:44	10:25	11:06	11:48	12:30	13:13	13:56	14:41	15:25	16:11
10	00:42	01:25	02:07	02:50	03:32	04:15	04:58	05:41	06:24	07:08	07:51	08:36	09:20	10:05	10:50	11:36	12:23	13:08	13:55	14:43	15:31	16:20	17:10	18:01
11	00:47	01:34	02:20	03:07	03:54	04:40	05:28	06:16	07:03	07:51	08:40	09:29	10:17	11:07	11:56	12:47	13:38	14:29	15:27	16:14	17:07	18:01	18:56	19:52
12	00:51	01:42	02:33	03:24	04:16	05:09	05:59	06:50	07:43	08:36	09:28	10:21	11:15	12:09	13:03	13:59	14:54	15:20	16:47	17:45	18:43	19:42	20:42	21:43
13	00:55	01:51	02:46	03:42	04:38	05:34	06:30	07:20	08:30	09:20	10:17	11:15	12:13	13:12	14:11	15:11	16:11	17:12	18:14	19:17	20:20	21:25	22:23	23:36
14	01:00	02:00	03:00	04:00	05:00	06:01	07:02	08:03	09:04	10:05	11:07	12:09	13:12	14:15	15:19	16:24	17:29	18:34	19:42	20:50	21:58	23:08	24:18	25:30
15	01:04	02:09	03:13	04:17	05:21	06:27	07:31	08:38	09:44	10:50	11:57	13:04	14:10	15:19	16:27	17:38	18:48	19:59	21:10	22:24	23:35	24:52	26:07	27:24
16	01:09	02:18	03:27	04:36	05:44	06:54	08:04	09:14	10:25	11:6	12:47	13:59	15:00	16:24	17:36	18:52	20:07	21:23	22:40	23:57	25:17	26:37	27:58	29:20
17	01:13	02:27	03:40	04:54	06:08	07:22	08:36	09:51	11:06	12:20	13:38	14:54	16:11	17:29	18:48	20:07	21:27	22:48	24:10	25:33	26:58	28:23	29:50	31:18
18	01:18	02:36	03:51	05:12	06:31	07:50	09:09	10:28	11:48	13:08	14:29	15:50	17:22	18:34	19:59	21:23	22:48	24:14	25:43	27:10	28:41	30:10	31:43	33:16
19	01:23	02:45	04:08	05:31	06:54	08:18	09:37	11:06	12:30	13:55	15:21	16:47	18:14	19:42	21:11	22:40	24:10	25:42	27:14	28:48	30:23	31:59	33:37	35:16
20	01:27	02:55	04:22	05:50	07:16	08:46	10:15	11:44	13:13	14:43	16:14	17:45	19:27	20:50	22:23	23:57	25:33	27:10	28:41	30:27	32:08	33:49	35:33	37:18

चरसारिणी - 2

क्रां. / अ.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.
21	01:32	03:04	04:36	06:09	07:42	09:15	10:48	12:22	13:57	15:31	17:07	18:45	20:20	21:59	23:37	25:17	26:58	28:14	30:23	32:08	33:54	35:41	37:31	39:22
22	01:37	03:14	04:51	06:29	08:06	09:44	11:22	13:01	13:40	16:20	17:59	19:42	21:25	23:08	24:52	26:37	28:23	30:11	31:59	33:49	35:42	37:35	39:30	41:27
23	01:42	03:24	05:0	06:48	08:32	10:14	11:57	13:41	15:25	17:10	18:56	20:42	22:30	24:18	26:06	27:56	29:50	31:44	33:30	35:33	37:31	39:30	41:41	43:34
24	01:47	03:34	05:51	07:08	08:56	10:44	12:32	14:21	16:11	18:01	19:52	21:43	23:36	25:30	27:24	29:20	31:18	33:16	35:16	37:18	39:22	41:47	43:34	45:54
25	01:52	03:44	05:36	07:28	09:21	11:14	13:08	14:59	16:57	18:52	20:48	22:45	24:43	26:42	28:43	30:44	32:47	34:52	36:57	39:05	41:15	43:26	45:40	47:56
26	01:57	03:54	05:52	07:49	09:37	11:45	13:44	15:45	17:43	19:44	21:46	23:45	25:52	27:56	30:02	32:09	34:18	36:28	38:40	40:54	43:13	45:28	47:48	50:10
27	02:02	04:05	06:07	08:10	10:13	12:07	14:21	16:26	18:31	20:37	22:44	24:52	27:02	29:12	31:23	33:36	35:51	37:06	40:25	42:45	45:07	47:32	49:58	52:27
28	02:08	04:12	06:23	08:13	10:40	12:49	14:58	17:08	19:19	21:31	23:44	25:57	28:12	30:28	32:46	35:05	37:25	39:48	42:12	44:38	47:06	49:38	52:11	54:47
29	02:13	04:26	06:40	08:53	11:07	13:22	15:37	17:52	20:09	22:26	24:44	27:04	29:25	31:48	34:10	36:35	39:02	41:27	44:01	46:33	49:08	51:46	54:27	57:09
30	02:19	04:37	06:56	09:15	11:35	13:55	16:16	18:37	20:59	23:22	25:46	28:12	30:38	33:06	35:36	38:07	40:40	43:15	45:52	48:31	51:13	53:57	56:45	59:35
31	02:24	04:59	07:13	09:37	12:02	14:29	16:55	19:23	21:50	24:21	26:50	29:21	31:54	34:27	37:04	39:41	42:21	45:02	47:46	50:28	53:20	56:12	59:06	62:04
32	02:30	05:00	07:30	10:01	12:32	15:04	17:36	20:07	22:43	25:17	27:54	30:32	33:10	35:47	38:33	41:16	44:03	46:52	49:42	52:35	55:30	58:30	61:31	64:37
33	02:36	05:12	07:46	10:25	13:02	15:39	18:16	20:57	23:37	26:18	28:59	31:44	34:29	37:16	40:05	42:56	45:48	48:44	51:40	54:41	57:44	60:51	63:57	67:13
34	02:42	05:54	08:05	10:49	13:32	16:16	19:01	21:45	24:32	27:19	30:06	32:58	35:49	38:44	41:39	44:36	47:36	50:37	53:43	56:51	60:01	63:15	66:33	69:54
35	02:48	05:36	08:25	11:14	14:01	16:53	19:44	22:35	25:24	28:22	31:17	34:14	37:13	40:13	43:15	46:19	49:27	52:36	55:44	59:04	62:22	65:44	69:10	72:40
40	03:21	06:43	10:05	13:27	16:47	20:14	23:38	27:04	30:33	34:02	37:33	41:06	44:47	48:18	51:58	55:41	59:28	63:17	67:10	72:06	75:10	79:16	83:28	87:45
45	04:00	08:00	12:01	14:02	20:05	24:04	28:10	32:19	36:27	40:37	44:47	49:05	53:24	57:45	62:10	66:40	71:13	75:51	80:34	85:30	90:18	95:19	100:28	104:45
50	04:46	09:32	14:19	19:07	23:56	28:47	33:39	38:34	43:31	48:31	53:35	58:42	63:53	59:09	74:29	79:56	85:28	91:04	96:54	102:50	108:54	115:08	121:33	128:11
55	05:43	11:26	17:10	22:56	28:43	34:31	40:24	46:18	32:18	58:20	64:28	70:01	76:59	83:36	90:00	96:42	103:33	110:35	117:49	125:17	132:59	140:58	149:16	157:56
28:39	02:11	04:22	06:34	08:45	10:56	13:10	15:23	17:37	19:51	22:07	24:23	26:41	28:59	31:19	33:40	36:03	38:28	40:54	43:22	45:53	48:25	51:01	53:38	56:19

बेलान्तर सारिणी

दिनांक	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्तुबर	नवम्बर	दिसम्बर
1.	03:03	13:28	12:41	03:54	-02:55	-02:03	03:38	06:19	00:24	-10:17	-16:33	-11:00
2.	03:31	13:37	12:29	03:35	-03:01	-01:54	03:49	06:16	00:04	-10:37	-16:33	-10:38
3.	03:59	13:45	12:16	03:17	-03:07	-01:44	04:00	06:12	-00:14	-10:57	-16:33	-10:15
4.	04:26	13:53	12:03	02:59	-03:13	-01:35	04:10	06:08	-00:34	-11:16	-16:32	-09:51
5.	04:53	13:59	11:50	02:41	-03:17	-01:25	04:20	06:03	-00:54	-11:35	-16:31	-09:27
6.	05:19	14:05	11:36	02:23	-03:21	-01:14	04:30	05:58	-01:15	-11:54	-16:28	-09:02
7.	05:45	14:40	11:21	02:06	-03:25	-01:04	04:40	05:52	-01:36	-12:12	-16:25	-08:37
8.	06:11	14:14	11:06	01:48	-03:28	-00:53	04:49	05:46	-01:57	-12:30	-16:20	-08:12
9.	06:36	14:18	10:51	01:32	-03:30	-00:42	04:58	05:38	-02:18	-12:47	-16:15	-07:46
10.	07:01	14:20	10:35	01:15	-03:32	-00:31	05:07	05:31	-02:39	-13:04	-16:09	-07:20
11.	07:25	14:22	10:19	00:59	-03:33	-00:19	05:15	05:22	-03:01	-13:21	-16:02	-06:53
12.	07:49	14:23	10:02	-00:43	-03:34	-00:08	05:23	05:14	-03:23	-13:36	-15:55	-06:26
13.	08:12	14:23	09:45	00:27	-03:34	00:03	05:30	05:04	-03:45	-13:52	-15:46	-05:59
14.	08:35	14:22	09:28	00:12	-03:34	00:15	05:37	04:54	-04:07	-14:06	-15:37	-05:31
15.	08:57	14:21	09:11	-00:02	-03:33	00:27	05:44	04:43	-04:29	-14:20	-15:27	-05:03
16.	09:18	14:18	08:53	-00:16	-03:32	00:39	05:50	04:32	-04:51	-14:34	-15:16	-04:35
17.	09:39	14:15	08:35	-00:30	-03:30	00:51	05:56	04:20	-05:13	-14:47	-15:04	-04:06
18.	10:00	14:12	08:17	-00:44	-03:27	01:03	06:01	04:08	-05:36	-14:59	-14:51	-03:38
19.	10:19	14:07	07:59	-00:57	-03:24	01:16	06:06	03:55	-05:58	-15:10	-14:38	-03:09
20.	10:38	14:02	07:40	-01:09	-03:21	01:28	06:10	03:42	-06:20	-15:21	-14:24	-02:40
21.	10:56	13:56	07:21	-01:22	-03:17	01:40	06:13	03:28	-06:42	-15:31	-14:09	-02:11
22.	11:14	13:49	07:03	-01:33	-03:12	01:52	06:17	03:14	-07:05	-15:41	-13:53	-01:42
23.	11:31	13:42	06:44	-01:44	-03:07	02:05	06:19	02:59	-07:27	-15:49	-13:37	-01:13
24.	11:47	13:34	06:25	-01:55	-03:02	02:17	06:22	02:43	-07:49	-15:57	-13:20	-00:44
25.	12:02	13:25	06:06	-02:05	-02:56	02:29	06:23	02:27	-08:10	-16:04	-13:02	-00:15
26.	12:17	13:16	05:47	-02:15	-02:49	02:41	06:24	02:11	-08:32	-16:11	-12:43	00:13
27.	12:31	13:05	05:28	-02:24	-02:43	02:53	06:25	01:54	-08:54	-16:16	-12:24	00:41
28.	12:44	12:55	05:09	-02:33	-02:35	03:04	06:25	01:37	-09:15	-16:21	-12:04	01:10
29.	12:56		04:50	-02:41	-02:28	03:16	06:24	01:19	-09:36	-16:32	-11:43	01:39
30.	13:07		04:31	-02:48	-02:20	03:27	06:23	01:01	-09:57	-16:29	-11:22	02:07
31.	13:18		04:12		-02:11		06:21	00:42		-16:31		02:35

अप्रैल मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	06:51:48	08:24:47	10:23:06	12:35:53	14:59:59	17:17:41	19:31:53	21:52:10	00:13:02	02:15:24	04:00:08	05:25:21
2	06:47:52	08:20:50	10:19:10	12:31:57	14:56:02	17:13:44	19:27:57	21:48:13	00:09:05	02:11:28	03:56:11	05:21:25
3	06:43:55	08:16:53	10:15:13	12:28:00	14:52:06	17:09:48	19:24:00	21:44:16	00:05:08	02:07:31	03:52:14	05:17:28
4	06:39:58	08:12:56	10:11:16	12:24:03	14:48:09	17:05:51	19:20:03	21:40:19	00:01:12	02:03:34	03:48:18	05:13:31
5	06:36:01	08:09:00	10:07:19	12:20:06	14:44:12	17:01:54	19:16:06	21:36:23	23:57:15	01:59:38	03:44:21	05:09:35
6	06:32:05	08:05:03	10:03:23	12:16:10	14:40:15	16:57:57	19:12:10	21:32:26	23:53:18	01:55:41	03:40:24	05:05:38
7	06:28:08	08:01:06	09:59:26	12:12:13	14:36:19	16:54:01	19:08:13	21:28:29	23:49:22	01:51:44	03:36:28	05:01:41
8	06:24:11	07:57:10	09:55:29	12:08:16	14:32:22	16:50:04	19:04:16	21:24:33	23:45:25	01:47:48	03:32:31	04:57:44
9	06:20:15	07:53:13	09:51:33	12:04:20	14:28:25	16:46:07	19:00:20	21:20:36	23:41:28	01:43:51	03:28:34	04:53:48
10	06:16:18	07:49:16	09:47:36	12:00:23	14:24:29	16:42:11	18:56:23	21:16:39	23:37:31	01:39:54	03:24:37	04:49:51
11	06:12:21	07:45:19	09:43:39	11:56:26	14:20:32	16:38:14	18:52:26	21:12:42	23:33:35	01:35:57	03:20:41	04:45:54
12	06:08:24	07:41:23	09:39:42	11:52:29	14:16:35	16:34:17	18:48:29	21:08:46	23:29:38	01:32:01	03:16:44	04:41:58
13	06:04:28	07:37:26	09:35:46	11:48:33	14:12:38	16:30:20	18:44:33	21:04:49	23:25:41	01:28:04	03:12:47	04:38:01
14	06:00:31	07:33:29	09:31:49	11:44:36	14:08:42	16:26:24	18:40:36	21:00:52	23:21:45	01:24:07	03:08:51	04:34:04
15	05:56:34	07:29:33	09:27:52	11:40:39	14:04:45	16:22:27	18:36:39	20:56:56	23:17:48	01:20:11	03:04:54	04:30:07
16	05:52:38	07:25:36	09:23:56	11:36:43	14:00:48	16:18:30	18:32:43	20:52:59	23:13:51	01:16:14	03:00:57	04:26:11
17	05:48:41	07:21:39	09:19:59	11:32:46	13:56:52	16:14:34	18:28:46	20:49:02	23:09:55	01:12:17	02:57:00	04:22:14
18	05:44:44	07:17:42	09:16:02	11:28:49	13:52:55	16:10:37	18:24:49	20:45:06	23:05:58	01:08:20	02:53:04	04:18:17
19	05:40:47	07:13:46	09:12:05	11:24:52	13:48:58	16:06:40	18:20:53	20:41:09	23:02:01	01:04:24	02:49:07	04:14:21
20	05:36:51	07:09:49	09:08:09	11:20:56	13:45:01	16:02:43	18:16:56	20:37:12	22:58:04	01:00:27	02:45:10	04:10:24
21	05:32:54	07:05:52	09:04:12	11:16:59	13:41:05	15:58:47	18:12:59	20:33:15	22:54:08	00:56:30	02:41:14	04:06:27
22	05:28:57	07:01:56	09:00:15	11:13:02	13:37:08	15:54:50	18:09:02	20:29:19	22:50:11	00:52:34	02:37:17	04:02:30
23	05:25:01	06:57:59	08:56:19	11:09:06	13:33:11	15:50:53	18:05:06	20:25:22	22:46:14	00:48:37	02:33:20	03:58:34
24	05:21:04	06:54:02	08:52:22	11:05:09	13:29:15	15:46:57	18:01:09	20:21:25	22:42:18	00:44:40	02:29:23	03:54:37
25	05:17:07	06:50:05	08:48:25	11:01:12	13:25:18	15:43:00	17:57:12	20:17:29	22:38:21	00:40:43	02:25:27	03:50:40
26	05:13:10	06:46:09	08:44:28	10:57:16	13:21:21	15:39:03	17:53:16	20:13:32	22:34:24	00:36:47	02:21:30	03:46:44
27	05:09:14	06:42:12	08:40:32	10:53:19	13:17:25	15:35:07	17:49:19	20:09:35	22:30:27	00:32:50	02:17:33	03:42:47
28	05:05:17	06:38:15	08:36:35	10:49:22	13:13:28	15:31:10	17:45:22	20:05:38	22:26:31	00:28:53	02:13:37	03:38:50
29	05:01:20	06:34:19	08:32:38	10:45:25	13:09:31	15:27:13	17:41:25	20:01:42	22:22:34	00:24:57	02:09:40	03:34:53
30	04:57:24	06:30:22	08:28:42	10:41:29	13:05:34	15:23:16	17:37:29	19:57:45	22:18:37	00:21:00	02:05:43	03:30:57

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

मई मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	04:53:27	06:26:25	08:24:45	10:37:32	13:01:38	15:19:20	17:33:32	19:53:48	22:14:41	00:17:03	02:01:46	03:27:00
2	04:49:30	06:22:29	08:20:48	10:33:35	12:57:41	15:15:23	17:29:35	19:49:52	22:10:44	00:13:06	01:57:50	03:23:03
3	04:45:34	06:18:32	08:16:52	10:29:39	12:53:44	15:11:26	17:25:39	19:45:55	22:06:47	00:09:10	01:53:53	03:19:07
4	04:41:37	06:14:35	08:12:55	10:25:42	12:49:48	15:07:30	17:21:42	19:41:58	22:02:50	00:05:13	01:49:56	03:15:10
5	04:37:40	06:10:38	08:08:58	10:21:45	12:45:51	15:03:33	17:17:45	19:38:01	21:58:54	00:01:16	01:46:00	03:11:13
6	04:33:43	06:06:42	08:05:01	10:17:48	12:41:54	14:59:36	17:13:48	19:34:05	21:54:57	23:57:20	01:42:03	03:07:17
7	04:29:47	06:02:45	08:01:05	10:13:52	12:37:57	14:55:39	17:09:52	19:30:08	21:51:00	23:53:23	01:38:06	03:03:20
8	04:25:50	05:58:48	07:57:08	10:09:55	12:34:01	14:51:43	17:05:55	19:26:11	21:47:04	23:49:26	01:34:10	02:59:23
9	04:21:53	05:54:52	07:53:11	10:05:58	12:30:04	14:47:46	17:01:58	19:22:15	21:43:07	23:45:29	01:30:13	02:55:26
10	04:17:57	05:50:55	07:49:15	10:02:02	12:26:07	14:43:49	16:58:02	19:18:18	21:39:10	23:41:33	01:26:16	02:51:30
11	04:14:00	05:46:58	07:45:18	09:58:05	12:22:11	14:39:53	16:54:05	19:14:21	21:35:13	23:37:36	01:22:19	02:47:33
12	04:10:03	05:43:01	07:41:21	09:54:08	12:18:14	14:35:56	16:50:08	19:10:24	21:31:17	23:33:39	01:18:23	02:43:36
13	04:06:06	05:39:05	07:37:24	09:50:11	12:14:17	14:31:59	16:46:11	19:06:28	21:27:20	23:29:43	01:14:26	02:39:40
14	04:02:10	05:35:08	07:33:28	09:46:15	12:10:20	14:28:02	16:42:15	19:02:31	21:23:23	23:25:46	01:10:29	02:35:43
15	03:58:13	05:31:11	07:29:31	09:42:18	12:06:24	14:24:06	16:38:18	18:58:34	21:19:27	23:21:49	01:06:33	02:31:46
16	03:54:16	05:27:15	07:25:34	09:38:21	12:02:27	14:20:09	16:34:21	18:54:38	21:15:30	23:17:53	01:02:36	02:27:49
17	03:50:20	05:23:18	07:21:38	09:34:25	11:58:30	14:16:12	16:30:25	18:50:41	21:11:33	23:13:56	00:58:39	02:23:53
18	03:46:23	05:19:21	07:17:41	09:30:28	11:54:34	14:12:16	16:26:28	18:46:44	21:07:37	23:09:59	00:54:42	02:19:56
19	03:42:26	05:15:24	07:13:44	09:26:31	11:50:37	14:08:19	16:22:31	18:42:48	21:03:40	23:06:02	00:50:46	02:15:59
20	03:38:29	05:11:28	07:09:47	09:22:34	11:46:40	14:04:22	16:18:34	18:38:51	20:59:43	23:02:06	00:46:49	02:12:03
21	03:34:33	05:07:31	07:05:51	09:18:38	11:42:43	14:00:25	16:14:38	18:34:54	20:55:46	22:58:09	00:42:52	02:08:06
22	03:30:36	05:03:34	07:01:54	09:14:41	11:38:47	13:56:29	16:10:41	18:30:57	20:51:50	22:54:12	00:38:56	02:04:09
23	03:26:39	04:59:38	06:57:57	09:10:44	11:34:50	13:52:32	16:06:44	18:27:01	20:47:53	22:50:16	00:34:59	02:00:12
24	03:22:43	04:55:41	06:54:01	09:06:48	11:30:53	13:48:35	16:02:48	18:23:04	20:43:56	22:46:19	00:31:02	01:56:16
25	03:18:46	04:51:44	06:50:04	09:02:51	11:26:57	13:44:39	15:58:51	18:19:07	20:40:00	22:42:22	00:27:05	01:52:19
26	03:14:49	04:47:47	06:46:07	08:58:54	11:23:00	13:40:42	15:54:54	18:15:11	20:36:03	22:38:25	00:23:09	01:48:22
27	03:10:52	04:43:51	06:42:10	08:54:57	11:19:03	13:36:45	15:50:58	18:11:14	20:32:06	22:34:29	00:19:12	01:44:26
28	03:06:56	04:39:54	06:38:14	08:51:01	11:15:07	13:32:49	15:47:01	18:07:17	20:28:09	22:30:32	00:15:15	01:40:29
29	03:02:59	04:35:57	06:34:17	08:47:04	11:11:10	13:28:52	15:43:04	18:03:20	20:24:13	22:26:35	00:11:19	01:36:32
30	02:59:02	04:32:01	06:30:20	08:43:07	11:07:13	13:24:55	15:39:07	17:59:24	20:20:16	22:22:39	00:07:22	01:32:35
31	02:55:06	04:28:04	06:26:24	08:39:11	11:03:16	13:20:58	15:35:11	17:55:27	20:16:19	22:18:42	00:03:25	01:28:39

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

जून मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	02:51:09	04:24:07	06:22:27	08:35:14	10:59:20	13:17:02	15:31:14	17:51:30	20:12:23	22:14:45	23:59:28	01:24:42
2	02:47:12	04:20:11	06:18:30	08:31:17	10:55:23	13:13:05	15:27:17	17:47:34	20:08:26	22:10:48	23:55:32	01:20:45
3	02:43:16	04:16:14	06:14:34	08:27:21	10:51:26	13:09:08	15:23:21	17:43:37	20:04:29	22:06:52	23:51:35	01:16:49
4	02:39:19	04:12:17	06:10:37	08:23:24	10:47:30	13:05:12	15:19:24	17:39:40	20:00:32	22:02:55	23:47:38	01:12:52
5	02:35:22	04:08:20	06:06:40	08:19:27	10:43:33	13:01:15	15:15:27	17:35:43	19:56:36	21:58:58	23:43:42	01:08:55
6	02:31:25	04:04:24	06:02:43	08:15:30	10:39:36	12:57:18	15:11:30	17:31:47	19:52:39	21:55:02	23:39:45	01:04:59
7	02:27:29	04:00:27	05:58:47	08:11:34	10:35:39	12:53:21	15:07:34	17:27:50	19:48:42	21:51:05	23:35:48	01:01:02
8	02:23:32	03:56:30	05:54:50	08:07:37	10:31:43	12:49:25	15:03:37	17:23:53	19:44:46	21:47:08	23:31:51	00:57:05
9	02:19:35	03:52:34	05:50:53	08:03:40	10:27:46	12:45:28	14:59:40	17:19:57	19:40:49	21:43:11	23:27:55	00:53:08
10	02:15:39	03:48:37	05:46:57	07:59:44	10:23:49	12:41:31	14:55:44	17:16:00	19:36:52	21:39:15	23:23:58	00:49:12
11	02:11:42	03:44:40	05:43:00	07:55:47	10:19:53	12:37:35	14:51:47	17:12:03	19:32:55	21:35:18	23:20:01	00:45:15
12	02:07:45	03:40:43	05:39:03	07:51:50	10:15:56	12:33:38	14:47:50	17:08:06	19:28:59	21:31:21	23:16:05	00:41:18
13	02:03:48	03:36:47	05:35:06	07:47:53	10:11:59	12:29:41	14:43:53	17:04:10	19:25:02	21:27:25	23:12:08	00:37:22
14	01:59:52	03:32:50	05:31:10	07:43:57	10:08:02	12:25:44	14:39:57	17:00:13	19:21:05	21:23:28	23:08:11	00:33:25
15	01:55:55	03:28:53	05:27:13	07:40:00	10:04:06	12:21:48	14:36:00	16:56:16	19:17:09	21:19:31	23:04:15	00:29:28
16	01:51:58	03:24:57	05:23:16	07:36:03	10:00:09	12:17:51	14:32:03	16:52:20	19:13:12	21:15:35	23:00:18	00:25:31
17	01:48:02	03:21:00	05:19:20	07:32:07	09:56:12	12:13:54	14:28:07	16:48:23	19:09:15	21:11:38	22:56:21	00:21:35
18	01:44:05	03:17:03	05:15:23	07:28:10	09:52:16	12:09:58	14:24:10	16:44:26	19:05:19	21:07:41	22:52:24	00:17:38
19	01:40:08	03:13:06	05:11:26	07:24:13	09:48:19	12:06:01	14:20:13	16:40:29	19:01:22	21:03:44	22:48:28	00:13:41
20	01:36:11	03:09:10	05:07:29	07:20:16	09:44:22	12:02:04	14:16:16	16:36:33	18:57:25	20:59:48	22:44:31	00:09:45
21	01:32:15	03:05:13	05:03:33	07:16:20	09:40:25	11:58:07	14:12:20	16:32:36	18:53:28	20:55:51	22:40:34	00:05:48
22	01:28:18	03:01:16	04:59:36	07:12:23	09:36:29	11:54:11	14:08:23	16:28:39	18:49:32	20:51:54	22:36:38	00:01:51
23	01:24:21	02:57:20	04:55:39	07:08:26	09:32:32	11:50:14	14:04:26	16:24:43	18:45:35	20:47:58	22:32:41	23:57:54
24	01:20:25	02:53:23	04:51:43	07:04:30	09:28:35	11:46:17	14:00:30	16:20:46	18:41:38	20:44:01	22:28:44	23:53:58
25	01:16:28	02:49:26	04:47:46	07:00:33	09:24:39	11:42:21	13:56:33	16:16:49	18:37:42	20:40:04	22:24:47	23:50:01
26	01:12:31	02:45:29	04:43:49	06:56:36	09:20:42	11:38:24	13:52:36	16:12:53	18:33:45	20:36:07	22:20:51	23:46:04
27	01:08:34	02:41:33	04:39:52	06:52:39	09:16:45	11:34:27	13:48:40	16:08:56	18:29:48	20:32:11	22:16:54	23:42:08
28	01:04:38	02:37:36	04:35:56	06:48:43	09:12:48	11:30:31	13:44:43	16:04:59	18:25:51	20:28:14	22:12:57	23:38:11
29	01:00:41	02:33:39	04:31:59	06:44:46	09:08:52	11:26:34	13:40:46	16:01:02	18:21:55	20:24:17	22:09:01	23:34:14
30	00:56:44	02:29:43	04:28:02	06:40:49	09:04:55	11:22:37	13:36:49	15:57:06	18:17:58	20:20:21	22:05:04	23:30:17

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

जुलाई मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	00:52:48	02:25:46	04:24:06	06:36:53	09:00:58	11:18:40	13:32:53	15:53:09	18:14:01	20:16:24	22:01:07	23:26:21
2	00:48:51	02:21:49	04:20:09	06:32:56	08:57:02	11:14:44	13:28:56	15:49:12	18:10:05	20:12:27	21:57:10	23:22:24
3	00:44:54	02:17:53	04:16:12	06:28:59	08:53:05	11:10:47	13:24:59	15:45:16	18:06:08	20:08:30	21:53:14	23:18:27
4	00:40:57	02:13:56	04:12:16	06:25:03	08:49:08	11:06:50	13:21:03	15:41:19	18:02:11	20:04:34	21:49:17	23:14:31
5	00:37:01	02:09:59	04:08:19	06:21:06	08:45:12	11:02:54	13:17:06	15:37:22	17:58:14	20:00:37	21:45:20	23:10:34
6	00:33:04	02:06:02	04:04:22	06:17:09	08:41:15	10:58:57	13:13:09	15:33:25	17:54:18	19:56:40	21:41:24	23:06:37
7	00:29:07	02:02:06	04:00:25	06:13:12	08:37:18	10:55:00	13:09:12	15:29:29	17:50:21	19:52:44	21:37:27	23:02:40
8	00:25:11	01:58:09	03:56:29	06:09:16	08:33:21	10:51:03	13:05:16	15:25:32	17:46:24	19:48:47	21:33:30	22:58:44
9	00:21:14	01:54:12	03:52:32	06:05:19	08:29:25	10:47:07	13:01:19	15:21:35	17:42:28	19:44:50	21:29:33	22:54:47
10	00:17:17	01:50:16	03:48:35	06:01:22	08:25:28	10:43:10	12:57:22	15:17:39	17:38:31	19:40:53	21:25:37	22:50:50
11	00:13:21	01:46:19	03:44:39	05:57:26	08:21:31	10:39:13	12:53:26	15:13:42	17:34:34	19:36:57	21:21:40	22:46:54
12	00:09:24	01:42:22	03:40:42	05:53:29	08:17:35	10:35:17	12:49:29	15:09:45	17:30:37	19:33:00	21:17:43	22:42:57
13	00:05:27	01:38:25	03:36:45	05:49:32	08:13:38	10:31:20	12:45:32	15:05:48	17:26:41	19:29:03	21:13:47	22:39:00
14	00:01:30	01:34:29	03:32:48	05:45:35	08:09:41	10:27:23	12:41:35	15:01:52	17:22:44	19:25:07	21:09:50	22:35:04
15	23:57:34	01:30:32	03:28:52	05:41:39	08:05:44	10:23:26	12:37:39	14:57:55	17:18:47	19:21:10	21:05:53	22:31:07
16	23:53:37	01:26:35	03:24:55	05:37:42	08:01:48	10:19:30	12:33:42	14:53:58	17:14:51	19:17:13	21:01:57	22:27:10
17	23:49:40	01:22:39	03:20:58	05:33:45	07:57:51	10:15:33	12:29:45	14:50:02	17:10:54	19:13:17	20:58:00	22:23:13
18	23:45:44	01:18:42	03:17:02	05:29:49	07:53:54	10:11:36	12:25:49	14:46:05	17:06:57	19:09:20	20:54:03	22:19:17
19	23:41:47	01:14:45	03:13:05	05:25:52	07:49:58	10:07:40	12:21:52	14:42:08	17:03:00	19:05:23	20:50:06	22:15:20
20	23:37:50	01:10:48	03:09:08	05:21:55	07:46:01	10:03:43	12:17:55	14:38:11	16:59:04	19:01:26	20:46:10	22:11:23
21	23:33:53	01:06:52	03:05:11	05:17:58	07:42:04	09:59:46	12:13:58	14:34:15	16:55:07	18:57:30	20:42:13	22:07:27
22	23:29:57	01:02:55	03:01:15	05:14:02	07:38:07	09:55:49	12:10:02	14:30:18	16:51:10	18:53:33	20:38:16	22:03:30
23	23:26:00	00:58:58	02:57:18	05:10:05	07:34:11	09:51:53	12:06:05	14:26:21	16:47:14	18:49:36	20:34:20	21:59:33
24	23:22:03	00:55:02	02:53:21	05:06:08	07:30:14	09:47:56	12:02:08	14:22:25	16:43:17	18:45:40	20:30:23	21:55:36
25	23:18:07	00:51:05	02:49:25	05:02:12	07:26:17	09:43:59	11:58:12	14:18:28	16:39:20	18:41:43	20:26:26	21:51:40
26	23:14:10	00:47:08	02:45:28	04:58:15	07:22:21	09:40:03	11:54:15	14:14:31	16:35:24	18:37:46	20:22:29	21:47:43
27	23:10:13	00:43:11	02:41:31	04:54:18	07:18:24	09:36:06	11:50:18	14:10:35	16:31:27	18:33:49	20:18:33	21:43:46
28	23:06:16	00:39:15	02:37:34	04:50:21	07:14:27	09:32:09	11:46:22	14:06:38	16:27:30	18:29:53	20:14:36	21:39:50
29	23:02:20	00:35:18	02:33:38	04:46:25	07:10:30	09:28:12	11:42:25	14:02:41	16:23:33	18:25:56	20:10:39	21:35:53
30	22:58:23	00:31:21	02:29:41	04:42:28	07:06:34	09:24:16	11:38:28	13:58:44	16:19:37	18:21:59	20:06:43	21:31:56
31	22:54:26	00:27:25	02:25:44	04:38:31	07:02:37	09:20:19	11:34:31	13:54:48	16:15:40	18:18:03	20:02:46	21:27:59

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

अगस्त मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	22:50:30	00:23:28	02:21:48	04:34:35	06:58:40	09:16:22	11:30:35	13:50:51	16:11:43	18:14:06	19:58:49	21:24:03
2	22:46:33	00:19:31	02:17:51	04:30:38	06:54:44	09:12:26	11:26:38	13:46:54	16:07:47	18:10:09	19:54:52	21:20:06
3	22:42:36	00:15:34	02:13:54	04:26:41	06:50:47	09:08:29	11:22:41	13:42:58	16:03:50	18:06:12	19:50:56	21:16:09
4	22:38:39	00:11:38	02:09:58	04:22:45	06:46:50	09:04:32	11:18:45	13:39:01	15:59:53	18:02:16	19:46:59	21:12:13
5	22:34:43	00:07:41	02:06:01	04:18:48	06:42:54	09:00:36	11:14:48	13:35:04	15:55:56	17:58:19	19:43:02	21:08:16
6	22:30:46	00:03:44	02:02:04	04:14:51	06:38:57	08:56:39	11:10:51	13:31:07	15:52:00	17:54:22	19:39:06	21:04:19
7	22:26:49	23:59:48	01:58:07	04:10:54	06:35:00	08:52:42	11:06:54	13:27:11	15:48:03	17:50:26	19:35:09	21:00:22
8	22:22:53	23:55:51	01:54:11	04:06:58	06:31:03	08:48:45	11:02:58	13:23:14	15:44:06	17:46:29	19:31:12	20:56:26
9	22:18:56	23:51:54	01:50:14	04:03:01	06:27:07	08:44:49	10:59:01	13:19:17	15:40:10	17:42:32	19:27:15	20:52:29
10	22:14:59	23:47:58	01:46:17	03:59:04	06:23:10	08:40:52	10:55:04	13:15:21	15:36:13	17:38:35	19:23:19	20:48:32
11	22:11:03	23:44:01	01:42:21	03:55:08	06:19:13	08:36:55	10:51:08	13:11:24	15:32:16	17:34:39	19:19:22	20:44:36
12	22:07:06	23:40:04	01:38:24	03:51:11	06:15:17	08:32:59	10:47:11	13:07:27	15:28:19	17:30:42	19:15:25	20:40:39
13	22:03:09	23:36:07	01:34:27	03:47:14	06:11:20	08:29:02	10:43:14	13:03:30	15:24:23	17:26:45	19:11:29	20:36:42
14	21:59:12	23:32:11	01:30:30	03:43:17	06:07:23	08:25:05	10:39:17	12:59:34	15:20:26	17:22:49	19:07:32	20:32:46
15	21:55:16	23:28:14	01:26:34	03:39:21	06:03:26	08:21:08	10:35:21	12:55:37	15:16:29	17:18:52	19:03:35	20:28:49
16	21:51:19	23:24:17	01:22:37	03:35:24	05:59:30	08:17:12	10:31:24	12:51:40	15:12:33	17:14:55	18:59:39	20:24:52
17	21:47:22	23:20:21	01:18:40	03:31:27	05:55:33	08:13:15	10:27:27	12:47:44	15:08:36	17:10:58	18:55:42	20:20:55
18	21:43:26	23:16:24	01:14:44	03:27:31	05:51:36	08:09:18	10:23:31	12:43:47	15:04:39	17:07:02	18:51:45	20:16:59
19	21:39:29	23:12:27	01:10:47	03:23:34	05:47:40	08:05:22	10:19:34	12:39:50	15:00:42	17:03:05	18:47:48	20:13:02
20	21:35:32	23:08:30	01:06:50	03:19:37	05:43:43	08:01:25	10:15:37	12:35:53	14:56:46	16:59:08	18:43:52	20:09:05
21	21:31:35	23:04:34	01:02:53	03:15:40	05:39:46	07:57:28	10:11:40	12:31:57	14:52:49	16:55:12	18:39:55	20:05:09
22	21:27:39	23:00:37	00:58:57	03:11:44	05:35:49	07:53:31	10:07:44	12:28:00	14:48:52	16:51:15	18:35:58	20:01:12
23	21:23:42	22:56:40	00:55:00	03:07:47	05:31:53	07:49:35	10:03:47	12:24:03	14:44:56	16:47:18	18:32:02	19:57:15
24	21:19:45	22:52:44	00:51:03	03:03:50	05:27:56	07:45:38	09:59:50	12:20:07	14:40:59	16:43:22	18:28:05	19:53:18
25	21:15:49	22:48:47	00:47:07	02:59:54	05:23:59	07:41:41	09:55:54	12:16:10	14:37:02	16:39:25	18:24:08	19:49:22
26	21:11:52	22:44:50	00:43:10	02:55:57	05:20:03	07:37:45	09:51:57	12:12:13	14:33:06	16:35:28	18:20:11	19:45:25
27	21:07:55	22:40:53	00:39:13	02:52:00	05:16:06	07:33:48	09:48:00	12:08:17	14:29:09	16:31:31	18:16:15	19:41:28
28	21:03:58	22:36:57	00:35:16	02:48:03	05:12:09	07:29:51	09:44:03	12:04:20	14:25:12	16:27:35	18:12:18	19:37:32
29	21:00:02	22:33:00	00:31:20	02:44:07	05:08:12	07:25:54	09:40:07	12:00:23	14:21:15	16:23:38	18:08:21	19:33:35
30	20:56:05	22:29:03	00:27:23	02:40:10	05:04:16	07:21:58	09:36:10	11:56:26	14:17:19	16:19:41	18:04:25	19:29:38
31	20:52:08	22:25:07	00:23:26	02:36:13	05:00:19	07:18:01	09:32:13	11:52:30	14:13:22	16:15:45	18:00:28	19:25:41

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

सितम्बर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	20:48:12	22:21:10	00:19:30	02:32:17	04:56:22	07:14:04	09:28:17	11:48:33	14:09:25	16:11:48	17:56:31	19:21:45
2	20:44:15	22:17:13	00:15:33	02:28:20	04:52:26	07:10:08	09:24:20	11:44:36	14:05:29	16:07:51	17:52:34	19:17:48
3	20:40:18	22:13:16	00:11:36	02:24:23	04:48:29	07:06:11	09:20:23	11:40:40	14:01:32	16:03:54	17:48:38	19:13:51
4	20:36:21	22:09:20	00:07:39	02:20:27	04:44:32	07:02:14	09:16:27	11:36:43	13:57:35	15:59:58	17:44:41	19:09:55
5	20:32:25	22:05:23	00:03:43	02:16:30	04:40:36	06:58:18	09:12:30	11:32:46	13:53:38	15:56:01	17:40:44	19:05:58
6	20:28:28	22:01:26	23:59:46	02:12:33	04:36:39	06:54:21	09:08:33	11:28:49	13:49:42	15:52:04	17:36:48	19:02:01
7	20:24:31	21:57:30	23:55:49	02:08:36	04:32:42	06:50:24	09:04:36	11:24:53	13:45:45	15:48:08	17:32:51	18:58:04
8	20:20:35	21:53:33	23:51:53	02:04:40	04:28:45	06:46:27	09:00:40	11:20:56	13:41:48	15:44:11	17:28:54	18:54:08
9	20:16:38	21:49:36	23:47:56	02:00:43	04:24:49	06:42:31	08:56:43	11:16:59	13:37:52	15:40:14	17:24:57	18:50:11
10	20:12:41	21:45:40	23:43:59	01:56:46	04:20:52	06:38:34	08:52:46	11:13:03	13:33:55	15:36:17	17:21:01	18:46:14
11	20:08:45	21:41:43	23:40:03	01:52:50	04:16:55	06:34:37	08:48:50	11:09:06	13:29:58	15:32:21	17:17:04	18:42:18
12	20:04:48	21:37:46	23:36:06	01:48:53	04:12:59	06:30:41	08:44:53	11:05:09	13:26:01	15:28:24	17:13:07	18:38:21
13	20:00:51	21:33:49	23:32:09	01:44:56	04:09:02	06:26:44	08:40:56	11:01:12	13:22:05	15:24:27	17:09:11	18:34:24
14	19:56:54	21:29:53	23:28:12	01:40:59	04:05:05	06:22:47	08:36:59	10:57:16	13:18:08	15:20:31	17:05:14	18:30:28
15	19:52:58	21:25:56	23:24:16	01:37:03	04:01:08	06:18:50	08:33:03	10:53:19	13:14:11	15:16:34	17:01:17	18:26:31
16	19:49:01	21:21:59	23:20:19	01:33:06	03:57:12	06:14:54	08:29:06	10:49:22	13:10:15	15:12:37	16:57:20	18:22:34
17	19:45:04	21:18:03	23:16:22	01:29:09	03:53:15	06:10:57	08:25:09	10:45:26	13:06:18	15:08:40	16:53:24	18:18:37
18	19:41:08	21:14:06	23:12:26	01:25:13	03:49:18	06:07:00	08:21:13	10:41:29	13:02:21	15:04:44	16:49:27	18:14:41
19	19:37:11	21:10:09	23:08:29	01:21:16	03:45:22	06:03:04	08:17:16	10:37:32	12:58:24	15:00:47	16:45:30	18:10:44
20	19:33:14	21:06:12	23:04:32	01:17:19	03:41:25	05:59:07	08:13:19	10:33:35	12:54:28	14:56:50	16:41:34	18:06:47
21	19:29:17	21:02:16	23:00:35	01:13:22	03:37:28	05:55:10	08:09:22	10:29:39	12:50:31	14:52:54	16:37:37	18:02:51
22	19:25:21	20:58:19	22:56:39	01:09:26	03:33:31	05:51:13	08:05:26	10:25:42	12:46:34	14:48:57	16:33:40	17:58:54
23	19:21:24	20:54:22	22:52:42	01:05:29	03:29:35	05:47:17	08:01:29	10:21:45	12:42:38	14:45:00	16:29:44	17:54:57
24	19:17:27	20:50:26	22:48:45	01:01:32	03:25:38	05:43:20	07:57:32	10:17:49	12:38:41	14:41:04	16:25:47	17:51:00
25	19:13:31	20:46:29	22:44:49	00:57:36	03:21:41	05:39:23	07:53:36	10:13:52	12:34:44	14:37:07	16:21:50	17:47:04
26	19:09:34	20:42:32	22:40:52	00:53:39	03:17:45	05:35:27	07:49:39	10:09:55	12:30:48	14:33:10	16:17:53	17:43:07
27	19:05:37	20:38:35	22:36:55	00:49:42	03:13:48	05:31:30	07:45:42	10:05:59	12:26:51	14:29:13	16:13:57	17:39:10
28	19:01:40	20:34:39	22:32:58	00:45:45	03:09:51	05:27:33	07:41:45	10:02:02	12:22:54	14:25:17	16:10:00	17:35:14
29	18:57:44	20:30:42	22:29:02	00:41:49	03:05:54	05:23:36	07:37:49	09:58:05	12:18:57	14:21:20	16:06:03	17:31:17
30	18:53:47	20:26:45	22:25:05	00:37:52	03:01:58	05:19:40	07:33:52	09:54:08	12:15:01	14:17:23	16:02:07	17:27:20

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

अक्टूबर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	18:49:50	20:22:49	22:21:08	00:33:55	02:58:01	05:15:43	07:29:55	09:50:12	12:11:04	14:13:27	15:58:10	17:23:23
2	18:45:54	20:18:52	22:17:12	00:29:59	02:54:04	05:11:46	07:25:59	09:46:15	12:07:07	14:09:30	15:54:13	17:19:27
3	18:41:57	20:14:55	22:13:15	00:26:02	02:50:08	05:07:50	07:22:02	09:42:18	12:03:11	14:05:33	15:50:16	17:15:30
4	18:38:00	20:10:58	22:09:18	00:22:05	02:46:11	05:03:53	07:18:05	09:38:22	11:59:14	14:01:36	15:46:20	17:11:33
5	18:34:03	20:07:02	22:05:21	00:18:08	02:42:14	04:59:56	07:14:09	09:34:25	11:55:17	13:57:40	15:42:23	17:07:37
6	18:30:07	20:03:05	22:01:25	00:14:12	02:38:18	04:56:00	07:10:12	09:30:28	11:51:20	13:53:43	15:38:26	17:03:40
7	18:26:10	19:59:08	21:57:28	00:10:15	02:34:21	04:52:03	07:06:15	09:26:31	11:47:24	13:49:46	15:34:30	16:59:43
8	18:22:13	19:55:12	21:53:31	00:06:18	02:30:24	04:48:06	07:02:18	09:22:35	11:43:27	13:45:50	15:30:33	16:55:46
9	18:18:17	19:51:15	21:49:35	00:02:22	02:26:27	04:44:09	06:58:22	09:18:38	11:39:30	13:41:53	15:26:36	16:51:50
10	18:14:20	19:47:18	21:45:38	23:58:25	02:22:31	04:40:13	06:54:25	09:14:41	11:35:34	13:37:56	15:22:39	16:47:53
11	18:10:23	19:43:22	21:41:41	23:54:28	02:18:34	04:36:16	06:50:28	09:10:45	11:31:37	13:33:59	15:18:43	16:43:56
12	18:06:26	19:39:25	21:37:45	23:50:32	02:14:37	04:32:19	06:46:32	09:06:48	11:27:40	13:30:03	15:14:46	16:40:00
13	18:02:30	19:35:28	21:33:48	23:46:35	02:10:41	04:28:23	06:42:35	09:02:51	11:23:43	13:26:06	15:10:49	16:36:03
14	17:58:33	19:31:31	21:29:51	23:42:38	02:06:44	04:24:26	06:38:38	08:58:54	11:19:47	13:22:09	15:06:53	16:32:06
15	17:54:36	19:27:35	21:25:54	23:38:41	02:02:47	04:20:29	06:34:41	08:54:58	11:15:50	13:18:13	15:02:56	16:28:09
16	17:50:40	19:23:38	21:21:58	23:34:45	01:58:50	04:16:32	06:30:45	08:51:01	11:11:53	13:14:16	14:58:59	16:24:13
17	17:46:43	19:19:41	21:18:01	23:30:48	01:54:54	04:12:36	06:26:48	08:47:04	11:07:57	13:10:19	14:55:02	16:20:16
18	17:42:46	19:15:45	21:14:04	23:26:51	01:50:57	04:08:39	06:22:51	08:43:08	11:04:00	13:06:22	14:51:06	16:16:19
19	17:38:50	19:11:48	21:10:08	23:22:55	01:47:00	04:04:42	06:18:55	08:39:11	11:00:03	13:02:26	14:47:09	16:12:23
20	17:34:53	19:07:51	21:06:11	23:18:58	01:43:04	04:00:46	06:14:58	08:35:14	10:56:06	12:58:29	14:43:12	16:08:26
21	17:30:56	19:03:54	21:02:14	23:15:01	01:39:07	03:56:49	06:11:01	08:31:17	10:52:10	12:54:32	14:39:16	16:04:29
22	17:26:59	18:59:58	20:58:17	23:11:04	01:35:10	03:52:52	06:07:04	08:27:21	10:48:13	12:50:36	14:35:19	16:00:33
23	17:23:03	18:56:01	20:54:21	23:07:08	01:31:13	03:48:55	06:03:08	08:23:24	10:44:16	12:46:39	14:31:22	15:56:36
24	17:19:06	18:52:04	20:50:24	23:03:11	01:27:17	03:44:59	05:59:11	08:19:27	10:40:20	12:42:42	14:27:26	15:52:39
25	17:15:09	18:48:08	20:46:27	22:59:14	01:23:20	03:41:02	05:55:14	08:15:31	10:36:23	12:38:46	14:23:29	15:48:42
26	17:11:13	18:44:11	20:42:31	22:55:18	01:19:23	03:37:05	05:51:18	08:11:34	10:32:26	12:34:49	14:19:32	15:44:46
27	17:07:16	18:40:14	20:38:34	22:51:21	01:15:27	03:33:09	05:47:21	08:07:37	10:28:30	12:30:52	14:15:35	15:40:49
28	17:03:19	18:36:17	20:34:37	22:47:24	01:11:30	03:29:12	05:43:24	08:03:40	10:24:33	12:26:55	14:11:39	15:36:52
29	16:59:22	18:32:21	20:30:40	22:43:27	01:07:33	03:25:15	05:39:27	07:59:44	10:20:36	12:22:59	14:07:42	15:32:56
30	16:55:26	18:28:24	20:26:44	22:39:31	01:03:36	03:21:18	05:35:31	07:55:47	10:16:39	12:19:02	14:03:45	15:28:59
31	16:51:29	18:24:27	20:22:47	22:35:34	00:59:40	03:17:22	05:31:34	07:51:50	10:12:43	12:15:05	13:59:49	15:25:02

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

नवम्बर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	16:47:32	18:20:31	20:18:50	22:31:37	00:55:43	03:13:25	05:27:37	07:47:54	10:08:46	12:11:09	13:55:52	15:21:05
2	16:43:36	18:16:34	20:14:54	22:27:41	00:51:46	03:09:28	05:23:41	07:43:57	10:04:49	12:07:12	13:51:55	15:17:09
3	16:39:39	18:12:37	20:10:57	22:23:44	00:47:50	03:05:32	05:19:44	07:40:00	10:00:53	12:03:15	13:47:58	15:13:12
4	16:35:42	18:08:40	20:07:00	22:19:47	00:43:53	03:01:35	05:15:47	07:36:04	09:56:56	11:59:18	13:44:02	15:09:15
5	16:31:45	18:04:44	20:03:03	22:15:50	00:39:56	02:57:38	05:11:51	07:32:07	09:52:59	11:55:22	13:40:05	15:05:19
6	16:27:49	18:00:47	19:59:07	22:11:54	00:35:59	02:53:42	05:07:54	07:28:10	09:49:02	11:51:25	13:36:08	15:01:22
7	16:23:52	17:56:50	19:55:10	22:07:57	00:32:03	02:49:45	05:03:57	07:24:13	09:45:06	11:47:28	13:32:12	14:57:25
8	16:19:55	17:52:54	19:51:13	22:04:00	00:28:06	02:45:48	05:00:00	07:20:17	09:41:09	11:43:32	13:28:15	14:53:28
9	16:15:59	17:48:57	19:47:17	22:00:04	00:24:09	02:41:51	04:56:04	07:16:20	09:37:12	11:39:35	13:24:18	14:49:32
10	16:12:02	17:45:00	19:43:20	21:56:07	00:20:13	02:37:55	04:52:07	07:12:23	09:33:16	11:35:38	13:20:21	14:45:35
11	16:08:05	17:41:03	19:39:23	21:52:10	00:16:16	02:33:58	04:48:10	07:08:27	09:29:19	11:31:41	13:16:25	14:41:38
12	16:04:08	17:37:07	19:35:27	21:48:14	00:12:19	02:30:01	04:44:14	07:04:30	09:25:22	11:27:45	13:12:28	14:37:42
13	16:00:12	17:33:10	19:31:30	21:44:17	00:08:23	02:26:05	04:40:17	07:00:33	09:21:25	11:23:48	13:08:31	14:33:45
14	15:56:15	17:29:13	19:27:33	21:40:20	00:04:26	02:22:08	04:36:20	06:56:36	09:17:29	11:19:51	13:04:35	14:29:48
15	15:52:18	17:25:17	19:23:36	21:36:23	00:00:29	02:18:11	04:32:23	06:52:40	09:13:32	11:15:55	13:00:38	14:25:51
16	15:48:22	17:21:20	19:19:40	21:32:27	23:56:32	02:14:14	04:28:27	06:48:43	09:09:35	11:11:58	12:56:41	14:21:55
17	15:44:25	17:17:23	19:15:43	21:28:30	23:52:36	02:10:18	04:24:30	06:44:46	09:05:39	11:08:01	12:52:44	14:17:58
18	15:40:28	17:13:27	19:11:46	21:24:33	23:48:39	02:06:21	04:20:33	06:40:50	09:01:42	11:04:04	12:48:48	14:14:01
19	15:36:32	17:09:30	19:07:50	21:20:37	23:44:42	02:02:24	04:16:37	06:36:53	08:57:45	11:00:08	12:44:51	14:10:05
20	15:32:35	17:05:33	19:03:53	21:16:40	23:40:46	01:58:28	04:12:40	06:32:56	08:53:48	10:56:11	12:40:54	14:06:08
21	15:28:38	17:01:36	18:59:56	21:12:43	23:36:49	01:54:31	04:08:43	06:28:59	08:49:52	10:52:14	12:36:58	14:02:11
22	15:24:41	16:57:40	18:55:59	21:08:46	23:32:52	01:50:34	04:04:46	06:25:03	08:45:55	10:48:18	12:33:01	13:58:15
23	15:20:45	16:53:43	18:52:03	21:04:50	23:28:55	01:46:37	04:00:50	06:21:06	08:41:58	10:44:21	12:29:04	13:54:18
24	15:16:48	16:49:46	18:48:06	21:00:53	23:24:59	01:42:41	03:56:53	06:17:09	08:38:02	10:40:24	12:25:08	13:50:21
25	15:12:51	16:45:50	18:44:09	20:56:56	23:21:02	01:38:44	03:52:56	06:13:13	08:34:05	10:36:27	12:21:11	13:46:24
26	15:08:55	16:41:53	18:40:13	20:53:00	23:17:05	01:34:47	03:49:00	06:09:16	08:30:08	10:32:31	12:17:14	13:42:28
27	15:04:58	16:37:56	18:36:16	20:49:03	23:13:09	01:30:51	03:45:03	06:05:19	08:26:11	10:28:34	12:13:17	13:38:31
28	15:01:01	16:33:59	18:32:19	20:45:06	23:09:12	01:26:54	03:41:06	06:01:22	08:22:15	10:24:37	12:09:21	13:34:34
29	14:57:04	16:30:03	18:28:22	20:41:09	23:05:15	01:22:57	03:37:09	05:57:26	08:18:18	10:20:41	12:05:24	13:30:38
30	14:53:08	16:26:06	18:24:26	20:37:13	23:01:18	01:19:00	03:33:13	05:53:29	08:14:21	10:16:44	12:01:27	13:26:41

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

दिसम्बर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	14:49:11	16:22:09	18:20:29	20:33:16	22:57:22	01:15:04	03:29:16	05:49:32	08:10:25	10:12:47	11:57:31	13:22:44
2	14:45:14	16:18:13	18:16:32	20:29:19	22:53:25	01:11:07	03:25:19	05:45:36	08:06:28	10:08:51	11:53:34	13:18:47
3	14:41:18	16:14:16	18:12:36	20:25:23	22:49:28	01:07:10	03:21:23	05:41:39	08:02:31	10:04:54	11:49:37	13:14:51
4	14:37:21	16:10:19	18:08:39	20:21:26	22:45:32	01:03:14	03:17:26	05:37:42	07:58:35	10:00:57	11:45:40	13:10:54
5	14:33:24	16:06:22	18:04:42	20:17:29	22:41:35	00:59:17	03:13:29	05:33:46	07:54:38	09:57:00	11:41:44	13:06:57
6	14:29:27	16:02:26	18:00:45	20:13:32	22:37:38	00:55:20	03:09:33	05:29:49	07:50:41	09:53:04	11:37:47	13:03:01
7	14:25:31	15:58:29	17:56:49	20:09:36	22:33:41	00:51:23	03:05:36	05:25:52	07:46:44	09:49:07	11:33:50	12:59:04
8	14:21:34	15:54:32	17:52:52	20:05:39	22:29:45	00:47:27	03:01:39	05:21:55	07:42:48	09:45:10	11:29:54	12:55:07
9	14:17:37	15:50:36	17:48:55	20:01:42	22:25:48	00:43:30	02:57:42	05:17:59	07:38:51	09:41:14	11:25:57	12:51:10
10	14:13:41	15:46:39	17:44:59	19:57:46	22:21:51	00:39:33	02:53:46	05:14:02	07:34:54	09:37:17	11:22:00	12:47:14
11	14:09:44	15:42:42	17:41:02	19:53:49	22:17:55	00:35:37	02:49:49	05:10:05	07:30:58	09:33:20	11:18:03	12:43:17
12	14:05:47	15:38:45	17:37:05	19:49:52	22:13:58	00:31:40	02:45:52	05:06:09	07:27:01	09:29:23	11:14:07	12:39:20
13	14:01:50	15:34:49	17:33:08	19:45:56	22:10:01	00:27:43	02:41:56	05:02:12	07:23:04	09:25:27	11:10:10	12:35:24
14	13:57:54	15:30:52	17:29:12	19:41:59	22:06:05	00:23:47	02:37:59	04:58:15	07:19:07	09:21:30	11:06:13	12:31:27
15	13:53:57	15:26:55	17:25:15	19:38:02	22:02:08	00:19:50	02:34:02	04:54:18	07:15:11	09:17:33	11:02:17	12:27:30
16	13:50:00	15:22:59	17:21:18	19:34:05	21:58:11	00:15:53	02:30:05	04:50:22	07:11:14	09:13:37	10:58:20	12:23:33
17	13:46:04	15:19:02	17:17:22	19:30:09	21:54:14	00:11:56	02:26:09	04:46:25	07:07:17	09:09:40	10:54:23	12:19:37
18	13:42:07	15:15:05	17:13:25	19:26:12	21:50:18	00:08:00	02:22:12	04:42:28	07:03:21	09:05:43	10:50:26	12:15:40
19	13:38:10	15:11:09	17:09:28	19:22:15	21:46:21	00:04:03	02:18:15	04:38:32	06:59:24	09:01:46	10:46:30	12:11:43
20	13:34:14	15:07:12	17:05:32	19:18:19	21:42:24	00:00:06	02:14:19	04:34:35	06:55:27	08:57:50	10:42:33	12:07:47
21	13:30:17	15:03:15	17:01:35	19:14:22	21:38:28	23:56:10	02:10:22	04:30:38	06:51:30	08:53:53	10:38:36	12:03:50
22	13:26:20	14:59:18	16:57:38	19:10:25	21:34:31	23:52:13	02:06:25	04:26:41	06:47:34	08:49:56	10:34:40	11:59:53
23	13:22:23	14:55:22	16:53:41	19:06:28	21:30:34	23:48:16	02:02:28	04:22:45	06:43:37	08:46:00	10:30:43	11:55:57
24	13:18:27	14:51:25	16:49:45	19:02:32	21:26:37	23:44:19	01:58:32	04:18:48	06:39:40	08:42:03	10:26:46	11:52:00
25	13:14:30	14:47:28	16:45:48	18:58:35	21:22:41	23:40:23	01:54:35	04:14:51	06:35:44	08:38:06	10:22:49	11:48:03
26	13:10:33	14:43:32	16:41:51	18:54:38	21:18:44	23:36:26	01:50:38	04:10:55	06:31:47	08:34:09	10:18:53	11:44:06
27	13:06:37	14:39:35	16:37:55	18:50:42	21:14:47	23:32:29	01:46:42	04:06:58	06:27:50	08:30:13	10:14:56	11:40:10
28	13:02:40	14:35:38	16:33:58	18:46:45	21:10:51	23:28:33	01:42:45	04:03:01	06:23:53	08:26:16	10:10:59	11:36:13
29	12:58:43	14:31:41	16:30:01	18:42:48	21:06:54	23:24:36	01:38:48	03:59:04	06:19:57	08:22:19	10:07:03	11:32:16
30	12:54:46	14:27:45	16:26:04	18:38:51	21:02:57	23:20:39	01:34:51	03:55:08	06:16:00	08:18:23	10:03:06	11:28:20
31	12:50:50	14:23:48	16:22:08	18:34:55	20:59:00	23:16:42	01:30:55	03:51:11	06:12:03	08:14:26	09:59:09	11:24:23

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

जनवरी मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	12:46:53	14:19:51	16:18:11	18:30:58	20:55:04	23:12:46	01:26:58	03:47:14	06:08:07	08:10:29	09:55:13	11:20:26
2	12:42:56	14:15:55	16:14:14	18:27:01	20:51:07	23:08:49	01:23:01	03:43:18	06:04:10	08:06:33	09:51:16	11:16:29
3	12:39:00	14:11:58	16:10:18	18:23:05	20:47:10	23:04:52	01:19:05	03:39:21	06:00:13	08:02:36	09:47:19	11:12:33
4	12:35:03	14:08:01	16:06:21	18:19:08	20:43:14	23:00:56	01:15:08	03:35:24	05:56:17	07:58:39	09:43:22	11:08:36
5	12:31:06	14:04:04	16:02:24	18:15:11	20:39:17	22:56:59	01:11:11	03:31:27	05:52:20	07:54:42	09:39:26	11:04:39
6	12:27:09	14:00:08	15:58:27	18:11:14	20:35:20	22:53:02	01:07:14	03:27:31	05:48:23	07:50:46	09:35:29	11:00:43
7	12:23:13	13:56:11	15:54:31	18:07:18	20:31:23	22:49:05	01:03:18	03:23:34	05:44:26	07:46:49	09:31:32	10:56:46
8	12:19:16	13:52:14	15:50:34	18:03:21	20:27:27	22:45:09	00:59:21	03:19:37	05:40:30	07:42:52	09:27:36	10:52:49
9	12:15:19	13:48:18	15:46:37	17:59:24	20:23:30	22:41:12	00:55:24	03:15:41	05:36:33	07:38:56	09:23:39	10:48:52
10	12:11:23	13:44:21	15:42:41	17:55:28	20:19:33	22:37:15	00:51:28	03:11:44	05:32:36	07:34:59	09:19:42	10:44:56
11	12:07:26	13:40:24	15:38:44	17:51:31	20:15:37	22:33:19	00:47:31	03:07:47	05:28:40	07:31:02	09:15:45	10:40:59
12	12:03:29	13:36:27	15:34:47	17:47:34	20:11:40	22:29:22	00:43:34	03:03:51	05:24:43	07:27:05	09:11:49	10:37:02
13	11:59:32	13:32:31	15:30:50	17:43:37	20:07:43	22:25:25	00:39:38	02:59:54	05:20:46	07:23:09	09:07:52	10:33:06
14	11:55:36	13:28:34	15:26:54	17:39:41	20:03:47	22:21:29	00:35:41	02:55:57	05:16:49	07:19:12	09:03:55	10:29:09
15	11:51:39	13:24:37	15:22:57	17:35:44	19:59:50	22:17:32	00:31:44	02:52:00	05:12:53	07:15:15	08:59:59	10:25:12
16	11:47:42	13:20:41	15:19:00	17:31:47	19:55:53	22:13:35	00:27:47	02:48:04	05:08:56	07:11:19	08:56:02	10:21:15
17	11:43:46	13:16:44	15:15:04	17:27:51	19:51:56	22:09:38	00:23:51	02:44:07	05:04:59	07:07:22	08:52:05	10:17:19
18	11:39:49	13:12:47	15:11:07	17:23:54	19:48:00	22:05:42	00:19:54	02:40:10	05:01:03	07:03:25	08:48:08	10:13:22
19	11:35:52	13:08:51	15:07:10	17:19:57	19:44:03	22:01:45	00:15:57	02:36:14	04:57:06	06:59:28	08:44:12	10:09:25
20	11:31:55	13:04:54	15:03:14	17:16:01	19:40:06	21:57:48	00:12:01	02:32:17	04:53:09	06:55:32	08:40:15	10:05:29
21	11:27:59	13:00:57	14:59:17	17:12:04	19:36:10	21:53:52	00:08:04	02:28:20	04:49:12	06:51:35	08:36:18	10:01:32
22	11:24:02	12:57:00	14:55:20	17:08:07	19:32:13	21:49:55	00:04:07	02:24:23	04:45:16	06:47:38	08:32:22	09:57:35
23	11:20:05	12:53:04	14:51:23	17:04:10	19:28:16	21:45:58	00:00:10	02:20:27	04:41:19	06:43:42	08:28:25	09:53:38
24	11:16:09	12:49:07	14:47:27	17:00:14	19:24:19	21:42:01	23:56:14	02:16:30	04:37:22	06:39:45	08:24:28	09:49:42
25	11:12:12	12:45:10	14:43:30	16:56:17	19:20:23	21:38:05	23:52:17	02:12:33	04:33:26	06:35:48	08:20:31	09:45:45
26	11:08:15	12:41:14	14:39:33	16:52:20	19:16:26	21:34:08	23:48:20	02:08:37	04:29:29	06:31:51	08:16:35	09:41:48
27	11:04:19	12:37:17	14:35:37	16:48:24	19:12:29	21:30:11	23:44:24	02:04:40	04:25:32	06:27:55	08:12:38	09:37:52
28	11:00:22	12:33:20	14:31:40	16:44:27	19:08:33	21:26:15	23:40:27	02:00:43	04:21:35	06:23:58	08:08:41	09:33:55
29	10:56:25	12:29:23	14:27:43	16:40:30	19:04:36	21:22:18	23:36:30	01:56:46	04:17:39	06:20:01	08:04:45	09:29:58
30	10:52:28	12:25:27	14:23:46	16:36:33	19:00:39	21:18:21	23:32:33	01:52:50	04:13:42	06:16:05	08:00:48	09:26:02
31	10:48:32	12:21:30	14:19:50	16:32:37	18:56:42	21:14:24	23:28:37	01:48:53	04:09:45	06:12:08	07:56:51	09:22:05

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

फरवरी मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	10:44:35	12:17:33	14:15:53	16:28:40	18:52:46	21:10:28	23:24:40	01:44:56	04:05:49	06:08:11	07:52:55	09:18:08
2	10:40:38	12:13:37	14:11:56	16:24:43	18:48:49	21:06:31	23:20:43	01:41:00	04:01:52	06:04:15	07:48:58	09:14:11
3	10:36:42	12:09:40	14:08:00	16:20:47	18:44:52	21:02:34	23:16:47	01:37:03	03:57:55	06:00:18	07:45:01	09:10:15
4	10:32:45	12:05:43	14:04:03	16:16:50	18:40:56	20:58:38	23:12:50	01:33:06	03:53:58	05:56:21	07:41:04	09:06:18
5	10:28:48	12:01:46	14:00:06	16:12:53	18:36:59	20:54:41	23:08:53	01:29:09	03:50:02	05:52:24	07:37:08	09:02:21
6	10:24:51	11:57:50	13:56:09	16:08:56	18:33:02	20:50:44	23:04:56	01:25:13	03:46:05	05:48:28	07:33:11	08:58:25
7	10:20:55	11:53:53	13:52:13	16:05:00	18:29:05	20:46:47	23:01:00	01:21:16	03:42:08	05:44:31	07:29:14	08:54:28
8	10:16:58	11:49:56	13:48:16	16:01:03	18:25:09	20:42:51	22:57:03	01:17:19	03:38:12	05:40:34	07:25:18	08:50:31
9	10:13:01	11:46:00	13:44:19	15:57:06	18:21:12	20:38:54	22:53:06	01:13:23	03:34:15	05:36:38	07:21:21	08:46:34
10	10:09:05	11:42:03	13:40:23	15:53:10	18:17:15	20:34:57	22:49:10	01:09:26	03:30:18	05:32:41	07:17:24	08:42:38
11	10:05:08	11:38:06	13:36:26	15:49:13	18:13:19	20:31:01	22:45:13	01:05:29	03:26:22	05:28:44	07:13:27	08:38:41
12	10:01:11	11:34:09	13:32:29	15:45:16	18:09:22	20:27:04	22:41:16	01:01:33	03:22:25	05:24:47	07:09:31	08:34:44
13	09:57:14	11:30:13	13:28:32	15:41:19	18:05:25	20:23:07	22:37:20	00:57:36	03:18:28	05:20:51	07:05:34	08:30:48
14	09:53:18	11:26:16	13:24:36	15:37:23	18:01:28	20:19:11	22:33:23	00:53:39	03:14:31	05:16:54	07:01:37	08:26:51
15	09:49:21	11:22:19	13:20:39	15:33:26	17:57:32	20:15:14	22:29:26	00:49:42	03:10:35	05:12:57	06:57:41	08:22:54
16	09:45:24	11:18:23	13:16:42	15:29:29	17:53:35	20:11:17	22:25:29	00:45:46	03:06:38	05:09:01	06:53:44	08:18:57
17	09:41:28	11:14:26	13:12:46	15:25:33	17:49:38	20:07:20	22:21:33	00:41:49	03:02:41	05:05:04	06:49:47	08:15:01
18	09:37:31	11:10:29	13:08:49	15:21:36	17:45:42	20:03:24	22:17:36	00:37:52	02:58:45	05:01:07	06:45:50	08:11:04
19	09:33:34	11:06:32	13:04:52	15:17:39	17:41:45	19:59:27	22:13:39	00:33:56	02:54:48	04:57:10	06:41:54	08:07:07
20	09:29:37	11:02:36	13:00:56	15:13:43	17:37:48	19:55:30	22:09:43	00:29:59	02:50:51	04:53:14	06:37:57	08:03:11
21	09:25:41	10:58:39	12:56:59	15:09:46	17:33:52	19:51:34	22:05:46	00:26:02	02:46:54	04:49:17	06:34:00	07:59:14
22	09:21:44	10:54:42	12:53:02	15:05:49	17:29:55	19:47:37	22:01:49	00:22:05	02:42:58	04:45:20	06:30:04	07:55:17
23	09:17:47	10:50:46	12:49:05	15:01:52	17:25:58	19:43:40	21:57:52	00:18:09	02:39:01	04:41:24	06:26:07	07:51:20
24	09:13:51	10:46:49	12:45:09	14:57:56	17:22:01	19:39:43	21:53:56	00:14:12	02:35:04	04:37:27	06:22:10	07:47:24
25	09:09:54	10:42:52	12:41:12	14:53:59	17:18:05	19:35:47	21:49:59	00:10:15	02:31:08	04:33:30	06:18:13	07:43:27
26	09:05:57	10:38:56	12:37:15	14:50:02	17:14:08	19:31:50	21:46:02	00:06:19	02:27:11	04:29:33	06:14:17	07:39:30
27	09:02:01	10:34:59	12:33:19	14:46:06	17:10:11	19:27:53	21:42:06	00:02:22	02:23:14	04:25:37	06:10:20	07:35:34
28	08:58:04	10:31:02	12:29:22	14:42:09	17:06:15	19:23:57	21:38:09	23:58:25	02:19:17	04:21:40	06:06:23	07:31:37

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

मार्च मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	08:54:07	10:27:05	12:25:25	14:38:12	17:02:18	19:20:00	21:34:12	23:54:28	02:15:21	04:17:43	06:02:27	07:27:40
2	08:50:10	10:23:09	12:21:28	14:34:15	16:58:21	19:16:03	21:30:15	23:50:32	02:11:24	04:13:47	05:58:30	07:23:44
3	08:46:14	10:19:12	12:17:32	14:30:19	16:54:24	19:12:06	21:26:19	23:46:35	02:07:27	04:09:50	05:54:33	07:19:47
4	08:42:17	10:15:15	12:13:35	14:26:22	16:50:28	19:08:10	21:22:22	23:42:38	02:03:31	04:05:53	05:50:37	07:15:50
5	08:38:20	10:11:19	12:09:38	14:22:25	16:46:31	19:04:13	21:18:25	23:38:42	01:59:34	04:01:57	05:46:40	07:11:53
6	08:34:24	10:07:22	12:05:42	14:18:29	16:42:34	19:00:16	21:14:29	23:34:45	01:55:37	03:58:00	05:42:43	07:07:57
7	08:30:27	10:03:25	12:01:45	14:14:32	16:38:38	18:56:20	21:10:32	23:30:48	01:51:40	03:54:03	05:38:46	07:04:00
8	08:26:30	09:59:28	11:57:48	14:10:35	16:34:41	18:52:23	21:06:35	23:26:51	01:47:44	03:50:06	05:34:50	07:00:03
9	08:22:33	09:55:32	11:53:51	14:06:38	16:30:44	18:48:26	21:02:38	23:22:55	01:43:47	03:46:10	05:30:53	06:56:07
10	08:18:37	09:51:35	11:49:55	14:02:42	16:26:47	18:44:29	20:58:42	23:18:58	01:39:50	03:42:13	05:26:56	06:52:10
11	08:14:40	09:47:38	11:45:58	13:58:45	16:22:51	18:40:33	20:54:45	23:15:01	01:35:54	03:38:16	05:23:00	06:48:13
12	08:10:43	09:43:42	11:42:01	13:54:48	16:18:54	18:36:36	20:50:48	23:11:05	01:31:57	03:34:20	05:19:03	06:44:16
13	08:06:47	09:39:45	11:38:05	13:50:52	16:14:57	18:32:39	20:46:52	23:07:08	01:28:00	03:30:23	05:15:06	06:40:20
14	08:02:50	09:35:48	11:34:08	13:46:55	16:11:01	18:28:43	20:42:55	23:03:11	01:24:04	03:26:26	05:11:09	06:36:23
15	07:58:53	09:31:51	11:30:11	13:42:58	16:07:04	18:24:46	20:38:58	22:59:15	01:20:07	03:22:29	05:07:13	06:32:26
16	07:54:56	09:27:55	11:26:14	13:39:01	16:03:07	18:20:49	20:35:02	22:55:18	01:16:10	03:18:33	05:03:16	06:28:30
17	07:51:00	09:23:58	11:22:18	13:35:05	15:59:10	18:16:52	20:31:05	22:51:21	01:12:13	03:14:36	04:59:19	06:24:33
18	07:47:03	09:20:01	11:18:21	13:31:08	15:55:14	18:12:56	20:27:08	22:47:24	01:08:17	03:10:39	04:55:23	06:20:36
19	07:43:06	09:16:05	11:14:24	13:27:11	15:51:17	18:08:59	20:23:11	22:43:28	01:04:20	03:06:43	04:51:26	06:16:39
20	07:39:10	09:12:08	11:10:28	13:23:15	15:47:20	18:05:02	20:19:15	22:39:31	01:00:23	03:02:46	04:47:29	06:12:43
21	07:35:13	09:08:11	11:06:31	13:19:18	15:43:24	18:01:06	20:15:18	22:35:34	00:56:27	02:58:49	04:43:32	06:08:46
22	07:31:16	09:04:14	11:02:34	13:15:21	15:39:27	17:57:09	20:11:21	22:31:38	00:52:30	02:54:52	04:39:36	06:04:49
23	07:27:19	09:00:18	10:58:37	13:11:25	15:35:30	17:53:12	20:07:25	22:27:41	00:48:33	02:50:56	04:35:39	06:00:53
24	07:23:23	08:56:21	10:54:41	13:07:28	15:31:34	17:49:16	20:03:28	22:23:44	00:44:36	02:46:59	04:31:42	05:56:56
25	07:19:26	08:52:24	10:50:44	13:03:31	15:27:37	17:45:19	19:59:31	22:19:47	00:40:40	02:43:02	04:27:46	05:52:59
26	07:15:29	08:48:28	10:46:47	12:59:34	15:23:40	17:41:22	19:55:34	22:15:51	00:36:43	02:39:06	04:23:49	05:49:02
27	07:11:33	08:44:31	10:42:51	12:55:38	15:19:43	17:37:25	19:51:38	22:11:54	00:32:46	02:35:09	04:19:52	05:45:06
28	07:07:36	08:40:34	10:38:54	12:51:41	15:15:47	17:33:29	19:47:41	22:07:57	00:28:50	02:31:12	04:15:55	05:41:09
29	07:03:39	08:36:38	10:34:57	12:47:44	15:11:50	17:29:32	19:43:44	22:04:01	00:24:53	02:27:15	04:11:59	05:37:12
30	06:59:43	08:32:41	10:31:01	12:43:48	15:07:53	17:25:35	19:39:48	22:00:04	00:20:56	02:23:19	04:08:02	05:33:16
31	06:55:46	08:28:44	10:27:04	12:39:51	15:03:57	17:21:39	19:35:51	21:56:07	00:16:59	02:19:22	04:04:05	05:29:19

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

लग्न सारिणी –दिल्ली,अक्षांश 28/39/00, पलभा 06/33/22 अयनांश 24/03/00,गाजियाबाद, गुड़गॉव, रोहतक, मेरठ आदि

राशि / अंश	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
0	02:50:45	06:50:57	11:40:21	17:15:33	23:05:09	28:51:21	34:36:21	40:26:09	46:11:33	51:20:21	55:37:57	59:17:45
1	02:57:51	06:59:11	11:50:21	17:27:01	23:16:51	29:02:51	34:47:51	40:37:51	46:23:01	51:30:21	55:46:11	59:24:51
2	03:04:57	07:07:25	12:00:21	17:38:29	23:28:33	29:14:21	34:59:21	40:49:33	46:34:29	51:40:21	55:54:25	59:31:57
3	03:12:03	07:15:39	12:10:21	17:49:57	23:40:15	29:25:51	35:10:51	41:01:15	46:45:57	51:50:21	56:02:39	59:39:03
4	03:19:09	07:23:53	12:20:21	18:01:25	23:51:57	29:37:21	35:22:21	41:12:57	46:57:25	52:00:21	56:10:53	59:46:09
5	03:26:15	07:32:07	12:30:21	18:12:53	24:03:39	29:48:51	35:33:51	41:24:39	47:08:53	52:10:21	56:19:07	59:53:15
6	03:33:21	07:40:21	12:40:21	18:24:21	24:15:21	30:00:21	35:45:21	41:36:21	47:20:21	52:20:21	56:27:21	00:00:21
7	03:41:35	07:50:21	12:51:49	18:36:03	24:26:51	30:11:51	35:57:03	41:47:49	47:30:21	52:28:35	56:34:27	00:07:27
8	03:49:49	08:00:21	13:03:17	18:47:45	24:38:21	30:23:21	36:08:45	41:59:17	47:40:21	52:36:49	56:41:33	00:14:33
9	03:58:03	08:10:21	13:14:45	18:59:27	24:49:51	30:34:51	36:20:27	42:10:45	47:50:21	52:45:03	56:48:39	00:21:39
10	04:06:17	08:20:21	13:26:13	19:11:09	25:01:21	30:46:21	36:32:09	42:22:13	48:00:21	52:53:17	56:55:45	00:28:45
11	04:14:31	08:30:21	13:37:41	19:22:51	25:12:51	30:57:51	36:43:51	42:33:41	48:10:21	53:01:31	57:02:51	00:35:51
12	04:22:45	08:40:21	13:49:09	19:34:33	25:24:21	31:09:21	36:55:33	42:45:09	48:20:21	53:09:45	57:09:57	00:42:57
13	04:30:59	08:50:21	14:00:37	19:46:15	25:35:51	31:20:51	37:07:15	42:56:37	48:30:21	53:17:59	57:17:03	00:50:03
14	04:39:13	09:00:21	14:12:05	19:57:57	25:47:21	31:32:21	37:18:57	43:08:05	48:40:21	53:26:13	57:24:09	00:57:09
15	04:47:27	09:10:21	14:23:33	20:09:39	25:58:51	31:43:51	37:30:39	43:19:33	48:50:21	53:34:27	57:31:15	01:04:15
16	04:55:41	09:20:21	14:35:01	20:21:21	26:10:21	31:55:21	37:42:21	43:31:01	49:00:21	53:42:41	57:38:21	01:11:21
17	05:03:55	09:30:21	14:46:29	20:33:03	26:21:51	32:06:51	37:54:03	43:42:29	49:10:21	53:50:55	57:45:27	01:18:27
18	05:12:09	09:40:21	14:57:57	20:44:45	26:33:21	32:18:21	38:05:45	43:53:57	49:20:21	53:59:09	57:52:33	01:25:33
19	05:20:23	09:50:21	15:09:25	20:56:27	26:44:51	32:29:51	38:17:27	44:05:25	49:30:21	54:07:23	57:59:39	01:32:39
20	05:28:37	10:00:21	15:20:53	21:08:09	26:56:21	32:41:21	38:29:09	44:16:53	49:40:21	54:15:37	58:06:45	01:39:45
21	05:36:51	10:10:21	15:32:21	21:19:51	27:07:51	32:52:51	38:40:51	44:28:21	49:50:21	54:23:51	58:13:51	01:46:51
22	05:45:05	10:20:21	15:43:49	21:31:33	27:19:21	33:04:21	38:52:33	44:39:49	50:00:21	54:32:05	58:20:57	01:53:57
23	05:53:19	10:30:21	15:55:17	21:43:15	27:30:51	33:15:51	39:04:15	44:51:17	50:10:21	54:40:19	58:28:03	02:01:03
24	06:01:33	10:40:21	16:06:45	21:54:57	27:42:21	33:27:21	39:15:57	45:02:45	50:20:21	54:48:33	58:35:09	02:08:09
25	06:09:47	10:50:21	16:18:13	22:06:39	27:53:51	33:38:51	39:27:39	45:14:13	50:30:21	54:56:47	58:42:15	02:15:15
26	06:18:01	11:00:21	16:29:41	22:18:21	28:05:21	33:50:21	39:39:21	45:25:41	50:40:21	55:05:01	58:49:21	02:22:21
27	06:26:15	11:10:21	16:41:09	22:30:03	28:16:51	34:01:51	39:51:03	45:37:09	50:50:21	55:13:15	58:56:27	02:29:27
28	06:34:29	11:20:21	16:52:37	22:41:45	28:28:21	34:13:21	40:02:45	45:48:37	51:00:21	55:21:29	59:03:33	02:36:33
29	06:42:43	11:30:21	17:04:05	22:53:27	28:39:51	34:24:51	40:14:27	46:00:05	51:10:21	55:29:43	59:10:39	02:43:39

दशमलग्नसारिणी (सभी देशों के लिए)

अयनांश- 24/06/00, निरक्षोदयमान- 279, 299, 322, 322, 299, 279

अंश/राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
0	03:44:08	08:39:08	13:56:32	19:18:32	24:22:08	29:05:08	33:44:08	38:39:08	43:56:32	49:18:32	54:22:08	59:05:08
1	03:53:26	08:49:06	14:07:16	19:29:16	24:32:06	29:14:26	33:53:26	38:49:06	44:07:16	49:29:16	54:32:06	59:14:26
2	04:02:44	08:59:04	14:18:00	19:40:00	24:42:04	29:23:44	34:02:44	38:59:04	44:18:00	49:40:00	54:42:04	59:23:44
3	04:12:02	09:09:02	14:28:44	19:50:44	24:52:02	29:33:02	34:12:02	39:09:02	44:28:44	49:50:44	54:52:02	59:33:02
4	04:21:20	09:19:00	14:39:28	20:01:28	25:02:00	29:42:20	34:21:20	39:19:00	44:39:28	50:01:28	55:02:00	59:42:20
5	04:30:38	09:28:58	14:50:12	20:12:12	25:11:58	29:51:38	34:30:38	39:28:58	44:50:12	50:12:12	55:11:58	59:51:38
6	04:39:56	09:38:56	15:00:56	20:22:56	25:21:56	30:00:56	34:39:56	39:38:56	45:00:56	50:22:56	55:21:56	00:00:56
7	04:49:14	09:48:54	15:11:40	20:33:40	25:31:54	30:10:14	34:49:14	39:48:54	45:11:40	50:33:40	55:31:54	00:10:14
8	04:58:32	09:58:52	15:22:24	20:44:24	25:41:52	30:19:32	34:58:32	39:58:52	45:22:24	50:44:24	55:41:52	00:19:32
9	05:07:50	10:08:50	15:33:08	20:55:08	25:51:50	30:28:50	35:07:50	40:08:50	45:33:08	50:55:08	55:51:50	00:28:50
10	05:17:08	10:18:48	15:43:52	21:05:52	26:01:48	30:38:08	35:17:08	40:18:48	45:43:52	51:05:52	56:01:48	00:38:08
11	05:26:26	10:28:46	15:54:36	21:16:36	26:11:46	30:47:26	35:26:26	40:28:46	45:54:36	51:16:36	56:11:46	00:47:26
12	05:35:44	10:38:44	16:05:20	21:27:20	26:21:44	30:56:44	35:35:44	40:38:44	46:05:20	51:27:20	56:21:44	00:56:44
13	05:45:02	10:48:42	16:16:04	21:38:04	26:31:42	31:06:02	35:45:02	40:48:42	46:16:04	51:38:04	56:31:42	01:06:02
14	05:54:20	10:58:40	16:26:48	21:48:48	26:41:40	31:15:20	35:54:20	40:58:40	46:26:48	51:48:48	56:41:40	01:15:20
15	06:03:38	11:08:38	16:37:32	21:59:32	26:51:38	31:24:38	36:03:38	41:08:38	46:37:32	51:59:32	56:51:38	01:24:38
16	06:12:56	11:18:36	16:48:16	22:10:16	27:01:36	31:33:56	36:12:56	41:18:36	46:48:16	52:10:16	57:01:36	01:33:56
17	06:22:14	11:28:34	16:59:00	22:21:00	27:11:34	31:43:14	36:22:14	41:28:34	46:59:00	52:21:00	57:11:34	01:43:14
18	06:31:32	11:38:32	17:09:44	22:31:44	27:21:32	31:52:32	36:31:32	41:38:32	47:09:44	52:31:44	57:21:32	01:52:32
19	06:40:50	11:48:30	17:20:28	22:42:28	27:31:30	32:01:50	36:40:50	41:48:30	47:20:28	52:42:28	57:31:30	02:01:50
20	06:50:08	11:58:28	17:31:12	22:53:12	27:41:28	32:11:08	36:50:08	41:58:28	47:31:12	52:53:12	57:41:28	02:11:08
21	06:59:26	12:08:26	17:41:56	23:03:56	27:51:26	32:20:26	36:59:26	42:08:26	47:41:56	53:03:56	57:51:26	02:20:26
22	07:08:44	12:18:24	17:52:40	23:14:40	28:01:24	32:29:44	37:08:44	42:18:24	47:52:40	53:14:40	58:01:24	02:29:44
23	07:18:02	12:28:22	18:03:24	23:25:24	28:11:22	32:39:02	37:18:02	42:28:22	48:03:24	53:25:24	58:11:22	02:39:02
24	07:27:20	12:38:20	18:14:08	23:36:08	28:21:20	32:48:20	37:27:20	42:38:20	48:14:08	53:36:08	58:21:20	02:48:20
25	07:36:38	12:48:18	18:24:52	23:46:52	28:31:18	32:57:38	37:36:38	42:48:18	48:24:52	53:46:52	58:31:18	02:57:38
26	07:45:56	12:58:16	18:35:36	23:57:36	28:41:16	33:06:56	37:45:56	42:58:16	48:35:36	53:57:36	58:41:16	03:06:56
27	07:55:14	13:08:14	18:46:20	00:08:20	28:51:14	33:16:14	37:55:14	43:08:14	48:46:20	54:08:20	58:51:14	03:16:14
28	08:04:32	13:18:12	18:57:04	00:19:04	29:01:12	33:25:32	38:04:32	43:18:12	48:57:04	54:19:04	59:01:12	03:25:32
29	08:13:50	13:28:10	19:07:48	00:29:48	29:11:10	33:34:50	38:13:50	43:28:10	49:07:48	54:29:48	59:11:10	03:34:50

विक्रम संवत् 2079 (ई.सन् 2022-23) के मुहूर्त हेतु काल विवरण

विवाहादि मांगलिक कार्यों के लिये सौर चैत्र मास, सौर पौष मास, अधिमास, श्राद्ध-पक्ष, भीष्मपंचक, होलिकाष्टक एवं गुरु-शुक्र के अस्तकाल वर्जित कहे गये हैं । उपनयन संस्कार चैत्रमास में तथा पुरातन गृहप्रवेश गुरु-शुक्र के अस्तकाल में भी किये जा सकते हैं।

मीन राशि गत सूर्य - संवत् 2078 फाल्गुन शुक्ल 11 सोमवार दिनाङ्क 14/03/2022 से प्रारम्भ होकर संवत् 2079 चैत्र शुक्ल त्रयोदशी गुरुवार दिनाङ्क- 14/04/2022 तक तथा संवत् 2079 चैत्र कृष्ण अष्टमी भौमवार दिनाङ्क- 15/03/2023 से वर्षान्त तक सूर्य मीन राशि में रहेगा।

श्रीहरि-देवशयन-काल- संवत् 2079 आषाढ़ शुक्ल 11 रविवार दिनाङ्क- 10/07/2022 से कार्तिक शुक्ल 11 शुक्रवार दिनाङ्क04/11/2022 तक।

भीष्म पञ्चक - कार्तिक शुक्ल 11 शुक्रवार दिनाङ्क04/11/2022 से कार्तिक शुक्ल 15 भौमवार दिनाङ्क 08/11/2022 तक।

महालय (श्राद्धपक्ष)- संवत् 2079 आश्विन कृष्ण प्रतिपदा रविवार दिनाङ्क-11/09/2022 से आश्विन कृष्ण 30 रविवार दिनाङ्क 25/09/2022 तक रहेगा।

गुरु अस्तोदय- इस वर्ष गुरु वर्षभर उदित रहेगा।

शुक्र अस्तोदय- संवत् 2079 आश्विन शुक्ल 10 भौमवार दिनाङ्क 04/10/2022 को पूर्व में अस्त होकर मार्गशीर्ष शुक्ल 4 शनिवार दिनाङ्क 26/11/2022 को उदित। उदय से 3 दिन पश्चात् बाल्यत्व दोष एवं अस्त से 3 दिन पहले वृद्धत्व दोष रहेगा।

धनु राशि गत सूर्य- संवत् 2079 पौष कृष्ण 8 शुक्रवार दिनाङ्क 16/12/2022 से माघ कृष्ण 8 शनिवार दिनाङ्क 14/01/2023 तक रहेगी।

होलाष्टक- संवत् 2079 फाल्गुन शुक्ल 8 सोमवार दिनाङ्क 27/02/2023 से फाल्गुन शुक्ल 15 सोमवार दिनाङ्क 06/03/2023 तक रहेगा।

चन्द्रबलविचारः-

पापान्तः पापयुग्घ्नूने पापाच्चन्द्रः शुभोऽप्यसत्।
शुभांशे वाधिमित्रांशे गुरुदृष्टोऽशुभोऽपि सत्।।

(मु.चि.गो.प्र.श्लोक ७)

भूमिशयनविचारः -

प्रद्योतनात्पंचनगांकसूर्यनवेन्दुषड्विंशमितेषु भेषु।
शेते मही नैव गृहं विधेयं तडागवापीखननं न शस्तम्।।

(वास्तुरत्नाकर ९/४२)

विवाह-मुहूर्त विक्रमसंवत् 2079 (ई.सन् 2022-23)

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	रेखाएं	लग्नादि विवरण
14.04.2022	चैत्र	शुक्ल	13	गुरु	उ.फा.	मेष	मीन	सिंह/कन्या	8	उ.फा. 9:58 से संक्रान्तिदोष,लग्नादि - मिथुन, वृश्चिक,धनु (शु.पूज्य)मकर(श.पू.)कुम्भ(मं.श.च.पू.) मीन(गु.चं.पू.)
15.04.2022	चैत्र	शुक्ल	14	शुक्र	उ.फा/ह.	मेष	मीन	कन्या	8	भद्रा 26:54से,लग्नादि-वृष(मं.पू.)मिथुन,वृश्चिक,धनु,(शु.पू)
16.04.2022	चै./वै.	शु/कृ.	15/1	शनि	हस्त/चि.	मेष	मीन	कन्या/तुला	6	भद्रा 12:49 तक, लग्नादि - वृश्चिक, धनु(शु.पू),मकर (श.पू.) कुम्भ(मं.श.च.पू.),मीन(गु.चं.पू.)
17.04.2022	वैशाख	कृष्ण	1/2	रवि	चित्रा/स्वा	मेष	मीन	तुला	6	लग्नादि- वृष(मं.चं.पूज्य) मिथुन,वृश्चिक,धनु(शु.पू) मकर (श.पू.) कुम्भ(मं.श.च.पू.) मीन(गु.चं.पू.)
19.04.2022	वैशाख	कृष्ण	3/4	भौम	अनु.	मेष	मीन	वृश्चिक	6	भौमवारदोष,अनुराधा 25:43 तक, रिक्तातिथिदोष16:41से, भद्रा06:05से16:41तक,लग्नादि-वृश्चिक(चं.पू),धनु(शु.च.पू)
20.04.2022	वैशाख	कृष्ण	4/5	बुध	मूल	मेष	मीन	धनु	8	मूल23:40से,लग्नादि-मकर(श.पू) कुम्भ(मं.श.पू)मीन(गु.पू)
21.04.2022	वैशाख	कृष्ण	5/6	गुरु	मूल	मेष	मीन	धनु	7	मूल 21:47 तक,लग्नादि-वृष(मं.चं.पू)मिथुन(चं. पू)गोधूलि
22.04.2022	वैशाख	कृष्ण	6/7	शुक्र	उ.षा.	मेष	मीन	धनु/मकर	6	उ.षा. 20:08 से, भद्रा07:33से16:45तक, लग्नादि- वृश्चिक, धनु(शु.चं.पू), मकर(श.पू) कुम्भ(मं.श.पू) मीन(गु.पू)
24.04.2022	वैशाख	कृष्ण	9	रवि	श्रव/धनि	मेष	मीन	मकर	7	रिक्तातिथिदोष, लग्नादि-वृष(मं.पू) मिथुन (च.पू),वृश्चिक,धनु (शु.पू)मकर(च.श.पू.)कुम्भ(मं.श.पू.)मीन(गु.पू)
25.04.2022	वैशाख	कृष्ण	10	सोम	धनिष्ठा	मेष	मीन	कुम्भ	7	धनिष्ठा नक्षत्र17:01तक,भद्रा13:53से25:15तक,लग्नादि -मेष (सू.रा.के.पू),वृष(बु.मं.पू)मिथुन,गोधूलि
27.04.2022	वैशाख	कृष्ण	12/13	बुध	उ.भा.	मेष	मीन	मीन	7	उ.भा. 16:55 से, लग्नादि- वृश्चिक(बु.पू.),धनु(शु.पू)मकर (श.पू.)कुम्भ(मं.श.चं.पू)मीन(चं.गु.पू)
28.04.2022	वैशाख	कृष्ण	13/14	गुरु	उ.भा/रेव	मेष	मीन	मीन	6	भद्रा24:10से,लग्नादि-वृष(बु.मं.पू)मिथुन,कर्क(श.मं.पू), वृश्चिक(बु.पू)धनु
02.05.2022	वैशाख	शुक्ल	3	सोम	रोहिणी	मेष	मीन	वृष	8	रोहिणी24:18से,लग्नादि-मकर,कुम्भ(मं.श.चं.पू)मीन(गु.श.पू)
03.05.2022	वैशाख	शुक्ल	3	भौम	रोहि/मृग.	मेष	मीन	वृष	8	भौमवारदोष,लग्नादि-मेष(रा.सू.के.पू),वृष(बु.मं.चं.पू),मिथुन (चं.पू),कर्क(मं.पू),वृश्चिक(बु.चं.पू)धनु(चं.पू),मकर,कुम्भ (मं.श.च.पू),मीन(गु.श.पू)
04.05.2022	वैशाख	शुक्ल	3/4	बुध	मृग.	मेष	मीन	वृष/मिथुन	9	भद्रा20:39से,लग्नादि-मेष(सू.रा.के.पू)वृष(चं.मं.पू.)मिथुन, कर्क(मं.पू)गोधूलि

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	रेखाएं	लग्नादि विवरण
11.05.2022	वैशाख	शुक्ल	10/11	बुध	उ.फा.	मेष	मीन	सिंह/कन्या	6	उ.फा.19:46से,लग्नादि-वृश्चिक(बु.पू.)धनु,मकर(शु.चं.पू) कुम्भ(मं.श.चं.पू)मीन(चं.शं.पू)
12.05.2022	वैशाख	शुक्ल	11/12	गुरु	उ.फा/ह.	मेष	मीन	कन्या	6	भद्रा07:30से19:10तक,लग्नादि-वृश्चिक(बु.पू)धनु,मकर (शु.चं.पू),कुम्भ(मं.शं.चं.पू),मीन,(शं.चं.पू)
14.05.2022	वैशाख	शुक्ल	13/14	शनि	चित्रा/स्वा	मेष	मीन	तुला	8	रिक्तातिथिदोष15:30से,लग्नादि-मेष(सू.रा.के.चं.पू.)वृष(मं.पू) मिथुन,कर्क(मं पू) वृश्चिक(बु.पू.)धनु,मकर(शु.पू),कुम्भ (मं.श.चं.पू)मीन(चं.शं.पू)
15.05.2022	वैशाख	शुक्ल	14/15	रवि	स्वाति	मेष/वृष	मीन	तुला	7	स्वाति15:40तक, रिक्तातिथिदोष12:48तक, भद्रा12:48से 23:15तक,सेक्रान्तिदोष,लग्नादि-वृष(मं.चं.पू)मिथुन,कर्क(मंपू)
16.05.2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	01	सोम	अनुराधा	वृष	मीन	वृश्चि.	6	अनुराधा13:20से,लग्नादि-कन्या(गु.शु.पू)वृश्चिक(बु.सू.पू)धनु, मकर(शु.पू)कुम्भ(श.मं.पू)मीन(शं.चं.पू.)
18.05.2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	03/04	बुध	मूल	वृष	मीन	धनु	8	मूल08:10से,भद्रा13:22से23:36तक,लग्नादि-कर्क(च.पू), कुम्भ(श.चं.पू)मीन(शं.मं.पू.)
20.05.2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	05/06	शुक्र	उ.षा/श्रव	वृष	मीन	धनु/मकर	6	लग्नादि-मेष(रा.के.पू.)वृष(सू.चं.पू)मिथुन(मं.चं.पू.)कर्क(चंपू) कन्या(गु.शु.मं.पू)वृश्चिक(सू.बु.पू)धनु(चं.पू)मकर(शु.पू.) कुम्भ(शं.पू)मीन(मं.शं.पू)
21.05.2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	06/07	शनि	श्रव/धनि	वृष	मीन	मकर	6	भद्रा14:51से25:50तक, लग्नादि-मेष(रा.के.पू.) वृष(सू.पू) मिथुन(मं.चं.पू.)कर्क(चं पू)मीन(मं.शं.पू)
22.05.2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	07/08	रवि	धनिष्ठा	वृष	मीन	मकर/कुम्भ	6	धनिष्ठा22:23तक,लग्नादि-मेष(रा.के.पू.)वृष(सू.पू) मिथुन (मं.चं.पू.)कर्क(चं पू)वृश्चिक(सू.बु.पू)धनु
25.05.2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	10/11	बुध	उ.भा/रेव	वृष	मीन	मीन	7	भद्रा10:27तक, लग्नादि-वृश्चिक(सू.शु.बु.पू), धनु, मकर, कुम्भ(शं.शु.पू), मीन(मं.शं.चं.पू)
26.05.2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	11/12	गुरु	रेव/अश्वि	वृष	मीन	मीन/मेष	6	लग्नादि-मेष(रा.के.पू.)वृष(सू.पू)मिथुन(मं.पू.)कर्क,वृश्चिक (सू.बु.शु.पू),धनु,मकर,कुम्भ(शं.शु.पू)मीन(मं.शं.पू)
27.05.2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	12/13	शुक्र	अश्विनी	वृष	मीन	मेष	7	अश्विनी26:11तक,लग्नादि-मेष(रा.के.पू.)वृष(सू.पू)मिथुन (मंपू.)कर्क,धनु,मकर, कुम्भ(शं.शु.पू)
31.05.2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	01/02	भौम	रोहि/मृग.	वृष	मीन	वृष/ मिथुन	8	भौमवारदोष,लग्नादि-मेष(रा.के.पू.)वृष(सू.चं.पू),मिथुन(मं.पू), कर्क,सिंह(श.गु.मं.पू)कन्या(गु.मं.शु.पू) धनु(चं.पू),मकर(चंपू), कुम्भ(शं.शु.पू)मीन(मं.श.पू)

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	रेखाएं	लग्नादि विवरण
01.06.2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	02/03	बुध	मृगशिरा	वृष	मीन	मिथुन	9	मृगशिरा12:55तक,लग्नादि-मेष(रा.के.पू),वृष(सू.पू) मिथुन (मं.चं.पू)कर्क,सिंह(मं.गु.श.पू),गोधूलि
08.06.2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	08/09	बुध	उफा/हस्त	वृष	मीन	सिंह/कन्या	7	लग्नादि-मेष(रा.के.पू)वृष(सू.पू)मिथुन(मं.चं.पू)कर्क,सिंह (मं.श.गु.पू)वृश्चिक(सू.बु.शु.पू)धनु,मकर,कुम्भ(श.शु.च.पू.)
09.06.2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	09/10	गुरु	हस्त/चि.	वृष	मीन	कन्या	6	लग्नादि-मेष(रा.के.पू)वृष(सू.पू)मिथुन(मं.चं.पू)कर्क,सिंह (मं.श.गु.पू),वृश्चिक(सू.बु.शु.पू),धनु,मकर,कुम्भ(श.शु.च.पू)
10.06.2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	10/11	शुक्र	चित्रा/स्वा	वृष	मीन	कन्या/तुला	9	भद्रा18:33से,लग्नादि-धनु,मकर,कुम्भ(श.शु.पू.)मीन(चं.म.शपू)
12.06.2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	13/14	रवि	अनुराधा	वृष	मीन	वृश्चिक	8	अनुराधा24:22से,रिक्तातिथिदोष24:53से,लग्नादि – गोधूलि, मीन (मं.शं.पू)
13.06.2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	14	सोम	अनुराधा	वृष	मीन	वृश्चिक	7	अनुराधा21:40तक,भद्रा21:19से,लग्नादि-मेष(रा.के.चं.पू), वृष(सू.चं.पू)मिथुन(मं.चं.पू)कर्क,सिंह(मं.श.गु.पू)कन्या (गु.मं.शु.पू),धनु
14.06.2022	आषाढ़	कृष्ण	01	भौम	मूल	वृष	मीन	धनु	7	मूल18:41से,भौमवारदोष,भद्रा07:24तक,लग्नादि-धनु(चं.पू), मकर,कुम्भ(श.शु.पू.),मीन(म.श.पू)
15.06.2022	आषाढ़	कृष्ण	01/02	बुध	मूल	वृष/मिथुन	मीन	धनु	7	मूल 15:36 तक,संक्रान्तिदोष,लग्नादि-मेष(रा.के.पू),वृष(चंपू) मिथुन(मं.सू.चं.पू)कर्क(चं.पू),सिंह(मं.श.गु.पू),कन्या(गु.मं.शुपू)
16.06.2022	आषाढ़	कृष्ण	03	गुरु	उषा.	मिथुन	मीन	धनु/मकर	6	उषा.12:38से,भद्रा19:59से,लग्नादि-वृश्चिक(बु.शु.पू),गोधूलि
18.06.2022	आषाढ़	कृष्ण	05/06	शनि	श्रव/धनि.	मिथुन	मीन	मकर/कुम्भ	7	लग्नादि-मेष(रा.के.पू),वृष,मिथुन(मं.सू.चं.पू),कर्क(चं.पू), कन्या(गु.मं.पू),वृश्चिक(बु.शु.पू)धनु(शु.सू.पू)मकर, कुम्भ (श.चं.पू.)मीन(मं.शु.शं.पू)
21.06.2022	आषाढ़	कृष्ण	08/09	भौम	उभा/रेव	मिथुन	मीन	मीन	6	रिक्तातिथिदोष20:07से,भौमवारदोष,लग्नादि-मेष(रा.के.पू),वृष, मिथुन(मं.सू.पू),कर्क,कन्या(गु.मं.चं.पू),वृश्चिक(बु.शु.पू)धनु (शु.सू.पू),मकर,कुम्भ(श.पू.)
22.06.2022	आषाढ़	कृष्ण	09/10	बुध	रेवती	मिथुन	मीन	मीन	8	लग्नादि-मेष(रा.के.पू),वृष,मिथुन(मं.सू.पू),कर्क,कन्या(गु.मंचंपू) वृश्चिक(बु.शु.पू)धनु(शु.सू.पू), मकर, कुम्भ(श.पू.)
23.06.2022	आषाढ़	कृष्ण	10/11	गुरु	रेव/अश्वि	मिथुन	मीन	मीन/मेष	7	भद्रा08:54से21:24तक, लग्नादि-मेष(रा.के.पू),वृष,मिथुन (मं.सू.पू), कुम्भ(श.पू.)मीन(शु.श.मं.पू)
26.06.2022	आषाढ़	कृष्ण	13/14	रवि	रोहिणी	मिथुन	मीन	वृष	6	रोहि.13:07से,भद्रा27:19से,रिक्तातिथिदोष27:19से,लग्न-वृश्चि. (बु.शु.चं.पू)धनु(चं.शु.सू.पू)मकर,कुंम्भ(श.पू.)मीन(मं.श.शुपू)

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	रेखाएं	लग्नादि विवरण
27.06.2022	आषाढ़	कृष्ण	14	सोम	रोहि/मृग	मिथुन	मीन	वृष	6	भद्रा16:36तक,लग्नादि-धनु(चं.शु.सू.पू)मकर,कुम्भ(श.पू.), मीन(श.शु.पू)
05.07.2022	आषाढ़	शुक्ल	06/07	भौम	उफा.	मिथुन	मीन	सिंह/कन्या	6	भौमवारदोष, लग्नादि-मेष(रा.के.मं.पू),वृष,मिथुन(सू.पू),कर्क (मं.पू),सिंह(चं.श.गु.पू)कन्या(गु.मं.पू),वृश्चिक(बु.शु.पू)धनु (शु.सू.बु.पू),मकर,कुम्भ(श.चं.पू.)मीन(शु.श.चं.पू)
07.07.2022	आषाढ़	शुक्ल	08/09	गुरु	हस्त/चि.	मिथुन	मीन	कन्या/तुला	7	भद्रा07:56तक,लग्नादि-सिंह(श.गु.पू)कन्या(गु.चं.मं.पू) वृश्चिक(बु.शु.पू)धनु(शु.सू.बु.पू),मकर,कुम्भ(श.चं.पू.) मीन(शु.श.चं.पू)
08.07.2022	आषाढ़	शुक्ल	09/10	शुक्र	चित्रा/स्वा	मिथुन	मीन	तुला	8	लग्नादि-वृष(चं.पू)मिथुन(सू.पू)कर्क(मं.पू),सिंह(श.गु.पू) कन्या(गु.मं.पू),वृश्चिक(बु.शु.पू)धनु(शु.सू.बु.पू),मकर, कुम्भ(श.पू.)मीन(शु.श.चं.पू)
09.07.2022	आषाढ़	शुक्ल	10	शनि	स्वाती	मिथुन	मीन	तुला	9	स्वाती11:30तक,भद्रा27:38से,लग्नादि-वृष(चं.पू),मिथुन(सूपू), कर्क(मं.पू),सिंह(श.गु.पू)
28.11.2022	मार्ग.	शुक्ल	05/06	सोम	उषा/श्रव	वृश्चिक	मीन	मकर	8	लग्नादि-कन्या(गु.शु.पू),तुला(रा.के.मं.पू)वृश्चिक(सू.मं.पू), धनु,मकर(श.चं.प)कुम्भ(श.पू)मीन,मिथुन(चं.बु.शु.पू)कर्क (श.च.पू)सिंह(गु.मं.च.पू)
29.11.2022	मार्ग.	शुक्ल	06/07	भौम	श्रव/धनि	वृश्चिक	मीन	मकर/कुम्भ	7	भौमवारदोष,लग्नादि-कन्या(गु.शु.पू),तुला(रा.के.मं.पू) वृश्चिक (सू.मं.पू)धनु,मकर(श.चं.प)कुम्भ(श.पू)मीन,मिथुन(बु.शु.पू) कर्क(श.च.पू)सिंह(गु.च.मं.पू)
02.12.2022	मार्ग.	शुक्ल	10/11	शुक्र	उभा./रेव	वृश्चिक	मीन	मीन	7	लग्नादि-कन्या(गु.शु.चं.पू)वृश्चिक(सू.मं.पू)धनु,मकर(श.प) कुम्भ(श.पू)मीन(चं.पू)मिथुन(बु.शु.पू)कर्क(श.च.पू) सिंह(गु.मं.च.पू)
03.12.2022	मार्ग.	शुक्ल	11/12	शनि	रेव/अश्वि	वृश्चिक	मीन	मीन/मेष	6	भद्रा17:05से29:05तक,लग्न-कन्या(गु.शु.चं.पू)वृश्चि.(सू.मंपू) धनु,मकर(श.प),कुम्भ(श.पू),मीन(चं.पू)मेष(रा.के.शु.पू)
04.12.2022	मार्ग.	शुक्ल	12/13	रवि	अश्विनी	वृश्चिक	मीन	मेष	9	लग्न-कन्या(गु.शु.चं.पू),वृश्चिक(चं.सू.मं.पू),धनु, मकर(शपू) कुम्भ(श.पू), मीन, मेष(रा.के.शु.पू) मिथुन(बु.शु.पू)कर्क(शपू) सिंह(गु.मं.पु)
05.12.2022	मार्ग.	शुक्ल	13	सोम	अश्विनी	वृश्चिक	मीन	मेष	7	अश्विनी 07:16 तक, लग्नादि-कन्या(गु.शु.चं.पू)
07.12.2022	मार्ग.	शुक्ल	15	बुध	रोहिणी	वृश्चिक	मीन	वृष	7	रोहिणी10:26से,भद्रा 08:04से20:51तक,लग्न-सिंह(गु.मं.पु)

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	रेखाएं	लग्नादि विवरण
08.12.2022	मार्ग/पौ.	शु/कृ.	15/01	गुरु	रोहि/मृग	वृश्चिक	मीन	वृष/मिथुन	6	लग्नादि-कन्या(गु.पू)वृश्चिक(चं.सू.मं.पू)धनु(चं.पू)मकर(शपू) कुम्भ(श.पू),मीन,मेष(रा.के.पू)मिथुन(बु.शु.पू)कर्क(शु.श.पू) सिंह(गु.मं.पु)
09.12.2022	पौष	कृष्ण	01/02	शुक्र	मृगशिरा	वृश्चिक	मीन	मिथुन	7	मृगशिरा14:56तक,लग्नादि-कन्या(गु.पू),वृश्चिक(चं.सू.मं.पू), धनु(चं.पू),मकर(चं.श.प),कुम्भ(श.पू),मीन
14.01.2023	माघ	कृष्ण	07/08	शनि	हस्त/चि.	मकर	मीन	कन्या/तुला	6	संक्रान्तिदोष,लग्नादि-मीन(चं.पू)मेष(रा.के.चं.पू)वृष(मं.बु.पू) मिथुन(बु.शुपू)कर्क(श.सू.शु.पू)सिंह(शु.गु.मं.पू)कन्या(गु.चंपू)
15.01.2023	माघ	कृष्ण	08/09	रवि	चित्रा/स्वा	मकर	मीन	तुला	6	रिक्तातिथिदोष 20:05 से,लग्नादि-तुला(रा.के.मं.पू.)वृश्चिक (शु.मं.पू)धनु,मकर(श.सू.पू.)कुम्भ(श.पू)मीन(चं.पू.) मेष (रा.के.चं.पू.)वृष(मं.बु.चं.पू.)मिथुन(बु.शु.पू)कर्क(श.सू.शु.पू) सिंह(शु.गु.मं.पू)कन्या(गु.पू)
16.01.2023	माघ	कृष्ण	09/10	सोम	स्वाती	मकर	मीन	तुला	7	स्वाती19:42तक,भद्रा31:03से,लग्नादि-वृश्चिक(शु.मं.पू)धनु, मकर(श.सू.पू.)कुम्भ(श.पू)मीन(चं.पू.)मेष(रा.के.चं.पू.) वृष(मं.बु.चं.पू.)मिथुन(बु.शु.पू)कर्क(श.सू.शु.पू)
17.01.2023	माघ	कृष्ण	11	भौम	अनुराधा	मकर	मीन	वृश्चिक	6	अनुराधा 19:05 से, भद्रा18:25तक,भौमवारदोष, लग्नादि-कन्या(गु.पू)
19.01.2023	माघ	कृष्ण	13	गुरु	मूल	मकर	मीन	धनु	8	मूल 15:29 से, लग्नादि-कन्या(गु.पू.),गोधूलि
22.01.2023	माघ	शुक्ल	01/02	रवि	श्रव/धनि	मकर	मीन	मकर	8	लग्नादि-तुला(रा.के.मं.पू.)वृश्चिक(शु.मं.पू)धनु,मकर(चं.सूपू) कुम्भ(श.पू)मीन(श.पू) मेष(रा.के.पू.) वृष(मं.बु.पू.)मिथुन (बु.चं.शु.पू)कर्क(सू.शु.चं.पू)कन्या(गु.पू)
23.01.2023	माघ	शुक्ल	02/03	सोम	धनिष्ठा	मकर	मीन	मकर/कुम्भ	8	धनिष्ठा 24:15 तक, लग्नादि-तुला(रा.के.मं.पू.) वृश्चिक (मं.पू)धनु(शु.पू),मकर(चं.सू.पू.)कुम्भ(श.पू)मीन(श.पू), मेष(रा.के.पू.)वृष(मं.बु.पू.)मिथुन(बु.शु.पू)कर्क(सू.शु.चं.पू) कन्या(गु.शु.चं.पू)
25.01.2023	माघ	शुक्ल	05	बुध	उभा.	मकर	मीन	मीन	6	उभा. 19:46 से,भद्रा12:28तक,लग्नादि-कन्या(गु.शु.चं.पू)
26.01.2023	माघ	शुक्ल	05/06	गुरु	उभा/रेव	मकर	मीन	मीन	8	लग्नादि-वृश्चिक(मं.पू)धनु(शु.पू)मकर(सू.पू.)कुम्भ(श.पू) मीन(चं.श.पू)मेष(रा.के.पू.)वृष(मं.बु.पू.)मिथुन (बु.पू)कर्क (सू.शु.पू)कन्या(शु.गु.चं.पू)

27.01.2023	माघ	शुक्ल	06/07	शुक्र	रेव/अश्वि	मकर	मीन	मीन/मेष	7	लग्नादि-वृश्चिक(मं.पू)धनु(शु.पू),मकर(सू.पू.)कुम्भ(श.पू) मीन(चं.श.पू),मेष(रा.के.पू.)वृष(मं.बु.पू.)मिथुन(बु.पू) कर्क (सू.शु.पू)कन्या(गु.शु.चं.पू)
28.01.2023	माघ	शुक्ल	07/08	शनि	अश्विनी	मकर	मीन	मेष	7	अश्विनी18:48तक,भद्रा08:42से20:53तक, लग्नादि-वृश्चिक (चं.मं.पू) धनु(शु.पू), मकर(सू.पू.)
31.01.2023	माघ	शुक्ल	10/11	भौम	रोहि/मृग	मकर	मीन	वृष	6	भौमवारदोष,भद्रा24:56से,लग्नादि-वृश्चिक(मं.चं.पू)धनु(चंशुपू) मकर(सू.पू.) कुम्भ(श.पू) मीन(श.पू), मेष(रा.के.पू.)वृष (मं.चं.बु.पू.)मिथुन(बु.पू)कर्क(सू.शु.पू)कन्या(गु.शु.पू)
01.02.2023	माघ	शुक्ल	11/12	बुध	मृगशिरा	मकर	मीन	वृष/मिथुन	7	मृगशिरा27:12तक,लग्नादि-वृश्चिक(मं.चं.पू)धनु(चं.शु.पू) मकर(सू.पू.)कुम्भ(श.पू) मीन(श.पू) मेष(रा.के.पू.) वृष (मं.चं.बु.पू.)मिथुन (बु.चं.पू) कर्क(सू.शु.पू)कन्या(गु.शु.पू) तुला(के.रा.मं.चं.पू)
09.02.2023	फाल्गु.	कृष्ण	04	गुरु	उफा/ह.	मकर	मीन	कन्या	7	लग्नादि-वृश्चिक(मं.पू)धनु(शु.पू),मकर(सू.पू.)कुम्भ(श.चं.पू) मीन(श.चं.पू)मेष(रा.चं.के.पू.)वृष(मं.पू)मिथुन(बु.पू)कर्क (सू.बु.शु.पू)कन्या(गु.शु.चं.पू)तुला(के.रा.मं.पू)
10.02.2023	फाल्गु.	कृष्ण	04/05	शुक्र	हस्त/चि.	मकर	मीन	कन्या	6	लग्नादि-वृश्चिक(मं.पू)धनु(शु.पू)मकर(सू.पू.)कुम्भ(श.चं.पू) मीन(श.चं.पू),मेष(रा.चं.के.पू.)वृष(मं.पू)मिथुन(बु.पू)कर्क (सू.बु.शु.पू)कन्या(गु.शु.चं.पू)तुला(के.रा.मं.पू)
14.02.2023	फाल्गु.	कृष्ण	08/09	भौम	अनुराधा	कुम्भ	मीन	वृश्चिक	6	रिक्तातिथिदोष09:10से,भौमवारदोष,लग्नादि-वृश्चिक(मं.चं.पू)धनु (शु.पू),मकर,कुम्भ(श.सू.पू)मीन(श.पू)मेष(रा.चं.के.पू.) वृष(मं.चं.पू)मिथुन(बु.चं.पू)कर्क(बु.शु.पू)कन्या(गु.शु.पू)
16.02.2023	फाल्गु.	कृष्ण	11	गुरु	मूल	कुम्भ	मीन	धनु	8	मूल23:20तक,लग्नादि-धनु(चं.पू),मकर(शु.पू)कुम्भ(सू.शपू) मीन(श.पू)मेष(रा.के.पू)वृष(मं.चं.पू)मिथुन(बु.चं.पू)कर्क (बु.चं.पू)कन्या(गु.शु.पू)
17.02.2023	फाल्गु.	कृष्ण	12/13	शुक्र	उषा.	कुम्भ	मीन	धनु/मकर	8	उषा. 20/46 से, लग्नादि-तुला(के.रा.मं.शु.पू)
18.02.2023	फाल्गु.	कृष्ण	13/14	शनि	उषा/श्रव	कुम्भ	मीन	मकर	6	रिक्तातिथिदोष20:15 से,भद्रा 20:15 से 30:18 तक लग्नादि-वृश्चिक(मं.पू)धनु, मकर(शु.चं.पू)कुम्भ(सू.श.पू)मीन(श.पू), मेष(रा.के.पू)वृष(मं.पू)मिथुन(बु.चं.पू)कर्क(बु.चं.पू)
22.02.2023	फाल्गु.	शुक्ल	3	बुध	उभा/रेव	कुम्भ	मीन	मीन	8	लग्नादि-कुम्भ(सू.श.पू),मीन(श.चं.पू)मेष(रा.के.पू)वृष(मं.पू), मिथुन(बु.पू),कर्क(बु.पू),कन्या(गु.शु.चं.पू)

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	रेखाएं	लग्नादि विवरण
23.02.2023	फाल्गु.	शुक्ल	04/05	गुरु	रेव/अश्वि	कुम्भ	मीन	मीन/मेष	7	भद्रा13:56से25:00तक,लग्नादि-वृश्चिक(मं.पू),धनु,मकर (शु.पू), कुम्भ(सू.श.पू)मीन(श.चं.पू)मेष(रा.के.पू)वृष(मं.पू)
24.02.2023	फाल्गु.	शुक्ल	05/06	शुक्र	अश्विनी	कुम्भ	मीन	मेष	7	अश्विनी26:47तक,लग्नादि-धनु,मकर(शु.पू),कुम्भ(सू.श.पू), मीन(श.पू),मेष(रा.के.चं.पू),वृष(मं.पू),मिथुन(बु.पू),कर्क(बुपू) कन्या(गु.शु.चं.पू)
09.03.2023	चैत्र	कृष्ण	02/03	गुरु	हस्त/चि.	कुम्भ	मीन	कन्या	9	लग्नादि-मीन(श.च.पू)मेष(रा.के.चं.पू.)वृष(मं.पू)मिथुन, कर्क(बु.पू)वृश्चिक(मं.पू)धनु,मकर(शु.पू)कुम्भ(सू.श.च.)
13.03.2023	चैत्र	कृष्ण	06/07	सोम	अनुराधा	कुम्भ	मीन	वृश्चिक	6	अनुराधा08:26से,भद्रा21:49से, लग्नादि- वृष(चं.पू) मिथुन (चं.मं.पू) कर्क(बु.पू) गोधूलि

त्रिगर्तदेश (पंजाब,हिमाचल प्रदेश एवं जम्मू-कश्मीर) हेतु विवाह मुहूर्त्त

14.07.2022	श्रावण	कृष्ण	1/2	गुरु	उ.षा/श्रव	मिथुन	मीन	मकर	6	लग्नादि-कन्या(गु.पू)धनु(सू.बु.शु.रा.पू)
18.07.2022	श्रावण	कृष्ण	6	सोम	उ.भा.	कर्क	मीन	मीन	8	उ.भा. 12:16 से, लग्नादि-कुम्भ (श.पू), मीन (चं.गु.पू), वृष (मं.रा.पू), मिथुन (शु.पू)
19.07.2022	श्रावण	कृष्ण	6/7	भौम	उभा./रेव	कर्क	मीन	मीन	10	भद्रा19:42तक,भौमवारदोष,लग्नादि-कुम्भ(श.पू.)मीन(चं.गुपू) वृष(मं.रा.पू.)मिथुन(शु.पू.)
20.07.2022	श्रावण	कृष्ण	7/8	बुध	रेव/अश्वि	कर्क	मीन	मीन/मेष	9	लग्नादि-कन्या(चं.गु.पू.)धनु(शु.पू),कुम्भ(सू.श.पू.)मीन(गु.पू) वृष(चं.मं.पू.)मिथुन(शु.पू.)
21.07.2022	श्रावण	कृष्ण	8/9	गुरु	अश्विनी	कर्क	मीन	मेष	8	अश्विनी 14:10 तक, लग्नादि-सिंह(गु.पू.),कन्या(चं.पू.)
23.07.2022	श्रावण	कृष्ण	11	शनि	रोहिण	कर्क	मीन	वृष	7	रोहिणी18:57से,भद्रा11:27तक,लग्नादि-कुम्भ(श.पू.)मीन (गु.पू.)वृष(मं.रा.पू),मिथुन(शु.पू)
24.07.2022	श्रावण	कृष्ण	11/12	रवि	रोहि/मृग	कर्क	मीन	वृष	8	लग्नादि-सिंह(गु.पू)कन्या(मं.गु.पू.)धनु(चं.पू.),कुम्भ(श.पू), मीन(गु.पू.), वृष(मं.रा.पू), मिथुन(शु.पू.)
25.07.2022	श्रावण	कृष्ण	12/13	सोम	मृगशिरा	कर्क	मीन	वृष/मिथुन	8	मृगशिरा 25:06 तक, लग्नादि-सिंह(गु.पू.),
31.07.2022	श्रावण	शुक्ल	3	रवि	मघा	कर्क	मीन	सिंह	7	मघा14:24तक,रिक्तातिथिदोष28:24से,लग्न-सिंह(बु.गु.पू.)
01.08.2022	श्रावण	शुक्ल	4/5	सोम	उ.फा.	कर्क	मीन	कन्या	9	उ.फा.16:13से,भद्रा17:04से29:35,लग्न-गोधूलि
02.08.2022	श्रावण	शुक्ल	5	भौम	उ.फा./ह.	कर्क	मीन	कन्या	9	भौमवारदोष,लग्नादि-सिंह(बु.पू.)धनु(शु.पू.)वृष(मं.रा.पू.) मिथुन(शु.पू.)

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	रेखाएं	लग्नादि विवरण
03.08.2022	श्रावण	शुक्ल	6	बुध	हस्त/चि	कर्क	मीन	कन्या	7	लग्नादि-सिंह(बु.गु.पू.)धनु(शु.पू.)मीन(गु.पू.)वृष(मं.रा.पू.), मिथुन(शु.पू.)
04.08.2022	श्रावण	शुक्ल	7	गुरु	चि/स्वा	कर्क	मीन	कन्या/तुला	8	भद्रा29:39से,लग्नादि-सिंह(बु.पू.)धनु(शु.पू.)कुम्भ(बु.पू.)वृष (चं.पू.)मिथुन(शु.पू.)
05.08.2022	श्रावण	शुक्ल	8	शुक्र	स्वाति	कर्क	मीन	तुला	9	स्वाति 18:53 तक,भद्रा17:05तक,लग्नादि-विचारणीय
09.08.2022	श्रावण	शुक्ल	12	भौम	मूल	कर्क	मीन	धनु	8	मूल 12:25 तक,भौमवारदोष,लग्नादि-सिंह (बु.गु.पू.)
10.08.2022	श्रावण	शुक्ल	13/14	बुध	उ.षा.	कर्क	मीन	ध/म	9	उ.षा.09:44से,लग्नादि-वृश्चिक(शु.पू.)धनु(शु.पू.)कुम्भ(मंपू) मिथुन(मं.पू.)
11.08.2022	श्रावण	शुक्ल	14/15	गुरु	उषा./श्रव	कर्क	मीन	मकर	8	भद्रा10:41से20:54तक,लग्नादि-सिंह(बु.चं.पू.)कन्या (बु.गु.पू)धनु(चं.श.पू.)कुम्भ(चं.शं.पू.)मीन(गु.पू.)मिथुन(मंपू)
14.08.2022	भाद्र.	कृष्ण	3/4	रवि	उ.भा.	कर्क	मीन	मीन	8	उ.भा.21:34से,रिक्तातिथिदोष22:11से,भद्रा 11:21से22:11, लग्न-मिथुन(मं.पू.)
15.08.2022	भाद्र.	कृष्ण	4/5	सोम	उ.भा./रे	कर्क	मीन	मीन	8	लग्नादि-कुम्भ(शु.पू.),मीन, मिथुन(शु.पू.)
19.08.2022	भाद्र.	कृष्ण	9	शुक्र	रोहिणी	सिंह	मीन	वृष	6	रोहिणी 25:29 से, लग्नादि-मिथुन(चं.मं.पू.)
20.08.2022	भाद्र.	कृष्ण	9/10	शनि	रोहिणी	सिंह	मीन	वृष	8	रोहिणी 28:20तक,रिक्तातिथिदोष24:51तक, लग्नादि-कन्या (गु.पू.)धनु.(चं.शु.पू.)मीन(चं.मं.पू.),मिथुन(चं.मं.पू.)
28.08.2022	भाद्र	शुक्ल	2	रवि	उ.फा.	सिंह	मीन	सिंह/कन्या	9	उ.फा. 22:06 से, लग्नादि-मिथुन(मं.पू.)
29.08.2022	भाद्र.	शुक्ल	2/3	सोम	उ.फा/ह.	सिंह	मीन	कन्या	8	लग्नादि-कन्या, धनु, मीन(बु.गु.पू.), मिथुन(मं.पू.)
30.08.2022	भाद्र.	शुक्ल	3/4	भौम	हस्त/चि	सिंह	मीन	कन्या	8	रिक्तातिथिदोष15:38से,भौमवारदोष,भद्रा27:33से, लग्न-धनु, मीन(शु.बु.गु.पू.),मिथुन(मं.पू.)
31.08.2022	भाद्र.	शुक्ल	4/5	बुध	चि/स्वा	सिंह	मीन	कन्या/तुला	10	भद्रा15:28तक,लग्न-कन्या(बु.गु.शु.पू.),मीन,मिथुन(मं.पू.)
01.09.2022	भाद्र.	शुक्ल	5/6	गुरु	स्वाति	सिंह	मीन	तुला	9	स्वाति 24:29 तक, लग्नादि-कन्या(बु.गु.पू.),धनु(बु.गु.पू.)
04.09.2022	भाद्र.	शुक्ल	9	रवि	मूल	सिंह	मीन	धनु	10	मूल22:00से,रिक्तातिथिदोष10:46से,लग्नादि-मिथुन(चं.मं.पू)
05.09.2022	भाद्र.	शुक्ल	9/10	सोम	मूल	सिंह	मीन	धनु	9	मूल20:20तक,लग्नादि-कन्या(बु.गु.पू.)धनु,मीन(शु.गु.पू.)
06.09.2022	भाद्र.	शुक्ल	11	भौम	उ.षा.	सिंह	मीन	धनु/मकर	10	उ.षा.18:19से,भद्रा16:39:27:23,भौमवारदोष,लग्न-विचारणीय
07.09.2022	भाद्र.	शुक्ल	12/13	बुध	उ.षा./श्र	सिंह	मीन	मकर	7	लग्नादि-कन्या(बु.गु.पू.), धनु, मीन(बु.गु.पू.), गोधूलिलग्न
08.09.2022	भाद्र.	शुक्ल	13	गुरु	श्रव/धनि.	सिंह	मीन	मकर/कुम्भ	8	लग्नादि-कन्या(बु.गु.पू.)
26.09.2022	आश्विन	शुक्ल	01	सोम	हस्त	कन्या	मीन	कन्या	8	लग्नादि-धनु, मिथुन(मं.पू.), सिंह
27.09.2022	आश्विन	शुक्ल	02	भौम	चित्रा	कन्या	मीन	कन्या/तुला	9	भौमवारदोष,चित्रा30:12तक,लग्नादि-धनु,मिथुन(चं.मं.पू.)सिंह

गोधूलि प्रशंसा

ऋषि मुनियों ने गोधूलि वेला सभी प्रकार के विवाहादि मंगल कार्यों में शुभ कही गयी है। गोधूलि वेला में पञ्चांग शुद्धि एवं लग्न शुद्धि विचार नहीं करना चाहिए। यथा –

नास्यामृक्षं न तिथि-करणं नैव लग्नस्य चिंता
नो वा वारो न च लवविधिर्नो मुहूर्तस्य चर्चा।
नो वा योगो न मृतिभवनं नैव जामित्रदोषो
गोधूलिः सा मुनिभिरुदिता सर्वकार्येषु शस्ता॥

(मुहूर्तचिन्तामणि विवाह प्रकरण श्लोक सं 100)

विशेष – प्रशस्त गोधूलि लग्न का आवश्यक होने पर मुहूर्ताभाव में उपयोग करना चाहिये। अन्यथा शुद्धि देखते हुये विवाह करना प्रशस्त होता है। नारद के मतानुसार कुछ विशिष्ट स्थानों पर गोधूलि का उपयोग करना चाहिये। यथा–

प्राच्यानां च कलिंगानां मुख्यं गोधूलिकं स्मृतं।
गान्धर्वादिविवाहेषु वैश्योद्वाहे च योजयेत्॥

गोधूलि लक्षणं

हेमन्तऋतु अर्थात् मार्गशीर्ष पौष माघ फाल्गुन मासों में जब सूर्य बिम्ब निस्तेज गोलक के समान हो जाता है उस समय गोधूलि लग्न होती है। ग्रीष्मऋतु अर्थात् चैत्र वैशाख ज्येष्ठ आषाढ़ मासों में सूर्य बिम्ब का आधा भाग अस्त होने पर तथा वर्षाऋतु अर्थात् श्रावण भाद्रपद आश्विन कार्तिक मासों में सम्पूर्ण बिम्ब के अस्त होने पर गोधूलि लग्न होती है। इस प्रकार ऋतु भेद से तीन प्रकार की गोधूलि लग्न कही गयी है। इसका सभी प्रकार के शुभ कार्यों में उपयोग करना शुभकारक होता है। यथा –

पिण्डीभूते दिनकृति हेमन्तर्तौ स्यादर्घास्ते तपसमये गोधूलिः।
सम्पूर्णास्ते जलधरमालाकाले त्रेधा योज्या सकलशुभे कार्यादौ॥

(मुहूर्तचिन्तामणि विवाह प्रकरण श्लोक सं 101)

गोधूलि में त्याज्य

गुरुवार के दिन सूर्यास्त के बाद एवं शनिवार के दिन सूर्यास्त से पूर्व गोधूलि वेला शुभ कही गयी है। गोधूलि काल में विवाह लग्न से अष्टम षष्ठ और लग्न में यदि चन्द्रमा हो तो कन्या के लिये कष्टप्रद होता है। लग्न सप्तं और अष्टं भाव में मंगल हो तो वर के लिये कष्टप्रद होता है। एकादश द्वितीय एवं तृतीय भाव में स्थित चन्द्रमा सुख कारक होता है। यथा–

अस्तं याते गुरुदिवसे सौरे सार्के लग्नान्मृत्यौ रिपुभवने लग्नेचेन्दौ।
कन्यानाशस्तनुमदमृत्युस्थे भौमे वोढुर्लाभे धनसहजे चन्द्रे सौख्यम्॥

(मुहूर्तचिन्तामणि विवाह प्रकरण श्लोक सं 102)

वधूप्रवेश मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
16.04.2022	चैत्र	शुक्ल	15	शनि	चित्रा	भद्रा 12:49 तक
21.04.2022	वैशाख	कृष्ण	06	गुरु	मूल	मूल 21:47 तक
28.04.2022	वैशाख	कृष्ण	13	गुरु	उ.भा/रेव	भद्रा 24:10 से
11.05.2022	वैशाख	शुक्ल	10/11	बुध	उ.फा.	उ.फा. 19:46 से
13.05.2022	वैशाख	शुक्ल	12/!3	शुक्र	हस्त/चित्रा	
20.05.2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	05/06	शुक्र	उ.षा.	
21.05.2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	07	शनि	श्रवण/धनि	भद्रा14:51से25:50
25.05.2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	बुध	उ.भा./रेवती	भद्रा 10:27 तक
26.05.2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	12	गुरु	रेवती	
27.05.2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	13	शुक्र	अश्विनी	अश्विनी 26:11 तक
04.06.2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	05	शनि	पुष्य	पुष्य 21:57 तक
10.06.2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	10/11	शुक्र	चित्रा	भद्रा 18:33 से
16.06.2022	आषाढ़	कृष्ण	03	गुरु	उ.षा.	उ.षा. 12:38 से
18.06.2022	आषाढ़	कृष्ण	05/06	शनि	धनिष्ठा	वैधृति 13:44 तक
22.06.2022	आषाढ़	कृष्ण	10	बुध	रेवती	दशमी 20:24 से
23.06.2022	आषाढ़	कृष्ण	10/11	गुरु	अश्वि.	भद्रा08:54से21:24 तक
01.07.2022	आषाढ़	शुक्ल	02/03	शुक्र	पुष्य	
06.07.2022	आषाढ़	शुक्ल	07	बुध	उ.फा.	भद्रा 20:06 से
08.07.2022	आषाढ़	शुक्ल	10	शुक्र	स्वाती	दशमी 18:42 से
28.11.2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05/06	सोम	श्रवण	
12.12.2022	पौष	कृष्ण	05	सोम	पुष्य	पंचमी 18:46 से, पुष्य 23:32तक
14.12.2022	पौष	कृष्ण	06	बुध	मघा	भद्रा 23:52 से
25.01.2023	माघ	शुक्ल	05	बुध	उ.भा.	उ.भा.19:46से,भद्रा 12:28 तक
27.01.2023	माघ	शुक्ल	07	शुक्र	रेव/अश्वि	
01.02.2023	माघ	शुक्ल	12	बुध	मृगशिरा	भद्रा 14:00 तक
10.02.2023	फाल्गुन	कृष्ण	05	शुक्र	हस्त/चि.	पंचमी 08:00 से
11.02.2023	फाल्गुन	कृष्ण	06	शनि	चित्रा/स्वा.	
16.02.2023	फाल्गुन	कृष्ण	11	गुरु	मूल	मूल 23:20 तक
17.02.2023	फाल्गुन	कृष्ण	12/13	शुक्र	उ.षा.	उ.षा. 20:46 से
18.02.2023	फाल्गुन	कृष्ण	13	शनि	उ.षा./श्रवण	भद्रा 20:15 से
22.02.2023	फाल्गुन	शुक्ल	03	बुध	उ.भा.	तृतीया 26:52 तक

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
24.02.2023	फाल्गुन	शुक्ल	05/06	शुक्र	अश्विनी	अश्विनी 26:47 तक
27.02.2023	फाल्गुन	शुक्ल	08	सोम	रोहिणी	अष्टमी 25:51 तक, भद्रा13:08तक,होलाष्टक
03.03.2023	फाल्गुन	शुक्ल	12	शुक्र	पुष्य	भद्रा09:13तक पुष्य15:44से,होलाष्टक
09.03.2023	चैत्र	कृष्ण	02/03	गुरु	हस्त	
13.03.2023	चैत्र	कृष्ण	06/07	सोम	अनुराधा	अनुराधा 08:26 से,भद्रा 21:49से

विशेष- वधुप्रवेशो न दिवा प्रशस्तः। अतः सूर्यास्त के उपरान्त ही वधुप्रवेश करवाना शुभ है। इस हेतु वृष, सिंह, वृश्चिक व कुम्भ लग्न विशेष प्रशस्त हैं। लग्न से चतुर्थ व अष्टम भाव ग्रहरहित होने चाहिए।

द्विरागमन मुहूर्त

21/04/2022	वैशाख	कृष्ण	5/6	गुरु	मूल	मूल 21:47 तक
22/04/2022	वैशाख	कृष्ण	7	शुक्र	उ.षा.	उ.षा. 20:08 से
25/04/2022	वैशाख	कृष्ण	10	सोम	धनि/शत.	भद्रा 13:53से25:15
27/04/2022	वैशाख	कृष्ण	12	बुध	उ.भा.	उ.भा. 16:55 से
11/05/2022	वैशाख	शुक्ल	10/11	बुध	उ.फा.	उ.फा. 19:46 से
12/05/2022	वैशाख	शुक्ल	12	गुरु	उफा/ह.	भद्रा07:30से19:10तक
13/05/2022	वैशाख	शुक्ल	12/13	शुक्र	हस्त/चि.	
28/11/2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	5/6	सोम	उषा/श्रव	
30/11/2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	7/8	बुध	धनि/शत.	भद्रा08:55से20:06
02/12/2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	शुक्र	उ.भा.	
07/12/2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	बुध	रोहिणी	भद्रा08:04से20:51तक
08/12/2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	गुरु	रोहिणी	रोहिणी12:32तक
09/12/2022	पौष	कृष्ण	1	शुक्र	मृगशिरा	मृगशिरा14:56 तक
16/02/2023	फाल्गुन	कृष्ण	11	गुरु	मूल	
17/02/2023	फाल्गुन	कृष्ण	12	शुक्र	उ.षा.	उ.षा. 20:46 से
22/02/2023	फाल्गुन	शुक्ल	3	बुध	उ.भा.	
24/02/2023	फाल्गुन	शुक्ल	5	शुक्र	अश्विनी	
01/03/2023	फाल्गुन	शुक्ल	10	बुध	मृगशिरा	होलाष्टक
02/03/2023	फाल्गुन	शुक्ल	11	गुरु	पुनर्वसु	पुनर्वसु 12:41 से, भद्रा 19:52 से, होलाष्टक
03/03/2023	फाल्गुन	शुक्ल	12	शुक्र	पुन./पुष्य	भद्रा9:13तक,होलाष्टक

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
08/03/2023	चैत्र	कृष्ण	1	बुध	उ.फा.	होली
09/03/2023	चैत्र	कृष्ण	2	गुरु	हस्त	
10/03/2023	चैत्र	कृष्ण	3	शुक्र	चित्रा	भद्रा09:28से21:54तक
13/03/2023	चैत्र	कृष्ण	6	सोम	अनुराधा	भद्रा 21:49 से, अनुराधा 08:26 से

प्रसूता स्नान मुहूर्त

3.04.2022	चौत्र	शुक्ल	02	रवि	अश्वनी	अश्वि. 12:33 तक
5.04.2022	चौत्र	शुक्ल	05	भौम	रोहिणी	रोहिणी 16:39 से
7.04.2022	चौत्र	शुक्ल	07	गुरु	रोहि/मृग.	सप्तमी 20:22 से
14.04.2022	चौत्र	शुक्ल	13	गुरु	उ.फा.	उ.फा. 09:58 से
17.04.2022	वैशाख	कृष्ण	01	रवि	स्वाती	स्वा.7:14से29:33 तक
19.04.2022	वैशाख	कृष्ण	03	भौम	अनुराधा	भद्रा06:05से16:41 तक
28.04.2022	वैशाख	कृष्ण	13	गुरु	उ.भा./रेव.	त्रयोदशी 24:10 तक
03.05.2022	वैशाख	शुक्ल	03	भौम	रोहि./मृग.	
12.05.2022	वैशाख	शुक्ल	11	गुरु	उफा/हस्त	भद्रा07:30से19:10 तक
17.05.2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	01/02	भौम	अनुराधा	अनुराधा 10:47तक
26.05.2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	गुरु	रेवती	एकादशी 10:51तक
31.05.2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	01/02	भौम	रोहिणी/मृग.	
09.06.2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	गुरु	हस्त	दशमी 08:24 से
16.06.2022	आषाढ	कृष्ण	03	गुरु	उ.षा.	उ.षा. 12:38 से, भद्रा 19:59 से
23.06.2022	आषाढ	कृष्ण	10	गुरु	रेव/अश्वि	भद्रा 08:54 से 21:24
26.06.2022	आषाढ	कृष्ण	13	रवि	रोहिणी	रोहिणी 13:07 से भद्रा 27:19 से
14.07.2022	श्रावण	कृष्ण	01	गुरु	उ.षा.	उषा20:18तक
24.07.2022	श्राणव	कृष्ण	11	रवि	रोहिणी	एकादशी 13:46 तक
02.08.2022	श्रावण	शुक्ल	05	भौम	उ.फा/ह.	
04.08.2022	श्रावण	शुक्ल	07	गुरु	स्वाती	स्वाती 19:01 से
07.08.2022	श्रावण	शुक्ल	10	रवि	अनुराधा	अनुराधा16:44तक
16.08.2022	भाद्रपद	कृष्ण	05	भौम	रेवती	पंचमी 19:54तक
21.08.2022	भाद्रपद	कृष्ण	10	रवि	मृगशिरा	भद्रा14:08से 27:26तक
30.08.2022	भाद्रपद	शुक्ल	03	भौम	हस्त	हस्त24:02तक
01.09.2022	भाद्रपद	शुक्ल	05	गुरु	स्वाति	पंचमी 14:56 तक
27.09.2022	आश्विन	शुक्ल	02	भौम	हस्त	हस्त 06:14तक

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
04.10.2022	आश्विन	शुक्ल	10	भौम	उ.षा.	दशमी 14:22 से
09.10.2022	आश्विन	शुक्ल	15	रवि	उ.भा.	भद्रा 14:43 तक
11.10.2022	कार्तिक	कृष्ण	02	भौम	अश्विनी	अश्विनी16:09तक
23.10.2022	कार्तिक	कृष्ण	13	रवि	उ.फा./हस्त	भद्रा 18:16 से
27.10.2022	कार्तिक	शुक्ल	02	गुरु	अनुराधा	अनुराधा 12:13 से
06.11.2022	कार्तिक	शुक्ल	13	रवि	रेवती	त्रयोदशी 16:21 तक
10.11.2022	मार्गशीर्ष	कृष्ण	02/03	गुरु	रोहिणी./मृग.	
20.11.2022	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	रवि	हस्त	एकादशी 10:47 तक
22.11.2022	मार्गशीर्ष	कृष्ण	13	भौम	स्वाति	भद्रा 08:51 से
24.11.2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	01/02	गुरु	अनुराधा	अनुराधा 19:50 तक
27.11.2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05	रवि	उ.षा.	पंचमी 16:25 से
08.12.2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	गुरु	रोहिणी./मृग.	
18.12.2022	पौष	कृष्ण	10	रवि	हस्त	हस्त 10:22 तक
25.12.2022	पौष	शुक्ल	02/03	रवि	उ.षा.	उ.षा. 19:20 तक
29.12.2022	पौष	शुक्ल	07	गुरु	उ.भा.	उ.भा.. 11:37 से भद्रा 18:57 से
01.01.2023	पौष	शुक्ल	10	रवि	अश्विनी	अश्विनी12:44तक
12.01.2023	माघ	कृष्ण	05	गुरु	उ.फा..	उ.फा.14:29 से, पंचमी 16:44 तक
17-.01.2023	माघ	कृष्ण	11	भौम	अनुराधा	अनुराधा.19:05 से,
26-.01.2023	माघ	शुक्ल	05	गुरु	उ.भा.	पंचमी 10:25 तक
31.01.2023	माघ	शुक्ल	10/11	भौम	रोहि./मृग.	भद्रा 24:56 से
12.02.2023	चैत्र	कृष्ण	07	रवि	स्वाती	भद्रा09:51से 21:51तक
09.03.2023	चैत्र	कृष्ण	02/03	गुरु	हस्त	
12.03.2023	चैत्र	कृष्ण	05	रवि	स्वाती	स्वाती 08:02 तक

नामकरण मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
06.04.2022	चैत्र	शुक्ल	05	बुध	रोहिणी	
07.04.2022	चैत्र	शुक्ल	06	बुध	रोहिणी	
11.04.2022	चैत्र	शुक्ल	10	सोम	पुष्य	पुष्य 6:53 तक
25.04.2022	वैशाख	कृष्ण	10	सोम	धनिष्ठा	भद्रा 13:53 से
27.04.2022	वैशाख	कृष्ण	12	बुध	उ.भा.	उ.भा. 16:55 से
28.04.2022	वैशाख	कृष्ण	13	गुरु	उ.भा.	
04.05.2022	वैशाख	शुक्ल	03	बुध	मृगशिरा	तृतीया 07:26 तक
06.05.2022	वैशाख	शुक्ल	05	शुक्र	पुनर्वसु	पुनर्वसु 09:14 से
12.05.2022	वैशाख	शुक्ल	11	गुरु	उफा/हस्त	भद्रा 07:30 से
13.05.2022	वैशाख	शुक्ल	12	शुक्र	हस्त/चि.	
20.05.2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	05	शुक्र	उ.षा.	पंचमी 17:21 तक
23.05.2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	08	सोम	शतभिषा	अष्टमी 11:26 तक
25.05.2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	बुध	उ.भा.	भद्रा 10:27 तक
26.05.2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	11/12	गुरु	रेवती	
27.05.2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	12/13	शुक्र	अश्विनी	
01.06.2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	02	बुध	मृगशिरा	मृगशिरा 12:55 तक
08.06.2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	08	बुध	उ.फा.	अष्टमी 08:34तक
10.06.2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	10/11	शुक्र	चित्रा	भद्रा 18:33 से
17.06.2022	आषाढ़	कृष्ण	03	शुक्र	उ.षा.	तृतीया 06:13 तक
23.06.2022	आषाढ़	कृष्ण	10	गुरु	रेव/अश्वि.	भद्रा 08:54 से
24.06.2022	आषाढ़	कृष्ण	11	शुक्र	अश्विनी	अश्विनी 08:05 तक
30.06.2022	आषाढ़	शुक्ल	01/02	गुरु	पुन./पुष्य	
01.07.2022	आषाढ़	शुक्ल	02	शुक्र	पुष्य	
06.07.2022	आषाढ़	शुक्ल	07	बुध	उ.फा.	भद्रा 20:06 से
07.07.2022	आषाढ़	शुक्ल	08	गुरु	उफा/हस्त	भद्रा 07:56 तक
11.07.2022	आषाढ़	शुक्ल	12	सोम	अनुराधा	अनुराधा 07:52 तक
14.07.2022	श्रावण	कृष्ण	01	गुरु	उ.षा.	वैधृति 07:46 तक
15.07.2022	श्रावण	कृष्ण	02	शुक्र	श्रवण	
20.07.2022	श्रावण	कृष्ण	07	बुध	रेवती	
21.07.2022	श्रावण	कृष्ण	08	गुरु	अश्विनी	अश्विनी 14:10 तक
25.07.2022	श्रावण	कृष्ण	12	सोम	मृगशिरा	
29.07.2022	श्रावण	शुक्ल	01	शुक्र	पुष्य	पुष्य 09:47 तक
03.08.2022	श्रावण	शुक्ल	05	बुध	हस्त	
04.08.2022	श्रावण	शुक्ल	06/07	गुरु	चित्रा	
10.08.2022	श्रावण	शुक्ल	13	बुध	उ.षा.	उ.षा. 09:44 से, त्रयोदशी 14:22 तक
12.08.2022	भाद्रपद	कृष्ण	01	शुक्र	धनिष्ठा	प्रतिपदा 07:07 से
22.08.2022	भाद्रपद	कृष्ण	11	सोम	मृगशिरा	मृगशिरा 07:42 तक
24.08.2022	भाद्रपद	कृष्ण	12/13	बुध	पुन./पुष्य	
25.08.2022	भाद्रपद	कृष्ण	13	गुरु	पुष्य	भद्रा 10:40 से
29.08.2022	भाद्रपद	शुक्ल	02/03	सोम	उ.फा.	
01.09.2022	भाद्रपद	शुक्ल	05/06	गुरु	स्वाती	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
07.09.2022	भाद्रपद	शुक्ल	12	बुध	उ.षा.	
08.09.2022	भाद्रपद	शुक्ल	13	गुरु	श्रवण	
26.09.2022	आश्विन	शुक्ल	01	सोम	हस्त	
28.11.2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05/06	सोम	उ.षा/श्रव	
30.11.2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	07/08	बुध	धनि/शत.	
02.12.2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	शुक्र	उ.भा.	
05.12.2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	13	सोम	अश्विनी	अश्विनी 07:16 तक
09.12.2022	पौष	कृष्ण	01	शुक्र	मृगशिरा	मृगशिरा 14:56 तक
19.12.2022	पौष	कृष्ण	11	सोम	चित्रा/स्वा	
21.12.2022	पौष	कृष्ण	13	बुध	अनुराधा	अनुराधा 08:34 से
28.12.2022	पौष	शुक्ल	06	बुध	शतभिषा	शतभिषा 12:38 तक
29.12.2022	पौष	शुक्ल	07	गुरु	उ.भा.	उ.भा. 11:37 से
30.12.2022	पौष	शुक्ल	08	शुक्र	उ.भा./रेव	
04.01.2023	पौष	शुक्ल	13	बुध	रोहिणी	रोहिणी 18:45 तक
13.01.2023	माघ	कृष्ण	06	शुक्र	उ.फा.	भद्रा 18:30 से
18.01.2023	माघ	कृष्ण	11	बुध	अनुराधा	अनुराधा 17:39 तक
26.01.2023	माघ	शुक्ल	05/06	गुरु	उ.भा.	
27.01.2023	माघ	शुक्ल	06/07	शुक्र	रेवती	
01.02.2023	माघ	शुक्ल	11	बुध	मृगशिरा	भद्रा 14:00तक
03.02.2023	माघ	शुक्ल	13	शुक्र	पुनर्वसु	त्रयोदशी 18:58 तक
10.02.2023	फाल्गुन	कृष्ण	05	शुक्र	हस्त	पंचमी 08:00 से
22.02.2023	फाल्गुन	शुक्ल	03	बुध	उ.भा.	
24.02.2023	फाल्गुन	शुक्ल	05	शुक्र	अश्विनी	
01.03.2023	फाल्गुन	शुक्ल	10	बुध	मृगशिरा	मृगशिरा 09:49 तक
03.03.2023	फाल्गुन	शुक्ल	11	शुक्र	पुनर्वसु	भद्रा 09:13तक
08.03.2023	चैत्र	कृष्ण	01	बुध	उ.फा.	
09.03.2023	चैत्र	कृष्ण	02	गुरु	हस्त	
10.03.2023	चैत्र	कृष्ण	03	शुक्र	चित्रा	भद्रा 09:28 से
17.03.2023	चैत्र	कृष्ण	10	शुक्र	उ.षा.	भद्रा 14/17 तक

विशेष – जन्म के 11 एवं 12 दिन के पश्चात् तिथि. वार. नक्षत्र का विचार कर ही मुहूर्त निश्चित करना चाहिये। नामकरण का काल अतिक्रमण होने पर गुर्वस्त, शुक्रास्तादि दोषों का भी विचार करना चाहिए।

अन्नप्राशन मुहूर्त

06.04.2022	चैत्र	शुक्ल	05	बुध	रोहिणी	पंचमी 17:48 तक
11.04.2022	चैत्र	शुक्ल	10	सोम	पुष्य	पुष्य 06:53 तक
14.04.2022	चैत्र	शुक्ल	13	गुरु	उ.फा.	उ.फा. 09:58 से
10.06.2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	शुक्र	चित्रा	दशमी 07:25 तक
06.07.2022	आषाढ़	शुक्ल	07	बुध	उ.फा.	उ.फा. 11:51 तक
04.08.2022	श्रावण	शुक्ल	07	गुरु	चित्रा	सप्तमी 05:42से
10.08.2022	श्रावण	शुक्ल	13	बुध	उ.षा.	उ.षा. 09:44 से, त्रयोदशी 14:22 तक
12.08.2022	श्रावण	शुक्ल	15	शुक्र	धनिष्ठा	पूर्णिमा 07:07 तक
29.08.2022	भाद्रपद	शुक्ल	02	सोम	उ.फा.	
01.09.2022	भाद्रपद	शुक्ल	05	गुरु	स्वाती	पंचमी 14:56 तक
30.09.2022	आश्विन	शुक्ल	05	शुक्र	अनुराधा	
05.10.2022	आश्विन	शुक्ल	10	बुध	श्रवण	दशमी 11:59 तक
27.10.2022	कार्तिक	शुक्ल	02/03	गुरु	अनुराधा	अनुराधा 12:13 से
28.10.2022	कार्तिक	शुक्ल	03	शुक्र	अनुराधा	तृतीया 10:36 तक
31.10.2022	कार्तिक	शुक्ल	07	सोम	उ.षा.	
03.11.2022	कार्तिक	शुक्ल	10	गुरु	शतभिषा	
28.11.2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05	सोम	उ.षा.	पंचमी 13:32 तक
02.12.2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	शुक्र	उ.भा.	सिद्धियोग 07:27 से
08.12.2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	गुरु	रोहिणी	पूर्णिमा 09:39 तक
29.12.2022	पौष	शुक्ल	07	गुरु	उ.भा.	उ.भा. 11:37 से
04.01.2023	पौष	शुक्ल	13	बुध	रोहिणी	रोहिणी 18:45तक
26.01.2023	माघ	शुक्ल	05	गुरु	उ.भा.	पंचमी 10:25 तक
03.02.2023	माघ	शुक्ल	13	शुक्र	पुनर्वसु	पुनर्वसु18:58 तक, प्रीतियोग 14:47से
22.02.2023	फाल्गुन	शुक्ल	03	बुध	उ.भा.	
24.02.2023	फाल्गुन	शुक्ल	05	शुक्र	अश्विनी	
01.03.2023	फाल्गुन	शुक्ल	10	बुध	मृगशिरा	मृगशिरा 09:49 तक

लग्नशुद्धि विचार – मेष, वृश्चिक एवं मीन राशि के लग्न को छोडकर अन्य लग्न। केन्द्र, त्रिकोण एवं तृतीय में शुभग्रह, दशमभाव चन्द्रातिरिक्त ग्रहरहित, 3,6,11 में पाप ग्रह शुभ हैं। 1, 6, 8 भावों में चन्द्र नहीं होना चाहिए।

कर्णवेध मुहूर्त

25.04.2022	वैशाख	कृष्ण	10	सोम	धनिष्ठा	भद्रा 13:53 से
04.05.2022	वैशाख	शुक्ल	03	बुध	मृगशिरा	तृतीया 07:26 तक
13.05.2022	वैशाख	शुक्ल	12/13	शुक्र	हस्त	हस्त 19: 03 तक

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
26.05.2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	11/12	गुरु	रेवती	
27.05.2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	12/13	शुक्र	अश्विनी	
01.06.2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	02	बुध	मृगशिरा	मृगशिरा 12:55 तक
09.06.2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	गुरु	हस्त	दशमी 08:24 से
10.06.2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	10/11	शुक्र	चित्रा	भद्रा 18:33 से
23.06.2022	आषाढ़	कृष्ण	10	गुरु	रेव/अश्वि	भद्रा 8:54 से
24.06.2022	आषाढ़	कृष्ण	11	शुक्र	अश्विनी	अश्विनी 08:05 तक
30.06.2022	आषाढ़	शुक्ल	01/02	गुरु	पुन./पुष्य	
01.07.2022	आषाढ़	शुक्ल	02	शुक्र	पुष्य	
07.07.2022	आषाढ़	शुक्ल	08	गुरु	उ.फा./हस्त	भद्रा 07:56 तक
30.11.2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	06	बुध	धनिष्ठा	धनिष्ठा 07:09 तक
05.12.2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	13	सोम	अश्विनी	अश्विनी 07:16 तक
18.01.2023	माघ	कृष्ण	11	बुध	अनुराधा	अनुराधा 19:39 तक
23.01.2023	माघ	शुक्ल	02	सोम	धनिष्ठा	
27.01.2023	माघ	शुक्ल	06/07	शुक्र	रेवती	
01.02.2023	माघ	शुक्ल	11	बुध	मृगशिरा	भद्रा 14:00तक
03.02.2023	माघ	शुक्ल	13	शुक्र	पुनर्वसु	
10.02.2023	फाल्गुन	कृष्ण	05	शुक्र	हस्त	पंचमी 08:00 से
24.02.2023	फाल्गुन	शुक्ल	05	शुक्र	अश्विनी	
01.03.2023	फाल्गुन	शुक्ल	10	बुध	मृगशिरा	मृगशिरा 09:49 तक

चूडाकर्म (मुण्डन) मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
20.04.2022	वैशाख	कृष्ण	05	बुध	ज्येष्ठा	पंचमी 13:53 से
25.04.2022	वैशाख	कृष्ण	10	सोम	धनिष्ठा	भद्रा 13:53 से
04.05.2022	वैशाख	शुक्ल	03	बुध	मृगशिरा	तृतीया 07:26 तक
18.05.2022	वैशाख	कृष्ण	03	बुध	ज्येष्ठा	ज्येष्ठा 08:10 तक
26.05.2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	गुरु	रेवती	एकादशी 10:51 तक
01.06.2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	02	बुध	मृगशिरा	मृगशिरा 12:55 तक
10.06.2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	10/11	शुक्र	चित्रा	भद्रा 18:35 से
23.06.2022	आषाढ़	कृष्ण	10	गुरु	रेव/अश्वि	भद्रा 8:54 तक
24.06.2022	आषाढ़	कृष्ण	11	शुक्र	अश्विनी	अश्विनी 08:05 तक
01.07.2022	आषाढ़	शुक्ल	02	शुक्र	पुष्य	
23.01.2023	माघ	शुक्ल	02	सोम	धनिष्ठा	
03.02.2023	माघ	शुक्ल	13	शुक्र	पुनर्वसु	त्रयोदशी 18:58 तक
15.02.2023	फाल्गुन	कृष्ण	10	बुध	ज्येष्ठा	दश.7:44से,भ.18:40से

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
24.02.2023	फाल्गुन	शुक्ल	05	शुक्र	अश्विनी	
01.03.2023	फाल्गुन	शुक्ल	10	बुध	मृगशिरा	मृगशिरा 09:49 तक
02.03.2023	फाल्गुन	शुक्ल	11	गुरु	पुनर्वसु	पुनर्वसु 12:41 से, भद्रा 19:52 से
09.03.2023	चैत्र	कृष्ण	02	गुरु	हस्त	

अक्षारम्भ मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
11/04/2022	चैत्र	शुक्ल	10	सोम	पुष्य	पुष्य 06:53 तक
05/05/2022	वैशाख	शुक्ल	5	गुरु	आर्द्रा	आर्द्रा 06:10से भद्रा09:53तक
06/05/2022	वैशाख	शुक्ल	5/6	शुक्र	आर्द्रा/पुन.	पुनर्वसु 09:14 से
13/05/2022	वैशाख	शुक्ल	12	शुक्र	हस्त/चि.	
26/05/2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	11/12	गुरु	रेवती	
27/05/2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	12/13	शुक्र	अश्विनी	
01/06/2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	2	बुध	आर्द्रा	आर्द्रा 12:55 से
02/06/2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	3	गुरु	आर्द्रा/पुन.	
09/06/2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	गुरु	हस्त	दशमी08:24 से
10/06/2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	10/11	शुक्र	चित्रा	भद्रा 18:33 से
23/06/2022	आषाढ़	कृष्ण	10	गुरु	अश्विनी	भद्रा 08:54 से 21:24 अश्विनी 06:15 से
24/06/2022	आषाढ़	कृष्ण	11	शुक्र	अश्विनी	अश्विनी 08:05 तक
30/06/2022	आषाढ़	शुक्ल	2	गुरु	पुनर्वसु	द्वितीया 10:46 से
01/07/2022	आषाढ़	शुक्ल	2/3	शुक्र	पुष्य	
18/01/2023	माघ	कृष्ण	11	बुध	अनुराधा	-
27/01/2023	माघ	शुक्ल	6	शुक्र	रेवती	--षष्ठी 09:08 तक
02/02/2023	माघ	शुक्ल	12	गुरु	आर्द्रा	
10/02/2023	फाल्गुन	कृष्ण	5	शुक्र	हस्त	पञ्चमी 08:00से
24/02/2023	फाल्गुन	शुक्ल	5	शुक्र	अश्विनी	
09/03/2023	चैत्र	कृष्ण	2	गुरु	हस्त	
10/03/2023	चैत्र	कृष्ण	3	शुक्र	चित्रा	भद्रा09:28से21:54तक
13/03/2023	चैत्र	कृष्ण	6	सोम	अनुराधा	अनुराधा08:26से, भद्रा21:49से

विद्यारम्भ मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
03/04/2022	चैत्र	शुक्ल	2	रवि	अश्विनी	अश्विनी12:33तक
07/04/2022	चैत्र	शुक्ल	6	गुरु	मृगशिरा	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
13/04/2022	चैत्र	शुक्ल	12	बुध	पू.फा.	पू.फा. 9:41 से
21/04/2022	वैशाख	कृष्ण	5	गुरु	मूल	
22/04/2022	वैशाख	कृष्ण	6	शुक्र	पू.षा.	भद्रा07:33से16:45तक
27/04/2022	वैशाख	कृष्ण	12	बुध	पू.भा.	
04/05/2022	वैशाख	शुक्ल	3	बुध	मृग	तृतीया 07:26 तक भद्रा20:39से
05/05/2022	वैशाख	शुक्ल	5	गुरु	आर्द्रा	पञ्चमी 09:53 से, भद्रा 09:53तक
06/05/2022	वैशाख	शुक्ल	6	शुक्र	आर्द्रा/पुन.	
11/05/2022	वैशाख	शुक्ल	10	बुध	पू.फा.	पू.फा.19:46तक
13/05/2022	वैशाख	शुक्ल	12	शुक्र	हस्त	
27/05/2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	12	शुक्र	अश्विनी	
02/06/2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	3	गुरु	आर्द्रा/पुन.	
05/06/2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	6	रवि	आश्लेषा	
09/06/2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	गुरु	हस्त	दशमी 08:24 से
10/06/2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	10/11	शुक्र	चित्रा	भद्रा 18:33से
15/06/2022	आषाढ़	कृष्ण	2	बुध	मूल/पू.षा	द्वितीया 13:35 से
16/06/2022	आषाढ़	कृष्ण	2/3	गुरु	पूषा	पूषा 12:38तक, भद्रा19:59से
19/06/2022	आषाढ़	कृष्ण	6	रवि	धनि/शत.	भद्रा 21:51से
23/06/2022	आषाढ़	कृष्ण	10	गुरु	रेव/अ.	भद्रा08:54से21:24
24/06/2022	आषाढ़	कृष्ण	11	शुक्र	अश्विनी	अश्विनी08:05 तक
01/07/2022	आषाढ़	शुक्ल	2	शुक्र	पुष्य	
04/12/2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	12	रवि	अश्विनी	
09/12/2022	पौष	कृष्ण	2	शुक्र	मृग./आ.	द्वितीया11:33से
25/01/2023	माघ	शुक्ल	5	बुध	पू.भा.	पञ्चमी12:28से भद्रा 12:28 तक
01/02/2023	माघ	शुक्ल	12	बुध	मृगशिरा	भद्रा 14:00तक
08/02/2023	फाल्गुन	कृष्ण	3	बुध	पूफा	भद्रा17:36से
10/02/2023	फाल्गुन	कृष्ण	5	शुक्र	हस्त	पञ्चमी 08:00 से

उपनयन मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
03/04/2022	चैत्र	शुक्ल	2	रवि	अश्विनी	अश्विनी12:33तक
06/04/2022	चैत्र	शुक्ल	5	बुध	रोहिणी	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
11/04/2022	चैत्र	शुक्ल	10	सोम	आश्लेषा	आश्लेषा06:53से
13/04/2022	चैत्र	शुक्ल	12	बुध	पू.फा.	पू.फा. 09:41से
21/04/2022	वैशाख	कृष्ण	5	गुरु	मूल	
04/05/2022	वैशाख	शुक्ल	3	बुध	मृगशिरा	तृतीया7:26तक, भद्रा 20:39से
11/05/2022	वैशाख	शुक्ल	10	बुध	पू.फा.	
12/05/2022	वैशाख	शुक्ल	11	गुरु	उ.फा.	भद्रा7:30से19:10तक
13/05/2022	वैशाख	शुक्ल	12	शुक्र	हस्त	
18/05/2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	3	बुध	मूल	मूल08:10से भद्रा13:22से23:36तक
20/05/2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	5	शुक्र	उ.षा.	
01/06/2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	2	बुध	मृगशिरा	मृगशिरा12:55तक
02/06/2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	3	गुरु	आर्द्रा	
10/06/2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	10/11	शुक्र	चित्रा	भद्रा 18:33से
16/06/2022	आषाढ़	कृष्ण	2/3	गुरु	पू.षा/उषा	भद्रा 19:59से
01/07/2022	आषाढ़	शुक्ल	2	शुक्र	पुष्य	
23/01/2023	माघ	शुक्ल	2	सोम	धनिष्ठा	
25/01/2023	माघ	शुक्ल	5	बुध	पू.भा.	पञ्चमी12:28से भद्रा12:28तक
26/01/2023	माघ	शुक्ल	5	गुरु	उ.भा.	पञ्चमी 10:25तक
01/02/2023	माघ	शुक्ल	12	बुध	मृगशिरा	भद्रा14:00तक
02/02/2023	माघ	शुक्ल	12	गुरु	आर्द्रा	
08/02/2023	फाल्गुन	कृष्ण	3	बुध	पू.फा.	भद्रा17:36से30:36
10/02/2023	फाल्गुन	कृष्ण	5	शुक्र	हस्त	पञ्चमी 8:00से
22/02/2023	फाल्गुन	शुक्ल	3	बुध	उ.भा.	
24/02/2023	फाल्गुन	शुक्ल	5	शुक्र	अश्विनी	
01/03/2023	फाल्गुन	शुक्ल	10	बुध	मृग/आ.	होलाष्टक
02/03/2023	फाल्गुन	शुक्ल	11	गुरु	आर्द्रा/पुन	भद्रा 19:52 से होलाष्टक
03/03/2023	फाल्गुन	शुक्ल	11/12	शुक्र	पुन./पुष्य	भद्रा09:13तक, होला.
09/03/2023	चैत्र	कृष्ण	2	गुरु	हस्त	
10/03/2023	चैत्र	कृष्ण	3	शुक्र	चित्रा	भद्रा09:28से21:54तक
12/03/2023	चैत्र	कृष्ण	5	रवि	स्वाती	स्वाती 08:02 तक

दुकान (विपणि) प्रारम्भ करने का मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
2.04.2022	चैत्र	शुक्ल	01	शनि	रेवती	ऐन्द्र 08:30 तक
6.04.2022	चैत्र	शुक्ल	05	बुध	रोहिणी	
7.04.2022	चैत्र	शुक्ल	06	गुरु	मृग.	
11.04.2022	चैत्र	शुक्ल	10	सोम	पुष्य	पुष्य 06:53 तक
14.04.2022	चैत्र	शुक्ल	13	गुरु	उ.फा.	उ.फा. 09:58 से
16.04.2022	चैत्र	शुक्ल	15	शनि	हस्त/चि	भद्रा 12:49 तक
23.04.2022	वैशाख	कृष्ण	07/08	शनि	उ.षा.	
12.05.2022	वैशाख	शुक्ल	11	गुरु	उ.फा./हस्त	भद्रा 07:30 से
19:10 तक						
14.05.2022	वैशाख	शुक्ल	13	शनि	चित्रा	त्रयोदशी 15:30 तक
20.05.2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	05	शुक्र	उ.षा.	
25.05.2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	10	बुध	उ.भा.	भद्रा 10:27 तक
26.05.2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	गुरु	रेवती	
27.05.2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	12	शुक्र	अश्विनी	
04.06.2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	05	शनि	पुष्य	
08.06.2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	08	बुध	उ.फा.	अष्टमी 08:34 तक
10.06.2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	10/11	शुक्र	चित्रा	भद्रा 18:33 से
24.06.2022	आषाढ	कृष्ण	11	शुक्र	अश्विनी	अश्विनी 08:05 तक
01.07.2022	आषाढ	शुक्ल	02	शुक्र	पुष्य	हर्षण 10:45 से
06.07.2022	आषाढ	शुक्ल	07	बुध	उ.फा/ह.	वरीयान 11:49 तक
07.07.2022	आषाढ	शुक्ल	08	गुरु	हस्त/चि.	भद्रा 07:56 तक,
09.07.2022	आषाढ	शुक्ल	10	शनि	स्वाती	स्वाती 11:30 तक
10.07.2022	आषाढ	शुक्ल	12	रवि	अनुराधा	अनुराधा 09:59 से, भद्रा 14:24 तक
11.07.2022	आषाढ	शुक्ल	12	सोम	अनुराधा	अनुराधा 07:52 तक
18.07.2022	श्रावण	कृष्ण	05	सोम	उ.भा.	उ.भा. 12:16 से,
20.07.2022	श्रावण	कृष्ण	07/08	बुध	रेव/अश्वि	
21.07.2022	श्रावण	कृष्ण	08	गुरु	अश्विनी	अष्टमी 08:11तक
24.07.2022	श्राणव	कृष्ण	11	रवि	रोहिणी	
25.07.2022	श्राणव	कृष्ण	12	सोम	मृगशिरा	
03.08.2022	श्रावण	शुक्ल	05/06	बुध	हस्त	
04.08.2022	श्रावण	शुक्ल	06/07	गुरु	चि./स्वा	साध्य
05.08.2022	श्रावण	शुक्ल	08	शुक्र	स्वा.	भद्रा17:5तक,स्वा18:53तक

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
07.08.2022	श्रावण	शुक्ल	10	रवि	अनुराधा	अनुराधा16:44तक
10.08.2022	श्रावण	शुक्ल	13	बुध	उ.षा.	उ.षा. 09:44 से
21.08.2022	भाद्रपद	कृष्ण	10	रवि	मृगशिरा	भद्रा 14:08 से
25.08.2022	भाद्रपद	कृष्ण	13	गुरु	पुष्य	भद्रा 10:40 से
29.08.2022	भाद्रपद	शुक्ल	02/03	सोम	उ.फा.	
31.08.2022	भाद्रपद	शुक्ल	05	बुध	चित्रा	भद्रा 15:28 तक
01.09.2022	भाद्रपद	शुक्ल	05/06	गुरु	स्वाती	
07.09.2022	भाद्रपद	शुक्ल	12	बुध	उ.षा.	
28.11.2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05	सोम	उ.षा.	उ.षा. 10:28 तक
02.12.2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	शुक्र	उ.भा.	सिद्धि 07:27 से
04.12.2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	12	रवि	अश्विनी	
08.12.2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	गुरु	रोहि./मृग.	
09.12.2022	पौष	कृष्ण	01	शुक्र	मृगशिरा	मृगशिरा 14:56 तक
16.12.2022	पौष	कृष्ण	08	शुक्र	उ.फा.	उ.फा. 07:37 से
18.12.2022	पौष	कृष्ण	10	रवि	हस्त/चि.	भद्रा 16:15 से
21.12.2022	पौष	कृष्ण	13	बुध	अनुराधा	अनुराधा 08:34 से
29.12.2022	पौष	शुक्ल	07	गुरु	उ.भा.	उ.भा.11:37से, भद्रा 18:57 से
30.12.2022	पौष	शुक्ल	08	शुक्र	उ.भा.	वरीयान 09:42 तक
01.01.2023	पौष	शुक्ल	10	रवि	अश्विनी	अश्विनी12:44तक
04.01.2023	पौष	शुक्ल	13	बुध	रोहिणी	
12.01.2023	माघ	कृष्ण	05/06	गुरु	उ.फा.	उ.फा.14:29 से,
13.01.2023	माघ	कृष्ण	06/07	शुक्र	उ.फा.	शोभन 12:49 तक, भद्रा 18:30 से
14.01.2023	माघ	कृष्ण	07	शनि	हस्त	सुकर्मा 12:37 से
15.01.2023	माघ	कृष्ण	08	रवि	चित्रा	
18.01.2023	माघ	कृष्ण	11	बुध	अनुराधा	
26.01.2023	माघ	शुक्ल	05/06	गुरु	उ.भा.	
27.01.2023	माघ	शुक्ल	06/07	शुक्र	रेवती	
28.01.2023	माघ	शुक्ल	07/08	शनि	अश्विनी	भद्रा 08:42 से
05.02.2023	माघ	शुक्ल	15	रवि	पुष्य	भद्रा 10:47 तक, पुष्य 12:13 तक
10.02.2023	फाल्गुन	कृष्ण	05	शुक्र	हस्त	पंचमी 08:00 से
22.02.2023	फाल्गुन	शुक्ल	03	बुध	उ.भा.	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
24.02.2023	फाल्गुन	शुक्ल	05	शुक्र	अश्विनी	
01.03.2023	फाल्गुन	शुक्ल	10	बुध	मृगशिरा	मृगशिरा 09:49 तक
04.03.2023	फाल्गुन	शुक्ल	12	शनि	पुष्य	
10.03.2023	चैत्र	कृष्ण	03	शुक्र	चित्रा	भद्रा 09:28 से
13.03.2023	चैत्र	कृष्ण	06	सोम	अनुराधा	अनुराधा 08:26 से

सर्वदेवप्रतिष्ठा मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
03/04/2022	चैत्र	शुक्ल	2	रवि	अश्वि.	अश्विनी 12:33 तक
06/04/2022	चैत्र	शुक्ल	5	बुध	रोहिणी	
07/04/2022	चैत्र	शुक्ल	6	गुरु	मृगशिरा	
9/04/2022	चैत्र	शुक्ल	8	शनि	पुनर्वसु	भद्रा 12:18 तक
16/04/2022	चैत्र	शुक्ल	15	शनि	हस्त/चि.	भद्रा 12:49 तक
04/05/2022	वैशाख	शुक्ल	3	बुध	मृगशिरा	तृतीया 07:26 तक भद्रा 20:39 से
06/05/2022	वैशाख	शुक्ल	5	शुक्र	पुन.	पुनर्वसु 09:14 से
07/05/2022	वैशाख	शुक्ल	6	शनि	पुष्य	पुष्य 12:17 से
08/05/2022	वैशाख	शुक्ल	7	रवि	पुष्य	पुष्य 15:02 तक, भद्रा 17:07 से
12/05/2022	वैशाख	शुक्ल	11	गुरु	उ.फा.	भद्रा07:30से19:10तक
13/05/2022	वैशाख	शुक्ल	12	शुक्र	हस्त	
14/05/2022	वैशाख	शुक्ल	13	शनि	चित्रा	
01/06/2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	2	बुध	मृगशिरा	मृगशिरा12:55 तक
04/06/2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	5	शनि	पुष्य	
08/06/2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	8	बुध	उ.फा.	अष्टमी08:34तक
09/06/2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	गुरु	हस्त	दशमी08:24से
10/06/2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	10/11	शुक्र	चित्रा	भद्रा 18:33 से
11/06/2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	12	शनि	स्वाति	द्वादशी 05:42 से भद्रा 05:42 तक
30/06/2022	आषाढ़	शुक्ल	1/2	गुरु	पुनर्वसु	
01/07/2022	आषाढ़	शुक्ल	2	शुक्र	पुष्य	
06/07/2022	आषाढ़	शक्ल	7	बुध	उ.फा/ह.	भद्रा 20:06 से
07/07/2022	आषाढ़	शक्ल	8	गुरु	हस्त/चि.	भद्रा 07:56 तक
9/07/2022	आषाढ़	शक्ल	10	शनि	स्वाती	स्वाती 11:30 तक, भद्रा 27:38 से
23/01/2023	माघ	शुक्ल	2	सोम	धनिष्ठा	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
26/01/2023	माघ	शक्ल	5/6	गुरु	उ.भा.	
27/01/2023	माघ	शक्ल	6/7	शुक्र	रेवती	
28/01/2023	माघ	शक्ल	7	शनि	अश्विनी	भद्रा08:42से20:53तक
01/02/2023	माघ	शक्ल	12	बुध	मृगशिरा	द्वादशी 14:00 से भद्रा 14:00 तक
03/02/2023	माघ	शक्ल	13	शुक्र	पुन.	
05/02/2023	माघ	शक्ल	15	रवि	पुष्य	पुष्य 12:13 तक, भद्रा 10:47 तक
22/02/2023	फाल्गुन	शक्ल	3	बुध	उ.भा.	
24/02/2023	फाल्गुन	शक्ल	5	शुक्र	अश्विनी	
27/02/2023	फाल्गुन	शक्ल	8	सोम	रोहिणी	भद्रा 13:08 तक
01/03/2023	फाल्गुन	शक्ल	10	बुध	मृगशिरा	मृगशिरा 09:49 तक
02/03/2023	फाल्गुन	शक्ल	11	गुरु	पुनर्वसु	पुनर्वसु 12:41 से भद्रा 19:52 से
03/03/2023	फाल्गुन	शक्ल	12	शुक्र	पुन./पु.	द्वादशी 09:13 से भद्रा 09:13 तक
04/03/2023	फाल्गुन	शक्ल	12/13	शनि	पुष्य	पुष्य 18:46 तक

हलप्रवहण (हल जोतने का) मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
06-04-2022	चैत्र	शुक्ल	05	बुध	रोहिणी	पंचमी 17:48 तक
11-04-2022	चैत्र	शुक्ल	10	सोम	पुष्य	पुष्य 06:53 तक
13-04-2022	चैत्र	शुक्ल	12	बुध	मघा	मघा 09:41 तक
14-04-2022	चैत्र	शुक्ल	13	गुरु	उ.फा.	उ.फा. 09:58 से
18-04-2022	वैशाख	कृष्ण	02	सौम	विशाखा	
19-04-2022	वैशाख	कृष्ण	03	भौम	अनु	भद्रा6:05से16:41तक
21-04-2022	वैशाख	कृष्ण	05	गुरु	मूल	पंचमी 11:13 तक
25-04-2022	वैशाख	कृष्ण	10	सोम	धनि.	भद्रा 13:53 से
26-04-2022	वैशाख	कृष्ण	11	भौम	शत.	शतभिषा 16:45तक
27-04-2022	वैशाख	कृष्ण	12	बुध	उ.भा.	उ.भा. 16:55 से
28-04-2022	वैशाख	कृष्ण	13	गुरु	रेवती	
03-05-2022	वैशाख	शुक्ल	03	भौम	रोहि.	
04-05-2022	वैशाख	शुक्ल	03	बुध	मृग.	भद्रा 07:30 से
12-05-2022	वैशाख	शुक्ल	11	गुरु	उ.फा.	
13-05-2022	वैशाख	शुक्ल	12	शुक्र	हस्त	
16-05-2022	वैशाख	शुक्ल	15	सोम	विशा.	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
17-05-2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	1/2	भौम	अनु	अनुराधा 10:47 तक
18-05-2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	03	बुध	मूल	मूल 08:10से, भद्रा 13:22से
20-05-2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	05	शुक्र	उ.षा.	पंचमी 17:21 तक
25-05-2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	बुध	उ.भा.	भद्रा 10:27तक
26-05-2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	11/12	गुरु	रेव.	
27-05-2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	12	शुक्र	अश्वि.	
31-05-2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	01	भौम	रोहि.	
01-06-2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	02	बुध	मृग.	मृगशिरा 12:55 तक
06-06-2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	07	सोम	मघा	सप्तमी 06:40 से
10-06-2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	शुक्र	चित्रा	भद्रा 18:33 से
15-06-2022	आषाढ	कृष्ण	01	बुध	मूल	मूल 15:36 तक
16-06-2022	आषाढ	कृष्ण	02	गुरु	उ.षा.	उ.षा. 12:38 से
23-06-2022	आषाढ	कृष्ण	10	गुरु	रेवती	भद्रा 08:54 से
24-06-2022	आषाढ	कृष्ण	11	शुक्र	अश्वि.	अश्विनी 08:05 तक
30-06-2022	आषाढ	शुक्ल	01	गुरु	पुनर्वसु	
01-07-202	आषाढ	शुक्ल	02	शुक्र	पुष्य	
04-07-2022	आषाढ	शुक्ल	05	सोम	मघा	मघा 08:46 तक
06-07-2022	आषाढ	शुक्ल	07	बुध	उ.फा.	भद्रा 20:06 से
11-07-2022	आषाढ	शुक्ल	12	सोम	अनु	अनुराधा 07:52 तक
12-07-2022	आषाढ	शुक्ल	13	भौम	मूल	त्रयोदशी 07:49 तक
14-07-2022	श्रावण	कृष्ण	01	गुरु	उ.षा.	
15-07-2022	श्रावण	कृष्ण	02	शुक्र	श्रवण	
19-07-2022	श्रावण	कृष्ण	07	भौम	उ.भा.	भद्रा 07:48 से
20-07-2022	श्रावण	कृष्ण	07	बुध	रेवती	सप्तमी 07:36 तक
25-07-2022	श्रावण	कृष्ण	12	सोम	मृग.	
29-07-2022	श्रावण	शुक्ल	01	शुक्र	पुष्य	पुष्य 09:47 तक
02-08-2022	श्रावण	शुक्ल	05	भौम	उ.फा.	
04-08-2022	श्रावण	शुक्ल	07	गुरु	चित्रा	सप्तमी 05:42 से
08-08-2022	श्रावण	शुक्ल	11	सोम	मूल	मूल 14:48 से
09-08-2022	श्रावण	शुक्ल	12	भौम	मूल	मूल 12:25 तक
10-08-2022	श्रावण	शुक्ल	13	बुध	उ.षा.	उ.षा.09:44से, त्रयोदशी 14:22तक
12-08-2022	श्रा./भा.	शु./कृ.	15/1	शुक्र	धनिष्ठा	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
16-08-2022	भाद्रपद	कृष्ण	05	भौम	रेवती	
22-08-2022	भाद्रपद	कृष्ण	11	सोम	मृग.	मृगशिरा 07:42 तक
23-08-2022	भाद्रपद	कृष्ण	12	भौम	पुन.	पुनर्वसु 10:47 से
24-08-2022	भाद्रपद	कृष्ण	12/13	बुध	पुन./पुष्य	
25-08-2022	भाद्रपद	कृष्ण	13	गुरु	पुष्य	भद्रा 10:40 से
29-08-2022	भाद्रपद	शुक्ल	02	सोम	उ.फा.	
30-08-2022	भाद्रपद	शुक्ल	03	भौम	हस्त	तृतीया 15:38 तक
01-09-2022	भाद्रपद	शुक्ल	05	गुरु	स्वाती	पंचमी 14:56 तक
05-09-2022	भाद्रपद	शुक्ल	10	सोम	मूल	दशमी 08:32 से
07-09-2022	भाद्रपद	शुक्ल	12	बुध	उ.षा.	
08-09-2022	भाद्रपद	शुक्ल	13	गुरु	श्रवण	
26-09-2022	आश्विन	शुक्ल	01	सोम	हस्त	
27-09-2022	आश्विन	शुक्ल	02	भौम	हस्त/चित्रा	
28-09-2022	आश्विन	शुक्ल	03	बुध	चि./स्वा.	
30-09-2022	आश्विन	शुक्ल	05	शुक्र	अनु	
05-10-2022	आश्विन	शुक्ल	10	बुध	श्रवण	
06-10-2022	आश्विन	शुक्ल	11	गुरु	धनिष्ठा	भद्रा 09:18 तक
07-10-2022	आश्विन	शुक्ल	12/13	शुक्र	शतभिषा	शतभिषा 18:11तक
10-10-2022	कार्तिक	कृष्ण	01	सोम	रेवती	
11-10-2022	कार्तिक	कृष्ण	02	भौम	अश्वि.	अश्विनी 16:09 तक
14-10-2022	कार्तिक	कृष्ण	05	शुक्र	रोहिणी	
17-10-2022	कार्तिक	कृष्ण	07	सोम	पुनर्वसु	सप्तमी 09:26 तक
20-10-2022	कार्तिक	कृष्ण	10	गुरु	मघा	मघा 10:36 से
21-10-2022	कार्तिक	कृष्ण	11	शुक्र	मघा	मघा 12:37 तक
26-10-2022	कार्तिक	शुक्ल	01	बुध	स्वाती	
27-10-2022	कार्तिक	शुक्ल	02	गुरु	विशाखा	
28-10-2022	कार्तिक	शुक्ल	03	शुक्र	अनु	तृतीया 10:36 तक
31-10-2022	कार्तिक	शुक्ल	07	सोम	उ.षा.	भद्रा 23:06 से
03-11-2022	कार्तिक	शुक्ल	10	गुरु	शतभिषा	
10-11-2022	मार्गशीर्ष	कृष्ण	02	गुरु	रोहिणी	
11-11-2022	मार्गशीर्ष	कृष्ण	03	शुक्र	मृग.	भद्रा 07:13 से
21-11-2022	मार्गशीर्ष	कृष्ण	12	सोम	चित्रा	
22-11-2022	मार्गशीर्ष	कृष्ण	13	भौम	स्वाती	भद्रा 08:51 से
24-11-2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	01	गुरु	अनु	अनुराधा 19:50 तक

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
28-11-2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05	सोम	उ.षा.	पंचमी 13:32 तक
30-11-2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	07	बुध	धनि/शत	भद्रा 08:55 से
02-12-2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	शुक्र	उ.भा.	
05-12-2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	13	सोम	अश्वि.	अश्विनी 07:16 तक
08-12-2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	गुरु	रोहिणी	
09-12-2022	पौष	कृष्ण	01	शुक्र	मृग.	मृगशिरा 14:56 तक
19-12-2022	पौष	कृष्ण	11	सोम	चित्रा	
20-12-2022	पौष	कृष्ण	12	भौम	स्वाती	
21-12-2022	पौष	कृष्ण	13	बुध	विशा/अनु.	
27-12-2022	पौष	शुक्ल	05	भौम	धनिष्ठा	
29-12-2022	पौष	शुक्ल	07	गुरु	उ.भा.	उ.भा.11:37से, भद्रा 18:57से
04-01-2023	पौष	शुक्ल	13	बुध	रोहिणी	
10-01-2023	माघ	कृष्ण	03	भौम	मघा	मघा 09:00से भद्रा 12:10 तक
12-01-2023	माघ	कृष्ण	05	गुरु	उ.फा.	उ.फा. 14:29से, पंचमी 16:44तक
18-01-2023	माघ	कृष्ण	11	बुध	अनु.	अनुराधा 17:39 तक
20-01-2023	माघ	कृष्ण	13	शुक्र	मूल	भद्रा 10:04 से
23-01-2023	माघ	शुक्ल	02	सोम	धनि.	
24-01-2023	माघ	शुक्ल	03	भौम	शत.	तृतीया 15:14 तक
26-01-2023	माघ	शुक्ल	05	गुरु	उ.भा.	पंचमी 10:25 तक
27-01-2023	माघ	शुक्ल	07	शुक्र	रेवती	सप्तमी 09:08 से
31-01-2023	माघ	शुक्ल	10	भौम	रोहिणी	
01-02-2023	माघ	शुक्ल	12	बुध	मृग.	भद्रा 14:00 तक
03-02-2023	माघ	शुक्ल	13	शुक्र	पुन.	
06-02-2023	फाल्गुन	कृष्ण	01	सोम	मघा	मघा 15:04 से
07-02-2023	फाल्गुन	कृष्ण	02	भौम	मघा	मघा 17:47 तक
10-02-2023	फाल्गुन	कृष्ण	05	शुक्र	हस्त	पंचमी 08:00 से
13-02-2023	फाल्गुन	कृष्ण	07	सोम	विशाखा	सप्तमी 09:52 तक
16-02-2023	फाल्गुन	कृष्ण	11	गुरु	मूल	
21-02-2023	फाल्गुन	शुक्ल	01	भौम	शत.	शतभिषा 08:59 तक
22-02-2023	फाल्गुन	शुक्ल	03	बुध	उ.भा.	
24-02-2023	फाल्गुन	शुक्ल	05	शुक्र	अश्वि.	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
01-03-2023	फाल्गुन	शुक्ल	10	बुध	मृग.	मृगशिरा 09:49 तक
03-03-2023	फाल्गुन	शुक्ल	12	शुक्र	पुन.	भद्रा 09:13 तक
08-03-2023	चैत्र	कृष्ण	01	बुध	उ.फा.	
09-03-2023	चैत्र	कृष्ण	02	गुरु	हस्त	भद्रा 09:28 से
10-03-2023	चैत्र	कृष्ण	03	शुक्र	चित्रा	
17-03-2023	चैत्र	कृष्ण	10	शुक्र	उ.षा.	भद्रा 14:17 तक

त्याज्य- भद्रा, अशुभयोग, चक्र अशुद्धि (हलचक्र)।

लग्नशुद्धि - 2, 3, 6, 8, 9, 12 राशि के लग्न शुभ। 1, 4, 5, 7, 10, 11 लग्नों में अशुभ। लग्न में गुरु, जलचर नवांश में चन्द्र की स्थिति एवं चन्द्र शुक्र बली हों।

बीजोप्ति (बीज बोने का) मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
02-04-2022	चैत्र	शुक्ल	01	शनि	रेवती	
03-04-2022	चैत्र	शुक्ल	02	रवि	अश्वि.	
06-04-2022	चैत्र	शुक्ल	05	बुध	रोहिणि	पंचमी 17:48 तक
11-04-2022	चैत्र	शुक्ल	10	सोम	पुष्य	पुष्य 06:53 तक
13-04-2022	चैत्र	शुक्ल	12	बुध	मघा	मघा 09:41 तक
16-04-2022	चैत्र	शुक्ल	15	शनि	हस्त	भद्रा 12:49 तक
17-04-2022	वैशाख	कृष्ण	01	रवि	चि./स्वा.	
21-04-2022	वैशाख	कृष्ण	05	गुरु	मूल	पंचमी 11:13 तक
23-04-2022	वैशाख	कृष्ण	07	शनि	उ.षा.	सप्तमी 06:27 तक
25-04-2022	वैशाख	कृष्ण	10	सोम	धनिष्ठा	भद्रा 13:53 से
28-04-2022	वैशाख	कृष्ण	13	गुरु	उ.भा.	
04-05-2022	वैशाख	शुक्ल	03	बुध	मृग.	तृतीया 07:26 तक
08-05-2022	वैशाख	शुक्ल	07	रवि	पुष्य	पुष्य 15:02 तक
11-05-2022	वैशाख	शुक्ल	10	बुध	उ.फा.	उ.फा. 09:46 से
12-05-2022	वैशाख	शुक्ल	11	गुरु	उ.फा.	भद्रा 07:30से
13-05-2022	वैशाख	शुक्ल	12	शुक्र	हस्त	
14-05-2022	वैशाख	शुक्ल	13	शनि	चित्रा	त्रयोदशी 15:30 तक
20-05-2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	05	शुक्र	उ.षा.	पंचमी 17:21 तक
22-05-2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	07	रवि	धनिष्ठा	
25-05-2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	10	बुध	उ.भा.	भद्रा 10:27 तक
26-05-2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	11	गुरु	रेवती	
27-05-2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	12	शुक्र	अश्वि.	
01-06-2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	02	बुध	मृग.	मृगशिरा 12:55 तक
04-06-2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	05	शनि	पुष्य	

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
06-06-2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	07	सोम	मघा	सप्तमी 06:40 से
09-06-2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	10	गुरु	हस्त	दशमी 08:24 से
10-06-2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	10/11	शुक्र	चित्रा	भद्रा 18:33 से
11-06-2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	11/12	शनि	स्वाती	भद्रा 05:42 तक
15-06-2022	आषाढ़	कृष्ण	01	बुध	मूल	मूल 15:36 तक
18-06-2022	आषाढ़	कृष्ण	05	शनि	धनि.	धनिष्ठा 07:39 से
23-06-2022	आषाढ़	कृष्ण	10	गुरु	रेव/अश्वि	भद्रा 08:54 से
24-06-2022	आषाढ़	कृष्ण	11	शुक्र	अश्वि	अश्विनी 08:05 तक
01-07-2022	आषाढ़	शुक्ल	02	शुक्र	पुष्य	
04-07-2022	आषाढ़	शुक्ल	05	सोम	मघा	मघा 08:46 तक
06-07-2022	आषाढ़	शुक्ल	07	बुध	उ.फा.	भद्रा 20:06 से
09-07-2022	आषाढ़	शुक्ल	10	शनि	स्वाती	स्वाती 11:30 तक
10-07-2022	आषाढ़	शुक्ल	11	रवि	अनु	अनुराधा 09:59 से भद्रा 14:24 तक
11-07-2022	आषाढ़	शुक्ल	12	सोम	अनु	अनुराधा 07:52 तक
14-07-2022	श्रावण	कृष्ण	01	गुरु	उ.षा.	
20-07-2022	श्रावण	कृष्ण	07	बुध	रेवती	सप्तमी 07:36 तक
24-07-2022	श्रावण	कृष्ण	11	रवि	रोहि.	
25-07-2022	श्रावण	कृष्ण	12	सोम	मृग.	
29-07-2022	श्रावण	शुक्ल	01	शुक्र	पुष्य	पुष्य 09:47 तक
31-07-2022	श्रावण	शुक्ल	03	रवि	मघा	मघा 14:24 तक
04-08-2022	श्रावण	शुक्ल	07	गुरु	चित्रा	सप्तमी 05:42 से
07-08-2022	श्रावण	शुक्ल	10	रवि	अनु	अनुराधा 16:44 तक
10-08-2022	श्रावण	शुक्ल	13	बुध	उ.षा.	उ.षा. 09:44 से त्रयोदशी 14:22तक
12-08-2022	श्रावण	शुक्ल	15	शुक्र	धनि.	
21-08-2022	भाद्रपद	कृष्ण	10	रवि	मृग.	भद्रा 14:08 से
22-08-2022	भाद्रपद	कृष्ण	11	सोम	मृग.	मृगशिरा 07:42 तक
25-08-2022	भाद्रपद	कृष्ण	13	गुरु	पुष्य	भद्रा 10:40 से
29-08-2022	भाद्रपद	शुक्ल	02	सोम	उ.फा.	
01-09-2022	भाद्रपद	शुक्ल	05	गुरु	स्वाती	पंचमी 14:56 तक
03-09-2022	भाद्रपद	शुक्ल	07	शनि	अनु	भद्रा 12:35 से
05-09-2022	भाद्रपद	शुक्ल	10	सोम	मूल	दशमी 08:32 से
07-09-2022	भाद्रपद	शुक्ल	12	बुध	उ.षा.	उ.षा.16:04 तक

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
08-09-2022	भाद्रपद	शुक्ल	13	गुरु	धनि.	धनिष्ठा13:46 से
26-09-2022	आश्विन	शुक्ल	01	सोम	हस्त	
28-09-2022	आश्विन	शुक्ल	03	बुध	चि/स्वा	
30-09-2022	आश्विन	शुक्ल	05	शुक्र	अनु	
02-10-2022	आश्विन	शुक्ल	07	रवि	मूल	भद्रा 18:55 से
06-10-2022	आश्विन	शुक्ल	11	गुरु	धनि.	भद्रा 09:38 तक
09-10-2022	आश्विन	शुक्ल	15	रवि	उ.भा/रेव.	भद्रा 14:43 तक
10-10-2022	कार्तिक	कृष्ण	01	सोम	रेव/अश्वि	
14-10-2022	कार्तिक	कृष्ण	05	शुक्र	रोहि.	
20-10-2022	कार्तिक	कृष्ण	10	गुरु	मघा	मघा10:36 से, भद्रा 16:17तक
21-10-2022	कार्तिक	कृष्ण	11	शुक्र	मघा	मघा 12:37 तक
23-10-2022	कार्तिक	कृष्ण	13	रवि	उ.फा.	भद्रा 18:16 से
26-10-2022	कार्तिक	शुक्ल	01	बुध	स्वाती	स्वाती 13:27 तक
28-10-2022	कार्तिक	शुक्ल	03	शुक्र	अनु	तृतीया 10:36 तक
29-10-2022	कार्तिक	शुक्ल	05	शनि	मूल	भद्रा 08:15 तक मूल 09:07 से
31-10-2022	कार्तिक	शुक्ल	07	सोम	उ.षा.	
05-11-2022	कार्तिक	शुक्ल	12	शनि	उ.भा.	
06-11-2022	कार्तिक	शुक्ल	13	रवि	रेवती	त्रयोदशी 16:21 तक
10-11-2022	मार्गशीर्ष	कृष्ण	02	गुरु	रोहि.	
11-11-2022	मार्गशीर्ष	कृष्ण	03	शुक्र	मृग.	भद्रा 07:13 से
19-11-2022	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10	शनि	उ.फा.	भद्रा 10:37 तक
20-11-2022	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	रवि	हस्त	
21-11-2022	मार्गशीर्ष	कृष्ण	12	सोम	चित्रा	
24-11-2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	01	गुरु	अनु	अनुराधा 19:50 तक
26-11-2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	03	शनि	मूल	मूल 15:02 तक
28-11-2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05	सोम	उ.षा.	उ.षा. 10:28 तक
30-11-2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	07	बुध	धनि.	धनिष्ठा 07:09 तक भद्रा 08:55 से
02-12-2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	शुक्र	उ.भा	
03-12-2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	11	शनि	रेवती	भद्रा 17:05 से
04-12-2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	12	रवि	अश्वि.	
05-12-2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	13	सोम	अश्वि	अश्विनी 07:16 तक

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादिविचार
08-12-2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	गुरु	रोहि.	
09-12-2022	पौष	कृष्ण	01	शुक्र	मृग.	मृगशिरा 14:50 तक
18-12-2022	पौष	कृष्ण	10	रवि	हस्त	भद्रा 16:15 से
19-12-2022	पौष	कृष्ण	11	सोम	चित्रा/स्वा	
21-12-2022	पौष	कृष्ण	13	बुध	अनु	अनुराधा 08:34 से
25-12-2022	पौष	शुक्ल	2/3	रवि	उ.षा.	उ.षा. 19:20 तक
01-01-2023	पौष	शुक्ल	10	रवि	अश्वि.	अश्विनी 12:44 तक
04-01-2023	पौष	शुक्ल	13	बुध	रोहि.	
08-01-2023	माघ	कृष्ण	02	रवि	पुष्य	
12-01-2023	माघ	कृष्ण	05	गुरु	उ.फा.	उ.षा. 14:29से पंचमी 16:44तक
14-01-2023	माघ	कृष्ण	07	शनि	हस्त	सप्तमी 19:39 तक
18-01-2023	माघ	कृष्ण	11	बुध	अनु	अनुराधा 17:39 तक
20-01-2023	माघ	कृष्ण	13	शुक्र	मूल	भद्रा 10:04 से
23-01-2023	माघ	शुक्ल	02	सोम	धनि.	
26-01-2023	माघ	शुक्ल	05	गुरु	उ.भा.	पंचमी 10:25 तक
27-01-2023	माघ	शुक्ल	07	शुक्र	रेवती	सप्तमी 09:08 से
28-01-2023	माघ	शुक्ल	07	शनि	अश्वि	भद्रा 08:42 से
01-02-2023	माघ	शुक्ल	12	बुध	मृगशिरा	भद्रा 14:00 तक
05-02-2023	माघ	शुक्ल	15	रवि	पुष्य	भद्रा 10:47 तक पुष्य 12:13 तक
11-02-2023	फाल्गुन	कृष्ण	05	शनि	चित्रा	पंचमी 09:12 तक
16-02-2023	फाल्गुन	कृष्ण	11	गुरु	मूल	
18-02-2023	फाल्गुन	कृष्ण	13	शनि	उ.षा.	उ.षा. 17:50 तक
22-02-2023	फाल्गुन	शुक्ल	03	बुध	उ.भा.	
24-02-2023	फाल्गुन	शुक्ल	05	शुक्र	अश्वि.	
01-03-2023	फाल्गुन	शुक्ल	10	बुध	मृग	मृगशिरा 09:49 तक
04-03-2023	फाल्गुन	शुक्ल	12	शनि	पुष्य	पुष्य 18:46 तक
08-03-2023	चैत्र	कृष्ण	01	बुध	उ.फा.	
09-03-2023	चैत्र	कृष्ण	02	गुरु	हस्त	
10-03-2023	चैत्र	कृष्ण	03	शुक्र	चित्रा	भद्रा 09:28 से
12-03-2023	चैत्र	कृष्ण	05	रवि	स्वाती	स्वाती 08:02 तक
17-03-2023	चैत्र	कृष्ण	10/11	शुक्र	उ.षा.	
19-03-2023	चैत्र	कृष्ण	12/13	रवि	धनि.	

त्याज्य- भद्रा, अशुभयोग, चक्र अशुद्धि (राहुचक्र से)

राहुचक्रशुद्धि विचार - राहु जिस नक्षत्र में है, उस नक्षत्र से बीज वपन दिन के नक्षत्र तक 27 नक्षत्रों को गिनने पर यदि 1-8 नक्षत्र हों तो अशुभ, उससे आगे के 9-11 नक्षत्र शुभ, अग्रिम 12वां नक्षत्र अशुभ, पुन: आगे के 13-15 नक्षत्र शुभ, अग्रिम 16वां नक्षत्र अशुभ, फिर आगे के 17-19 नक्षत्र शुभ, अग्रिम 20वां नक्षत्र अशुभ, पुन: आगे के 21-23 नक्षत्र शुभ तथा अन्तिम 24-27 नक्षत्र अशुभ होते हैं।जैसे - राहुनक्षत्र पुनर्वसु है, तथा बीजवपन के दिन का नक्षत्र अनुराधा है। पुनर्वसु से अनुराधा गिनने पर 11 संख्या प्राप्त हुई। तो शुभ है। अत: इस दिन चक्रशुद्धि जाननी चाहिए।

गृहारम्भ मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	चक्रशु.	भद्रादिविचार
20/04/2022	वैशाख	कृष्ण	5	बुध	ज्येष्ठा	शुद्ध	पञ्चमी13:53से
21/04/2022	वैशाख	कृष्ण	5/6	गुरु	मूल	शुद्ध	पञ्चमी11:13तक
25/04/2022	वैशाख	कृष्ण	10	सोम	धनिष्ठा	अशुद्ध	भद्रा13:53से
28/04/2022	वैशाख	कृष्ण	13	गुरु	उ.भा	अशुद्ध	भद्रा24:10से
04/05/2022	वैशाख	शुक्ल	3	बुध	मृगशिरा	अशुद्ध	तृतीया07:26तक
06/05/2022	वैशाख	शुक्ल	5/6	शुक्र	पुन.	अशुद्ध	पुनर्वसु09:14से
07/05/2022	वैशाख	शुक्ल	6/7	शनि	पुन/पुष्य	अशुद्ध	
12/05/2022	वैशाख	शुक्ल	11	गुरु	उ.फा.	शुद्ध	भद्रा7:30से19:10
13/05/2022	वैशाख	शुक्ल	12	शुक्र	हस्त	शुद्ध	
15/07/2022	श्रावण	कृष्ण	2	शुक्र	श्रवण	शुद्ध	भद्रा26:57से
16/07/2022	श्रावण	कृष्ण	3	शनि	धनिष्ठा	शुद्ध	भद्रा13:21तक
18/07/2022	श्रावण	कृष्ण	5/6	सोम	उ.भा.	अशुद्ध	उ.भा.12:16से
21/07/2022	श्रावण	कृष्ण	8	गुरु	अश्विनी	अशुद्ध	अष्टमी08:11तक
25/07/2022	श्रावण	कृष्ण	12	सोम	मृगशिरा	अशुद्ध	
03/08/2022	श्रावण	शुक्ल	5/6	बुध	हस्त	अशुद्ध	
04/08/2022	श्रावण	शुक्ल	6/7	गुरु	चित्रा	अशुद्ध	
08/08/2022	श्रावण	शुक्ल	11	सोम	ज्येष्ठा/मूल	शुद्ध	भद्रा10:50से
10/08/2022	श्रावण	शुक्ल	13	बुध	उ.षा.	शुद्ध	उ.षा.09:44से
12/08/2022	श्रावण	शुक्ल	15	शुक्र	धनिष्ठा	शुद्ध	पूर्णिमा07:07तक
19/11/2022	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	शनि	उ.फा.	अशुद्ध	भद्रा10:37तक
21/11/2022	मार्गशीर्ष	कृष्ण	12/13	सोम	चित्रा	अशुद्ध	
25/11/2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	2	शुक्र	ज्येष्ठा	अशुद्ध	
26/11/2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	3	शनि	मूल	अशुद्ध	भद्रा29:58से
28/11/2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	5	सोम	उ.षा/श्रवण	अशुद्ध	
30/11/2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	7	बुध	धनि/शत	शुद्ध	भद्रा08:55से20:06

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	चक्रशु.	भद्रादिविचार
02/12/2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	शुक्र	उ.भा.	शुद्ध	
03/12/2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	11	शनि	रेवती	शुद्ध	भद्रा17:05से29:05
05/12/2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	13	सोम	अश्विनी	शुद्ध	अश्विनी07:16तक
08/12/2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	गुरु	रोहिणी	शुद्ध	पूर्णिमा09:39तक, रोहिणी12:32तक
14/01/2023	माघ	कृष्ण	7	शनि	हस्त	अशुद्ध	
18/01/2023	माघ	कृष्ण	11	बुध	अनुराधा	अशुद्ध	
19/01/2023	माघ	कृष्ण	12	गुरु	ज्येष्ठा	अशुद्ध	
20/01/2023	माघ	कृष्ण	13	शुक्र	मूल	अशुद्ध	त्रयोदशी10:04तक, भद्रा 10:04 से
23/01/2023	माघ	शुक्ल	2	सोम	धनिष्ठा	अशुद्ध	
26/01/2023	माघ	शुक्ल	5/6	गुरु	उ.भा.	अशुद्ध	
27/01/2023	माघ	शुक्ल	6/7	शुक्र	रेवती	अशुद्ध	
28/01/2023	माघ	शुक्ल	7	शनि	अश्विनी	अशुद्ध	सप्तमी08:42तक, भद्रा08:42से
01/02/2023	माघ	शुक्ल	12	बुध	मृगशिरा	शुद्ध	भद्रा14:00तक
03/02/2023	माघ	शुक्ल	13	शुक्र	पुनर्वसु	शुद्ध	
10/02/2023	फाल्गुन	कृष्ण	5	शुक्र	हस्त	अशुद्ध	पञ्चमी08:00से
11/02/2023	फाल्गुन	कृष्ण	5/6	शनि	चित्रा	अशुद्ध	
15/02/2023	फाल्गुन	कृष्ण	10	बुध	ज्येष्ठा	अशुद्ध	दशमी07:44से, भद्रा18:40से
16/02/2023	फाल्गुन	कृष्ण	11	गुरु	मूल	अशुद्ध	
18/02/2023	फाल्गुन	कृष्ण	13	शनि	उ.षा.	अशुद्ध	भद्रा 20:15से
22/02/2023	फाल्गुन	शुक्ल	3	बुध	उ.भा.	अशुद्ध	
24/02/2023	फाल्गुन	शुक्ल	5	शुक्र	अश्विनी	अशुद्ध	
01/03/2023	फाल्गुन	शुक्ल	10	बुध	मृगशिरा	शुद्ध	मृगशिरा09:49तक होलाष्टक
02/03/2023	फाल्गुन	शुक्ल	11	गुरु	पुनर्वसु	शुद्ध	पुन. 12:41से होलाष्टक भद्रा 19:52से
03/03/2023	फाल्गुन	शुक्ल	11/12	शुक्र	पुन./पुष्य	शुद्ध	भद्रा 09:13 तक होलाष्टक
04/03/2023	फाल्गुन	शुक्ल	12/13	शनि	पुष्य	शुद्ध	होलाष्टक

नूतन गृहप्रवेश मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	चक्रशु.	भद्रादिविचार
21/4/2022	वैशाख	कृष्ण	5/6	गुरु	मूल	अशुद्ध	
23/4/2022	वैशाख	कृष्ण	7/8	शनि	उ.षा.	अशुद्ध	उ.षा. 18:45तक
04/5/2022	वैशाख	शुक्ल	3	बुध	मृगशिरा	अशुद्ध	तृतीया7:26तक, भद्रा20:39से
11/5/2022	वैशाख	शुक्ल	10/11	बुध	उ.फा.	शुद्ध	उ.फा.19:46से
12/5/2022	वैशाख	शुक्ल	11	गुरु	उ.फा.	शुद्ध	उ.फा.19:48तक, भद्रा7:30से19:10
14/5/2022	वैशाख	शुक्ल	13	शनि	चित्रा	शुद्ध	त्रयोदशी 15:38तक
16/5/2022	वै./ज्ये.	शु/कृ	15/01	सोम	अनुराधा	अशुद्ध	अनुराधा13:20से
20/5/2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	5/6	शुक्र	उ.षा.	अशुद्ध	उ.षा. 25:01तक
25/5/2022	ज्येष्ठ	कृष्ण	10/11	बुध	उ.भा.	शुद्ध	भद्रा10:27तक
01/6/2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	2	बुध	मृगशिरा	अशुद्ध	मृगशिरा12:55तक
08/6/2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	8	बुध	उ.फा.	शुद्ध	अष्टमी 08:34 तक
10/6/2022	ज्येष्ठ	शुक्ल	10/11	शुक्र	चित्रा	शुद्ध	भद्रा 18:33से
28/11/2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	5	सोम	उषा.	शुद्ध	उ.षा.10:28 तक
02/12/2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	शुक्र	उ.भा.	शुद्ध	
03/12/2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	11	शनि	रेवती	शुद्ध	भद्रा17:05से29:15
07/12/2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	बुध	रोहिणी	अशुद्ध	पूर्णिमा08:04से, भद्रा08:04से20:51 रोहिणी10:26से
08/12/2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	गुरु	रोहि/मृग.	अशुद्ध	पूर्णिमा09:39तक, रोहिणी12:32तक
26/01/2023	माघ	शुक्ल	5/6	गुरु	उ.भा.	अशुद्ध	
27/01/2023	माघ	शुक्ल	6/7	शुक्र	रेवती	शुद्ध	रेवती18:18तक
01/02/2023	माघ	शुक्ल	12	बुध	मृगशिरा	शुद्ध	भद्रा 14:00 तक
11/02/2023	फाल्गुन	कृष्ण	5/6	शनि	चित्रा	अशुद्ध	
22/02/2023	फाल्गुन	शुक्ल	3	बुध	उ.भा.	अशुद्ध	
27/02/2023	फाल्गुन	शुक्ल	8	सोम	रोहिणी	शुद्ध	भद्रा 13:08तक होलाष्टक
01/03/2023	फाल्गुन	शुक्ल	10	बुध	मृगशिरा	शुद्ध	मृग.09:49तक,होला.

पुरातन गृहप्रवेश मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	चक्रशु.	भद्रादिविचार
14/07/2022	श्रावण	कृष्ण	1	गुरु	उ.षा.	अशुद्ध	
15/07/2022	श्रावण	कृष्ण	2	शुक्र	श्रवण	अशुद्ध	भद्रा 26:57से

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	चक्रशु.	भद्रादिविचार
18/07/2022	श्रावण	कृष्ण	5/6	सोम	उ.भा.	अशुद्ध	उ.भा. 12:16से
20/07/2022	श्रावण	कृष्ण	7	बुध	रेव	अशुद्ध	रेवती 12:44 तक
29/07/2022	श्रावण	शुक्ल	1	शुक्र	पुष्य	अशुद्ध	पुष्य9:47तक
04/08/2022	श्रावण	शुक्ल	7	गुरु	चि./स्वा.	शुद्ध	भद्रा 29:39से
05/08/2022	श्रावण	शुक्ल	8	शुक्र	स्वाति	शुद्ध	भद्रा 17:05 तक स्वाति 18:53तक
10/08/2022	श्रावण	शुक्ल	13	बुध	उ.षा.	शुद्ध	उ.षा. 09:44से त्रयोदशी 14:22तक
10/10/2022	कार्तिक	कृष्ण	1	सोम	रेवती	अशुद्ध	रेवती15:55तक
14/10/2022	कार्तिक	कृष्ण	5/6	शुक्र	रोहि/मृग.	अशुद्ध	
15/10/2022	कार्तिक	कृष्ण	6	शनि	मृगशिरा	अशुद्ध	मृगशिरा23:03तक
26/10/2022	कार्तिक	शुक्ल	1	बुध	स्वाति	अशुद्ध	स्वाति13:27तक
27/10/2022	कार्तिक	शुक्ल	2/3	गुरु	अनुराधा	अशुद्ध	अनुराधा 12:13से
28/10/2022	कार्तिक	शुक्ल	3	शुक्र	अनुराधा	अशुद्ध	अनुराधा10:44तक, भद्रा 21:25से तृतीया10:36तक
31/10/2022	कार्तिक	शुक्ल	7	सोम	उ.षा.	शुद्ध	भद्रा25:06से
03/11/2022	कार्तिक	शुक्ल	10	गुरु	शतभिषा	शुद्ध	
05/11/2022	कार्तिक	कृष्ण	12/13	शनि	उ.भा./रेव	शुद्ध	
10/11/2022	मार्गशीर्ष	कृष्ण	2/3	गुरु	रोहि/मृग.	अशुद्ध	
11/11/2022	मार्गशीर्ष	कृष्ण	3	शुक्र	मृग	अशुद्ध	भद्रा07:13से20:04 तृतीया20:04तक
14/11/2022	मार्गशीर्ष	कृष्ण	6	सोम	पुष्य	अशुद्ध	भद्रा 27:18से पुष्य13:11से
19/11/2022	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	शनि	उ.फा.	अशुद्ध	भद्रा 10:37तक
24/11/2022	मार्गशीर्ष	शुक्ल	1	गुरु	अनुराधा	अशुद्ध	

वर्ष मासो दिनं लग्नं मुहूर्त्तश्चेति पञ्चकम्।
पञ्चाङ्गं कथितं तस्य शुद्ध्यशुद्धी निरूपिते।।
यथाखिलेन्द्रियं जन्तोः पञ्चेन्द्रियमुदीर्यते।
तथा कालस्य सर्वाङ्गं पञ्चाङ्गमिति कथ्यते।।

विविध मुहूर्तों का विचार

गर्भाधान मुहूर्त

यह षोडश संस्कारों में प्रथम संस्कार हैं, क्योंकि जीवन का प्रारम्भ इसी से होता है।

निषिक्तो यत्प्रयोगेण गर्भ संधार्यते स्त्रिया।

तद्गर्भालम्भनं नामकर्म प्रोक्तं मनीषिभिः।।

रजोदर्शन प्रारम्भ से 4 रात्रि उपरान्त सम रात्रियों में रोहिणी, हस्त, मृगशिरा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा तीनों उत्तरा इन नक्षत्रों में मेष, कर्क, सिंह, धनु, मकर इन लग्नों मे तथा लग्न से 3–6–11वें स्थान पर पाप ग्रह हो रवि, मंगल, और गुरु की लग्न पर दृष्टि, नवांश विषम राशि का हो (स्त्री का विशेष रूप से चन्द्र श्रेष्ठ हो) ऐसे समय का विचार कर गर्भाधान संस्कार करें। पुनर्वसु, अश्विनी, पुष्य, चित्रा नक्षत्रों में गर्भाधान मध्यम है।

श्रेष्ठ नक्षत्र – रोहणी, हस्त, मृगशिरा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा तीनों उत्तरा

मध्यम नक्षत्र – पुनर्वसु, अश्विनी, पुष्य, चित्रा

लग्न – मेष, कर्क, सिंह, धनु, मकर व लग्न से 3,6,11 वें पापग्रह

नवांश – 1, 3, 5, 7, 9, 11

रात्रियां रजोदर्शन से – 6, 8, 10, 12, 14, 16 वीं

पुंसवन तथा सीमन्तोनयन मुहूर्त

गर्भधारण का निश्चय हो जाने के पश्चात् शिशु को पुंसवन नामक संस्कार के द्वारा अभिषिक्त किया जाता है। इसका अभिप्राय पुमान् (पुरुष) का सवन (जन्म) हो।

पुमान् प्रसूयते येन कर्मणा तत् पुंसवनमीरितम्।

गर्भ के तृतीय मास में रवि, मंगल, गुरुवार को दम्पति के श्रेष्ठ चन्द्र मे, तारा शुद्धि मे रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, पुनर्वसु, हस्त, मूल. श्रवण, 3 उत्तरा नक्षत्रों में जन्म नक्षत्र को त्याग कर, शुक्लपक्ष की 1, 2, 3, 4, 5, 7, 10, 11, 13 तथा कृष्ण पक्ष में दशमी पर्यन्त तिथियों में दिन के पूर्व भाग में पुरुष संज्ञक नवांश लग्न में होने पर तथा लग्न से 1, 4, 5, 7, 9, 10 स्थानों पर शुभ ग्रह तथा 3, 6, 11 वें स्थानों पर पापग्रहों की स्थिति में एवं चन्द्र की 1,6,8,12वें स्थिति न होने पर पुंसवन व सीमन्त संस्कार शुभ हैं इस संस्कार में गुरु शुक्रास्त अविचारणीय है। गर्भ से 6, 8 मासों मे मासाधिपति बली होने पर शुभ हैं।

मास - गर्भ से 6, 8 मासों मे मासाधिपति बली होने पर शुभ है।

तिथि - शुक्लपक्ष को 1,2,3,4,5,7,10,11,13 तथा कृष्ण पक्ष में दशमी पर्यन्त

नक्षत्र - रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, पुनर्वसु, हस्त, मूल. श्रवण, 3 उत्तरा नक्षत्रों में जन्म नक्षत्र को त्याग कर

लग्न - 1,3,5,7,11

वार - रवि, मंगल, बुध, गुरु, मतान्तर से सोम, बुध, शुक्र

स्तनपान मुहूर्त

जन्म से पांचवें दिन अथवा भद्रा, व्यतिपात, 4,9,14 तिथि को छोड़कर शुभ तिथि को सोम, बुध, गुरु, शुक्र वारों में पुनर्वसु, पुष्य, मृगशिरा, मघा, श्रवण, रेवती नक्षत्रों में बालक को प्रथम बार स्तनपान कराना शुभ हैं।

तिथि - 2,3,5,8,10,11,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - पुनर्वसु, पुष्य, मृगशिरा, मघा, श्रवण, रेवती

त्याज्य - भद्रा, व्यतिपात, वैधृति 4, 9, 14 तिथि

जलपूजन मुहूर्त

जन्म के अनन्तर प्रथम मास की समाप्ति पर बुध, गुरु, चन्द्र, वारों में 4,9,14,30 तिथियों को छोड़कर अन्य तिथियों में मृगशिरा,पुनर्वसु. पुष्य, हस्त, अनुराधा मूल, श्रवण नक्षत्रों में प्रसूता स्त्री द्वारा जलपूजन करना (कुंआ-पूजना) श्रेष्ठ है।

चैत्र, पौष, अधिमास, गुरु-शुक्रास्त का विचार एक मास के बाद ही करें।

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - बुध-गुरु-चन्द्र

नक्षत्र - मृगशिरा, पुनर्वसु. पुष्य, हस्त, अनुराधा मूल, श्रवण, धनिष्ठा

त्याज्य - प्रथममासोपरान्त चैत्र, पौष, अधिमास, गुरु-शुक्रास्त, रिक्ता व अमावस्य तिथि

जातकर्म और नामकरण संस्कार मुहूर्त

जीवन में व्यवहार का सम्पूर्ण आधार नाम पर ही निर्भर होता है।

नामाखिलस्य जगतः व्यवहार हेतुः शुभावहं कर्मसु भाग्यहेतुः।
नाम्नैव कीर्तिं लभते मनुष्यस्ततः प्रशस्तं खलु नाम कर्म॥

जातकर्म अर्थात् शिशु के जन्म होने के बाद का कार्य नाल छेदन से पूर्व करना उचित है। नामकरण सूतक निवृत्ति के उपरान्त ब्राह्मण 11वें दिन, क्षत्रिय 13वें दिन, शूद्र 21वें दिन, कुल की परम्परा के अनुसार करें। दस दिन से पूर्व कदापि शुद्धि के अभाव के कारण नामकरण संस्कार न करें। सूतक समाप्ति पर 11वें या 12वें दिन नामकरण संस्कार बिना विचारे कर लें। 12 दिन के बाद भद्रा, व्यतिपात, वैधृति, संक्रान्ति रहित दिनों में रिक्ता 1,2,3,5,6,7,10,11,12,13 इन

तिथियों में शुभवार, अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, तीनों उत्तरा, अभिजित, स्वाति, मूल श्रवणा, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती नक्षत्रों में लग्न नवांश के बल का विचार कर नामकरण करें।

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, तीनों उत्तरा, अभिजित, स्वाति, मूल श्रवणा, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती

त्याज्य - जन्म से 10 दिन, भद्रा, व्यतिपात, वैधृति, संक्रान्ति रहित दिन

निष्क्रमण मुहूर्त

बालक को प्रथम बार घर से बाहर निकलनें को ही निष्क्रमण कहते हैं। जन्म से बारहवें दिन बिना मुहूर्त विचार के बालक का निष्क्रमण कर, सूर्य नक्षत्र का पूजन कर सूर्य नक्षत्र व देवताओं का दर्शन करावें। यदि बारहवें दिन यह न हो पाये तब 3 मास में मंगल शनि वर्जित वारों व रिक्ता, विष्टि, अमावस्य आदि अशुभ योग से भिन्न शुभ दिन में, अश्विनी, रोहिणी, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, अनुराधा, स्वाति, मूल श्रवणा, धनिष्ठा नक्षत्रों में प्रथम निष्क्रमण शुभ है।

तिथि - पञ्चमास में 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम-बुध-गुरु-शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, अनुराधा, स्वाति, मूल श्रवण, धनिष्ठा

त्याज्य - मंगल शनि वर्जित वारों व रिक्ता तिथि, अमावस्या., विष्टि, अशुभ योग

भूमि पर प्रथमोपवेशन मुहूर्त्त

जन्म से पञ्चम मास में रिक्ता, अमावस्य रहित तिथि, शुभवार, अश्विनी. रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य हस्त अनुराधा ज्येष्ठा अभिजित तीनों उत्तरा नक्षत्रों में स्थिर लग्न का विचार कर बालक की कमर में काला सूत्र बांधकर पृथ्वी और वराह का पूजन कर ''पृथ्वी'' पर बैठावें। इस समय बालक के सामने विविध वस्तुएं रखें आजीविका की जिस वस्तु को वह उठावे उसी से आजीविका समझनी चाहिये।

तिथि - पंचम मास में 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी. रोहिणी., मृगशिरा. पुष्य, हस्त, अनुराधा. ज्येष्ठा, तीनों उत्तरा

लग्न - 2, 5, 8, 11

अन्नप्राशन मुहूर्त

बालक के नामकरण, निष्क्रमण, भूमि उपवेशन के बाद 6,8,10,12वें मास में पुत्र को और 5,7,9 वें मास में कन्या को अन्नप्राशन करावें।

विशेष-उक्त मासों में भद्रा व्यतिपात दोष रहित 1,3,5,7,10,13,15 तिथियों में शुभवार अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त चित्रा स्वाति. अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, तीनों उत्तरा, रेवती नक्षत्रों में 1,3,4,5,7,9 स्थानों मे शुभ ग्रह हो जन्म लग्न या जन्मराशि से अष्टम लग्न या नवांश तथा 12,1,8 लग्न को त्यागकर पाप-शुद्ध दशम भाव इन सभी बातों का ध्यान कर अन्नप्राशन कराना श्रेष्ठ है।

मास - 6,8,10,12वें मास में पुत्र 5,7,9 वें मास मे कन्या

तिथि - 1,3,5,7,10,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र -- अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा तीनों उत्तरा, रेवती

लग्न - 1,3,4,5,6,7,9,10,11

त्याज्य - जन्म लग्न या जन्मराशि से अष्टम लग्न या नवांश तथा 12,1,8 लग्न, पाप-शुद्ध दशम भाव

कर्णवेध मुहूर्त

कर्ण वेध के महत्व के सन्दर्भ मे सुश्रुत ने कहा है कि कर्णवेध करने से अन्त्रवृद्धि, अण्डकोष वृद्धि आदि का निरोध होता है।

शंङ्खोपरि च कर्णान्ते त्यक्त्वा यत्नेन् सेवनीयम्।

व्यत्यासाद्वा शिरां विध्येद् अन्त्रवृद्धि निवृत्तये॥

समवर्ष, चैत्र, पौष, जन्ममास, देवशयन, जन्म नक्षत्र व तिथि, क्षयतिथि व रिक्ता को छोड़कर जन्म से 12वें या 16वें दिन अथवा 6, 7, 8वें मास में या विषम वर्षो में शुभवार, अश्विनि, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती नक्षत्रों में लग्न से अष्टम शुद्ध समय में वृष, तुला, धनु, मीन लग्न में तथा गुरु की लग्न में स्थिति होने पर कर्ण-वेध श्रेष्ठ होता है।

वर्षादि - विषम वर्ष, 6,7,8 वें मास, जन्म से 12वें या 16वें दिन

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती

लग्न - 2,7,9,12

त्याज्य - समवर्ष, चैत्र, पौष, जन्ममास, देवशयन, जन्म नक्षत्र व जन्म तिथि, क्षयतिथि व रिक्ता।

चूडाकर्म (मुण्डन) मुहूर्त्त

अपने कुल की परम्परा के अनुसार इष्टदेव या तीर्थ स्थान पर मुण्डन संस्कार और कर्ण वेध किया जा सकता है। यह चौलकर्म विषमवर्ष या उत्तरायण में 2,3,5,10,11,13 तिथियों, शुभवारों में अश्विनी, मृगशिरा, पुनवर्सु, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, ज्येष्ठा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती, नक्षत्रों मे करना श्रेष्ठ है। अष्टम भाव शुद्ध होना चाहिये। ज्येष्ठ, चैत्र मास मे न करें। बालक की माता को पांच मास की गर्भ स्थिति होने पर 5 वर्ष से न्यून अवस्था के शिशु का मुण्डन न करें।

सूनोर्मातरि गर्भिण्यां चूडाकर्म न कारयेत्।

पञ्चाव्दात्प्रागथेर्ध्व तु गर्भिण्यामपि कारयेत्॥

वर्षादि - विषमवर्ष या उत्तरायण

तिथि - 2,3,5,7,10,11,13

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, मृगशिरा, पुनवर्सु, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, ज्येष्ठा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती।

त्याज्य - लग्न से अष्टम ग्रह, ज्येष्ठ, चैत्र मास, समवर्ष, दक्षिणायन।

कन्या के नाक बिंधवाने का मुहूर्त्त

शुक्लपक्ष की रिक्ता व अमावस्या रहित तिथि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र अशुभ योग रहित प्रथम प्रहर, अश्वि. मृग. पुन. पुष्य, हस्त, चि., अनु., श्रव, धनि, रेव, तीनों उत्तरा, स्वाती, शत, इन नक्षत्रों में कन्या की नाक बींधना शुभ है।

पक्ष - शुक्लपक्ष

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

प्रहर - प्रथम

नक्षत्र - अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती, तीनों उत्तरा, स्वाती, शतभिषा

अक्षरारम्भ मुहूर्त

बालक को विद्यारम्भ से पूर्व अक्षरारम्भ का विचार होता है। सूर्य उत्तरायण हो जन्म से 5,7 वें वर्ष में 2, 3, 5, 6, 10, 11, 12 तिथि, शुभवार, अश्विनी, आर्द्रा, पुनवर्सु, पुष्य, हस्त, स्वाति, अनुराधा, श्रवण, रेवती इन नक्षत्रों में, चर लग्नों को छोड़कर, अन्य लग्नों में गणेश, विष्णु, सरस्वती, लक्ष्मी, तथा अपने देवताओं का पूजन कर अक्षरारम्भ करें।

अयन - उत्तरायण

वर्ष - 5, 7

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

तिथि - 2, 3, 5, 6, 10, 11, 12

लग्न - 1,3,5,6,8,9,11,12

नक्षत्र - अश्विनी, आर्द्रा, पुनवर्सु, पुष्य, हस्त, स्वाति, अनुराधा, श्रवण, रेवती

विद्यारम्भ मुहूर्त

अक्षरारम्भ के उपरान्त विशेष ज्ञान को बढाने वाली किसी भी भाषास्थ विद्या(विशेषतः संस्कृत भाषस्थ विद्या) का प्रारम्भ फाल्गुन मास छोड़कर उत्तरायण 2,3,5,6,10,11,12 तिथियों में, रवि, बुध,गुरु शुक्र वारों में और अश्विनी आश्लेषा, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, तीनों पूर्वा, रेवती इन नक्षत्रों में श्रेष्ठ हैं। अंग्रेजी, फारसी, उर्दू के विद्यारम्भ के लिये रवि, मंगल, शनिवार, रिक्ता तिथि, ज्येष्ठा. आश्लेषा, मघा, 3पूर्वा, भरणी, कृतिका., विशाखा, आर्द्रा, उत्तराषाढ़ा, शतभिषा, इन नक्षत्रों मे शुभ है।

अयन - उत्तरायण

तिथि - 2,3,5,6,10,11,12 तिथियों में

विद्यारम्भ त्याज्य - फाल्गुन मास रिक्ता, अमावस्या तिथियां

वार - रवि, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, आश्लेषा, आर्द्रा, पुनर्वसु, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, तीनों पूर्वा, रेवती

उपनयन मुहूर्त

उपनयनसंस्कार बालक के जन्म से या गर्भ से ब्राह्मण का 8 वें, क्षत्रिय का 11 वें, वैश्य का 12 वें वर्ष में करना श्रेयस्कर है। इस काल के व्यतीत हो जाने पर ब्राह्मण 16 वें वर्ष, क्षत्रिय 22 वें वर्ष वैश्य 24 वें वर्ष तक उपनयन संस्कार करा सकते हैं।-

विप्राणां व्रतबन्धनं निगवितं गर्भाज्जनेर्वाष्टमे।

वर्षे वाप्यथ पञ्चमे क्षितिभुजां षष्ठे तथैकावशे।

वैश्यानां पुनरष्टमेऽप्यथ पुनः स्याव् द्वावशे वत्सरे।

कालेऽथ द्विगुणे गते निगविते गौणं तवाहुर्बुधाः।।

बालक(बटुक) का गुरुबल तथा चन्द्रबल विचार करें। देवशयन से पूर्व तक उत्तरायण सूर्य मे, रवि, चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्रवारों में शुक्लपक्ष की 2,3,5,10,11,12 तथा कृष्णपक्ष की 2,3,5 तिथियों में अश्विनी, राहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, तीनों पूर्वा, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती इन नक्षत्रों के क्रूर तथा क्षेपरहित होने पर, पूर्वाह्न में, अभिजित मुहूर्त में, यज्ञोपवीत संस्कार करावें।

चैत्र व मीन के सूर्य में, वृष या कर्क के पूर्ण चन्द्रमा के लग्न में रहने पर विशेष श्रेष्ठतम होता है। सामवेदियों को मंगलवार भी श्रेष्ठ होता है। तथा भौम बल विचार भी आवश्यक होता है। उपनयन संस्कार में दक्षिणायन सूर्य, ज्ये. शुक्ल ६, तथा आषाढ़ शुक्ल 10, पौष शुक्ल 11, माघ शुक्ल 12, संक्रान्ति दिन, सोमवार,

रवि के 8, 12, 26 गतांश, लग्नेश और चन्द्र, शुक्र, गुरु की 6, 8,12 में स्थिति, 1,5,8 वें भावों में पापग्रह अशुभ हैं। अतः इन सब का परित्याग कर उपनयन संस्कार करें।

वर्ष - ब्राह्मण-(8या16),क्षत्रिय-(11या 22), वैश्य-(12या 24)

अयन - देवशयन से पूर्व तक उत्तरायण में।

वार - रवि, चन्द्र, बुध, गुरु एवं शुक्र

तिथि - शुक्लपक्ष की 2,3,5,10,11,12 तथा कृष्णपक्ष की 2,3,5

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा,, तीनों पूर्वा, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा

गुरु - 5,11,9,2,7 श्रेष्ठ, 10,6,3,1 पूज्य, 4,8,12 निन्दित

अन्य ग्राह्य पूर्वाह्न, अभिजित मुहूर्त(सामवेदियों का भौमबल व मंगलवार भी)

त्याज्य - गुरु शुक्र का बाल वृद्धास्त, दक्षिणायन, संक्रान्ति दिवस रोगबाण तथा लग्नेश ,चन्द्र, शुक्र, गुरु की 6, 8,12 में स्थिति, 1,5,8 वें भावों में पापग्रह अशुभ

विवाह संस्कार मुहूर्त्त

भारतीय मनीषियों नें मानव जीवन को चार आश्रमों में विभाजित किया है-ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और सन्यास इन चारों आश्रमों में गृहस्थाश्रम की मुख्याधारा विवाह है। यह संस्कार ही वस्तुतः धर्मार्थकाममोक्षस्वरूपी चतुर्वर्ग फलप्राप्ति का आधार है। इस संस्कार के उपरान्त ही मनुष्य सन्तानोत्पत्ति के साथ देव-ऋषि एवं पितृ ऋणों से मुक्ति प्राप्त करता है। अतः विवाह संस्कार के समय का निर्णय हमारे ऋषिमुनियों ने बड़ी सूक्ष्मता से किया है। धर्मशास्त्रों में अष्टविध विवाह में विशेषरूप से आज कल गन्धर्व विवाह पद्धति (जिसको प्रेम विवाह कहा जाता है) को अपनाया जा रहा है। "ब्राह्म विवाह" विधि मे मुख्य रूप से वर कन्या की गोत्रादि भिन्नता, मेलापक (नक्षत्र व मंगली आदि का मिलान), जाति का विचार किया जाता है।

स्त्री को मुख्य रूप से धर्म-अर्थ-काम की प्रदात्री मानकर तथा सन्तान सिद्धि का मुख्य साधन समझ कर विवाह के समय का विशेष विचार किया जाता है।

भार्या त्रिवर्गकरणं शुभशील युक्ता।

शीलं शुभं भवति लग्नवशेन तस्याः।

तस्माद्विवाहसमयः परिचिन्त्यते हि।

तन्निघ्नतामुपगताः सुतशीलधर्माः॥

इस विवाह संस्कार को ब्रह्मचर्य के पश्चात् पुरुष 25 वर्षोपरान्त विषम वर्षों में कन्या 16 वर्षों के अनन्तर समवर्षों में शुभ समय का विचार कर करें। विवाह से पूर्व उसके अंगभूत वरवरण व कन्यवरण का भी विचार कर लें। इन सब में नाम राशि तथा जन्मराशि में से जन्मराशि का ही ग्रहण करें, क्योंकि-

विवाहे सर्वमांगल्ये यात्रायां ग्रहगोचरे ।

जन्मराशेः प्रधानत्वं नामराशिं न चिन्तयेत्॥1॥

कुर्यात् षोडशकर्माणि जन्मराशौ बलान्विते।

सर्वाण्यन्यपि कर्माणि नामराशौ बलान्विते॥2॥

यदि जन्म की राशि अज्ञात हो तो नाम की राशि से मेलापकादि कार्य किये जा सकते है। परन्तु महत्व जन्मराशि का ही है।

जन्मलग्नमितमङ्गमङ्गिनां मेनिरे मन इतीन्दुमन्दिरम्।

सौहृदं हि मनसोर्न वेहयोः मेलकस्तवयमिन्दुगेहयोः।

किसी का मत है कि यदि प्रसिद्ध नामराशि से ही मेलापक करना हो तो एक बात का विशेष ध्यान रहे कि वर का प्रसिद्ध नाम, कन्या का जन्म नाम व कन्या का प्रसिद्ध नाम वर का जन्मनाम ऐसा विपरीत ग्रहण न करें। दोनों का जन्म नाम ही लें अथवा दोनों का प्रसिद्ध नाम ही लें। क्योंकि-

जन्मभं जन्मधिष्ण्येन नामधिष्ण्येन नामभम्।

व्यत्ययेन यदा योज्यं दम्पत्योर्निधनप्रदम्॥

वर-कन्या की जन्मपत्रिका में मेलापक विचार - वर-कन्या की कुन्डली में वर्ण, वश्य, तारा, योनि, ग्रहमैत्री, गणमैत्री, भकूट, तथा नाड़ी इन आठ बातों का विशेष रूप से विचार किया जाता है। वर्ण का 1, वश्य के 2, तारा के 3, योनि के 4, ग्रहमैत्री के 5, गणमैत्री के 6, भकूट के 7, तथा नाड़ी के 8 गुण उत्तरोत्तर ग्रहण किये जाते हैं। इस प्रकार इन सभी गुणों का योग 36 होता है। यथा-

वर्णो वश्यं तथा तारा योनिश्च ग्रह मैत्रकम्।

गणमैत्रं भकूटञ्च नाड़ी चेते गुणाधिका:॥

गुण संख्या ग्रहण करने का विचार - वर कन्या की कुन्डली का विचार करने पर 16 गुणों से कम गुण मिलने पर निन्द्य, 20 से कम मिलने पर मध्यम तथा 20 गुण से अधिक मिलने पर उत्तम कहा गया है।

गुणा: षोडशभि: न्यूना निन्द्या मध्यस्तु विंशति:।

श्रेष्ठास्त्रिंशद् गुणा: प्रोक्ता: परतस्तूत्तमोत्तमा:॥

दुष्ट भकूट, गणकूट का परिहार - यदि मिलान करने पर दुष्ट भकूट प्राप्त हो और वर कन्या के राशि के स्वामी एक हो अथवा राशि के स्वामियों में परस्पर मित्रता हो तथा नाड़ी नक्षत्र शुद्ध हों तो दुष्टभकूट का दोष नहीं होता तथा षडाष्टक से भिन्न राशियों में परस्पर राशियों के स्वामियों की शत्रुता में भी यदि राशि के नवांश के स्वामी बली और आपस मे मित्र हों और नाड़ी नक्षत्र शुद्ध हों तो दुष्टभकूट के दोषों का नाश करता है। तथा कन्या की तारा व नाड़ी नक्षत्र की परस्पर शुद्धि होने पर पुरुष राशि से स्त्री की राशि वश्य न होने पर भी दुष्ट-भकूट का परिहार हो जाता है।

प्रोक्ते दुष्टभकूटके परिणयस्त्वेकाधिपत्येशुभो-

ऽथोराशीश्वरसौहृदऽपि गदितो नाड्र्क्षशुद्धिर्यदि।

अन्यर्क्षेऽशपयोर्वलित्वसखिते नाड्र्क्षशुद्धौ तथा-

ताराशुद्धिवशेन राशिवशताभावे निरुक्तो बुधै:॥

इसी प्रकार वर-कन्या के राशि के स्वामियों तथा नवांश के स्वामियों की परस्पर मित्रता होने पर गणदोष का नाश करती है, तथा शुभ भकूट ग्रह शत्रुत्व के दोष को नष्ट कर देता है।

मैत्र्यां राशिस्वामिनोरंशनाथ-द्वन्द्वदस्याऽपि स्याद् गणानां न दोष:।

खेटारित्वं नाशयेत् सद् भकूटं खेटप्रीतिश्चाऽपिदुष्टं भकूटम्।

नाड़ी दोष तथा गणदोष का परिहार - वर-कन्या की राशि एक हो तथा नक्षत्र भिन्न हो अथवा नक्षत्र एक हो और राशि भिन्न हो तो नाड़ि दोष तथा गण दोष का नाश होता है। एक नक्षत्र होने पर भी चरण के भेद से उक्त दोष नही होता।

राश्यैक्ये चेद् भिन्नमृक्षं द्वयो: स्यान्। नक्षत्रैक्येराशियुग्मं तथैव।

नाड़ी दोषो नो गणानां च दोषो। नक्षत्रैक्ये पादभेदे शुभं स्यात्॥

एकराशौ पृथग् धिष्ण्ये पुंतारा प्रथमा भवेत्।

अतीवशोभना प्रोक्ता स्त्रीतारा चेत्वशोभना॥

वर-वरण मुहूर्त

विवाह संस्कार से पूर्व शुभलग्न, शुभवार, शुभतिथि, शुभ नवांश में कुयोग रहित दिन मे कृ, रो, 3 पूर्वा 3 उत्तरा इन नक्षत्रों में चन्द्र बल देखकर ब्राह्मण वा कन्या का सहोदर (भाई) वस्त्र, यज्ञोपवीत, द्रव्य, मिष्ठान्न, श्रीफल, ऋतुफल आदि सहित वर के गृह पर आकर वर को वरण करे अर्थात् तिलक लगावें।

कन्या-वरण मुहूर्त

वर की माता या स्वयं वर अथवा वर के कुलाचार के अनुसार अन्य कोई-अशुभ योग रहित शुभ दिन में कृत्तिका, 3पूर्वा, स्वाती, अनु., उ.षा., श्र. ध निष्ठा तथा विवाहोक्त नक्षत्रों, (रोहिणी, तीनों उत्तरा, रेवती, मूल, मृगशिरा, मघा, हस्त) में शुभ समय (लग्न) में वस्त्र भूषणादि सहित फलपुष्पादि से कन्या को वरण करें।

त्रिबल शुद्धि विचार

सूर्य, गुरु एवं चन्द्र शोधन का विचार त्रिबल शुद्धि कहलाता है। त्रिबल शुद्धि के अन्तर्गत वर की राशि से सूर्य व चन्द्र का विचार तथा कन्या की राशि से गुरु व चन्द्र का विचार करना चाहिये। मुहूर्तचिन्तामणि के अनुसार कन्या के जन्म से 6 वर्ष की आयु के बाद रजोदर्शन से पूर्व गुरु की शुद्धि तथा वर की राशि से सूर्य की शुद्धि से विषम वर्षों में एवं दोनों की राशि से चन्द्र शुद्धि अनिवार्य है।

स्त्रीणां गुरुबलं श्रेष्ठं पुरुषाणां रवेर्बलम्।

तयोश्चन्द्रबलं श्रेष्ठमिति गर्गेण निश्चितम्॥

फल	सूर्य (वर)	गुरु (कन्या)	चन्द्र (वर-कन्या)
श्रेष्ठ	3, 6, 10, 11	2, 5, 7, 9, 11	1, 2, 3, 5, 6 7, 9 10, 11
पूज्य	1, 2, 5, 7, 9	1, 3, 6, 10	0
नेष्ट	4, 8, 12	4, 8, 12	4, 8, 12

गोचरे वा विलग्ने वा ये ग्रहारिष्टसूचकाः।

पूजयेत्तान प्रयत्नेन पूजिता स्युः शुभप्रदाः॥

ज्येष्ठ विचार

ज्येष्ठ विचार के अन्तर्गत त्रि ज्येष्ठ (ज्येष्ठ वर, ज्येष्ठ कन्या व ज्येष्ठ मास) नेष्ट और द्वि ज्येष्ठ (वर, कन्या व मास में से कोइ भी दो) मध्यम होता है। मुहूर्तचिन्तामणि के अनुसार-

ज्येष्ठद्वन्द्वं मध्यमं सम्प्रदिष्टं त्रिज्येष्ठं चेन्नैव युक्तं कदापि।

केचित्सूर्यं वह्निगं प्रोज्झ्य चाऽऽहुर्नैवान्योऽन्यं ज्येष्ठयोः स्याद्विवाहः॥

वर-कन्या तेलबान-दिन संख्या

जन्म राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
तैल संख्या	7	10	5	10	5	7	7	5	5	5	5	7

विवाह लग्न शोधन

व्यये शनिः खेऽवनिजस्तृतीये भृगुस्तनौ चन्द्रखला न शस्ताः।

लग्नेट् कविग्लौश्च रिपौ मृतौ ग्लौर्लग्नेट् शुभाराश्च मदे च सर्वे॥

विवाह लग्न से 12वें शनि, 10वें भौम, 3रे शुक्र, लग्न में चन्द्र व पापग्रह (सू. भौ. श. रा. के.) शुभ नहीं होते हैं। 6वें स्थान पर लग्नेश, शुक्र और चन्द्र, 8वें स्थान में चन्द्र, भौम, लग्नेश व सभी शुभग्रह तथा सातवें स्थान पर सभी ग्रह त्याज्य हैं।

गोधूलि विचार - गोधूलि समय में यदि 6वें, 8वें व लग्न में चन्द्र हो तो कन्या के लिये अशुभ कारक तथा लग्न, 7वें एवं 8वें भाव में भौम हो तो वर के लिये अनिष्ट कारक होगा। गोधूलि वेला में यदि चन्द्र 2रे, 3रे और 11वें भाव में हो तो उपरोक्त दोनों दोषों का शमन कर शुभफल प्रदान करता है।

अस्तं याते गुरुदिवसे सौरे सार्के लग्नान्मृत्यौ रिपुभवने लग्ने चेन्दौ।

कन्यानाशस्तनुमदमृत्युस्थे भौमे वोढुर्लाभे धनसहजे चन्द्रे सौख्यम्॥

भाव	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
त्याज्य	पाप चन्द्र	0	शु.	रा.	0	चं. शु. लग्नेश	सभी	चं.,भौ. शुभग्रह लग्नेश	0	भौ.	0	श.
गोधू. त्याज्य	भौम चन्द्र	-	-	-	-	चन्द्र	भौम	चन्द्र भौम	-	-	-	-

वधू-प्रवेश मुहूर्त

विवाह संस्कार हो जाने के बाद प्रथम बार वधू का पतिगृह में प्रवेश वधू-प्रवेश कहलाता है। विवाह से 16 दिन के अन्दर बिना तिथ्यादि का विचार किये भी स्थिर लग्न मे वधू प्रवेश शुभ है। एक मास तक विषम दिनों में, एक वर्ष के भीतर विषम मास में और एक वर्ष के उपरान्त स्थिर लग्न में तीसरे पाञ्चवें वर्ष में भी शुभ हैं। इसके उपरान्त शुभ मुहूर्त (तिथ्यादि का) विचार कभी भी हो सकता है। वधू प्रवेश में रेवती, अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, श्रवण, धनिष्ठा, हस्त, चित्रा, स्वाति, भरणी, मघा, तीनों उत्तरा, पुष्य, अनुराधा इन नक्षत्रों में शुभ वारों में 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15 तिथियों में स्थिर लग्नों में चतुर्थाष्टम भाव शुद्ध होने पर शुभ होता है। व्यतिपात, क्षयतिथि, ग्रहण, वैधृति, अमावस्या, संक्रान्ति, रिक्ता तिथियों में वधू प्रवेश वर्जित है।

दिन - विवाह से 16 दिन के अन्दर अथवा 7,5,9 वें दिनों में।

मास एवं वर्ष - विषम मास, विषम वर्ष।

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

नक्षत्र - रेवती, अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, श्रवण, धनिष्ठा, हस्त, चित्रा, स्वाति, भरणी, मघा, तीनों उत्तरा, पुष्य, अनुराधा।

वार - चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र।

लग्न - स्थिर लग्नों में चतुर्थ एवं अष्टम भाव शुद्ध हो।

त्याज्य - व्यतिपात, क्षयतिथि, ग्रहण, वैधृति, अमावस्या, संक्रान्ति व रिक्ता तिथि।

वधूप्रवेशो न दिवा प्रशस्तः राजप्रवेशो न निशि प्रशस्तः।

दिवा च रात्रौ च गृहप्रवेशः सत्कीर्तिदः स्यात्त्रिविधः प्रवेशः॥

द्विरागमन-मुहूर्त

वधुप्रवेशोपरान्त द्वितीय बार पिता के घर से पतिगृह में प्रवेश द्विरागमन कहलाता है। यह 1,2,5 इन विषम वर्षों में 1,8,11 राशि के सूर्य में सूर्य गुरु की शुद्धि देखकर शुभ वार 1,2,3,6,7,12 लग्नों में हस्त, अश्विनी, रेवती, तीनों उत्तरा, रोहिणी, मृगशिरा, स्वाती, पुनर्वसु, पुष्य, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, मूल, चित्रा, अनुराधा नक्षत्रों में शुभ माना गया है।

वर्ष - विषम (5 वर्ष तक)

मास - 1 8 11 राशि के सूर्य में सूर्य गुरु की शुद्धि

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,15

वार - सोम, बुध, गुरु एवं शुक्र

लग्न - 1,2,3,6,7,12

नक्षत्र - हस्त, अश्विनी, रेवती, तीनों उत्तरा रोहिणी, मृगशिरा, स्वाती, पुनर्वसु, पुष्य, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, मूल, चित्रा, अनुराधा

त्याज्य - सम्मुख तथा दक्षिण शुक्र। (रेवती से मृगशिरा तक चन्द्र के रहने पर शुक्र शुभ हो जाता है। (सामान्य अवस्था में त्याज्य)

यात्रा मुहूर्त्त

शुभतिथि	शुक्लपक्ष 2, 3, 5, 7, 10, 11, 13, 15
	कृष्णपक्ष 1, 2, 3, 5, 7, 10, 11, 13
शुभवार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र श्रेष्ठ
शुभनक्षत्र	अश्वि., मृग., पुन., पुष्य, हस्त, अनु., श्रव., धनि., रेव.

यात्रा काल में सूर्य विचार

सूर्य स्थिति	यात्रा फल
मेष, सिंह, धनु	प्रशस्त
वृष, मिथुन, तुला, मकर कुम्भ मीन	मध्यम
कर्क, वृश्चिक, मीन	अधम

यात्रा काल में चन्द्रविचार

दिशा	चन्द्र की राशि में स्थिति
पूर्व	मेष, सिंह, धनु
दक्षिण	वृष, कन्या, मकर
पश्चिम	मिथुन, तुला, कुम्भ
उत्तर	कर्क, वृश्चिक, मीन

चन्द्र स्थिति वश फल

चन्द्र स्थिति	यात्रा फल
सम्मुख	अर्थलाभ
दक्षिण भाग	सुख-सम्पत्ति
पृष्ठ भाग	प्राण हानि
वाम भाग	धन नाश

यात्रा मे दिशाशूल विचार

दिशा	त्याज्य वार
पूर्व	शनि, चन्द्र
दक्षिण	गुरु
पश्चिम	शुक्र, रवि
उत्तर	बुध, मंगल

विशाशूल परिहार वाक्य

न वारतोषाः प्रभवन्ति रात्रौ तेवेज्यवैत्येज्यविचक्राणाम्।
तिवा शशांकार्कजभूसुतानां सर्वत्र निन्द्यो बुधवारतोषः॥
सूर्यवारे घृतं प्राश्य चन्द्रवारे पयस्तथा
गुडभंगारकेवारे बुधवारे तिलानपि।

गुरुवारे दधि प्राश्यं शुक्रवारे यवानपि

माषान्भुक्त्वा शनेवरि गच्छञ्छूले न दोषभाक्॥

गृह-निर्माण मुहूर्त

भूमि परीक्षण - इष्ट भूमि पर जहां मकान का निर्माण होना है एक हाथ गहरा एक हाथ लम्बा एक हाथ चौडा गढ्ढा बनावें। उसको पानी से पूर्ण कर दें। प्रातः वेला में उसे देखें। यदि जल युक्त पूर्ण हो तो शुभ निर्जल मध्यम तथा निर्जल छिन्न भिन्न हो तो अशुभ भूमि।

शुभ मास -वैशाख,श्रावण, मर्गशीर्ष, माघ फाल्गुन, एवं मेष, वृष कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, मकर, कुम्भ सूर्य रहते गृहाराम्भ शुभ तथा भाद्रपद-कार्तिक मास भी समान्यतया मान्य है।

शुभतिथि - 2, 3, 5, 6, 7, 10, 11, 12, 13, 15 तथा कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा।

शुभवार - चन्द्र,बुध,गुरु,शुक्र,शनि।

शुभनक्षत्र - राहि., मृग., चित्रा, हस्त, स्वा., अनु., उत्तरा 3, धनि, शत, रेवती तथा पुष्य।

शुभ लग्न -मेप मिथुन सिंह कन्या वृश्चिक कुम्भ मीन तथा लग्न बल हेतु केन्द्र त्रिकोण स्थानों में शुभ ग्रह तथा 3 6 11 में पाप ग्रह एवं अज्टम स्थान शुद्ध होने पर नवीन भवन निर्माण शुभद रहता है।

भूशयन गणना क्रम -सूर्य जिस नक्षत्र में रहें उससे 5, 7, 9, 12, 19, 26 इन दिन नक्षत्रों में पृथ्वी शयन शील रहती है। इन नक्षत्रों में भी क्रमशः 4, 8, 5, 3, 6, 7 घटी कालांश मात्र में भूशयन शेष घटियों में सुप्त नही इनमें कूप, तडाग, बीज वपन, हल चलाना, खननेज्ट है।

भूशयने मतान्तरम् - इष्ट सूर्य संक्रान्ति से 5, 7, 11, 9, 15, 20, 22 23, 28 इन दिनों में धरती शयन दोष कतिपय विद्वान 5, 7, 9, 15, 21, 24 दिन मात्र में ही भूशयन मानते है।

गृहारम्भे वृषभ वत्स गणना - सूर्य नक्षत्र से इष्ट दिन नक्षत्र गणना 7 तक अशुभ, तदग्रे 11 तक शुभ तदग्रे 10 गणना तक अशुभ, अभिजित सहित गणना करना चाहिएं।

भूमि क्रय विक्रय मुहूर्त्त - दानो पक्ष की 5, 6, 10, 11, 15 तथा कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा। गुरु तथा शुक्रवार एवं मृग., पुन., आश्ले., मघा, विशा., अनु., 3पूर्वा, मूल, रेव. आदि नक्षत्रो में भूमि खरीदना व बेचना शुभ फल देता है।

अग्निवास विशेषता - नित्य नैमित्तिक कार्य, जन्म समय, दुर्गा पूजा, यात्रा, विवाह, ग्रहणरोग, पीड़ा तथा दुर्भिक्ष शान्ति यज्ञ विवाह याज्ञोपवीत आदि में अग्निवास का विचार नहीं करें।

विवाहयात्राव्रतगोचरेषु चूड़ोपनीतिग्रहणे यंक्तगावौः।

वुर्गा विधाने च सुतप्रसूतौ नैवाग्निचक्रं परिचिंतनीयम्॥

नवीन गृह प्रवेश मुहूर्त्त

मास - वैशाख, ज्येष्ठ, माघ, फाल्गुन आदि चान्द्र मास विशेष शुभ तथा कार्तिक मार्गशीर्ष मास सामान्यतया मान्य हैं

तिथि - चतुर्थी, नवमी, चतुर्दशी रहित सभी तिथि मान्य

शुभ लग्न -वृष, सिंह, वृश्चिक, कुम्भ लग्नों में सामान्यतः 3 6 9 12 लग्नों में भी मान्यता। लग्न से 1, 2, 3, 4, 5, 7, 9, 10 इन स्थानों शुभ ग्रह तथा 3, 6, 11 भावों में पाप ग्रह रहे तथा चन्द्रमा 1, 4, 6, 8, 12 स्थानों में नहीं होवें तथा चतुर्थ अष्टम भाव शुद्ध हो। जन्म राशि से अष्टम राशि का लग्न न हो तथा कलश

चक्र की शुद्धि देखकर सन्मुख में गाय, कन्या , जलपूर्ण कलश पुज़्पमाला, श्रीफल सहित वेदध्वनि मार्गलिक गायन वाद्य के साथ नवगृह प्रवेश शुभ है।

शुभ वार - चन्द्र बुध, गुरु, शुक्र, शनि

शुभ नक्षत्र -रोहि., मृग., चि., अनु., उत्तरा 3 तथा रेवती विशेष शुभ एवं जीर्ण गृह में पुष्य स्वाति धनिष्ठा शतभिषा भी मान्य है।

कलशचक्र गणना - अभिजित नक्षत्र रहित करे सूर्य नक्षत्र से इष्ट दिन नक्षत्र गणना 5 तक अशुभ, अग्रिम 8 तक शुभ, तदग्रे 8 तक अशुभ एवं आगे 6 तक शुभ शुद्धि गणना समझे।

खात विचार

देवालय निर्माण में सूर्य राशि के अनुसार राहु मुख विचार				
सूर्य राशि	मेष, वृष,मिथुन	कर्क,सिंह,कन्या	तुला,वृश्चिक,धनु	मकर,कुम्भ,मीन
राहु मुख	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण	आग्नेय कोण
खात दिशा	आग्नेय कोण	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण
गृह निर्माण में सूर्य राशि के अनुसार राहु मुख विचार				
सूर्य राशि	सिंह,कन्या,तुला	वृश्चिक,धनु,मकर	कुम्भ,मीन,मेष	वृष,मिथुन,कर्क
राहु मुख	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण	आग्नेय कोण
खात दिशा	अग्नेय कोण	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण
जलाशय निर्माण में सूर्य राशि के अनुसार राहु मुख विचार				
सूर्य राशि	मकर,कुम्भ,मीन	मेष, वृष,मिथुन	कर्क,सिंह,कन्या	तुला,वृश्चि.,धनु
राहु मुख	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण	आग्नेय कोण
खात दिशा	अग्नेय कोण	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण

काकिणी विचार

स्ववर्गं द्विगुणं कृत्वा परवर्गेण योजयेत् अष्टभिः हरेद् भागं योऽधिकः स ऋणी भवेत्॥

गांव के नाम वर्ग संख्या एवं गृहस्वामी के नाम वर्ग की संख्या अलग-अलग दुगुना करके परस्पर एक दूसरे की वर्ग संख्या में जोड़कर आठ से भाग देनेपर शेष में जो भी अधिक हो उसे हानि होगी। तात्पर्य यह है कि गृहस्वामी की संख्या यदि स्थान के नाम की संख्या से अधिक है तो वहां निवास करने से उस व्यक्ति विशेष को हानि होगी। निम्नलिखित आधार पर वर्गों की संख्या एवं वर्णों को तथा सारणी द्वारा निवास के लिए शुभाशुभ फल को जानना चाहिए -

अवर्ग = 1 - सभी स्वर　　कवर्ग = 2 - क,ख,ग,घ,ङ　　चवर्ग = 3 - च,छ,ज,झ,ञ

टवर्ग = 4 - ट,ठ,ड,ढ,ण　　तवर्ग = 5 - त,थ,द,ध,न　　पवर्ग = 6 - प,फ,ब,भ,म

यवर्ग = 7 - य,र,ल,व　　शवर्ग = 8 - श,ष,स,ह

स्थान	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ
स्थान	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ
स्थान	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ
स्थान	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ
स्थान	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ
स्थान	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ
स्थान	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ
स्थान	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ

तिथि एवं वार के योग से बनने वाले विभिन्न शुभाशुभ योग

योग \ वार	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
सिद्धि योग	-	-	3, 8, 13	2, 7, 12	5, 10, 15	1, 6, 11	4, 9, 14
मृत्यु योग	1, 6, 11	2, 7, 12	1, 6, 11	3, 8, 13	4, 9, 14	2, 7, 12	5, 10, 15
विष योग	4	6	7	2	8	9	7
हुताशन योग	12	6	7	8	9	10	11
क्रकच योग	12	11	10	9	8	7	6

नक्षत्र एवं वार के योग से बनने वाले विभिन्न शुभाशुभ योग

योग \ वार	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
दग्ध योग	भरणी	चित्रा	उत्तराषाढ़ा	धनिष्ठा	उत्तराफाल्गुनी	ज्येष्ठा	रेवती
यमघंट योग	मघा	विशाखा	आर्द्रा	मूल	कृत्तिका	रोहिणी	हस्त
सर्वार्थसिद्धि योग	अश्वि. पुष्य हस्त मूल उत्तरा-3	श्रवण रोहिणी मृग. पुष्य अनुराधा	अश्वि. उ.भा. कृत्ति. आश्ले.	रोहिणी अनु. हस्त कृत्ति. मृग.	रेवती अनु. अश्वि. पुन. पुष्य	रेवती अनु. अश्वि. पुन. श्रवण	श्रवण रोहिणी स्वाती

नन्दा च भद्रा च जया च रिक्ता ....सितज्ञभौमार्किगुरौ च सिद्धाः । मु. चि., 1.4

नन्दा भद्रा नन्दिकाख्या .... रवेर्दग्धभं स्यात् । मु. चि., 1.5

षष्ठयादितिथियो ....रदधावने । मु. चि., 1.6

सूर्येश.................त्वश्यम् । मु. चि., 1.8,9

सूर्येऽर्कमूलोत्तरपुष्यदास्रं .... सर्वार्थसिद्ध्यै कथितानि पूर्वैः । मु. चि., 1.28,29

गण्डमूल नक्षत्र-घटी बोधक चक्र

अश्विनी, मघा, मूल की आरम्भिक 3, 4, 9 घटी एवं रेवती, आश्लेषा, ज्येष्ठा की अंतिम 12, 11, 6 घटी गण्डमूल संज्ञक होती हैं।

नक्षत्र	अश्विनी	मघा	मूल	रेवती	आश्लेषा	ज्येष्ठा
घटी	3	4	9	12	11	6
स्थिति	आरम्भिक	आरम्भिक	आरम्भिक	अंतिम	अंतिम	अंतिम

षोडश कक्ष व्यवस्था

पूर्व

ईशान | आग्नेय

मन्दिर	भण्डार कक्ष	स्नानगृह	दधिमन्थनकक्ष	रसोईघर
औषधि कक्ष				घी/तेल कक्ष
कोषागार				शयन कक्ष
रतिकक्ष				शौचालय
धान्य/पशुशाला	रोदन कक्ष	भोजनगृह	अध्ययनकक्ष	शस्त्र/भण्डार

उत्तर (left) | दक्षिण (right)

वायव्य | नैर्ऋत्य

पश्चिम

विंशोत्तरी महादशा एवं अन्तर्दशा बोधक चक्र

सूर्य 6 वर्ष कृ.,उ.फा.,उ.षा.				चन्द्र 10 वर्ष रोहि.,हस्त,श्रव.				मंगल 7 वर्ष मृग.,चित्रा,धनि.				राहु 18 वर्ष आ.,स्वा.,शत.				गुरु 16 वर्ष पुन.,विशा.,पू.भा.				शनि 19 वर्ष पुष्य,अनु.,उ.भा.				बुध 17 वर्ष आश्ले.,ज्ये.,रेव.				केतु 7 वर्ष मघा,मूल,अश्वि.				शुक्र 20 वर्ष पू.फा.,पू.षा.,भर.			
ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.
सू.	00	03	18	चं.	00	10	00	मं.	00	04	27	रा.	02	08	12	बृ.	02	01	18	श.	03	00	03	बु.	02	04	27	के.	00	04	27	शु.	03	04	00
चं.	00	06	00	मं.	00	07	00	रा.	01	00	18	बृ.	02	04	24	श.	02	06	12	बु.	02	08	09	के.	00	11	27	शु.	01	02	00	सू.	01	00	00
मं.	00	04	06	रा.	01	06	00	बृ.	00	11	06	श.	02	10	06	बु.	02	03	06	के.	01	01	09	शु.	02	10	00	सू.	00	04	06	चं.	01	08	00
रा.	00	10	24	बृ.	01	04	00	श.	01	01	09	बु.	02	06	18	के.	00	11	06	शु.	03	02	00	सू.	00	10	06	चं.	00	07	00	मं.	01	02	00
बृ.	00	09	18	श.	01	07	00	बु.	00	11	27	के.	01	00	18	शु.	02	08	00	सू.	00	11	12	चं.	01	05	00	मं.	00	04	27	रा.	03	00	00
श.	00	11	12	बु.	01	05	00	के.	00	04	27	शु.	03	00	00	सू.	00	09	18	चं.	01	07	00	मं.	00	11	27	रा.	01	00	18	बृ.	02	08	00
बु.	00	10	06	के.	00	07	00	शु.	01	02	00	सू.	00	10	24	चं.	01	04	00	मं.	01	01	09	रा.	02	06	18	बृ.	00	11	06	श.	03	02	00
के.	00	04	06	शु.	01	08	00	सू.	00	04	06	चं.	01	06	00	मं.	00	11	06	रा.	02	10	06	बृ.	02	03	06	श.	01	01	09	बु.	02	10	00
शु.	01	00	00	सू.	00	06	00	चं.	00	07	00	मं.	01	00	18	रा.	02	04	24	बृ.	02	06	12	श.	02	08	09	बु.	00	11	27	के.	01	02	00

योगिनी दशा एवं अन्तर्दशा बोधक चक्र

मंगला 1 वर्ष श्रव.,आर्द्रा चित्रा			पिंगला 2 वर्ष धनि.,पुन. स्वाती			धान्या 3 वर्ष शत.,पुष्य विशा.			भ्रामरी 4 वर्ष अश्वि.,आश्ले. अनु.,पू.भा.			भद्रिका 5 वर्ष भर.,मघा ज्ये.,उ.भा.			उल्का 6 वर्ष कृत्ति.,पू.फा. मूल,रेवती			सिद्धा 7 वर्ष रो.,उ.फा. पू.षा.			संकटा 8 वर्ष मृग.,हस्त उ.षा.		
यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.
मं.	00	10	पिं.	01	10	धा.	03	00	भ्रा.	05	10	भ.	08	10	उ.	12	00	सि.	16	10	सं.	21	10
पिं.	00	20	धा.	02	00	भ्रा.	04	00	भ.	06	20	उ.	10	00	सि.	14	00	सं.	18	20	मं.	02	20
धा.	01	00	भ्रा.	02	20	भ.	05	00	उ.	08	00	सि.	11	20	सं.	16	00	मं.	02	10	पिं.	05	10
भ्रा.	01	10	भ.	03	10	उ.	06	00	सि.	09	10	सं.	13	10	मं.	02	00	पिं.	04	20	धा.	08	00
भ.	01	20	उ.	04	00	सि.	07	00	सं.	10	20	मं.	01	20	पिं.	04	00	धा.	07	00	भ्रा.	10	20
उ.	02	00	सि.	04	20	सं.	08	00	मं.	01	10	पिं.	03	10	धा.	06	00	भ्रा.	09	10	भ.	13	10
सि.	02	10	सं.	05	10	मं.	01	00	पिं.	02	20	धा.	05	00	भ्रा.	08	00	भ.	11	20	उ.	16	00
सं.	02	20	मं.	00	20	पिं.	02	00	धा.	04	00	भ्रा.	06	20	भ.	10	00	उ.	14	00	सि.	18	20

नैसर्गिकमैत्री एवं उच्च नीच चक्र

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
मित्र	चं.,मं. गु.	सू.,बु.	सू.,चं. गु.	सू.,शु.	सू.,चं. मं.	बु.,श.	बु.,शु.
सम	बु.	मं.,गु. शु.,श.	शु.,श.	मं.,गु. श.	श.	मं.,गु.	गु.
शत्रु	शु.,श.		बु.	चं.	बु.,शु.	सू.,चं.	सू.,चं. मं.
उच्च	मे.10	वृष.03	म.28	कं.15	क.05	मी.27	तु.20
नीच	तु.10	वृ.03	क.28	मी.15	म.05	कं.27	मे.20

पुरुष कुण्डली में द्वादश भावों में स्थित ग्रह फल

भाव / ग्रह	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	अंगपीड़ा	धनहानि	आरोग्य	दुःख	सन्तानहानि	शत्रुक्षय	दुष्टपत्नी	अल्पायु	दुष्टबुद्धि	पराक्रमी	धनवान	दुष्टस्वभाव
चन्द्र	कान्तियुक्त	सम्पत्तियुक्त	कीर्तिवान्	सुखी	धन,पुत्रयुक्त	अल्पायु	सुशीलापत्नी	योगी	धर्मात्मा	तेजवान	धनवान	कामी
मंगल	रक्तविकार	ऋणी	पराक्रमी	दुःख	पुत्रहीन	शत्रुक्षय	स्त्रीक्षय	शरीरकष्ट	पापबुद्धि	तेजवान	धनवान	दुष्टपत्नी
बुध	सुखी	धन,गुणयुक्त	शत्रुक्षय	सुखी	अल्पपुत्र	रोगयुक्त	धर्मज्ञ	गुणवान	सुखी	कीर्तिमान	धनवान	दरिद्र
बृहस्पति	विद्वान	धनागम	पापरत	सुखी	प्रतापवान	कामी	सुशीलापत्नी	नीचस्वभाव	धर्मरत	सम्पत्तियुक्त	लाभ	दुष्ट
शुक्र	सुखी	धनयुक्त	पापरत	सुखी	बुद्धिमान	रोगयुक्त	कामी	नीचस्वभाव	तपस्वी	सम्पत्तियुक्त	सुमति	रोगी
शनि	दुःखी	धनहानी	पराक्रमी	दुःखी	पुत्रहीन	शत्रुक्षय	दुष्टपत्नी	नेत्रविकार	दुष्टबुद्धि	पराक्रमी	धनवान	दुःखी
राहु	रोगी	निर्धन	पराक्रमी	मातृकष्ट	दुर्बुद्धि	बलयुक्त	पत्नीकष्ट	रोगी	दीन	मानसम्मान	सुविख्यात	पतित
केतु	कामी	दुष्ट	पराक्रमी	दुःखी	मन्दबुद्धि	बलवान	पत्नीहानी	क्लेश	पापी	पिताकीहानी	धनवान	दुर्जन

स्त्री कुण्डली में द्वादश भावों में स्थित ग्रह फल

भाव / ग्रह	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	क्रोधी	दरिद्रा	सुपुत्रयुक्ता	पीड़ा	विपुत्रा	सुखिनी	दुःखकष्ट	वैधव्य	धर्मज्ञा	सुकर्मयुक्ता	लाभयुक्ता	रोगिणी
चन्द्र	अल्पायु	बहुधनयुक्ता	सुखिनी	सुभगा	सुपुत्रयुक्ता	रोगिणी	पतिप्रिया	रोगिणी	सुखिनी	धर्मज्ञा	गुणवती	हीनांगी
मंगल	वैधव्य	वन्ध्या	विसहजा	दुःखकष्ट	विपुत्रा	आरोग्या	वैधव्य	नेत्ररोग	दुःखी	कुपुत्रा	लाभयुक्ता	दुष्टा
बुध	सुभगा	धनयुक्ता	पुत्रवती	सुगृहा	बुद्धितेजयुक्ता	क्रोधी	पतिव्रता	कृतघ्ना	सुभोगा	सत्कर्मा	पतिव्रता	कृशांगी
बृहस्पति	सती	धनयुक्ता	सुसहजा	सुखी	गुणवती	विपत्ति	कीर्तियुक्ता	रोगिणी	पुत्रवती	साधवी	सुपुत्रा	सुव्यया
शुक्र	सुखी	सुभगा	धनवती	सुखी	पुत्रवती	दरिद्रा	पतिप्रिया	विसुखा	धर्मरता	धनवती	सुपुत्रा	सुव्यया
शनि	वन्ध्या	दुःखी	सुदक्षा	हृदयरोगी	विपुत्रा	गुणवती	वैधव्य	दुःखी	वन्ध्या	पापी	लाभयुक्ता	मुर्खा
राहु	अपुत्रा	दरिद्रा	धनयुक्ता	रोगकष्ट	विपुत्रा	धनयुक्ता	दुःखिता	वैधव्य	वन्ध्या	दुष्कर्मा	आरोग्या	दुष्टा
केतु	दुःखी	दुःखकष्ट	रोगयुक्ता	मातृहानि	अपुत्रा	धनयुक्ता	वैधव्य	दुःखी	शोकयुक्ता	पापरता	सुभगा	रोगयुक्ता

द्वादश भावों में स्थित गोचर ग्रह फल

ग्रह \ भाव	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	स्थानहानि	भय	धनलाभ	मानहानि	दीनता	विजय	यात्रा	कष्ट	पुण्यक्षय	सिद्धि	धनलाभ	धननाश
चन्द्र	अन्नलाभ	धननाश	सुख	रोग	कार्यहानि	धनलाभ	स्त्रीसुख	रोग	धर्मलाभ	सुख	धनलाभ	धननाश
मंगल	शत्रुभय	धननाश	धनलाभ	शत्रुभय	धननाश	धनलाभ	धननाश	शत्रुभय	शत्रुभय	शोक	धनलाभ	धननाश
बुध	बन्धन	धनलाभ	शत्रुभय	पशुलाभ	सुख	स्थानलाभ	कष्ट	धनलाभ	कष्ट	सुख	धनलाभ	धननाश
बृहस्पति	भय	धननाश	क्लेश	धननाश	सुख	शोक	राजसम्मान	पीड़ा	सुख	दीनता	धनलाभ	कष्ट
शुक्र	शत्रुक्षय	धनलाभ	सुख	धनलाभ	पुत्रलाभ	शत्रुभय	शोक	धनलाभ	वस्त्रलाभ	दुःख	धनलाभ	धननाश
शनि	भय	धननाश	ऐश्वर्य	शत्रुभय	पुत्रनाश	धनलाभ	दोष	पीड़ा	धर्मनाश	मनमुटाव	धनलाभ	धननाश
राहु	हानि	धननाश	धनलाभ	शत्रुता	शोक	धनप्राप्ति	क्लेश	मृत्यु	दुःख	शत्रुता	सुख	शोक
केतु	रोग	शत्रुता	सुख	भय	सुख	धनलाभ	क्लेश	रोग	पाप	शोक	कीर्ति	शत्रुभय

वर्ष कुण्डली में द्वादश भावों में स्थित ग्रह फल

ग्रह \ भाव	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	त्रिदोषपीड़ा	परिवारविरोध	भ्रातृकष्ट	कृषिपशुहानि	पित्तप्रकोप	शत्रुक्षय	पत्नीकष्ट	भ्रातृकष्ट	भ्रातृकष्ट	धन सम्मान	धनीविलासी	उद्विग्नता
चन्द्र	कफपीड़ा	कुटुम्ब प्रभाव	धनीभ्रातृसुख	व्यापारलाभ	प्रबुद्धमित्र	वादविवाद	खांसीवातरोग	मूत्ररोग	भाग्योदय	शत्रुक्षयधनी	व्यापारलाभ	नेत्ररोग
मंगल	नेत्ररोग	धनहानि	वाहनसुख	व्रण,अग्निभय	पुत्रकष्ट	शत्रुक्षय	स्त्रीरोग	शत्रुपीड़ा	भाग्ययशवृद्धि	धनलाभ	राज्यधनलाभ	व्यय,व्याधि
बुध	पत्नीसुख	वाहनसुख	धनयशपुत्रसुख	भूमिलाभ	धनपुत्रलाभ	पत्नीकष्ट	विलासी	ज्वर,कफ	पुत्र,धनलाभ	पुत्र,धनलाभ	धन,यशलाभ	शत्रुभय
बृहस्पति	यशस्वी	धनलाभ	कीर्तिलाभ	वाहनसुख	सन्तानसुख	पत्नी,शत्रुकष्ट	दाम्पत्यसुख	ज्वरपीड़ा	धनलाभ	राज्यलाभ	विजय	रोग,शत्रुभय
शुक्र	यशस्वी	धन,मानलाभ	भ्रातृसुख	वाहनकृषिसुख	सन्तानलाभ	उदरपीड़ा	पत्नीसुख	शरीरपीड़ा	धर्म,शील	व्यापारी,धनी	सन्तानलाभ	नेत्र,चर्मरोग
शनि	वातरोग	भ्रातृहानि	पराक्रमी	अग्निभय	पुत्रहानि	कीर्तिलाभ	पत्नीकष्ट	ज्वरपीड़ा	भाग्योदय	कृषिहानि	कीर्तिलाभ	विशेषव्यय
राहु	पत्नीकष्ट	बन्धुविवाद	धन,यशलाभ	वाहनकष्ट	बुद्धिनाश	शत्रुक्षय	गुप्तरोग	मृत्युतुल्यकष्ट	धर्मवृद्धि	यशवृद्धि	शत्रुक्षय	स्थानच्युत
केतु	चिंता,व्रण	परिवारकलह	यशलाभ	वाहनकष्ट	दुर्बुद्धि	रोगनाश	विवाद	अरिष्टप्राप्ति	भाग्यहानि	धनलाभ	विविधलाभ	दुष्टसंगति

शतपदचक्र

नक्षत्र	अश्वि ।।।।	भर. ।।।।	कृत्ति. ।।।।	रोहि. ।।।।	मृग. ।।।।	आर्द्रा ।।।।	पुन. ।।।।	पुष्य ।।।।	आश्ले ।।।।	मघा ।।।।	पू.फा. ।।।।	उ.फा. ।।।।	हस्त ।।।।	चित्रा ।।।।	स्वाती ।।।।	विशा. ।।।।	अनु. ।।।।	ज्येष्ठा ।।।।	मूल ।।।।	पूषा. ।।।।	उषा. ।।।।	श्रवण ।।।।	धनि. ।।।।	शत. ।।।।	पू.भा. ।।।।	उ.भा ।।।।	रेवती ।।।।
अक्षर	चू,चे चो,ला	ली,लू ले,लो	अ,इ उ,ए	ओ,वा वी,वू	वे,वो का,की	कू,घ ङ,छ	के,को ह,ही	हू,हे हो,डा	डी,डू डे,डो	मा,मी मू,मे	मो,टा टी,टू	टे,टो पा,पी	पू,ष ण,ठ	पे,पो रा,री	रू,रे रो,ता	ती,तू ते,तो	ना,नी नू,ने	नो,या यी,यू	ये,यो भा,भी	भू,ध फ,ढ़	भे,भो जा,जी	खी,खू खे,खो	गा,गी गू,गे	गो,सा सी,सू	से,सो दा,दी	दू,थ झ,ञ	दे,दो च,ची
राशि	मेष	मेष	मेष। वृष।।।	वृष	वृष॥ मि.॥	मि.	मि.।।। कर्क।	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह। क.।।।	कन्या	क.॥ तुला॥	तुला	तु.।।। वृ.।	वृश्चि.	वृश्चि.	धनु	धनु	धनु। म.।।।	मकर	म.॥ कुं.॥	कुम्भ	कुं.।।। मीन।	मीन	मीन
स्वामी	मंगल	मंगल	मंगल। शुक्र।।।	शुक्र	शुक्र॥ बुध॥	बुध	बुध।।। चन्द्र।	चन्द्र	चन्द्र	सूर्य	सूर्य	सूर्य। बुध।।।	बुध	बुध॥ शुक्र॥	शुक्र	शुक्र।।। मंगल।	मंगल	मंगल	गुरु	गुरु	गुरु। म.।।।	शनि	शनि॥ शनि॥	शनि	शनि।।। गुरु।	गुरु	गुरु
वर्ण	क्ष.	क्ष.	क्ष.। वै.।।।	वै.	वै.॥ शूद्र॥	शूद्र	शूद्र।।। ब्रा.।	ब्रा.	ब्रा.	क्ष.	क्ष.	क्ष.। वै.।।।	वै.	वै.॥ शूद्र॥	शूद्र	शूद्र।।। ब्रा.।	ब्रा.	ब्रा.	क्ष.	क्ष.	क्ष.। वै.।।।	वै.	वै.॥ शूद्र॥	शूद्र	शूद्र।।। ब्रा.।	ब्रा.	ब्रा.
वश्य	चतु.	चतु.	चतु.। चतु.।।।	चतु.	चतु.॥ मनु.॥	मनु.	मनु.।।। जल.।	जल.	जल.	चतु.	चतु.	चतु.। मनु.।।।	मनु.	मनु.॥ मनु.॥	मनु.	मनु.।।। कीट।	कीट	कीट	मनु.	मनु०.५ चतु३.५	चतु.	चतु१.५ जल२.५	जल.॥ मनु.॥	मनु.	मनु.।।। जल.।	जल.	जल.
योनी	अश्व	गज	मेष	सर्प	सर्प	श्वान	मार्जार	मेष	मार्जार	मूषक	मुषक	गौ	महिष	व्याघ्र	महिष	व्याघ्र	मृग	मृग	श्वान	वानर	नकुल	वानर	सिंह	अश्व	सिंह	गौ	गज
गण	देव	मनुष्य	राक्षस	मनुष्य	देव	मनुष्य	देव	देव	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव	राक्षस	देव	राक्षस	देव	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव
नाड़ी	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य

मेलापक विमर्श

वर्ण विचार (1)

कन्या \ वर	विप्र	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र
विप्र	1	0	0	0
क्षत्रिय	1	1	0	0
वैश्य	1	1	1	0
शूद्र	1	1	1	1

वश्य विचार (2)

कन्या \ वर	चतु.	मानव	जल.	वन.	कीट
चतु.	2	1	1	0	1
मानव	1	2	0.5	0	1
जल.	1	0.5	2	1	1
वन.	0	0	1	2	0
कीट	1	1	1	0	2

तारा विचार (3)

कन्या \ वर	1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
2	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
3	1.5	1.5	0	1.5	0	1.5	0	1.5	1.5
4	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
5	1.5	1.5	0	1.5	0	1.5	0	1.5	1.5
6	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
7	1.5	1.5	0	1.5	3	1.5	0	1.5	1.5
8	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
9	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3

गण विचार (6)

क \ व	देव	मानव	राक्षस
देव	6	5	0
मानव	5	6	0
राक्षस	0	0	6

नाड़ी विचार (8)

क \ व	आद्य	मध्य	अन्त्य
आद्य	0	8	8
मध्य	8	0	8
अन्त्य	8	8	0

योनी विचार (4)

क \ व	अ.	ग.	मे.	स.	श्वा	मा.	मू.	गौ	म.	व्या	मृ.	वा.	न.	सि.
अ.	4	2	3	2	2	3	3	3	1	1	3	2	2	1
ग.	2	4	3	2	2	3	3	3	3	2	2	2	2	0
मे.	3	3	4	3	2	3	3	3	3	1	3	0	3	0
स.	2	2	3	4	2	2	1	1	2	2	2	2	2	0
श्वा	2	2	2	2	4	1	1	2	2	1	0	2	2	1
मा.	2	2	3	2	1	4	0	2	2	1	2	2	2	2
मू.	2	2	2	1	1	0	4	2	2	2	2	2	2	1
गौ	3	2	3	2	2	2	2	4	3	0	3	2	3	1
म.	1	3	3	2	2	2	2	3	4	1	2	2	2	3
व्या	1	2	1	2	1	1	2	0	1	4	2	1	2	2
मृ.	3	2	3	2	0	2	2	3	2	1	4	2	2	3
वा.	2	3	0	2	2	2	2	2	2	1	2	4	2	3
न.	2	2	3	0	2	2	2	3	2	2	2	4	4	2
सि.	1	0	1	2	1	2	2	2	3	2	2	2	2	4

ग्रहमैत्री विचार (5)

कन्या \ वर	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	5	5	5	4	5	0	0
चन्द्र	5	5	4	1	4	0.5	0.5
भौम	5	4	5	0.5	5	3	0.5
बुध	4	1	0.5	5	0.5	5	4
गुरु	5	4	5	0.5	5	0.5	3
शुक्र	0	0.5	3	5	0.5	5	5
शनि	0	0.5	0.5	4	3	5	5

भकूट विचार (7)

क \ व	मेष	वृष	मि.	क.	सिंह	कं.	तु.	वृ.	धनु	म.	कुं.	मीन
मेष	7	0	7	7	0	0	7	0	0	7	7	7
वृष	0	7	0	7	7	7	0	7	0	0	7	7
मि.	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0	0	7
कर्क	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0	0
सिंह	0	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0
कं.	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7
तु.	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0
वृ.	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0
धनु	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7
म.	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7
कुं.	7	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0
मीन	0	7	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7

मेलापक सारणी (खण्ड - 1)

कन्या \ वर		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
		अश्वि. 4	भर. 4	कृत्ति. 1	कृत्ति. 3	रोहि. 4	मृग. 2	मृग. 2	आर्द्रा 4	पुन. 3	पुन. 1	पुष्य 4	आश्ले. 4	मघा 4	पू.फा. 4	उ.फा. 1	उ.फा. 3	हस्त 4	चित्रा 2
मेष	अश्वि. 4	28 8	33	28-5 3	18-5 173	21-5 173	22-5 173	26 135	17 1835	19 1835	23-5 83	31.5 3	28 6	21 276	25 27	15-5 2783	11 27835	9 134578	13 2735
	भर. 4	34	28 8	29 6	19 167	21.5 163	14.5 1738	18 8135	26 135	27 135	31.5 3	23.5 83	25.5 63	20 672	18 278	26 27	21.5 175	20 1753	4 176835
	कृत्ति. 1	27.5 63	29 6	28 8	18 178	10 6187	16.5 6173	20 613	20 613	21 6135	25.5 63	26.5 63	23.5 83	16.5 2783	20 627	20 627	15.5 627	15.5 627	18 173
वृष	कृत्ति. 3	18.5 673	20 67	19 78	28 8	20 68	26.5 63	17.5 6173	17.5 6173	18.5 6173	22 635	23 635	20 835	18.5 8235	22 256	22 256	21 67	21 67	23.5 73
	रोहि. 4	23.5 73	23.5 73	11 678	20 68	28 8	36	27.5 17	23.5 173	22.5 1734	26 345	27 35	12 68354	10.5 234568	24.5 2345	27 52	26 7	26 7	20 67
	मृग. 2	23.5 73	14.5 783	18.5 673	27.5 36	35	28 8	19 178	24 17	22.5 1347	26 345	19 358	21 3546	19.5 65234	15.5 52834	24.5 257	23.5 73	26 7	13 786
मिथुन	मृग. 2	27 35	18 358	22 356	19.5 763	27 7	20 78	28 8	33	31.5 34	19 72345	12 87235	14 723465	23.5 2346	19.5 2834	28.5 23	31.5 3	34	21 86
	आर्द्रा 4	19 358	27 35	21 356	18.5 673	24.5 73	26 7	34	28 8	25 84	12.5 68345	20 7235	13 765234	23.5 632	29.5 23	21.5 238	24.5 38	24.5 38	27 46
	पुन. 3	20 358	27 35	23 35	20.5 763	22.5 37	23.5 347	31.5 34	24 84	28 8	15.5 2578	22.5 257	17 23567	22.5 4236	26.5 423	21.5 823	24.5 38	25.5 38	27.5 36
कर्क	पुन. 1	22.5 138	29.5 13	25.5 136	22 1356	24 1345	25 1345	18 172345	10.5 124578	14.5 13578	28 8	35	29.5 36	16.5 13467	20.5 1347	15.5 1378	18 3578	19 12358	21 16235
	पुष्य 4	30.5 13	21.5 138	26.5 136	23 1356	25 135	18 1358	11 123578	18 12357	21.5 1257	35	28 8	30 6	19.5 1367	15.5 1378	23.5 137	26 1235	27 1235	12 1234568
	आश्ले. 4	26 16	24.5 136	22.5 138	19 1358	11 134568	19 13456	12 1234567	12 123567	15 123567	28.5 63	29 6	28 8	15 1478	15.5 13467	18.5 2367	21 12356	21 12356	26 1235
सिंह	मघा 4	20 267	20 267	16.5 2783	17.5 12583	9.5 1236584	17.5 123564	21.5 12364	22.5 1236	20.5 12643	16.5 6743	19.5 673	16 874	28 8	30 6	27.5 63	16.5 21673	16.5 21673	21.5 1273
	पू.फा. 4	26 27	18 278	20 267	21 1256	23.5 12534	15.5 218534	19.5 21834	28.5 213	26.6 2134	22.5 473	17.5 783	16.5 6743	30 6	28 8	35	24 217	22.5 2173	7.5 213687
	उ.फा. 1	16.5 2738	26 27	20 267	21 2165	26 215	24.5 2153	28.5 213	20.5 2138	21.5 2138	17.5 783	25.5 73	19.5 673	27.5 36	35	28 8	17 2178	16 2178	13.5 214367
कन्या	उ.फा. 3	13 7835	22.5 75	16.5 675	21 67	26 7	24.5 73	31.5 13	23.5 138	24.5 813	20 8235	28 235	22 6235	17.5 6273	25 72	18 278	28 8	27 8	24.5 463
	हस्त 4	10 47835	20 735	17.5 752	22 76	25 7	26 7	33 1	22.5 318	24.5 138	20 8235	28 235	23 2356	18.5 2736	22.5 273	16 278	26 8	28 8	28 46
	चित्रा 2	13 36745	5 378645	19 7345	23.5 734	20 67	12 678	19 618	26 164	25.5 136	21 6234	12 682345	27 235	22.5 273	8.5 62783	14.5 24673	24.5 643	27 64	28 8

1-वर्ण / 2- वश्य / 3-तारा / 4-योनी / 5-राशीश / 6-गण / 7-भकूट / 8-नाड़ी

मेलापक सारणी (खण्ड - 2)

कन्या \ वर		तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
		चित्रा 2	स्वाती 4	विशा. 3	विशा. 1	अनु. 4	ज्येष्ठा 4	मूल 4	पूषा. 4	उषा. 1	उषा. 3	श्रवण 4	धनि. 2	धनि. 2	शत. 4	पू.भा. 3	पू.भा. 1	उ.भा 4	रेवती 4
मेष	अश्वि. 4	22.5 1436	26.5 134	22.5 3146	18.5 6734	25.5 73	14 786	13.5 768	25 7	23.5 73	25 135	26 135	20 13456	20 13456	15 18356	16 18345	14.5 8734	24.5 73	26 7
	भर. 4	13.5 16834	29.5 13	21.5 6134	17.5 6734	17.5 873	19.5 673	20 67	18 87	26 7	27.5 15	26 135	10 146835	10 146835	20 6135	24 1435	22.5 374	17.5 873	26.5 73
	कृत्ति. 1	27.5 134	15.5 1683	19.5 1834	15.5 7834	19.5 673	25.5 73	24.5 73	18 674	12 678	13.5 1685	11.5 14568	25 1345	25 1345	27 135	19 16345	17.5 6734	19.5 673	11.5 6738
वृष	कृत्ति. 3	22.5 1734	10.5 61783	14.5 17384	20.5 834	24.5 63	30.5 3	20 735	13.5 4675	7.5 6785	12 678	10 4678	23.5 734	29.5 134	31.5 13	23.5 6134	20 6345	22 635	14 6835
	रोहि. 4	19 761	15.5 1783	9.5 31687	15.5 683	29.5 3	23.5 63	14 6735	19 5734	11.5 4785	16 748	17 874	20 67	26.5 61	24.5 613	30.5 13	27 35	27 35	19 583
	मृग. 2	12 7186	25 17	18.5 1736	24.5 36	21.5 83	24.5 36	15 7356	10 87345	17 4735	21.5 743	25 74	13 876	19 168	27 16	29.5 13	26 35	18 835	27 35
मिथुन	मृग. 2	14 876	27 7	20.5 736	14 72356	11 72835	14 72356	23 356	18 8345	25 435	20 7423	23.5 724	11.5 8726	13 876	21 76	23.5 73	25.5 325	17.5 8235	26.5 235
	आर्द्रा 4	20 674	27 7	20 674	13.5 56274	17 37245	3 4362785	16 6835	28 35	28 35	23 723	23 723	17.5 6724	19 674	12 768	17 874	19 8524	26.5 235	26.5 235
	पुन. 3	20.5 736	28 7	22 76	15.5 2756	21.5 275	7 562783	14 45386	27 35	27 35	22 237	23 237	17 23746	18.5 7634	14 876	16 874	18 5842	28 52	27.5 235
कर्क	पुन. 1	20.5 1356	28 251	22 2516	20 67	26 7	11.5 3678	8 2317684	21 1723	21 1723	26 135	27 135	21 16345	12.5 1723465	8 172865	10 175824	16 874	20 7	25.5 73
	पुष्य 4	11.5 6812345	26.5 1235	21 51624	19 746	18 78	21 76	17 61723	11 417382	21 1723	26 135	25 1435	13 618345	4.5 7164283	14.5 5123567	18 12745	24 74	18 87	27 7
	आश्ले. 4	25.5 1235	12.5 612358	17.5 81235	15.5 873	20 67	26 7	22.5 1724	16 61273	8 612783	13 61583	13 16385	26 1345	17.5 172345	19.5 17235	11.5 6172345	17.5 6734	21 67	13 678
सिंह	मघा 4	24.5 2135	11.5 123568	16.5 12358	22.5 823	25.5 623	33 2	25 72	19 627	8.5 267834	3.5 1534678	4.5 153678	18.5 1537	24.5 1235	25.5 1235	18.5 12563	18.5 673	19.5 673	13 678
	पू.फा. 4	10.5 213568	25.5 1235	18.5 12563	24.5 623	23.5 823	25.5 623	19 627	17 728	24 728	17 1574	18.5 137	4.5 153678	10.5 123568	19.5 12563	24.5 1253	24.5 73	17.5 873	25.5 73
	उ.फा. 1	16.5 123468	25.5 1235	16.5 124635	22.5 4263	31.5 23	17.5 6238	9.5 62873	25 72	25 72	20 157	20 157	11.5 153674	17.5 123564	11.5 123685	15.5 123854	15.5 8734	26.5 73	25.5 73
कन्या	उ.फा. 3	16.5 61473	25.5 173	16.5 61473	18 42365	27 235	13 62385	14 6835	29.5 5	29.5 5	24.5 72	24.5 72	16 67234	16.5 61734	10.5 61873	14.5 17834	17.5 38245	28.5 235	27.5 235
	हस्त 4	20 1746	26.5 173	18.5 17346	20 26345	26 235	13 82356	15 8356	27 35	28.5 5	23.5 72	24.5 72	18.5 7624	19 1736	8.5 147836	13.5 17835	16.5 28345	26.5 235	27.5 235
	चित्रा 2	20 178	19 6174	26.5 173	28 235	11 628345	25 2345	27 345	14 6835	22 635	17 673	18.5 672	15.5 7284	16 1478	24 174	16.5 61374	19.5 62345	10.5 642835	19.5 26345

1-वर्ण / 2- वश्य / 3-तारा / 4-योनी / 5-राशीश / 6-गण / 7-भकूट / 8-नाड़ी

मेलापक सारणी (खण्ड - 3)

कन्या \ वर		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
		अश्वि. 4	भर. 4	कृत्ति. 1	कृत्ति. 3	रोहि. 4	मृग. 2	मृग. 2	आर्द्रा 4	पुन. 3	पुन. 1	पुष्य 4	आश्ले. 4	मघा 4	पू.फा. 4	उ.फा. 1	उ.फा. 3	हस्त 4	चित्रा 2
तुला	चित्रा 2	22.5 634	14.5 3468	28.5 34	23.5 734	20 67	12 678	13 678	21 67	19.5 673	20.5 6523	11.5 684253	26.5 235	25.5 235	11.5 25683	17.5 24635	17.5 4673	20 674	21 78
	स्वाती 4	27.5 43	29.5 3	17.5 38	12.5 783	15.5 783	26 7	27 7	26 7	28 7	29 25	27.5 235	14.5 8235	13.5 2368	25.5 235	25.5 235	25.5 73	27.5 73	21 746
	विशा. 3	22.5 346	22.5 346	20.5 348	15.5 3784	10.5 6738	18.5 673	19.5 673	20 674	21 67	22 625	21 635	18.5 8235	17.5 2538	19.5 2536	17.5 24536	17.5 4673	18.5 6734	27.5 73
वृश्चिक	विशा. 1	16.5 61743	16.5 16743	14.5 17843	19.5 1843	14.5 1683	22.5 163	12 125673	12.5 124675	13.5 12675	19 67	18 674	15.5 783	21.5 1283	23.5 1263	21.5 12643	17 312645	18 126345	27 1235
	अनु. 4	24.5 713	15.5 1783	19.5 1763	24.5 136	27.5 13	20.5 183	10 123875	15.5 312574	20.5 1275	26 7	18 78	21 76	24.5 1236	20.5 1238	29.5 123	25 1235	26 123	11 125834
	ज्येष्ठा 4	12 1678	18.5 1637	24.5 173	29.5 13	22.5 163	22.5 163	12 312675	2 3214678	5 53125678	10.5 3678	20 67	26 7	31 21	23.5 1263	16.5 31268	12 312685	12 312685	24 12345
धनु	मूल 4	12 678	20 67	24.5 73	19 1753	13 16375	13 51637	21 1635	15 16835	12 516384	8 467283	17 6723	23.5 724	25 27	19 267	9.5 32678	13 35168	13 35168	26 5134
	पूषा. 4	26 7	18 78	18 674	12.5 14675	18 17345	10 517348	18 18345	27 135	27 135	23 723	13 47823	17 6723	19 267	17 278	25 27	28.5 15	27 135	13 31685
	उषा. 1	24.5 37	26 7	12 678	6.5 51478	10.5 14578	17 14375	25 1435	27 135	27 135	23 723	23 723	9 67283	8.5 362478	24 274	25 27	28.5 15	28.5 15	21 6135
मकर	उषा. 3	27 35	28.5 5	14.5 685	12 678	16 784	22.5 473	20 1437	22 173	22 1723	28 35	28 35	14 6835	4.5 345678	20 574	21 57	24.5 73	24.5 27	17 6723
	श्रवण 4	27 35	26 35	13.5 485	11 4768	16 784	25 74	22.5 1724	21 1723	22 1723	28 3	26 435	15 835	6.5 36578	18.5 573	20 75	23.5 72	24.5 72	19.5 72
	धनि. 2	20 6345	11 46835	26 345	23.5 734	20 67	12 678	9.5 21678	16.5 24167	16 26137	22 635	13 56834	28 35	19.5 573	5.5 36578	12.5 34567	16 67234	17.5 672	15.5 7824
कुम्भ	धनि. 2	20 6345	11 46385	26 345	30.5 34	27 6	19 68	12 678	19 674	18.5 673	13.5 67235	4.5 3456782	19.5 7235	25.5 235	11.5 23568	18.5 25634	17.5 6734	19 674	17 478
	शत. 4	15 6835	21 635	28 35	32.5 3	25.5 63	27 6	20 67	12 678	13 678	8 67285	14.5 67235	20.5 2735	26.5 253	20.5 2563	12.5 25368	11.5 3687	8.5 34687	25 74
	पू.भा. 3	18 8345	25 435	20 6534	24.5 634	31.5 3	31.5 3	24.5 73	17 784	18 78	13 782	20 7524	13.5 67235	19.5 2536	25.5 253	16.5 25483	15.5 783	15.5 7834	17.5 6734
मीन	पू.भा. 1	14.5 17384	21.5 1437	16.5 61374	19 61345	26 135	26 135	25.5 1235	18 18245	19 8125	18 87	25 74	18.5 673	17.5 1637	23.5 173	14.5 17384	16.5 518234	16.5 518234	18.5 516234
	उ.भा. 4	24.5 173	16.5 1738	18.5 6137	21 6135	26 135	18 8135	17.5 81235	25.5 1523	28 125	27 7	19 78	21 67	18.5 6137	16.5 178	25.5 173	27.5 1235	26.5 1235	9.5 1352468
	रेवती 4	25 17	24.5 173	11.5 36178	14 61835	17 2835	26 135	25.5 1352	24.5 5123	26.5 5123	25.5 73	27 7	14 786	13 1768	23.5 173	23.5 173	25.5 1523	26.5 1523	19.5 145236

1-वर्ण / 2- वश्य / 3-तारा / 4-योनी / 5-राशीश / 6-गण / 7-भकूट / 8-नाड़ी

मेलापक सारणी (खण्ड - 4)

कन्या \ वर		तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
		चित्रा 2	स्वाती 4	विशा. 3	विशा. 1	अनु. 4	ज्येष्ठा 4	मूल 4	पूषा. 4	उषा. 1	उषा. 3	श्रवण 4	धनि. 2	धनि. 2	शत. 4	पू.भा. 3	पू.भा. 1	उ.भा 4	रेवती 4
तुला	चित्रा 2	28 8	27 64	34.5 3	23.5 723	6.5 462387	20.5 7234	27 345	14 6735	22 635	25 632	26.5 62	23.5 824	18 874	26 74	18.5 6734	12.5 672345	3.5 2346785	12.5 456723
	स्वाती 4	28 46	28 8	20 846	9 72486	21.5 723	16.5 7236	23 356	27 356	19 385	22 823	23 823	26.5 246	21 467	20 647	25 47	19 2745	19.5 2375	12.5 23785
	विशा. 3	34.5 3	19 684	28 8	17 728	16 6274	20.5 7234	27 345	22 635	14 6358	17 6823	17 6823	30 234	24.5 734	26 74	20 674	14 67245	13 64735	4.5 5728345
वृश्चिक	विशा. 1	22.5 1273	7 126874	16 1287	28 8	27 64	31.5 34	21.5 12347	16.5 12673	8.5 126873	12 61835	12 61835	25 1345	24 12345	25.5 1245	19.5 12645	19 674	18 647	9.5 67834
	अनु. 4	6.5 1234678	21.5 1273	16 12746	28 46	28 8	31 6	15.5 123467	13.5 31287	21.5 1237	25 135	26 135	12 341856	11 3412856	21 12356	24.5 1245	24 74	18 87	27 7
	ज्येष्ठा 4	19.5 12734	15.5 31267	19.5 12734	31.5 34	30 6	28 8	14 12874	16.5 12367	16.5 12367	20 6235	20 6135	25 1345	24 12345	18 12853	10 3124685	9.5 67384	21 67	21 67
धनु	मूल 4	26 3145	21 6135	26 3145	22.5 7234	15.5 62734	15 4287	28 8	28 6	26.5 63	15 61723	15 61723	20 17234	28.5 124	21.5 183	14.5 68134	16 68234	25 623	26 72
	पूषा. 4	13 61385	27 135	21 6135	17.5 6273	15.5 7283	17.5 6273	28 6	28 8	34	22.5 172	23 1723	6 6172834	14.5 61384	23.5 613	28.5 134	30 234	23 823	31 23
	उषा. 1	21 6135	19 8135	13 61835	9.5 62783	23.5 723	17.5 6273	26.5 63	34	28 8	16.5 1728	14.5 1728	15 61273	23.5 613	23.5 613	29.5 13	31 23	31 23	23 823
मकर	उषा. 3	24 613	22 8123	16 6183	13 6835	27 35	21 635	16 6723	23.5 72	17.5 872	28 8	26 8	26.5 63	17 62713	17 62713	23 1723	30.5 3	30.5 3	22.5 83
	श्रवण 4	26.5 126	22 8123	17 81623	14 835	27 35	22 35	17 7236	23 723	14.5 872	25 8	28 8	28 46	18.5 17246	18 17235	21 17234	28.5 34	29.5 3	22.5 83
	धनि. 2	22.5 8124	24.5 6124	29 1234	26 345	12 68345	26 345	21 7234	7 674283	16 6723	26.5 63	27 64	28 8	18.5 1782	23.5 1724	19 61237	26.5 63	15.5 6834	22.5 643
कुम्भ	धनि. 2	18 874	20 674	24.5 734	25 3245	11 624385	25 3245	29 34	15.5 6384	24.5 36	18 6723	18.5 6724	19.5 728	28 8	33 4	28.5 63	18 6723	7 367284	14 64273
	शत. 4	26 74	19 746	26 74	26.5 425	21 6235	19 8235	22.5 83	24.5 63	24.5 63	18 6723	18 6723	24.5 724	33 4	28 8	19 684	8.5 67284	17 6723	16 6723
	पू.भा. 3	18.5 6734	26 74	20 674	20.5 6245	26.5 245	11 623485	15.5 8634	29.5 34	30.5 3	24 723	23 7234	20 7623	28.5 63	19 864	28 8	17.5 872	22.5 724	20 7243
मीन	पू.भा. 1	11.5 612734	19 517245	13 612745	19 674	25 74	9.5 67834	15 62384	29 1234	30 123	29.5 13	28.5 134	25.5 613	17 6173	7.5 614738	16.5 1738	28 8	33 4	30.5 34
	उ.भा. 4	2.5 12345678	19.5 72135	12 625741	18 647	19 87	21 67	24 6123	22 8123	30 123	29.5 13	29.5 13	14.5 61384	6 6128734	16 61273	21.5 1734	33 4	28 8	35
	रेवती 4	12.5 172345	11.5 173285	4.5 12345678	10.5 87346	27 7	22 76	26.5 162	29 123	21 8123	20.5 813	21.5 813	22.5 1346	14 124736	16 17236	18 14723	29.5 43	34	28 8

1-वर्ण / 2- वश्य / 3-तारा / 4-योनी / 5-राशीश / 6-गण / 7-भकूट / 8-नाड़ी

वर्षफल निर्माण विधि

जिस वर्ष का वर्षफल अभीष्ट हो, उस अभीष्ट सम्वत् में से जन्म सम्वत् घटाने पर जो शेष बचे, वे जन्म से गतवर्ष अर्थात् 'गताब्द' होते हैं उन गताब्दों से प्राचीन मतानुसार वर्षप्रवेश सारणी के नीचे दिये गये वार घटी पल आदि फल लेकर उसमें जन्म के वार, इष्टघटी, पलादि जोड़ने पर वर्षप्रवेशकालिक वारादि इष्टकाल ज्ञात होता है। पल घटी आदि यदि 60 से अधिक हों, तो उन्हे सवर्ण करके तथा यदि वारादि संख्या 7 से अधिक हो तो 7 का भाग देने पर एकादि शेष रहने पर रवि आदि क्रम से वार तथा आगे वर्षेष्ट घटी पलादि होते हैं। जन्मकालिक स्पष्ट सूर्य के राश्यंशादि की तरह वर्ष प्रवेशकालिक स्पष्ट सूर्य होता है। वर्षेष्ट के स्वदेशीय(समीपस्थ अक्षांश) लग्न सारणी से लग्न साधन करने पर वर्ष प्रवेश कालिक लग्न सिद्ध होता है। इस प्रकार वर्ष लग्न में वर्ष लग्न कालिक ग्रह स्थापित करने पर वर्ष कुण्डली बनती है।

मुन्थासाधन-

वर्ष कुण्डली में मुन्था भी लगाई जाती है। जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुन्था होती है। यह प्रति वर्ष एक-एक राशि बढती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडने पर यदि 12 से अधिक हो तो 12 का भाग देने पर शेष मुन्था की राशि होती है।

मुद्दादशासाधन-

गत वर्ष संख्या में जन्म नक्षत्र संख्या जोडकर जो संख्या उपलब्ध हो, उसमें 2 घटाकर 9 का भाग देने पर एकादि शेष बचने पर सूर्य चन्द्र मंगल राहु बृहस्पति शनि बुध केतु शुक्र की दशा होती है। सूर्यादि मुद्दादशा दिनादि पंचाग में दिये गये चक्र से जान सकते हैं।

हर्षबलसाधन-

वर्ष कुन्डली में स्थानबल, स्वोच्चबल, पुरुषस्त्रीबल तथा दिनरात्रिबल- ये चार हर्ष बल कहलाते हैं। वर्ष कुण्डली में हर्षबल का सर्वाधिक महत्व होता है क्योंकि हर्षबल के द्वारा ही वर्षेशादि का निर्णय होता है।

स्थानबल-

वर्ष लग्न से 9वें स्थान में सूर्य, 3 में चन्द्रमा, 6 में मंगल, 1 में बुध, 11 में गुरु, 5 में शुक्र तथा 12 में शनि 5 हर्षबली होते हैं।

स्वोच्चबल-

प्रत्येक ग्रह अपनी तथा उच्च राशि में 5 हर्षबली होते हैं। अर्थात् सूर्य 1/5, चन्द्र 2/4, मंगल 1/8/10, बुध 3/6, गुरु 4/9/12, शुक्र 2/7/12, शनि 10/11/7 राशियों में सूर्यादि ग्रह हर्षित अर्थात् हर्ष बली होते हैं।

पुरुषस्त्रीबल-

स्त्रीग्रह (चं. बु. शु. श.) 1,2,3,7,8,9 स्थानों मे तथा पुरुष ग्रह (सू. मं. गु.) 4,5,6,10,11,12 स्थानों में हर्ष बली होते हैं। हर्ष बली ग्रह के 5 बल होते हैं।

दिनरात्रिबल-

दिन में वर्ष प्रवेश हो तो पुरुष ग्रह रात्रि में वर्ष प्रवेश हो तो स्त्री ग्रह बली होते हैं। यहां यह ध्यान देना चाहिये जहां बल प्राप्त हो वहां 5 तथा जहां बलप्राप्त न हो वहां शून्य (0) रखना चाहिये। इस प्रकार सूर्यादि ग्रहों के चारों स्थानादि बलों का योग हर्षबल कहलाता है।

वर्षेश निर्णय-

जन्म लग्नपति, वर्ष लग्नपति, मुन्थाधिपति, त्रिराशिपति, दिन में वर्ष प्रवेश हो तो सूर्य जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी तथा रात्रि का वर्ष प्रवेश हो तो चन्द्रमा जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी ये पञ्चाधिकारी कहलाते हैं। इन पञ्चाधिकारियों में जो बलवान होकर लग्न को देखता हो, वह वर्षेश होता है। बलवान होने पर भी यदि लग्न को न देखता हो तो, वर्षेश नही होगा। समान बली होने पर जो लग्न को अधिक दृष्टि से देखता हो वह वर्षेश होगा। लग्न को देखने वाला ग्रह यदि अल्प बली हो तो, मुन्थेश अर्थात् मुन्था जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी वर्षेश होगा। यदि पञ्चाधिकारियों में कोई भी ग्रह लग्न को न देखता हो तो जो ग्रह सबसे अधिक बलवान् होगा वही वर्षेश होगा। यदि चन्द्र वर्षेश प्राप्त हो तो वह पञ्चाधिकारियों में जिससे इत्थशाल करें, वह वर्षेश होगा। यदि इत्थशाल न करे तो चन्द्र जिस राशि मे वैठा हो वह वर्षेश होगा।

वर्ष दृष्टि-विचार-

वर्ष कुण्डली में जो ग्रह जिस स्थान में स्थित हो, उससे 5/9 स्थान को प्रत्यक्ष मित्र दृष्टि से, 3/11 स्थान को गुप्त मित्र दृष्टि से, 1/7 को प्रत्यक्ष शत्रु दृष्टि से तथा 4/10 स्थान को गुप्त शत्रु दृष्टि से देखता है। प्रत्यक्षमित्र दृष्टि सभी कार्यों में शीघ्र सफलता देने वाली होती है, गुप्त मित्र दृष्टि कठिनता से सफलता देने वाली होती है। प्रत्यक्ष शत्रु दृष्टि शत्रुता उत्पन्न करने वाली, मित्र से शत्रुता कराने वाली, बनते काम विगाड़ने वाली हानिकारक होती है। गुप्त शत्रुदृष्टि कार्यों को कठिनता से सफल कराने वाली तथा गुप्त रूप से शत्रु उत्पन्न कराने वाली होती है।

॥ वेधसिद्ध (नवीन) वर्षमानानुसारेण वर्ष प्रवेशसारिणी ॥

गताब्द	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
वार	1	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	1	2	3	4	6	0	1	2	4
घटि	15	30	46	1	16	32	47	3	18	33	49	4	19	35	50	6	21	36	52	7
पल	22	45	8	31	54	17	40	3	26	49	12	35	58	21	44	7	30	23	16	39
विपल	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	27	24	21	18	15	12	9	6	3	0

गताब्द	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०
वार	5	6	0	2	3	4	5	0	1	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	1
घटी	23	38	53	9	24	39	55	10	26	41	56	12	27	43	58	13	29	44	59	15
पल	1	24	47	10	33	56	19	42	5	28	51	14	37	0	23	46	9	32	55	18
विपल	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	27	24	21	18	15	12	9	6	3	0

गताब्द	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
वार	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	4	5	0	1	2	3	5	6	0	1
घटी	30	46	1	16	32	47	2	18	33	49	39	55	10	26	41	56	12	27	43	58
पल	40	3	26	49	12	35	58	21	44	7	56	19	42	5	28	51	14	37	0	23
विपल	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	42	39	36	33	30	27	24	21	18	15

गताब्द	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०
वार	3	4	5	6	1	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	4	5	6	1	2
घटी	13	29	44	59	15	30	46	1	16	32	47	2	18	33	49	29	44	59	15	30
पल	46	9	32	55	18	40	3	26	49	12	35	58	21	44	7	4	27	50	13	36
विपल	12	9	6	3	0	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	12	9	6	3	00

॥ प्राचीनमानानुसारेण वर्ष प्रवेश सारिणी॥

गताब्द	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
वार	1	2	3	5	6	0	1	3	4	00	6	1	2	3	4	6	0	1	2	4
घटी	15	31	46	2	17	33	48	4	19	35	50	6	21	37	52	8	23	39	54	10
पल	31	3	34	6	37	00	40	12	43	15	46	18	49	21	52	24	55	27	28	30
विपल	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00

गताब्द	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०
वार	5	4	0	2	3	4	00	0	1	2	4	5	6	0	2	3	4	5	0	1
घटी	26	10	57	12	28	43	59	14	30	45	1	16	32	43	3	18	34	49	5	21
पल	21	30	4	36	7	39	10	42	13	45	16	48	37	29	22	454	25	57	28	00
विपल	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	21	30	30	00	30	00	30	0

गताब्द	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
वार	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	1	2	3	4	6	0	1	3	4	5
घटी	36	52	7	23	38	54	9	25	40	56	11	27	42	58	13	29	44	00	15	31
पल	31	3	34	6	37	9	10	12	43	15	46	18	49	21	52	24	55	27	58	30
विपल	30	00	00	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00

गताब्द	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०
वार	6	1	2	3	4	6	0	1	2	4	5	6	0	2	3	4	5	0	1	2
घटी	47	2	18	33	49	4	20	35	51	6	22	37	53	8	24	39	55	10	26	42
पल	1	33	4	36	7	39	10	42	13	45	16	48	19	51	22	54	25	57	28	00
विपल	30	00	30	0	30	0	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00

॥ विंशोत्तरी मुद्दादशाचक्र ॥

ग्रह	सूर्य	चन्द	मंगल	राहू	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र
मास	0	1	0	1	1	1	1	0	2
दिन	18	0	21	24	18	27	21	21	0

॥ योगिनी मुद्दादशाचक्र ॥

योगिनी	मं.	पिं.	धा.	भ्रा.	भ.	उ.	सि.	सं.
मास	0	0	1	1	1	2	2	2
दिन	10	20	0	10	20	0	10	20

॥ त्रिराशिपतिचक्र ॥

लग्नम्	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
दि.पति	सू.	शु.	श.	शु.	गु.	चं.	बु.	मं.	श.	मं.	गु.	चं.
लग्नम्	मे.	वृष	मि.	क.	सिं.	क.	तु.	वृश्रि.	ध.	म.	कु.	मी.
रा. पति	गु.	चं.	बु.	मं.	सू.	शु.	श.	शु.	श.	मं.	गु.	चं.

अथ बृहद्गोदानविधिः

तत्र दाता सुस्नातः गोदानसामग्रीं स्वाग्रतः सम्पाद्य सुलिप्तायां भूमौ सपत्नीकः स्वासने उपविश्य यथोक्तलक्षणां सवत्सां गां प्राङ्मुखमिव स्थाप्य कुशतिलजलयवान्यादाय संकल्पं कुर्यात्।

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णु अद्य अमुकगोत्रोऽमुकराशिरमुकशर्मा सपत्नीकोऽहं श्रुतिस्मृतिपुराणोक्तफलप्राप्तये सकलमनोरथसिद्धये च कृतैतच्छ्रीयज्ञपुरुषप्रीतये गोदानं करिष्ये।

गोदानार्थं ब्राह्मणवरणम् –तत्प्रतिग्रहणार्थं ब्राह्मणस्य पूजनपूर्वकं वरणञ्च करिष्ये।

उदङ्मुखं ब्राह्मणमर्घ्यादिभिः सम्पूज्य वरणसामग्रीं करे कृत्वा एभिः गन्धाक्षतपुष्पमालायज्ञोपवीतवस्त्रफलादिभिः गोदानप्रतिग्रहणार्थम् अमुकगोत्रस्यामुकवेदाध्यायिनम् अमुकशर्माणं ब्राह्मणं त्वामहं वृणे।

वृणोस्मीति ब्राह्मणो वदेत्।

आवाहयाम्यहं देवीं गां त्वां त्रैलोक्यमातरम् ।
यस्याः स्मरणमात्रेण सर्वपापैः प्रमुच्यते ॥१॥
त्वं देवी त्वं जगन्माता त्वमेवासि वसुन्धरा।
गायत्री त्वं च सावित्री गङ्गा त्वं च सरस्वती ॥
तृणानि भक्ष्यसे नित्यममृतं स्रवसे प्रभो ।
भूतप्रेतपिशाचांश्च पितृदेवतमानुषान् ॥
सर्वांस्तारयते देवी नरकात्पापसङ्कटात् ॥

इत्यावाह्य पूजयेत्।

सवत्सायै गवे नमः, पाद्यं स्नानं च समर्पयामि।

गोरङ्गपूजनम्

नमो विश्वमूर्तिभ्यो विश्वमातृभ्य एव च।
लोकाधिवासिनीभ्यश्च रोहिणीभ्यो नमो नमः॥
गो अग्रपादाभ्यां नमः। गोः पश्चात्पादाभ्यां नमः॥
देहस्था या च रुद्राणां शंकरस्य सदाप्रिया।
धेनुरूपेण सा देवी मम पापं व्यपोहतु॥

गोरास्याय नमः

विष्णोर्वक्षसि या देवी स्वाहा या च विभावसोः।
चन्द्रार्कशक्रशक्तिर्या सा धेनुर्वरदास्तु मे॥
गोः शृंगाभ्यां नमः॥ गोकर्णाभ्यां नमः॥
चतुर्मुखस्य या लक्ष्मीर्या लक्ष्मीर्धनदस्य च।
लक्ष्मीर्या लोकपालानां सा धेनु वरदास्तु मे।

गोः पृष्ठाय नमः॥

स्वधा त्वं पितृमुख्यानां स्वाहा यज्ञभुजांस्तथा।
सर्वपापहरे धेनो तस्माच्छान्तिं प्रयच्छ मे॥

गोः पुच्छाय नमः॥

यस्याः शृंगाग्रयोरिन्द्र उरसि स्कन्ध एव च।
तत्रास्ते शिरसि ब्रह्मा ललाटे वृषभध्वजः॥

कर्णयोरश्विनौ देवौ चक्षुषोः शशिभास्करौ।
दन्तेषु मरुतो देवा जिह्वायां च सरस्वती॥
अपाने सर्वतीर्थानि लांगूले सर्वमङ्गला।
ऋषयोः रोमकूपेषु पृष्ठे वैवस्वतो यमः॥
वरुणो धनदश्चैव दक्षिणां कुक्षिमाश्रितः।
वामपार्श्वे महायज्ञो महोजास्तु महाबलः॥
खुरमध्ये तु गन्धर्वाः खुराग्रे पन्नगास्तथा।
खुराणां पश्चिमे पार्श्वे गणा अप्सरसामपि॥
गोमये वसते लक्ष्मीर्गोमूत्रे जाह्नवीजलम्।
हुंकारे निखिला वेदा रम्भाशब्दे प्रजापतिः॥
चत्वारः सागराः पूर्णा धेनूनां स्तनमण्डले।
अमृतं स्रवते नित्यं पिबन्ति सुरमानवाः॥
न धेनु तुल्यं धनमस्ति किञ्चिद्धरत्यघं गुह्य बहिर्भवं च।
तृणानि भुक्ताप्यमृतं स्रवन्ती विप्राय दत्ता पितृमोक्षदा सा॥
एककालं द्विकालं वा यो ददाति गवाह्निकम्।
पञ्चचामरपूर्णाङ्गविमानमधिरोहति॥
उभे संध्ये च यो नित्यं गोसावित्रिं सदा पठेत्।
गोसहस्रफलं सोऽपि लभते वाञ्छितं फलम्॥
गवामङ्गेषु तिष्ठन्ति भुवनानि चतुर्दश।
यस्मात्तस्माच्छिवं मे स्यादिह लोके परत्र च॥

वस्त्रम्- आच्छादनं मया दत्तं सम्यक् शुद्धं सुनिर्मलम्।
सुरभिर्वस्त्रदानेन प्रीयतां परमेश्वरी।

गन्धम्- सर्वदेवप्रियन्देवि चन्दनं कुङ्कुमान्वितम्।
कर्पूरादिसमायुक्तं गोगन्धं प्रतिगृह्यताम्॥

अक्षताः - अक्षताश्च शुभ्राश्च कुङ्कुमाक्ताः सुशोभनाः।
मयानीताः प्रियार्थैतान् गृहाण त्वं गवेश्वरि॥

धूपम् - आनन्दकृत्सर्वलोके देवानाञ्च सदाप्रिये।
गौस्त्वं पाहि जगन्माता धूपोऽयं प्रतिगृह्यताम्।

दीपम्- साज्यं सद्वर्तिसंयुक्तं वह्निना योजितं मया।
दीपं गृहाण देवेशि सर्वतस्तिमिरापहम्।

गोः ग्रासः - सुरभिस्त्वं जगन्माता नित्यं विष्णुपदे स्थिता।
गोग्रासं च मया दत्तं नैवेद्यं प्रतिगृह्यताम्।
सुरभिस्त्वं जगन्मातर्देवि विष्णुपदे स्थिता।
सर्वदेवमयी ग्रासं मया दत्तमिमं ग्रस॥

भूषणार्थं द्रव्यं - घण्टाचामरञ्च समर्प्य, ततो गोः देहतीर्थानि पूजयेत्।

देहे देवतीर्थपूजनम् - गन्धाक्षतपुष्पैः

शृङ्गमूले ब्रह्माविष्णुभ्यो नमः॥ सर्वतीर्थेभ्यो नमः॥ शिरोमध्ये महादेवाय नमः॥ ललाटे गौर्ये नमः॥ नासारन्ध्रे षणमुखाय नमः॥ नासापुटयोः कम्बलाश्वतराभ्यां नमः॥ दन्तेषु वायवे नमः॥ जिह्वायां वरुणाय नमः॥ हुंकारे सरस्वत्यै नमः॥ गण्डयोः

मासपक्षाभ्यां नमः॥ ओष्ठयोः सन्ध्याद्वाभ्यां नमः॥ ग्रीवायां रक्षेभ्यो नमः॥ कुक्षौ साध्ये नमः॥ जंघासु धर्म्माय नमः॥ खुरमध्ये गन्धर्वेभ्यो नमः॥ खुराग्रे कुलपर्वतेभ्यो नमः॥ खुरपश्चिमाग्रेषु अप्सरोगणेभ्यो नमः॥ पृष्ठे एकादशरुद्रेभ्यो नमः॥ सर्वसन्धिषु वसुभ्यो नमः॥ श्रोण्यौ पितृगणेभ्यो नमः॥ पुच्छे सोमाय नमः॥ पुच्छकेशेषु सूर्य-रश्मिभ्यो नमः॥ गोमूत्रे गङ्गायै नमः॥ गोमये यमुनायै नमः॥ क्षीरे सरस्वत्यै नमः॥ दध्नि नर्मदायै नमः॥ घृते वह्नये नमः॥ रोमेषु कोटिदेवेभ्यो नमः॥ उदरे पृथिव्यै नमः॥ स्तनेषु चतुः सागरेभ्यो नमः॥

एते यस्याः स्तनो देवा सा धेनुर्वरदो मम ॥

स्वर्णशृङ्गीं रौप्यखुरां ताम्रपृष्ठ्यं मुक्ताफलसमर्पितं लांगूलवती कांस्यगोदेविकां विधाय प्रार्थयेत्।

नमो गोभ्यः श्रीमतीभ्यः सौरभेयीभ्य एव च।
नमो ब्रह्मसुताभ्यश्च पवित्राभ्यो नमो नमः।

गोपुच्छतर्पणविधिः-

सकुशाक्षतयवं गोपुच्छं च गृहीत्वा प्राङ्मुखी यजमानौ देवतीर्थेन देवास्तर्पयेत्।

ॐ या नन्दनी सुशीलाद्या कामदाश्चैव धेनवः।
ताः सर्वा पुच्छतोयेन तर्पितास्तर्पयन्तु माम्॥
ब्रह्मा विष्णुर्महादेवः कार्तिकेयो गणाधिपः।
पुष्पचापो महेन्द्रश्च भगवानच्युताग्रजः॥
देवा समस्ताः सगणाः सवाहनपरिच्छदाः।
सवसवोऽष्टौ द्वादशार्का रुद्रा एकादशेऽवतु॥
विश्वेदेवाश्च सोमश्च मरुतो मातरस्तथा।
गन्धर्वा गुह्यकाश्चैव सागरा सरितस्तथा॥
राक्षसाः यक्षवेतालाः पूतनाः पर्वताः द्रुमाः।
तीर्थान्यापसरश्चैव पशवः पन्नगाः खगाः॥
ऋक्षाणि राशयः योगाः मासवर्षर्तुवासराः।
अयने च युगाः कल्पास्तथा मन्वन्तराणि च॥
भुवनानि दिशाकाशं तथा सर्वेन्द्रियाणि च।
ॐकारश्चैव गायत्री छन्दस्त्वङ्गानि चैव हि॥
वेदाश्च स्मृतयश्चैव पुराणानि तथैव च।
आयुर्वेदो धनुर्वेदो गन्धर्वो मन्त्रपारगाः॥
औषध्यो वनसम्भूता ग्राम्याश्चैव सुप्पिपलाः।
सानुगा देवताश्चैव मुनयः सगणास्तथा॥
ऋषयः ऋषिपत्न्यश्च सिद्धाश्च सगणास्तथा।
प्रजा प्रजापतिश्चैव येऽन्ये विघ्नविनायकाः॥
विद्याधराश्च दैत्याश्चैवाचार्या गुरवस्तथा।
डाकिन्यः क्षेत्रपालश्च भैरवाश्चाष्टसंख्यकाः॥
स्थावरा जङ्गमाश्चैव भूतग्रामचतुर्विधाः।

अक्षयेनाऽमृतेनैव मङ्गलेन सुवारिणा॥
गोपुच्छाग्रच्युतमेह मद्दतेन हितेऽखिला।
शाश्वतीं तृप्तिमायान्तु दात्र्यै युक्तवरप्रदाः॥
सूर्यः सोमः कुजः सौम्यो गुरुः शुक्रः शनैश्चरः।
ग्रहाश्च तृप्तिमायान्तु राहुकेतू समन्वितौ॥
इन्द्रो वह्निर्यमो रक्षः पाशो वायुर्धनाधिपः।
ईशोऽनन्तस्तथा ब्रह्मा सर्वे ते तर्पिता मया॥
सावित्र्या सह लोकेशः सलक्ष्मीकश्चतुर्भुजः।
महेशश्चोमया सार्द्धस्तृप्तिर्यान्तु च शाश्वतीम्॥
अत्रिर्वशिष्ठो भृगुगौतमौ च
मरीचि दक्षो पुलहः पुलस्त्यः।
प्रचेतसः काश्यपविश्वमित्रौ
भारद्वाजसंज्ञो जमदग्निरेव।
अन्ये च सर्वे मुनिपुंगवाश्च
गृह्णन्तु दत्तं जलमद्य तुष्टाः॥

(जीवित्पितृकस्य तर्पणे निषेधोऽतस्तेन तन्न कार्य्यम्) ततो यज्ञोपवीतं कण्ठावरोहणं कृत्वा साक्षतकुशैः मनुष्यतीर्थेन मनुष्यांस्तर्पयेत् –

सनकः सनन्दनश्चैव सनातनस्तथैव च।
कपिलश्चासुरैश्चैव वोढुपञ्चशिखस्तथा।
ते तृप्तिमखिलायान्तु गोपुच्छोदकतर्पणैः॥

ततो अपसव्यं विधाय द्विगुणितकुशतिलजलैः पितृन् तर्पयेत् –

कव्यवाडवानलः सोमो यमश्चैवार्य्यमा तथा।
अग्निष्वाताः सोमपाश्च तथा बर्हिषदश्च ये।
तर्पितास्तृप्तिमायान्तु गोपुच्छोदकतर्पणैः।
यमाय धर्मराजाय मृत्यवे चान्तकाय च।
वैवस्वताय कालाय सर्वभूतक्षयाय च।
औदुम्बराय दध्नाय नीलाय परमेष्ठिने।
वृकोदरश्च चित्रश्च चित्रगुप्तस्तथैव च।
ते सर्वे तृप्तिमायान्तु गोपुच्छोदकतर्पणैः।
पितापितामहश्चैव तथैव प्रपितामहः।
माता पितामही चैव तथैव प्रपितामही।
मातामहः प्रमातामहः प्रमातामहोपरः।
मातामही प्रमातामही प्रमातामहीपरा।
तृप्तिमायान्तु सकलाः गोपुच्छोदकतर्पणैः।
पितृवंशे मृते ये च मातृवंशेऽपि ये मृताः।
ये मे कुले लुप्तपिण्डाः क्रियालोपगतास्तथा।
आब्रह्मस्तम्बपर्य्यन्तं देवर्षिपितृमानवाः।
तृप्यन्तु सर्वदा सर्वे गोपुच्छोदकतर्पणैः।

ब्राह्मणपूजनम् – गन्धाक्षतपुष्पमालादिभिः विप्रमर्चयित्वा, अनन्तरं वस्त्रद्रव्यरत्नादिभिः च अलङ्करणं कुर्यात्। प्रार्थयेत्–

ॐनमस्त्वनन्ताय सहस्रमूर्तये, सहस्रपादाक्षिशिरोरुबाहवे।
सहस्रनाम्ने पुरुषाय शाश्वते सहस्रकोटियुगधारिणे नमः॥
आपध्वनन्ताय सहस्रभानवे समीहितार्थार्पणकामधेनवः।
अपारसंसारसमुद्रसेतवः पुनन्तु मां ब्राह्मणपादपांसवः॥
ॐभूमावेवाग्रजन्मासि विप्र त्वं पुरुषोत्तमः।
प्रत्यक्षो यज्ञपुरुषः पूजां मे प्रतिगृह्यताम्॥
ॐ अꣳशुनाते अꣳशुः पृच्यतां परुषा परुः गन्धस्ते
सोममवतु मदाय रसो अच्युतः।
उदङ्मुखस्तु विप्रः स्यात्पात्रलक्षणलक्षितः।
आज्यपात्रं करे कृत्वा सुवर्णेन समन्वितम्॥
निक्षिप्य पुच्छं तस्मिंस्तु घृतदुग्धं प्रगृह्य च।
सतिलं विप्रवर्य्याय धेनुं दद्यात्पयस्विनीम्॥

प्राङ्मुखीं गाम् उदङ्मुखी विप्रः पुच्छदेशे स्वयं स्थित्वा आज्यपात्रं सतिलं कनकेन(सुवर्णेन) अन्वितं (युक्तं) प्रगृह्य गोपुच्छं तत्पात्रे निधाय दानसंकल्पं कुर्यात्॥

अद्येत्यादि अमुकोऽहं ममामुष्मिन् कर्मणि श्रुतिस्मृति-पुराणोक्तफलवाप्तये गोरोमसंख्यकदिव्यवत्सरावच्छिन्न स्वर्गलोकस्थितिकामांश्च पितृणां निरतिशयानन्दब्रह्मलोकप्राप्तये परमेश्वरप्रीतये च इमां सुपूजितां सालंकारां सवत्सां गां रुद्रदैवतममुकगोत्राय अमुकशर्मणे ब्राह्मणाय तुभ्यमहं सम्प्रददे।

दानवाक्यम् – यज्ञसाधनभूतायाः विश्वस्याघविनाशिनी।
विश्वरूपधरोदेवः प्रीयतामनया गवा॥

ततो ब्राह्मणः स्वस्तीति वदेत्–

अद्य कृतैतद्गोदानकर्मणः सांगतासिद्धये इदं हिरण्यमयं दक्षिणामग्निदैवतममुकगोत्रायामुकशर्म्मणे ब्राह्मणाय तुभ्यमहं सम्प्रददे।

कोदादिति ब्राह्मणप्रतिवचनम्।

ततो ब्राह्मणगवोः प्रदक्षिणाचतुष्टयं कुर्य्यात्–

नमो ब्रह्मण्यदेवाय गोब्राह्मणहिताय च।
जगद्धिताय कृष्णाय गोविन्दाय नमो नमः॥
मया जन्मसहस्रेषु ह्यर्जितं पापसंचयम्।
तत् सर्वं नाशय क्षिप्रं प्रदक्षिणा पदे-पदे॥

ब्राह्मणः गोपुच्छोदकेनाभिषेकं कुर्यात्। मन्त्राशीषं च दद्यात्।
ततो यजमानः ब्राह्मणेन समन्वितां गावः नमस्कारप्रदक्षिणाञ्च कुर्यात्।

नमस्कारः– नमो गोभ्यः श्रीमतीभ्यः सौरभेयीभ्य एव च।
नमो ब्रह्मसुताभ्यश्च पवित्राभ्यो नमो नमः॥
यया सर्वमिदं व्याप्तं जगत् स्थावरजङ्गमम्।
तां धेनुं शिरसा वन्दे भूतभव्यस्य मातरम्॥
पञ्चगावः समुत्पन्ना मथ्यमाने महोदधौ।
तासां मध्ये तु या नन्दा तस्यै देव्यै नमो नमः॥

सर्वकामदुघे देवी सर्वतीर्थाभिषेचिनि।
पावनि सुरभिश्रेष्ठे देवि तुभ्यं नमो नमः॥

प्रदक्षिणा – पापानि सर्वाणि पदे पदे या
हरत्यहो तत्क्षणमेव नृणणाम्।
प्रदक्षिणां तां परभक्तिभावात्
समाचरे धेनुवरे प्रसीद॥

गवां दृष्ट्वा नमस्कृत्य कुर्याच्चैव प्रदक्षिणम्।
प्रदक्षिणीकृता तेन सप्तद्वीपा वसुन्धरा॥
मातरः सर्वभूतानां गावः सर्व सुखप्रदाः।
वृद्धिमाकाङ्क्षता पुंसा नित्यं कार्या प्रदक्षिणा॥

इति चतुःसंख्यकप्रदक्षिणां विधाय प्रार्थयेत्

या लक्ष्मीर्लोकपालानां या च धेनुः सरस्वती।
धेनुरूपेण सा देवी मम पापं व्यपोहतु॥

ततो ब्राह्मणः गोपुच्छान्वितजलेन यजमानशिरसि निषिच्य तिलकमन्त्रपाठादीनि दद्यात्।

ततो दक्षिणां भूयसी च दद्यात्। तथा यथोपन्नेनान्नेन ब्राह्मणांश्च सन्तोषयेत्।

व्यतीपाते च संक्रान्तौ ग्रहणे ग्रहदौष्ट्यके।
असूतक्रमे विवाहे च रात्रौ गोदानमिष्यते॥

इति गोदानविधिः

यज्ञोपवीत धारण प्रयोग

किसी भी अवस्था में यदि यज्ञोपवीत अशुद्ध हो जाये, अथवा धागा टूट जाय, या फिर शौचादि के समय कान में डालना भूल जायें तो अपवित्र हो जाता है तब नया यज्ञोपवीत धारण करना चाहिये। इसी प्रकार जननाशौच, मरणाशौच, श्राद्ध, यज्ञ आदि में तथा सूर्य-चन्द्रग्रहण के उपरान्त नवीन यज्ञोपवीत धारण करना अपेक्षित है। यज्ञोपवीत धारण करने से पहले उसे संस्कारित करके प्रत्येक तन्तु में देवताओं का आवाहन व प्रतिष्ठापन कर सिद्ध (अभिमन्त्रित) करना आवश्यक होता है। अतः सर्वप्रथम संङ्कल्प करें।

ॐविष्णुर्विष्णुर्विष्णु अद्य....... मम श्रौतस्मार्तकर्मानुष्ठानसिद्धिद्वारा श्रीपरमेश्वरप्रीत्यर्थं नूतनयज्ञोपवीतधारणमहं करिष्ये।

इस प्रकार सङ्कल्प कर यज्ञोपवीत निम्नलिखित मन्त्र से प्रक्षालित करें–

ॐ आपो हिष्ठा मयोभुवस्ता न ऊर्जे दधातन। महे रणाय चक्षसे। यो वः शिवतमो रसः तस्य भाजयतेह नः। उशतीरिव मातरः तस्मा अरं गमाम वः यस्य क्षयाय जिन्वथ। आपो जनयथा च नः॥

इसके बाद हाथों के सम्पुट में यज्ञोपवीत रखकर गायत्री का दश बार आवेष्टित जप करें। तदुपरान्त किसी पात्र में यज्ञोपवीत रखकर पुष्पाक्षत से प्रत्येक सूत्र में देवताओं का आवाहन करें।

प्रथमतन्तौ ॐकारायनमः, ॐकारमावाहयामि। द्वितीयतन्तौ ॐअग्नये नमः, अग्निमावाहयामि। तृतीयतन्तौ ॐसर्पदेवताभ्यो नमः, सर्पानावाहयामि। चतुर्थतन्तौ ॐ सोमाय नमः, सोममावाहयामि। पञ्चमतन्तौ ॐपितृभ्यो नमः, पितृनावाहयामि। षष्ठतन्तौ ॐ प्रजापतये नमः, प्रजापतिमावाहयामि, सप्तमतन्तौ ॐअनिलेभ्यो नमः, अनिलमावाहयामि। अष्टमतन्तौ ॐयमाय नमः, यममावाहयामि। नवमतन्तौ ॐविश्वेदेवेभ्यो नमः। विश्वान् देवानावाहयामि।

अथ ग्रन्थिदेवतानामावाहनम्- **ग्रन्थिमध्ये ॐब्रह्मणे नमः, ॐ ब्रह्मणमावाहयामि। ॐ विष्णवे नमः ॐविष्णुमावाहयामि। ॐरुद्राय नमः, रुद्रमावाहयामि। ॐप्रणवाद्यावाहितदेवताभ्यो नमः। प्रणवाद्यावाहितदेवताः यथा स्थानमहं प्रतिष्ठापयामि।**

इन मन्त्रों से यज्ञोपवीत की गन्धाक्षत से प्रतिष्ठा करें तथा यज्ञोपवीत का मानसोपचार से पूजन करें।

ध्यानम्-

ॐ प्रजापतेर्यत्सहजं पवित्रं कार्पाससूत्रोद्भवब्रह्मसूत्रम्।
ब्रह्मत्वसिद्ध्यै च यशः प्रकाशं जपस्य सिद्धिं कुरु ब्रह्मसूत्रम्।।

तदनन्तर निम्नमन्त्र से सूर्यनारायण को यज्ञोपवीत दिखाना चाहिये।

ॐ आकृष्णेन रजसा वर्तमानो निवेशयन्नमृतं मर्त्यञ्च।

हिरण्ययेन सविता रथेना देवो याति भुवनानि पश्यन्।

अथ यज्ञोपवीतधारणम्

यज्ञोपवीतमिति मन्त्रस्य परमेष्ठी ऋषिः लिङ्गोक्तदेवता त्रिष्टुपछन्दो यज्ञोपवीतधारणे विनियोगः।

ॐ यज्ञोपवीतं परमं पवित्रं प्रजापतेर्यत्सहजं पुरस्तात्।

आयुष्यमग्रयं प्रतिमुञ्चशुभ्रं यज्ञोपवीतं बलमस्तु तेजः।।

यज्ञोपवीतमसि यज्ञस्य त्वा यज्ञोपवीतेनोपनह्यामि।।

इस प्रकार मंत्र पढ़कर पहले दाहिनी भुजा में यज्ञोपवीत डालकर तब कण्ठ में धारण करें। प्रत्येक यज्ञोपवीत धारण के बाद आचमन करें।

जीर्णसूत्र त्याग

निम्नमन्त्र को पढ़कर जीर्ण यज्ञोपवीत अर्थात् पुराने जनेऊ को पहले सिर की ओर से निकालें। और यथा शक्ति गायत्री मन्त्र को जपकर उसे जल में प्रवाहित करें।

एतावद्दिन पर्यन्तं ब्रह्मत्वं धारितं मया।

जीर्णत्वाच्च परित्यागो गच्छसूत्रं यथासुखम्।।

अर्पणम्

अनेन नवयज्ञोपवीतधारणार्थं कृतेन यथाशक्तिगायत्रीजपकर्मणा सवितादेवता प्रीयतां न मम। ॐ तत्सद्ब्रह्मार्पणमस्तु।

इति यज्ञोपवीत धारण विधि

अथ सन्ध्याप्रारम्भः

पवित्रीकरणम् – वामहस्ते जलमादाय दक्षिणहस्तेन आत्मानं अभिसिञ्चेत् ।

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वा ।
यः स्मरेत्पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः ॥

ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु। ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु। ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु।

त्रिराचम्य – निम्नलिखित तीन मन्त्रों के उच्चारण के साथ आचमन करते हुए मन में स्वाहा शब्द का उच्चारण करें ।

ॐ केशवाय नमः (स्वाहा)। ॐ नारायणाय नमः (स्वाहा)। ॐ माधवाय नमः (स्वाहा)। ॐ गोविन्दाय नमः । हस्तौ प्रक्षाल्य ।

आसनशुद्धिः – विनियोगः – ॐ पृथ्वीति मन्त्रस्य मेरुपृष्ठ-ऋषिः सुतलं छन्दः कूर्मो देवता आसनपवित्रकरणे विनियोगः ।

निम्न मन्त्र पढते हुए तीन बार पृथ्वी का स्पर्श करें ।

ॐ पृथ्वी त्वया धृता लोका देवि त्वं विष्णुना धृता ।
त्वं च धारय मां देवि पवित्रं कुरु चासनम् ।
ॐ आधारासनायै कमलासनायै पृथिव्यै नमः ।

पवित्रीधारणम् – कुशा धारण करते हुए निम्न मन्त्र का उच्चारण करें ।

ॐ पवित्रेस्थो वैष्णव्यौ सवितुर्वः प्रसव उत्पुनाम्यच्छिद्रेण पवित्रेण सूर्यस्य रश्मिभिः। तस्य ते पवित्रपते पवित्रपूतस्य यत्कामः पुने तच्छकेयम् ।

शिखाबन्धनविनियोगः ॐ मानस्तोकेति मन्त्रस्य कुत्स ऋषिः जगति छन्द एको रुद्रो देवता शिखाबन्धने विनियोगः। (निम्न मन्त्र से शिखाबन्धन करें –)

ॐ मानस्तोके तनयेमानऽआयुषिमानो गोपुमानोऽअश्वेषुरी रिषः । मानोव्वीरान्रुद्रभामिनो व्वधीर्हविष्मन्तः सदमित्त्वा हवामहे ।

तिलकधारणम् – निम्न मन्त्र से तिलक धारण करें ।

ॐ आदित्या वसवो रुद्रा विश्वेदेवा मरुद्गणाः ।
तिलकन्ते प्रयच्छन्तु धर्मकामार्थसिद्धये ॥
ॐ मृत्तिका चन्दनं चैव भस्म तोयं चतुर्थकम् ।
एभिर्द्रव्यैर्यथाकालमूर्ध्वपुण्ड्रं भवेत् सदा ॥

संकल्पः–अर्घ्यपात्र में जल लेकर निष्काम भावना से सन्ध्या का संकल्प करें ।

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः श्रीमद्भगवतो महापुरुषस्य विष्णोराज्ञया प्रवर्त्तमानस्य अद्य ब्रह्मणोऽह्नि द्वितीयपरार्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे वैवस्वतमन्वन्तरे अष्टाविंशतितमे कलियुगे कलिप्रथमचरणे भारतवर्षे जम्बूद्वीपे आर्यावर्तैकदेशान्तर्गते पुण्यप्रदेशे, ... जनपदे..... नगरे....... ग्रामे...... क्षेत्रे प्रभवादिषष्टि संवत्सराणां मध्ये...... संवत्सरे सूर्ये उत्तरायणे/दक्षिणायने उत्तर/दक्षिण गोले..........मासे शुभे शुक्ले/कृष्णे पक्षे शुभपुण्य ....तिथौ ......वासरे ......नक्षत्रे ......योगे ....करणे ....राशिस्थिते श्रीसूर्ये.......राशिस्थिते चन्द्रे ....गोत्रोत्पन्नो. ....शर्माऽहं (वर्माहं/गुप्तोऽहं) ममोत्पातदुरितक्षयपूर्वकं श्रीगायत्रीप्रीत्यर्थं प्रातः/मध्याह्न/सायं सन्योपासनकर्म करिष्ये ।

निम्न विनियोग के उच्चारण के साथ आचमनी में जल लेकर विनियोग करें ।

विनियोग – ॐ ऋतं चेति त्र्यृचस्य माधुच्छन्दसोऽघमर्षण-ऋषिरनुष्टुप् छन्दो भाववृत्तं दैवतमपामुपस्पर्शने विनियोगः।

निम्न मन्त्र से उच्चारण के साथ आचमनी में जल लेकर उसे पियें ।

ॐ ऋतञ्च सत्यञ्चाभीद्धात्तपसोऽध्यजायत । ततो रात्र्यजायत । ततः समुद्रो अर्णवः। समुद्रादर्णवादधिसंवत्सरो अजायत । अहोरात्राणि विदधद्विश्वस्य मिषतो वशी । सूर्याचन्द्रमसौ धाता यथापूर्वमकल्पयत् । दिवञ्च पृथिवीञ्चान्तरिक्षमथो स्वः ।

प्राणायाम विधि – प्राणायाम के तीन भेद होते हैं – 1. पूरक 2. कुम्भक 3. रेचक

1. अंगूठे से दाहिने नाक को दबाकर बायें नाक से श्वास को धीरे-धीरे खींचने को "पूरक" कहते हैं । पूरक प्राणायाम करते समय निम्न मन्त्रों का मन से उच्चारण करते हुए नाभिदेश में नीलकमलदल के समान नीलवर्ण चतुर्भुज भगवान् विष्णु का ध्यान करें ।

2. जब श्वास रुक जाए तब अनामिका और कनिष्ठिका अंगुली से नाक के बाए छिद्र को भी दबा दें और मन्त्र जपते रहें। यह "कुम्भक" कहलाता है। कुम्भक प्राणायाम करते समय हृदय में विराजमान लाल वर्ण वाले चतुर्भुज ब्रह्मा का ध्यान करें ।

3. अंगूठे को हटाकर दाहिने छिद्र से श्वास को धीरे-धीरे छोड़ें । यह "रेचक" कहलाता है । रेचक प्राणायाम करते समय ललाट में श्वेतवर्ण शंकर का ध्यान करें।

विनियोगः - ॐ कारस्य ब्रह्म ऋषिर्दैवी गायत्री छन्दः परमात्मा देवता सप्तव्याहृतीनां प्रजापतिऋषिः गायत्र्युष्णिगनुष्टुब्बृहतीपङ्क्तित्रिष्टुब्जगत्यश्छन्दांसि अग्निवायुसूर्यबृहस्पति- वरुणेन्द्रविश्वेदेवा देवताः तत्सवितुरिति विश्वामित्र ऋषिर्गायत्री छन्दः सविता देवता आपोज्योतिरिति शिरसः प्रजापतिऋषिर्यजुश्छन्दो ब्रह्माग्निवायुसूर्यादेवताः प्राणायामे विनियोगः।

(निम्न मन्त्र का स्मरण करते हुए प्राणायाम करें -)

ॐ भूः ॐ भुवः ॐ स्वः ॐ महः ॐ जनः ॐ तपः ॐ सत्यम् । ॐ तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गोदेवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात् । ॐआपोज्योती रसोऽमृतं ब्रह्म भूर्भुवः स्वरोम् ॥ (हस्तौ प्रक्षाल्य) प्रातराचमनीयम् (केवल प्रातः संध्या में निम्न आचमन करे)

विनियोगः - ॐ सूर्यश्च मेति ब्रह्मा ऋषिः प्रकृतिश्छन्दः सूर्यमन्युमन्युपतयो रात्रिश्च देवता अपामुपस्पर्शने विनियोगः ।

आचमनी में जल लेकर मन्त्र उच्चारण करने के बाद पियें ।

ॐ सूर्यश्च मा मन्युश्च मन्युपतयश्च मन्युकृतेभ्यः पापेभ्यो रक्षन्ताम् । यद्रात्र्या पापमकार्षं मनसा वाचा हस्ताभ्यां पद्भ्यामुदरेण शिश्ना रात्रिस्तदवलुम्पतु । यत्किञ्च दुरितं मयि इदमहं माममृतयोनौ सूर्ये ज्योतिषि जुहोमि स्वाहा ।

मध्याह्नाचमनीयम्(केवल मध्याह्न सन्ध्या में निम्न आचमन करें)

विनियोग - ॐ आपः पुनन्त्विति नारायण ऋषिरनुष्टुप् छन्द आपः पृथिवी ब्रह्मणस्पतिर्ब्रह्म च देवता अपामुपस्पर्शने विनियोगः।

आचमनी में जल लेकर मन्त्र उच्चारण करने के बाद पियें ।

ॐ आपः पुनन्तु पृथिवीं पृथिवी पूता पुनातु माम् । पुनन्तु ब्रह्मणस्पतिर्ब्रह्मपूता पुनातु माम् । यदुच्छिष्टमभोज्यं यद्वा दुश्चरितं मम । सर्वं पुनन्तु मामापोऽसतां च प्रतिग्रहँ्स्वाहा।

सायमाचमनीयम् (केवल सायं सन्ध्या में निम्न आचमन करें)

विनियोगः - अग्निश्च मेति रुद्र ऋषिः प्रकृतिश्छन्दोऽग्निमन्यु मन्युपतयोऽहश्च देवता अपामुपस्पर्शने विनियोगः ।

आचमनी में जल लेकर निम्न मन्त्र उच्चारण करने के बाद पियें ।

ॐ अग्निश्च मा मन्युश्च मन्युपतयश्च मन्युकृतेभ्यः पापेभ्यो रक्षन्ताम् । यदह्ना पापमकार्षं मनसा वाचा हस्ताभ्यां पद्भ्यामुदरेण शिश्ना अहस्तदवलुम्पतु । यत्किञ्च दुरितं मयि इदमहं माममृतयोनौ सत्ये ज्योतिषि जुहोमि स्वाहा ।

मार्जनविनियोगः - आपो हिष्ठेति त्र्यृचस्य सिन्धुद्वीप ऋषिर्गायत्री छन्द आपो देवता मार्जने विनियोगः।

बायें हाथ में जल लेकर दाहिने हाथ की तीन उंगलियों अथवा कुशा निर्मित पवित्री से अपने ऊपर जल का सिंचन करें ।

ॐ आपो हिष्ठा मयो भुवः। ॐ ता न ऊर्जे दधातन। ॐ महेरणाय चक्षसे। ॐ यो वः शिवतमो रसः। ॐ तस्य भाजयतेह नः । ॐ उशतीरिवमातरः । ॐ तस्मा अरं गमाम वः। ॐ यस्य क्षयाय जिन्वथ। ॐआपो जनयथा च नः।

अभिमन्त्रण विनियोगः - ॐ द्रुपदादिवेत्यश्विसरस्वतीन्द्रा ऋषयोऽनुष्टुप् छन्द आपो देवताः शिरस्सेके विनियोगः। दाहिने हाथ में जल लेकर बायें हाथ से ढककर निम्न मन्त्र के उच्चारण के बाद जल को सिर पर छिड़कें ।

ॐ द्रुपदादिव मुमुचानः स्विन्नः स्नातो मलादिव ।
पूतं पवित्रेणेवाज्यमापः शुन्धन्तु मैनसः॥

अघमर्षण विनियोगः - ॐ ऋतञ्चेति त्र्यृचस्य माधुच्छन्दसोऽघमर्षण ऋषिरनुष्टुप् छन्दो भाववृत्तं दैवतमघमर्षणे विनियोगः ।

निम्न मन्त्रोच्चारण के साथ दाहिने हाथ में जल लेकर उसे नासिका पर लगायें । मन्त्रोच्चारण के बाद उस जल को बायें तरफ फेंक दें ।

ॐ ऋतञ्च सत्यञ्चाभीद्धात्तपसोऽध्यजायत। ततो रात्र्यजायत। ततः समुद्रो अर्णवः । समुद्रादर्णवादधिसंवत्सरो अजायत । अहोरात्राणि विदधद्विश्वस्य मिषतो वशी । सूर्याचन्द्रमसौ धाता यथा पूर्वमकल्पयत् । दिवञ्च पृथिवीञ्चान्तरिक्षमथो स्वः । (हस्तौ प्रक्षाल्य)

विनियोगः - ॐ अन्तश्चरसीति तिरश्चीन ऋषिरनुष्टुप् छन्द आपो देवता

अपामुपस्पर्शने विनियोगः।

ॐ अन्तश्चरसि भूतेषु गुहायां विश्वतोमुखः।

त्वं यज्ञस्त्वं वषट्कार आपो ज्योती रसोऽमृतम्॥

सूर्यार्घ्यविनियोगः ॐ कारस्य ब्रह्मऋषिर्देवि गायत्री छन्दः परमात्मा देवता तिसृणां महाव्याहृतीनां प्रजापतिर्ऋषिर्गायत्र्युष्णिगनुष्टुभश्छन्दांस्यग्निवायुसूर्या देवताः, तत्सवितुरिति विश्वामित्र ऋषिर्गायत्री छन्दः सविता देवता सूर्यार्घ्यदाने विनियोगः।

मन्त्रः- ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि।

धियो यो नः प्रचोदयात्।

ॐ आकृष्णेन रजसा वर्त्तमानो निवेशयन्नमृतं मर्त्यं च । हिरण्ययेन सविता रथेना देवो याति भुवनानि पश्यन् । एहिसूर्य सहस्रांशो तेजो राशे जगत्पते। अनुकम्पय मां भक्त्या गृहाणार्घ्यं दिवाकरः॥ ब्रह्मस्वरूपिणे सूर्यनारायणाय इदमर्घ्यं दत्तं न मम॥ (जल को आँखों से लगायें)

ध्यानम् -ॐ ध्येयः सदा सवितृमण्डलमध्यवर्ती नारायणः सरसिजासनसन्निविष्टः।

केयूरवान् मकरकुण्डलवान् किरीटी हारी हिरण्मयवपुर्धृतशङ्खचक्रः॥

नमोऽस्तु सूर्याय सहस्रभानवे नमोऽस्तु वैश्वानरजातवेदसे ।

त्वमेव चार्घ्यं प्रतिगृह्ण देव देवाधिदेवाय नमो नमस्ते ॥

सूर्योपस्थानविनियोगः - ॐ उद्वयमिति प्रस्कण्व ऋषिरनुष्टुप्छन्दः सूर्यो देवता, उदुत्यमिति प्रस्कण्व ऋषिर्निचृद्गायत्री छन्दः सूर्यो देवता चित्रमिति कुत्साङ्गिरसऋषिस्त्रिष्टुप्छन्दः सूर्यो देवता, तच्चक्षुरिति दध्यङ्गाथर्वण ऋषिरेकाधिका ब्राह्मी त्रिष्टुप्छन्दः सूर्यो देवता सूर्योपस्थाने विनियोगः।

प्रातः काल में दाहिने पैर की एडी उठाकर दोनों हाथों को सीधा रखें, मध्याह्न संध्या में दोनों हाथों को ऊपर की ओर करें तथा सायं काल में बैठकर हाथ बन्दकमल के समान जोडकर निम्न मन्त्रों के उच्चारण के साथ सूर्योपस्थान करें।

ॐउद्वयं तमसस्परि स्वः पश्यन्त उत्तरम्। देवं देवत्रा सूर्यमगन्म ज्योतिरुत्तमम्॥१॥

ॐ उदुत्यं जातवेदसं देवं वहन्ति केतवः । दृशे विश्वाय सूर्यम् ॥२॥

ॐ चित्रं देवानामुदगादनीकं चक्षुर्मित्रस्य वरुणस्याग्नेः ।

आप्रा द्यावापृथिवी अन्तरिक्ष ँ सूर्य आत्मा जगतस्तस्थुषश्च ॥३॥

ॐ तच्चक्षुर्देवहितं पुरस्ताच्छुक्रमुच्चरत् । पश्येम शरदः शतं जीवेम शरदः शत ँ शृणुयाम शरदः शतम्प्रब्रवाम शरदः शतमदीनाः स्यामशरदः शतम्भूयश्च शरदः शतात् ॥४॥

अङ्गन्यासः - मन्त्रों के साथ-साथ अंगो का स्पर्श करें ।

ॐ हृदयाय नमः । ॐ भूः शिरसे स्वाहा । ॐ भुवः शिखायै वषट् । ॐ स्वः कवचाय हुम् । ॐ भूर्भुवः नेत्राभ्यां वौषट् । ॐ भूर्भुवः स्वः अस्त्राय फट् ॥

ॐ पुनातु शिरसि । ॐ भूः पुनातु पादयोः । ॐ भुवः पुनातु नाभौ ।ॐ स्वः पुनातु हृदये । ॐ महः पुनातु कण्ठे । ॐ जनः पुनातु नेत्रयोः ।ॐ तपः पुनातु ललाटे । ॐ सत्यम् पुनातु शिरसि । ॐ तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात् । ॐ सर्वं पुनातु सर्वाङ्गे ।

गायत्र्यावाहनविनियोगः - ॐ तेजोऽसीति धामनामासीत्यस्य च परमेष्ठी प्रजापति-ऋषिर्यजुस्त्रिष्टुब्बृहत्युष्णिहौ छन्दसी सविता देवता गायत्र्यावाहने विनियोगः ।

ॐ तेजोऽसि शुक्रमस्यमृतमसि।

धाम नामासि प्रियं देवानामनाधृष्टं देवयजनमसि ।

गायत्रीध्यानम् -

ॐ श्वेतवर्णा समुद्दिष्टा कौशेयवसना तथा,

श्वेतैर्विलेपनैः पुष्पैरलंकारैश्च भूषिता ।

आदित्यमण्डलस्था च ब्रह्मलोकगताथवा,

अक्षसूत्रधरादेवी पद्मासनगता शुभा ॥

गायत्र्युपस्थानविनियोगः - गायत्र्यसीति विवस्वान् ऋषिः स्वराणमहापङ्क्तिश्छन्दः परमात्मा देवता गायत्र्युपस्थाने विनियोगः ।

ॐ गायत्र्यस्येकपदी द्विपदी त्रिपदी चतुष्पद्यपदसि न हि पद्यसे नमस्ते तुरीयाय दर्शताय पदाय परोरजसेऽसावदो मा प्रापत् ॥

गायत्री शापविमोचन मन्त्राः

ब्रह्मशापविमोचनविनियोगः - ॐ अस्य श्रीब्रह्मशापविमोचनमन्त्रस्य ब्रह्मा ऋषिर्भुक्तिमुक्तिप्रदा ब्रह्मशापविमोचनी गायत्री शक्तिर्देवता गायत्री छन्दः

ब्रह्मशापविमोचने विनियोगः ।

ॐ गायत्रीं ब्रह्मेत्युपासीत यद्रूपं ब्रह्मविदो विदुः ।

तां पश्यन्ति धीराः सुमनसो वाचमग्रतः॥

ॐ वेदान्तनाथाय विद्महे हिरण्यगर्भाय धीमहि, तन्नो ब्रह्मा प्रचोदयात् ।

ॐ देवि गायत्रि त्वं ब्रह्मशापाद्विमुक्ता भव ।

वसिष्ठ-शापविमोचनविनियोगः- अस्य श्रीवसिष्ठशापविमोचनमन्त्रस्य निग्रहानुग्रहकर्ता वसिष्ठ ऋषिर्वसिष्ठानुगृहीता गायत्री शक्तिर्देवता विश्वोद्भवा गायत्री छन्दः वसिष्ठशापविमोचनार्थं जपे विनियोगः।

ॐ सोऽहमर्कमयं ज्योतिरात्मज्योतिरहं शिवः।

आत्मज्योतिरहं शुक्रः सर्वज्योतिरसोऽस्म्यहम्॥

(योनिमुद्रा दिखाकर तीन बार गायत्री जपें)

ॐ देवि गायत्रि त्वं वसिष्ठशापाद्विमुक्ता भव।

विश्वामित्र-शापविमोचनविनियोगः - ॐ अस्य श्रीविश्वामित्रशापविमोचनमन्त्रस्य नूतनसृष्टिकर्ता विश्वामित्रऋषिर्विश्वामित्रानुगृहीता गायत्री शक्तिर्देवता वाग्देहा गायत्री छन्दः विश्वामित्रशापविमोचनार्थं जपे विनियोगः ।

ॐ गायत्रीं भजाम्यग्निमुखीं विश्वगर्भां यदुद्भवाः ।

देवाश्चक्रिरे विश्वसृष्टिं तां कल्याणीमिष्टकरीं प्रपद्ये ॥

ॐ देवि गायत्रि त्वं विश्वामित्र शापाद्विमुक्ता भव ।

शुक्रशापविमोचनविनियोगः - ॐअस्य श्रीशुक्रशापविमोचनमन्त्रस्य श्रीशुक्रऋषि अनुष्टुप् छन्दः देवी गायत्री देवता शुक्रशापविमोचनार्थं जपे विनियोगः ।

मन्त्र - सोऽहमर्कमयं ज्योतिरर्कज्योतिरहं शिवः । आत्मज्योतिरहं शुक्रः सर्वज्योतीरसोऽस्म्यहम्॥ ॐ देवि गायत्रि त्वं शुक्रशापाद्विमुक्ता भव ।

प्रार्थना- अहो देवि महादेवि संध्ये विद्ये सरस्वति ।

अजरे अमरे चैव ब्रह्मयोनिर्नमोऽस्तुते ॥

ॐ देवि गायत्रि त्वं ब्रह्मशापाद्विमुक्ता भव, वसिष्ठशापाद्विमुक्ता भव, विश्वामित्रशापाद्विमुक्ता भव, शुक्रशापाद्विमुक्ता भव ।

जपस्य पूर्व मुद्रा (गायत्री जप से पूर्व निम्न 24 मुद्राओं को करें ।)

सुमुखं सम्पुटं चैव विततं विस्तृतं तथा ।

द्विमुखं त्रिमुखं चैव चतुष्पञ्चमुखं तथा ॥

षण्मुखाऽधोमुखं चैव व्यापकाञ्जलिकं तथा।

शकटं यमपाशं च ग्रथितं चोन्मुखोन्मुखम्॥

प्रलम्बं मुष्टिकं चैव मत्स्यः कूर्मो वराहकम्।

सिहाक्रान्तं महाक्रान्तं मुद्गरं पल्लवं तथा॥

एता मुद्राश्चतुर्विंशज्जपादौ परिकीर्तिताः॥

गायत्रीजपविनियोगः - ॐ कारस्य ब्रह्म ऋषिर्दैवी गायत्री छन्दः परमात्मा देवता तिसृणां महाव्याहृतीनां प्रजापतिऋषिर्गायत्र्युष्णिगनुष्टुभश्छन्दांस्यग्निवायुसूर्या देवताः तत्सवितुरिति विश्वामित्रऋषिर्गायत्री छन्दः सविता देवता जपे विनियोगः।

मालाप्रार्थना- ॐ मां माले महामाये सर्वशक्तिस्वरूपिणि ।

चतुर्वर्गस्त्वयि न्यस्तस्तस्मान्मे सिद्धिदा भव ॥

ॐ अविघ्नं कुरु माले त्वं गृह्णामि दक्षिणे करे।

जपकाले च सिद्ध्यर्थं प्रसीद मम सिद्धये॥

ॐ अक्षमालाधिपतये सुसिद्धिं देहि देहि सर्वमन्त्रार्थसाधिनि साधय साधय सर्वसिद्धिं परिकल्पय परिकल्पय मे स्वाहा

गायत्री मन्त्रः (निम्न गायत्री मन्त्र का 108 बार जप करें -)

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।

माला विसर्जनम् (जप के पश्चात् निम्न मन्त्र से माला विसर्जन करें -)

ॐ गुह्यातिगुह्यगोप्त्रीत्वं गृहाणास्मत्कृतं जपम्।

सिद्धिर्भवतु मे देवि त्वत्प्रसादान्महेश्वरि॥

जपान्तरं मुद्राः(गायत्री जप के पश्चात् निम्न 8 मुद्राओं को करें -)

सुरभिर्ज्ञानवैराग्ये योनिः शंखोऽथ पङ्कजम्।

लिङ्गनिर्वाणमुद्राश्च जपान्तेऽष्टौ प्रदर्शयेत्॥

जपसमर्पणविनियोगः - ॐ देवा गातुविद इति मनसस्पतिऋषिर्विराडनुष्टुप्छन्दो वातो देवता जपनिवेदने विनियोगः ।

ॐ देवा गातुविदो गातुं वित्त्वा गातुमित मनसस्पत। इमं देवयज्ञꣳ स्वाहा वातेधाः॥

अनेन यथाशक्तिकृतेन गायत्रीजपाख्येन कर्मणा भगवान् सूर्यनारायणः प्रीयतां न मम । (पृथ्वी पर जल छोड़े)

तत्पश्चात् निम्नलिखित गायत्री कवच का पाठ कर सकते हैं-

विनियोगः- अस्य श्री गायत्रीकवचस्य ब्रह्मा ऋषिर्गायत्री छन्दो गायत्रीदेवता भूः बीजं भुवः शक्तिः स्वः कीलकं गायत्रीप्रीत्यर्थं गायत्रीकवचपाठे विनियोगः

ध्यानम् -

पञ्चवक्त्रां दशभुजां सूर्यकोटिसमप्रभाम् ।
सावित्रीं ब्रह्मवरदां चन्द्रकोटिसुशीतलाम् ॥
त्रिनेत्रां सितवस्त्रां च मुक्ताहारविराजिताम् ।
वराभयाङ्कुशकशाहेमपात्राक्षमालिकाम् ॥
शङ्खचक्राब्जयुगलं कराभ्यां दधतीं वराम् ।
सितपङ्कजसंस्थाञ्च हंसारूढां सुखस्मिताम्।
ध्यात्वैवं मानसाम्भोजे गायत्रीकवचं जपेत् ॥

ॐ ब्रह्मोवाच

विश्वामित्र महाप्राज्ञ गायत्रीकवचं श्रृणु ।
यस्य विज्ञानमात्रेण त्रैलोक्यं वशयेत् क्षणात् ॥
सावित्री मे शिरः पातु शिखायाममृतेश्वरी ।
ललाटं ब्रह्मदैवत्या भ्रुवौ मे पातु वैष्णवी ॥
कर्णौ मे पातु रुद्राणी सूर्या सावित्रिकाऽम्बिके ।
गायत्री वदनं पातु शारदा दशनच्छदौ ॥
द्विजान् यज्ञप्रिया पातु रसनायां सरस्वती ।
सांख्यायनी नासिकां मे कपोलौ चन्द्रहासिनी ॥
चिबुकं वेदगर्भा च कण्ठं पात्वघनाशिनी ।
स्तनौ मे पातु इन्द्राणी हृदयं ब्रह्मवादिनी ॥
उदरं विश्वभोक्त्री च नाभौ पातु सुरप्रिया ।
जघनं नारसिंही च पृष्ठं ब्रह्माण्डधारिणी ॥
पार्श्वौ मे पातु पद्माक्षी गुह्यं गोगोप्त्रिकाऽवतु ।
ऊर्वोरोंकाररूपा च जान्वोः संध्यात्मिकाऽवतु ॥
जङ्घयोः पातु अक्षोभ्या गुल्फयोर्ब्रह्मशीर्षका ।
सूर्या पदद्वयं पातु चन्द्रा पादाङ्गुलीषु च ॥
सर्वाङ्गं वेदजननी पातु मे सर्वदाऽनघा ।
इत्येतत् कवचं ब्रह्मन् गायत्र्याः सर्वपावनम् ॥
पुण्यं पवित्रं पापघ्नं सर्वरोगनिवारणम् ।
त्रिसन्ध्यं यः पठेद्विद्वान् सर्वान् कामानुवाप्नुयात् ॥
सर्वशास्त्रार्थतत्वज्ञः स भवेद्वेदवित्तमः ।
सर्वयज्ञफलं प्राप्य ब्रह्मान्ते समवाप्नुयात् ॥
प्राप्नोति जपमात्रेण पुरुषार्थांश्चतुर्विधान् ॥

(श्रीविश्वामित्रसंहितोक्तं गायत्रीकवचं सम्पूर्णम्)

गायत्रीविसर्जनविनियोगः ॐ उत्तमे शिखरे इति वामदेव ऋषिरनुष्टुप्छन्दः गायत्री देवता गायत्रीविसर्जने विनियोगः ।

ॐ उत्तमे शिखरे देवी भूम्यां पर्वतमूर्धनि।
ब्राह्मणेभ्योऽभ्यनुज्ञाता गच्छ देवि यथासुखम्।

सूर्यप्रदक्षिणाविनियोगः ॐ विश्वतश्चक्षुरिति भौवन ऋषिस्त्रिष्टुप्छन्दो विश्वकर्मा देवता सूर्यप्रदक्षिणायां विनियोगः ।

मन्त्रः - ॐ विश्वतश्चक्षुरुत विश्वतोमुखो विश्वतोबाहुरुत विश्वतस्पात् ।
सम्बाहुभ्यां धमति सम्पतत्रैर्द्यावाभूमी जनयन् देव एकः ।

अनेन सन्ध्योपासनाख्येन कर्मणा श्रीपरमेश्वरः प्रीयतां न मम।

ॐ तत्सद् ब्रह्मार्पणमस्तु। ॐ शक्राय नमः । ॐ शतक्रतवे नमः ।

-0-0-0-

वीणाधरे विपुलमङ्गलदानशीले
भक्तार्तनाशिनि विरञ्चिहरीशवन्द्ये।
कीर्तिप्रदेऽखिलमनोरथदे महार्हे,
विद्या प्रदायिनि सरस्वति नौमि नित्यम्।।

षोडशोपचार पूजन विधि

पूजा में जो वस्तु विद्यामान न हो उसके लिये 'मनसा परिकल्प्य सर्मपयामि' कहें। वैदिक एवं लौकिक मन्त्रों के साथ षोडशोपचार पूजन की विधि ।

हाथ में अक्षत लेकर ध्यान करे-

भगवान गणेश जी का ध्यान-

गजाननं भूतगणादिसेवितं कपित्थजम्बूफलचारुभक्षणम्।

उमासुतं शोकविनाशकारकं नमामि विघ्नेश्वरपादपङ्कजम्॥

भगवती गौरी जी का ध्यान करे-

नमो देव्यै महादेव्यै शिवायै सततं नमः।

नमः प्रकृत्यै भद्रायै नियताः प्रणताः स्म ताम्॥

श्रीगणेशाम्बिकाभ्यां नमः ध्यानं सर्मपयामि।

ध्यान के बाद भगवान गणेश जी का आवाहन करे-

ॐ गणानां त्वा गणपति ॅ हवामहे प्रियाणां त्वा प्रियपति ॅ हवामहे निधीनां त्वा निधिपति ॅ हवामहे वसो मम। आहमजानि गर्भध मात्वमजासि गर्भधम्॥

एह्येहि हेरम्ब महेशपुत्र समस्तविघ्नौघविनाशदक्ष।
माङ्गल्यपूजाप्रथमप्रधान गृहाण पूजां भगवन् नमस्ते॥

ॐ भूर्भुवः स्वः सिद्धिबुद्धिसहिताय गणपतये नमः गणपतिमावाहयामि, स्थापयामि, पूजयामि च।

हाथ के अक्षत गणेश जी पर चढ़ा दे। फिर अक्षत लेकर गणेश जी की दाहिनी ओर गौरी जी का आवाहन करे।

भगवती गौरी का आवाहन-

ॐ अम्बे अम्बिकेऽम्बालिके न मा नयति कश्चन। ससस्त्यश्वकः सुभद्रिकां काम्पीलवासिनीम्॥

हेमाद्रितनयां देवीं वरदां शङ्करप्रियाम्।

लम्बोदरस्य जननीं गौरीमावाहयाम्यहम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गौर्यै नमः गौरीमावाहयामि स्थापयामि पूजयामि च।

उपर्युक्त मन्त्र केवल गौरी गणेश जी के लिये विहित है अन्यथा जिस देवता का पूजन करना हो उनके लिये जो मन्त्र विहित हो उस मन्त्र से ध्यान आवाहन करे। तदनन्तर अधोलिखित मन्त्र प्रायः सभी देव के लिये षोडशोपचार पूजा में प्रयोग कर सकते हैं।

प्राण प्रतिष्ठा-

ॐ मनो जूतिर्जुषतामाज्यस्य बृहस्पतिर्यज्ञमिमं तनोत्वरिष्टं यज्ञ ॅ समिमं दधातु। विश्वे देवास इह मादयन्तामो ३म्प्रतिष्ठ॥

अस्यै प्राणाः प्रतिष्ठन्तु अस्यै प्राणाः क्षरन्तु च।

अस्यै देवत्वमर्चायै मामहेति च कश्चन॥

गणेशाम्बिके! सुप्रतिष्ठिते वरदे भवेताम्। प्रतिष्ठापूर्वकम् आसनार्थे अक्षतान् समर्पयामि गणेशाम्बिकाभ्यां नमः (आसन के लिये अक्षत छोड़ें)

पाद्य, अर्घ्य, आचमनीय, स्नानीय, पुनराचमनीय।

ॐ देवस्य त्वा सवितुः प्रसवेऽश्विनोर्बाहुभ्यां
पूष्णो हस्ताभ्याम्॥

एतानि पाद्यार्घ्याचमनीयस्नानीयपुनराचमनीयानि सर्मपयामि गणेशाम्बिकाभ्यां नमः। (इस मन्त्र से जल चढा दे)

दुग्धस्नान-

ॐ पयः पृथिव्यां पय ओषधीषु पयो दिव्यन्तरिक्षे पयो धाः।

पयस्वतीः प्रदिशः सन्तु मह्यम्॥

कामधेनुसमुद्भूतं सर्वेषां जीवनं परम्।

पावनं यज्ञहेतुश्च पयः स्नानार्थमर्पितम्॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, पयः स्नानं समर्पयामि। (दूध से स्नान करायें)

दधिस्नान–

ॐ दधिक्राव्णो अकारिषं जिष्णोरश्वस्य वाजिनः।

सुरभि नो मुखा करत्प्रण आयू ৺ षि तारिषत्॥

पयसस्तु समुद्भूतं मधुराम्लं शशिप्रभम्।

दध्यानीतं मया देव स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, दधिस्नानं समर्पयामि। (दही से स्नान करायें)

घृतस्नान–

ॐ घृतं मिमिक्षे घृतमस्य योनिर्घृते श्रितो घृतम्वस्य धाम।

अनुष्वधमा वह मादयस्व स्वाहाकृतं वृषभ वक्षि हव्यम्॥

नवनीतसमुत्पन्नं सर्वसंतोषकारकम्।

घृतं तुभ्यं प्रदास्यामि स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, घृतस्नानं समर्पयामि। (घी से स्नान कराये)

मधुस्नान–

ॐ मधु वाता ऋतायते मधु क्षरन्ति सिन्धवः।

माध्वीर्नः सन्त्वोषधीः॥

मधुनक्तमुतोषसो मधुमत्पार्थिव ৺ रजः।

मधु द्यौरस्तु नः पिता॥

पुष्परेणुसमुद्भूतं सुस्वादु मधुरं मधु।

तेजः पुष्टिकरं दिव्यं स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, मधुस्नानं समर्पयामि। (मधु से स्नान करायें)

शर्करास्नान–

ॐ अपा ৺ रसमुद्वयस ৺ सूर्ये सन्त ৺ समाहितम्। अपा ৺ रसस्य यो रसस्तं वो गृह्णाम्युत्तममुपयागृहीतोऽसीन्द्राय त्वा जुष्टं गृह्णाम्येष ते योनिरिन्द्राय त्वा जुष्टतमम्॥

इक्षुरससमुद्भूतां शर्करा पुष्टिदां शुभाम्।

मलापहारिकां दिव्यां स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, शर्करा स्नानं समर्पयामि। (शर्करा से स्नान करायें)

पञ्चामृतस्नान–

ॐ पञ्च नद्यः सरस्वतीमपि यन्ति सस्रोतसः। सरस्वती तु पञ्चधा सो देशेऽभवत्सरित्॥

पञ्चामृतं मयानीतं पयो दधि घृतं मधु।

शर्करया समायुक्तं स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, पञ्चामृतस्नानं समर्पयामि। (पञ्चामृत से स्नान करायें)

गन्धोदकस्नानं-

ॐ अ २ शुना ते अ २ शुः पृच्यतां परुषा परुः। गन्धस्ते सोममवतु मदाय रसो अच्युतः॥

मलयाचलसम्भूतचन्दनेन विनिःसृतम्।

इदं गन्धोदकस्नानं कुङ्कुमाक्तञ्च गृह्यताम्॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, गन्धोदकस्नानं समर्पयामि। (गन्धोदक से स्नान करायें)

शुद्धोदकस्नानं-

ॐ शुद्धवालः सर्वशुद्धवालो मणिवालस्त आश्विनाः। श्येतः श्येताक्षोऽरुणस्ते रुद्राय पशुपतये कर्णा यामा अवलिप्ता रौद्रा नभोरूपाः पार्जन्याः॥

गङ्गा च यमुना चैव गोदावरि सरस्वती ।

नर्मदा सिन्धुकावेरी स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, शुद्धोदकस्नानं समर्पयामि। (शुद्ध जल से स्नान करायें) शुद्धोदकस्नानान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि (आचमन के लिये जल दें)

वस्त्र-

ॐ युवा सुवासा परिवीत आगात् स उश्रेयान् भवति जायमानः।

तं धीरासः कवय उन्नयन्ति स्वाध्यो ३ मनसा देवयन्तः॥

शीतवातोष्णसंत्राणं लज्जाया रक्षणं परम्।
देहालङ्करणं वस्त्रमतः शान्तिं प्रयच्छ मे ॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, वस्त्रं समर्पयामि। (वस्त्र समर्पित करें)

आचमन-

वस्त्रान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि (आचमन के लिये जल दें)

उपवस्त्र-

ॐ सुजातो ज्योतिषा सह शर्म वरूथमाऽसदत्स्वः। वासो अग्ने विश्वरूप २ सं व्ययस्व विभावसो॥

यस्याभावेन शास्त्रोक्तं कर्म किञ्चन्न सिध्यति।

उपवस्त्रं प्रयच्छामि सर्वकर्मोपकारकम्॥

ॐॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, उपवस्त्रं (उपवस्त्राभावे रक्तसूत्रं समर्पयामि उपवस्त्र समर्पित करें)

यज्ञोपवीत-

ॐ यज्ञोपवीतं परमं पवित्रं प्रजापतेर्यत्सहजं पुरस्तात्। आयुष्यमग्र्यं प्रतिमुञ्च शुभ्रं यज्ञोपवीतं बलमस्तु तेजः॥ यज्ञोपवीतमसि यज्ञस्य त्वा यज्ञोपवीतेनोपनह्यामि।

नवभिस्तन्तुभिर्युक्तं त्रिगुणं देवतामयम्।

उपवीतं मया दत्तं गृहाणपरमेश्वर॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, यज्ञोपवीतं समर्पयामि (यज्ञोपवीत समर्पित करें) आचमन- यज्ञोपवीतान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि। आचमन के लिये जल दें।

चन्दन-

त्वां गन्धर्वा अखनँस्त्वामिन्द्रस्त्वां बृहस्पतिः। त्वामोषधे सोमो राजा विद्वान् यक्ष्मादमुच्यत॥

श्रीखण्डं चन्दनं दिव्यं गन्धाढ्यं सुमनोहरम्।

विलेपनं सुरश्रेष्ठ! चन्दनं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, चन्दनानुलेपनं समर्पयामि। चन्दन अर्पित करें

अक्षत–

ॐ अक्षन्नमीमदन्त ह्यव प्रिया अधूषत। अस्तोषत स्वभानवो विप्रा नविष्ठया मती योजान्विन्द्रते हरी॥

अक्षताश्च सुरश्रेष्ठ कुङ्कुमाक्ताः सुशोभिताः।

मया निवेदिता भक्त्या गृहाण परमेश्वर॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, अक्षतान् सर्मपयामि। अक्षत चढायें।

पुष्पमाला–

ॐ ओषधीः प्रति मोदध्वं पुष्पवतीः प्रसूवरीः। अश्वा इव सजित्वरीर्वीरुधः पारयिष्णवः॥

माल्यादीनि सुगन्धीनि मालत्यादीनि वै प्रभो।

मयाहृतानि पुष्पाणि पूजार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, पुष्पमालां समर्पयामि (पुष्पमाला समर्पित करें)

दूर्वा–

ॐ काण्डात्काण्डात्प्ररोहन्ती परुषः परुषस्परि। एवा नो दूर्वे प्र तनु सहस्रेण शतेन च ॥

दुर्वाङ्कुरान् सुहरितानमृतान् मङ्गलप्रदान् ।

आनीतांस्तव पूजार्थं गृहाण गणनायक॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, दुर्वाङ्कुरान् समर्पयामि। (दूर्वा चढायें)

सिन्दूरम् –

ॐ सिन्धोरिव प्राध्वने शूघनासो वातप्रमियः पतयन्ति यह्वाः। घृतस्य धारा अरुषो न वाजी काष्ठा भिन्दन्नूर्मिभिः पिन्वमानः॥

सिन्दूरं शोभनं रक्तं सौभाग्यं सुखवर्धनम्।

शुभदं कामदं चैव सिन्दूरं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, सिन्दूरं समर्पयामि (सिन्दूर अर्पित करें)

अबीर– गुलालादि द्रव्याणि

ॐ अहिरिव भोगैः पर्येति बाहुं ज्याया हेतिं परिबाधमानः। हस्तघ्नो विश्वा वयुनानि विद्वान् पुमान् पुमा ꣳसं परिपातु विश्वतः॥

अबीरं च गुलालं च हरिद्रादिसमन्वितम्।

नाना परिमलं द्रव्यं गृहाण परमेश्वर॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, नानापरिमलद्रव्याणि समर्पयामि। अबीर आदि चढायें।

सुगन्धिद्रव्यम् –

ॐ अहिरिव भोगैः पर्येति बाहुं ज्याया हेतिं परिबाधमानः। हस्तघ्नो विश्वा वयुनानि विद्वान् पुमान् पुमा ꣳ सं परिपातु विश्वतः॥

दिव्यगन्धसमायुक्तं महापरिमलाद्भुतम्।

गन्धद्रव्यमिदं भक्त्या दत्तं वै परिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः सुगन्धिद्रव्यं समर्पयामि (सुगन्धित द्रव्य अर्पण करें)

धूपम् -

ॐ धूरसि धूर्व धूर्वन्तं धूर्व तं योऽस्मान् धूर्वति तं धूर्व यं वयन्धूर्वामः। देवानामसि वह्नितम ँ सस्नितमं पप्रितमं जुष्टतमं देवहूतमम्॥

वनस्पतिरसोद्भूतो गन्धाढ्यो गन्ध उत्तमः।

आघ्रेयः सर्वदेवानां धूपोऽयं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, धूपमाघ्रापयामि।(धूप दिखाये)

दीपम् -

ॐ अग्निर्ज्योतिर्ज्योतिरग्निः स्वाहा सूर्यो ज्योतिर्ज्योतिः सूर्यः स्वाहा। अग्निर्वर्चो ज्योतिर्वर्चः स्वाहा सूर्यो वर्चो ज्योतिर्वर्चः स्वाहा॥ ज्योतिः सूर्यः सूर्यो ज्योतिः स्वाहा॥

साज्यं च वर्तिसंयुक्तं वह्निना योजितं मया।

दीपं गृहाण देवेश त्रैलोक्यतिमिरापहम्॥

भक्त्या दीपं प्रयच्छामि देवाय परमात्मने।

त्राहि मां निरयाद् घोराद् दीपज्योतिर्नमोऽस्तु ते॥

ॐ भूर्भूवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः दीपं दर्शयामि। (दीप दिखायें)

हस्तप्रक्षालनम् -

ॐ हृषीकेशाय नमः। कहकर हाथ धो लें।

नैवेद्यम्-

नैवेद्य को प्रोक्षित कर गन्ध पुष्प से आच्छादित करें। तदन्तर जल से चतुष्कोण घेरा लगाकर भगवान के आगे रखें।

ॐ नाभ्या आसीदन्तरिक्ष ँ शीर्ष्णोद्यौः समवर्तत। पद्भ्यां भूमिर्दिशः श्रोत्रात्तथा लोकाँ२ अकल्पयन्॥

ॐ अमृतोपस्तरणमसि स्वाहा। ॐ प्राणाय स्वाहा। ॐ अपानाय स्वाहा। ॐ समानाय स्वाहा। ॐ उदानाय स्वाहा। ॐ व्यानाय स्वाहा । ॐ अमृतापिधानमसि स्वाहा।

शर्कराखण्डखाद्यानि दधिक्षीरघृतानि च।

आहारं भक्ष्यभोज्यं च नैवेद्यं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, नैवेद्यं निवेदयामि। नैवेद्य निवेदित करें।

नैवेद्यान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि । जल समर्पित करें।

ऋतुफलम् -

ॐ याः फलिनीर्या अफला अपुष्पा याश्च पुष्पिणीः। बृहस्पतिप्रसूतास्ता नो मुञ्चन्त्व ँ हसः॥

इदं फलं मया देव स्थापितं पुरतस्तव।

तेन मे सफलावाप्तिर्भवेज्जन्मनि जन्मनि॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, ऋतुफलानि समर्पयामि। (ऋतुफल अर्पित करें)

फलान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि। (आचमनीय जल अर्पित करें)

उत्तरापोऽशनम् - उत्तरापोऽशनार्थे जलं समर्पयामि।

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः। (जल दें)

करोद्वर्तन-

ॐ अ ँ शुना ते अ ँ शुः पृच्यतां परुषा परुः। गन्धस्ते सोममवतु मदाय रसो अच्युतः॥

चन्दनं मलयोद्भूतं कस्तूर्यादिसमन्वितम्।

करोद्वर्तनकं देव गृहाण परमेश्वर॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, करोद्वर्तनकं चन्दनं समर्पयामि। (मलयचन्दन समर्पित करें)

ताम्बूलम् -

ॐ यत्पुरुषेण हविषा देवा यज्ञमतन्वत।

वसन्तोऽस्यासीदाज्यं ग्रीष्म इध्मः शरद्धविः॥

पूगीफलं महद्दिव्यं नागवल्लीदलैर्युतम्।

एलादिचूर्णसंयुक्तं ताम्बूलं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, मुखवासार्थम् एलालवंगपूगीफलसहितं ताम्बूलं समर्पयामि। (इलायची , लौंग-सुपारी के साथ ताम्बूल अर्पित करें)

दक्षिणा द्रव्यम् -

ॐ हिरण्यगर्भः समवर्तताग्रे भूतस्य जातः पतिरेक आसीत्।

स दाधार पृथिवीं द्यामुतेमां कस्मै देवाय हविषा विधेम ॥

हिरण्यगर्भगर्भस्थं हेमबीजं विभावसोः।

अनन्तपुण्यफलदमतः शान्तिं प्रयच्छ मे॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, कृतायाः पूजायाः साद्गुण्यार्थे द्रव्यदक्षिणां समर्पयामि। (द्रव्य दक्षिणा समर्पित करें)

आरार्तिकं -

ॐ इद ँ हविः प्रजननं मे अस्तु दशवीर ँ सर्वगण ँ स्वस्तये। आत्मसनि प्रजासनि पशुसनि लोकसन्यभयसनि। अग्निः प्रजां बहुलां मे करोत्वन्नं पयो रेतो अस्मासु धत्त॥

ॐ आ रात्रि पार्थिव ँ रजः पितुरप्रायि धामभिः। दिवः सदा ँ सि बृहती वि तिष्ठस आ त्वेषं वर्तते तमः॥

कदलीगर्भसम्भूतं कर्पूरं तु प्रदीपितम्।

आरार्तिकमहं कुर्वे पश्य मे वरदो भव॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, आरार्तिकं समर्पयामि। (कर्पूर की आरती करें आरती के बाद जल गिरा दें)

पुष्पाञ्जलिः-

ॐ यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन्। ते ह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्ति देवाः॥

श्रद्धया सिक्तया भक्त्या हार्दप्रेम्णा समर्पितः।

मन्त्रपुष्पाञ्जलिश्चायं कृपया प्रतिगृह्यताम्॥

नानासुगन्धिपुष्पाणि यथाकालोद्भवानि च।

पुष्पाञ्जलिर्मया दत्तो गृहाण परमेश्वर ॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, पुष्पाञ्जलिं समर्पयामि (पुष्पाञ्जलि अर्पित करें)

प्रदक्षिणाम्-

ॐ ये तीर्थानि प्रचरन्ति सृकाहस्ता निषङ्गिणः।

तेषा ँ सहस्रयोजनेऽव धन्वानि तन्मसि॥

यानि कानि च पापानि जन्मान्तरकृतानि च।

तानि सर्वाणि नश्यन्तु प्रदक्षिणपदे पदे॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, प्रदक्षिणां समर्पयामि (प्रदक्षिणा करें)

यहाँ तक सभी पूजन में उपर्युक्त मन्त्रों का उपयोग कर सकते हैं।

विशेषार्घ्य – ताम्रपात्र में जल, चन्दन, अक्षत, फल, फूल, दूर्वा और, दक्षिणा रखकर अर्घ्यपात्र को हाथ में लेकर निम्नलिखित मन्त्र पढ़ें।

रक्ष रक्ष गणाध्यक्ष रक्ष त्रैलोक्यरक्षक।
भक्तानामभयं कर्ता त्राता भव भवार्णवात्॥
द्वैमातुर कृपासिन्धो षाण्मातुराग्रज प्रभो।
वरदस्त्वं वरं देहि वाञ्छितं वाञ्छितार्थद॥
अनेन सफलार्घ्येण वरदोऽस्तु सदा मम॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, विशेषार्घ्यं समर्पयामि। (विशेषार्घ्य दें)

प्रार्थना– **विघ्नेश्वराय वरदाय सुरप्रियाय**
लम्बोदराय सकलाय जगद्धिताय।
नागाननाय श्रुतियज्ञविभूषिताय
गौरीसुताय गणनाथ नमो नमस्ते॥
त्वं वैष्णवी शक्तिरनन्तवीर्या विश्वस्य बीजं परमासि माया ।
सम्मोहितं देवि समस्तमेतत् त्वं वै प्रसन्ना भुवि मुक्तिहेतुः॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, प्रार्थनापूर्वकं नमस्कारान् समर्पयामि। (साष्टाङ्ग नमस्कार करें)

गणेशपूजने कर्म यन्न्यूनमधिकं कृतम्।
तेन सर्वेण सर्वात्मा प्रसन्नोऽस्तु सदा मम ॥
अनया पूजया गणेशाम्बिके प्रीयेताम्, न मम।

ऐसा कहकर समस्त पूजनकर्म भगवान को समर्पित कर दें।

तर्पण प्रयोग विधि

गायत्री मन्त्र से शिखा बाँधकर तिलक लगाकर प्रथम दाहिनी अनामिका में दो कुशों की और बायीं अनामिका में त्रिकुश की पवित्री धारण करें। फिर हाथ में त्रिकुश, यव, अक्षत और जल लेकर सङ्कल्प पढ़ें।

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः श्रीमद्भगवतो महापुरुषस्य विष्णोराज्ञया प्रवर्तमानस्य ब्रह्मणोऽह्नि द्वितीयपरार्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे वैवस्वतमन्वन्तरे अष्टाविंशतितमे कलियुगे कलिप्रथमचरणे जम्बूद्वीपे भारतवर्षे आर्यावर्तैकदेशान्तर्गते .... पुण्यप्रदेशे ...... नगरे .... ग्रामे ....क्षेत्रे .... संवत्सरे.......अयने.......ऋतौ.........मासे.......पक्षे...........तिथौ........... वासरे........गोत्रः शर्मा/वर्मा/गुप्ता/दासोऽहं श्रुतिस्मृतिपुराणोक्त-फलप्राप्त्यर्थं देवर्षिमनुष्यपितृतर्पणं करिष्ये।

आवाहनम् – **ब्रह्मादयः सुराः सर्वे ऋषयः सनकादयः।**
आगच्छन्तु महाभागा ब्रह्माण्डोरवर्तिनः॥

देवतर्पणम्

देव तथा ऋषि तर्पण में पूर्व दिशा की ओर मुख करें, जनेऊ को सव्य रखें, दाहिना घुटना जमीन पर लगाकर बैठें । अर्घ्यपात्र में चावल छोड़ कर त्रिकुश को पूर्व की ओर अग्रभाग कर रखें। जल की अञ्जलि एक-एक हो। देवतीर्थ से अर्थात् दायें हाथ की अङ्गुलियों के अग्रभाग से जल दें। जलाञ्जलि को सोना, चाँदी, ताँबा अथवा काँसे के पात्र में डालें वा सामर्थ्यानुसार उपलब्ध पात्र में डालें। यदि नदी में तर्पण किया जाय तो दोनों हाथों को मिलाकर जल से भरकर गौ के सींग जितना ऊँचा उठाकर जल में अञ्जलि डालें। निम्नलिखित प्रत्येक नाम मन्त्र के बाद **'तृप्यताम्'** कहकर एक-एक अञ्जलि जल दें।

ॐ ब्रह्मा तृप्यताम्। ॐ विष्णुस्तृप्यताम्। ॐ रुद्रस्तृप्यताम्।
ॐ प्रजापतिस्तृप्यताम्। ॐ देवास्तृप्यन्ताम्। ॐ छन्दांसि तृप्यन्ताम्।
ॐ वेदास्तृप्यन्ताम्। ॐ ऋषयस्तृप्यन्ताम्।
ॐ पुराणाचार्यास्तृप्यन्ताम्। ॐ गन्धर्वास्तृप्यन्ताम्।
ॐ इतराचार्यास्तृप्यन्ताम्। ॐ संवत्सरः सावयवस्तृप्यताम्।
ॐ देव्यस्तृप्यन्ताम्। ॐ अप्सरसस्तृप्यन्ताम्।

ॐ देवानुगास्तृप्यन्ताम्। ॐ नागास्तृप्यन्ताम्।
ॐ सागरास्तृप्यन्ताम्। ॐ पर्वतास्तृप्यन्ताम्।
ॐ सरितस्तृप्यन्ताम्। ॐ मनुष्यास्तृप्यन्ताम्।
ॐ यक्षास्तृप्यन्ताम्। ॐ रक्षांसि तृप्यन्ताम्।
ॐ पिशाचास्तृप्यन्ताम्। ॐ सुपर्णास्तृप्यन्ताम्।
ॐ भूतानि तृप्यन्ताम्। ॐ पशवस्तृप्यन्ताम्।
ॐ वनस्पतयस्तृप्यन्ताम्। ॐ ओषधयस्तृप्यन्ताम्।
ॐ भूतग्रामश्चतुर्विधस्तृप्यताम्।

ऋषितर्पणम्

इसी प्रकार निम्नलिखित मन्त्रों वाक्यों सें मरीचि आदि ऋपियों को भी एक-एक अञ्जलि दें।

ॐमरीचिस्तृप्यताम्। ॐअत्रिस्तृप्यताम्। ॐअङ्गिरास्तृप्यताम्। ॐपुलस्त्यस्तृप्यताम्। ॐपुलहस्तृप्यताम्। ॐक्रतुस्तृप्यताम्। ॐवशिष्ठस्तृप्यताम्। ॐप्रचेतास्तृप्ताम्। ॐभृगुस्तृप्यताम्। ॐनारदस्तृप्यताम्।

दिव्यमनुष्यतर्पणम्

दिव्य मनुष्य तर्पण में उत्तर दिशा की ओर मुख करें, जनेऊ कंठी की तरह कर लें, गमछे को भी कंठी की तरह कर लें, सीधा बैठें। कोई घुटना भूमि पर न लगाएं। अर्घ्यपात्र में जौ छोड़ें। त्रिकुश को उत्तराग्र रखें। प्रजापत्य (काय) तीर्थ से अर्थात् कुशों को दाहिने हाथ की कनिष्ठिका के मूल भाग में रखकर यहीं से दो-दो अञ्जलियाँ जल दें।

ॐसनकस्तृप्यताम्(२)। ॐसनन्दनस्तृप्यताम्(२)।
ॐसनातनस्तृप्यताम्(२)। ॐकपिलस्तृप्यताम्(२)।
ॐआसुरिस्तृप्यताम्(२)। ॐवोढुस्तृप्यताम्(२)।
ॐपञ्चशिखस्तृप्यताम्(२)।

दिव्यपितृतर्पणम्

पितृ तर्पण में दक्षिण दिशा की ओर मुख कर अपसव्य हो जाएं अर्थात् जनेऊ को दाहिने कंधे पर रखकर बायें हाथ के नीचे ले जाएं। गमछे को भी दाहिने कंधे पर रखें। बायां घुटना भूमी पर लगाकर बैठें, अर्घ्य पात्र में कृष्ण तिल छोड़ें, कुशा को बीच से मोड़कर उनकी जड़ और अग्रभाग को दाहिने हाथ के तर्जनी और अँगूठे के बीच में रखें, पितृ तीर्थ से अर्थात् अँगूठे और तर्जनी के मध्यभाग से प्रत्येक मन्त्र पर तीन-तीन अञ्जलियाँ जल दें। जल में गंगाजल प्रयोग करना सर्वाधिक श्रेयस्कर है। अभाव में गंगाजल मिश्रित जल प्रयुक्त करें। गंगाजल के अभाव में किसी पवित्र नदी-स्रोत-तड़ागादि का जल भी ग्रहण किया जा सकता है।

ॐ कव्यवाडनलस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा , तस्मै स्वधा , तस्मै स्वधा । ॐ सोमस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा (३)। ॐ यमस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा (३)। ॐ अर्यमा तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा (३)। ॐ अग्निष्वात्ताः पितरस्तृप्यन्तामिदं सतिलं जलं तेभ्यः स्वधा (३)। ॐ सोमपाः पितरस्तृप्यन्तामिदं सतिलं जलं तेभ्यः स्वधा (३)। ॐ बर्हिषदः पितरस्तृप्यन्तामिदं सतिलं जलं तेभ्यः स्वधा (३)।

यमतर्पणम्

इसी प्रकार निम्नलिखित प्रत्येक नाम से यमराज को पितृतीर्थ से ही दक्षिणाभिमुखि हो तीन-तीन अञ्जलियाँ दे-

ॐ यमाय नमः (३)। ॐ धर्मराजाय नमः (३)। ॐ मृत्यवे नमः (३)। ॐ अन्तकाय नमः (३)। ॐ वैवस्वताय नमः (३)। ॐ कालाय नमः (३)। ॐ सर्वभूतक्षयाय नमः (३)। ॐ औदुम्बराय नमः (३)। ॐ दध्नाय नमः (३)। ॐ नीलाय नमः (३)। ॐ परमेष्ठिने नमः (३)। ॐ वृकोदराय नमः (३)।

ॐ चित्राय नमः (३)। ॐ चित्रगुप्ताय नमः (३)।

पितरों का तर्पण करने के पूर्व निम्नाङ्कित मन्त्रों से हाथ जोड़कर सर्वप्रथम उनका आवाहन करें -

ॐ उशन्तस्त्वा नि धीमह्युशन्तः समिधीमहि।
उशन्नुशत आ वह पितृन् हविषे अत्तवे ॥

आ यन्तु नः पितरः सोम्यासोऽग्निष्वात्ताः पथिभिर्देवयानैः।
अस्मिन् यज्ञे स्वधया मदन्तोऽधि ब्रुवन्तु तेऽवन्त्वस्मान्॥

ॐ आगच्छन्तु मे पितर इमं गृह्णन्तु जलाञ्जलिम्।

इसी तरह नीचे लिखे मन्त्रों का उच्चारण कर तिल के साथ तीन-तीन अञ्जलियाँ जल दें

अमुकगोत्रः अस्मत्पिता अमुकः (शर्मा/वर्मा/गुप्ता) वसुरूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा (३)।

अमुकगोत्रः अस्मत्पितामहः अमुकः (शर्मा/वर्मा/गुप्ता) रुद्ररूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा (३)।

अमुकगोत्रः अस्मत्प्रपितामहः अमुकः (शर्मा/वर्मा/गुप्ता) आदित्यरूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा (३)।

अमुकगोत्रा अस्मन्माता अमुकी देवी गायत्रीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा (३)।

अमुकगोत्रा अस्मत्पितामही अमुकी देवी सावित्रीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा (३)।

अमुकगोत्रा अस्मत्प्रपितामही अमुकी देवी सरस्वतीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा (३)।

यदि किसी की सौतेली माता मर गयी हो तो उसको भी तीन बार जल दें।

अमुकगोत्रा अस्मत्सापत्नमाता अमुकी देवी गायत्रीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा (३)।

इसके बाद निम्नाङ्कित नौ मन्त्रों को पढते हुए पितृतीर्थ से जल गिराते रहें-

ॐ उदीरतामवर उत्परास उन्मध्यमाः पितरः सोम्यासः। असुं य
ईयुरवृका ऋतज्ञास्ते नोऽवन्तु पितरो हवेषु॥१॥

अङ्गिरसो नः पितरो नवग्वा अथर्वाणो भृगवः सोम्यासः। तेषां वय
ँ सुमतौ यज्ञियानामपि भद्रे सौमनसे स्याम॥२॥

आ यन्तु नः पितरः सोम्यासोऽग्निष्वात्ताः पथिभिर्देवयानैः। अस्मिन्
यज्ञे स्वधया मदन्तोऽधि ब्रुवन्तु तेऽवन्त्वस्मान्॥३॥

ऊर्जं वहन्तीरमृतं घृतं पयः कीलालं परिस्रुतम्। स्वधा स्थ तर्पयत मे
पितृन्॥४॥

पितृभ्यः स्वधायिभ्यः स्वधा नमः। पितामहेभ्यः स्वधायिभ्यः
स्वधा नमः। प्रपितामहेभ्यः स्वाधायिभ्यः स्वधा नमः।
अक्षन्पितरोऽमीमदन्त पितरोऽतीतृपन्त पितरः पितरः शुन्धध्वम्॥५॥

ये चेह पितरो ये च नेह याँश्च विद्म याँ उ च न प्रविद्म। त्वं वेत्थ
यति ते जातवेदः स्वधाभिर्यज्ञँ सुकृतं जुषस्व॥६॥

मधु वाता ऋतायते मधु क्षरन्ति सिन्धवः। माध्वीर्नः सन्तोषधीः॥७॥

मधु नक्तमुतोषसो मधुमत्पार्थिव ँ रजः मधु द्यौरस्तु नः पिता॥८॥

मधुमान्नो वनस्पतिर्मधुमाँ अस्तु सूर्यः। माध्वीर्गावो भवन्तु नः॥९॥

ॐ मधु। मधु। मधु। तृप्यध्वम्। तृप्यध्वम्। तृप्यध्वम्॥

फिर नीचे लिखे मन्त्र का पाठ करें-

ॐ नमो वः पितरो रसाय नमो वः पितरः शोषाय नमो वः पितरो जीवाय नमो वः पितरः स्वधायै नमो वः पितरो घोराय नमो वः पितरो मन्यवे नमो वः पितरः पितरो नमो वो गृहान्नः पितरो दत्त सतो वः पितरो देष्मैतद्वः पितरो वास आधत्त॥

द्वितीयगोत्रतर्पणम्

इसके बाद द्वितीय गोत्रवाले (ननिहाल के) मातामह (नाना) आदि का तर्पण करें। यहाँ भी पहले की भाँति निम्नलिखित वाक्यों को तीन-तीन बार पढकर तिल सहित जल की तीन-तीन अञ्जिलियाँ पितृतीर्थ से दें -

अमुकगोत्रः अस्मन्मातामहः (नाना) अमुकः वसुरूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा (३)। अमुकगोत्रः अस्मत्प्रमातामहः (परनाना) अमुकः रुद्ररूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा (३)। अमुकगोत्रः अस्मद्वृद्धप्रमातामहः (वृद्ध परनाना) अमुकः आदित्यरूपः तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा (३)।

अमुकगोत्रा अस्मन्मातामही (नानी) अमुकी देवी गायत्रीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा (३)। अमुकगोत्रा अस्मत्प्रमातामही (परनानी) अमुकी देवी सावित्रीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा (३)। अमुकगोत्रा अस्मद् वृद्धप्रमातामही (वृद्ध परनानी) अमुकी देवी सरस्वतीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा (३)।

पत्न्यादितर्पणम्

इसके आगे पत्नी से लेकर आप्तपर्यन्त जो भी सम्बन्धी मृत हो गये हो, उनके गोत्र और नाम लेकर एक-एक अञ्जलि जल दें -

अमुकगोत्रा अस्मत्पत्नी अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मत्सुतः (बेटा) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मत्कन्या (बेटी) अमुकीदेवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मत् पितृव्यः (पिता के भाई) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मन्मातुलः (मामा) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मद्भ्राता अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मत्सापत्नभ्राता (सौतेला भाई) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मत्पितृभगिनी बुआ अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मन्मातृभगिनी (मौसी) अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मदात्मभगिनी (अपनी बहन) अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मत्सापत्नभगिनी (सौतेली बहन) अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मच्छ्वशुरः (श्वशुर) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मद्गुरुः अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मदाचार्यपत्नी अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मच्छिष्यः अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मत्सखा अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मदात्मपुरुषः अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा।

इसके बाद सव्य होकर पूर्वाभिमुख हो सीधे बैठ जाय। त्रिकुश को सीधा कर उनके अग्रभाग को पूर्व की ओर कर लें। फिर नीचे लिखे श्लोकों को पढ़ते हुए देवतीर्थ से जल गिरायें -

देवासुरास्तथा यक्षा नागा गन्धर्वराक्षसाः।

पिशाचा गुह्यकाः सिद्धाः कुष्माण्डास्तरवः खगाः॥

जलेचरा भूनिलया वाय्वाधाराश्च जन्तवः।

तृप्तिमेते प्रयान्त्वाशु मद्दत्तेनाम्बुनाखिलाः॥

इसके बाद अपसव्य होकर जनेऊ ओर अंगोछे को भी दाहिने कंधे पर रखकर दक्षिणाभिमुख हो जाए। त्रिकुश को बीच से मोड़कर इनकी जड़ और अग्रभाग को मिलाकर पितृतीर्थ से जल गिरायें-

नरकेषु समस्तेषु यातनासु च ये स्थिताः।

तेषामाप्यायनायैतद्दीयते सलिलं मया॥१॥

येऽबान्धवा बान्धवाश्च येऽन्यजन्मनि बान्धवाः।

ते तृप्तिमखिला यान्तु यश्चास्मत्तोऽभिवाञ्छति॥२॥

ये मे कुले लुप्तपिण्डाः पुत्रदारविवर्जिताः।

तेषां हि दत्तमक्षय्यमिदमस्तु तिलोदकम्॥३॥

आब्रह्मस्तम्बपर्यन्तं देवर्षिपितृमानवाः।

तृप्यन्तु पितरः सर्वे मातृमातामहादयः॥४॥

अतीतकुलकोटीनां सप्तद्वीपनिवासिनाम्।

आब्रह्मभुवनाल्लोकादिदमस्तु तिलोदकम्॥५॥

वस्त्रनिष्पीडनम्

इस प्रकार सब पितरों का तर्पण हो जाने के बाद अँगोछे की चार तह कर उसमें तिल तथा जल छोड़कर नीचे लिखे मन्त्र को पढ़कर जल के वाहर वायीं ओर पृथ्वी पर निचोड़ें-

ये के चास्मत्कुले जाता अपुत्रा गोत्रिणो मृताः।

ते गृह्णन्तु मया दत्तं वस्त्रनिष्पीडनोदकम्॥

भीष्मतर्पणम्

इसके बाद भीष्मपितामह को पितृतीर्थ और त्रिकुशों से जल दें।

भीष्मः शान्तनवो वीरः सत्यवादी जितेन्द्रियः।

आभिरद्भिरवाप्नोतु पुत्रपौत्रोचितां क्रियाम्॥

सूर्य को अर्घ्यदान

इसके पश्चात् पात्र को जल तथा मिट्टी से स्वच्छ कर लें। उसके बाद पूर्वोक्त रीति से आचमन और प्राणायाम कर सव्य हो जाय अर्थात् जनेऊ को बायें कंधे पर कर लें। अर्घ्य में फूल चन्दन लेकर निम्नलिखित मन्त्र से सूर्य को अर्घ्य दें-

ॐ नमो विवस्वते ब्रह्मन्! भास्वते विष्णुतेजसे।

जगत्सवित्रे शुचये सवित्रे कर्मदायिने॥

एष अर्घ्यः श्री सूर्याय नमः॥

सूर्यार्घ्य देकर प्रदक्षिणा करें । इसके बाद दिशाओं एवं उनके अधिष्ठातृ देवताओं का वन्दन करें –

ॐ प्राच्यै नमः, ॐ इन्द्राय नमः, ॐ आग्नेय्यै नमः, ॐ अग्नये नमः, ॐ दक्षिणायै नमः,ॐ यमाय नमः,ॐ नैर्ऋत्यै नमः,ॐ निर्ऋतये नमः, ॐ प्रतीच्यै नमः, ॐ वरुणाय नमः,ॐ वायव्यै नमः, ॐ वायवे नमः, ॐ उदीच्यै नमः, ॐ कुबेराय नमः, ॐ ऐशान्यै नमः, ॐ ईशानाय नमः, ॐ ऊर्ध्वायै नमः, ॐ ब्रह्मणे नमः, ॐ अधरायै नमः, ॐअनन्ताय नमः॥

इस प्रकार दिशाओं और देवताओं को नमस्कार कर आसन पर बैठकर के नीचे लिखे मन्त्र पढकर एक-एक जलाञ्जलि दें।

ॐ ब्रह्मणे नमः। ॐ अग्नये नमः। ॐ पृथिव्यै नमः।
ॐ ओषधिभ्यो नमः। ॐ वाचे नमः। ॐ वाचस्पते नमः।
ॐ महद्भ्यो नमः। ॐ विष्णवे नमः। ॐ अद्भ्यो नमः।
ॐ अपाम्पतये नमः। ॐ वरुणाय नमः।

निम्नाङ्कित वाक्य पढ़कर यह तर्पण कर्म भगवान् को समर्पित करे-

अनेन यथाशक्तिकृतेन देवर्षिमनुष्यपितृतर्पणाख्येन कर्मणा भगवान् पितृस्वरूपी जनार्दनवासुदेवः प्रीयतां, न मम।

ॐ तत्सद्ब्रह्मार्पणमस्तु।

तदन्तर हाथ जोड़कर भगवान् का स्मरण करते हुए पाठ करें

प्रमादात् कुर्वतां कर्म प्रच्यवेताध्वरेपु यत्।
स्मरणादेव तद्विष्णोः सम्पूर्णं स्यादिति श्रुतिः॥
यस्य स्मृत्या च नामोक्त्या तपोयज्ञक्रियादिपु।
न्यूनं सम्पूर्णतां याति सद्यो वन्दे तमच्युतम्॥
यत्पादपङ्कजस्मरणात् यस्य नामजपादपि।
न्यूनं कर्म भवेत् पूर्णं तं वन्दे साम्बमीश्वरम्॥

ॐ विष्णवे नमः, ॐ विष्णवे नमः, ॐ विष्णवे नमः,॥

इति तर्पणप्रयोगः

अथ पंचबलिविधिः

१.गोबलि (पत्ते पर सव्य होकर) -

ॐ सौरभेय्यः सर्वहिताः पवित्राः पुण्यराशयः।
प्रतिगृह्णन्तु मे ग्रासं गावस्त्रैलोक्यमातरः।इदं गोभ्यो, न मम।

२. श्वानबलि (पत्ते पर जनेऊ कंठी करके) -

द्वौ श्वानौ श्यामशबलौ वैवस्वतकुलोद्भवौ।
ताभ्यामन्नं प्रयच्छामि स्यातामेतावहिंसकौ।इदं श्वभ्यां, न मम।

३. काकबलि (भूमि पर अपसव्य होकर)-

ॐ ऐन्द्रवारुणवायव्या याम्या वै नैर्ऋतास्तथा।
वायसाः प्रतिगृह्णन्तु भूमौ पिण्डं मयार्पितम्॥ इदं काकेभ्यः,न मम।

४.देवादिबलि (पत्ते पर सव्य होकर) -

ॐ देवा मनुष्याः पशवो वयांसि
सिद्धाः सयक्षोरगदैत्यसंघाः।
प्रेताः पिशाचास्तरवः समस्ता
ये चान्नमिच्छन्ति मया प्रदत्तम्।इदमन्नं देवादिभ्यो, न मम।

५. पिपीलिकादिबलि (पत्ते पर) -

पिपीलिकाः कीटपतंगकाद्या
बुभुक्षिताः कर्मनिबन्धबद्धाः।
तेषां हि तृप्त्यर्थमिदं मयान्नं
तेभ्यो विसृष्टं सुखिनो भवन्तुइदमन्नं पिपीलीकादिभ्यो, न मम।

इति पंचबलिविधिः

अथ पुरुषसूक्तम्

हरिः ॐ सहस्रशीर्षा पुरुषः सहस्राक्षः सहस्रपात्। स भूमि ँ सर्वतस्पृत्वाऽत्यतिष्ठद्दशाङ्गुलम्॥1॥ पुरुष एवेद ँ सर्वं यद् भूतं यच्च भाव्यम्। उतामृतत्वस्येशानो यदन्नेनातिरोहति॥2॥ एतावानस्य महिमातो ज्यायाँश्च पूरुषः। पादोऽस्य विश्वा भूतानि त्रिपादस्यामृतं दिवि॥3॥ त्रिपादूर्ध्व उदैत्पुरुषः पादोऽस्येहाभवत्पुनः। ततो विष्वङ् व्यक्रामत्साशनानशने अभि॥4॥ ततो विराडजायत विराजो अधि पूरुषः। स जातो अत्यरिच्यत पश्चाद् भूमिमथो पुरः॥5॥ तस्माद्यज्ञात् सर्वहुतः सम्भृतं पृषदाज्यम्। पशूँस्ताँश्चक्रे वायव्यानारण्या ग्राम्याश्च ये॥6॥ तस्माद्यज्ञात् सर्वहुत ऋचः सामानि जज्ञिरे। छन्दा ँसि जज्ञिरे तस्माद्यजुस्तस्मादजायत॥7॥ तस्मादश्वा अजायन्त ये के चोभयादतः। गावो ह जज्ञिरे तस्मात्तस्माजाता अजावयः॥8॥ तं यज्ञं बर्हिषि प्रौक्षन् पुरुषं जातमग्रतः। तेन देवा अयजन्त साध्या ऋषयश्च ये॥9॥ यत्पुरुषं व्यदधुः कतिधा व्यकल्पयन्। मुखङ्किमस्यासीत् किम्वाहू किमूरू पादा उच्येते॥10॥ ब्राह्मणोऽस्य मुखमासीद् बाहू राजन्यः कृतः। ऊरू तदस्य यद् वैश्यः पद्भ्या ँ शूद्रो अजायत॥11॥ चन्द्रमा मनसो जातश्चक्षोः सूर्यो अजायत। श्रोत्राद् वायुश्च प्राणश्च मुखादग्निरजायत॥12॥ नाभ्या आसीदन्तरिक्ष ँ शीर्ष्णो द्यौः समवर्त्तत। पद्भ्यां भूमिर्दिशः श्रोत्रात्तथा लोकाँ २ अकल्पयन्॥13॥ यत् पुरुषेण हविषा देवा यज्ञमतन्वत। वसन्तोऽस्यासीदाज्यङ्ग्रीष्म इध्मः शरद्धविः॥14॥ सप्तास्यासन् परिधयस्त्रिः सप्त समिधः कृताः। देवा यद्यज्ञन्तन्वाना अवध्नन् पुरुषम्पशुम्॥15॥ यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन्। ते ह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्तिदेवाः॥16॥

इति पुरुषसूक्तम्

अथ श्रीसूक्तम्

ॐ हिरण्यवर्णां हरिणीं सुवर्णरजतस्रजाम्। चन्द्रां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह॥1॥ तां म आवह जातवेदो लक्ष्मीमनपगामिनीम्। यस्यां हिरण्यं विन्देयं गामश्वं पुरुषानहम्॥2॥ अश्वपूर्वां रथमध्यां हस्तिनाद-प्रमोदिनीम्। श्रियं देवीमुपह्वये श्रीर्मा देवी जुषताम्॥3॥ कां सोस्मितां हिरण्यप्राकारामार्द्रां ज्वलन्तीं तृप्तां तर्पयन्तीम्। पद्मे स्थितां पद्मवर्णां तामिहोपह्वये श्रियम्॥4॥ चन्द्रां प्रभासां यशसा ज्वलन्तीं श्रियं लोके देवजुष्टामुदाराम्। तां पद्मनेमिं शरणं प्रपद्ये अलक्ष्मीर्मे नश्यतां त्वां वृणे॥5॥ आदित्यवर्णे तपसोऽधिजातो वनस्पतिस्तव वृक्षोऽथ बिल्वः। तस्य फलानि तपसा नुदन्तु या अन्तरा याश्च बाह्या अलक्ष्मीः॥6॥ उपैतु मां देवसखः कीर्तिश्च मणिना सह। प्रादुर्भूतोऽस्मि राष्ट्रेऽस्मिन् कीर्तिमृद्धिं ददातु मे॥7॥ क्षुत्पिपासामलां ज्येष्ठामलक्ष्मीं नाशयाम्यहम्। अभूतिमसमृद्धिं च सर्वां निर्णुद मे गृहात्॥8॥ गन्धद्वारां दुराधर्षां नित्यपुष्टां करीषिणीम्। ईश्वरीं सर्वभूतानां तामिहोपह्वये श्रियम्॥9॥ मनसः काममाकूतिं वाचः सत्यमशीमहि। पशूनां रूपमन्नस्य मयि श्रीः श्रयतां यशः॥10॥ कर्दमेन प्रजा भूता मयि सम्भव कर्दम। श्रियं वासय मे कुले मातरं पद्ममालिनीम्॥11॥ आपः सृजन्तु स्निग्धानि चिक्लीत वस मे गृहे। नि च देवीं मातरं श्रियं वासय मे कुले॥12॥ आर्द्रां पुष्करिणीं पुष्टिं पिङ्गलां पद्ममालिनीम्। चन्द्रां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह॥13॥ आर्द्रां यः करणीं यष्टिं सुवर्णां हेममालिनीम्। सूर्यां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह॥14॥ तां म आवह जातवेदो लक्ष्मीमनपगामिनीम्। यस्यां हिरण्यं प्रभूतं गावो दास्योऽश्वान्विन्देयं पुरुषानहम्॥15॥ यः शुचिः प्रयतो भूत्वा जुहुयादाज्यमन्वहम्। सूक्तं पञ्चदशर्चञ्च श्रीकामः सततं जपेत्॥16॥

इति श्रीसूक्तम्

अथ रुद्रसूक्तम्

हरि: ॐ नमस्ते रुद्र मन्यव उतो त इषवे नम:। बाहुब्भामुत ते नम:॥1॥ या ते रुद्र शिवा तनूरघोराऽपापकाशिनी। तया नस्तन्वा शन्तमया गिरिशन्ताभि चाकशीहि॥2॥ यामिषुं गिरिशन्त हस्ते बिभर्ष्यस्तवे। शिवां गिरित्र तां कुरु मा हिंऽसी: पुरुषं जगत्॥3॥ शिवेन वचसा त्वा गिरिशाच्छा वदामसि। यथा न: सर्वमिज्जगदयक्ष्मऽ सुमना असत्॥4॥ अध्यवोचदधिवक्ता प्रथमो दैव्यो भिषक्। अहींश्च सर्वाञ्जम्भयन्त्सर्वाश्च यातुधान्योऽधराची: परा सुव॥5॥ असौ यस्ताम्रो अरुण उत बभ्रु: सुमङ्गल:। ये चैनऽरुद्रा अभितो दिक्षु श्रिता: सहस्रशोऽवैषाऽहेड ईमहे॥6॥ असौ योऽवसर्पति नीलग्रीवो विलोहित:। उतैनं गोपा अदृश्रन्नदृश्रन्नुदहार्य: स दृष्टो मृडयाति न:॥7॥ नमोऽस्तु नीलग्रीवाय सहस्राक्षाय मीढुषे। अथो ये अस्य सत्वानोऽहं तेभ्योऽकरं नम:॥8॥ प्रमुञ्च धन्वनस्त्वमुभयोरात्न्योर्ज्याम्। याश्च ते हस्त इषव: परा ता भगवो वप॥9॥ विज्यं धनु: कपर्दिनो विशल्यो बाणवाँऽ उत। अनेशन्नस्य या इषव आभुरस्य निषङ्गधि:॥10॥ या ते हेतिर्मीढुष्टम हस्ते बभूव ते धनु:। तयास्मान्विश्वतस्त्वमयक्ष्मया परिभुज॥11॥ परि ते धन्वनो हेतिरस्मान्वृणक्तु विश्वत:। अथो य इषुधिस्तवारे अस्मन्नि धेहि तम्॥12॥ अवतत्य धनुष्ट्वऽ सहस्राक्ष शतेषुधे। निशीर्य शल्यानां मुखा शिवो न: सुमना भव॥13॥ नमस्त आयुधायानातताय धृष्णवे। उभाभ्यामुत ते नमो बाहुब्भ्यां तव धन्वने॥14॥ मा नो महान्तमुत मा नो अर्भकं मा न उक्षन्तमुत मा न उक्षितम्। मा नो वधी: पितरं मोत मातरं मा न: प्रियास्तन्वो रुद्र रीरिष:॥15॥ मा नस्त्वोके तनये मा न आयुषि मा नो गोषु मा नो अश्वेषु रीरिष:। मा नो वीरान् रुद्र भामिनो वधीर्हविष्मन्त: सदमित् त्वा हवामहे॥16॥

इति रुद्रसूक्तम्

शुद्ध इष्टकाल ज्ञानार्थ इष्ट स्थान के सूर्योदय बनाने की विधि

सूर्योदय से जन्म काल तक के समय को इष्टकाल कहा जाता है। इसे प्राय: घटीपलात्मक काल में निकाला जाता है। किसी भी इष्ट स्थान का इष्टकाल बनाने के लिए वहां के सूर्योदय काल की आवश्यकता होती है। अत: जन्मकालीन स्टैण्डर्ड समय मे से वहां के स्टैण्डर्ड सूर्योदय को घटाने पर और 2.5 से गुणा करने पर घटीपलात्मक इष्टकाल प्राप्त होता है। इस कारण किसी भी स्थान के स्टैण्डर्ड सूर्योदय को बनाना महत्त्वपूर्ण है।

किसी भी स्थान के स्टैण्डर्ड सूर्योदय को निकालने के लिए वहां के अक्षांश, उस दिन की क्रान्ति, वेलान्तर और रेखांश की आवश्यकता होती है। छ: घण्टे में चरकाल संस्कार करने पर स्थानीय सूर्योदय बनता है तथा स्थानीय सूर्योदय में वेलान्तर व रेखान्तर का संस्कार करने पर वहां का स्टैण्डर्ड सूर्योदय बनता है।

उदाहरण - 1 जुलाई 2018 को दिल्ली का स्टैण्डर्ड सूर्योदय बनाना है। दिल्ली का उत्तरी अक्षांश 28: 39 अंश कला है। रेखांश 77: 12 पूर्व है। क्रान्ति सारिणी द्वारा इस दिन की उत्तरा क्रान्ति 23: 8 प्राप्त हुई। रेखांश 77:12 का भारतीय मानक रेखांश (82:30) से अन्तर 5: 18 है। जिसे चार से गुणा करने पर 21 मिनट 12 सैकण्ड रेखान्तर प्राप्त होता है। जो मानक रेखांश से कम (पश्चिम) होने के कारण धनात्मक है। उपर्युक्त उपकरणों द्वारा स्टैण्डर्ड सूर्योदय का साधन आसानी से किया जा सकता है।

स्थानीय सूर्योदय साधन - पंचांग में दी गई अक्षांश तथा रेखांश के द्वारा चर मिनटादि निकालना चाहिए। जैसे दिल्ली के अक्षांश 28: 39 तथा क्रान्त्यंश 23 अंश के नीचे चर मिनट 53: 38 तथा 24 अंश के नीचे 56 19 लिखा हुआ है अभीष्ट चर क्रान्ति 23: 8 का लाना है। अत: अभीष्ट चर मिनट निकालने के लिए निम्नलिखित प्रकार से अनुपात किया-

यदि 1 अंश क्रान्त्यन्तर (24 - 23 = 1) में चर मिनट (56: 19 - 53:38 = 2:41) मिलते हैं तो क्रान्त्यंशान्तर (23: 8-

23: 0 = 0:8) में क्या मिलेगा?

$\frac{2:41 \times 0:8}{1:00}$ = 00:21:28 मिनटादि

इसका 23 क्रान्त्यंश के चर मिनट 53:38 में जोड़ने पर 53 मिनट 59 सैकण्ड अभीष्ट चर हुआ।

चर संस्कार विधि - चर का साधन करने पर यदि उत्तरा क्रान्ति व उत्तरी अक्षांश हों तो चरमिनटादि छः घण्टे में घटाने पर एवं दक्षिणा क्रान्ति व उत्तरी अक्षांश हो तो चरमिनटादि जोड़ने पर स्थानीय सूर्योदय होता है। जैसे हमारे भारतवर्ष में सर्वत्र उत्तरी अक्षांश हैं। अतः यहां उपर्युक्त प्रकार से स्थानीय सूर्योदय का साधन किया जाता है। इसी प्रकार उत्तरा क्रान्ति व दक्षिण अक्षांश हो तो छः घण्टे में चरमिनटादि जोड़ने पर तथा दक्षिणा क्रान्ति व दक्षिणी अक्षांश हो तो छः घण्टे में चरमिनटादि घटाने पर स्थानीय सूर्योदय होता है। जैसे आस्ट्रेलिया का दक्षिणी अक्षांश है वहां पर इसी प्रकार से स्थानीय सूर्योदय क्रान्ति की दिशानुसार साधन करना चाहिए। स्थानीय समय से तात्पर्य धूप घड़ी द्वारा बतलाये जाने वाले समय से है।

हमारे उदाहरण के अनुसार 1 जुलाई को क्रान्ति उत्तरा है तथा अक्षांश भी उत्तरी है, अतः पूर्वोक्त साधित अभीष्ट चर मिनटादि का छः घण्टे में ऋणात्मक संस्कार किया जाएगा।

6:00:00
- 0:53:59
5:06:01 स्थानीय सूर्योदय

वेलान्तर व रेखान्तर संस्कार - वेलान्तर सारिणी में दिए हुए मिनटादि ऋणात्मक या धनात्मक मान को संस्कारित करने पर तथा रेखान्तर मिनटादि को मानक रेखा से अपना स्थान पूर्व में होने पर ऋण तथा पश्चिम में होने पर धन संस्कार करना चाहिए। पूर्वोक्त उदाहरण में 1जुलाई को वेलान्तर सारिणी से 3:38 (+) मिनटादि वेलान्तर प्राप्त हुआ है। इसका संस्कार स्थानीय सूर्योदय में करने पर - 5:06:01
+0:03:38
5:09:39

इसमें रेखान्तर मिनट 21:12 का संस्कार भारतीय मानक रेखा से दिल्ली के पश्चिम में होने के कारण धनात्मक करने पर -

05:09:39
+00:21:12
05:30:51 स्वल्पान्तर से 5:31 स्टैण्डर्ड सूर्योदय है।

विशेष - प्रतिदिन का स्पष्टान्तर (रेखान्तर एवं वेलान्तर का संस्कार) पंचांग में दिनमान के बाद स्टैं. अं. कॉलम में अंकित किया गया है। स्थानीय सूर्योदय समय में इस स्पष्टान्तर का संस्कार करने पर भी स्टैंडर्ड सूर्योदय प्राप्त होता है। इस पंचांग में दिए गए सभी घण्टामिनटात्मक समय भारतीय स्टैंडर्ड टाईम में है। जो हमारे हाथ घड़ी या प्रचलित व्यावहारिक समय के अनुसार है।

इष्टकाल साधन - सूर्योदय से जन्म काल तक के समय को इष्टकाल कहते है। इसे प्रायः घटीपलात्मक काल में निकाला जाता है। इष्टकाल साधन के निम्नलिखित नियम हैं -

1. यदि जातक का जन्म सूर्योदय के पश्चात् दोपहर 12बजकर 59 मिनट तक हो तो प्राप्त स्टैंडर्ड सूर्योदय के मान को जन्मकालीन स्टैण्डर्ड समय में से घटाने पर और 2.5 से गुणा करने पर घटीपलात्मक इष्टकाल प्राप्त होता है।

उदाहरण - जातक का जन्म दिनांक 1जुलाई 2018 को दिल्ली में प्रातः12 बजकर 58 मिनट में हुआ। तब निम्नलिखित प्रकार से इष्टकाल साधन किया जाएगा -

जन्म समय - 12:58
सूर्योदय - - 05:31
07:27

इस 07:27 मान को 2.5 से गुणा करने पर 18:37:30 घटीपलात्मक मान प्राप्त हुआ। यही इष्टकाल होगा।

2. यदि जातक का जन्म दोपहर 1:00 बजे से रात्रि 12 बजकर 59 मिनट तक हो तो जन्म समय में 12 घण्टे जोड़कर उसमें से स्टैंडर्ड सूर्योदय के

मान को घटाने पर और 2.5 से गुणा करने पर घटीपलात्मक इष्टकाल प्राप्त होता है।

उदाहरण - जातक का जन्म दिनांक 1जुलाई 2018 को दिल्ली में रात्रि 09 बजकर 58 मिनट में हुआ। तब निम्नलिखित प्रकार से इष्टकाल साधन किया जाएगा -

जन्म समय - 09:58+12:00=21:58

21:58

सूर्योदय - - 05:31

16:27

इस 16:27 मान को 2.5 से गुणा करने पर 41:07:30 घटीपलात्मक मान प्राप्त हुआ। तब यही इष्टकाल होगा।

3. यदि जातक का जन्मरात्रि 1:00 बजे से दूसरे दिन के सूर्योदय से पूर्व तक हो तो जन्म समय में 24 घण्टे जोड़कर उसमें से स्टैंडर्ड सूर्योदय के मान को घटाने पर और 2.5 से गुणा करने पर घटीपलात्मक इष्टकाल प्राप्त होता है।

उदाहरण - जातक का जन्म दिनांक 2 जुलाई 2018 को प्रातः 05 बजकर 30 मिनट में हुआ। क्योंकि 2 जुलाई के सूर्योदय 05:31 बजे से पूर्व का जन्म है अतः 1 जुलाई 2018 के सूर्योदय से इष्टकाल की गणना होगी। तब निम्नलिखित प्रकार से इष्टकाल साधन किया जाएगा -

जन्म समय - 05:30+24:00=29:30

29:30

सूर्योदय - - 05:31

23:59

इस 23:59 मान को 2.5 से गुणा करने पर 59:57:30 घटीपलात्मक मान प्राप्त हुआ। तब यही इष्टकाल होगा।

4. यदि ठीक सूर्योदय काल का जन्म हो तो इष्टकाल 00घटी00पल होगा। जैसे पूर्वोक्त 2 जुलाई को 5:31 सूर्योदय के समय में ही जन्म होने पर इष्टकाल 00:00 जानना चाहिए।

नैसर्गिक पंचांग से इष्ट स्थान का तिथ्यादि घटीमान साधन

नैसर्गिक पंचांग के तिथि, नक्षत्र, योग एवं करण की घटियों में सामान्यतः स्पष्ट देशान्तर घटी (धन या ऋण) का संस्कार करने से इष्ट स्थान के तिथ्यादि घटी मान प्राप्त होते हैं। देशयोरन्तरं देशान्तरम्। अर्थात् दो देशों (स्थान विशेष) का अन्तर ही देशान्तर होता है। यह देशान्तर रेखांश एवं अक्षांश भेद से दो प्रकार का होता है। इन दोनों के आधार पर ही स्पष्ट देशान्तर साधन करना चाहिए। इस हेतु सर्वोत्तम विधि यह है कि नैसर्गिक पंचांग में दिल्ली का सूर्योदय स्टैण्डर्ड टाइम में दिया ही गया है। अब अभीष्ट दूसरे स्थान का भी स्टैण्डर्ड सूर्योदय साधन करना चाहिए। फिर दोनों स्थानों के स्टैण्डर्ड सूर्योदयों (घण्टा व मिनट में)का अन्तर निकाल कर उसे ढ़ाई से गुणाकर घटी पलात्मक बनायें। तत्पश्चात् घटीपलात्मक इस अन्तर को दिल्ली के तिथ्यादि मान (घटीपलात्मक)में धन या ऋण संस्कार कर दूसरे स्थान का तिथ्यादि मान (घटीपलात्मक) प्राप्त होता है। यदि अभीष्ट स्थान दिल्ली से पूर्व की ओर होगा तो नैसर्गिक पंचांग के घटीपलात्मक तिथ्यादि मान में धन संस्कार होगा। यदि अभीष्ट स्थान दिल्ली से पश्चिम है तो नैसर्गिक पंचांग के घटीपलात्मक तिथ्यादि मान में ऋणसंस्कार करना चाहिए।

उदाहरण- दिनांक 13 अप्रैल 2021 को नैसर्गिक पंचांग से हमें गढ़वाल (अक्षांश 30:15 उत्तर तथा रेखांश 79:30 पूर्व) का तिथ्यादि घट्यादि मान ज्ञात करना है। 13 अप्रैल 2021 को दिल्ली का स्टैण्डर्ड सूर्योदय 6 बजकर 02 मिनट है। अब गढ़वाल का स्टैण्डर्ड सूर्योदय साधन करते हैं।

गढ़वाल के रेखांश 79:30 (पूर्व) का भारतीय मानक रेखांश 82:30पूर्व से अन्तर 3 अंश है। इसे 4 मिनट से गुणने पर रेखान्तर +12 मिनट हुआ।

गढ़वाल का चरमान साधनविधि - 13 अप्रैल को क्रान्ति सारिणी में देखने पर 9:8:17 क्रान्त्यंश मिलते हैं। अब चर सारिणी का प्रयोग करते हैं। सारिणी में गढ़वाल के अक्षांश 30:15 का क्रान्त्यंश नहीं दिये गये है। अतः सर्वप्रथम 30 अंश अक्षांश में 9 अंश क्रान्त्यंश के 20:59 मिनटादि चर तथा 31अंश अक्षांश में 9अंश क्रान्त्यंश के 21:50 मिनटादि चर को लेते हैं। फिर इनकी सहायता से 30:15अक्षांश में 9 अंश क्रान्त्यंश का मिनटादि चर अनुपात से ज्ञात करते हैं। यदि (31-30=)एक अंश अक्षांशान्तर में 9 अंश के क्रान्त्यंशों

का अन्तर (21:50-20:59=) 0:51 मिनटादि प्राप्त होता है तो (30:15-30=) 00:15 अंशादि में क्या?

0:51 x 00:15 = 0:12|:45 मिनटादि अथवा
1:00 0:13स्वल्पान्तर से

उपर्युक्त मान को 30अक्षांश के चरमान में जोड़ने पर 30:15 अक्षांश के 9 क्रान्त्यंश का चरमान 21:22 मिनटादि प्राप्त हुआ।

अब इसी प्रकार से 30:15अक्षांश में 10 अंश क्रान्त्यंश का मिनटादि चर अनुपात से ज्ञात करते हैं। 30 अंश अक्षांश में 10 अंश क्रान्त्यंश के 23:22 मिनटादि चर तथा 31अंश अक्षांश में 9अंश क्रान्त्यंश के 24:21 मिनटादि चर को लेते हैं। फिर इनकी सहायता से 30:15अक्षांश में 10 अंश क्रान्त्यंश का मिनटादि चर अनुपात से ज्ञात करते हैं। यदि (31-30=)एक अंश अक्षांशान्तर में 10 अंश के क्रान्त्यंशों का अन्तर (24:21-23:22=) 0:59 मिनटादि प्राप्त होता है तो (30:15-30=) 00:15 अंशादि में क्या?

0:59 x 00:15 = 0:14:45मिनटादि अथवा 0:15स्वल्पान्तर से
1:00

उपर्युक्त मान को 30अक्षांश के चरमान में जोड़ने पर 30:15 अक्षांश के 10 क्रान्त्यंश का चरमान 23:37 मिनटादि प्राप्त हुआ।

अव 30:15 अक्षांश के 9 अंश क्रान्त्यंश तथा 10 अंश क्रान्त्यंश के चरमान का अन्तर (23:37-21:22=)2:15मिनटादि प्राप्त हुआ। परन्तु हमें 9:8:17 क्रान्त्यंश के चरमान अभीष्ट हैं। अतः पुनः अनुपात से अभीष्ट चरमान प्राप्त करते हैं। यदि (10-9=)एक अंश क्रान्त्यंशान्तर में चरान्तर (23:37-21:22=)2:15मिनटादि प्राप्त होता है तो अभीष्टान्तर (9:8:17-9=) 00:8:17 अंशादि में क्या?

2:15 x 00:8:17 = 0:18:38मिनटादि अथवा 0:19स्वल्पान्तर से
1:00

उपर्युक्त मान को 9 क्रान्त्यंश के चरमान में जोड़ने पर अभीष्ट क्रान्त्यंश का चरमान 21:41 मिनटादि प्राप्त हुआ।

गढ़वाल का स्टैण्डर्ड सूर्योदय साधन - गढ़वाल के अक्षांश उत्तरी हैं। 13 अप्रैल को उत्तरा क्रान्ति होने के कारण उपर्युक्त चरमान को 6 घण्टे में घटाने पर 5:38:19 स्थानीय सूर्योदय हुआ। इसमें 13 अप्रैल के वेलान्तर संस्कार +00:27 मिनटादि का संस्कार करने पर 5:38:46 हुआ। इसमें +12 मिनट रेखान्तर संस्कार करने पर 5:50:46 स्टैण्डर्ड सूर्योदय मान प्राप्त हुआ। स्वल्पान्तर से 13 अप्रैल 2021 को 5बजकर 51 मिनट गढ़वाल का स्टैण्डर्ड सूर्योदय है। इसी प्रकार अन्य स्थानों का भी स्टैण्डर्ड सूर्योदय निकाला जा सकता है।

तिथ्यादि मान परिवर्तन - दिल्ली व गढ़वाल के स्टैण्डर्ड सूर्योदयों का अन्तर (6:02-5:51=) 00:11 घण्टा मिनटात्मक हुआ। इसे ढ़ाई से गुणा करने पर 0:27 स्वल्पान्तर से घट्यादि अन्तर हुआ। क्योंकि अभीष्ट स्थान गढ़वाल, दिल्ली से पूर्व की ओर है। अतः दिल्ली के घट्यादि प्रतिपदा तिथिमान 10:34 में उपर्युक्त 0:27 घट्यादि मान को जोड़ने पर गढ़वाल का घट्यादि तिथिमान 11:01 आ गया। इसी प्रकार दिल्ली के नक्षत्रादि घटीमान में उपर्युक्त घट्यादि स्पष्ट देशान्तर का संस्कार करने से गढ़वाल का मान प्राप्त हो जायेगा। 13 अप्रैल को पंचांग के घट्यादि मान दिल्ली व गढ़वाल में इस प्रकार से होंगे-

तिथ्यादि	**दिल्ली में घट्यादि मान**	**गढ़वाल में घट्यादि मान**
प्रतिपदा तिथि	10:34	11:01
अश्विनी नक्षत्र	20:36	21:03
विष्कुम्भ यांग	22:56	23:23
बव करण	10:34	11:01

विशेष - भारतीय मानक समय में दिये गये तिथ्यादि के घण्टा मिनटात्मक मान भारतवर्ष के सभी स्थानों के लिए एक समान ही रहेंगे। अभीष्ट देश के सूर्यादि ग्रहों का साधन अपने स्थानीय इष्टकाल तथा ग्रहपंक्ति पर से करना चाहिए। इसके लिए देशान्तर संस्कार की आवश्यकता नहीं है। लग्न और दशम लग्न का साधन अभीष्ट देश (स्थान विशेष)के इष्टकाल से करना चाहिए। कुछ पञ्चाङ्गों में स्थानीय सूर्योदय दिया रहता है एवं कुछ पञ्चाङ्गों में स्टैण्डर्ड सूर्योदय। किस पञ्चाङ्ग में स्थानीय सूर्योदय दिया गया है? इसको जानने का सरल तरीका यह है कि जिस पञ्चाङ्ग के सूर्योदय एवं सूर्यास्त के मानों का योग 12 घण्टे या 24 घण्टे आता है, उसमें स्थानीय सूर्योदय दिया है। स्थानीय सूर्योदय में वेलान्तर एवं रेखान्तर का संस्कार (स्पष्टान्तर संस्कार) करने से स्टैण्डर्ड सूर्योदय होता है। दो देशों (स्थानों) के स्टैण्डर्ड सूर्योदयों का अन्तर ही स्पष्ट देशान्तर होता है।

चौघड़िया मुहूर्त्त

रविवार		चन्द्रवार		भौमवार		बुधवार		गुरुवार		शुक्रवार		शनिवार	
दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि
उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ
चर	अमृत	काल	रोग	उद्वेग	लाभ	अमृत	शुभ	रोग	चर	लाभ	काल	शुभ	उद्वेग
लाभ	चर	शुभ	काल	चर	उद्वेग	काल	अमृत	उद्वेग	रोग	अमृत	लाभ	रोग	शुभ
अमृत	रोग	रोग	लाभ	लाभ	शुभ	शुभ	चर	चर	काल	काल	उद्वेग	उद्वेग	अमृत
काल	काल	उद्वेग	उद्वेग	अमृत	अमृत	रोग	रोग	लाभ	लाभ	शुभ	शुभ	चर	चर
शुभ	लाभ	चर	शुभ	काल	चर	उद्वेग	काल	अमृत	उद्वेग	रोग	अमृत	लाभ	रोग
रोग	उद्वेग	लाभ	अमृत	शुभ	रोग	चर	लाभ	काल	शुभ	उद्वेग	चर	अमृत	काल
उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ

गण्डमूल नक्षत्रों के चरण फल

चरण / नक्षत्र	अश्विनी	आश्लेषा	मघा	ज्येष्ठा	मूल	रेवती
प्रथम चरण	पितृ कष्ट	सुख	मातृ कष्ट	भ्रातृ कष्ट	पितृ कष्ट	लाभप्रद
द्वितीय चरण	सुख	धन हानि	पितृ कष्ट	भ्रातृ कष्ट	मातृ कष्ट	सुखद
तृतीय चरण	सुयोग	मातृ कष्ट	सुखद	मातृ कष्ट	धन हानि	शुभ
चतुर्थ चरण	सुखद	पितृ कष्ट	शुभ	शरीर कष्ट	सौख्यम्	कष्ट

शिव वास

वर्तमान तिथि गुणा 2 को 5 से जोड़कर 7 से भाग देने पर प्राप्त शेष एकादि होने पर क्रमशः शिव का वास निम्नानुसार जानें।

शेष	शिव वास	फल
1	कैलाश	श्रेष्ठ
2	गौरी सह	श्रेष्ठ
3	वृषभ पर	श्रेष्ठ
4	सभा में	सामान्य
5	ज्ञान वेला	श्रेष्ठ
6	क्रीड़ा में	नेष्ट
0	श्मशान में	मृत्यु

अग्निवास विचार

शुक्ल प्रतिपदा से इष्ट तिथि पर्यन्त जो संख्या आये उसमें सूर्यादि वार संख्या मिलाकर 1 जोड़ें फिर प्राप्त संख्या में 4 से भाग देनें पर शेष 3 व 0 हो तो अग्निवास भूमि पर शुभ होता है तथा 1 शेष बचे तो स्वर्ग में प्राण नाशक और शेष 2 रहने पर अग्निवास पाताल में धन नाशक होता है, ऐसा जानना चाहिए।

- ग्रहों की दान वस्तुएं, दान का समय एवं हवन समिधा ज्ञानार्थ चक्र -

ग्रह	दान वस्तुएं	दान समय	होम समिधा
सूर्य	माणिक, सुवर्ण, ताम्र, गेहूं, गुड़, घी, रक्तपुष्प, केशर, मूंग, लाल गाय, लालवस्त्र, लाल चन्दन	सूर्योदय	अर्क
चन्द्र	मोती, सुवर्ण, रजत, चावल, मिश्री, दही, श्वेतपुष्प, शंख, कर्पूर, श्वेत बैल, श्वेतवस्त्र, श्वेतचन्दन,	सन्ध्या	पलाश
भौम	मूंगा, सुवर्ण, ताम्र, मसूर, गुड़, घी, रक्तकेशर, केशर, कस्तूरी, लाल बैल, रक्तवस्त्र, लालचन्दन,	दिन की २घटीशेष	खदिर
बुध	पन्ना, सुवर्ण, कांस्य, मूंग, खांड, घी, सर्वपुष्प, हाथीदांत, कर्पूर, शस्त्र, हरितवस्त्र, फल	दिन की ५घटीशेष	अपामार्ग
गुरु	पुखराज, सुवर्ण, कांस्य,दाल/चना, खांड, घी, पीतपुष्प,हल्दी, पुस्तक, घोड़ा, पीतवस्त्र, पीतफल	सन्ध्या	अश्वत्थ
शुक्र	हीरा, सुवर्ण, रजत, चावल, मिश्री, दूध, श्वेतपुष्प, सुगन्ध, दधि, श्वेत घोड़ा, श्वेतवस्त्र, श्वेत चन्दन	सूर्योदय	उदुंबर
शनि	नीलम, सुवर्ण, लोहा, उड़द, कुलथी, तेल, कृष्णपुष्प, कस्तूरी, कृष्णान्न, भैंस, कृष्णवस्त्र, उपानह	मध्याह्न	शमी
राहु	गोमेद, सुवर्ण, सीसा, तिल, सरसों, तेल, कृष्णपुष्प, खड्ग, कम्बल, घोड़ा, नीलावस्त्र, शस्त्र	रात्रि	दूर्वा
केतु	लहसुनिया, सुवर्ण, लोहा, तिल, सप्तधान्य, तेल, धूम्रपुष्प, नारियल, कम्बल, बकरा, धूम्रवस्त्र, शस्त्र	रात्रि	कुशा
मुन्था	भौम, सुवर्ण, चांदी, चावल, सुवर्ण, घी, श्वेतपुष्प, कपूर, मिश्री, श्वेतवस्त्र, श्वेतचन्दन,हाथीदांत	मुन्थेश काल	-

अंग स्फुरण फल - मनुष्य के शरीर के किसी भी अंग में अचानक स्फुरण होने पर प्राचीन आचार्यों द्वारा शुभाशुभ ज्ञान विधि कही गई है, परन्तु यदि स्फुरण निरन्तर लम्बे समय तक होता रहे तो वह वायुविकार से सम्बन्धित होता है, उस स्फुरण द्वारा शुभाशुभ फल नहीं जानना चाहिए। यदि अंग में स्फुरण अत्यल्प काल के लिए हो तो वह भावी शुभाशुभ का बोधक होता है। सामान्यतया स्त्री का वामांग तथा पुरुष का दक्षिणांग स्फुरण शुभ माना जाता है। अंग स्फुरण का फल निम्नलिखित प्रकार से जानना चाहिए-

स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल
मस्तक	भूमिलाभ	भृकुटि	धनप्राप्ति	कण्ठ	आभूषण	पृष्ठ	पराजय
बाहुप्रदेश	प्रियप्राप्ति	ललाट	स्थानलाभ	नासिका	सुगन्धलाभ	ग्रीवा	शत्रुभय
नाभि	स्त्रीनाश	गुप्तांग	प्रियप्राप्ति	नेत्र	प्रियदर्शन	कान	आयुवृद्धि
स्कन्ध	मित्रभेंट	कुक्षि	सुप्रीति	जंघा	हानिप्रद	कपोल	स्त्रीसुख
वक्ष	विजय	कटि	प्रियप्राप्ति	घुटना	शत्रुसन्धि	भ्रूमध्य	सुखप्राप्ति
अधर	प्रियप्राप्ति	हृदय	इष्टसिद्धि	हस्त	धनप्राप्ति	पाद	स्थानप्राप्ति

नवग्रह शान्ति उपाय

सूर्य

वैदिक मन्त्र ॐ आकृष्णेन रजसा वर्त्तमानो निवेशयन्नमृतम्मर्त्यञ्च हिरण्ययेन सविता रथेना देवो याति भुवनानि पश्यन्।।

सूर्य गायत्री आदित्याय विद्महे प्रभाकराय धीमहि तन्नो सूर्यः प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ घृणि सूर्याय नमः।।

बीज मन्त्र ॐ ह्रीं ह्रौं सूर्याय नमः।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः।।

जप संख्या 7000 (सप्तसहस्राणि)

ग्रहाणामादिरादित्यो लोकलक्षणकारकः।
विषमस्थानसम्भूतां पीड़ां दहतु मे रविः।।

चन्द्र

वैदिक मन्त्र ॐ इमन्देवाऽअसपत्नं सुवध्वं - महते क्षत्राय महते ज्यैष्ठ्याय महते जानराज्यायेन्द्रस्येन्द्रियाय। इमममुष्य पुत्रममुष्यै पुत्रमस्यै विशऽएष वोऽमी राजा सोऽमोस्माकं ब्रह्मणानां राजा।।

चन्द्र गायत्री ॐ अमृताङ्गाय विद्महे कलरूपाय धीमहि तन्नो सोमः प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ सों सोमाय नमः।।

बीज मन्त्र ॐ ऐं क्लीं सोमाय नमः।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्रमसे नमः।।

जप संख्या 11000 एकादशसहस्राणि

रोहिणीशः सुधामूर्त्तिः सुधागात्रो सुधाशनः।
विषमस्थानसम्भूतां पीड़ां दहतु मे विधुः।।

भौम

वैदिक मन्त्र ॐ अग्निर्मूर्द्धादिवः ककुत्पतिः पृथिव्याऽअयम्। अपां रेतां सि जिन्वति।।

भौम गायत्री ॐ अङ्गारकाय विद्महे शक्तिहस्ताय धीमहि तन्नो भौमः प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ अं अङ्गारकाय नमः।।

बीज मन्त्र ॐ हूँ श्रीं भौमाय नमः।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः।।

जप संख्या 10000 (दशसहस्राणि)

भूमिपुत्रो महातेजा जगतो भयकृत्सदा।
वृष्टिकृद्-वृष्टिहर्ता च पीड़ां दहतु मे कुजः।।

बुध

वैदिक मन्त्र ॐ उद्बुध्यस्वाग्ने प्रतिजागृहि त्वमिष्टापूर्त्ते स ठं सृजेथामयं च अस्मिन्त्सध स्थेऽअध्युत्तरस्मिन् विश्वे देवा यजमानश्च सीदत।।

बुध गायत्री ॐ सौम्यरूपाय विद्महे वाणेशाय धीमहि तन्नो सौम्यः प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ बुं बुधाय नमः।।

बीज मन्त्र ॐ ऐं श्रीं श्रीं बुधाय नमः।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः।।

जप संख्या 9000 (नवसहस्राणि)

उत्पातरूपी जगतां चन्द्रपुत्रो महाद्युतिः।
सूर्यप्रियकरो विद्वान पीड़ां दहतु मे बुधः।।

गुरु

वैदिक मन्त्र ॐ बृहस्पतेऽअतियदर्योऽ अर्हाद्युमद्विभाति क्रतुमज्जनेषु यद्दीदयच्छ वसऽऋतप्रजाततदस्मासु द्रविणं धेहि चित्रम्।।

गुरु गायत्री ॐ आङ्गिरसाय विद्महे दिव्यदेहाय धीमहि तन्नो जीवः प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ वृं बृहस्पतये नमः।।

बीज मन्त्र ॐ ह्रीं क्लीं हूँ बृहस्पतये नमः।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरवे नमः।।

जप संख्या 19000 एकोनविंशतिसहस्राणि

देवमन्त्री विशालाक्षः सदालोकहितेरतः।
अनेकशिष्यैः सम्पूर्णः पीड़ां दहतु मे गुरुः।।

शुक्र

वैदिक मन्त्र ॐ अन्नात् परिस्रुतो रसं ब्रह्मणा व्यपिबत्क्षत्रम्पयः सोमं प्रजापतिः। ऋतेन सत्यमिन्द्रियं विपान ठं शुक्रमंधसऽइन्द्रस्येन्द्रियमिदं पयोऽमृतम्मधु।।

शुक्र गायत्री ॐ भृगुजाय विद्महे दिव्यदेहाय धीमहि तन्नो शुक्रः प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ शुं शुक्राय नमः।।

बीज मन्त्र ॐ ह्रीं श्रीं शुक्राय नमः।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः।।

जप संख्या 16000 (षोडशसहस्राणि)

दैत्यमन्त्री गुरुस्तेषां प्राणदश्चमहाद्युतिः।
प्रभुस्ताराग्रहाणां च पीड़ां दहतु मे भृगुः।।

शनि

वैदिक मन्त्र ॐ शन्नो देवीरभिष्टऽआपो भवन्तु पीतये। शंय्योरभिस्रवन्तु नः।।

शनि गायत्री ॐ भगभवाय विद्महे मृत्युपुरुषाय धीमहि तन्ने शनिः प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ शं शनैश्चराय नमः।।

बीज मन्त्र ॐ ऐं ह्रीं श्रीं शनैश्चराय नमः।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः।।

जप संख्या 23000 (त्रयोविंशतिसहस्राणि)

सूर्यपुत्रो दीर्घदेहो विशालाक्षः शिवप्रियः।
मन्दचारः प्रसन्नात्मा पीड़ां दहतु मे शनिः।।

राहु

वैदिक मन्त्र ॐ कयानश्चित्रऽआभुवदूती सदावृधः सखा कया सचिष्ठया व्वृता।।

राहु गायत्री ॐ शिरोरूपाय विद्महे अमृतेशाय धीमहि तन्नो राहुः प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ रां राहवे नमः।।

बीज मन्त्र ॐ ऐं ह्रीं राहवे नमः।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः।।

जप संख्या 18000 (अष्टादशसहस्राणि)

महाशीर्षो महावक्त्रो महाद्रंष्टो महायशाः।
अतनुश्चोर्ध्व केशश्च पीड़ां दहतु मे तमः।।

केतु

वैदिक मन्त्र ॐ केतुं कृण्वन्न केतवे पेशो मर्य्याअपेशसे समुषद्भिरजायथाः।।

केतु गायत्री ॐ पद्मपुत्राय विद्महे अमृतेशाय धीमहि तन्नो केतुः प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ कें केतवे नमः।।

बीज मन्त्र ॐ ह्रीं ऐं केतवे नमः।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ स्रां स्रीं स्रौं सः केतवे नमः।।

जप संख्या 18000 (अष्टादशसहस्राणि)

अनेकरूपवर्णश्च शतशोऽथ सहस्रशः।
उत्पात रूपी घोरश्च पीड़ां दहतु मे शिखी।।

PEACE, WEALTH & PROSPERITY

SSMVASTU



RAJEEV KAUSHIK

Sr. Consultant (Pyra Vastu & Astrology)
(Ex. IAF), BA, OT. TECH. MRHS, FRHS (CAL)

VASTU MAP PLANNER

NEW HOUSES, FACTORY, FARM, HOUSES, MODIFICATION OF FLAT, SELECTION OF LAND, SITE GEOPATHIC STRESS, EMF EFFECTS OF HUMAN BODY IN HOUSES, OFFICES SIGNS AND SYMPTOMS

1. Remedies/Solutions/Counseling
2. Pyra Vastu rectification by positive energies created by use of dimensionally accurate PYRAMID YANTRA placed at plots, Shops, Flats, Offices, Workshop etc.
3. Pyra Yantra enhancing Educational Skills, Profession, Marriage, Harmony, Health and many more.

ROHINI, DELHI, INDIA

Contact : +91-9811531613, E-mail : ssmvastu@rediffmail.com



Mr. Manjit S Flora

Consultant for : Vaastu, Astrology, Numerology, Design Secrets, Chakra & Energy Healings.

Professional for : Geopathic Stress Removal, Home, Offices, Commercial, Retail, Showrooms, Malls, Agricultural Farms, Open Lands

Cell : +91-97172 27880.
Email : floravastu@gmail.com



वास्तुशास्त्र विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय) नई दिल्ली - 110016



1. प्रमाणपत्र (प्रवेशिका) : यह षाण्मासिक प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम स्थापत्य वेद एवं वेदोत्तरवर्ती वास्तुशास्त्र की मूल संकल्पना एवं प्राथमिक जानकारी पर आधारित है।
2. एकवर्षीय डिप्लोमा एवं द्विवर्षीय एडवांस डिप्लोमा : ये दोनों पाठ्यक्रम वास्तुशास्त्र के आधारभूत सिद्धान्तों का जन-जीवन में प्रयोग एवं उपयोग पर आधारित है। इनमें संस्कृत भाषा का भी प्राथमिक ज्ञान दिया जायेगा।
3. शास्त्री (बी.ए.) : यह त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम है, जिसमें वास्तुशास्त्र का वैदिक परम्परा पर आधारित वास्तुशास्त्रीय मूलभूत संस्कृत भाषा में निबद्ध मानक ग्रन्थो के द्वारा विस्तृत अध्ययन किया जाता है।
4. आचार्य (एम.ए.) : यह द्विवर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम है जिसमें वास्तुशास्त्र के प्रमुख प्राचीन आधारभूत मानक ग्रन्थों का विस्तृत और गम्भीर विषयों का प्रायोगिक अध्ययन किया जाता है।
5. विशिष्टाचार्य (एम.फिल.) : यह एकवर्षीय शोधात्मक पाठ्यक्रम है,जिसमें वास्तुशास्त्र के गम्भीर व लोकोपयोगी विषयों पर अनुसन्धान द्वारा नवीन तथ्यों की खेज की जाती है।
6. विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) : वास्तुशास्त्र के गम्भीर, जटिल एवं लोकोपयोगी विषयों पर अनुसन्धान के माध्यम से नवीन तथ्यों की अन्वेषण एवं लोककल्याण के लिये यह गवेषणात्मक पाठ्यक्रम चलाया जाता है।
7. पी.जी.डिप्लोमा : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) द्वारा मान्यता प्राप्त नवीकरण कार्यक्रम (इन्नोवेटिव प्रोग्राम) के तहत 2004 से द्विवर्षीय स्नातकोत्तरवास्तुशास्त्रोपाधि (पी.जी. डिप्लोमा) पाठ्यक्रम चल रहा है।

नोट- विश्वविद्यालय द्वारा संचालित उक्त सभी पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया जुलाई में विश्वविद्यालय के निर्धारित नियमों के अनुरूप सम्पन्न होती है। वास्तुशास्त्र द्वारा षाण्मासिक प्रमाणपत्रीय, एकवर्षीय एवं द्विवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की कक्षायें शनिवार एवं रविवार को सञ्चालित की जाती हैं। शेष पाठ्यक्रम सोमवार से शुक्रवार को विद्यापीठ के कार्य दिवसों में सम्पन्न किये जाते हैं।